

HRA an Isqua The Gazette of India

.**पाधि**कार से प्रकाशित १७६८ऽमहरू हा ४७३म०४८१

सं• 42] No. 42] नई बिस्ली, शनिवार, अक्तूबर 19, 1985 (आश्विन 27, 1907) NEW DELHI SATURDAY, OCTOBER 19, 1985 (ASVINA 27, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिसते कि यह अलग संकलन के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to take Part in artist Chat is may at Medical as a separate compilation)

भाग Ш-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यामालयों, नियम्ब्रक और नहाते बारिश्वित, संघ लोक सेवा अधोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालकों हारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached

and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 मिक्षम्बर, 1985

सं० ए-19011/7/85-प्रशा०- — राष्ट्रपति द्वारा श्रीमती तीता कपूर, ग्राई० डी० ए० एस० को संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में 2 सितम्बर, 1985 पूर्वाह्न से ग्रागामी श्रादेणों तक उप-सचिव के पद पर सहर्ष नियमत किया जाता है।

> एस० पी० जैन श्रवर सचिव (प्रशा०) सघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय संतर्कता स्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

सं० 2/13/84-प्रशासन-केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एदद्द्रारा इस आयोग में डा० रामबाबू वर्मा, सहायक निदेशक (उद्यान), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को सहायक तकनीकी परीक्षक (उद्यान) के पद पर वेतनमान रु० 650-1200 के प्रतिरिक्त 75/- रु० विशेष वेतन प्रतिमाह में 17 नितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर श्रगले श्रादेश रूपानापन्न रूप से नियुक्ति करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होता ग्रवर सचिव (प्रशासन)

(35163)

का०और प्रशिक्षण, प्रशाब्सु०, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग

, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली-110003, दिनांक 23 सितम्बर, 1985

स० ए-19036/2679-प्रशा० 5—सिक्किम सरकार से प्रत्यावित्तित होने पर, श्री एम० एम० राय, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी ने दिनाँक 12 अगस्त, 1985 पूर्वाह्म से, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी में उसी पर पर कार्य भारग्रहण कर लिया है।

दिनांक 24 मितम्बर, 1985

सं० ए-19036/11/77-प्रशासन-5—विशेष जाँच दल (गृह मंत्रालय)/नई दिल्ली से प्रत्यावर्तन होने पर, उत्तर प्रदेश पुलिस से के० अ० ब्यूरों में प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी श्री डी०पी० सिंह द्वारा दिनौक 24 अगस्त, 1985 पूर्वाह्म से के० अ० ब्यूरों में पुलिस उपाधीक्षक के रूप में, कार्यभार ग्रहण किए जाने पर इन्हें एस० आई० सी० (पंजाब सेल) में तैनात किया जाता है।

सं० ए-19020/4/83-प्रशा० 5—राष्ट्रपति, श्री श्रार० के० गुप्ता, भा० पु० सेवा० (पंजाब-1969) की दिनाँक 6 सितम्बर, 1985 पूर्वाह्म से अगले श्रादेश होने तक केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उपमहानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

स्रवर सचिव (प्रशास 6 GJ/85 सं० ए-19020/7/83-प्रणा० 5—राष्ट्रपति, श्री पी० लाल, भा० पुं० सेत्रा (पंजाब: 1969) को 5 सितम्बर, 1985 अपराह्म से ध्रमले धावेश होने तक केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो/ विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19023/3/84-प्रणा०-5--प्रश्यावर्तन होने पर, के० ग्र० ब्यूरो, सा० ग्र० स्कन्ध, मद्रास शाखा में प्रतिनियुक्ति पर लोक ग्रभियोजक के रूप में कार्यरत श्री एस० धनलपान, सहायक लोक ग्रभियोजक, श्रेणी-2 तमिलनाडु की सेवाएं विनांक 31-8-85 ग्रपराह्म से तमिलनाडु सरकार की सौंपी जाती हैं।

दिनांक 25 सितम्बर, 1985

सं० बी-72/66-प्रशा० 5—सिनिकम सरकार से प्रत्या-वर्तन होने पर, श्री बी० श्रार० दुवे ने दिनांक 4 सितम्बर, 1985 पूर्वाह्म से, एस० श्राई० सी०, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली में पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० ए-19029/1/80-प्रशासन 5--राष्ट्रपति, श्री भ्रानिस सूद, तकनीकी प्रधिकारी (लेखा एवं भ्रायकर) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो द्वारा नौकरी से दिया गया त्यागपत्र दिनांक 18 सिलम्बर 1985 श्रपराह्म से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

> म्रार० एस० नागपाल प्रशासन स्रक्षिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेशण क्यूरी

गृह मंत्रालय

महानिषेशालय, के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर, 1985

सं० ए० छ०-9/78-स्था (के० रि० पु०बल)—-राष्ट्रपति जी निम्निलिखित .- श्रीक्षकारियों, को के० रि० पु० बल में संयुक्त सहायक निदेशक (विधि) के पद पर, ६० 1200-50-1600/- वेसनमान में "स्थानान्तरण ग्राधार" पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री एम० एस० हुन्डल
- 2. श्री पी० एन० मागी
- 2 इन्होंने विनाँक 6-9-85 (पूर्वाह्न) से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

दिनाँक 23 सितम्बर, 1985

सं० एफ-2/18/84-स्था (के० रि० पु० बल) --इस महानिदेशालय के ग्रिधिसूचना संख्या-एफ० 2/36/83-स्था० (के०रि०पु० बल) दिनांक 16-5-84 ग्रौर एफ-2/44/83-स्था० (के०रि० पु० बल) दिनांक 13-12-83 के सन्दर्भ में।

 सर्वश्री बी० एस० गिल ग्रीर एस० एच० खान उपाधीक्षक के, सहायक कमाँडेन्ट की प्रोफार्मा प्रमोशन की तारीख, बजाय 4-8-83 घौर 3-8-83 (ग्रपराह्म) क्रमणः को 15-1-84 पढ़ें, जिस धन्तिम तारीख को उनमें से एक वरिष्ठ को के० रि० पु० बल में सहायक कमाडेन्ट के पद पर पदोन्नत किया गया।

(प्राधिकार-गृह मंत्रालय के० यु० वो० नोट संख्या-6496/84-पर्स-2 दिनौंक 2-1-85)

> श्रमोक राज महीपथी सहायक निदेशक (स्था०)

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110 003, दिनांक सितम्बर, 1985

सं० ई-16013(2)/1/81-कार्मिक-1—राज्य सरकार (संवर्ग) को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, श्री एस० के० वर्मा, भा० पु० से० (पंजाब: 67) ने 16 सितम्बर, 1985 के प्रपराह्म से ग्रुप कमांडेंट, के०ग्री०सु०वल ग्रुप मुख्यालय, पटना के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

विनांक 23 सितम्बर, 1985

सं० ई-16013(2)/11/85-कार्मिक-1—राज्य संवर्ग को प्रस्यावर्तित होने के फलस्वरूप श्री गुरवीन्द्र सिंह भुल्लर, भा० पु० से० (पंजाब: 69) ने 9श्रगस्त, 1985 के श्रपराह्म से कमांडेंट के० ग्री० सु० ब० यूनिट, भाई० एस० ग्रार० ग्रो० थुम्बा, में कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 25 सितम्बर, 1985

सं० ई-31013(2)/1/85-कार्मिक-1—राष्ट्रपति, निम्न-लिखित ग्रधिकारियों की सहायक कमांडेंट के रूप में तवर्ष नियुक्ति को 18-8-86 तक या नियमित चयन किए जाने तक जो भी पहले हो, बनाए रखते हैं:--

ऋ० ग्रधिकारीकानाम

सं ०

1 2

- सर्वश्री 1. नथुनी राम
- 2. पी० डी० खुल्लर
- 3. डी॰ग्रार० जांगडा
- 4. पी०सी० एस० गुलेरी
- 5. एम० छेतरी
- 6. ग्रार० एस० खन्नी
- 7. डी०टी० मुरलीधरन
- १. एस० एन० दुग्गल
- 9. जी०सी० थपलियास
- 10. एस० पी० सक्सेना
- 11. श्रशीष मोइस्रा
- 12. एस० एन० राव
- 13. आर० सी० प्रसाद
- 14. अशोक वोहरा
- 15. जे० एस० सैनी

1 2	-	1 2	3 4
 सर्वेश्री		सर्विश्री	
15. डी०सी० सूरज		10. एस० सी० मिश्रा	5-9-85 आईग्रोसी०,
15. के० यमुदासु		• •	(पूर्वाह्म) बरौनी
18. आर०डी० पाल		1.1. वी० पी० प्रभु	6-9- 8 5 पीपीटी,
19. एस० आर० दहिया			(पूर्वाह्न) पारादीप
20. एस०एन० बाग		12. जी०एस०के० नायर	7-9-85 सीपीटी,
21. के० के० निरंजन			(अपराह्न) कलकत्ता
		13. सी०एस०जी० शर्मा	31-8-85 डीटीपीएस,
	/1/85-कार्मिक1-राष्ट्रपति, प्रोन्नति		(पूर्वाह्न) दुर्गापुर
	क (कार्यपालक) को उनके नाम के	14. एस० सी० सकलानी	7-9-85 सीपीटी,
·	से 18 अगस्त, 1986 तक या ऐसे	-	(अपराह्म) कलकत्ता
•	न्तयां किए जाने तक, जो भी पहले हो, तथा अस्थाई रूप से केन्द्रीय औद्योगिक	15 डी० एस० मेहरा	21-8-85 बी ०एस०एल
• •	तिया अस्या ६ रूप सं कन्द्राय आधारणक डिंट के रूप में नियुक्त करते हैं:—	10 21- 14- 16.1	(पूर्वाह्म) बोकारो
7 2411 2 2 2 1 11 15 14 25 14 11		१० व्यक्ति संस्थान	
० अधिकारी का नाम	सहायक के ॰ग्नी॰ सु०ब०यृनिट	16. श्रोम प्रकाश	5-9-85 सीसीडक्स्यू०ओ (श्रपरान्ह) धनवाद
ि आधकाराकानाम हि	सहायक के ०ग्नी० सु०ब०यूनिट कमां डें ट		(अगरान्ह) जगवाप
10	(तदर्थ) के	17. टी०डी० गोस्वामी	31-8-85 "गार" सेन्टर
	रूप में		(अपराह्न)
	कार्यभार .		——————————————————————————————————————
	संभालने की		़ डी० एम० मिश्र
	तारीख		महानिदेशक केनोसुब
1 2	3 4		
सर्वश्री			
1. एस०एस० शुक्ला	2-9-85 डी॰एस॰पी॰	नई बिल्ली, विनाक	27 सितम्बर 1985
	(पूर्वाह्न) दुर्गापुर	सं० ई० 16013(1)/2	:3/85-पर्स ० 1 (सी० आई० एस.०
2. कुटण चन्द्र	. 19-8-85 ग्रुप मुख्यालय <i>;</i>	एफ०)पर्स० 4राष्ट्रपति	भारतीय पुलिस सेवा, उड़ीस
	(पूर्वाह्म) पटना	,	्एम० मिश्र को महानिदेशक
3. वी० के० खोसला	25-8-85 एन०एफ०एल०,	-	के पद पर तारीख 31-8-198:
O1 11 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 -	(पूर्वाह्न) नागल	अपराह्म से अगले आ देश तक वि	नयुक्त करत ह।
4. एन ्बी ० स क् सेना	31-8-85 सला ल प्रोजेंस्ट		कंवल नाय
w. State and	(पूर्वाह्न)		नि देश क
5. জী০ एল ০ আৰি	30-8-85 आर०एस०पी०		
ः जारु द्वराज्यवा	(पूर्वाह्न) राउरकेला	,	
^ > ·	•	विस	ा मंद्रा <i>लय</i>
 वी०के०गुप्ता 	28-8-85 एम०यू०एल०,	आर्थिक	कार्य विभाग
	(अपराह्न) गुड़गांव		
7. एस० पी० यादव	5-9-85 एल०पी०पी <i>०</i>	वैंक ने	टि मुद्रणालय

देवास-455993, दिनांक 22 सितम्बर 1985

नस्ती कि बी० एन० पी०/सी०/5/85—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24—3—85 के अनुक्रम में श्री पी० वी० वर्गीस की तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी के पद परवाक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 21.9-85 से

8. एन० के० स्थामी

सन्दी० एस० भिन्डर

(पूर्वाह्न)

28-8-85

(पूर्वाह्न)

नौगांव

एमआईग्रोपी,

मेघाहातुबु र

22-8-85 एफ एस टीपीपी,

(अपराह्न) फरक्का

6 माह के लिए अथवा पदपर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, नियुक्ति की अविध बढ़ाई जाती है।

> मु०वै० चार महाप्रबन्धकः

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 सितम्बर 1985

सं० 22-वा० ले० प० 1/33-87—महालेखाकार-II उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कार्यालय के श्री बी० एस० गुप्ता, लेखा-परीक्षा अधिकारी (वा०), जो इस समय दिल्ली राज्य ग्रीद्योगिक विकास निगम, नई दिल्ली में बाह्य सेवा पदपरथे) अपनी अधिवाषिता आयुप्राप्त करने पर दिनांक 31-8-85 (अपराह्म) से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

सं० 23-सी०ए०1/73-69-महालेखाकार (लेखापरीक्षा) आसाम, मेघालय, आदि, शिलांग के कार्यालय के श्री एच० सी० चक्रवर्ती, लेखापरीक्षा अधिकारी (बा०) अपनी अधिवार्षिता, आयुपूरी करने पर दिनांक 31-7-85 (अपराह्म) से सेबा-निवृत्त हो गए हैं।

के० पी० लक्षमण राव सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०)

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 सितम्बर 1985

सं० प्रशासन 1/कार्यालय आदेश सं० 251 — निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व- I, इस कार्यालय केश्री बी० के० गर्ग, स्थायी अनुभाग अधिकारी अब सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के वेतन क्रम 840 1200 रू० में 13-9-85 (अपराह्म) से आगे आदेश आन तक नियुक्ति करते हैं।

(ह०)अपठनीय उप निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम मध्यप्रदेश ग्वालीयर दिनांक 20 सितम्बर 1985

क्रमांक प्रणा० एक/ले० अ०/प्रमो०/1391—महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम म०प्र० ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखा अधिकारी को स्थानापन्न लखा प्रधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 840-401000-द० रॉ॰-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शा दिनांक से आगामी आदेश तक पदोशत किया गया है:--

च <u>च</u> == %मांक	नाम	स्थायी क्रमांक	पदोन्नति दिनांक	—— का
1. ধা	जी०एस० सिंह	02/438	5-8-85 (पूर्वाह्म)	

प्राधिकारी:---महालेखाकार)लेखा एवं हकदारी) प्रथम के आदेण दिनांक 1-8-85

> पी० **मुखर्जी** वरिष्ठ उ५-महालेखाकार (प्रणा०)

महालेखाकार (लेखा तथा श्रधिकार) का कार्यालय उड़ीसा

भुवनेण्वर, दिनांक 24 सितम्बर 1985

सं० ग्रा० न०-40--उड़ीसा के महालेखाकार (लेखा तथा ग्रिधकार) ने हर्ष के साथ भारतीय लेखा तथा लेखा-परीक्षा विभागीय (प्रणासनिक ग्रिधकारी, लेखा ग्रिधकारी ग्रौर लेखापरीक्षा ग्रिधकारी) नियुक्ति नियमावली, 1969 के प्रनुसार इस कार्यालय के ग्रनुभाग ग्रिधकारी श्री कृष्ण चन्द्र महापान को वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-1200 पर दिनाँक 3-9-85 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश तक लेखा श्रिधकारी के पद परस्थानापन्न के तौर पर नियुक्त किया है। यह पदोन्नति ग्रस्थायी तौर पर है ग्रौर उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन मामलों के ग्रन्तिम निर्णय के गर्त पर है ग्रौर उनके वरिष्ठ कर्मचारियों के दावों को पक्षपात किये विना है।

के० एस० मेनन् वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रकासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा), राजस्थान अयपुर, दिनांक 23 सितम्बर 1985

कर्मांक प्रशासन-I (लेप)/18-10/1317—महालेखाका (लेखा परीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्नलिखित श्रनुभा अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा श्रधिकारियं (ग्रुप "बी" राजपित्रत) के पदों पर, जिसका वेजनमान, 650 30-740-35-880-द० श्र०-40-1040 है, प्रत्येक के सम्मुर निर्दिष्ट निथियों से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए सहर्ष पदोन्न करते हैं:—

सर्वश्री

1.	विनोद कुमार श्रग्रवाल	ſ	•	•	31-7-8:
2.	हीरा सिंह		•	•	7.)
3.	विद्यासागर गर्मा				,,
4.	रवीन्द्र नाथ गर्मा				·

	सर्विश्री				
5.	राम स्वरूप सिंह पूनि	पाँ			13-7-85
	सी० बी० माथुर		٠		1 7
7.	गोपाल लाल शर्मा-III	I	•		٠,
8.	माथन चाको		•	•	11
9.	ग्रोम प्रकाश गुप्ता		+	•	* *
10.	यशपाल	•	•	•	,,
11.	बद्री प्रसाद शर्मा	•			1)
12.	नन्द राम चित्तोड़िया		•	•	"
	नागर मल		•	,	,,
14.	देवकी नन्दन गोयल		•		1-8-85
15.	चतर सिंह मोदी				19-8-85

कर्मांक प्रशासन-1 (ले॰ प॰)/18-10-महालेखाकार (लेखापरीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा प्रधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा प्रधिकारी (ग्रुप ''बी'' राजपित्तत) के पदों पर, जिसका वेतनमान 840-40-1000-द० अ॰-40-1200 है, प्रत्येक के सम्मख निर्दिष्ट तिथियों से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए सहर्ष पदोन्नत करते हैं:

फ । मं ०			पदो भ्रति तिथि
			
 राजकुमार जैन . 			26-6-85
2. सत्य पाल मेहना .			24-6-85
 प्रकाश चन्द माथुर . 			7 7
 राजेन्द्र सिंह वर्मा 		-	1)
5. किमन लाल वाधवा		٠	,,
6. गंगाधर नन्द लाल वोधा			28-6-85
् 7. झामन धरम दास भागचन्दानी			1)
 दूलीचन्द बिनायक 		•	1 1
 जोगेन्द्र सिंह जब्बल 	i	•	5 1
10. भागी सुन्दर द्विवेदी	• ,		9-7-85
11. हीरा लाल पालीवाल			15-7-85
12. नासिरूदीन कुरेशी			26-8-85
13. बाब् लाल बाकीवाला	•		",
14. पन्नालाल मलेटी		•	,,
15. शम्भू सरन दलेला		•	28-8-85

ग्रमिताभ मुखोपाध्याय उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, पश्चिम बंगाल कलकत्ता-1,दिनोंक 10सितम्बर 1985

सं० प्रशा० I/1038-XXI/1752---महालेखाकार-प्रथम. पश्चिम बंगाल ने श्रगले श्रादेश तक निम्नलिखित स्थायी अन- भाग प्रधिकारियों को तदर्थ तथा श्रस्थायी तौर पर लेखा/लेखा-परीक्षा अधिकारियों के हैंसियत में, अस्थायी और स्थानापन्न रूप से, 10-9-85 (पूर्वाह्न) से, कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय एवं कार्यालय महालेखाकार-तृतीय पश्चिम बंगाल में, लेखा श्रधिकारी के पद पर तथा कार्यालय निदेशक, लेखापरीक्षा केन्द्रीय कलकत्ता में, लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है:---

ऋम	नाम
संख्या	
	<u> ب. ب. ب. ب. ب. ب. ب. ب. ب. كه چور ب اين "ببت بي به بي </u>

सर्वश्री

- 1. स्मृति कुमार सेन
- 2. गोष्ठ बिहारी चौधरी
- तुषार कान्ति मुखर्जी
- 4. सोरेन्द्र मोहन भट्टाचार्य
- सत्येन्द्र नाथ दास
- 6 मृणाल कुमार पाल
- 7. रामलाल साहा
- 8 प्रलोक कुमार चौधरी
- 9. मदन मोहन जस
- 10 भ्रमिय कुमार सेनगुप्त
- 11. पंचानन मुखर्जी-I
- 12. देवेन्द्र नाथ दे
- 13 श्रीनाथ विश्वास
- 14. ग्रनिल कुमार सरकार-¹1
- 15. चित्त रंजन दास-IV
- 16 राखाल रंजन सेन
- 17. परिमल कुमार सरेन
- 18. ग्रजिन्त्य कुमार चन्द्र
- 19. बालेण्यर प्रसाद गौड़

इसे स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि लेखा/लेखापरीक्षा ग्रधि-कारी के संवर्ग में पूर्वाक्त प्रोन्नतियां जब तक कलकता उच्च न्यायालय में एक मुक्दमें में निर्णय निलम्बित रहे, तब तक पूर्णतया ग्रस्थायी रूप से हैं ग्रौर भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किए गए 1979 के सी०/ग्रार० केस सं० 14818 (डब्ल्यू) के ग्रन्तिम फैसले के ग्रधीन हैं।

नये प्रोन्नत श्रधिकारियों को एक माहके अन्दर विकल्प देना होगा।

उनकी प्रोन्नति पर, उनके वेतन पहले एफ० आर० 22-सी के प्रधीन निर्धारित करना चाहिए भ्रौर यदि वे एक माह के निर्धारित अवधि के श्रन्दर दिनांक 26-9-81 के श्रो० एम० के पैरा-2 (ख) के श्रनुसार, विकल्प देते हैं तो उनका वेतन, उनकी प्रोन्नति के दिनांक के एफ० श्राग्० 22 (क) (I) के श्रधीन तथा उसके बाद प्रदायक (फीडर) पद पर, परवर्ती वेतन विक्र के दिनां से एफ श्रार० - 22 सी के अधीन पुनर्निर्धारित करना चाहिए।

> डी० मिश्र वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रगा०)

श्रम मन्द्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद-826001, दिनाँक 23 सितम्बर 1985

सं० 7 (2)84-प्रभा०बा/12369—श्री के० एम० रघुरमण, श्रामुलिपिक ग्रेड- I को दिनाँक 1-7-1985 (पूर्वाह्न) से खान सुरक्षा महानिदेशालय में स्थानापन्न रूप में प्रमासनिक ग्रिधकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सं० 7(2)84-प्रशा०-1/12376--श्री एस० भट्टाचार्य, सहायक प्रशासनिक ग्रिधिकारी को दिनाँक 1-7-1985 (पूर्वाह्र) से खान सुरक्षा महानिदेशालय में स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक ग्रिधकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सं० 7 (2)84-प्रशा०-1/12383--श्री जी० एस० मिथारू, श्रधीक्षक को दिनांक 1-7-1985 (पूर्वाह्म) से अगले श्रादेश तक खान सुरक्षा महानिदेशालय में तदर्थ रूप से प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर पदोक्षत किया गया है।

सं० 7 (2)84-प्रशा०-1/12390—श्री एम० मझडल, श्रधीक्षक को दिनाँक 1-7-1985 (पूर्वाह्न) से श्रगले आदेश तक खान सुरक्षा महानिदेशालय में तदर्थ रूप से प्रशासनिक श्रधिकारी के पद पर पदोक्षत किया गया है।

सं 7 (2) 84 प्रशा०-12397--निम्मलिखित अधीक्षकों को उनके नाम के सामने दीं गई तारीख से खान सुरक्षा महानिदेशालय में सहायक प्रशासनिक श्रिधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नत किया गया है:--

न [म	तिथि
1. श्री बी० ए० राजेल	1-7-85 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० एन० पान	1-7-85 (पूर्वाह्न)
3. श्री जी० सी० सेनगुप्सा	1- 7-85 (पूर्वाह्न)

सं० 7(2)84-प्रशा०-1/12404--निम्नलिखित श्रधी-क्षकों को उनके नाम के सामने वी गई तारींख से खान-सुरक्षा महानिदेशालय में तवर्थ श्राधार पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नत किया जाता है:--

<u> </u>	_	नाम				तिथि
1.	श्री	ग्रार०	वी०	भट्टाचार्य	1-7-85	(पूर्वाह्न)
2.	श्री	ग्रार०	ए न०	सेन	1-7-85	(पूर्वाह्न)

सं० 7(2)84-प्रणा०-1/1241.1--श्री एम० एम० मंडल, दिनांक 1-7-85 (पूर्वाह्म) से लेखा पाल तथा निम्त-लिखित प्रधान लिपिकों को उनके नाम के सामने दीं गई तिथियों से खान सुरक्षा महानिदेशालय में तदर्थ रूप से सहायक प्रणासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नत किया गया है:---

नाम	तारीख		
1 श्री जीतेन मुखर्जी	1-7-85 (पूर्वीह्न)		
2 श्री एंज० सी० चक्रवर्ती	3 7 85 (पूर्वीहा)		
3. श्री ए० एस० पाल	1-7-85 (पूर्वाह्म)		
4 श्री द्वारका प्रसाद	1-7-85 (पूर्वाह्म)		
5. श्री डीं० पी०श्रीवास्सघ,	1-7-85 (पूर्वाह्स)		
	वीं० च० मर्ग		
	खान सुरक्षा महानिदेशका		

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्राखय औद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, विनोक 25 सितम्बर 1985

सं० 12(119)/61-प्रशां०(रा०)---राष्ट्रपति श्री बी० राय, उप निवेशक (यांत्रिक) लं० उ० से० संस्थान, लुधियाना को निवर्तन की ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-8-85 (ग्रपारह्म) से सेवा-निवृत्त होने की श्रनुमति देते हैं।

सं० ए० 19018(783)/85-प्रका०(रा०)--राष्ट्रपति, श्री क्रंबल जींत सिंह को ल० उ० से० संस्थान, गुवाहटी के श्रधीन विस्तार केन्द्र, जोग्हट में, 17-6-1985 (पू०) से श्रगले श्रादेशों तक सहायक निदेशक (ग्रेड-1) यांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रणासन अनुभाग ए- 6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

सं० ए०-6/247(86)—राष्ट्रपति, सहायक निदेशक निरीक्षण (इंजी०) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" (इंजीनियरी गाखा के ग्रेड-III) श्री ओ० डी० सागर को दिनांक 15-7-85 के पूर्वाह्न से आगामी श्रादेशों तक 1100 (छठा वर्ष अथवा कम) -50-1600 रु० के वेतन मान में स्थानापन्न रूप में उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-II) नियुक्त करते हैं।

2. श्री ओ० डी० सागर ने दिनांक 15-7-85 के पूर्वाह्म में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (इंजीं०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 15 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्म में निरीक्षण निदेशक, नई दिल्ली के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

3. उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) के रूप में श्री ओं० डी० संगर की नियुक्ति भारतीय संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर तीन एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83 और 69/83 तथा उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) श्री एस० सी० श्रानन्द द्वारा वस्बई उच्च न्यायालय में दायर और दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानान्तरित उब्ल्यू० पी० सं० 3001/83 और 35/83 जो श्रभी दिल्ली उच्च न्यायालय में लिम्बत हैं और श्री ओं० डी सांगर द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर डब्ल्यू० पी० सं० 1277/78 के निर्णय के श्रधीन हैं।

श्रार० पी० शासनी उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान एवं कोयला मन्नालय खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1985

> जी० सी० णर्मा सहायक प्रणासन श्रधिकारी इति महानियंद्यक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 20 सितम्बर 1985

सं० एफ० 2-16/83-स्था०---डॉ० पी० मी० टॉक को भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, उच्ज उच्छाय प्राणिशास्त्र क्षेत्रीय केन्द्र, सोलन में रु० 650-1200 के वेतनमान में, सहायक ाणिविज्ञानी (समूह छ) के पद पर 28-8-1985 से अगले श्रादेश तक, श्रस्थायीं रूप मैं नियुक्त किया गथा।

डा० बी० के० टिकादर निदेशकज

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, विनांक 20 सितम्बर 1985

सं० ए० 220-2/118/84 सी०- एच०- एस०-2/पी० एच० (ग्राई० एच०)- -स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के 18 श्रप्रैल, 1985 के कार्यालय श्रादेश सं० ए० 22012/118/84 सी० एच० एस०-2/पी० एच० (ग्राई०- एच०) के तहत निम्नलिखित श्रीधकारियों का तबादला हो जाने के फलस्वरूप, इन श्रीधकारियों ने श्रपने नाम के सामने दिए गए कार्यालय में/से श्रपना कार्यभार संभाल/छोड़ दिया है:--

क्रम० सं० श्रधिकारी का नाम	कार्यभार छोड़ना	कार्यभार ग्रहण करना
1. डा०एस०डी खोसला	हवाई पत्तनं स्वास्थ्य कार्या- लयः, दिल्ली हवाई पत्तन में 14 मईं, 1985 (पूर्वाह्न) से सहायक हवाई पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी	केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में 14 मई, 1985 (ग्रपराह्न) से चिकित्सा ग्रधिकारी के पद को ग्रहण करना।
2. डा०एस० श्रारं० श्रग्नधाल	के पद से कार्यभार छोड़ा केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली दक्षिण क्षेत्र (जोन) में 13 मई, 1985 (पूर्वाह्म)से चिकित्सा श्रीध- कारी के पद को छोड़ दिया।	हवाई पत्तन स्वास्थ्य कार्यालय, दिल्ली हवाई पत्तन में 13 मई, 1985 (श्रपराह्न) से सहायक हवाई पत्तन स्वास्थ्य ग्रधिकारी के पद ग्रहण करना।

नई विल्लीं, दिसांक 24 सितम्बर 1985

सं० ए० 12026/4/84-एम० (एफ० एण्ड एस०)--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जी० लेनिन कामाची को 19 श्रगस्त, 1985 पूर्वाह्म से जवाहरलाल स्नातकोत्तर जिल्हिसा शिक्षा एवं श्रनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, में वैशानिक श्रीधवारी-सह-ट्यूटर (कार्माकोलोजी) के पद पर श्रम्थाई ग्राधार पर नियुक्त किया है।

> पी० के० घर्ड उप निदेशक प्रशासन (सीं० एण्ड बीं०)

खाद्य तथा नागरिक श्रापूर्ति मंत्रालय

्खाद्य विभाग

शर्करा निदेशालय

नई दिल्लीं-110001, दिनांक 19 सितम्बर 1985

मं० ए० 19012/26/70-स्था० खंड-П--- मर्करा निदेशालय के श्री एल० डी० के बलरमानी, स्थायी अनुभाग श्रीधकारी (लेखा एवं सांध्यिकी) के पूर्ण अस्थाई और तद्य श्रीधार पर २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में इसी निदेशालय में निरीक्षण श्रीधकारी (शर्करा) (ग्रुप "बीं०" राजपत्रित) के पद पर स्थानापन्न के श्रीधार पर 20 श्रगस्त, 1985 (पूर्वाह्म) से 31-1-1986 तक या श्रगले श्रादेश मिलने तक जो भी पहले हो नियुक्त किया गया है।

दिनांक 24 सितम्बर 1985

सं० ए० 20012/27/70-स्था०--शर्करा निदीशालय के श्री एम० एल० एन्टोनीं, सहायक (लेखा एवं सांख्यिकी) (प्रवरण कोटि) को पूर्ण श्रस्थाई और तब्ध श्राधार पर क० 500-20-700-द० रो०-25-900 के वेतनमान में उसीं निदेशालय में श्रनुभाग श्रधिकारी (लेखा एवं सांख्यिकी) (ग्रुप "बी०" राजपतित) के पद पर स्थानापन्न के श्राधार पर 28 श्रगस्त, 1985 पूर्वाह्म) से 21-1-1986 तक या श्रगले श्रादेश मिलने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त किया गया है।

मीं० लक्ष्मी रतन संयुक्त मचिव (जकरा)

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांकः 23 सितम्बर 1985

सं० पीं० ए०/73(12)/85-श्रार०-4/970-नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुमधान केन्द्र, डा० (कुमारी)
तहीं नियानी वीणा लक्ष्मणयास को नियासी चिकित्सा श्रिधवारी
पद पर इस श्रनुमंधान केन्द्र के श्रार्यु विज्ञान प्रभाग में जून 10.

1985 पूर्वाह्म) म श्रमस्त 17, 1985 (श्रपराह्म) तक श्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

> ्रम० डी० गाडगिल उप स्थापना अधिकारी

परमाण् ऊर्जा विभाग

कय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 19 सितम्बर 1985

मं० कभीत/41/16/85-प्रा०/6677--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायीं क्रय सहायक, श्री के० टीं० लक्ष्मणन को इसी निदेशालय में दिनांक 17-6-1985 (पूर्वाह) से 20-7-1985 (प्रंपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रों०-35-880-40-1000-द० रों०-40-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक क्रय अधिवारी के पद पर नद्यं ग्राधार पर स्थानापक रूप से नियुक्त किया तु, यह नियुक्ति सहायक क्रय अधिकारी श्री के० बालंगा-धरन के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त श्रवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

पी० गोपालन प्रमासन प्रधिकारी

भारीं पानी परियोजनाएं बम्बई-400 008, दिलांक 20 सितम्बर 1985

मं० 05012/भ-3/स्थ० पदों/3523—भारी पानी परि-योजनाओं के प्रधान कार्यकारीं, भारी पानी परियोजना (कोटा) के श्रीं बीं० पीं० शर्मा, सहायक लेखा ग्रधिकरीं। को इसी कार्यालय में श्रस्थाई रूप में तदर्थ श्राधार पर 13 मई, 1985 (पूर्वा०) से 29 जून, 1985 (प्रप०) तक के लिए, श्री डीं० एम० इमरानीं, लेख ग्रधिकारीं— II जो छुट्टीं पर हैं, के स्थान पर स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारीं —II नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 सिसम्बर 1985

सं० 05012/म-5/स्था० पदी०/3586—भारी पानी परियोजना परियोजना के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (तलचर) के श्री शिवचरन हींमा विख्या, उच्च श्रेणी लिपिक को इसी कार्यालय में ग्रस्थाई रूप से, तदर्थ धाधार पर, 6 जून, 1985 (पूर्वा०) से 6 जुलाई, 1985 (प्रप०) तक के लिए श्री डीं० एन० नायर, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी जो छुट्टी पर हैं के स्थान पर स्थानापन्न महायक कार्मिक ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

मं० 05012/भ-4/स्था० पदी०/3587---भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारीं, भारी पानी संयंत्र (तूतीं-कोरिन) के श्री ए० जोन स्टीफन, प्रवरण श्रणी-लिपिक

को इसी कार्यालय में ग्रस्थाई रूप से, तदर्थ श्राधार पर 17 जून, 1985 पूर्वा०) से 27 जुलाई, 1985 (ग्रप०) तक के लिए, श्री जी० पद्मनाभन, सहायक वार्मिक श्रिधकारी जो प्रशासन ग्रधिकारी—III नियुक्त वि.ए. गए हैं, के स्थान पर स्थानापश्न सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी

इसरी उपग्रह केन्द्र प्रशासन श्रधिकारी

ग्रन्तरित्र विभाग

बेंगलूर 560017, दिनांक 24 सितम्बर 1985

सं० 020/1(15.4)/85---स्थापना-इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र बेंगलूर के श्री एस० बी० रेचण्णकर, वैज्ञानिक/श्रभियंता "एस० बीं०" से प्राप्त स्थाग पक्ष को दिनांक 23 श्रगस्त 1985 के श्रपराह्म से स्वीकार करते हैं।

> एच० एस० रामदास प्रशासन ग्रधिकारी--II

महानिवेशक नागर विभानन का कार्यालय नई विरुत्ती, विनांक 5 सितम्बर 1985

सं० ए० 32014/1/83-ई० ए० — महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित सहायक विमान क्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति को (नियमित कर दिए गए हैं) प्रत्येक के नाम के सामने दी गई अवधि के लिए जारी रखने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

 本。	- "	नाम सर्व/श्री –		दिनांक	
सं०	नाम सव/श्री			तक	
1. एस०	बी० डे		1-8-84	13-2-85	
2. वी० ई	ो० यादव		17	11	
3. वी० र	'गानाथन .		11	11	
4. एच०	एन० क्रिसल		11	11	
5. आर०	के० कपूर .		"	"	
6. आर०	एल० रोष्ट्रा 🕝		");	
7. ए० अ	ार ० मितरा	•	1)	11	
8. जी० स	गि० सरकार		"	"	
9. স্তীণ 🤻			11);	
10. बी० ट			71	"	
11. नाषी	प्रसाद .		13	, n	
12. आर०	के० शर्मा		"	"	
13. आर०		•	11	1)	
14. एस०	पी०सिंह .		11	11	
15. एस०	सुन्नामण्यन .		n	11	

1 2		3	4
16. एम० जे० मोटवानी	,	1-8-84	13-2-85
17. सी०एम० त्रिपाठी	1	1)	13
18 विजय शर्मा		1)	"
19. एस० मनोहरन .		"	11
20. आर० जी० धिआल		1)	"
21. एस०पी०गौतम		11	11
22. राजा राम .))	1-4-85
2.3. आर० आर० कुटील		71	1-5-85
24. बी० सी० मंधोरा		"	1-6-85

एम० भट्टाचार्जी उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई विल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1985

सं० ए०-32013/14/84-ई० सी०—राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के श्री के० सुरिन्दर, वरिष्ठ तकनीकी अधिक कारी को दिनांक 28 मई, 1985 से ग्रौर अन्य आदेश होने तक, नियमित आधार पर सहायक निदेशक संचार के पद पर नियुक्त करते हैं।

> वी० जयचन्द्रन उपनिदेशक प्रशासन क्वते महानिदेशक नागर विमानन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 16 सितम्बर 1985

सं० 1/564/85-संस्था०---विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एस० गोपालन को 11-3-85 से 25-3-85 (दोनों दिनों सहित) तक एक अल्पकालीन रिक्त स्थान पर उसी शाखा में स्थाना-पन्न रूप में उप परियान प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 सितम्बर 1985

सं० 1/563/85-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्दारा मद्रास के पर्यवेक्षक, श्री जी० रामकृष्णन को 4 जुलाई, 1985 के पूत्रिह्न से श्रागामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/567/85-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा वि० सं० से०, नई दिल्ली के पर्यवेक्षक, श्री रासिन्दर सिंह को 4 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शास्त्रा में स्थानापक रूप से उप परियात प्रबंधक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> र० का० ठक्कर उप निदेशक (प्रशा०) इते महानिदेशक

उचोग भीर कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं इकनामिक सैरफ रिलायंस एसोसिएशन के विषय में

बम्बई, विनांक 16 सित्तम्बर 1985

सं० 682/19130/560 (3)—कम्पनी अधि-नियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अबसान पर इकनामिक सैरफ रिलायंस एसोसिएशन का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर हिमालायन होम्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 16 सितम्बर 1985 की घारा

सं० 686/24105/560(3)— कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 530 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिमालायन होम्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उनत कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर भारत हायर पर्चेज एण्ड फाइनैन्स कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, विभांक 16 सितम्बर 1985

सं० 681/16020/560(3)——कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में
एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास
के अवसान पर भारत हायर पर्चेज एण्ड फाइनैन्स कम्पनी।
लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशात न किया गय
तो रिजिस्टर के काट दिया जायेगा भीर उक्त कम्पनी
त कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं सैलिना एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 16 सितम्बर 1985

सं० 688/24099/560(3)—कम्पनीः अधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सैलिना एस्टेट्स प्राइवेंट लिमिटेड का नाम इसके कारण प्रतिकूल कारण विधात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा ग्रीर उक्त कम्पनी विधाटित कर दी जायेगी।

> कस्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं वेस्टर्न इंडिया मिनरल्स एसोसिएशन के विषय में।

> > बम्बई, दिनाँक 16 सित्तम्बर 1985

सं० 622/9733/560(3)—— कस्पती ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रमुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर वेस्टर्न इंडिया मिनरल्स एसोसिएशन का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कस्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर राकवेल इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। बम्बई दिनॉक 16 सितम्बर 1985

सं० 670/14730/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की घारा की उपधारा 560(3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राकवेल इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेट का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से कांट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसोना प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनाँक 23 सितम्बर 1985

सं० 693/4039 560(3)— कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि उस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैसोना प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उकत कम्पनी विवटित कर दी जाएगी।

श्रोम प्रकाश जैन कम्पनियों का मितिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई कम्पनी श्रधिनियम, 1956 तथा दुबे फईनेन्स (जे॰ एण्ड के॰) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में श्रीनगर,दिनौंक 1 सितम्बर 1985

सं० पी० सी०/560/2064—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर दूबे फाईनेन्स (जे० एण्ड के०) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना रजिस्ट्रार ग्राफ कम्पनीज जम्मू व कश्मीरः श्रीनगर

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 तथा मूबी मेकसे प्रडवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 17 सितम्बर 1985

सं० 24681/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मूदी मेकसे प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणात न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

पवित्र कुमार चटर्जी कम्मतियों का श्रतिरिक्त राजस्ट्रार, पश्चिमबंगाल

म्रायकर भ्रपोलीय श्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनौंक 13 सितम्बर 1985

सं एफ । /48-ए । डी । /ए । टी । /1985 — श्री एस । के । विश्वास जो कि श्रायकर ग्रंपीलीय श्रधिकरण, ग्रमृतसर न्यायपीठ

भ्रमुतसर में स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर श्रस्थाई हैंसियत में सहायक पंजीकार के रूप में कार्य कर रहे हैं, को दिनाँक 13 सितम्बर, 1985 के श्रपराह्म से श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में अधीक्षक के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

सं० एफ०/48/ए० डी०/ए० टी०/85—श्री एस० वी० नारायणन, श्रायकर भपीलीय श्राधकरण बम्बई के श्रध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक, जिन्हें इस कार्यालय की श्रिधसूचना कर्मांक एफ/48/ए० डी०/ए० टी०/85 दिनांक 24 जुलाई, 85 द्वारा 1 जुलाई 1985 से 2 माह की श्रवधि के लिए श्रस्थाई हैसियत में तदर्थ श्राधार पर श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से जारी रखा गया था को, दिनांक 1 सितम्बर, 1985 से श्रीर 3 माह की श्रवधि के लिए श्रथवा उक्त पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, भायकर श्रपीलीय भिध्य करण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकरण की उसी हैसियत में बने रहने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

2. उपरोक्त नियुक्ति तदर्थं है, तथा इससे श्री एस० बी० नारायणन को उक्त श्रेणी में नियमित नियुक्ति का ग्रिधिकार प्राप्त नहीं होगा । उनके द्वारा इस श्रेणी में तदर्थ ग्राधार पर की गई सेवा की गणना ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए ग्रथवा ग्रागामी उच्च वर्ग में पदोग्नित हेतु पालता के लिए न हीं की जाएगी ।

> चि० जी० फुष्णमूर्ति ग्रज्यक्ष

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जासन्धर, दिनाँक 16 मितम्बर 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5852-5853--श्रतः मुझे, जै० एस० गिरधर,

आयक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. में अधिक हैं

मौर जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को प्रविक्ष सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्णमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे कह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रिश्चित से अधिक हैं और अन्तरक (अन्त कों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिया रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय करी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधि थिए, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकः नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उदत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री सतीश कुमार कोहली, पुत्र श्री गोविन्य राम, 616 श्रार०, माडल टाउन, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र साल सिंह,
 227-एल० माडल टाउन जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन की अविध मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अपिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्मक्ति हवाका;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की ताहीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 4302, 4328, जनवरी 85 दिनाँक को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त ्निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-9-1985

मोहर:

प्रकृत् भाष्ट्री, सी. यह 🗟 🔻 . 🕬 🔊 🕬

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 कः .3) की पाण 269-भ (1) की अभीत क्षणः

भारत ५ एका ।

कार्यालय, सहायक नायकर काजनत (अरक्षिक)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनाँग 10 सिनम्बर १९८५ -

निदेश सं० ऐ० पी० स० 5854-5833---अतः मुझे जे० एल० गिरधर,

नामकर ज्ञिनियस, 1961 (1961 का का कि कि इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' महा गया हैं), की पारा 269-च के तानि तकाम आधियकरी का यह ि सात करने जा कारण ही कि स्थान सकति,, जिन्हा की मिना मान्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

मीन जिसकी से (जैसा कि शन्तुकी है लिखा है) तथा जो पहिण्डा में नियत है (म्रोन डगने गानक मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से अणित है), रिलिट्रें भी अधिकारी के कार्यालय में भिटण्डा में रिलिट्रें भी अधिकारी के कार्यालय में भिटण्डा में रिलिट्रें भी अधिकारी के कार्यालय में भिटण्डा में रिलिट्रें भीर पर्ने में, मई 1985 को पूर्विक सम्पति के उत्तित बाबार भूक्य रे कम के ब्रवमान प्रतिकार है लिए अन्तरित की मुर्ट हैं कर कि यह विषय बाबार प्रतिकार है लिए अन्तरित की मुर्ट हैं कर कि यह विषय बाबार मुक्य रासके क्यमान प्रतिकार से, एंडे क्यों के प्रतिकार का प्रतिकार से विषय मान प्रतिकार से, एंडे क्यों के प्रतिकार का प्रतिकार से विषय हैं और अंतरिक (बंतरित) की पर्याण में बंतरिती (बंतरित त्यों) के की एंडे एंडे विराय के लिए ते पर्याण मान प्रतिकार के कि से साम मिन्ने कि से साम सिन्ने कि से साम मिन्ने कि से साम मिन्ने कि से साम सिन्ने कि से साम सिन्ने कि से साम सिन्ने कि साम सिन्ने कि सिन्ने सिन्ने सिन्ने सिन्ने कि सिन्ने सिन

- (क) अस्तरण संहुष् लिखते अत्य का लावक, अवक अधिनियम को अधीन कर दोने की इत्तरक को कवित्य में अभी कड़ने वा उत्तर अपने में कृषिणा की किए; याद/याः
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तिमों को, जिन्हों भारतीय आयकर जी निस्तम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा या किया चाना चाझि ल्या, छिषाने में सुविचा के सिए।

6. श्री दुनी चन्द पुत्र किशोरी लाल, वासी-भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती दर्णना देवी पत्नी देशाबन्धु गोयन,
 4720, हस्पताल बाजार,
 भटिण्डा।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पृथोंक्त सम्बक्ति के वर्जन के जिल् कार्जनहिंस करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच थें 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्बीभ, को धीं अविभ बाद में तमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (व) इत तृष्ना के यजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध तिकित में किए वा तकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शस्तों और पदों का वो उक्छ अभिनियम के अभ्याय 20-क में प्रिभाषिक है, यही वर्ष होगा, को उस अभ्याय में दिवा यदा है।

वन्त्र्या

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 3223, 567, दिनांक जनवरी श्रौर मई 1985 को ंजिस्ट्रीकर्ता, श्रधिकारी मटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 259-म के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269 में की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख: 16-9-1985

मोहर 🌯

क्ष्मक कार्<u>ड हो एक एक .----</u>

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सञ्चायक कार्यकार बायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 (सत्तम्बर 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5856——ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शासक र शिंपिनियम, 1961 (1961 का ६८) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह कश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उित बाजार मृल्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० (जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधितारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1985

को पृषांकत सम्पत्ति के उणित नाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रातफल को लिए अन्तरित की गई है और मृति यह निद्वास करने का कारण है कि यथापृषांकत सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्वें रिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक थे हायित्व में कमी करने या उससे बखते में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धल त एल्य अस्तियः। का, जिन्हें भारतीय आयकार श्रीशिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा श्कट नहीं किया नया ना मा किया जाना चाहिए था छिपाने मा द्विभा के लिए;

 श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी दिविन्द्र सिंह, 13-गुरुनानक नगर, जालन्धर।

(प्रन्तरक)

2 श्री दिवन्द्र सिंह पुत्र गुरदित्त सिंह, गांच-जलवारा, तहसील गढ़शंकर, जिला-होशियारपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वतः बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की भारीय से 4:5 दिन की भविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की संविध्य , जो भी अव्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका स्योक्तयों में से किसी स्यदित इंदारा;
- (क) इन स्वना के राजपण में प्रकाशन की नारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में द्वित-बर्भ किसी जन्म क्यींच्य द्वारा अधोहाताक्षरी के पान निचित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैया विलेख नं 404. दिनांक जनवरी 85 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक: (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

बतः शब, उक्त अधिनियमं की भार। 269-गं के अनुसरकं को, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) अधिके निम्निलियित व्यक्तियों अधित्:---

तारीख: 16-9-1985

मोहर:

प्ररूप काइं. टी. धूम, एस. ------

भागकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (भिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेणक सं० १० पी. नं० 5857—श्रतः मुझै, जै० एस० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव (जैसा कि प्रमुस्ती में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ती में और पर्ण रुपत से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंति पित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ बन्दर्ज है। बिदा के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया चया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत , उक्त सीधितियस के अधीन कार दोने के अन्तरक के दावित्व को कमी करने या उससे वचने हों सुविधा के लिए; बीड/वा
- (स) ऐसी किसी बाय वा किसी भन्न वा अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, १००४ तुन किया के तिकः

बत: बव, उन्त विभिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उन्द अधिनियम की धारा 269-व की जपभावा (1) में प्रभीत, निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मृत्रम्य मिह पुत्र हरबन्ससिह, मृख्न्याण भौदागरसिह,

13, रम्पतानक नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती दर्भन कौर पत्नी गुपमुख सिंह, 13, गुरुनानक नगर, जानन्धर।

(अन्तरिकी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोड भी काओप :~

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच क्र 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन को अविधि ओ भी मविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति हुवारा नुभोहस्ताक्षरी के शह विविद्य में किस वा सकोंने।

रनव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पवाँ का, वा उच्छा अभिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, कही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिश्य भूमा है।

भनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4098, दिनांक जनवरी 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जालन्ध्रर ने लिखा।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-9-1985

∄हर ≟

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 सितम्बर 1985

निदेश सं० ऐ० पी०नं० 5858—-ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में ा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण ह्य से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का

मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो। पाया ययः प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवस के ब्योन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में क्रमी करने या उद्दे दुष्ये में दुदिया के लिए; और√या
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ जन्दिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, जिपान में सुविधा के लिए;

अतः जय, उत्थत आधिनियम की भारा 269-ग क जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित अधिकतयों, अर्थात कु--- श्रीमती सुनीता जै० मसन्द
पत्नी श्री ज० इत्यू० मसन्द,
3-सी० मःइल टाउन,
जालन्दर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जगजीत कौर पत्नी पृथ्या सिंह, ऐ०-1-342, जनक पुरी, न्य दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तिओं पर सूचना की जामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति वो हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी?

स्थव्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्थार की

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4059, दिनांक जनवरी 1985 को राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी जालन्धर लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 18-9-1985

महिर:

प्रस्थ बाइ टी. एन. एस , -----

बायकर जाधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 5859—ग्रतः मझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/-रु. से बिधिक है

और जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने 'का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्यं, असके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अध्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए; और/या
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
3—286 GI[85

 श्री ग्रहरिक सिंह पुत्र हरवन्त सिंह, मुख्तयार अन्त श्राफ गुरमीत सिंह पुत्र महिगा सिंह, 1209, ग्ररबन इस्टेट, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शिव देव सिह पुळ वल सिह, 1074—सी०, ग्ररबा इस्टेट, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

रक्त सम्मत्ति के गर्बन के मुम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:---

- (क) इस स्वना है राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि; सो भी सर्विष्ठ बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्विन
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विख्त में किये जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची 🕝

सम्पत्ति तथा व्यति हैया कि म्रविलेख नं० 4097, दिनांक जनवरी 1985 को रिजस्ट्रीकर्सा धिकारी जालन्धर् ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम पाधिकारी सहायक गायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 18-9-1985

मोहर:

...**श्रूपः, बार्ड**ुद्री, **प्**तु, **एस्** , नतन हर

नायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यात्तय , सहायक बायकर बायकतः (विश्वीक्षण)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 सितम्बर 1985

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5860-5861-5862--मतः मुक्ते, जे०एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो आदमयुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानपूर्विक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का बन्तर का बन्तर प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बन्तरिक रूप से कथित नहीं किया यथा है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अम्हरक के दानित्य में कभी करने मा सबसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या' उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्रे प्रयोजनार्थ अन्सरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

 श्रीमती दलीप कौर विधवा जगतू, वार्ड नं० 6, मकान नं० 928, श्रादमपुर तहसील, जालन्थर।

(ग्रन्तरक)

करो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षक को निष् कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थास्तयों में से किसी स्थास्त बुवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा नभोहस्ताक्षरी के पात निश्चित में किए का सकते।

स्थळितिकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्वो का, वो उपर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होंगा, को उस सध्याय में दिया नया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 4535, 4536, 4550, दिनांक जनवरी 1985 को रिजस्ट्रकर्ता ग्राधकारी जालन्धर ने लिखा)

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ाम्राक्युत (निरीक्षण) म्रर्जन रोंज, जालन्धर

अतः अव, उच्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो. मी. उच्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाषा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 18-9-1985

मोहर 🛎

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1985

निर्देण सं० ऐ० पी० नं० 5863——श्रतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अविक है

और जिसकी सं० (जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है) तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उनाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ति श्रिधकारी के कार्यालय, कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीक जनवरी 1985

को पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाधार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के धीच मृसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शावित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था. छिपाने में सुनिधा के लिए;

अक्ष: अवः, उत्तर अभिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण के, के, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, अर्थात् के—

- 1. श्री नवीन झानन्द, राकेश झानन्द, पुत्र श्री निरन्दर कुमार झानन्द व श्रीमती सुदर्शन झानन्द बेवा श्री निरन्द कुमार झानन्द, व श्रीमती चिला झानन्द परनी नवीन कुमार झानन्द, डायरेक्टर्स नवीन वायर प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड, सुलतान पुर रोड, कपूरथला। (झन्तरक)
- मैसर्स शिवशंकर राईस व जनरज मिल्स, सुलतानपुर रोड, कपूरणला।

(भ्रन्तरिती)

को वह त्वना बारी करके पूर्णेक्स सम्पर्टित के अर्थन के हिसर कार्यवाहियां करता हुं।

उनत तन्यत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र 🚈

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 15 जिन की जबींच या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर शूचना की तामील से 30 दिन की जबींच, जो भी श्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाबतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थितित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त ख़ब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगां जो उस अध्याय में दिया गया है।

समसंची

बिल्डिंग, जमीन 4 कनाल 15 मरले जो कि क्पूर्थला में हैं।डीड नं० 2121, जनवरी 1985।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालस्वर

तारीख: 19-9--1985

मोहर 🛭

त्रक्ष आहे . दो . **एन . एष** . -=-=-

आयार अधिनियम, 1361 (1961 वहाँ 43) की बार्स 269-वें (1) क वर्णन जुमना

भारत शर-अर

कार्यालय, सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण)

अव्याद रिका, विकास **1985 भारतम्** ३ सिमास र **1985**

निर्देश सं० १० ६१० ७ 586---श्रनः मुझे, जे० एलं शिरधर,

अायकर अधिनियम, 1961 ी 1861 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उपत आधीपरच कहा गय है), की धारा 269-स अधीन सक्षा का निर्मा की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संबंधित हैं। जिनका लागत बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं।

और जिसकी सं ० (जैसर कि जिसुकी व लिखा है) तथा जो कपूरे लो में स्थित है (ब्रिट्स उदान द्व अनुसूची में और पूर्ण क्यासे विजित है राजहिएक अविद्यास के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकार अविद्यम, 1938 (1908 का 16) के अधीन, तारंग्य जा री 1982

को पूर्विक सम्पत्ति के सः अत बाबार सूच्य सं कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अस्तिर अंत का ग्राह विश्वास करने का करण है कि तथा जीवाला कर से का उचित बाबार मूच्या, उसके उपलब्ध किया के प्रतिकल के प्रवाह किया किया के अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अपिति (अंतरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय प्राया प्रया प्रांत कल, निम्नोसिबत उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखत म वास्ति क रूप से किथत बही किया गया है।

- (का) बारतरण से हुई किसा आय ो बाबत, स्वत अधिनियम हो अधीर कर ने के बम्तर्क के दासित्व में कमी करने या उससे जनने में सुविधा के जिला और/या
- (ध) एसी किसी अप का किसे भन का अन्य आस्तियों को, जिन्हों के स्थान कर व जीनयम, 1922 (1922 का कि) अप उनत अधिनयम, बा अनकर अधिनयम, बा अनकर अधिनयम, कर कि किया के स्वारति प्रस्ट नहीं किया गवा मा विकास धाना चाहिए था, छपाने से सुविधा के सिए;

अधिः सम्बद्ध हैं होस्त ८५०-४ के अन्सरण के. हैं, बेक्स अधिराज्य की धरा 269-1 की उपधारा (1) के अधीन, निजनिविधित व्यक्तियों, अर्थात :── श्री नवीन ग्रानन्द ,राकेश ग्रानन्द, राजेश ग्रानन्द, पुत्र नरिन्दर कुमार ग्रानन्द व श्रीमती सुदर्शन ग्रानन्द, वेवा नरिन्दर कुमार ग्रानन्द व श्रीमती चित्रा ग्रानन्द पत्नी नवीन कुमार ग्रानन्द, डायरेक्टर्स नवीन वायर प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड, सुलतानपुर रोड, कपूरथला।

(ग्रन्तरक)

2 मैसर्स शिव शंकार राईस एण्ड जनरल मिल्स, सुलतानपुर रोड, कपूरथला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वायत सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहिया करता हैं।

डक्त संपत्ति के बर्जन क सबभ म काइ भा आक्षाप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पद भूषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उकत स्थानर संपत्ति में हितवक्ष के किसी मन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्त सरी के पास किस में किए का सकोंगे।

स्पष्डिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गवा है।

ग्रन्सूची

भूमि 7 कनाल 2 मरले का फैक्टरी विल्डिंग वा विजली की मोटार का कनैक्शन जो कपूरथला में स्थित है, रजिस्ट्रेशन सेल ड्रीड नं० 2122, जनवरी 1985।

> गे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, जालन्धर

तारीख : मोहर :-19-9-1985

ब्रुक्यु आर्च्य टी, स्म्यु एक. -----

जायक हु विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 19 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 5865—श्रतः मुझे, फे० एल० गिरधर,

बावकर अधिभियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भाषा 269-ध को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मणि, जिसका स्थित बाजार वृक्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं (जैसा कि अनुमूची में जिखा है) तथा जो कपूरथला में स्थित है (और ६ससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वकित सम्पत्ति के उत्वित बाबार मुख्य से कम के अयमान प्रतिफान के लिए मंतरित की नहां है और मुख्ये यह निक्कास करने कसने वन कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उत्वित बाबार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिकास से, ऐसे अवस्थान प्रतिकास का बंद्रह प्रतिस्ति से अधिक है और बंतरिक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्ति-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निसिबत उद्देष्य से उक्त कातरण किचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की शबस बक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने की अन्तरक को समित्य में कमी करने वा उत्तर बखने में स्विधा के किए; और/वा
- (व) एसी किसी आग वा किसी अन वा बन्य वास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिमाने में सुविधा के जिएक्ष

अतः अजः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, धक्त मधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निकल्लिनित स्थितवाँ,, नर्थात् अल्ल 1. श्री निकीन ग्रानन्द, राकेश श्रानन्द, राजेश श्रानन्द, पुत्र निरन्दर कुमार श्रानन्द व सुदर्शन ग्रानन्द केवा निरन्त्र कुमार श्रानन्द व निका ग्रानन्द परनी निवीन कुमार श्रानन्द, ज्ञायरेषटर्स निवीन वायर प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेंड, सुलतान पुर रोड, कपूरथला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री देस राज पुल दुर्गा दास व स्वतन्न शुमार पुल प्रज्ञूधिया दास व रतन चंद पुल प्यारा लाल व गुरदयाल सदी पुल प्रमरनाथ मार्फत शिव शंकर राईस एण्ड जनरल मिल्स, सुलतानपुर रोड, कपूरथला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त प्रशित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इत त्यना के राजपण में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषणा की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी क्यांकि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिस्थी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्प्रांत में हित- अब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवास अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्कित में किए जा सकोंगे।

श्वाच्याचे प्रवृत्तः सन्दां और पदां का, को उक्तः विकास की विकास की अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिवस कका हैं।

अनुसूची

भूमि '? कनाल 16 मरले व पैक्ट्री इमारत जो कपूर-थला में स्थित है, रजिस्ट्रेशन सेल बीड नं० 6''7, जून, 1985 का है।

> जे० एला जिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ानिरीक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19-9-1985

मोहर ध

प्ररूप बार्षः दी. एत्. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 19 सितम्बर 1985 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5866--धत: मुझै, जे० एल० गिर्धर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त सिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से सिधक है

और जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो क्षूरथला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीक्ती प्रधिकारी के कार्यालय, क्षूरथला में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीक जुन 1985

को प्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति के उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान ग्रिफल का पन्द्रह श्रितक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया श्रितिकल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त जन्तरण सिखित के बास्तिकक कम से कथित बहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का ∷7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट लहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

अतः अभ, उथत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की लगधारा (1) के अधीत निम्मलिकित व्यक्तियमें, अर्थात् :--

1. श्री नवींन श्रानन्द, राकेश श्रानन्द, राजेश श्रानन्द, पुल निरन्द्र कुमार श्रानन्द व सुदर्शन श्रानन्द बेवा निरन्द्र कुमार श्रानन्द व चित्रा श्रानन्द पत्नी नवीन कुमार श्रानन्द, डायरेक्टर्स नवीन वायर प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड.
मूलतानपुर रोड, कपूरयला।

(अन्तरक)

2. श्री देत राज, लेख राज, पुतान दुर्गादास, वासी मैरीपुर तहसील कपूरथला व ऑकार नाथ पुत्र गिरधारी लाल वासी अन्हनावाली तहसील कपूरपूथला व स्वतंत्र क्रमार पुत्र श्रयुधिय। द स मार्फत शिव शंकर राईस एण्ड जनरज मिल्स सुनतान पुर रोड, कपूरथला

(ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुछ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इरा स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध विसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 18-के०-15 मरले का चारदिवारी जो कपूरथला में स्थित है रिजस्ट्रेशन सेल डीड नं० 845 जून, 1985।

> जे० एस० गिरधर सजम अधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (किरीक्षण) श्रजेन रोज, जालन्धर

नारी**ख** : 19-9-85 महे**हर** :

प्रकृत बाइ . टी. एन. एक व वस्त्रत्वत्वस्थात्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बेगलूर

वेंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० श्रार०--1515/37-ईई०/84-85 ---श्रत: मुसे, श्रार० भारद्वाज,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मृति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० बी०-8 है तथा जो 84, जे० सी० रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तार्रख 7-1-1985

को पूर्वेश्क प्रस्पित के उचित बाचार मृस्य से कम के दश्यमान श्रीतफंस के सिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एके अन्तरच के किए उच्च पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उच्चेदिय से उक्त अन्तरण किथित में बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बामित्व में कामी करने या उत्तर वर्षने में स्विधा के निष्; बाड़/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए जा, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैंसर्स मनीप एंटरप्रैसस,
 1-2, 1 फ्लोर, शृंगार शापइग सेंटर,
 80, एम० जि० रोड,
 वगलूर-1

(श्रन्तरक)

2. श्री बीं जीं कृष्णस्वामि ऐयंगार, नं 10, 111 कास, मस्लेश्वारम, बेंगलूर-3।

(म्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप;---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तिवाँ कर स्पना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को औं जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिकिट में किए जा सकती।

रमच्चीकरणः--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है.।

अन्सूची

(दस्तावेज मं० 1326/84, 'दिनांक 7-1-85) सम्पत्ति हैं जिसका सं० बी०-8, जो मानिण द्यालर बिल्डिंग, 84, जे० सी० रोड, बेंगलूर-2 में स्थित है।

> आर० भाग्द्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलर

तारीख: 5-9-1985

मोहर:

a de la companya del companya de la companya del companya de la co

प्रकम बाह्रं ु ट्री. एन ु एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) वे सधीन युक्ता

्यारक बरकान

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीशक)

म्रर्जन रेंज, बगलूर

अंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निवेश सं० नोटिस नं० ग्रा॰०-1567/37-ईई०/84-85 ग्रतः मुझे, ग्रार० भाग्द्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित स्थार मृज्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
और जिसकी संग्र बींग्न हैं, तथा जो 84, जेंग्न सींग्र रोड़,
बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16-1-1985
को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का

पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती

(बंदरिधियों) के बीच एके बन्धरण के बिए तुब् पाना गुवा प्रति-

अब निम्मीनीचेत्र बबुदोस्य से उस्त अन्तरण निवित्त में शस्तियक

अन्य के कवित् नहीं विका पंचा है है---

चेर/प

(क) मध्यरण **सं हुद्दं कियो मस्य की बादस समस्** मधिन नियम के सभीन कर रोजे के सम्बद्ध की सामित्य में

क्यी महत् ना प्रमुखे प्रमुखे में मृहिन्शा के हिन्हा

(क) शिती किसी बार वा किसी भन या कन्य अरस्तियाँ की, विनहें भारतीय बायकर विधिनियान, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम या भन-कर विधिनियम या भन-कर विधिनियम या भन-कर विधिनियम (1957 का 27) ही प्रवासिनार्थ वन्तिरिती स्वारा प्रकट वहीं किया नया जा या किया जाना चाहिए था, स्थिपार में सुविधा से लिए;

जतः जज, उक्त जिथिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अधार्तः— मेसर्स मानिया एन्टरप्राईस, ऋगार शापिंग सैटर, 80, एम० जी० रोड़, बंगलूर।

(श्रन्तन्क)

2. श्री सज्जान के० वर्गीस, डायरेफ्टर दि ऑग्टियंटल फैनानन्स और एक्सचेंज कं०, पि० बी० नं० 299, कोट्टायमं। (अन्तरितीं)

को वह बुधना बा<u>डी कड़को पृथायत् सम्मरित के अपन</u> के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं !।

उक्त सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप ---

- (क) इब सूचना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हानीस से 30 दिए की नविधि, को भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय हवाडाह
- (च) इस स्थान के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीय थे 45 विम के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हित-ब्रुथ किसी जन्य स्थानित ब्यारा नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

श्र्वाकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पूर्वों का, वी उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उद्ध अध्याम में दिया प्या हैंं।

वनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1339/84, तारीख 16→1-85) संपत्ति है जिसका सं० बीठ-5, जो मानिण टवर बिल्डिंग, 84, जें० सी० रोड़, बंगलूर में स्थित हैं।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारीं सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-9-1985

मोहर 🖫

प्रस्य बाई. टी. एन. एत.-----

नायकर जिपितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यालय महायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेण सं० 1004/85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का चारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रु. से अधिक हैं जैर जिमकी मं० 1262, 1263 हैं तथा जो वीष्वेष्वर नगर,

और जिमकी सं० 1262, 1263 है तथा जो वीष्वेष्वर नगर, हुबली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रींबरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-1-1985

को पूर्वोक्त दित के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधि-अधिनयम के अधीन कर वंत्र के अन्तरक अं दायित्व में कमी करने या उम्रस वयने में स्विधा अ निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देशरा अकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुनिधा के निए;

अतः अतः, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्रुपण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयाँ, अर्थात् :——

4—286 GII85

1. श्री एम० एल० श्रग्ररवाल, श्रद्धानी श्राफ---द्रांसपोर्ट कारपोरेशन श्राफ इण्डिया लि०, 2 धाफिस एम० जी० रोड़, विकन्दराबाद (श्रान्ध्र प्रदेश) ब्रांच श्राफिस एन०सी० एम० हुबली।

(ग्रान्तरकः)

2 मैं० मलाप्रभा इन्वेस्टमेंट और राविस अम्पनी प्रायवेट लि०, II मार्फत विजया ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन बंगली, हुबली- 24।

(श्रन्तिरतीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सर्वाध मा कोई भी आक्षेपे .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्षित है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहम्ताधार कि वाम निवास में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरण ——इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय २०-क मा प्रोप्ताणिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यवा हैं।

अम सची

(दस्तावेज मं० 2963, तारीख 4-1-1985) जगह बीज्वेज्वर नगर हुबली में है। इसका क्षेत्र 10.200 स्क्वेयर फींट है।

> स्रार्० भारहाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोज, बेंगलूर

तारीख: 11-9-1985 मोहर: प्ररूप आर्द्दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्अन र्ज, बेगलुर

बेंगलर, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं 1005/85-86--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारक्षांज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त' अधिनियमा कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं० 21456 है, तथा जो भीरमार पण जी गोवा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत है, राजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय, गोवा में राजिस्टीकरण ग्राधनियम, 190 . (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-2-1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित जाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभ्ते यह विश्वास करने का कारण ह³ कि यथापूर्वकित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का

पंचर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-

रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत. अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह^र भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन~ कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सविधाके लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

श्री ओंस अंटोनियो श्रलफ्रेडो गरनार्डो श्रपन्सो 1. फर्नान्डीस और श्रीमली लुइजा मरिया फर्नांडीस को०/ग्राप० बेनकई बंगलो भीरमार पण जी, गोवा।

(ग्रन्तरक)

वि चेयरमैन, धी बीच नेस्ट को०-म्रापरेटिव हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड. मीरमार पणजी, गोवा। (भ्रन्तरिती)

- 3. (1) बंगली नं02 (बी)
 - (1) श्रीमती रेखाएच० ठक्कर (2) श्री ग्रर-नेस्ट एच० सीमोशे, (3) श्री ए० ओ० टी० डी० मेल्लरे, (4) श्रीमती अँगन्स वार्श्वोस, (5) इना कगराल, (6) श्री म्रलफेशे जी० साबरोस ।
- (2) अंगलो नं । (डी०)--(1) श्रीमती बारबीतिया पाईस, (2) श्रीमती लीलिया मेनेजीस ई० वेल्डीस, (3) श्री जोस एफ० फनाँड़ीस, (4) श्री जुसीने फनाँडीस, (5) श्री इथेल डी० मेल्लो, (6) श्री जे० एफ० डीसोजा।
- (3) बंगलो नं**०** 3 (ए०)— (1) श्रीमती खानबीबी एच० लालजी, (2) श्री जुलियस नजरेथ ,(3) श्री बी०एन० भोले, (4) श्री फांसीस करबेस।
- (4) बंगलो नंo4 (क्रीo)—— (1) श्री ऐंजीनियो एफ बरनेट, (2) श्रीमती मारीया लीडा मेनेजस, (3) डाक्टर ए० एक्स० रीवन कार, (4) श्रीमती देलेना सी० टेल्लीया, (5) श्री हील्ली डीसोजा, (6) श्री लयमने सौजा मारगौस, --सब के०/ग्राप/कोटरा सेठ बंगलो, मीरामार पणजी, गोवा। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट**ोकरण:---इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 2'0-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्यक्त में दिया गया ह^।

(दस्तावेज सं० 124, तारीख 14-2-1985) ये सम्पत्ति क्षेत्र 1928 स्क्वेयर भीटर्स है। ये सम्पत्ती 4 अंगलोस 22 रेमीधेंसियल प्लाट मीरामार पणजी, गोवा में स्थित है।

श्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) प्रार्कत देंग्रह वेंग्रह्म

तारीख: 11-9-198

मोहर :

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

जायभर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के वभीन सुमना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निश सं० की० श्रारः / 234/85-86--- अतः मुझे, ारः भारक्षाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ऐ०-5 है तथा जो ग्राक्षम ग्रस्टो मरगांव में स्थित है (और इससे उपावस ग्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वणित है, राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5~2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भून्य से कम के क्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामृत्रोंकत सम्मत्ति का उचित कारार मून्य, उसके दृष्यमान प्रतिकाल से एंसे दृष्यमान प्रतिकाल के पन्त्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पामा गया प्रतिकास, मिम्मिनिवित उप्रदेश से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक क्य से क्यित कहीं किया गया है ॥—

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाब की बाबस, उच्छ अधिनियम को सभीच कर दोने के बन्तरक के सावित्य में कनी करने ना उत्तसे नचने में सुविधा के सिए; और/क।
- (स) ऐसी किसी अनय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिमाने में सुविधा के निए।

बार: श्व, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के जनुसरण वा, जा, उक्त जीधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिकिए व्यक्तियों, अर्थात् ः— म्याक्रीयल रोडरीक्स,
वेनिलक बिल्डिंग ग्रय०, एफ०-1,
बिहाइण्ड फानीसा कान्बेंट ,
मरगांव, गोवा।

(ग्रन्तरक)

मरना टाबासे,
 मरगांव, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के सिए कार्यमाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे या सकती।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उत्त अध्याय में विधा पदा हैं।

घनुसूची

(दस्तावेज सं० डी०/147/फरवरी 1985, तारीख 5-2-1985) प्लाट नं० ए-5, वाझ श्रपार्टमेंटस श्रक्वेम श्रलटो मरगांव गोवा। 88.00 एम० 2

> न्नार. भारक्षाज . सक्षम प्राधिरकारी सहायक न्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 11-9-1985

मोक्ट 🛭

पाकरण आइ¹.टी.एन.एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कामीलयं, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज. बंगलुर

अंगलूर दिनांक 11 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० डी/ग्रार-171-84-85/37ईई—न्य्रतः मुझे, ग्रार० भारहाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाटा बी०नं० 2/711 है तथा जो शांता ध्रस पंजिम गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-1-1985 रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-लय, अंगलर,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित यों बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिधी को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अस, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, भौ, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः श्री रामा बाबुलि कामत धाणेकर और पित्न
 श्री विष्णु बाबुलि कामत धाणेकर एन्ड पितन,
 श्री लपभी कान्त बाबुलि कामत धाणेकर और पितन
 श्रीता दिनीस पंजिम गोवां।

(अन्तरक)

(2) चवगले इन्डस्ट्रीज लि०, चवगले हाउस मरम गोवा हरबरा गोवा। (ग्रन्सरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पच्छोकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

(दस्तावेण सं० डी 98-जनवरी, 1985 तारीख 8-1-85 टी० नं० 21711 लिबिग श्रईश प्लाट की श्राइमेसीरिंग 1879 एम,।

> न्नार० भारद्वा सक्षम प्राधिकारः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेजः बंगसूर

तारीख: 11-9-19-85

मोरह:

प्रकल कार्यं हो , प्रतिकृष्य , कार्यक्राक्त

बावकर नर्देभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुकता

भारत सरकार

कार्बासय, तहायक नायकर नायुक्त (हैनरीकक) श्रर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 सितम्बर, 1985

निर्देश सं०डी० ग्रार 219/84-85/37ईई— ग्रतः मुझे, श्रार० भारद्धाज,

बानकर बॉथनिवन, 1961 (1961 का 43) (विशे इवनें इसनें परवाध् 'उनते निवित्तम' नहा नवा हैं), की वास 269-श के अभीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्बद्धि, विश्वका स्वित्त वासार मून्य 100,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट नं० 734441 है तथा को महमांव गोवा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विकास है), रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, बगलूर में रिजस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रद्धीन, तारीख 23-1-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाषार मृश्य से कम के क्याबाव प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाप्नोंकत सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफ स, निम्निचित सब्देश्य से स्वस्य अन्तरण विविद्य में बास्तियार अप से कथित नहीं किया गया है क्रिन

- (क) कलरण वे हुई कियाँ बाय की वासर, क्या महेर्द्रकान के जमीन कर दोने से सम्बद्ध के रहिक्त के क्याँ करने वा क्याचे क्याने के बूबिया के किए; कीर/वा
- (व) ऐसी किसी नाम ना किसी भन ना कला वास्तिनों को, किसी नारतीय वाल-कर व्यक्तित्रवा, 1922 (1922 का 11) ना जेक्स विकित्रवा, तो भव-कर विभिन्नवा, तो भव-कर विभिन्नवा, तो भव-कर विभिन्नवा, तो भव-कर विभिन्नवा, 1957 (1957 का 27) वे प्रनोक्ताओं वन्हीरती हुनारा प्रकट वहीं दिवता क्या का ना विका वाला करिव्य का, किसाने जे व्यक्तिया के विव्य;

जन: तम, जनत मधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरध में, में, उपत मधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के मधीन, निम्मीसियन व्यक्तिकां, मधीन है—— (1) 1 निकासिको पितिषप मारटीनस एण्ड 2. श्रात्मीरा इस्पेरसा मारटीन्स, ए-8, निर्मेला श्रपार्टमेंटस, मडगांव, श्रोवा

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स हनुमान लैंड और एसोसिएट्स, सेकेंड फ्लोर, मारचोन बिल्डिंग, लोहिया मैदान, मडगांव, गोवा

(भ्रन्तरिती)

को बहु स्वता चारी करने पूर्वोक्त सम्मत्ति से नर्पम में हिस्स कार्यमाहिनां करता हूं।

क्षमा क्ष्मितिः के अर्थन के बंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना से रास्त्रपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनभि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, यो भी जनमि बाद में तमान्त्र होती हो, से भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूनारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिट-वर्ष किसी मन्य व्यक्ति इवारा, अवोहस्ताकरी के पात निवित में किए जा तकोंने।

स्वकाकरणः इसमे प्रमुक्त धन्यां बार वयां का, वा उक्त वाधि-रिवक के बच्चाव 20-क में परिभावित हैं, नहीं वर्षः होता, को उब बच्चाव में विका वधा हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० घी 121 जनवरी, 1985 तारीख 23-1-1985 1572-एम-2, लैंड वीर्घारम एट मारगॉव-गोवा ।

श्रारः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, बंगलूर

तारीख : 11-9-1985

नाहर 🛭

प्रकल वार्ड्ः टी. एव . एव 🕤 🗝 -----

बायकर विभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

बारत सहस्वर

व्यवस्थित, बहायक वायकर वायूक्त (किहीक्क)

ध्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 सितम्बर, 1985

निर्देश संब्झाई० ए० सी० एक्यू-गुडगांचा / 609/84-85 झत: मुझे, औ०एल० खन्नी,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 11 बिगा 171/2 विसवा पुछता गांव नाषुपुर, तहसील गुड़गावां में स्थित है (और इससे उपाबब धनु-सूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगावां में भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 के ग्रधीन, तारीख 8-1-1985,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित को गई ही और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण ही कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्त्यभान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरिकिकों) के मौच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कस निम्नलिखित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) मन्तरम् चे हुई कियी जान की वायशः, उक्त अभिनियन से अभीन कर दोने के जन्तरक के स्वित्य में कती करने या उससे नजने में स्वित्य में विष्क्र सरि/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन वर जन्म मास्तिवाँ की हैंचलू भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर मिनियम, या भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अध्योदती बुवारा प्रकट नहीं किना नवा था वा किया माना नाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

अतः अव उन्तं अधिनिवमं की भार 269-गं के अनुतरण भौ, भौ, उक्त अधिनिवमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के राधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री खुषी राम पुत्र श्री रोटा राम, निवासी—गाव नाथूपुर तह व जिला गुड़गावां। (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स पराणीन शियल इस्टेट एण्ड घपार्टमेंट लि॰ 21-22 निन्त्रा पेलेस 41 पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी कर्क पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां घुरू करता हो।

उक्त तस्पत्ति के वर्षन के सध्यस्थ में कोई भी वाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबीध, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए वा तकोंगे।

स्वच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त श्रम्भ जीर पर्यो का, जो उक्त अभिनियम के बभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं कर्य होगा जो उस अभ्याय में विवा स्वा हाँ।

arred

सम्पत्ति भूमि 11 बिगा 171/2 बिसवा पुन्ता गांव नाथुपुर तहः गुडगावां में स्थित है जिसका ग्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गावां में रजिस्ट्री सं० 7043 दिनाक 8-1-85 पर दिया गया है।

> भी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-9-1985

मोहर:

प्रकृत वार्षः, टी. एनः एवः

नायकड विधिनिस्त, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

MITTE SECTION

कार्याक्षयः, सहायक सायकार नागुक्त (निर्दाक्षक)

धर्जन रेंज, रोहतक

शेहतक- विनांक 10 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू दिल्ली/9/84-85 ग्रत: मुझे, बी० एल० खत्नी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें प्रचार 'उन्त मिनियम' नहा नवा ही, की धारत 269-व के वभीन, सक्तम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारन है कि स्थानर इस्परित, जिसका उपित नावार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० भूमि 23 कनाल, 16 मरले जो गांव पाल में रिक्षत है (और ईससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख 29-1-1985,

को प्रवेक्त सम्परित के उचित बाचार मुख्य से क्षम के अध्यमन प्रतिफल के सिए ब्रम्स्ट्रिट की पर्द है बीर नृजों वह विश्वास करने का कारच है कि मजापूर्वों कर संपर्दित का उचित बाचाद बृद्ध, उद्यक्त अस्मान प्रतिफल से, एंसे अध्यमन प्रतिकत का वंद्रह प्रतिकत से विभक्त है और बन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (अन्त्रितिकों) के बीच एंसे बन्तरक के बिए स्य पाया पदा प्रतिकत, निज्नितिचित उद्यक्ति से उच्छ बन्तरक् निजीवत में बास्तिक कम से कवित नहीं किया नहा है हि—

- (क) अन्यस्कृ वं हुन्दं विक्री काम को बावद उपस् विक्रियम के अभीच कर दोने के अम्बद्धक कें कायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के तिए; बांड/धा
- (सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था क्रियान में सुविधा के सिह;

जतः जब, उक्त विधिनिक्य की भारा 269-ग के बनुसरण व', मैं उक्त विधिनियत्र की भारा 269-च की उपभारा (1) कं सभीत्र, जिस्तिनिस्त व्यक्तियों, वर्षाद्य करूल

- (1) श्री वेद राम पुत्र श्री बंसी पुत्र गुरशाई निवासी——गांव पत्ना तहर बस्लभगढ़। (श्रन्तरक)
- (2 मैं० ग्रेंटर दिल्ली प्लेनर्स प्रा० लि० प्लेट नं० 3, शंकर मार्केंट, कनाट प्लेस सरकस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके प्रॉक्ट सम्मरित के वर्षन के जिल्ला कार्यनाहियां गृह करता हो।

दक्त दक्तरित के वर्षन के बच्चरूप में कोई भी बाम्रोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विष् की संबंधि ना तत्वम्बन्धी व्यक्तियों वर भूवता की साधीय वे 30 विन की संबंधि, को भी जन्मि बाद में नवान्त होती हो, के भीतर प्रजेक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति हवासा;
- (क) इन्द्र सृष्या के राजपन में प्रकाशन की तारांत्र से 45 थिन के भीतार उसता स्वावर सम्पत्ति में दिलक्ष कियों, नेम्ब न्यानिस प्याप नवोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए या सकेंगे।

स्पन्नीकरणः—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्वो का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

धन्सूची

सम्पत्ति भूमि 23 कनाल 16 मरले जो कि गांव परला तहर बस्तभ-गढ़ में स्थित है जिसका श्रीधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री सं 153 दिनांक 29-1-1985 पर दिया गया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी महादक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, रोहनक

तारीख: 10-9-1985

मोहर:

प्रत्य बार्ड . दी. एन . एस . -----

नापकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन संघन।

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०1961 करनाल/153 84-85--- ग्रनः मुझे, बी० एन० खबी,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इत्तर्भे इसके पश्चात् 'उन्तर मिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि 63 कताल 6 मरले, गांव रसूलपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णकप से विणित है), रजिस्ट्र(कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय श्रीयकर श्रीधिनयम 1961 के श्रीधीन तारीख 8-1-85

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से बिथक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नीलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिश्व रूप से अधित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवल, उसल पीधीनयम के लधीन कर दोने के अन्तरक है सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बॉर/मा
- (का) एसी किसी काब वा किसी धन या बत्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उप्तन सिधिनियम, या धनकर स्पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

न्यः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अपित, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री फ़ूला सिंह पुत्र श्राहमीरा. निश्गोव रसूलपुर सहरू प्रताल। (श्रन्तरक)
- (2) सर्व श्रा संवासिह, देवा सिंह पुतान फ़तेह सिंह, गाय--शेखपुरा तह् अरनाल। (ग्रन्तान्त))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास

श्यक्ष्यीक्षरणः ----क्षमा अयक्षत शब्दा आर एवा काः, आ उक्त अधिनियम के अध्यास 20-कं मा परिभागित हैं, वहीं अर्थ होंगा, ओ उस अध्यास में दिया मया हैं।

वग्स्**यी**

सम्पत्ति भूमि 63 कताल 6 मरने जो कि गांव रसूत्रपुर, कला में स्थित है जिनका श्रधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ती के कार्यालय करनाल में रजिस्टी सं० 7293 दिनांक 8-1-1985 पर दिया गया है।

> वीं ० एल० खबी गक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज, रोहतक

नारीख: 11-9-1985

मोहर: .

श्रक्य बांडी टी. एन. एस.-----

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहरक

रोहतक दिनांक 5 सितम्बर, 1985

विदें। गं० श्राई० ए० मरे०/एक्यू०/हिस्तर/88/84-85--- । श्राः मुझे, बा० एस० खन्नो,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उकत अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मोट नि तह नं भूमि 37 काल, 13 म ले, जो पट रोड खुर्व में दिया हैं (तेट इत जात ब्रह्म प्रमुक्त में द्वीप पूर्ण रूप ने दिया हैं (तेट इत जात ब्रह्म प्रमुक्त में द्वीप पूर्ण रूप ने दिया के ति इत हैं), एजि दूर ति ब्रह्म प्रमुक्त के ति विकार हैं। एके प्रमुक्त प्रमुक्त प्रमुक्त मार्ग के उचित बाजार मन्य से कम के क्ष्ममान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण कि। बत म वास्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण कि। बत म वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किमी बाय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; जरिश्या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जकत बिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनाथ वनारेनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब., उक्त अधिनियम की शरा 269-ग के अनुसरण कों. मीं, उक्षण अधिनयम की भाग 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---5---286 GI|85

- (1) सर्वश्र अप्रेमप्रवत्ताः, रा फुला, सुन्दर रिष्ट् पुक्रान श्रः क्योनन्द, श्राफित सक्षमा प्रेमपतः, भा ता देवा पृतियान श्रः क्योनन्द निवासः——गांव व जावखानाः —सात रोड, खुर्द हिरागः।
 (श्रन्तरः)
- (2) सर्वश्री जसवन्त जिह, सुमेर जिह, प्रताप जिह, पुन्नान श्रा मताराम पुत्र श्रा जोरा जिह, निश्वता-स्त्रवंन इस्टेट नं० -2, डावरा चीन, हिसार।

(ब्रन्सर्तरतः)

को यह स्वमा जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जन्धि या तत्सम्बन्धि व्यक्तिया। पर स्थान की तामील से 30 दिन की जन्धि, जो भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्यक्ष्मीकरण:---इसमें प्रयक्त कव्यों और पर्यों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा गरिभाषित है बड़ी कर्य हागा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 37 कनाल 13 मरला, जो कि सात रोड, खुदं में स्थित है, जिसता अधित विवरण रिप्टू वर्ता वे व यस्तिय, हिजार में रजिस्ट्रः सं०४651 दिलांक 9-1-1985 पर दिया गया है।

> को० एल० खली सहायक द्यायकर द्यायकर (िर क्षण) श्रुजैन रेंज, रोह्रुतक

हार**ेख** : **5**-9-1985

सोहः :

शाकप नाइ'.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की अरु भारा 269 घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञव, सङ्गायक जायकर जाज्ञ्चन (निरीक्षण) अर्जन: रेंज:, रोहतक

रोहतक दिनांक 6 सिप्तम्बर, 1985

निदेश सं० भ्राई० ए० सं/०/एक्यू०/हिरार/100/84-85----भ्राः मुझे, ब ० रस्तर रही,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उनत मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हैं कि यथापर्णका सर्थन का दोखत दावार मृख्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्ठीर विसको सं० भूमि 20 ताल, 1 माला मिजपुर रोह, हिरार में स्थित हैं (श्रीत इस उपाबद श्रनुत्ता में श्रीत पूर्ण रूप से विणा है), विस्टूर ले श्रीधार के श्रीवंदर किया में भारताय साम्कर श्रीविश्वम 1961 के श्रिधात, दिनां हे 28-1-1985,

को प्विंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने की कारण है कि यथापवोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बित्कत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिकम, निम्नीनाचन उद्योग्णों के उच्त अन्तरक विश्वस से बास्तिकम, निम्नीनाचन उद्योग्णों के उच्त अन्तरक विश्वस से बास्तिकम रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाल की बासत, असत अभिनियम के बभीन कर दान के बन्तरक के द्वारित्य को कमी करन वा उसक वचन में सुविधा के सिए; और/वा
- (य) एजी किसी बाब वा किसी धन वा अन्त आस्तिओं को जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाता वाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण बो पै उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) अंशिश नरें कुमार, संजीव कुमार पुद्धान आर ध्र घन्द पुल आ रोगार शाल नियस∴ सन नं० 12, माडल टाउन, पनारा, । (1978:)
- (ः) मे .सं तासन्तः रिन्रोलिंग मिल्., मिर्जापुः रोड, हि.गः। (प्रन्तिः)
- () श्रः राम कुमार पुत्र श्रः गंगाणल, निरास:---बारा मोहरला, हिरार ।

(ाह व्यक्ति व्यक्ति प्रक्रिभोग में राम्पत्ति है)।

को यह अच्चा नारी करके वृशेक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्मति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकालन की तारी कर्ष 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति ध्वायः;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के मीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षर के पास सिवत में किए का सकते ।

स्वक्रिक्षण्य:---इलयो प्रयक्त करतो तौर पत्तो कर, यो खब्ध लिधनियस को लभ्याय 20-क में परिभाषित है पत्ती तथे होगा तो उस सभ्याय से दिका मुद्या है ।

प्रनुमूची

सम्पत्ति भूमि 20 जनाल 1 म ला जो हिहार में स्थित है जिल्ला अधि, बियरण रिष्ट्री स्थिदिर केट रस्य हिहार में रक्त्यू: सं० 4988 दिनों 2 28-1-1985 पर विया गया है।

को०एल० खली सक्षम प्रधिर प्रं सहायत् **प्रा**यात् प्रपृत्त (परिष्ण) प्रानन्ते ज्ञा, रोह्तक

तार्खाः 6-9-1985

मोहर :

ग्रांका आई'.टी.एन.एस.

सायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की भारा 269 व (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रो_{ट्}त ह

रोहा । दिनां । 5 लिएबर 1985

निवेश सं० मार्थ० ए० सः०/एवरू०/गृहगाय/606/84-85

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिलका सं० भूमि 1 बिता 18 बिस्ता गांव न भूतुर ि० गुड़गातं में स्थित है (श्रांर इत्ता उपावक श्रानुष्ट्वा में श्रांत पूर्ण- कर र गिंगा है), ता स्ट्रोति श्रिध तरी के लिए के त्रिकार प्रकाश श्रीकार श्रीकार श्रीकार प्रकाश में तिहास विकास निकास प्रकाश में तिहास विकास निकास निकास

कः प्वाकः सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्णका सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसकं दृश्यमान प्रतिफल स एस दृश्यमान प्रतिफल का 'पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती /अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलोखन उद्देश्य स उक्त अन्तरण कि सिंखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त जाधानयम क अभीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा कानए, बार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित, व्यक्तियों, अधीत् क्ष---

(.) अंशित अर्थ िह, बाबूएम, इहा िह पुन्न श्रत स्वतात, श्रामित भीनो, श्रीमित विश्व पुन्नी गनात आप श्राधिमी िह, पुन्न श्रीपण त्र प्रेटीर, श्रामित समेश वर्ता पुन्न गणात, श्रामित मोला विश्वता श्रत गणात निवास:----गोव नाथूपुर तहरू गुड़गोव ।

(2) मे तर्न डं ० एस० एफ० सि०, पतितामेंट स्ट्राट, नई फिल्म -1

(प्रदर्शतं)

कर वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में अकाइन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी श्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकीं ।

स्पब्सीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा, आ उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

स्थाति त्मि 1 विषया 18 विस्ता पुक्ता जो गांव नाथूपुर, तह पुड़मां । में स्थित है जि ाल ग्रिधि विवास िस्ट्राति के लया या पुड़मां । में जिस्ट्रासं 7022 दिलांक 7-1-1985 पर दिला है।

वीं० एल० खती सप्तम प्राधि∴रो सहाय ः भायकर भ्रायुक्तः (िर्दक्षण) श्रर्जन रेंज, रोह्तक

त्री**ख**ः. 5-9-1985

मोहर :

प्रकप बाहु". टी. एन. एस.----

कासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरुक्षिण)

मर्जन रेंज, रोहसक

रोहता दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश गं० श्राई० ए० प्र/०/एका०/फरायाबाय/23/84-85--श्राः, मुझे, बार्ग्स खलाः,

बाबकर बांधानियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इनके पश्चाल 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पन्ति, विसका उचित बाजार मूक्ष 1,00,000/- रा. से बिधक हाँ

भौर िताका संव महान नंव 5-ई-3 बीवर्षाव, एनावम ईन्ट्रीव फर दाबाद में स्थित है (प्रीत इस त उपावम प्रमुद्धी में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्री तो प्रधितारी के वार्यालय, फर प्रावाद में भारत य प्रायाहर प्रधिनियम 1961 के भ्रष्य।न दिनांक 2-1-1985

को पूर्वांक्त सम्पाल के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान क्रांतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विक्वास अक्षर क्रक कारण है कि यथापबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उभके स्वयमान प्रतिफल से, एमें स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतीरीन्या) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलियित उद्देश्यों में प्रकृत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वाबत, उचत अिरिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा कालए, और∕या
- (क) एमो जिसी आर्थ मा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 नायकार अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ', में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् ४—— (1) श्रीमति सुनीता अग्रताल पत्नी
श्रा बा० के० अग्रताल,
निगासा—5-ई-3, बा० पी०, एन०माई०डी०,
फर/वाबाद।

(श्रत्तरः)

(2) श्रांमित एम्मी केडिया पत्नी श्रां सा० के० केडिया, निवासा—1-ई-43, एन० ग्राई० टी० फरीदाबाद। (प्रतिरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाहिया शरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के मनध मा कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस स्थान के तथपत्र में प्रकाधन की तारीच वें
 45 दिन की बसीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में श्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबब्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्पञ्जीकरण :--इसमाँ प्रयुक्त कब्दाँ बार पदाँ का, जो उक्क बाधिनियम क अध्याय 20 क ए प्राप्त पत्र हौ, वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 5-ई-3 बी०पी०, जो ि एन० आई०टी० फर दाबाद में व्यित हैं किस्ता कृष्टिता विराण क्रिक्ट की भाषेताराके अर्यालात, फरायाबाद में रिजरद्रा सं० 2478 दिनों र 2-1-1985 पर दिया गया है।

> बी० एस० खती सभाग गांधि गरी सहायक भाषकर भाष्ट्र (िर दण) धर्जनेर्रेज, रोह्सक

तारीख: 4-9-1985

मोहर:

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाय्क्स (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, रोहतक

रोहसण, दिनांग 4 िस बर 1985

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यूः/फर ध्वाध/13/84-85— अतः मुझे, बा० एल० खलाः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जित्रका सं० प्लाट सं० 1345 जो लिटए-14 भाजन इस्टेट फरापास में स्थित हैं (की इका उपावस अनुपूज में भीर पूर्ण रूप के विणित हैं), भी दूर ति श्रीध पर वे भाय रिय, फरादाबाद में भा ताय आयहर अधि किस, 1981 है इस स िसी. 21-1-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत कही किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः वधं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (.) उर्वेश्व अनुल शर्ना, मनोज धर्ना पुतान रमेश सार शर्ना, नियास:---10 बाबर लेल, नई दिल्ला। (स्तरह)
- (2) श्री चन्दर कान्त श्रग्नभास पुत श्री कंदर सेन श्रग्नभास, निश्वान-भागन नं० 1092 सेक्टर-15, फराधाबाद।

(प्रशतिः)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्णा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर से 45 विन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सृष्णा की सामील सं 30 दिन की अवधि, को भी व्यक्ति या समाप्त हाती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पास में हितस्बूध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हातेगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समाति प्लाटनं 1345 जो 1011.11 वर्गगज ा क्टर 14 श्राजन इत्टेट फराबाद में व्यित है जिस्सा श्राधिक शिक्षा एनिन्द्री ति अधि तरी के प्रायंति किरीयाबाद में रिजिस्ट्रा सं 3168 दिनां 21-1-85 पर दिया गरा है।

बी० एल० खती सक्षम गाधि ∵रो सहाय ः भाग∵र भ्रायुक्त (निर क्षण) श्रर्जन रेंज, रो_{ध्}तक

तारीख: 4-9-1985

मांहर :

प्रकप बाह्" टी एन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्ट (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहसक

रोहस :, दिनांक 5 सितम्बण 1985

िर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़ग.व/611/84-85 अत: मुझे, बी० एल० खर्ती

धासकर जांधनियन, 1961 (1961 का 43) (चिने इसमें इसमें पर्वचात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्टित जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भी: जिलाहर संव भूमि उत्राघा 19 बिस्बे जी गांव न युपुर में स्थित है (प्री: इला उपाबस अन्युच में धीर पूर्ण कर से विणा है), जिल्हा ती अधिलार के लायिक्य, रहरांव में भारतान अलाहर ती अधिलार के लायिक्य, रहरांव में भारतान अलाहर अधित में 1961 के अलाह ति कि के क्षेत्रमान कि पूर्व के लिए कतिरत की गई है और मूझ यह विश्वाम करने का कारण है कि सथापूर्व कर मम्परित का उचित बाबार मूल्य, सम्ब ध्रमान प्रतिफल सं, एसं क्ष्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकत स अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एम अन्तरण सं लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण सिकित में बास्तिक के स काथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाग्यस्थ मा कभी करन या उससे अपन मा सुविधा के लिए, आर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आसिसाँ का, जिन्हों भारतीय आयवार आधिनियम, 1022 (1922 का 11) या रकन अधिनियम के भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अ-अ ना या किया बाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः वयः, उक्त अधिनिवमः, की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन् क्रे---

- () का मालू सुनुव गर्जू ि(का-च्याक व पोस्ट-नाथुपूर जिल्लाङ्गीती । (कारा)
- (:) मेर्रात नैपागन रीजन इस्टेट एण्ड आरार्टभेट लिभिटेड 2:-22 न श्वा पेलेड एलिसमेंट स्ट्रांट , नई (हल्ला)

(बद्धी सं)

को यह नृचमा भारी करके पृचीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहिया शुरू करता हुं।

उनल सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की अवधि या तत्मग्वन्धी व्यक्तियों पर सुमना की तामील स 30 दिन की जत्रिश, जा भी जन्धि बाद में समाप्त हाती हो, के मीतर पूर्वोक्त स्थिक्तियों में सोकिमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किय जा सकती।

स्वव्यक्तिकरण :----क्षममें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिवा यया ही।

अनुमूची

> र्वाः ० एल ० खतो सक्षम प्रधि ए रः सहाय त श्रायकर ग्रापुक्त (िर क्षण) श्रजन रेंज, रो⊾ुक

বিলায়: 5-9-1985

प्ररूप बार्ड टी. एन एस.-----, 361 (1961 का 43) की भारा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

र्शालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहत र

रोद्धाः, दिनां : 5 िदानार 1985

िर्देश है। प्रश्निक प्रश्निक प्रश्निक प्रश्निक विश्वित विश्व विश्वित विश्व विश्वित विश्वित विश्वित विश्वित विश्वित विश्वित व

श्रायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ब्रूब्ध 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीटिटिक सं० भूमि 8 ब घर 19 बिस्दा पुरुत जो ा । में स्थित है (ग्रीटिंग उगाबद ग्राह्म में ग्रीटिपूर्ण का से विगत है), रिविरट्र ति ग्रीधिटार के स्थांत्य गृहरांट में भारत य ग्रापटर ग्रीधिनियम 1961 के ग्रधन, दिनौंक 8-1-1985,

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्व, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह गितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गबा पितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में सहाविक रूप से कार्यन नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण स हुई किसी बाब की बाबत, उपत बाधीनयम के बधीन कर यान के जन्तरक की द्रायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा वी सिए, बार/वा
- ह) ऐसे किसा अप्रक लगा का या अन्य आस्त्या ता, जिन्हा भारतीय आयकर अध्यास्या, 1922 (1922 का 11) या स्वता अधित्यम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1967 र १००० प्रयोजनार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया थे। या िका जाना चाहिए था, स्लिपाने में सविधा के लिए।

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण भं, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिषित व्यक्तियों अर्थात :—

- (.) संश्रिय ाले, प्रभू, शेर रिष्ट पुतान श्रिय भाम रिष्ठ निकास — गांक ताथूपुता, तह० गुड़गांव । (श्रन्तरक)
- (3) मैं ॰ पैरागन िम्रल इस्टेट एप्ड म्राइंसेट लि॰ 21-22 नरेन्द्रा पेलेज, पार्लिनामेंट स्ट्रूट, नई दिल्ला।

(प्रतीक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन क भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति म हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पाम लिखित में कियो जा सकी।

स्थब्दीकरण:—इसमें प्रयक्त शब्दों और 'पदों का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समाति र्मि 8 वेघा 12 बिस्बे पुछता जो कि गांव नाथूपुर्र में स्थित है जिज्ञा अधि विवास रिजस्ट्री ति अधि तरी के कार्याल , गुड़गांव में रिजस्ट्रा संव 7038 दिनांद 8-1-1985 पर दिया है।

> बें∘ एल० खती सक्षम प्राधि ारी सहाय ह भ्रायवर भ्राय्क्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंः, रोह्तक

दितौत: 5-)-1985

प्रसम्ब बाह्य टी-एन एच : -----

णायकर मधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुखता

BITTO ET SAID

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जा रोंग, रोहार ह

रीहाक, रितंक 3 ि.स्बर 1985

िर्वेष सं० आई० ए० सी०/एमरू० अम्बानः/154/ 84-85--अः:, मुझे, बी० एल० खती,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उन्दर्भ अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-बा के अभीन नक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकर उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

श्रीति शिकी सं० भूषि 7 कतान गांव विद्यावाना में स्थित हैं (श्रीति होने उप बढ़ न्यूप्ति में श्रीर पूर्ण का से विणित हैं) रिक्षिति का त्याचि के कार्याय अम्बाना में भा तीय आयकर अधिवियम 1961 के अधीति दिल्ली उउ१—1—1985, का प्रवीकर सम्पति के उचित बाबार मत्य स काम के स्वयमन वितक्त के निए कत्यरित की गई हैं और माने वह विश्वास करने का बारण हैं कि एक्ष्यविक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके स्वयमान प्रतिकत से एसे स्वयमान प्रतिकत का बंदह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अनरका) और अंतरित (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय प्रया गया प्रतिकत कि निम्निलिकिन उद्योग्य से उकर अन्तरण सिवित में वास्त- कि स्थ से कि स्थ से कि स्था म्या हैं:——

- (क' बन्तरणं में हर्ड किसी बाय की बाबत, उक्त विध-नियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; वरि/या
- एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य अगस्तियों करा, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 ; 257 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि वा बाना बाहिए था, छिपाने अरें सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त विभिनियम की भारा 269-क के छनसरक कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) कों बधीन, फिन्नलिखित स्थिक्तिमीं, नार्कत्ः—

- (1) श्री कानै र िंद्ध पुत्र श्री गान—िंद्यावाला, सहरू
- (2) श्री रोजनगल जिज्ञा पुत्र प तानल पुत्र श्री पूजामत ति०-तम्बाला घहर (बादचाही बाग) (अन्

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन क कायनाहिया शुरू करता हुए।

वित संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस संचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की जबधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की स्वधि, जो भी सवधि सद में समाप्त हाती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकर्ग।

स्पष्टीकरण :--इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कांधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुयूची

समाति भूमि 7 कताल जो कि गांव जियावाला में स्थित है, जिजा अजिक विवास्य पित्स्ट्री आि प्रजिक रो के जाया थि अम्बाला में रिक्स्ट्री संख्या 7604 दिलांक 31/1/85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षन प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनों क : 3-9-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, विनांक 3 सितम्बर 1985

निर्वेष सं ० आई० ए० सी०/एक्यू०/सोनीपत/117/84-85-स्तः मुझे, बी० एल० खत्री,

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें राके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 8 कताल 6 मरले 4 कमरे एक सैट तथा दीवार जो कि गांव कुण्डली (सोनीपत) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक जनवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान तिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

हत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित स्थितियों, अधीत :--- 6—286 GI/85

- (1) मैंसर्स सहरीन आर्टस, कुण्डली, प्रोप० भीम सैन पुत श्री ईण्वर दास्। 645 सेक्टर 14, सोनीपत । (अन्सरक)
- (2) मैसर्स कथामीर कस्था इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड; 61-62 ट्रांसपोर्ट मेण्टर, रोहत शरोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं कः

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वा

सम्पत्ति भूमि 8 कनाल 6 मरले चार कमरा एक सैट तथा दीवार गांव कुण्डली में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्री संख्या 4572 दिनाक जनवरी, 1985 पर दिया है।

> बी० एल० खद्मी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 3-9-1985

मोहर 🤋

प्ररूप गाई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देण सं० आर्रे० ए० सी अ/एक्यू०/ गुड़गांव/610 8 4—85—अंत: मुझे, बी० एल० खदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्राप्त 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृख्य । ००.०००/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भिम 1 बीघा 17 1/2 विस्वे पृष्का जो गांव नाथूपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसृची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीन तो अधिकारी के नार्यालय, गुड़गांव भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 8-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गातार मन्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल में, एर इत्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से कथित ही विश्वा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनअर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बत: वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् हि— (1) श्री रतीराम पुत्र श्री तोताराम नि०—गांव व पोस्ट नाथूपुर जिला—गड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मैससं पैरागन री**अस ई**स्टेट एण्ड अपार्टमेंट लिमिटेड 21-22 नरेन्द्रा पैलेस पालिमेंट स्ट्रीट नई बिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

बनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में लगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसक्ष किसी जन्म ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्दिशायिक हुँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुस्ची

सम्पत्ति भूमि 11 बीघा 17 1/2 विसवे पुक्ता जो कि गांव नाय पुर में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 7044 दिनांक 8/1/85 पर दिया है ।

बी० एल**० खन्नी** सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, रोहनक

· **दिनांक**ः 6-9-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहासक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 सितम्बर 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/पानीपत/118/84-85

----अतः मुझे, बी० एल० खती, शावकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) शिवसे इसमें इसके पश्चात् 'सका वीवनिवर्ध' खद्दा गया ही. की धारा

कारण है कि स्थानद कम्परित, निक्रमा उक्तिय नामाह मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० भूमि 11 बीघा 8 विसवा जो पत्ती राजपूताना, पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 7-1-1985,

269-क के वशीर सक्षत्र शरिक्कारी को कह विश्वात करने का

को पूर्वोत्रस संगति के जाँचय बाजार क्ष्य वे क्ष्म के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अंसरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि वथायूर्वोक्त संग्रीत का जीवत वाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिकल को भन्तह प्रतिकत से अभिक है और बन्तरक (मन्तरकों) जोर बन्यरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एंडे क्ष्यहण के लिए तब पाना गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य वे जन्त नक्तरण निम्नलिखित उद्देश्य वे जन्तर निम्नलिखित उद्देश्य वे जन्तर नक्तरण निम्नलिखत अ

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाव की नावत, उक्छ स्थितिक्स से अधीन कर देने से बन्तरक में दायित्य में कभी करने वा उससे न्यने में सुनिया के लिए; और/या
- ं(ज) एंती किसी नाम या किसी भन ना करने नास्तियों को, जिल्हें भारतीय नामकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना किया अना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी सिए;

वतः वयः उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के लगुक्रण में, में उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) व वधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, वर्षीय क्रें

- (1) श्री लाल चन्द गर्ग पुत्रान श्री नावल किशोर निवासी---किशोर हाऊस, असन्ध रोड, पानीपत ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री हरविलास पुतान रामचन्दर, श्री रमेश कुमार पुतान श्री हर विलास निवासी—पानीपत ।

(अन्तरिती)

का बहु ६ रहा बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां कु करता हुँ।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :

- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकाशन की तारीब में 45 विन की जबीध या तर्वांचें।, व्यक्तियों पर कृषवा की पालील के 30 किन की संबंधि, को की संबंधि कार में संबंधित होती हो, जो भीकर पूर्वोंकर कारिकाों में से किसी व्यक्ति कुनाया;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीवण उन्ह स्थानत सम्मत्ति में हिस-वहां किसी व्यक्ति ध्वादा, अभोहस्वाद्धां के वाद्य निर्देश में किए वा कर्किन।

सम्बद्धिक द्वाम :---इडमें प्रयुक्त कव्यों कीर वर्षों का, को स्वयं व्योधनियम, के मध्याय 20-क में परिशावित हैं, बहुई वर्ष होगा को उस मध्याय में दिवा नवा है।

वस्त्वी

सम्पत्ति भूमि 11 बिघा 8 विसवा जो कि पती राजपूनाम, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में राजस्ट्री संख्या 4880, दिनांक 7-1-85 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 5~9-1985

अक्य वार्ड.टी.एव.एस.------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी > /ए क्यू० गुड़गांव/620/84-85 अतः मुझे, बी० एल० खती,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का अधिक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिस्की सं० भिम 5 बीघा 2 बिसवा में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव भारतीय आयकर अधि नियम 1961 के अधीन, दिनांक 21-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृष्यमान प्रतिकाल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी मान की नामत, उन्तर किपिनियम के कधीन कार धाने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उत्तस बचने में सृविधा के लिए; और/था
- (व) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधील जिल्लीमुखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सरला विधवा विडो स्व० धोरे पुत्र श्री प्रभू, निवासी—-गांव नाथूपुर तह० गुड़गांव । (अन्तरक)
- (2) सर्व/श्री किश्निनलाल, रतनलाल पुत्र श्री सुनहरी पुत्रान श्री मित्तर निवासी---गांव नाथूपुर तह० गुड़गांव । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिनों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति त्वारा अधीहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिव गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 5 बीचा 2 विसवा पुन्ता जो गांव नाथूपुर तह , गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री नर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 7253 दिनांक 21-1-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 9-9-1985

मोहर 🛭

प्रकृत जाद<u>ी. हर्रे. पुत्र . पुत्</u> .-----

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना बाइव चड्डा

कार्याजय, सहायक कायकर बायक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/फरीदाबाद 1/84-85---अतः मुझे बी० एल० खन्नी

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रः. से विधिक है

धीर जिसकी सं • फैक्टरी बिल्डिंग व प्लाट सं • 37 सैक्टर 6 फरीदाबाद में स्थित है (श्रोर इपने उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधि कारी के कार्यालय फरीदाबाद भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधी। विनांक 7-1-1985

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतारितयाँ) के बीच एसे बंतरम के सिए तय पाया गया प्रीत-कत, निम्नमिद्धि उद्दर्भन् से उन्त जन्तरम् सिद्धित में भारत्यिक क्य से कथित नहीं किया ग्या है द--

- (क) बन्तरण चे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अप्रिमित्र के नभीन कर दोने के जन्मपुक के दरवित्य में कमी करने या उसने यूनने में स्विधा ने निष्; नीड/वा
- (था) एीबी किसी जाय या किसी भनुता जन्य जास्तियों को जिन्हीं भारतीय नाय-कार निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या ब्ब्कर सूरिधीनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्ररिती दुवारा प्रकट नहीं किया वया थाया किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में व्यविधा के विद्

अतः अध, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसन्दर्ग में, में, रफ्त निर्माणियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स आटो पिस (इण्डिया) प्रा० लि० न्यु फ्रेंण्डस कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स निक्की तामा इण्डिया प्रा० लि॰ ई-1, ई-2• महाजन हाउसः एन० डी० एस० ई०-II, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियु कार्यवाष्ट्रिया सुरू करता हुए।

उक्त सम्पर्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हु--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की समिप या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी सामील से 30 दिन की अवधि , जो भी मबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यन्तियों में से किसी न्यक्ति ब्वारा:
- (न) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहर्थ किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्स सिवित में किए वा सकेगें।

स्पर्काकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मन्स्यी

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग व प्लाप्ट सं० 37 जो सैक्टर 76 फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता क कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 2686 दिनांक 7-1-85 पर दिया है।

> बी० एल० खक्षी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

विनांक: 4-9-1985

मोष्ट्र ४

प्ररूप नार्दे. दी. एन., एस,------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-थ (1) के अभीत सुचता

भारत मरकार

कार्याजय, सहायक अध्याप्य आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/जगाधरी/104/84-85-अतः मुझो, बी० एल० खती

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का ऋरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० म० सं० 560 जो फेण्डस कालोनी यमुना नगर में स्थित है (भौर इसने उपायद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, विनांक 28-1-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में कास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाम की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उपत अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-थ के अनुसरण कों, मीं, जक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निमाजिक्त व्यक्तिकां, वर्षात् स—

(1) श्री जसवन्त सिंह पुत्र दीवान सिंह नि०—मकान नं० 560 फोंडस कालोनीः यमुना नगर तह० जगाधरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद मित्तर पुत्र श्री मोहनलाल निवासी— म० सं० 74 ऋष्णाकालोनी यमुना नगर-तह० जगाधरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति मां
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा स्कोंगे।

स्पंध्वीकरणः--इसमें त्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्यि। वसा है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति मकान सं० 560 जो फ्रैण्डस. कालोनी यमुना नगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीफर्ता के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 5398 दिनांक 28/1/ 85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रोंज, रोहतक

दिनांक : 13-9-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं अधि ए ए सी । / एक्यू जगाधरी / 99/84-85--- अतः मुझे, बी ० एल ० खती,

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसर्थे इसके प्रवात 'उकत मिधिनायम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 16 कताल 1 मरलां जो मौजा कामी माजरा में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 17-1-85.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वदेश से उकत अन्तरण निश्चत में शम्तिक रूप से किथस नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

जतः अध,, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री कुतुबुलदीन, रहमुलदीन पिसरान अमाम ऊलदीन पुत्र शादी म० नं० 12,08, खेंड्रा मोहल्ला, यमुना नगर ति० जगाधरी ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स शंकर टिम्बर इण्डस्ट्रीज, यमुना नगर तह • जगाधरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में से किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगसर्वा

सम्पत्ति भूमि 16 कनाल 1 मरला जो कि गाँव कामी माजरा में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री क्रिं कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्री है, संख्या 5209, दिनांक 17-1-85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, रोहतक

विनांक: 13-9-1985

प्रारूप जाई टी.एन.एस.

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यांजय, सहायक मायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/613/84--अतः मुझे, बी० एल० खदी,

त्रामकर विधित्राम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे द्वाके द्वाके प्रकार जिन्दा निर्मित्रमा कहा गया है), की शाक 269-क से स्थीन दक्षण प्राधिकारी को वह विद्यास करने का कार्य हैं कि स्थावर संवरित, विश्वका उणित वाचार भूनम 1,00,000/- रहा से जीधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 2 बीघा 5 विसवा जो गांव नाथूपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 14-1-85,

नोत पूर्वोक्त बन्यत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिकाल के जिए जन्दरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास कालों का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उपायत बाजार बुन्च, उसके कालमान प्रतिकाल ते, एते कालमान प्रतिकाल का अनुह्द प्रविक्ता से विषय है और बन्तरक (जैसरका) और बंखिरती (बन्तरिशिक्षा) के बीच एते बन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रति-क्ता निम्नामित्रित उद्वेषय से उन्त बन्तरण सिचित में बास्त-अन्त क्या से कावित नहीं किया नवा है:---

- (क) बन्धरण वंश्वर्ष किली बाव की बावब, जनवं विधिनियम के अधीन कर बोने के जन्तरक के शांकरण वो कवी करने वा स्वयं अधने वो स्विधा के विश्वर बीर/मा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी थन या अस्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियन, 1922 (1922 क्य 11) वा उक्त बिधिनियन, या अनकर बीधिनियन, या अनकर बीधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ बस्तरिती ब्रुवारा प्रकट नहीं किना स्वा वा या किया बाना वाहिए वा किपाने ये स्विधा के लिए;

- (1) श्री भिशन लाल पुत्त रूमल
 - नि॰—गांव—ताथूपुर तह॰ जिला-गुड़गांव । (अन्तरक)
- (2) श्री लक्षमन पी० सारीन ए 1/38 पंचमील इन्म्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के भवन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

अन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 2 वीघा, 5 बिस्वे जो कि गांध नाथूपुर में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 7106 दिनांक 14-1-85 पर दिया है।

बि.० एल ० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

बतः सव, उभत अधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरम वं, में, दशत अधिनियम की भारा 269-म की उपभाय (1) वे अभीत भिन्नीकीका व्यक्तिको अधित है—-

विनांक: 9-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 5 सितम्बर 1985

भिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/हि्सार/91/84-85--तः मुझें, बी० एल० खती,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि 9 कनाल 17 मरले तथा जो तबण्डी राना, हिसार, में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, हिसार भारतीय आयकर अधिमियम 1961 के अधीन, दिनांक 15-1-1985

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के क्ष्यमान्
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
 करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 इसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
 (अन्तरकर्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण
 के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देष्य से
 क्ष्या अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
 गया है:---
 - (कं) अन्तरण से हुई किसी आदः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
 - (क) इसी किसी बाब या किसी भन या अन्य आस्तियी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----7—286GI/85 को किस्सा (1) श्री गुलाव पुत्राः। श्री रामसरूप गुजर निवासी—गांव तलवण्डी राना जिला—हिसार ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अग्रवाल इंजीनियर्स, नलवण्डी रामा जिला—–हिमार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति भूमि 9 कताल 17 मरला जो कि गांव, , तलवण्डी राना में स्थित है, जिनका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्री संख्या 4717 दिनांक 15-1-85 पर दिया है।

बी०एल**० खत्री** स**क्षम प्राधिकारी** मह(यक अ(यक्षर आयुक्त (**निरीक्षण)** अर्जन रेंज, रो**हतक**

दिनांक: 5-9-1985

प्रकृष बाह्रै ती. एक. एक. न्यान्यवस्त्रक भावकर अभिनियम, -1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

नारत व्यक्तार

कार्यास्य, सहायक बायकर भाग्यतं (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1984-85--अतः मझे, बी० एल० खन्नी,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"). की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि 60 एकड़ तथा जो कालका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका में आयकर अधिनियम 1961 के अधीम दिमांक 11-1-85

को पूर्विक्त सम्मित्त को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विष्यान करने का 'कारण है' कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल तो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्टत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नितिष्ठत उद्वेष्य से उन्त जन्मरण चिक्तित में सस्तिक है को पन्ति तम पाया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धृन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें आरतीय अन्य-अन्य अभिनियम, १००० (1922 का 11) या जनस जिन्हियम गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यम भा या किया जाना चाहिए थर, जिल्ला संविधा से सिष्;

कतः वय, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कुलदीय कौर विधवा भगत सिंह नि०—-अम्बाला छावनी ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्छ सम्मित्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीख से 30 दिन की अवधि, वो भी व्यक्ति आद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्व स्थानत्यों में से किसी व्यक्ति हवारा:
- (च) इस स्वता के राज्यत में प्रकाशन की तारीच ६ 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के दाख लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्रमीकरण के अध्याक्ष क्षेत्रहाँ और पर्वो का, जो उन्स अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया हैं।

वनस्या

सम्पत्ति भूमि 50 ए 5 इ जो कि तहमी व ठालका में स्थित है, जिसका अधिक विश्वरण रिजस्ट्री कर्ता के कार्यालय कालका में रिजस्ट्री संख्या 2313 विसांक 11-1-85 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

दिनांक : 13-9-1985

मोहर 🕊

प्रकृत :बाइं. टी , एम , एस . ------

बावकर बाधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

मारत तुरकार

भावस्य, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू लाडवा/ 16/84-85---अतः मुझे, बी० एल० खन्नी,

बायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्स अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भिम 18 कनाल, 6 मरले जी थानेसर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री कि अधिकारी के कार्यालय लाडवा में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 10-1-85

को बृबॅफित सम्मिरित के उपका बाबार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की घटा ही और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल में, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पत्कह प्रविचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वामा गमा प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथिश नहीं किया गया है क्ष्री

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाम की बावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे दबने में सुविधा के जिए; और/या
- (ब) एसी किसी अध या किसी घन या बन्ध अधिस्तर्थ। की, जिन्हें भारतीय आध-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1357 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रयोग नहा कि दो गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विमा के लिए;

बाद: अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ए के बनुसूरण मों, मों उबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन : निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री राजिन्दर पाल पुत्र श्री मांगेराम नि०—लाइवा तह० थानेसर।

(अन्तरक)

(2) श्री अमृत पाल पुत्र श्री सोम प्रकाश श्रीमती ऊषा किरण पत्नी सोमप्रकाश श्रीमती संतोष कुमार पत्नी विष्णू सरण, श्रीमती रमा रानी पत्नी सुनील कुमार नि०—नाडवा पार्टनर मे० दयाल राइस जर्नल मिल्स लाडवा तह० थानेसर जि० कुरुक्षेत्र। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करना हु।

क्यत् सुम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रोपः ---

- (क) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की नारीय के 45 दिन की जबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्बाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्तित द्यारा अभोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रथानत सच्यों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट हुँ, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

¥4्भृती

सम्पत्ति भूमि 18 कताल 6 मण्ले दीव. यो पहिए जो कि निवाहमी में स्थित हैं, जिलका अधिक विश्रण यजिल्द्री कर्ता के कार्यालय लाडवा में यजिस्ट्री संख्या 1078/दिशोह 10-1-85 पर दिया है।

> बी० एकः खन्नी महाम भागि गारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोंग, रोहनक

दिनांक : 12-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर जायुक्त (निएकिण)

ध्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 9 सितम्बर 1985

निदेश संब्धाई० ए० मी०/एक्यू ध्रम्बाला/126/84-85--भ्रतः मुझँ, बी० एल० खत्नी,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अपूर्म 11 कताल 6 मरले गाँव समी माजरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रुतुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में भारतीय श्रायकर श्राधनियम 1961 के श्राधीन, दिनांक 4-1-85

भरे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से का। के द्रश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार क्रूब, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का न्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) ब्रीर अंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंध्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित गें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिश्वा के लिए; सरि/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन वा भन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कात, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की प्रधारा (1) के बधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अधिन :— (1) सर्व श्री उजागर सिंह, श्रीतम सिंह, श्रजीतसिंह, पुद्धान गंगा सिंह नि०- समो माजरा तह० श्रम्बाला ।

(भ्रन्सरक

(2) मैं मध्र फुटवीयर इण्डस्ट्रीज , समो माजरा तह० श्रम्बाला ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, धही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्यक्ति भूमि 11 कनाल 6 मरले जो कि सभी माजरा में स्थित है, जिसका अधिक विवरण राजस्क्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में राजिन्ही संख्या 7028दिनांक (4-1-85 पर दिया । है ।

बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सह।यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-9--1985

प्ररूप आई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 सितम्बर 1985

आयकर जीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और निक्षिति में भूमि अबीधा 6 बिसवा का 11/12 भाग जो निश्वपुर में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप मे गणित है) राजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में आकर श्रधिनयम 1961 के अधीन दिनांक

15-1-1985

को प्वेंकिर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक एव से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के जिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के नधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्— (1) श्री मोहनलाल पुत्र गिवदयाल, हरकेष पुत्र हरफूल, श्रीमती निथया पुत्री विश्वन सिंह, चरन सिंह पुत्र विश्वन सिंह बाबूलाल पुत्र धरन सिंह नि० नाथूपुर तह० गुड़गांव ।

(भन्तरक)

(2) मैं वैनागन रीम्नल ईस्टेट एण्ड भपार्टमेंट लि०, 21-22 नरेन्त्रा पैलेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (म्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमा, के अध्याय 20-क में दिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

सम्पत्ति भूम 3 बीधा 6 बिसवा का 11/12 भाग जो गां नाथपुर में स्थित है, जिसका श्रीधक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता वे कार्यालय गुड़गांः में रिजस्ट्री संख्या 7152 दिनांक 15-1-85 पर दिया है।

> बी० एल० खली सक्षम प्रांघकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, रोहतक

विनांक : 9--9-1985

THE U

एक्ये आर्थ**्टी, एक**, एस , -----

नाधकर विधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भाष भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

नारत सरकार

कार्याक्ष, सहायक भायकार मत्मुणा (जिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश संब्धाई० ए० सी०/एक्यू० हिसार/93/84-85---भतः मुझें, बी एल० खती,

शायकार शिशितमम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उन्दा विशित्तममं कहा गया हैं), की वारा 269-इ के वभीन समक अधिकारी को यह विश्वास करने का समका है कि स्थावर-सम्पत्ति, जिसका स्थित नाजार मुस्य 1.300,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अभिक हैं
और जिसकी सं० भूमि 17 कनाल 3 मरले जो गांव सात रोड,
में स्थित है (और इससे उपाधन प्रतुमूची में और पूर्ण रूप से
अणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हिसार में
आयकर श्रीधित्यम, 1961 के श्रधीन, दिनांक 16-1-85
को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाचार मून्य से कम के स्थमान
प्रतिकास के किए अन्तरित की वहाँ हैं और मुख्ये यह विश्वास करने
करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार
मून्य, अन्य स्थमान प्रतिकास में और बंतरक (अंतरका) और अंतरातिकास निमानितात जब्दोबर से जक्त जिए तम पामा ज्या
विश्वास निमानितात जब्दोबर से जक्त जन्तरण हिस्बित में
वास्त्रीका कि का से कीवत नहीं किया गया है :----

- हैंकों बंधरण से हुयां फिली मान की बानत, बक्त धरिपीयन्त् के बचीय कर दोने के बंधरूक के दावित्य में कभी करने या उससे क्ष्मों में सुविधा में सिद्ध; और√वा
- (बिंध्येती किसी जान वा किसी धन या अन्य बास्तियों को , जिन्हें आरतीय जायकर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या अक्त जीधीनयम, बांध्यन-कर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया थना बान्या किया बाना दाहिए था। कियाने में बृतिया के किया

भारतः शकः, क्यतः विधिनिधमं क्री भारतः 269 तः क्षे अवस्तरकः क्षे, मी, तक्तः विधिनियमं क्री भारतः 269-वः क्षी उपभारतः (1) क्षे अभीतः निम्मतिचित्रं व्यक्तियों, अवस्ति :---

- (1) श्री भ्रमर सिंह पुर्व गयोदान पुर्व कालू नि०--गांव, सात रोड, खास, तह० हिमार। (अन्तरक)
- (2) मैं ० एसोसिएटेड डिस्टलरीज प्रा० लि० द्वारा स्टमे० भानू स्टील इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 10 कि० मी० स्टोन, देहली रोड, हिसार ।

(ग्रन्तरिती)

क्ष्ये नह त्नुवा वारी कड़के वृत्येंक्स स्म्मृति के स्थेत के लिए कार्यवाहिकां करवा है।

ज्या शुम्हीरत के वर्षन के सम्बन्ध में केरह भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुमाना के हायान में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जनीभ या तत्से नेधी व्यक्तियों पर सुमान की सामीत से 30 दिन की सनिध, जो भी सम्मान कोती हो, जो भीतर पूर्वित स्वित्यों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इत ब्रुचना के शायमत्र में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन के भीवर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्राह्म, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त के विश्व का सकीने।

स्विकरण :---दसमें प्रयुक्त खुक्यों और पदों का, जो उकत विश्वित्यम के अध्यास 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होता को उस अध्याय में दिया मना है ।

सम्पत्ति भूमि 17 कनाल 3 मरले जो सात रोड आस में स्थित है, जिसका ग्राधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के नार्यालय हिसार में रिजस्ट्री संख्या 4776 दिनांक 16-1-85 पः दिया है।

बीठ एतः खन्नी सक्षम प्राधिकारी **सहायक ग्रायकर** प्राधुक्त (निरोक्षण) **ग्रा**र्थन रेज, रीहतक

विनांक : 10-9-1985

प्रकल बाह्रों . ट्री., एन*ु* एक_{ा स} स : s :::::::::

थायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाए 269-थ (1) के बर्धीन स्वना

सहस्र बहुकार्

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू ग्रम्बाल / 140/84-85---ग्रितः मर्जे, बी० एल० खली,

जायकार ग्रीधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके क्ष्यान् 'उक्स मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2/69-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धिरवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिनका उचित वाचार मूल्य 1,00.00।/- रा. से अधिक है

और जिसकी संवम् नं 115 जो माछल टाउन ग्राम्बाला णहर हे स्थित है (और इससे उपाबस ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विभिन्न है), रिजरूद्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, ग्रम्बाला भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक 16-1-1985,

कर्त यूबोंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विकास करने का कारण है कि यथायलां के संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उत्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिक्त से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण ने हुई जिल्ली नाम की नानत, वनत अधिनिधम के अभीन कर दोनें में बन्तरक के दादित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के विष् स्वाप्त क्षेत्र
- (ख) एसी किसी भाव या किसी भन या अन्य अहिसायों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त जिथितियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-लाग अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा का किया जाना जाहिए जा किया में सुविधा से सिक्ट;

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण हों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सर्व/श्री इकबाल सिंह सोवी पुत्र बाबा हरी सिंह सोवी.

नि०—सिसिल होटल अम्बाला छावनी श्रीमती जसपाल कौर सोबी पत्नी श्री र्यमन्दर सिंह म० नं० 16/438 होवी कालोनी नई दिल्ली, जोगिन्दर सोबी पुत्र बाबा हरी सिंह सोबी म० नं० ए-65 डिफेंस कालोती नई दिल्ली, मुखबेन सिंह सोबी, पुत्र बाबा हरी सिंह सोबी,

नि०—8 सिंसिल होटल अम्वाला श्रावनी, /ग्रमृत सिंह सोबी पुत्र मोहर सिंह बेबी, राजेन्दर सिंह बेबी पुत्र मोहर सिंह बेबी ।

नि॰---1 लक्ष्मी निवास-5 रोड खारवर, बम्बई--400052

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वर्णनी देवी पस्ती श्री सोम प्रकाश पुत्र श्री साध्राम ।

नि०--मुलाना तह० ग्रम्बाला ।

(श्रन्तरिती)

कार बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के लक्ष्यन के देखा। कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सन्दरित के कर्षन के संबंध में क्रीहाँ भी बाक्षेप ह---

- (क) इस क्षता के राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीय के 45 दिन की अविधि वा तत्स्वस्वरूभी क्ष्मिक्तमां भावत् सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि; को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाय;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ं वे 45 विन के भीवार उनत स्थानर संस्थीत में हिस्स क्यूज किसी अन्य व्यक्ति व्याप अभोहस्ताक्षरी के पास सिविश्त में दिल्ल का करों में (ह)

रनव्यक्तिरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधितियम के जभ्याय 20-क में परिशायित हैं, वहीं जर्थ होगा, थो उस-वश्वाय में दिया वशा हैं।

सन्स्ची

सम्पत्ति मकान सं० 115 ओ माडल टाउन श्रम्बाला शहर में स्थित है,जिसका मधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 1306 दिनांक 16-1-85 पर दिया है ।

> बी० एस० खत्नी सक्षमाश्राधिकारी सहायक भायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ग्रम्बाला/150/84→85—— ग्रतः मुग्ने, बी० एल० खती,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ष्ममें प्राप्तिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं भौर जिसकी सं० नं० 8657 जो मुहल्ला नया बांस भ्रम्बाला महर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम 1961 के श्रधीन, विनांक 25-1-

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्बेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सन्तोष राना पत्नी श्री सीहननाल नि०-8657/5 नया बांस श्रम्बाला शहर । (श्रन्तरक)

البدائد الدادة فكالمتصافعات الدارية الكالا

(2) सोम प्रकाण पुत्र मुलख राज नि०---8905/5 बार्ड नं० 5 अम्बाला आहर । (प्रन्यारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा:
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति मकान 8657 जो कि ख्लाक 6 ग्रम्बाला शहर में स्थित है, जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के वार्यालय ग्रम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 7477 दिनांक 25-1-85 पर दिया है ।

वरः एतः खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

दिनांक: 11-9-1985

मोहर ः

प्ररूप बांई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं बारा 269 व (1) के जबीन स्वना

. शास्त्र सरकारः

्रकार्यालयः, सङ्घायक बायकार बायका (निहासिक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू० फ़रीदाबाद/12/84-85--श्रतः मुझे, बी० एल० खड़ी,

बाइकार इसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हैं कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको मं० मकान नेक्टर 15 फरे: दावाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रीध हारों के कार्यालय, फरं:दाबाद भारतोय ग्रायकर ग्रीधनियम 1961 के ग्रीधोन, दिनांक 11-1-1985,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के डश्यमान श्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्निलिखत छड्डिय से उक्त अन्तरण निश्वित के किए से क्षितिक के किए से क्षितिक के किए से क्षितिक के किए से कि किए से कि किए से कि किए से किए से कि किए से किए से

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कनी करने वा उसके बचने में स्विधा के किए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 8—286GI/85

- (1) द्विगेडियर उ० पं ० प्रति पुत्र **० रत राम** नि०--- के जंगुलुक पुरूष्टेंगल नही **दिल्ली** । (स्रन्तरक)
- (2) सर्व/धे मद्दलाल, ामरार पूत्र दुर्गादास रामपाल नि०—पाहोल जिला ालकागुर (पंत्राब) (ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हुं।

ज़क्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोड़ी भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्रील से 40 किया की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्विकार के की तार्थ के उत्तर होती हो,
- (ख) इस सूचना के राजपन हों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उकर स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के गास निश्चित में एक्ट स्थान है।

स्मास्त्रीकरण ह——इसमं प्रयुक्त शब्दा और पदों का, वा उसक अधिनियम के अभ्यःम १८-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जह उस अध्याय में दिया स्था ≰

हानस्य १

सम्पनि महान जो हिः शेक्टर-15 फरीवाबाद में स्थित है, जिसका ग्रिधिश वितरण किन्द्र कि विवस्ण फरीवाबाद में रजिस्ट्रो संख्या 2809 हिल्के: 13-1-85 पर दिया है।

> र्बः० एल० खतीर सक्षम प्राधिकारी पहायाः आएार क्रायुक्त (तिरीक्षण) प्रीत रोज, रोहतक

.tदनांक : 12-9-1985

बार्क्स कार्य है की है पुन्न के के अध्यक्त कर क

बावकर विभिन्तियन, 1961 (1961 का 43) की । पारा 289-प (1) के श्वीत क्षमा

THE REST.

कार्याचन, बहुरक वारकर वार्यत (जिह्नीक्य)

भ्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/धम्बाला/141/84-85-अतः मुझे, बी० एक० खती,

कावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इतमें इसके वश्वात् 'उन्तर मिधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० म० नं० 115 जो माडल टाउन, श्रम्बाला शहर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रम्बाला भारतीय श्रामकर सिधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक 16-1-1985.

को पूर्वोक्त तम्पतित के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान वितिक्ष को सिए वस्तिरित की गई है और धुओं नह विश्वास करने का करण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का अवित वाजार मृत्य, उसके ध्रम्यमान प्रतिक्षल तो, एसे ध्रम्यमान वितिक्ष का पेड्रह प्रतिकृत से जभिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए हम पाया गया प्रतिकृत किम्मिनिक उन्हों के स्वार व सन्तर्ण तिस्ति में वास्तिक रूप से अभिक महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी काय या किसी धन या कत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीन नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, यः वन-कर निधिनयम, यः वन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृत्तरा प्रकट नहीं किया ज्या वा या किया जाना चाहिए ना कियाने में सुविधा के निष्

बतः अत्र, तक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, अी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म उपभारा (1) को सभीत, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) सर्व/श्री इकबाल सिंह सोधी पुत्र बाबा हरी सिंह सोधी नि०—सिसिल होटल श्रम्बाला छावनी, श्रीमती। जसपाल कौर सोदी पत्नी श्री शामिन्दर सिंह म० नं० 16/438 लोबी कालोनी नई दिल्ली, जोगिन्दर सिंह सोदी पुत्र बाबा हरी सिंह सोधी म० नं० ए— 65 डिफ़ेंस कालोनी, नई दिल्ली, मुखबेन सिंह सोदी, पुत्र बाबा हरी सिंह सोधी नि०-8, सिसिल होटल श्रम्बाला छावनी, श्रमृत सिंह बेदी, राजिन्दर सह बेदी, पुत्रण मोहर सिंह बेदी नि-1 लक्ष्मी निवास— 5 रोड, खरवर बम्बई-400052।

(धन्तरक)

(2) श्री सोम प्रकाग पुत्र श्री साधूराम नि०~-मुलाना, तह० व जिला प्रभ्याला । (प्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करणे पूर्वोंक्ठ सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपर्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्यांत्र वं 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत कुषवा के राजपण में प्रकाशन की तारीश के
 45 विन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी वे
 पास सिश्चित में किए जा सक्ष्ये।

स्वकाष्ट्रियः — इसमें प्रयुक्त सब्बां और पवां का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाविर है, वही अर्थ ६ भा जो उस अध्याभू में दिस गया है।

पनुसूची

सम्पत्ति मकान नं 115 जो माङल टाउन ग्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, ग्रम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 7307 विनांक 16-1-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 12-9-1985

THE ME ST. HE SECTIONS

भावकर नृष्तियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जीन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 9 मिलम्बर 1985

निवेश सं० भाई०ए०सी०/एक्यू० जगाधरी/105/84-85----श्रतः मुझे, बी०एन० खनी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा कु9-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्यू 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं मकान जे न्यू मार्केट, जगाधरी रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जगाधरी भारतीय श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन, दिनांक 29-1-1985

भी पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का फारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार भूस्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिधीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन, निम्न, लिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्त- विक स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी थन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती ब्वारा प्रसट नहीं किया गया था वा किया आना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतः अभ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की धारा 269-थ उपधारा (1) वे अधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियाँ, अर्थात ह— (1) श्री उमेश मित्तल पुत्र श्री बाबू बुल चन्द मित्तल, निवासी—गली गंगा केसरा जगाधरी, निवासी श्रम्झाला।

(प्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश लाल मेहता पुन्न श्री नानक चन्द मेहता, मकान नम्बर 0-28, इन्डस्ट्रायल एरिया यमुना नगर। श्री विश्वामित्र भाटिया पुन्न श्री विश्वामित्र भाटिया सीमा पुन्नी विश्वामित्र भाटिया निवासी 209-जी, माडल टाउन यमुना नगर, धर्म सिह पुन्न केहर सिह, निवासी तेजली, तहसील जगधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनक् बुम्पति के वर्षन् के बुम्बुन्ध् में कोई भी बाबोद् ।---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकासन की तारी कर् 45 दिन की जनभिया तत्संत्री व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के रावपक में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्क क्ष्मित किसी जन्म स्थित स्वारा, वजाहस्ताकरी के पास निविद्य में किए वा सकेंचे।

स्थानिक स्वाप्त क्षेत्र कार्या कीर पदों का, को संबद्ध इंदिशिवक, के बध्याय 20-क में प्रिशाणिक है, वहीं कर्श होगा को उस कध्याय में विकास प्रा हैं।

श्रनुसूच*े*

सम्।त्ति महान जो न्यू मार्केट, जगाधरी रोड, यमुन। नगर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रावर्त्ता के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्री संख्या 544, दिनांक 29-1-1985 पर दिया है।

> बीर्णान खर्तः सक्षम प्राधिकारः सहायक क्रायकर भ्रायुक्त ('नेरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

तारी**ख**: 9—9—1985

मोहर.

अरूप बाई'.टी.एन.एस अच्च-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । रा 269-थ (1) के अधीन सुरमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रें**ज, रोहत**क रोहन :, दिनां व 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं ० आई० ७० की ०/एवपू ०/अम्बाल /129/84-85---यत: मुझे, बी० एक० छली,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियमें कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन एक प्रधान के का गह विश्वास करने सा कारण है कि स्थावन संवास अधिक हो विश्वास कारण मृत्य 100,000/- एक स अधिक हो

स्रीर जिसकी संग्यास्त प्राप्त १८८ है स्था जो राजा पार्क अम्बाला छावनी से १५४ है। (भूत इक्षर उप बढ़ अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप सर्वाणत है) स्वाल्य अधिवारी के कार्यालय, अम्बाला में रजिल्ट्री १८७ और १८८२, १९०८ (1908 का 16) के अधीन, तारोड, १० १८८३, १९८३

क जवान, ताराब, १० , १०००

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जाता शकार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने हैं। कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पात्त का उचित वाजार पूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्दर्ध प्रतिज्ञत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरता (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय को बाबरा; उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; ओर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धम या कन्य आस्तिकों का, विक्त अर्थान कर त्री धीनयम, 1922 ११९६८ वा कर अधीनयम, 1922 ११९६८ वा कर अधीनयम, या धन-कर ऑवन्यिम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्मार्थी स्वारा प्रान्ट नहीं किया गया था या कि का जाना चाहिए थे, जियान में सुविधा के लिए.

 श्री रोशन लाल पुत्र मेवा राम पुत्र करम चन्द, निवासी——समावेहदी तह० अम्बाला (अन्तरक)

2. श्री घसीटा राम पुत्र श्री पितम्बर सिंह पुत्र श्री बिशन सिंह श्रीमती जसरमीन पत्नी श्री घसीटा राम, . निवासी—-गांव कामसी (ग्रव म०नं० 22 राजा पार्क अम्बाला छावनी) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूख करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 22 जो कि राजा पार्क अम्बाला छावनी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता वेः कार्यालय में रिजस्ट्री संख्या 7176 दिनांक 10-1~1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 11-9-1985

प्रकृ वार्षं .शी. एन .एक

नायकरं निभिनिय्न्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न्(1), के न्यीय कुल्स

शास्त्र संरकार

कार्याल**व, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर 1985 निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/करमाल/152/84 85---यत:, मुझे, बी० एल० खती,

नायकर निर्मित्रमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विभिन्नमां कहा गया हो, की भारा 269-व के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति विश्वास विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति विश्वास विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति विश्वास विश्वास विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति विश्वास विष्यास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विष

भौर जिसकी संबद्धकान कम फ्लैट नंव 15 हैं, तथा जो जीव टीव रोड, करनाल हैं स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीए पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकतो अधिकारी के कार्यान्य, करनाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जनवरी, 1985

को पूर्वक्त सम्पत्ति के अण्डिय बाबार मृश्य सं कन के दर्वमान प्रतिकर के सिए अन्तरित की गई

हैं और मुझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार मृत्य, उस के दृश्यमान प्रति-कल से, एँसे क्यम्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच पूर्वे अंतरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिफल, निग्निसंखित उद्यक्ति से उक्त अंतरण सिखित में वास्त्रिक रूप से क्षित कहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण ते हुई किली जाय की बावत, धवत विधितियक के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्न में कमी करने या उत्तसे क्ष्मुने में कृषिधा के सिए; वांद्र/वा
- (व) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जान जासिकों को चिन्हें भारतीय बायकर वी ग्रीनयम, 1922 (1922 का 11) या उसत जी ग्रीनयम, या भन-कड बीचिन्हम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मीरती क्वारा प्रयश नहीं किया गया था वा ग्रिया प्राप्त वा ग्रीन्स की वृद्धिमा वा के विश्वत की व्याप्त की

वतः जव, उक्त जिमिनियम कौ भारा 269-ग कौ कनुबरण कौ, मैं, उक्त जर्मिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) डे अभीन, निम्नसिवित व्यक्तिसों, जर्भात् ६-- श्रीगोपाल दत्त दत्तक पुत्र शिवलाल, निवासी—-रमेश नगर, करनाल

(अन्तरक)

2ू सर्व श्री मनीकान्त, श्री कान्त पुद्धान श्री रिव प्रकाश श्रीमती रोशनी देवी पत्नी श्री रिव प्रकाश, निवासी—दी माल, करनाल

(अन्तरिती)

को वह बुचा वारी करके पूर्वोचत सम्पृतित वौ वर्षात्र की सिद्ध कार्यपाहिमा करता हुन।

उनत संस्थान से सर्वंप के सम्बन्ध को कोई भी बासीप :---

- (क) इस सुमान को राजपूक में प्रकाशन की हारीब से 45 विश्व की वनीब मा तरसम्बन्धी व्यक्तित्मों पर तुमना की हालीब से 30 दिन की नविध, जो भी अनीब का में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इत त्याना के राजपण में प्रकाशन भी तारीं ते 45 विश्व के भीतर उक्त स्वावर संपंति में द्वित-वृक्ष किसी कन्य न्यवित क्यांचा कथोद्दलाक्षरों के वास सिक्ति में किए का स्वीति ।

स्वक्षीकर्ष :— पुसर्ग प्रमुक्त संबंध बहुद वर्ष का, को उपस् व्यक्षित्वय के बच्चाय 20-क में परिभाषित हाँ, यही वर्ष होना को उस बच्चाय में द्विक गया हाँ।

श्रनुसूची

सम्पत्ति दुकान कम पलैट नं० 15 जो जी० टी० रोड करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री सं० 7214 दिनांक 3-1-85 पर दिया है।

> बी० गुल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीखा, : 9-9-1985

माहर 🛭

प्रका बार्चा हो । पुन्न पस .,-----

बासफार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ब (1) के बधीन स्थाना

नाइत बहुकार

क्षाशास्त्र महायक भाषकर जामूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 सितम्बर, 1985 निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/अम्बाला/146/84-85-यत:, मुझे, बी०एल० खती,

बावकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियन' कहा गया हो, की भारा 269-क के स्थीन सक्षम प्रधिकारी की यह नेवश्वास करने का कारण ही कि स्थायर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं जाट नं 651 व ग हे, तथा जो पत्ती मेहर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबज अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 जनवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दृष्टमान प्रतिफल से एसे दृश्यान प्रतिफल का क्लाई प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरिताओं) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निमासित उद्देश्य से उक्त जंतरण सिविता में बास्तिक क्य से कथित नहीं निक्या गया है:---

- (क) बलारण वं हुई किसी नाम की अञ्चल, उपका विभिन्न से अभीत कर को से सलारक छ। वासिक्य में कसी कारने वा संवर्ष क्ष्मने में सुविधा के विद्युः बहि/शा
- (ब) एेची फिर्ची नाथ या किसी भन य नन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नाथकार नाधानयभ, 1922 (1922 का 11) या जन्त नाधानयभ, ता जन-कर नाधानयभ, ता जन-कर नाधानयभ, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नया वा किया जाना वाहिए था, दिपाने में न्याविधा के निहा;

वरः अब उक्त अभिनियम की भारा 26 ा के अनुसरण वं, वं, वंक्त विभिन्नम की भारा 269 व की उपभारा (1) के वभीर विस्तिविधित व्यक्तियों, वर्षाद् थ——

- श्रीमती ज्ञानवती जैन पत्नी श्री विद्या प्रकाश एड० निवासी--अपोजिट सैंसन कोर्ट, अम्बाल। शहर । (अन्तरक)
- श्रीमती बृष्ता जैन पत्नी श्री रत्न लाल जैन, निवासी—1 जैन नगर, अम्बाला शहर । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए श्वर्भभाष्ट्रियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) एव क्वन के रावपत्र में प्रकाशन की सारीव बें 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर श्वना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) 'इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विव के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितकदूव किसी कन्य व्यक्ति व्वारा मधोहस्ताक्षरी के पाव तिवित में किए जा सकरें।

स्पादीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा भी उस अध्याय में दिवा गथा है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट जो पत्ती मेहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिष्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला मे प्रिप्ट्री स० 7382 दिनांक 21-1-1985 पर दिया है।

> बी०एल**० खदी** सक्षम गाधिकारी -सहायक आयकर आयुक्त (⁻नरीक्षण) अर्जन र[े]ं, रोहतक

नारीख: 9-9-1985

महिर् 🎖

भाग 111--- वावड 1]

प्ररूप बाइ .टी .इन . एस . ------

भाषकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुमना

शारव चरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीकान) अर्जम रोंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 सितम्बर 1985 निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/सोनीपत/109/84-85— यत:, मझे, बी०एल० खती,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम शिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० 905 है, तथा ज़ो सँक्टर 14, सोनीपन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णिन है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जनवरी, 1985

को प्यांक्त सम्पांत के उचित नाकार मृन्य से कम के क्यायान प्रतिफल को लिए अन्तरित की नक् है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि मिनलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिक ह्या में कथित नहीं किया गया है !——

- (फ) अन्तरण से शुर्च किसी जाय की बाबल सकत अधि-नियम के बधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के जिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिएने में सुविधा के लिए;

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**वित व्यक्ति**यों, अर्थात् ध—— श्रीमृती चन्दर कान्ता पत्नी श्री कृष्ण लाल बतरा, मकान नं ० 905 सैंग्टर-14, सोनीपत

(अन्तरक)

35225

2. श्री जै गोपाल अग्रवाल पुत्र श्री पूर्ण चन्द, मकान नं० 9,05 सैक्टर-14, सोनीपत (अन्तरिती)

की वह स्वता कारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्थन के जि। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏎

- (क) इस स्वना के राषपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस अधान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है
 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हींकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उद्देश अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में विका क्या हैं।

वर्ष्य

सम्पत्ति मकान नं० 905 है जो कि सैक्टर-14, सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री सं० 4274 दिनांक 3-1-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहसक

तारीख : 5-9-1985 -

योहर 😘

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय जिय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीशण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निर्वेश सं ० आई ०ए ०सी ०/एक्यू ०/फरीदाबाद/ 14/84-85--यत:, मुझे, बी० एल० खत्नी, भागकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रत. से अधिक है भीर जिसकी सं० मकान नं० 1000 है, तथा जो किस सैक्टर 15, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूवी में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय, फरीदाबाद में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जनवरी, 1985 को पर्वोक्स सम्मिश्त के उचित बाजार मल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्ग, उसके इध्यमान प्रतिकल से एसे इध्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

- श्री देवी लाल धीगरा पृत्त राम नरायन, मकान नं ० 1000 से टर 15, फरीदाबाद हाल निवासी—मकान नं ० 82 सै ० 15 फरीदाबाद (अन्तरक)
- 2. श्रीमती इन्दर मोहिनी पत्नी पन्ना लाल शर्मा, मकान नं० 1000 सैक्टर-15, फरीदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि। कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्र) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में ९रिभाषित ह^क, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में **दिया** गया है।

भनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 1000 जो कि सैक्टर-15 फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, फरीदाबाद में रिजिस्ट्री सं० 3295 दिनांक 25-1-1985 पर दिया है ।

> बी०एल० खती सक्षम प्राधिगारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिविक्त स्थितियों, अर्थात् :---

तारीख : 4-9-1985

भाउक प्रश्नाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हिसाप/99/84-85— यतः भुक्षे, बी० एल० खती,

नायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (चित्रं द्रम्ये द्रश्वके प्रश्वतं (उस्तं अभिनियमं क्रम्यं नमा इं), की चाड़ 269-क् स्ट स्थीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसंका उचित वाचाए मृस्यं 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 7 कनाल 13 मरले, तथा जो हिसार में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जनवरी, 1985

को पूर्वोकन संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के अवजान भित्तिकल को लिए अंतरित की नई है जोर मक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजाद मूल्य असके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे अयमान प्रतिपत्त का पत्तुह भित्तिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण के सिए पत्र वावा जवा बातिकल, निक्नितिबित उप्योक्तों से उपत अन्तर्क विविध के वास्तिक रूप से अधिक स्थान स्थानिक स्थानिक

- (क) बन्तरण ते हुई किसी आय का गावल, उक्त सभितियम के अभीन का पनि के बन्तरक की दायित्व में कभी करने के तलसे बचने में सुविधा के किए; जरिश्वा
- (च. एस किन्हें बाय या किन्हें भन या बन्य आस्तियाँ को. जिन्हें भारतीय आध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाजनार्थ अंतरित्। द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना पाहिल् बर, कियाने तें सुनिधा के लिए;

बत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बाधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— सर्वश्री गरेश कुमार, संजीव कुमार पुक्षान हरी जन्ध निवासी—12, माडल टाउन पानीपन

(अन्तरक)

 श्री जगदीण राय पुत श्री मंगलचन्द द्वारा मैसर्ज सरस्वती रिडरोलिंग मिल, मिर्जापुर रोड, हिसार

(अन्तरिती)

करें का प्रका चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

स्वत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व व 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ वच्च स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किए-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी केन्याव निधित में किए जा सकति।

स्वाकारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविश हैं, बही मर्थ होगा को उस अध्याय में विका गमा हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 7 कताल 13 मरले जो कि हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रिजिस्ट्री सं० 4987 दिनांक 28-1-85 पर दिया है।

> बी० ए**ल० खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 4-9-1985

मोहर:

9-266G1/85

प्रकम बार्धः, दी, एत., एवं क्रान्यकार

नावकरु निधिनयम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के नधीन स्वना

सारत सरकार

कार्जालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीकन) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 सितम्बर 1985

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/कालका/1/84-85— यसः, मुझॅं, बी० एल० खतीः,

गायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 10 पंचकुला है, तथा जो सैक्टर-10 पंचकुला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

यह विषयास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बच्य-मान प्रतिफल से, एसे ब्यवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिस्ति (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्णु अहि/बा
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्नियभ के निए।

कतः वन्, उक्त विभिनियमं की भारा 269-गं के बनुसरण कें, मैं उक्त विभिनियमं की भारा 269-णं की उपधारा (1) कें अभीन, निम्मिनियनं स्मिक्तवाँ, वर्षात् (——

- श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री संतोख सिंह निवासी—म०नं० 1544/2 सैक्टर-30-बी चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- श्रीमती संतोष देवी पुत्री श्री ज्ञानचन्द निवासी—13 सदर बाजार दुकान नं० 57 जालंधर छात्रनी

(अस्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्स सुम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुई।

उन्त सम्मति के वर्णन के बम्बन्य में कीई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाधन की तारीश वें
 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्र
 स्थान की तासीस से 30 दिन की जबिथ, जो भी
 वनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाचीकरण: — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्दों का, जो सक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं कर्थ होगा, जो सस अध्यास में दिया गया है ।

प्रमुख्यी

सम्पत्ति भूमि 10 मरला जो कि सैक्टर 11 पंचकुला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कालका में रिजस्ट्री सं० 2300 दिनांक 11-1-1985 पर दिया है।

> बी० एस० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा : 6-9-1985

इक्य बाह्न, दी, यम्, एसं,------

कामकाः वरिश्तिवस्, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-म (1) के सभीत सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी/एक्यू०/पानीपत/121/84-85---यत:, मुझे, बी० एल० खती,

बायकर विभिन्नमा, 1961 (1961 का 43) (विशे इस्में इसकी प्रवाद 'उबस अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-व भी अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार सूक्ष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० भूमि 79 कनाल 15 मरला है, तथा जो गांव हरतारी पानीपत में स्थित है (श्रीरइसमे उपायब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख 21 जनवरी, 1985

को पूर्वीयत सम्पत्ति के तिषित बाबार मुख्य से कम के करयमान बन्तरित प्रतिफल के लिए की गुक् विरवास मुभ्हे करने का कारण A P पूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल सं, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृष्धि के लिए और/या
- (ध) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को. जिन्ह भगरतीय अध्य-कर कियोगयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा हो देखह:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री किशन चन्द पुत श्री फत् निवासी—हरतारी अब (हाल) सब्जी मण्डी, जिला करनाल

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द, इन्द्र जीत, रघवीर सिंह, जय भगवान, नेवा राम पुन्न श्री झतू राम, निवासी—मकान नं० 576, वार्ड नं० 4, पानीपत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्थान के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दनत सन्पत्ति के बर्चन के बस्तरक में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 79 कताल, 15 मण्ला जो कि गांव हरतारी तहरु पानीपत में स्थित हैं अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संरु 5227 दिनांक 21-1-1985 पर दिया है।

> बी० एन० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंन, गिह्नक

तारीख : 5-9-1985

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालंय, सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं अप्राई० ए०सी०/एक्यू० गुड़गांव/712/84-85---म्रतः मुझे बी० एल० खती

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रशात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं।, की धारा 269-व कि अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस्की सं 13 बीघा फैक्टरी गेंड सहित जो 35 प्रतिशत जो दौलशाबाद रोड़ में स्थित है (और इससे उप बद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के मधीन रिनांक 23 जनवरी 1985।

को पूर्वोकः। सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दश्यजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास क रने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का गणित बाजार मूख्य,, उर के दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमा। प्रतिफल के पश्च प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रती (अंशरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिंबत उद्देश्य से उक्त अंतरण निविक्त में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) करुरण से हुई किसी जाय की वासत, उपस् विभिनियम से अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या बल्य बास्तिवाँ कार, चिन्हें भारतीय जाय-कर जिल्लेनस्स, 1922 (1922 का 11) या उन्ति विधिनस्स, या धन-कर विधिनायस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया चाना थाहिए था, छिनाने में सुविधा सुविधा के सिंह;

ं शतः ववः, उपत विधिनयम की भारा 269-न के मनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) वे वर्षान, निम्निविधित व्यक्तियमों, मर्गातः :--- (1) श्री कृष्ण कुमार प्रत्वाल पुत्र खुणी राम अध्वाल नि० 4/28 रूप नगर दिल्ली । श्रीमती सुपमा अध्वाल पत्नी श्री ओम प्रकाण पुत्र लक्ष्मी नारायण 47/1702 रेगस्पुरा कशेल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा अधवाल पत्नी श्री सूरज भाग श्रक्षवाल पुत्र श्री चंदगी राम नि० 183/4 अरखन ईस्टेट गुड़गाव।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुकता चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत के सिए कार्यवाहियां कुछ करता हुं।

बन्द तन्तरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आशेप .---

- (क) इन्ह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गारीज से 45 दिन की जविश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जविश, जो भी अब'भ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्स में हिसजब्ध कि शी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास निश्चित में किए जा सकवी।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 13 बीधा पौक्टरी जेड सहित जो 35 प्रतिकात है तथा बौलताबाद रोड पर स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रिजस्तीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ती संख्या 727/दिनांक 23 जनवरी 1985 पर दिया है।

बी० एत्न० <mark>स्रक्षी</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकरभ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

दिनांक: 13-9-1985

प्रकष बाइं. टी. एन. एस. ----

भायकरे मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निवेंश मं० प्राई० ए० सी०/एवयू० गुड़गांव/711/84-85--प्रतः मुक्ते बो० एल० खन्नी

नायकर श्रांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परकाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं 13 बीधा पैक्टरी रोड़ सहित 35 प्रतिणत जो दौलताबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध ग्रानुसूची में और पूर्ण स्था से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्का ग्रिधिकारी के कार्यालय गुड़गांव भारतीय शायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 23 जनवरी 1985

को पूर्वोका संपर्तित के उपित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उरके रश्यमान प्रतिकल से एसे रश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया परिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिख्ति में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्दे किसी नाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर्∕या
- (का ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सिवधा के लिए;

जतः अस्, उक्त अधिनियम की भारा 269-र के अन्सरज के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:--- (1) श्री हरी दास अग्रवाल पुत्र श्री खुशी राम अग्रवाल नि० 15-ई, कमला नगर दिल्ली। श्रीभती सुप्पा अग्रवाल पत्नी ओम प्रकाण पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण नि० -47/4702 रंगरपुरा, कर्राल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती ऊषा प्रग्नवाल पत्नी श्री सूरज भान प्रश्नवाल पुत्र श्री चंदगी राम ग्रग्नवाल नि० 183/4 श्ररवन ईस्टेट गुड्गांव।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उम्स सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाप्त की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिस्तित में किए जा सकींग।

रिकासिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति भृमि ॣ्री 13 बीघा फैक्टरी घोड सहित जो 35 प्रतिमत है तथ: बीलनाबाद शेड़ पर स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्टीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 7272 दिनांक 13-1~85 पर दिया है।

> बीठ एलठं खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 13-9-1985

मोहर 🤃

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 सितम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० गुडगांवा/713/84-85-

श्रतः मुझे औ० एल० खक्री

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकों सं० 13 बीधा फैक्टरीड सिंहत का 30 प्रतिणत जो बीलताबाद रोड में स्थित है (और इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुडगांवा भारतीय ग्राककर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन बिनांक 23 जनवरी 1985।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से करिश्व नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या ान्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः ्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र- (1) श्री तिलक राज अग्रवाल पुरु केशो राम अग्रवाल पुत्र श्री क्षानी चन्द नि०--3/16 रुप नगर दिल्ली। श्रीमती सुष्मा अग्रवाल पत्नी श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री ल भीनारायण नि० 47/4702 रगरपुरा करोल याग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उथा श्रम्भवाल पत्नी श्री सूरणभान अग्रवाल पुत्र श्री चंदगी राम नि०-183/4 श्ररवन ईस्टेट गुड़गांव।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यविश्वयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति हों। में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

सम्पत्ति भूमि 13 बीघा पैक्टरी रोड सहित जा 30 प्रतिशत तथा शैलताबाद रोड पर स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकृत्ती के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 7273 दिनांक 23-1~85 पर दिया है।

बीर एतः खन्नी सक्षम प्राविकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रार्थन रेंज, ोहतक

दिनांक: 13-9-1985

प्रारूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० राज् ०/सहा० न्ना० अर्जन/2603—न्नतः मुझे मोहन सिह

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह दिख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव ष्लाट नंव टी/डी है तथा जो बीकानेर में स्थित है (और इससे उपाध्य प्रानुसूची में और पूर्व रूप से विणन है) रजिस्ट्रीकर्ला प्रधिकारी के कार्यालय बीकानेर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के प्रधीन, दिनांक 4 जनवरी 1985।

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, असके इस्तमान प्रतिफल से, एसे इस्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पासा गया प्रतिक कस, जिम्बनिधित उद्देश से उच्य कम्तरण विधित के बाल्य-विक इप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहूर्य किली बाव की बावता, उपत बाधिवियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: बाल/बा
- (वा) श्रेमी किसी आय या किसी वन या जल्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरिती दुवारा प्रकार नहीं विख्या क्या या किशा जाना चाहिए जा कियाने थें श्रीवधा के हिस्सी

अत: अव', अवस अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में', शब्दत अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, जिम्मलिखित व्यक्तिस्यों, क्यांति क्र-प

- (1) श्री चन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह व श्री लाल सिंह पुत्र श्री चन्द्र सिंह कच्छावा निवासी बीकानेर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री इन्द्रचन्द चाण्डक व श्री रामनारायण पुत्र श्री सोहनलाल चांडक निवासी गजनेर बीकानेर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डाकरा सम्पन्ति के वर्षम के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेत् 🌬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विश् की न्याप या तत्त्रम्थी व्यक्तियाँ पुत सूचना की तामीस से 30 विश की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्पित्यों में से किसी स्पिक्त ब्वारा;
- (ब) इस त्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षदी के शब्द जिस्ता में किए वा सकोंगे।

स्पव्दीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ममुस्ची

प्लाट नं टी/डी, सादुलगंज, बीकानेर जो उप पंजीयक, बीकानेर द्वारा क्रम संख्या 20 दिनांक 4 जनवरी, 85 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णात है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 16~9-1985

मुख्य बार्षे हो हो पुन्त पुन्त --

कायकार सभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचनः

AISO MATERIA

कथ्यक्रिय, सहायक भायकर जायक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देण सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/2606-(यत: मुझे मोहन सिह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान सम्पत्ति है तथाओ जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक 22 जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्णत थाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूभ यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्हित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त विधानियम के खुणीन कर दोने के जन्तरक के शावित्य में कभी करने वा उच्च वचने में सुव्यक्त के सिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, क्रियाने में स्विधा के सिए;

अतः। तय, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरक क्रें, क्रें, क्षत्रत अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) की सभीन, निम्नितियित व्यक्तियों,, सुभात क्रिस्स (1) श्रीमती मूरज कंबर पत्ति सोपाल बक्ष काली पहारी हाउस पुरानी वस्ती, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इन्मजामिया कमेटी श्राफ कारीगरान, बगर हाउस, पुरानी बस्ती, जयपुर । (अन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्थन के जिल् -कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सक्मित्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराध जें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से दिल्मा व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरुण :----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्यों का वो उथक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्यान में विया गया हैं।

नगत्त्री

वगर हाउस का भाग स्थित औकडी पुरानी बस्ती, जयपुर को उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम मंख्या 193 दिनांक 22 जनवरी, 85 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से वर्णिन है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जयपुर

दिनोक: 16-9-1985

मोहरः 🖁

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग ≙69-घ (1) के अधीन मधना

नारत सरकार

कार्याजय, नहारक जायकर सावक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन ेज, जयपुर जयपुर, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश तं० राजः/स्रा० श्रा० श्रर्कत/2605---यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

सलकर सिंधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात 'उन्त सींधितवम' कहा नवा ही, की धारा 260-व के अधीन मध्य पारिकारी को यह विश्वान करने का कारक ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित माबार बुस्य 1,00,000/- फ. से अधिक ही

और जिन्नो सं० प्लाट सं० ई-387 है नथा और अपपुर में स्थित हैं (और इपने उनामद्ध प्रमुखनी में और पूर्ण कम से विभिन्न हैं) रिजार्श कर्सा ग्राधकारी के कार्यालय जापुर में रिजार्श करन प्राधिताम 1908 (1908 ता 16 के अधीन, दिनांक 1 जनवरी 1985

कारे प्रॉक्स रूप्पति के उचित काजार अस्य में कम के रूपमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास धारन का कारण है कि यथापण्यक्त मर्पाल्य का इरायम शाजार रूप्प, इनके रूप्यमान प्रतिफल से, एमें रूपमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिगत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और स्वस्तिरती (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के निए तब स्वाम नवा प्रतिफल, निम्निमिष्टित उद्याप्य से संभ्य क्रम्तरण विश्वास में वाश्वविक रूप से क्रिया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक संहुद्दं कि छी नाय की नानतः, श्रक्तः विधिनियतं के श्रधीन कर दोने के वस्तरक के दावित्व से कसी करने सा उक्तते नवलं से पृत्रिधा के लिए; बॉर सा/
- (का) एंजी फिल्मी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था पा किया जाना चाहिए चा, जिल्लन में स्थिभा के सिए;

कत: कब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की कन्तरण माँ, माँ, जक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन: निम्नितित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

- (1) श्री सुरेन्द्र बूमाए स बूपुत श्री प्रहलाद जिस्ती एप.-387 रोड नं० 9, इंडस्ट्रीयल एपिए अयपुर (अन्तरक)
- (2) मेसर्स मध्र संल्स मुख्यालय सी-39, बर्मीज कालोनी, जयपुर।

(श्रन्तरिकीमें

की वह स्थान वाणी काइके पूर्वीत्व संपरिक के वर्धन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उपव सम्मक्ति के मलीन के वंबंध में कोई भी बार्सप :---

- (क) इन स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की बत्रीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की बयीय, वो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविकास्मित्यों में से किसी स्मस्ति द्वारा;
- (वा) इस स्थान के रखपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्यारा अधाहस्ताकरा के पाछ लिखित में किए जा सकाने।

रुपक्षिक्षरमः--इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदौका, जी उनक जिथिनियस के जध्याय 20-क से परिभाणिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास कें दिवा गया है।

मन संची

प्लाट नं० एप.० 387, रोड नं० 9, एप., त्रिश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर जो उप ंत्रि क, जासुर द्वारी कम संख्या निस्क 1 जनवरी, 1985 पर पंजिबद्ध विक्रम पत्र में और विस्तृत क्षिप से विवर्णित है।

> मोहन सिह सक्ष्म प्रक्रियारी सहायक भायकर श्रापुक्त (िरीक्षण) श्रुजन ज, जनपुर

रिन'र : 16-9-1985

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनिगम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जनरेंज, जच्चुर

जगपुन विजांक 16 सितम्बर 1985

िर्देश संव राजव/सहाव भाव भ्राप्ति/2604 - श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

भागकर अभागवम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रमार 'उन्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नवीन संभाग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्क जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- सः. से अधिक ही

और सिमनी संविश्वास नंव से —51 है तथा जो बीक नेर में स्थित है (और इसने उपास्त्र पन्यची में और पूर्ण ज्य से विति हैं किट्टी की इदिल्दी के क्येन्य बी कि में किट्टी रूग प्रदिश्चिम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिलेक 15 जून 1985।

को पूजका संम्पास के उच्चित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के। तए जतिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह एवंकित संपरित का उच्चित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृशमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिथा) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निग्निलिखा उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हर्ड किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अंतरक के बायित्व को अभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; कार/या
- (क) एंशी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्ति गों को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 11922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन अधिनियम, या धन-धन अधिनियम, या धन-धन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के ल्ए।

अर्: अब, उल्ल अल्लिम्यम की भारा 269-ग को अनसल्या बा, मी, उसत अल्पिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अपीन, किसीलाक्क का मत्या, अथित् :--- (1) श्री ेरं। लाल पुत्र श्री कालू ाम जाउ विवासी इतम हरनाथपुर जिला सुझातू।

(भ्रान्ताःक)

(2) श्री ग्रम्बा प्रकाश पुद श्री श्य.म लाल सक्सेना निज्ञी राणी बाजार, बीकिनेर ।

(श्र तिःती)

कां यह सचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायबाहियां अरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कः) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अर्थीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताथील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , को भीतर पूर्वीकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकेंगे।

हरेष्टिकरण:---हरूमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

गम्स्ची

ष्पाट ने ० ती-51, सादुलनंज, बीकानेर को उपपंजियक, बीकानेर द्वारा त्रम संख्या 67 दिनांक 15-1-85 पर पंजियद्व विश्रय पत्र में और पितृत रूप से जिविणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्रावितारी सन्दायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

第时存: 16-9-1985

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 सितम्बर 1985

निर्देश राज-/सहा०ग्रा० ग्रर्जन/2608--ग्रतः मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एचाक् 'उक्त आधिनियम' कहा गता है), की धारा 269-६ क अधीन सक्ष्म प्राधिकारी का यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. संअधिक है

और जिसकी संव हाथि भूमि है तथा को उदयपुर में स्थित है, (और इसते उपाबद्ध अन् पूर्वी में और पूर्व का से विजित है) राजस्कृषको अधिवारी के बाय स्था उदयपुर में परिष्ट्री-मारण आदिम 1505-1508 का 16, वे क्यां, जिल्हा 4 जून 1585

कां प्राप्त सम्यात के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के तिए अर्तरित का गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूजाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके, दश्यमान प्रतिकल को शिलात सं अधिक है आर अतरक (अतरका) और अतरित (अतिरितियों) के बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्मिल खित उद्देश्य में उकत अतरण लिखित में वास्तिविक रूप सं कथित नहीं किया गया है ;——

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीच कर दने के अंतरक के दायित्व ने कमा करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

. एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर व्यंधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनयम, या अन्कर अधिनयम, या अन्कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तिरिती ब्राम्प प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपान मा सुविधा के लिए;

अत: अब, लक्त आधिनियम की धारा 269-ण के अनूमरण मं, मं, उक्त आधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) का अमा नवन मधी पुर श्रीकिसनतात सिंधी विकाती 38 भी अविकास , उदयपुर । (अन्तरह)
- (2) मेसर्र राजस्थान क्षेत्ररीज तिमिटेड, रामरंज संडो, कोटा ।

(भ्रन्तरिती)

कों यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन का अनाभ या तत्सवधी क्यांक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अग्राभ, आं भी अविध के बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितकार किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्याक्सिणों पर लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ . है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसुची

कृषि भ्षि विषय प्राणाची तस्वर 1959/9 स्थित मौजा कोटबा तहसीत रिरंग जिता उदापुर को उप षंजीय है, उदापुर द्वारा क्रम संख्या 34 ितांक 4 जनगरी, 1985 पर पंजियद्व विक्रय पक्ष में और सिस्तुत रूप से विवर्णित है।

> भोहा पिड् सक्षम ािकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 17-9-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्फन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 17 सितम्बर 1985

निर्देश ६० राज ।/सहा० घ्रा० घर्षन/ 2607—घतः मुझे मोहन सिंह

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

कौर जिसको सं ० भवन है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री को अधिकारी के कार्यालय जापुर में रिजस्ट्री हर अभिन्यम 1908 (1908 का 16) के अर्धान, दिनांक 8 जनवरी 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके देश्यमान प्रांतफल से, एस देश्यमान प्रांतफल से, एस देश्यमान प्रांतफल से पन्द्रह प्रांतशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण से लिए त्य पाया गया प्रांतफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबल, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर किधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जातर जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1 श्री मोहत लक्षा तिवासी श्री बडी नारायण लका निवासी 13, श्रादर्श नगर, जयपुर।

(ग्रन्ह'रकः)

(2 श्री सोजिन्द पुत्र श्री मेघराज पुजारी लढा चिल्डिंग, एम० श्राई० रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायवाहिया करता हुं।

उमत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लका विविद्या का भागा, एम० आर्थक शोड, जरपुर औं उप विविद्या, जरपुर इस्तिशम संस्था 81 विस्ति १ क्यारी, 1985 परदर्शकिक दिश्रय पर में और दिस्तृत रूप से विणित

> मोहत सिंह सक्षम प्राध्वारी सहायक ग्राकर ग्राय्क्त (रिरीश्ण) ग्रर्जनरेंज, जयपुर

मान अब, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)

🕏 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

বিবাদ: 17-9-1985

भाहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (तिरीक्षण) ग्राजंन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12सितम्बर 1985

निर्देश सं०प्रई-1/37-ई० ई०/1470/84-85--- ग्रतः

मुझे, पी० एन० दुबे भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 - स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिस्का उणित बाजार मुल्य 1.,00,000/- रुज. से अधिक है

और जिस ते मं० प्याट मं० ७६, जो, उरी मंजिल, उव नहों को-भापः हाउलिय ो सार्थि पिन, पोल्कोबर रोष्ट, 139, वसके रेक्ले भन है तथा जो बम्बई-2 में स्थित है (और इसते उप द अनुसूची में और पूर्व रूप से विशित है), और जितका करारज्मत भागिकर प्रक्रिम 1961 की धारा 269 के खके प्रधीत बन्द्रहिस्यत सक्षम प्राक्षित्रारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 29 जनवरी 1985।

को पूर्णीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अं।रक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य संउक्त अन्सरण लिखित में वास्तीवक रूप सं किथत नहीं किया ५ या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मोर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा को लिए;

अन्तः ७ व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं. मं अञ्चल अधिनियम काधारा 2,69-घ का उपधारा (1) क अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियो , अर्थात् :---

(1) श्रीमार्वोहरालाला।

(शन्तरक

(2) श्रीको जिल्लामिङ नामविदानी।

(ब्रन्तां ती)

को यह सुचना जारा करके पर्योक्त हन्त्रीर के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता द्वा।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकारन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां 🛹 सुचना की तामील से 30 दिन की अयधि, जो 🔰 अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीभर व्यक्तियों में से किसी बाकित द्वारा.
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्देश किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधेहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरणः---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो उसरा अधिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं उर्ध होगा जो उस अध्याय में **दिश** गया है।

म (पू से

पनेट २० ७ए, जो, उसी ंजिल,इवा⊤हो बो–पाप० हाल्सिंग को अधि कि ,पाक्षेत्राः रड, 138, बरुदे व .मे सा, ब ग 🗕 21 में स्थित है।

श्रन्तूची जैसा हि क० ६०श्रई-1/37-ई० ई०/4380/ 84-85 और जो सक्षम क्रांकित री, ब बई द्वारा दिलांक 29-1-85 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> प[©]० एन० दुबे सक्षम राधिकारी सहायक अध्यक्तर (आपुक्त (िरीक्षण) श्रार्जन रेंज⊶1, बम्बई

दिनांक: 12-9-1985

माहर:

प्रकृषः नार्षः टौ. एन . एस . ------

मायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के मधीन मुख्या

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्राजैन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिगांक 12 सि.म्बर 1985

ं निर्शेश सं० प्रई-/137-ई० ई०/5103/84-85--अतः मुद्दों, पी० एन० दुवे

बायकर बीधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पण्णास 'उक्त जांधनियम' अहा गया हैं), की धारा 269-च के बंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरक हैं कि स्थावर सम्प्रालि, जिसका इफिए बासार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिता ने कंगरे कंगरे 41, को, जनमाना, इसारत कंग 3, नव पूर्ण गाउ, का भेंट हिन राड, है तथा को बस्बई—36 में स्थित है (और इसा उगाउड प्रमुखी में और पूर्व का से विगत है), और जिता गा हाए समा प्रप्रकार प्रिविचम 1961 की धारा 299 के खे के प्रधीत बस्बई जिया सक्षम अधि गाउँ के कार्यालय में रजीउड़ी है, दि तक 26 जा नरी 1985)

का पूबाकत सम्पात के उपित बाजार मूल्य से कम के देण्यमान प्रतिकत्त को मिए अन्तरित को नई है और सूत्र वह विश्वास कारन का कारण है कि यथापूबाकत सम्पत्ति का उपित बाजार सून्य, उसक रहयमान प्रतिकाल से एस रहयमान प्रतिकाल का पवह प्रतिवात से स्थापक है और जन्तरिक (जन्तरिक) और जन्तरिती (जन्तरिका) के बीच एस अन्तरिक को निए तब पावा बसा शिक्कन, निम्नानिका उप्तिहत्त है उन्त अन्तरिक से बास्तिका से बास्तिका के बास्तिका स्था से क्रिक्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायस, उपस वाधानवस से अधीन कर क्षेत्र की बन्तरक से शायत्व में कमी करने वा उससे नमने में शृथिया के लिए, नार/वा
- (वा) ऐसी किसी बाध वा किसी धन वा बन्ध बारिसकों का, चिन्हा बारतीय बाध-अर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अभिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनाथ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहियेथा. फिपान में सुविधा के सिक्ट.

श्रतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण श्रो, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) अं अभीन निम्निनिश्चित व्यक्तियों वर्षात् ३---- (1) श्रीमती मुजानः के० कपाडिणा।

(प्रतरह)

(2) पुरूपातम जायकी सामैया, िखारकाई पुरूपातम सरवेया, और इिमाकाई पुरूपातम सामैया। (प्रन्ताति)

च्यां स्थान कारी करके प्राक्ति कमास्ति के अर्थन के क्रिय कायवाहिया करता हु″।

इच्छ सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में आहे भी बाखप: ---

- (क) इ.स. सजना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीक से 45 वित्र की वाशीं मा तत्र्यम्बर्ग स्विक्तवों वर स्थान की तामील स 30 विन की व्यविध, वां भी अवाध बाद में समाप्त हाती हा, क भीतर पृवािक्ट ध्या क्लामों में से किसी व्यक्तिस दवाराः
- (ख) इस सूचना को राजपण मो प्रकाशन की तारीक सं 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितबब्ध किसी अन्व व्यक्ति ब्यारा कथाहरूताक्षरी को बाल लिखित में किए जा सकोगी।

स्पट्टीकरण.---इसमें प्रयक्ति शब्दों और पदों आहे, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है तहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका यस है ।

अनुसुची

गरेज नं०41, जी,नलक्ष्मातः, इमारतानं० 3, नव्यकुगनगर, फोर्जेटहित रेज , बन्बई-36 में स्थित है।

भनुसूची जैन. कि अ० २० प्रर्देन /37-ई० ई०/4272/84-85 और को सक्षम अधि गरी, बन्बर द्वारा दिनांक 26-1-85 को रिजस्टई किया गाया है।

ी० एन० दुवे सहम प्राधितारी सहायक ग्रायकर ग्रायका (सिरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बस्ब**र्स**

दिनांक: 12-9-1985

भोहर

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस. - - - -

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महागक अम्मकर आगकन (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, ब न्नई
बम्बर्न, दिनांक 12 सिन्मबर 1985

निर्देश स् ० म्रई०-1/37-ई० ई०/5:43/84-85-म्ब्रतः महोनी० न०द्वे

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पठचात 'रक्त किंगिक्य' कहा गया है). की भारा 260-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थानित जिसका उचित वाजार स्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

कौर जिपकी पंज पलैंट गंज 4, जो, 7की जिन, इम ता गंज 2, पीज प्रांग बीज्यप र्टमेंटस, नीज जब खेर रोड, वरली हर्ग्ड कि 18 है तथा जो बम्बई—18 में स्थित है (और इसने उपा द्व भन्सूची में और पर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा ग्रायकर जिल्ला गम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रदी बाबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 7 जनवरी 1985

का प्रॉक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के स्वयमान प्रित्तिक के निग अन्तरित की गर्ड हैं और मफ़े यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उमके स्वयमान प्रितिफ न से, एमे स्वयमान प्रित्तिक न का पंद्र प्रितिशा से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितिणों) के बीच एमे अन्तरण के लिए नय पाया गर्दा प्रितिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए. और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, दिन्ह भए लेड लाग्यार जीपनिन्न, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास प्राप्तिकार 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) में भधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) भी ः १सः बी ः कन्स्ट्रवशा वंपनी तिमिटेड । (स्रन्तर ह)
- (2) श्री प्रर० एसः वास्ता। (म्रास्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाहमा करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की सबीध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी के थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिला अन्य व्याक्त दवारा अधाहस्ताक्षरी के शाक कि खित में किए जा सकरेंगे।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 4, जो, 7दी पंत्रिय, इमारत नं० 2, पी० एस० बी० प्रपार्टमेंटस, नी० जी० खेर रोड, वरली, ब ब ξ -18 में रिश्त है।

श्रास्त्री जैसा कि त्रेश संश्राई (I/37-ई० ई०/6337/ 84-85 और तो साम गांद्रित री, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को जिस्टर्ड किया गया है।

> पीः एतः दुवे सक्षमः प्रदिश्वती सहायह आयकर अयुका (िरीःण) अर्जन रेंज-1, ब बई

दिनांक: 12-9-1985

सार्ड ह

ष्रारूप आई¹.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयक्ट (निरीक्षण) ऋजी रोंद-1 बादई

बायई, तितंते 10 सिराखर 1985 दिंग सं० ऋई-437-ई ई/5144/8--85 ऋतः, मुझे, पीं० एत्रब दुव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 769-ख के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

औं ति । की पं० पर्नेट गं० गं, जो गार्जी मंजिए, इमात नं० 2, पी० ए० बी० अगर्नेटस, बी० जी० रोग्रेड , इ ली है । या जो गार्जी अर्गार्ट अर्थे । या है और उपाय अनुसूची में औं पण रूप ने स्थित हैं और जिल्ला गार्जामा अर प्रश्निति हैं। अर्थे जिल्ला गार्जामा अर प्रश्निति समा 1961 की धारा 269 ले के स्थीं , बम्दई स्थित सक्षम प्रावि गरी है । यो पर में जिल्हीं है तारीं ए 7-1-1985 को पूर्वीं कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति जा उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्मान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्त कों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है जन्न

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्क बाधानयम के अधीन कर दोन के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसस बचन में सूर्विषण के लिए, बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिरू कां, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, कः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गई, वक्त था का किया बाना बाहिए बा, किया के स्विषक के लिए;

नतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उनसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

6. पीं ए र वीं नस्ट्रक्शन सम्पनी िमिटेड (अन्तरक)

7. श्री आई० ए, ० चादला

(ग्रन्ति)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

खक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीय ध्यापा

- (क) इस सचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सक्धी क्याक्तमा परं तृषना की तामील से 30 दिन की अवधि, का का वाधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका क्याबितयों में संकिसी क्याबित द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

चन्द्रीकरण:—इसमें प्रयक्त कन्द्रों और पदों का, को उन्हर्स अधिनियम की अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, बन्दी अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया कक्क

अन्स्ची

परौद्रां 1, जो पार्वी मंजित, हामारत नं 2, पी ० एस० बी १ ए १० वि प्रार्थमेंटन, बी ० जी ० रोङ , व ली, बम्बई-18 में स्थित हैं।

अपुर्वा जै । िकं सं शारी-1/37ई/6338/84-85 और जो ।क्षप प्राधि गरीं, बस्पई द्वारा दिलांश 7-1-1985 को रिश्टिड िया गया है।

> पीं० एन० दुबे सक्षम प्रिती सहाद: भ्रायकर श्रायक्त (रिकाण) भ्रजीन रज-1, बस्बई

तारीं ब 10-9-1983 मोहर प्रचन जाहील टी ह पून हा पुस्त क्रमणनका मध्य

भागकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

प्रारत बरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ई ई/5145/84-85-ग्रत:, मुझे, पी० एन० दुबे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० 2, जो, सातवी मंजिल इमान्त नं० 2, पीं० एम० बी० श्रपार्टमेंट्स बी० जी० खेर रोड, बरलीं है, तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से पणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिस्ट्रीं है तारींख 6 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकास से मिथक है जोड़ नंतरक (अंतरका) और नंतरिती (अंतरितियी) के बीच एसे नंतरण के निए तय पास न्या प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेध्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब्रुन्तरण से हुद्दं किसी नाम कर्त बाबत्, उक्क निविध्यत्र को निर्धात कर्त के अन्तरक को वादित्य में कसी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; नीर/वा
- (च) ऐसी किसी आय जा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर शॉंधांन्यम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिप्या में शांबधा अहे लिए:

बत: बय, जनत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अ, म, उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---11---286 GI∣85 पीं प्राठ बीं अन्स्ट्रम्भन अभ्यती लिमिटेड (श्रन्तरक)

2. मैलर्म फाइनान्स हाउथ इंडिया (प्राईवेट) निमिटेड (श्रन्तरिती)

भी बहु सूच्या बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के विव्य कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मतित के बर्जन के सम्मन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिय ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर्ष स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी समिष् बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादाः
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स्वहुध किसी जन्म व्यक्ति श्नारा अधीहरूनाक्षण के पास निश्चित में किए का एकी गं।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्थी

पक्षेट नं 2, जो, सामधी मंजिल, इमारत नं 2, पी एस० बीं अपार्टमेंट्स, बी० जी० छोर रोड, वरलीं, बम्बई-18 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्र॰ सं० अई-1/37-ईई/6339/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनाट 6-1-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> पी० एत० **दुवे** सक्षम प्राधिका**रीं** सहायक स्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण)** स्रर्जन रेंज-, **बम्बई**

तारींख · 10-9-1985 मोहर **अक्स आह**े _{से} हो , एन<u>े</u>, एस_े न = न स

भागकुर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के वभीत सुमना

THE TABLE

कार्यांत्रवः सहायक शायकर शायका (निरीक्षण) प्रार्जन रेंग-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भ्राई-1/37-ईई/5185/84-85--भ्रतः, मुझे, पी०एन० दुव,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परकात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बिचत बाबार नृस्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं पूनिट नं 218, जो दूसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कंपांडड , एस० जे ० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 कीं धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्रीं हैं तारीख 7 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि वभाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दश्यमान प्रतिकास के बन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रक्ति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मंतरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स निभिन्दम के नजीन कर बोने के संतुष्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गय. वा या किया वाना वाहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए:

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण सें, में, राज्य अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) सें अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियाँ, अव्यत् हु--- ा. शहा एण्ड नहार एसोसिएइस

(ग्रन्तरक)

 श्री गंगाराम हरी कानडे, दिलीप गंगाराम कानडे और राजन गंगाराम कानडे।

(भ्रांतरिती)

को यह सूचना जारी कर्एके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोडी भी काक्षेप:-----

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की सारीय है 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 विन की जबिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- [(स) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीत हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षाति के
 पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पाक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उनक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

यूनिट नं० 218, ज, दूसेरी मंजिल, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल बम्पाउंड, एम० जे० मार्ग लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं।

श्रनुषुची जैसा कि क० सं० आई-3/37-ई ई/6346/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहयक भ्रायक्य श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बर्ष

तारीख 10-9-19**8**5 मोहर:

प्रकृष् **वार्यः हो . एत**्र **एव**् ५५००५०

भागकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-I/37-ईई/5199/84-85--- श्रतः मुझे, पी०एन० दूबे,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का .: 3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्हीं संव आंद्योगित यूनिट नंव 227, जो, वडाला उद्योग भवन, नायगांच क्रॉस रोड वडाला, बम्बई-31, में स्थित हैं (और डाने उपाबद्ध अनुमूचीं में और पूर्ण क्य से में विगत हैं) और जियना करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरीं के कार्यालय में रिजन्हों है, तारीं 7 जनवरी, 1985

को प्रेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने . का कारण हैं कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिदात से अधिक ह और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उनत अन्तरण जिल्हित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितदाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 6. मैसर्स केवलसन इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन ।

(मन्दरक)

7. मैसर्स गू कापटर्स ।

(ग्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में निरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मन्स्**यी**

अौद्योगिक यूनिट नं० 227, जो, वडाला रद्योग भवन, नायगाव कांन रोड, वडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/5149/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक :-1-85 को रिजस्टर्ड विधा गया है।

> पी० एस० दुवे सक्षम प्राधि गरी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंग-1, क्षत्रई

नारीख : 12-9-985

महिर 🛚

प्रकर नाइ. टी. एम., एस्., ५०००

1. श्रीमती चिलास भंडारी।

2. मैं० काउन फाफ्टस

(अन्तरक)

कारकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन सूचना

हें मधीन स्थान।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकाड

कार्यालयः, सहायक भायकार नायुक्त (निरीक्षण)

धर्णन रोंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निवेश सं ० श्रई-- 1/3.7-- ईई ०/5203/84-- 85---- श्रतः मुझे, पी ० एन० दुने,

कावकः किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गय है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह 'यहनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचत नाजार मूम्ब 1,00,000/- रा. संअधिक ही

और जिसकी मं० दुजान नं० 70, जो नलमाला, एयर-कंडियन्ड मार्केट इगारत, बयवर्ट 34 है तथा में वस्बर्ध-31 में स्थित है और इसने उनाबड़ अनुसूची में नीर पूर्ण हम से विणित है), और जिल्हा कराएनामा धापदार घोधनियम, 1961 की धारा 269% ख के अधीन बच्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, तार्र ख 7-1-1985 **को** पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के उरुयमान क्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल सं, एसं इच्यमान प्रतिफाल का वंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ों अंतरण को लिए त्य पाया गया प्रति≁ (बन्तरितियों) के बीच कम निम्नसिवित उद्ध ो उक्त बन्तरण स्थिति में वास्तविक **प्रथा से किथत नहीं किया गया है :---**

- (क) शंक्षद्रण से ध्रुद्र किसी शाम की शावस, समय श्रीविनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक की शायस्य में अभी करने या उसस वचने में सृतिधा को लिए: जॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां करों, जिन्हों भारतीय शायकार अधिरियम कर्ता, जिन्हों भारतीय शायकार अधिरियम कर्ता, जिन्हों भारतीय शायकार अधिरियम, या अन-अर अधिरियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्याने में सुविधा के निष्

कृष्धि अन्न, उक्त अभिनियम की भारा २६७-ए के अनुसरण क्षेत्र किंह्य क्षेत्र अभिनियम की भारा २६७- की उपधार (1) व प्राण, निम्नसिविट व्यक्तियों, अर्थात *- की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सूमाहित के कर्जन के संबंध में कोई भी वासीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविध या सरसंबंधी व्यक्तियों वह भूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतद पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के .45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी औं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्यास के दिशा गया है।

वन्स्ची

दुकान नं० 70, जो तल माला, ताडदेव एग्रार-कंडीणन्ड मार्केट इमारतः, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सें प्राई-1/37ईई/5153/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्य प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंष-1, बम्बई

नारीख: 12--9-1985

मीहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बावकर ब्रिभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्डंन रेंज-1, वम्बई

बायकरः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया ्री, की चारा 269-स के अधीन नकाम प्राध्यकारी को यह निश्चाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्थित बाजार न् मृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. स अधिक हैं
और जिसकी सं. यूनिट गं. 311, जो, 3री मंजिल, शहा एग्ड नहाटो इंडिस्ट्रियल इस्टोट ए.-2, एस. जे. मार्ग, लोअर परोल, बम्बई-13 हैं तथा जो बम्बई-13 में स्थित हैं (अर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269कछ को अधिन, बदाई विश्व सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारोख 7-1-1985 को पूर्वत्तर सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से अम क दश्यमान शितका को लिए अंतरित की गई हैं कीर गुर्क यह विश्वास करने था कारण है कि यथापूर्वीया संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे स्वर्धन प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दर प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरी (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया क्या प्रतिकात निक्तिवित्त उद्दर्शन से अवस क्यारण की लिय तय पाया क्या प्रतिकात निक्तिवित्त उद्दर्शन से अवस क्यारण की लिय तय पाया क्या प्रतिकात निक्तिवित्त उद्दर्शन से अवस क्यारण की लिय तय पाया क्या प्रतिकात निक्तिवित्त उद्दर्शन से अवस क्यारण की लिय तय पाया क्या प्रतिकात निक्तिवित्त उद्दर्शन से अवस क्यारण कि लिय तय पाया क्या प्रतिकात निक्तिवित्त उद्दर्शन से अवस क्यारण कि लिय तय पाया क्या प्रतिकात निक्तिवित्त उद्दर्शन से अवस क्यारण कि लिय तय पाया क्या प्रतिकात कि सिक्त निक्तिवित्त उद्दर्शन से अवस क्यारण कि लिय तय पाया क्या प्रतिकात कि लिय तथा व्याप की लिया कि सिक्त निक्तिवित्त व्याप की लिया क्या हैं:--

- (क) बक्तरण से हुई जिल्ही नाम को नाम्छ, उक्क जिल्हा के बधीन कर दर्ग के अन्तरण के करिया में कभी करने या उक्षक बचने में सुविधा के लिख; में(र/का
- (ख) एसी किनी जाय या किसी घर या एक्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय कर विश्वानियम, 1922 (1922 का 11) या उकत निर्मियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया स्वा था वा किया जाना चाहिए था, ज्याने में

ब्रहः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वाँ, वाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-६ की उपधारा (1) के अधीत, निव्ततिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मै० शहा एण्ड नहार स्रासोसियटस ।

(अन्तरक)

2 मेसर्स ज्यूलिए कीएशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख्य कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के \$5 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध दूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त विकास में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी श्रीकतयों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष री के पास किसी का में किए जा सकों है।

स्वच्छीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मबा है।

वन्त्वी

यूनिट नं. 311, जो, 37ी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल स्टेंट ए-2, एस. जे. मार्ग लोगर परोल, तम्बर्श-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि स० अई-1/37-ईई०/5157 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया।

> पीः एन० दुबे सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)ं अर्खन रेंज−1 बम्बई

तारीख: 12-9-1985

- मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-1/37' ईई०/5211/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करा का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० गरेज नं० 1, जो, तल माला, सुवर्ण स्वप्न को०-ग्राप० हाउसिंग/ सोसायटी जि०, रीज रोड़, बम्बई--6 हैं तथा जो बम्बई--6 में स्थित हैं, (और इससे उपाबंद श्रनुसुवी में और पूर्ण रूप व्यणित हैं), और जिसना करारनामा श्रायंकर श्रविद्यम, 1961 की चारा 2693, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित संक्षत प्राधिकारी के कार्यातय में रजिस्ट्री हैं तारीख 7-1-1985

को पूर्वीक्षत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-इ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्तिक व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. श्री जयेन्द्र प्रागजी ठक्कर।

(अन्तरक)

2. डा० वसंत फूटरमल जैन।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---- 🔨

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गेरेज नं० 1, जो, तल माला, सुवर्ण-,स्वप्न को०-प्राप० हाउक्षिम सोसायटी लि०, गीज रोड़, बम्बई--6 मे स्थित है।

श्रनुसूर्चा जैसा कि कि सं० श्रई-1,37-ाई०,5160 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ध द्वारा दिनाँक 7-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बस्बई

नारीखः 12-9-19**8**5

माहर:

प्रकृषाइं. टी. एप. एस्.

पूरत इन्देस्टमेंट कारपंतिशम.।

(श्रन्तरक)

वायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के मुशीन स्पृता

2. बामलेश ट्रस्ट।

(भ्रन्तरिती)

श्रारत पुरुषार

कार्यासय, सहायक जायक व आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रॅज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांब 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई--1/37-ईई०/5214/84--85----अत: मुझे. पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 84, जो, हीरा पन्ना भाषिग सेंटर, हाजी श्रली और नाडदेश रोड़ का नाका, भुलाभाई देशाई रोड़, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपाबत अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित 🕏), और जिस्हा वरारनामा भ्रायकर श्रविनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राध-कारी के कार्यालय में रजिस्दी तारीख 30~1~85 को प्यॉक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान वितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कारने का कारण है कि गंभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार शुक्त उसके रायमान प्रतिकत्त से, एसे रायमान प्रतिकत सा क्रमुद्ध प्रतिकत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरकाँ) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के सिए तब पाया गवा प्रतिकता, निम्ननिवित अवयोग से उसत अन्तरण निवित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मत्तरण से हुइ किसी बाव की बाबता, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कैं दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के त्यप; और/या
- (क) एंसी किसी कार या किसी का या अन्य कारिस्यों को जिन्ही भारतिय जाम-जर मिशिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

श्वस अज, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की व्यवस्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविद्यत व्यक्तियों अर्थात् :— का वह सूचना थारी करके प्यानित संपृतित के नुसंग के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस घुधना के राजपण में प्रकाशन की तारीत सं
 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 घुषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त
 व्यक्तियों में से फिसी क्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 किन को भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

प्रनुसूची

बुशान नं 84, जो, हीरा पन्ना शापिंग सेंटर, हाजी ध्रली और ताडदेव रोड़ का कोना, भुलाभाई देसाई रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैला कि ऋ० सं० श्रई-1,37-ईई०,4799, 84-85 और सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई ग्राग दिनांक 30-1-1985 तक रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

झोनर 🕆

श्रुकप् आई .टो. एन. एस ...---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक अध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 11985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5221/84-85-अत: मुझे, पी॰ एन॰ दुबें,

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उमत बाधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख को बाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धि, जिसका उचित बजार मूल्य 1,00,000/- रु. से बिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० बी०/103, जो, पहली मंजिल, विकास इमारत, अनंत गणपत पवार लेन ग्रीर विचयोकली कास रोड़ का जंक्शन, बाइकुला, बम्बई-27 है तथा जो बम्बई-27 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर स्विधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्या से कान के दश्यमान प्रतिफल को लिए जन्मिका की नद्दें ही और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्वोक्स सम्पत्ति का उभित्त काजार मृत्य, उसकी दश्यमान प्रतिकास से, होसे दश्यमान प्रतिकाल के पंद्रह

प्रतिशंत से अभिक हैं और अंतरक (अंबरफों) और अंबरिकी (अंकरिकेंक्कों) के बीच एसे बंदरण के लिए तब पावा गया प्रतिकाल, निकारिकेखित हिन्देश्य से उथल वृत्तरण तिवित में बास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई विन्नी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय वा किसी धन या अना आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विमनिलिखित उक्तियों अर्थात :—

मै० ४.४० टो० मेहतः कन्स्ट्रक्यस्य कंपनी।
 अन्तरकः

The state of the s

2. श्रीमती 'नाभीबाई चंपकलाल जैन। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 कि की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना को कामील सं 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समारा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करिए पर्वे में किसी व्यक्ति वारा।
- (ख) इस स्याता है। राज्यक में प्रकाशक की तारीख से त द न्या के कीतार अवना स्थावत संपत्ति में हितबद्ध (असी कि काशित क्वार अनोहमस्**अरी के पास** रेपोग के वित्र जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसपे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्की

पलैट नं० वी/103, जी. यहली मंजिल, विकास इमारन, अनंत गणपन प्रवाद लेप, और चिनपीतली कास रोड़ का जंशन, बहकला, बस्वर्ध-27 में स्थित है।

अनुसूची जैला कि कर इंग् आई-1/37-ईई/5167/ 84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को जिल्हाई िया गया है।

> पी० एन० दुबे प्रभम प्राधिकारी सहार्थः ग्रायक्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

मोहर 🕐

प्ररूप बार्च . टी . एन . एस . ------

सायकर समिनियस, 1961 '1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायक्स (निरीक्षण)

अर्गत रॅन-1, बम्बई बम्बई, दिनांह 10 जिस्म्बर 1985

िर्देश सं ० अई--1/37--ईई/5222/84--85---अतः मुझे, पी० एस० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

भीर त्रितकी सं० पत्रीय नं० ए/101, जो, िशिय इमारत अनंत गणपा पत्रार लेग और चित्रपी जी कास रोड़ क जंकपत, ब ईकुला, ब बई-27 में

स्थित है (ब्रार इतने उपाबह अनुपूती में ब्रौर पूर्ण रूप ने विताह है), प्रांप कितान नपायात्वा अपने अधित्यम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीत, बम्बई स्थि सक्षम प्राविज्ञारी के कार्याजय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को प्वांकत सपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास मृखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवांकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे द्रयमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्यंचय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथित नह मिंका गया है:---

- (म) अस्तरच से हुई फिजी काय की वाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के शामित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए: और/या
- (क्ष) एमी किन्नी आय या किमी धन या अन्य जानित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाजनार्थ जन्तरिती इंचारा प्रकट नहीं किया नवा का वा किना वाना वाहिए वा किना में समिशा के लिए:

ालः वयः जन्म क्षेत्रियमः की भारा २८६० व की अवस्थि मी, मी, उचन अधिनियम की धारा २६६-च की लग्नधारा (1) जे अधीलः जिस्तिक्षितं व्यक्तियों, अर्थातः — 12—286 GI/85

- मैं० आरर० टी० मेंद्रा कंउड़क्यात कम्पती। (असरक)
- 2. श्रीमता चंत्राबाई जैठमजानी।

(अन्तिरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामीन से 30 दिन की सबिध, वो बी सबिध बाद में समाप्त हाती हो, के शीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में ते किसी स्वक्षित बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशित की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भ डिहत-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित के किए जा तकोंगे।

रूखीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, थे। उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा थी उस अध्याय में दिया सवाहीं।

मन्पूची

पर्लंड नं ए/101, जो, तिक्ति इमारा, अनंत गणपत प्रवार ले। आर विवयो उनी कात रोड़ का जंकता, बाइकुना, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुपूर्वी जैता कि कर संर अई-1/37-ईई/5168/ 84-85 और जो पक्षम पाश्चित्रारी, बम्बई द्वारा दिनोंक 7-1-1985 को रिजस्टर्ड जिया गया है।

> पी० एन० दुवें सक्षम पाधितारी सहायक आयकर आपुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज∼1, बस्ब्क्

तारीव: 10-9-1985

भोद्धर:

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिगांत 10 तिगम्बर 1985

ार्रेग पं० अई-1/37-ईई/5223/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

आयक श्विभित्य प. 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परवात 'जक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 1,00,000/-रुक से अधिक है

भीर जिल्ली सं० अ फिस प्रिमायमेस नं० 504, जो, 5वी मंतिल, अनं ति चेहर्स, 273/77, नासी नाथा स्ट्रीट, बस्टई-9 है तथा जे बरबई-9 में स्थित है (श्रीर इ.से उन बर अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विजय है), श्रीर जित्रका करारतामा आयार अग्रियम, 1961 की धारा 269त, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्टी है, तारीख 30-1-85

को पर्शाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के छ्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है जीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनोंक्त संपन्ति का उचित आबार ब्रन्स, उनके दृश्यमान प्रतिफाल से ए'से इत्यमान प्रतिफाल का पंतह ब्रीटिश्वत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा वर्षा दिताकत, निम्नलिवित उद्योग्य से उच्य अन्तरण कि बिता के विषक्त के वास्तरण के विषक्त करतरण कि बिता के विषक्त करतरण कि बिता के वास्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क्न) अतंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का, एंसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियस मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ंगतः अस, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 260-थ को उपधारा (1) को संधीन, निकलिकित स्वक्तियों, संधीत :--

- मे उर्स टी० जी० मर्बेन्ट एण्ड चम्पती। (अन्द्रपात)
- 2. श्री चुत्री तत स्रीववजी विद्वतानी स्रौर श्री रोज के० सहा। (अस्तरिती)
- 3. अन्तिर्रियों।
 (बह व्यक्ति, जिन्नके अधिभोग में
 सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यक्राहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजणत्त में प्रकाशन की तागल में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

 स्थाकरणः — इसमाँ प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिः नियम, के अध्याय 20 -क माँ परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मों दिया गया है।

वन्युचीं

आफिस प्रिमायसेंस नं० 504, जो, 5वी मंिन, अनंीी वेंगी, 273/17, तरती भाषा स्ट्रीट, बम्बई—9 में स्थित है।

अनुसूची जैता कि ऋ० सं० अई-1/37-17/4798/ 84-85 और जी सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांह 30-1-85 को रिनिस्टिंशिया गया है।

> पी० एन० सक्षम प्राघि ारी ए सहायक फ्रायारआय्कः (िरीक्षण) अजीर हें —1, बमाई

तारीख: 10-9-1985

प्ररूप आईंटी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

धम्बई, दिशांत 12 शिल्बर 1985

िदेश सं० अई-1/37-ईई /5229/84-85--- नाः मुत्रे, पी॰ एम॰ दुवे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-ख के जिथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

प्राच सिकी सं० पर्नेष्ट रं० 801, जो, 8वी मंतित, इमा स नं०., "सुमेर टॉ स नव लें, गोष्ट महिला है रोड़ माझगांव, बम्बई-10 है लिया है श्रीर दूर्ण रूप से जिया है (श्रीर इससे उह बद्ध अनुदूर्चा है श्रीर पूर्ण रूप से बिगत है, श्रीर कि का का हिला आपकर अधित्यम, 1961 की धा । 269 है, ख के अधी ।, बम्बई स्थित सक्षम प्राविद्या के कार्यात्व में रिस्ट्री है, तिरी इ 12−9−1985 को पूर्वाकत सम्पान के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पान का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एस दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मालासन उवदण्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित मही किया गया है ६—

- (क्र) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

1. मेसर्स सुमेश आसंगिष्ट्स

(अन: एक)

 श्री भंब काल एम० कोठारी श्रीर श्री माणे.च८ एम० कोठारी।

(अन्.ति.ती)

3. दिस्**डं**ए।

(वह ब्यक्तिः, जि.के अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कर्इ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अथांहस्ताक्षरी के पास लिक्टि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्यार 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

पलैट तं० 801, जी, 8त्री विश्वित, इतारत तं० 1, "सुमेर धॉबर्से, लंबलेंं∴ ग्रेठ मोतीमा रोड़, माझगांत्र, बम्बई—10 में स्थिर है।

अनुर्द्धि जै.त ि कै० सं० अई⊷1/37—ईई०/5172/ 84—85 फ्रॉप्ट जें: उक्षम पात्रि हसी, बम्बई द्वार दियां ह 7—1—1985 को स्टिस्टर्ड िया गया **है**।

> पी० ए∵० दुवे सक्षम प्रायिकारी सहायक आयकर आपुकः (िरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

हारीख: 12-9-1985

प्रक्य बाह्र . टी. एन. एस.-----

बायकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आग्रयत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई अम्बई, दिनौक 12 िटम्बर 1985 निदेश सं० फई -1/37-ईई√5237/84-85--म्बट सुझे,

पी० एन० दुबे,

बायकर बांधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धममें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्ठास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जित्रको सं० एक कमरा तल माले पर, जो, जेम्स निकेतत, 33/37, घतजी स्ट्रीट, बम्बई- 3 है तथा जो बम्बई -3 में स्थित है (और इतसे जाबन अन्सूची में भार पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भागार भिवित्यम, 1961 को धारा 2695, ख के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिलस्ट्री है. ताराख 7-1-1985

को प्राप्तित सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के संस्थाय श्रितिक के लिए अतिरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार स्व , उसक स्थ्यमान प्रतिकल से, एस स्थ्यमान प्रतिकल की पेइह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिति (अन्तरितियां) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करन या उससे अचन में सूबिधा के लिए; और/या
- (पंती किसी काय था विशी पत या श्रन्य आक्तियां को, जिन्हों भारतीय आयक्तर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के चिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अधीत् क्र— 1. श्री बालचन्द मारूपजी।

(अन्तरक)

2 श्रीमती इंद्र नागराज।

(अन्ति ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए ् कार्यवाहियां करता हुं।

प्रकार सम्मात्ति के नर्जन के सम्मान्य में कोई भी मार्काप:--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिला में किए का नकते।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पतों का, ओ उक्क कि भिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृ सुची

एक कमरातल माले पर जो जेस्त्रतिकेतत 33/37, धनर्जाः स्ट्रंट बम्बई-3 में स्थित है।

भ्रमुद्भा जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37-ईई /5174/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधि गरी बम्बई ब्रारा दिनौंक 7-1-85 को रजिस्टर्ड फिया गया है।

> पी० एन० दुवे सकाम प्राधिकारी सहायक ज्ञायकर ज्ञायुक्त (रिरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, सम्बर्द

तारीख: 12-9-1985

कींहर∶

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (125; का 43) काँ धारा 269-घ (1) के अधीम स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भर्गन रेंज-1 बर्म्स बस्बई दिनाँक 10 ितम्बर 1985 निदेश सं अई-1/37-ईई /5246/84-85--मत: नुझ पी० एन० दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धनमें धमके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन रूषण पाधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिल्ली सं० पर्लंट नं० 801 जो 8वीं मंदिल इमारत नं० "रेड रोज" पोचखानवाला रोड़ व ली, ब बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इ.से उपाबड़ भ्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है) भौर जिल्ला करारनामा भ्रायकर श्रधित्यम 1961 को धारा 269 ह ख के श्रशीन बमाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजंदो है सारिख 7-1-1985

को गर्ब कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाए वॉक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्लाइ प्रतिकात से अधिक है और सतरक (अतरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसस बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बल्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-बार्ध अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उसत विधिनियम की धारा 269-ग के जनवरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रो गोतलात उधवतात्रश्रहजा।

(प्रतरः)

 श्री हबीब श्रली दाण्ती भौर श्र.मता निग्य हबाब दावती।

(श्रन्तिती)

मन्दरिदियों।

(बह व्यक्ति जितके ग्रधिभोग में सम्पति है)

की बहु स्वना जारों करके पूजीक्त तम्मिल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सचना के गजपथ में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त गोली हो, के भीतर पूर्वीकर स्थित्यों में से किसी स्थित इवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्यब्दीकरण: --- हममें प्रयुक्त पान्तों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ हत्या, जो उस अध्याय में विज्ञा वसा है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 801, जो 8वीं मंजिल, इमारत "रेड रोज" पोचखानवाला रोड़, बरलो बम्बई-18 में स्थित है।

भनुरूची जैत कि कि सं प्रद-1/37-ईई'5246 84-85 श्रीर जो तक्षम प्राधि गरो बम्बई ब्रास दिनौंक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> पी० एन० धुने सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंतर ग्रायुक्त (निराक्षण) श्रजन रेंज-1 बस्बई

रार्**ख**: 10-9-1985

में हर:

भारत तरकार

कार्यास्त्रयं, तहायक बायकर सायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1 बर्म है बस्हर्ड, दिनौंक 12 तिम्बर 1985 निदेश सं० धर्ष-1/37-ईई/5247/84-85--ध्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर किभानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जित्रकी सं० भ्राफित नं० 23 जो 7वीं मंस्सि ताडदेव एश्वर कंड गर्ड मार्लेट इमारत हाडदेव अम्बई 34 है तथा जो बमाई 34 में स्थित है (श्रीर इस्से उपाबद्ध अनुरूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिल्ला करारनामा श्रायार श्रीधित्यम 1961 की धारा 269फ ख के श्रधान बमाई स्थित तक्षम प्राधि गरी के कार्यालय में रिलाई! है तारख 17-1-1985

को प्यांकत सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्ट्रमान शितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एमें द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण बिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है ---

- (क) जनसरण से हुई किसी जात की शबक, उच्छ जिथिनियम के जभीन कर दाने के जनसरक के शांकित में जानी करण वा उच्च तथने में बृधिया के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी जाम या किसी भन या अल्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शांक्ष्य था छिपाने में शुंबिया के लिए;

कतः अव, उकत अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरक में में उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अन्बर्धिको हात्रको पदमती, और श्री मुदाद नृष्ट्रांत पदमसी।

(ग्रन्धरह)

- 7. श्री राजीव चन्द्रजॉत श्राफ एच० यू० एक०ज कर्ता/मैनिजर श्रो राजाव चन्द्रकॉत श्राफ। (अगास्ति)
- उ. भन्तिसी।

(त्रह व्यक्तिः, जितके स्रतिभोग सें सम्पत्ति है)

की यह भचना कारी करके पृथीक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिध कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच हैं 4.5 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी स्पिक्तयों पर सचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी स्पिक्त बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स स्पिक्तमों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (वा) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर मंग्रीत्र में किल्डवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिखित में किए वा सकोगें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जीर्धनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ. यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.!

नगत्त्री

भाफित नं० 23, जो, 7वीं मंजिल ताडदेव एम्रर-कुन्डीयाड मार्केट इमारत, ताडदेव रोड़ बम्बई-34 में स्थित है।

प्रनुसूची जैना कि क्र॰ सं॰ ग्राई-1/37-ईई॰/5190/84-85 श्रीर जो नक्षम प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनौंक 7-1-1985 को रजिस्टई किया गना है।

पी० एन० दुमें सञ्जम पाधिकारो स**ञ्जायक भायकर श्रापु**क्त (निरोञ्जम) स्वर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 12-9-1985

प्रकार बार्च टी. एव २४ . ----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज+1 बस्बई बस्टई, शिर्मेंच 12 तिसम्बर 1985 निदेश सं० श्चई-1/37-ईई०/5243'34-85--प्राः पुत्रे,

पीं एस इबे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसकें प्रकार अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसकें प्रकार उक्ष्म अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-ज के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह चित्रवास करने की कोरण हैं कि स्थावर रूपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- स्त. में अधिक **हैं**

श्रीर जिन्हों मं० पर्नंट नं० बी/104 जो निह मंजिल वि तत इमारत अनंत गणात प्रवार लेन श्रीर विवयं करो कान रेड वा जम्बान भागवला बमाई -27 है तथा जो बम्बई -27 में न्थित है (ग्रीर इन्ते उन्नाव प्रतुमूची में श्रीर पूर्ण कर से विजित है) प्रौर जिन्हा हरारतामा आफ हर श्रीकिंग्स 1961 की धारा 269 ला हे प्रजोत बमाई स्थित नक्षम जाधि नरा के हार्यालय में रिजिल्हा है तराब 7-1-1985

कां प्तांपत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापेवॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त ब्राधिनियम के बंधीन कर दन के बन्तरक के दायित्य में कमी करन या उससे बचन में सुविधा के लिए; ब्राइ/बा
- (भी किसी आय या किसी धन या कत्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त बिधिनियम, वा धन-अपनि । पाउन की एन। की प्रक्रीणनार्ध बन्निमित्री द्वारा प्रकर कहीं फिला नेना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः बब, उक्त बिधिनयमं की धारा 269-ग के अनमरण बी, बी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपभारा (1) कृब्रभीन, रिफ्निकिकतं अधिकारों, चर्चात् कृत्य भ्रार० डी० मेह् । त्राद्धारा कस्पनी।

(प्रसारक)

2 श्रीमती मधुजाला जयंतीलाल जैन।

(प्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए काय बाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस वचन के रण्डपन में प्रकाशन की नारीस के 45 विन की सबीध मा तत्सम्बन्धी स्मित्त्यों वर्ष स्चना का तामील स 30 दिन की अवधि, वा भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो. के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्मित्त बुवारा;
- (ह) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति ववारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—हमर्थे प्रयक्त शन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्या हो।

-

फ्लैट नं ० की/104, जो, 1ली मंजिल विज्ञास इमारत झनं गणपत प्रवार लेन श्रीर विच्या ली कात रोड़ का जंक्यान भागवला, बस्यई -27 में स्थित है।

श्रनुसूची जैरा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई०/5191/ 84-85 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारो बस्बई द्वारा दिनौक 7-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन⇒ दुवे सक्षम प्राधि गरो सहायक्ष्रायकर द्यापुक्त (निरक्षण) सर्गनरेंज री अस्बर्ध

तारी**ख**ं: 12--9--1985

प्ररूप आइ°.टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्चर्तन रेंज-1 बम्बई
बम्बई दिनौंक 12 निम्बर 1985
निदेश सं० श्वर्ड-1/37-ईई०/5249/84-85---श्चतः मुत्ते,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं।

भी र जिल्लो सं० पर्नेट नं० बो/101 जो विज्ञात हमारत भनंत गणात पवार लेन श्रीर विचपो ली कान रोड़ का जक्षान भागखला बम्बई-27 हैं तथा जो बमाई-27 में थ्यित हैं (प्रीर इत्ते उत्ताबत श्रनुग्चो में श्रीर पूर्ण रूप से वित्त हैं) श्रीर जिल्ला करारनामा श्रायकर श्रिधियम 1961 को धारा 2695 ख के श्रधोन बम्बई स्थिल सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारंख 7-1-1985

का पर्याक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खामान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्रिया
- (का) एंसी किसी जाा या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

भतः अत्रं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् ;---

- 1. श्री आर० टी० मेहता कस्स्ट्रवणन कम्नी। (ग्रन्जरक)
- 2 श्रीमती सयारबाई गंगाराम जैन। (अन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनित्म, के अध्याय 20-क में मथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

<u>अनुसुनी</u>

फ्लैंट नं० बी/101 जी विकास इमारत श्रनंत गणपत पवार लेक श्रीर चित्रभोलो कास रोड़ का जन्मन भाय-खला बम्बई--27 में स्थित है।

अनु चो जैत कि कि सं अई-1/37-ईई०/5192/ 84-85 प्रार जी तिन मिश्री बमाई द्वारा दिनाँक 7-1-1985 को रजिल्टर्ड िया गया है।

> पी० एन० वे सक्षम गाबिहारी सहायह अध्यक्त (दिक्षण) अर्जन रेंज∽1 बस्बई

तारीख: 12-9-1985

A Ex

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के सभीन स्चना

मारत परकार

भाषांक्य, सहायक मायकर माजूबत (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई०/5265/84-85---ग्रतः मुझे, पी० एन० धूबे,

बायकर प्रोभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से एक कें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षण प्राधिकारी को सह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धित जिसका स्वित बाबार मूल्य 1,00,000/- गा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं श्राफिस प्रिमायसेस नं ई०-6, जो, 6ठी मं जिल एवरेस्ट हाउस इमारन ताष्ट्रेव बस्बई-34 है तथा जो बस्बई-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7-1-1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उपनत बाजार मूस वे कम के ज्यामान मित्रका को निए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपनत बाजार राष्ट्र इसके दश्वमान प्रतिफान में, एसे अवमान प्रतिफान का वस्त्रह शित्रका से अधिक है और समारक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तर्थ को सिए तब पामा नवा मित्रका, निम्निलिखित उद्देश्यों से उसत अन्तरण लिखित में बालरिक कर से किथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबस, उक्स विधिनियम के अवीय कर दोने के सन्सरक के दासित्व में कमी करने या उबसे त्रवने में सुविधा के लिए: शरि/या
- (क) एसी किसी काम या किसी ६४ या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जासपार अधिनियम, 1922 (1977 के 1) या इकिन अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया शवा का वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

करा: क. उनत अधिनियम का पाण 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

मै० बोनाझा इन्वेस्टवंट प्रायवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती बिंदू एन० हिंदुजा।

(ग्रन्तरिती)

8 श्रन्तरकों।

(बह व्यक्ति जिसके <mark>प्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक वं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील को 30 दिन की सविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सवागः
- (अ) इस सूचना के प्रतापत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर अथत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के शास स्थित में किए जा सकोंगे।

स्थाकोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया औ।

THE REAL PROPERTY.

श्राफिस प्रिमायसेस नं० इ०−6, जो, 6ठी मंजिल एकरेस्ट इमारत ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-1/37-ईई $\circ/5197/84$ -85 श्रीर जी लक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक 7-1-85 की रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-1, बम्बई

सारीख: 12-9-1985

भोहर ३

13 -286 GI/85

प्रकृप बार्च . क्षी . एन . एक ., ------

जाय ब. र विभिनियम, 1961 (1961 का 43) কর্টী খাত 269-ম (1) के স্থীন মুখনা

भारत चड्चाड व्यथितन, सहायक मानकर बायुक्त (निर्दीक्तर्ग)

श्चर्जन रेंज-1 बस्ब**ई**

बम्बई, दिनौंक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० भई-1/37-ईई०/5273/84-85--भतः मुझे, पी० एन० दुब

नानकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा नया हैं), जो कि करा 269-स के नधीन सक्षम प्रधिक्तरी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जित्तका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० ब्लीक नं० 119 जो पहली मंजिल कामर्स हाज्य 140 एन० एम० रोड़ फोर्ट बम्बई-23 है तथा जो बम्बई-23 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्स सम्पति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यवाम शितफल को लिए अंतरित की गर्द हैं और मुभे यह व्यिवास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रविक्त से, एसे दश्यमान प्रतिक्त का पत्त्वह् प्रतिक्षत से अधिक हैं और जंतरक (वंश्वरकाँ) और वंश्वरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तम नाथा गया प्रका-फस, निम्नसिवित उज्वोध्य से उक्त बंतरण सिचित में बाला-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण ले हुवू निजयी भाग की बाववा , जन्त अधिनियम को संधीन कर योगे के अन्तरक को समित्य में कमी करने या उच्छ बच्चे में स्वीवधा के निए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य जानिसकों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर जॉभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविभा के निए;

बत: जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ण की अबुकरण् मों, मों, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीर, निस्निचित स्थानित्वी जथानि क्र- भेवरचंद बाबूलाल नहार श्री रेवाचन्द ग्रचलमलजी जैन भीर. मेसर्स सेका फायनान्स कार्पीरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुखराज बी० नद्दार फैमिली ट्रस्ट। (श्रन्तरिती)

का यह सूचवा जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त बम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी नाओप ए---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की संवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की संवधि, जो भी अवधि नार में समाप्त होती हो, के भीता प्रकेषक व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तस्रीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पन्ति में हिलक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः --- इसमें प्रमुक्त कवा और पर्वो का, यो जनतः विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होना, यो उस अध्याय में क्रिका क्या है।

भनु सूची

न्लाक नं० 119 जो पहली मंजिल, कामर्से हाउस, 140, एन० एम० रोड़, फोर्ट बम्बई-400023 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-1/37-ईई०/5203/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बस्बई द्वारा दिनाँक 7-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन**० दुबे** सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर धायक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीब: 10-9-1985

मोइर:

अक्स नार्वाः, द्वीत् एम् प्रश्नात्रमञ्जाना

नामकर निधिनिक्त, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में मधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक बाक्कार वायुक्त (विश्रीवान)

भर्जन रेंज-1, बम्बई

बस्बई, दिनौक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं ॰ ग्रई-1/37-ईई ॰ /5282/84-85--श्रतः मुझे, पी ॰ एन ॰ दुवे,

शावकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की भादा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाधार वृज्य 1,00,000/- रु. से बिधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्राफिस नं० 2, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 3, नवजीवन सोमायटी लेमिंग्टन रोड़, बम्बई-8 हैं तथा जो बम्बई-8 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 7-1-1985

न्त्रं कृतोंकत संवत्ति के सीचा बाजार नृत्य से कन के अवकात प्रीतकत को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास कार्ज का कारण है कि बंधावृत्तोंकत संवत्ति का उपित बाजार मुख्य, उन्नके वश्यमान प्रतिकान से होने वश्यमान प्रतिकान का नम्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं) और अन्वरिती (अन्तरितिक्षां) के बीच जन्तरण के मिए तब कार्य नमा प्रतिकाल मिल्लिसित उन्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित नी अस्तिविक क्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) सम्प्रत्य से हुए किसी बाय की बावत उक्ट ब्रियन निवय से व्यक्ति कर दोने के बन्स्ट्राह के बहिसा की क्यों करने का उत्तर करने में गृविका के बिन; बर्दिशा
- (क) ऐसी कि की बाय में किसी वन वा बन्च अस्तिस्यों की, विन्हों भारतीन जन्नकर अधिनियम, 19'22 (1922 का 11) में क्लब बिलिनियम, या धन-कर बिलिनियम, या धन-कर बिलिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रजीवनार्थ बन्दरिती स्वारा प्रकट नहीं किया जना भा दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृविभा में शिक्ए;

अतः अब, उक्त जीधीनमन की धारा 269-ग के अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्तीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती ताराबाई टेकचंद सहिजवानी।
- (भ्रन्तरक)
- 2 मेसर्स जैन इंटएप्राईजेस।

(म्रन्तरिती)

की पह रूपना पारी करके प्रतिकृत सम्परित के वर्षन के तिथु कार्यगिष्टियों सुरू करता हो।

उपन सम्परित के वर्षन से सम्बन्ध में कीई भी बाख़ोर ह---

- (क) यह जुनुता के राजवृत्र में प्रकारक की धारीक के 45 किन की नगींच या तरक व्यक्ती व्यक्तियों पर कृता की तार्मीक के 30 विन की नगींच, को जी वर्षीय नाव में बमान्य होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुरारा;
- (क) इव हुन्ना के राष्ट्रमण् में प्रकारन की दारीय से 45 दिन के मीटार उनत स्थानर संपरित में हिन-नष्ट्रम किसी जन्म स्थित द्वारा नभोहस्तानरी के गास मिक्टि में किए का दकेंगे।

प्रनुसूची

श्रांफिल न० 2. जो. 4थो मंजिल, इमारत नं० 3, नवजीवन सोक्षाईटी, लेमिग्डा टोड़, बम्बई-8 में स्थित कै।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1/37-ईई 0/5210/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 7-1-85 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1. बम्बर्ष

तारीख: 10-9-1985

अक्ष्य वार्षः, द्वी. एषः, एषः, - - - ----

भावकर अधितिव्य , 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के तथीय बुक्ता

STATE OF THE PARTY OF

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्**क्षिण)** श्रर्जन रेंज-6, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भ्रई- 1/37-ईई/5285/84-85-- भ्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर अभिनियम, 196' (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'जनत निर्मानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के मधीम समन प्राधिकारी को गह विक्वाध करने का कारण हैं कि स्थानर सन्यत्ति , विस्ता उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 604, जो, 651 मंजिल, ए- विग, कैलाण अपार्टमेंट, 293, वेलासिस रोड़, अम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसला करारलामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 26%, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 7 ा-1985

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कब के क्यानान प्रतिकाल के जिए अन्तारित की गई ही बॉर मुक्ते यह विश्वास कार्य का कारण ही कि यथापूर्वित्त संपरित का जीपार बाजार मूक्य, उनके क्यानान प्रतिकाल सं, ऐसे क्यानान प्रतिकाल का कृत्रक क्यानान प्रतिकाल सं, ऐसे क्यानान प्रतिकाल का कृत्रक व्यावस्था से विश्व का क्यार्य विश्व से विश्व का क्यार्य विश्व से विश्व क्यार्य के क्यार्य क्यार्य के क्यार्य क्याय्य क्याय्य

- (क) सन्सहस्य वे शुर्घ किसी जान की वाबसा, जनस्य वृधिनियम के अभीन कर्ष को के वृद्ध्यक के वृध्यित्व में कसी करने या उत्तरों व्यवने में सुद्धिया के दिवार; बर्गर/या
- (च) पूर्वी किसी थान या किसी थन या जन्म आस्तिकों की, जिल्ही भारतीय जाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उदस अधिनियम, धा भनकर अधिनियम, धा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के वृत्योजकार्य अन्तिरिती तृत्यार अकट नहीं किया नदा था या किथा जाना नाहिए था कियाने में सुनिधा के सिर्धः

स्तर्भ क्या, शक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अध्यक्त भी, भी, उनत अभिनियम की धारा 269-ग को अपधाण (1) भू सभीग , निम्नोक्षित्र व्यक्तियों, सम्बद्धि क्रान्त्र ा. श्री झोहरा ग्रनवर खान।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शमिरा हनीफ रपाडिया।

(भ्रन्तरिती)

भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्पाना वारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोंप :---

- (क) इब त्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीचा से 45 बिन की बर्वीच या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामीन से 30 बिन की नवीध, जो भी नवीध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाप्त;
- (च) इत त्यना के राष्मण में प्रकासन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिकी सन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

रच्यां करण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो उपत मीचीनवम के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस वच्याव में विका मया है।

ग्यक्ती

पस्तेष्ट नं 604, जो. 6ठीं मंजिल, ए-विंग, कैलाश प्रपार्टमेंट, 293, बेलासिस रोड. बस्वई-8 में स्थित है। अनुसूची जैमा ि क० गं प्रई-1/37-ईई/5213/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

प्रकृष ब्राष्ट्रं, टी. एन. एत. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सूचना

भारत वहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज्-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985 🕆

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई०/5343/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- उ. से अधिक है

और जिसकी मं० युनिट नं० 326. जो, 3री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, सितार जाघव मार्ग, लोखर परेल, बम्बई-13 हैं तथा जो बम्बई-13 में स्थित हैं (और इस्ते उसबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिस्सा करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269ज, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के नार्यालय में रिकस्ट्री हैं, नारींख 7-1-1985।

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्रयमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्में यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृन्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरक के सिए तद्रभावा ववा प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्

- (क) मृत्तरण से हुन किसी नाय की बाब्ध जक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के जन्तरक को शाबिरण में कमी करने वा उत्तर्ख सचने में बुविधा की सिये; संस्टार
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या कव्य कास्तियों करी, बिन्हें भारतीय वायकर विधिन्दव, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, या च्यु-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनीर्थ बन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया प्या या विका जाना वाहिए था, छिपाने के सूरिक्शा वे विश्वर

बृतः वतः, उक्त विभिनियमः, की भारा 269-व व वनुबृत्वः मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, वधीन, विम्निविद्य

1. मैं० शहा एण्ड नहार श्रासोसियेटम।

(प्रन्तरक)

2. श्री बेलजी मुरजी भोजवानी चेरिटेबल ट्रेस्ट। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जबिंध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पायीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, थे उक्त अधिनियम के गध्याय 20-क मे रिशाधित हैं, वहीं वर्ध द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया नदा है।

वन्स्वी

युनिष्ट नं० 326, जो, 3री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल एस्टेट ए०-1, क्तिरासम जाघव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रं० सं० श्रई-1/37-ईई०/5266/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज--1, **बस्बई**

तारीख: 12~9~1985

मोहर 🖫

वक्य बार्च की. एवं, एवं, ----

बायकर अभिनित्रम, 1961 (1961 अब 43) की पाछ भारा 269-ण (1) को अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यांकव, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिक) श्रजीन रेजि-1, अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 शितम्बर 1985

निर्देश सं० श्रर्ष- $\cdot 1_{l}$ 37--ईर्ष० $_{l}$ 5 3 5 1_{l} 8 4-- 8 5--- श्रतः मृश, पी० एन० दुवे,

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (भिसं इसमें इसमें इसके पश्चात उच्च अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 3, पी० एस० बी० प्रपार्टमेंट, बी० जी० खेर रोड़, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका बरारनामा स्नायकर प्रधितियम, 1961 की धारा 269%, ख के स्रिशीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधितारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

का पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्याबाक वित्रक्त के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह नंबरवास करने करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाम गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण जिल्ला में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुर्च किसी नाम की वासत, उकत विभिन्नियम के अभीन कार दोने को अन्तरक के दायित्थ मों कमी करमें मा उससे वचने मां स्विध्य क ब्रिप्ट; ब्रॉफ/भा
- ाष) ऐसी किसी नाम या किसी भन या नत्य नास्त्रयाँ नहें, जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिभा के निष्,

जतः क्षतः, उत्तर जीभिनियम की भारा 269-त की जनुजुरून को, मी, उत्तर जिभिनयम की भारा 269-त की उपभारा (1) को जभीन जिस्सीलियित कहित्यों, जमित्रक्र— 1. की कार्या एसर भसीस (हि० का० कु०)। (अस्तरक

(भन्तरक)

2. श्रीमती लता कांतीलाल पारेख।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बस्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख को 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की दारीक्ष सं
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनक्ष किसी जन्य स्थावत हवारा जभोहस्ताकारी के पत्न सिचित में किए वा संकाय।

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त बच्चों नीर पर्यों का, जो चवल जीभनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस रूथाय में विद्या गया है।

नगसची

फ्लेंट नं० 4, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 3, पी॰ एस्० बी० ध्रपार्टमेंटस, बी० जी० खेर रोड़, बम्बई-1.8 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्रिई-1/37-ईई०/5270/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-9-1995

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० म्रई-1/37-ईई/5352/84-85--म्प्रतः मुझे, पी० एम० दुवे.

आयकर र्जाधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी मं० फ्लेट नं० 2, जो, पहली मंजिल, इमारत
नं० 3, पी० एस० बी० ग्राग्टेंमेंट्स, बी० जी० खेर रोड़,
बम्बई-18 में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णिन हैं), और जिसका करारनामा
ग्रामकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269%,
ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में

रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्मिथा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीतु ६-- 6. श्री एम० पी० भसीन, एच० यू० एफ०। (श्रन्तरक्)

श्री मुनील कांतिलास पारेखा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वरचर्ची

फ्लैंट नं० 2, जो, पहली मंजिल, इमाग्त नं० 3, पी० एस० बी० ग्रापार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड़, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि ति प्राई-1/37-ईई०/5271/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे स्थाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकण ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985 मोहर: प्ररूप भार्षः टी. एन्. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुबना

मारत संस्थार

अर्जन रेज-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई—।/37—ईई/5354/84—85——अतः मुझे पी० एन० दृखें,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की कारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बंधि जिसका उचित बाजार मृन्ध्य 1,00,000/-स. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं सिवस श्रीद्योगिक यूनिट सं 218, जो, दूसरी मंजिल, नारायण उद्योग भवन, डा० शि० आंबेडकर रोड, लालबाग, बम्बई—12 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 7-1-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अंनरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिका के स्पीन कर दोने के बंदरक के शिक्तिया के अभी करने या उससे बचने में स्विधा से किस; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बच्च बास्तियाँ को, जिन्हां भारतीय बायकार अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कार अधिनयम, 1957 (1057 का 27) के प्रयोजनार्थ संतिष्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया धारा किया राना नाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जनसरण के, मैं, उक्त जिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (†) से बचीन: निम्तिनिक्त स्वीक्तरों, क्यीस म⊷

- (1) श्री भरम वि० शहा भौर श्री धिरेन विशहा । (अन्तरक)
- (2) श्री सुकनराज कस्तूरचन्दजी जैन । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए न कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बनी व्यक्तियों प स्वना की दामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाज होती हो, के भीतर प्रवेका व्यक्तियों में स कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बहुध कियी अप न्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविश्त में विश्वे का सकरी।

स्वक्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उनत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ द्वारा, जो उन अध्याय में विदा नया है।

अनुसूची

सर्विस श्रौद्योगिक युनिष्ट सं० 218, जो, दूसरी मंजिल नारायणा उद्योग भवन, डा०बी० आंबेडकर रोड, लालबाग, बम्बई—12 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/5272/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, बम्बई

दिन(क : 12-9-1985

मोइ

प्ररूप कार्यः, दी., एन., एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत गरका

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5366/84-85--अतः मुझें पी० एन० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आफिस सं० 514, जो, 'आनंद, 82 84, काझी सैयद स्ट्रिट, बम्बई-3 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा अकट नहीं किया ब्या का वा किया जाना चाहिए था, जिना में स्थिभ के स्थि;

(1) श्री सुरेन्द्र जादूराम मेहता श्रीर श्री चमनलाल जादूराम मेहता ।

(अन्तरक)

(2) श्री परेश गुलाबभाई पारेख भ्रौर श्रीमती भानूमती गुलाबभाई पारेख, श्री जितेन्द्र रमणिकलाल मेहता श्रौर श्री ढोलार रमणिकलाल मेहता ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों । (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारी ख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त जिमीनयम, के अभ्याब 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु (वं:

आफिस सं० 514, जो, , ''आभन्दें', 82/84, फाझी सैयद स्ट्रीज, बम्बर्ड+3 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई—।/37—ईई/5283/84— 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां : 18—1— 85 को रिजिप्टर्ड किया गया ई ।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रोज--।, बम्बई

दिनांक : 12-9-1985

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अई-।/37-ईई/5399/84-85--अत: मुझे पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट सं० 305, जो, तीसरी मंजिल, इमारत सं० 1, सुमेर टावर, लवलेंड्न, सेठ मोतीशाह रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-निम, 1961 की धारा 269 कख के अर्धान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जायालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-1-

को पूर्व क्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उणित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे वन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उन्तर अन्तरण जिल्ला में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है अन्तरण

- (क) व्याप्ट सं हुई किसी साय के सावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्तुक के दामित्व में कमी करने या तससे अवने में सुविधा के सिए; औद्यं या
- (ण) एसी किसी नाम या किसी भन वा बन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय नायकार न भनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्रम, या भनकर नाभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना भाहिए था, ज्याने में स्विभा से जिए।

बरः अस्य, उन्तर निधिनियम की धारा 269-य की अनुसरक् को, को, उन्तर जीधिनियम की धारा 269-1 की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अभिति ल्ला (1) मेसर्स सुमेर आसोसिएटस ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती इंदीराबेन शांतीलाल घन्दालिया श्रौर श्रीमती विजयालक्ष्मी प्रमोदकुमार चंदालिया। (अन्तरिती)
- (3) बिलडर ।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां बरता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविदयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकारो।

स्वष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त सन्धां और पवाँ का, जो उक्छ निधानयम, के अध्याय 20-क में परिधानित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

1993

पर्लंडियं० 305, जो, तीसरी मंजिल, इमारत सं० 1 सुमेर टावर, लवलेञ्न, सेठ मोतीशाह रोड, माझगांव, बम्बई-10 है स्थित ई।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37-ईई/5295/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 22-1-85 को रजिस्ट इं किया गया है।

पी० एन**० दुवे** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बम्बई**

दिनांक: 12-9-1985

प्रकम बाई. टी. एव. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

गारत सरकार

कावालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अई—।/37—ईई/5387/84—85——अतः मुझें पी० एन० द्वो,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परवाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आफिस सं० 7, जो, तूलसियानी चेंबर्स, नरीमनू पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18∽1-85.

को पूर्वोक्त सम्मित्त के अधित नाचार मून्य से कम के वस्त्रजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह निश्यात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित नाचार भूग्य, उद्यक्ते क्रयमान प्रतिफल से एरो क्ष्मभाभ प्रतिकल का पन्त्रह्म प्रतिसत से नाभिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पांचा नया प्रतिकल, निम्मीनीयित स्मृत्येच से उक्त अन्तरम किस्ता में पास्त्रभिक सन् से कांचित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण वे हुइ किती बाव की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के निए;

बंत: बंध उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण बं, मं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:--- (1) मकीनेक्स एक्सपोर्टस ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मनोज खूबचन्द गुरसहानी,
 - 2. धरमिंद्र ख्बचन्द गुरसहानी, श्रीर
 - 3. मुरेश खूबचन्द गुरसहानी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितयों । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, थो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निवित में किए का सकेंगे।

स्यक्दीक रूग: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में वियानवाहीं ॥

अनुसू**ची**

आफिस सं० 7, जो, तुलिसयानी चेंबर्स, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-।/37-ईई/5185/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18--1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन**० दुबे** सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयु त (निरी**क्षण)** अर्जन रेज-॥, **बम्बई**

दिनांक: 10-9-1985

प्र**चम नाइ^त्रह**ीं एम*्* एकः -----

वासकर विवित्रवस, 1961 (1961 का 43) की पाच 289-च (1) के अवीत स्वता

नारव वरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निवेश सं ० अई-1/37-ईई/5400/84-85--अत: मुझें, पी ० एन ० दुवें,

करण्यार विविधियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके वश्यात् 'त्रवस विधिविधम' कहा गया है"), की धारा 269-य के वधीन संबंध प्राधिकारी को वह विश्वास करने का वसरे के विश्वास सम्पत्ति, विस्था उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 1001, जो, 10वी मंजिल, इमारत सं० 1, "सुमर टावस", लवलेन, सेट मोतीणाहरोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रौर ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-1-1985,

को पूर्वियत सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रक्रिक के लिए अन्तरिती की पर्द और मुक्ते यह विश्वास कहने का कारण है कि यथापूर्वों का सम्पत्ति का उपित बाजार मूच्य, उन्ने द्रायमान प्रतिपक्ष्य ते, हो द्रायमान प्रतिपक्ष का पन्तृह प्रविचार से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्वरिती (अन्तरित्यों) के बीच एडे बन्तरक के लिए तब पामा यया प्रतिपक्ष निक्वीविषय उन्नेष्ट से उपल अन्तरक लिखत में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (स) अलारण से हिएं किसी बाब की बाबत, उक्त बीचितियम के बचीम कर दोने के बन्तरक सो खीयल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिबों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबोध-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

सक्तः अन्त, सम्ब समिनियम की भाषा 269-न के अनुवरन में, में अन्त सभिनियम की भाषा 269-न की उपभाषा (1) के सभीन, निम्नीसिवित व्यक्तियों, समाब ड—

- (1) मेसर्स सुमेर आसोसिएटस । (अन्तरक)
- (2) श्री रतनकुमार पुखराजजी दोणी। (अन्तरिती)
- (3) बिल्डर । (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह क्ष्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के स्थय कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सन्मिता के बर्चन के सम्मन्य में कोई भी नाकोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नगींथ या तत्त्वस्थानी स्थानितयों पद शृंचना की टाबील से 30 दिन की सविष, वो सी वक्षी वाद में इंजाप्त होती हो, के जीतर पर्कों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यागः;
- (क) इस सूचना के रायचन में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक्ष्य्थ किती बन्य व्यक्ति य्वारा मधोहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्थानिकरण :----इसमें प्रयुक्त पत्थों और पत्थें का, को अवस स्थितियम के अध्याय 20-क में परिधाषित ही, बड़ी अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गवा ही।

अमुस्ची

फ्लैंट सं० 1001, जो, 10वी मंजिल, इमारत सं० 1, "सुमेर टावस'', लबलेन, सेट मोतीशाहरोड, माझगांव, बम्बई— 10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5296/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-1-85 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

पी०एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; बम्बई

दिनांक: 12-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बर्मीई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/5401/84-85--अत:मुझे, पी० एन० इबे,

बायकर मिंपिनियम 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिंपिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व को अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका अचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी मं० पलैट सं० 1106, जो, 11वी मंजिल, इमारत सं० आई, मुमेर टावर्स, लब लेन, शेठ मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-1-1985,

ना वृजीकत अंपरित के अभित बाजार मृस्य से कम के द्यामान प्रतिकल के सिम् जन्तरित की नई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि बधापुनोंकत सम्पत्ति का उन्तित बाजार नृश्य, उसके द्यामान प्रतिक न हे तरे व्यवसान प्रतिक न के वृष्टे व्यवसान प्रतिक के वृष्टे व्यवसान प्रतिक के वृष्टे वृष्टे व्यवसान प्रतिक के वृष्टे वृष्टे वृष्टे व्यवसान प्रतिक के वृष्टे व

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्रिए; और/या
- (ब) एंसी किसी नाम ना किसी धन या बास्य नास्तियों की, विन्हें भारतीय नासकर अधिवियम 1922 हैं 1922 की 11) या उन्दर अधिवियम, 1922 की 1957 की 27) के प्रकोषनार्थ अस्तिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाग बाहिए था, कियाने में स्विया के सिए;

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मेससं मुमेर एसोसिएटस । (अन्तरक)
- (2) श्री दिलीपकुमार पुखराजजी दोशी। (अन्तरिती)
- (3) विरुटर । (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता 🜓

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. स्थाना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के पास निकित में किए वा सकान।

स्यव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को सकत विश्वमिद्य के वश्याय 20-क में परिभाषित ही, यही वर्ष होना को सब कश्याद में हिंदन नवा ही।

जनसची

प्लैट सं० 1106, जो, 11वी मंजिल, इमारत सं० आय, सुमेर टावर्स, लव लेन, शेट मोतीशाहरोड, माझगांव, बम्बई— 10 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ अई-।/37-ईई/5297/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी,बम्बई द्वारा दिनांक 22-1-85 को रजिस्टडं किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज⊸।, बम्ब€

दिनांक : 12-9-1985

प्रक्ष बाईं.टी.एव.एस. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5402/84-85--अत: मुझे पी० एस० दुबे,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रकास 'उस्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० फ्लैंट सं ० 1005, जो, 10वी मंजिल, इमारत सं ० 1, मुमेर टावर्स, लव लन, सेठ मोतीशाह रोड, माझगांव, बम्बई—10 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-1-1985 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से विधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
- (क) एसी किसी बाब का किसी धन या जन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः क्षेत्र उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के बभीन, हिम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ६—— (1) में असंसुनिर एसोसिएटस।

(अन्तरक)

(2) श्री भुमेरचन्द् नागराज मेहता ।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डप् ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्त का कि गाँ में कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विज्ञ के भीभार उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किया प्राप्त के पास विज्ञान के शिक्ष द्वारा अधीवहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण :---इमर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

ग्रनुसूची 🕝

पलैट सं ० 1995, जो, 10वो मंजिल, इमारत सं ० 1, सुमेर टावर, तव लेल, मेठ मोतीशाह रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि कि अई-1/37-ईई/5298/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 22-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-9-1985

प्रक्रम बाहै. टी. एन. एस. -

बायक इ. मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा / 269 (व) (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यानव, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5403/84-85--अत: मुझे, पी० एन० दुबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधान सक्षम प्राधिकारों का, गर विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1306,, 13वी मंजिल, इमारत सं० 1, ''सुमेर टावर्स'' लव लेन, शेट मोतीशा रोड, माझगांव, बई--10 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्र्यमान बितक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का त्रन्द्द प्रतिकृत से विश्व है और अंतरक (अंतरिकों) और बंतिरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण क लिए तय पाया मा प्रतिफल निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिकित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- को अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसम अधि में सुविधा कारा, और/धा
- को एनौ किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जन, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स सुमेर एसोसिएटस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला मपेलाल पारेख।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर । (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह बुखना बाडी करके पुत्रा कि कर्नात्व के शर्वन के विष् कार्यनाहिमां करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन की नविध वा तत्त्वस्वन्धी स्वत्तिमों पक्ष सूचना की तासील से 30 दिन की जबिध, वो भी वविध बाद में प्रमाप्त होती हो, हो भीतर पूर्वोक्त स्वतियों में वे किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्र में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ता(।री के पाक लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे व स्वाय में तिका गवा हैं।

वस्त्राची

फ्लैट नं० 1306, जो, 13वी मंजिल, इमारत सं० 1, "सुमेर टावर्स", ला लेन, शेट मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-I/37—ईई/5299/84—85 स्रौर जो सज़म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-1—85 को रजिस्ट $^{\circ}$ किया गया है ।

पी॰ एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त ंनिरीक्षण), अर्जन रेज-I, बम्बई

दिनांक: 12-9-1985

प्रकर बाहै, टी, एन. एस,------

भावकर क्रिथिनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्रिथीन सूचना

मारत पुरकार

कार्याजन, सहामक भागकर मानुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निरे म० श्रई-1/37ईई/5409/84-85---श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका अधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० यूनिट सं० 113, जो, पहली मंजिल, रीगल इण्डिस्ट्रियल इस्टेट. आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीक्षितमा. 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-1-85

को पूर्व यस सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रितिक्त के लिए अन्तरित की गर्व है और मूक्ते यह निर्वास करने ने कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का ः चित नाजार मूल्य इसके पश्यमान प्रतिकाल सं ऐसे दश्यमान शिल्फल का पन्द्रहें शितवात से अधिक है और अन्तरक (अंतर हों) शेर अंतरिती (जन्ति तियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तय पाया जवा प्रतिकाल निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त नन्तरण सिवित में नास्त्रिक रूप में कथिल नहीं किया गया है अन्तर में वास्त्रिक रूप में कथिल नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त जिमित्यम के ज्यौत कर देने के जन्तरक के बामित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के विष्: जॉर/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन य अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम या धन्कर अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वाय ाकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने उने स्विभा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 26)-म के कन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स बं १० एन० इंजीनियरिंग वन्स । (ग्रन्तरक)
- (2) मेससं अप्सरा आर्ट मेटरीग्रल्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)
- (3) बृहस्पति वि० जोगो। श्रौर श्रीमती निर्मला एन० गहा । (वह व्यक्ति, जिसके श्राधमोग मे सम्पत्ति है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्य :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन के तारीब से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो औ अहिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतः प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 बिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास रिवित में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्थ होंगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

यूनिट मं० 113, जो, पहलीं मंजिल, रीगल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्राचार्य दोंदे भार्ग, सिवरीं, बम्बई-15 में स्थित है। अनुसूखी जैसा कि क० मं० श्रई-1/37-ईई/5303/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिवारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 32-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पीठ एन० दुवे सक्षम गाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, ब**ौ**बई

दिनोंक : 12-9-1985

भोहर :

प्रकल आहे . की . एस .. एस .. न च न चनन

भाषकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) वर्षी अस्त 269-म (1) के वभीत स्वता

भारत बहुनाहु

कार्यालय, सहायक बायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--1, बम्बई

अम्बर्ष, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अर्ड-I/37 ईंड/5423/84-85 — अप्तः मुक्ते, पी० एन० दुबे,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्वे इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विस्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्व 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिकी सं० दुकान नं० 8, जो, दौलत इमास्त, तल माला, शहीद भगत सिंह रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में ास्थल है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 वख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-1-1985

को पूर्वोक्त तस्मित के उचित बाजार मूस्य से कन के इच्छमान प्रिष्ठफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विच्चास अपने का कारण है कि यथस्पूर्वोक्त सम्मित क्ष्म उचित बाकार मूस्य, उखके उद्यमान प्रतिफल से एसे उद्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बान्तिक रूप से कीधत नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण ते धूर्य किसी जाव की बाबत, उक्त कथिनियम के अभीन कर बाने के अन्तरक के स्वीयत्व में क्रमी करने मा उससे तनने में सुविभा से निष्ठ और/वा
- (क) घरी किसी नाम या किसी भन वा सन्त आस्तिनी को चिन्हें भारतीय आयकर अभिनित्तम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, पा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्ति एकारा प्रकट नहीं किया गमा था किया चाना चाहिए था. जिन्हों में स्थिम के किया

अत अक तकत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जनत व्यिधिनियम की धारा 269-घ की व्याधास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यिक्तियों, अर्थात् :— ç 1—286 GI/85 (1) श्री बच्भाई हरङचन्द शहा।

(भ्रत्तरक्)

(2) श्री रामर्जी कसीन महा।

(भ्रन्तरिती)

- (3) श्रोराम ग्रोल्ड पेपर मार्ट ग्राँर ग्रन्तरिती । (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) 1. श्रीराम श्रोल्ड पेपर मार्ट,
 - 2. दि सोसाइर्टi, भ्रौर
 - अन्तरितियों ।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यक्ष सुधना जारी करके पूर्वीकल संपत्ति के वर्षण के विषय कार्यश्रीहर्ण करता हो ।

उक्त सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🎞--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में त्रकायन की बारीब से 45 दिन की अपिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचया की एउमील से 30 दिन की अविष, को भी क्यीप बाद में उपाद्त होती हो, के मीतर प्रकेंकर व्यक्तियों में से भिन्नी क्यीप क्याप्त;
- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकावन की सार्विक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्बद्धि में हित-बब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा व्यक्तिसाक्षरी के पस्त सिवित में किए वा सकींगे।

हरावडीकर्यः --- इसमें प्रयुक्त क्याँ और पर्यों का, मी इसके मधिनियम के मध्याय 20-क में सभा परिकारिक है, यही मर्थ होगा. यो उस अध्याय में दिसा नवा है।

नगम्बरी

दु हान नं० 8, जो, दौलत इमारन, तल माला, शहीद भगत सिंह रोड, कुलाबा, बम्बई 5 में स्थित हैं।

श्रानुसूच। जैसा ि फ॰ सं॰ ग्राई-1/37-हिंह/5310/84- 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-1- 85 को रिजजर्ड किया गया है ।

पो० एन० **दुवे** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-I, बम्बई

दिनांक : 10-09-85

य हर 🖁

प्रकृष बार्च . दी . युव . एव . ------

बाधकर बीधनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत तरकार

कार्यांस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेज—I, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985 निर्देश सं० श्रर्ड—I/37—ईर्ड/5433/84—85—श्रतः मुझे, पा० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात जिस्त मिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उभित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से मिक है

श्रीर जिसकी सं आफिस नं 17, जो, महावीर दर्शन, दूसरी निजल, नरसा नाथा स्ट्रीट श्रीर भंडारो स्ट्रीट का जंकणन, बस्बई— 3 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारकामा श्रायवर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यास्थ में रजिस्ट्री है, दिनांच 22-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दूरसमान प्रतिपत्ति को लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दूरसमान प्रतिफल से, एसे दूरसमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और संतरक (बंतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया क्या प्रतिकक्ष निम्नितिचित उद्वोदय से उनत अंतरण निमित्त वे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरन में हुई किसी नाम की बाबस , उक्त वृधिनियन के अभीन कर दोने के बन्तरक के शीयत्व में कभी करने वा उससे बचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, क्रियानं में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्भरण में मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उक्धारा (1) के भधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रंः विधिन चन्द्र साकरचन्द्र संघली घीर मास्टर सुकेतू विधिन चन्द्र संघर्वः (मायनर) (मन्तरक)
- (2) श्रं∶ हुसन मिरा साहिब । **(ग्र**न्तरित∂)
- (3) म्रन्तरको । (बह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह ब्यामा बादी करने पूर्वोक्य सम्पत्ति से वर्षन के लिए कार्यवाहियां बुक करता हूं।

जवत हम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नामने :---

- (क) इस सुमचा के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धि स्पन्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की जन्धि, को भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तार्रीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनप्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाव जिल्हा में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण '- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, अही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वृक्ष हैं हैं

and 4

श्राफिस नं 17, जो, महावीर दर्शन, दूसरी मंजिल, नरसी नाथा स्ट्रीट श्रीर भण्डारी स्ट्रीट का जंक्शन, बम्बई--3 में स्थित ।

ग्रनुसूचं। जैसा कि कि से ग्रह-1/37-ईई/5318/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाप दिनांक 22-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर आयुक्त , (निरीक्षण), द्यर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1985

मो**हर**ं 🖫

मुख्य बार्षः दी. एव. एस्.

कावकार मृथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मृथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नायकानु नायुक्त (निद्रीक्षण)

भ्रजंन रेंज--I, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985 निदेश सं० श्रई--1/37-ईई/5437/84-85---श्रतः मुद्धे, पी० एन० दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं अरु स्थावर स्थाति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट मं० 3, जी, 4थीं मंजिल, इमारत सं० 3, पी० एस० बी० अपार्टमेटस, बी० जी० खैर रोड, बम्बर्ट— 18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्णक्य में बिजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 22—1—1985,

कारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनाक 22-1-1985, को पूर्वेक्ट सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई हैं। और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापुर्वोक्ट सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रिफल से, ऐसे रहयमान प्रिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तुरण से हुन्दं फिक्षी जाय की बावस, उक्त जनिविद्यं से वृतीय कर दोने के वंदाहरू से दायित्वं में कभी करने या उत्तरे मधने में सुविधा के सिए: शरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ जबीच, जिल्लीखिख व्यक्तियों, जर्भाद् कि — (1) श्रीमती हरींदर कीर ।

(ग्रन्तर 🗉

(2) श्री चिमणलाल मणिलाल शेठ।

(अन्तरितः)

को वह अचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्क सम्मत्ति को अर्थान को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप 🦟

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेंकत व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति बुवादा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वर्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्लेकिस के अध्याय 20-क मी परिभक्तिक ही, बही कर्य श्रीगा, जो उस अध्याय प दिया गया ही।

भ्रनुसूची

पलंट सं० 3, जो, 4थी मंजिल, इमाण्त सं० 3,पं:० एस० बा॰ अपार्टमेंटस, बी॰ जंं॰ खैर रोड, बम्बई-18 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5320/84--85 और जो सक्षम प्राधि गर्राः, बम्बई हारा दिनांक 22-1--1985 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधि घरा सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्र क्षण), श्रजन रेंज-1, बम्बई

हिनांक : 12--9--1985

मोहरु ध ़_ ़

मानकः किमिनियम 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) के अभीन स्पना

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तक) अर्जन रेंज~I, सम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं श्र क्षेट्-1/37ईई/5457/84-85-श्रतः मुझे, पी०एन०दबे,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'छक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० कमरा नं० 313, जो, तांसरी मंजिल, तांडदेव एअर-कंडिगण्ड मार्केट इमारत, तांडदेव, बम्बई-34 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्च। में और पूर्णक्य से बणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अवाज वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कक्ष के दश्वमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेन्नह् प्रतिकृत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत , निम्निलिचित उद्वदेय से उच्त बन्तरण निचित में वास्त- दिक क्ष्य से अध्यक्ष नहीं किया नमा है:---

- हुँक) बन्तरक संबुद्ध किसी नाय भी बाबता, उक्त मीधीनका के अधीन कर दोने की अन्तरक की समित्य में क्सी करने या उत्तत बचने में सुन्तिथा के स्थिए; और/ः
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

बरायः, बाबः, उत्ततः क्रिपिशैनक्रमः, की भागः १६६-४ वी सम्प्रमण्ड वं में नक्त अभिनियम की भारा १६९-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ४--- 1) श्रं(हरचन्द पुखराज गोलछा, हि० ग्र० कु० कर्ता।

(श्रन्सरक)

(2) श्रीमतीः मोना श्राई० लालवानीः।

(अन्तिरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हूं।

उपका संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कै पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्वश्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या क्या है।

अनुसूची

कमरा नं० 313, जो, तीसरी मंजिल, ताडदेव, एग्नर-कंडिशण्ड मार्केट इसारत, ताडदेव, बम्बई-54 में स्थित है। श्रनुसुर्ची जैसा कि फल्सं० प्रई-1/37-ईई/5347/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांट 30-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पो० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज–I, बम्बई

दिनांक : 12-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बभ्वई

बभ्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश मं० अई-1/37-ईई/5400/84-85---अतः मु,से पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिलकी नं श्राफिस मं 16, जो, तोसरी संजिल, ताडदेव एग्नर-कंडिशण्ड मार्केट, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है (श्रीर इससे उनाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर संवित्तियम, 1961 की धारा 269 एख के अन्तिन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 30-1-1985,

को पूर्वीक्त रांपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निति स्थित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक सूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर घने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् के

(1) श्रां श्रम्भाई जरू पटेल ।

(मन्तरक)

(2) सास्टर विवेक बहरो, (द्वारा श्री विनोध कुमार बहरी-नेघरल गाडियन)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

न्नाफ़िस नं० 16, जो, तीयरी मंजिल, ताडदेव एग्नर कंडिशन्ड मार्केट, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रमुको जैसा कि कि के मं श्रई-1/37-ईई/5352/84- 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांद 30-1-85 को रिजटर्ड किया गया है।

पंरि० एन० दुवे मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 10-9-1985

माहुदु 🛚

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में बभीन यूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) धर्जन रेजि-1, बम्बई यम्बई, दिनांल 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5485/84-85-अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर बीधनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स जीधनिवम' कहा गवा हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्ध्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलैट सं 501, जो, 5वीं मंजिल, इमारत सं 1, "सुमेर टावर्म", तल लेन, णेठ मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई—10 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से विणित हैं), श्रीर जिस ता उपारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 ाल के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधि शारी के जायिलिय में राजिल्ट्री है, दिनांक 30— 1—1985

को पूर्विक्त सम्पत्तिः के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्विक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उकत अन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप से काशिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दीने के अन्तरक के अधिरव में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी विसी आय या किसी धन या यन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की शारा 269-व की तपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स सुमेर एसोसिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो दरीयाबाई मोहनलाल जैन और श्रा मोहनलाल माणेकचन्द जैन ।

(भन्तर्रित)

(3) बिल्डर ।

(वह व्यक्तिः जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सि। कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्मिक्तयों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- *(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

बन्त्या

फ्लैंट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स", लब लेत, शेठ मोतीशा रोड, माझगांव, बभ्बई-10 में स्थित हैं।

श्रन्धूनी तैं। कि ऋ० सं० श्रिक्टे-1/37-ईई/9356/84- 85 और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-1- 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज~1, बस्बई

दिनांक : 10-9-1985

भोहर:

बक्य बाइं.टी.एन.एस., -----

बावकर शीपनिवंश, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन संधना

HIST STATE

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण)

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/5486/84-85---श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

कायकर विभिनियम, 1951 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित. विसका उद्देवत बाजार अस्व 1,00,000/- रह. पे विधिक हैं

श्रीर जिसकें सं पलैट नं 1006, जो, 10वीं मंजिल, इमान्त न 1, सुमेर टावर्म, लव लेन, शेठ मोतिशा रोड, माझगांव, बम्बई—10 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबढ़ श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण क्य से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायत्र श्रीध-नियम, 1961 की श्रारा, 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रुजिस्ट्री है, दिनांक 30-1~1985

को पूर्वेक्स संविद्य के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बुश्य, उसके कवमान प्रतिफल से, एसे कवमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (ब्लिरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पासा गवा प्रति-क्य दिल्यित स्वार्थ के उच्छ बन्तरण निवित में वास्तिक क्य दे क विश्व नहीं किया क्या है है है है

- (क) बन्तरण से हुन किसी बाय का बाबत, उस्त बिचियदा के बभीन कर बोर्च के अन्तरक के बादिएक के क्षानी कहने वा अन्तर्थ दकने में बृदिशा के बिच्द; स्टिक्ट मा
- (क) एंसी किसी बाद ना किसी था ना अन्य नास्तियों की, किसी भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1322 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धव-कर विधिनियम, ना धव-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोधनार्थ नेतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्;

बार्श नव, उन्त निपनियम की भारा 259-प की धनुबरक को, भी, उक्त निपनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थासु:--- (1) मेलर्स स्मेर एसोलिएटस

(ग्रन्सरक)

(2) श्रं। गणपतचन्द नागराज महता ।

(अन्तरितः)

(३) बिल्डम

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त कमित्र को कर्जन की सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वर्गीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय करा १.
- (स) इस सूजना के राजध्य मं प्रकाजन की नारीच वें
 45 निन के भीतर उन्हें स्थावर सम्मित्त में हितवबूध
 किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिसित में किए वा सकों में।

स्वयोकरणः - एसवे प्रमुक्त बन्दों बीर एको का, इसे स्वय अधिकार्या, से सभाव 20-क वे प्रितारिक ब्रीक बही क्षी होता को उस सभाव वे दिया बना हो।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 1006, जो, 10वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "मुमर टावर्स", लघ लेन, गेठ मोतीणा रोड, माझगांव, बम्बई— 10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-1/37-ईई/5357/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-1-85 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुवे नक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरःक्षण) श्रर्जन रेज—1, बस्बई

दिनां । 12-9-1985

प्राक्त शाह . टी . एन् , एस

जायकार लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरांकाण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/5532/84-85--श्रत: मुझे, पी॰ एन॰ दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवसम करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 1/2 भाग ग्राफिस सं० 13211 में, जो, इमारत सं० 3, नवजीवन सोसायटी, लैमिस्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णक्य से वर्णित है), और जिसदा करारनामा श्रीयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 26 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, दिनांक 31-1-1985

कां पूर्वीकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान परितमल के लिए जन्ति हैं। की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वीक्त संपित का उचित बाजार ज्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरियौं (जन्तरित्यों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाबा गमा प्रतिफल, निम्नीसीचित ब्रुविय से सक्त जन्तरण मिनित में वास्त्रींक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) बस्तारण वे हुन्दै किसीं बाय की बावस्त, उसत अधिनियम के जयीन कर योगे के बस्तरक के शांत्रिक्श में कभी करने या उससे अवने में स्वतिका की किस्ट और/का
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को चिन्ही भगरतीय नायकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या जन कार अधिनियम, या जन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा ज सिक्;

बतः गग, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण म, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीम, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष— (1) मुधीर शंदार फडके।

(श्रन्तरक)

(2) श्री प्रमोद मीरेश्वर गांगल।

(अन्तरितीं)

(3) मन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

भी सूत्र सूज्या <u>जारी</u> बहुने पृथ्यिक स्म्मित्य सं अर्थन से निए कार्यवाहियां क<u>रुवा ह</u>िं:

उक्त सम्पत्ति को नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उपल अधिनियम के अध्याय 20-के में प्रिशायित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वदा हैं।

अनुसूची

1/2 भाग भ्राफिस सं० 13211 में, जो, इमारत सं० 3, नवजीवन सोसायटी, लैमिस्टन रोज, वस्वई-8 में स्थित है। भ्रानुसूची जैसा कि क० सं० भ्रई-1/37ईई/5390/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 31-1-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुब सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बस्बर्ध

दिनांक: 10--9--1985

मोहर 🕄

प्रकार नार्र हो , एवं , एवं , हर र र राज्य स

कामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुख्या

HINE STORY

कार्यासय, महायक बायकर मानुसत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मितम्बर 1985

निवेंश सं० ग्रई-1/37ईई/5567/84-85 — भतः मुझे, पी० एन० दुवें,

भायकर अभिनिशम, 1961 (1961 का 43) (विश्व कार्क इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा नका हैं), को पाड़ा 269-च के अभीन सक्षम प्राणिकारी को वह विकास कार्क का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित्त वाकार मूख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट सं० 414, जो, 4थी मंजिल, ए- विग, केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, फर्ग्युसन रोड, लोग्नर परेल, डिवीजन, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसहा इरारनामा ग्रायणर ग्रिध-नियम, 1961 की धाण 26 एख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 31-1-1

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जीवत बाबार मृख्य के कम के क्यामान गितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृख्य, जसके दरगमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्मिकिक ज्यूपेश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई जिली बाव की बायबा, उथक सिथिनियस के अधीन कड़ दोने को स्वच्यास वी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (श) एखी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों धारतीन जाय-कार कॉश्विनियम, १९२२ (1922 का 11) वा उन्तेत अधिनेयम, शा धन-कार अधिकियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा वा किया जाना वाहिए बा, क्रियमों से सुनियमा के लिए;

बतः अव, बन्त विधितिवम की भारा 269-म वी अनुसरम एं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
16—286 GI/85

- (1) मेसर्म कॅंबल बिरुडर्स प्राइवेट निमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उर्वशी श्राई० मनसेटा और श्रीमती कमला एस० श्रसरानी। (अन्तरिती)

को यह सुचभा बारी करने पूर्वीकर सम्परित के अर्थन में सिए फार्मकाहमा करता हूं।

बन्द संपन्ति से वर्णन के संबंध में काई भी आसीए हाना

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वर्गींभ या तत्संबंभी व्यक्तियों पर स्वा की तानील से 30 दिन की वर्गींभ को भी सबिप मार में समाप्त होती हो, के मौतर प्रांचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

ज्या किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्क मना है।

अनुसूची

यूनिट सं ० 414, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, केवल इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट, फर्यांसन रोड, लोग्नर परेल, डिविजन, बम्बई-13 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कर सं० ग्रई-।/37-ईई/5405/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिसांक 31-1-85 की रजिस्टर्ड दिया गता है।

> पी० एन० दुवे सदाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जल रोंचे⊸1, बस्बई

विनांक : 12-9-1985

भारत ।

त्ररूप बाह्र : टी . एन . एत . ------

भागकर वीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

भारत वरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायकर (निर्दालक)

भर्जन रॅंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 सिलम्बर 1985

निवेंग सं० मई-1/37ईई/5578/84-85—मतः मुझे, पी० एन० दुने,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर संपर्तित, जिसका उचित शाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से बाधिक है

और जिसकी सं पलैट सं 1, जो, 5वी मंजिल, इमान्त सं 0 7वीं, पटेल श्रपार्टमेंटस, पटेल और गुता टावर, बी० जी० छेर रोड, धरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इस्से उपाबद्ध श्रनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्राय्व र श्रिधिनियम , 1961 की धारा 269 क्ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, धिनांट 31-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से काम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार बूल्य, उसके क्यमाण प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतिरती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्निचित उन्हों स्था गया है :---

- (क) संभारण वे हुए चिकी बाब की श्वाप उठत संविधित्वन के सभीन कर योगे के अस्तरक वे राश्चित्व में कमी करने वा उक्की बचने में सुविधा के लिए; जीर/बा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन वा अन्य कास्तिवाँ कि जिल्हों भारतीय आग-कार अधिनियम, १०२२ (1922 का 11) वा उक्त जिल्हों भारतीय आग-कार अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने जें सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को, जनसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री यूसुफ अन्दुल्ला पटेल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुकेश श्रार० शहाऔर श्रीमती अंज^{रे} मुकेश शहा ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना खारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किमी अन्य व्यक्ति व्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त काक्यों और पर्वी का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसुची

पलैंद सं० 1, जो, 5वी मंजिल, इमारत सं० 7वी, पटेल श्रपार्टमेंटस, पटेल और गुण्या टाघर, बी० जी० खैर रोड, बरली, बम्बर्स-18 में स्थित है।

श्रानुसुची जैना कि कि न मं श्राई-1/37-ईई/5414/84-23 और जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनोंक 31-1-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पीं० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण), शर्केट रेजे⊸1, बस्बई

दिनांक : 10-9-1985

मोहर इ

प्ररूप बाहु . टी. एन . एसं .. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्द्रीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/5579/84-85--श्रतः मुझे, पी० एनं० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 3, जो, तीनरी मंजिल, इमारत सं० 7बी, पटेल अपार्टमेंटस और पटेल और गुप्ता टाचर बी० जीं० खेर मार्ग, बरली, बम्बई—18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसवा करारामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 31—1—85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उसस अचने में शिवधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या जिसी धन या पत्य प्रांपतात की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अवन पाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः वब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री यूसुफ ग्रब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कांतीलाल पटवा, श्रीमती चेतना एस० पटवा, श्रीमती लिलावेन के० पटवा और श्रीमती सुशिला बेन चोकसी।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सुचना चारी कारले पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वास अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया कै।

अनुसूची

पर्लैट नं 3, जो, तीसरी मंजिल, इसारत, नं एबी, पटेल, अपार्टमेंटस, और पटेल और गुप्ता टावर्स, बीं जीं खेर रोड, वस्ती, वस्ब ई-17 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई $-I_{j}$ 37ईई $_{j}$ 5415 $_{j}$ 84 -85 और जे सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-1-85 की रिएस्टर्ड विया गया है।

पी० ए:० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-1, दम्बई

दिनांक : 10-9-1985

मोहरु 🖫

प्रकार कार्य ् दी । एक ह एक छ नामक

भायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (i) के मेभीन सूचना

भारत सरकार

कार्षास्य, सहायक वायकर नामुक्त (विश्विका) अर्जन रोज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985 निर्देश सं० अई—1/37ईई/5596/84—85—-अतः **मुझे,** पी एन० द्वे,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणाह जिस्त मिनियम कहा गया हैं), काँ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति. जिसका उपित शायार मून्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं स्थार जिसकी सें० जूनिट २० ४ 18, जा, ४४। माँ वन, ए-विंग, केवल इण्डास्ट्रियल इस्टेट, फार्युसन रोड, लोअर पं.ल डिबीजन, सम्बई-13 में स्थित हैं (प्रार इससे उपायद अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप ने विंगत है), और जिसका करारनामा नायकर अधि-

नियम, 1961 की धारा 269 कखा के अधीन अम्बई स्थित

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है, दिनांक 31-1-

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मृशः यह विश्वाक करने का कारण है कि रणागुर्वेक्ति संपित्ति कः उपित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तर्ज के सिए तम पाना नमा प्रतिकास, विश्वामित उद्योक के क्या कमारण

निश्चित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ू---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की गायत, उक्त अधितियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दाबित्न में कामी कारने वा उससे शवने के सुविधा के सिए; और का
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा हो लिए;

वतः वन, उत्तर अधिनियम की धारा 269-न वो वन्तरण में, माँ, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिविस व्यक्तिशां, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स केवल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स डिंग डांग इण्टरप्राइजेस। (अन्तरिती)

को बहु स्वना धारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्धन के सिए कार्यवाहियां खुरू करता हूं।

बक्त संपत्ति को कर्मन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हाजपूत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की वर्षीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अर्थां वाद में समास्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्तर्यों में से किसी स्यक्ति ब्राहार;
- (ब) इस सृष्या के राष्पत्र में प्रकाशन की टर्डाच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध कि जी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिक्ति में किए जा सकी।

स्थळीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, शो उक्त मधिनियम, को अध्याय 20-क में धिशाविष्ठ ही, वही अर्थ दोगा, को उस अध्याय में विषय कशा ही।

अनुसूची

यूनिट सं० 418, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, केवस इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट, फर्म्युसन रोड, लोअर परेल, डिवीजन, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूकी जैसा कि कि० सं० अई-।/37-ईई/5428/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-1-85, को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बम्बर्ड

दिनांक: 12-9-1985

प्ररूप बार्ड ∴टी. एन. एस∴-----

बाबकर बरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्बालया, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्यई

बम्बई, विनांक 12 सितम्बर 1985 निदेश सं० अई--1/37ईई/4176/84-85--अतः मुझे, पी० एम० दुवे,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 15,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिस्की सं व्यूनिट सं व 416-ए, जो, 4थी मजिल, पंचरत्न, मामा परमानन्द मार्ग, बस्बई-4 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण कप से विणत है), भीर जिस्का करारनामा आयक्तर प्रधिनियम की 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-1-1985,

को पूर्वेवश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त निवयं के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (19.57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, मीँ,, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधास (1) वं अभीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स दिलीप जेम्स।

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्स हिराको इंडिया प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरक । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) अन्तरिती।

्(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ह)

को यह सूचनः जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत उप्रिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रभव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

यूनिट २० ४१६-ए, जो, अधी मंजिल, पंचरत्न, मामा परमानन्द मार्ग, बम्बई-४ में स्थित है।

अनुसूर्घ जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/4069/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-85 को रजिस्टई किया गया है।

पीः एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, बस्बई

दिनांक: . 2-9-1985

ांहर 😲

. . . .

प्रस्य बाह्यं, टी., एन., एव......

बाएकर बॉंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बंधीन भावन

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-1, वस्वई बस्बई, दिनांक 12 पितस्वर 1985 निदेश सं० अई-1/37ईई/4606/84-85--अः: मुझे, पी० एम० दुबे,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्यात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हो। की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तर याजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी सं० पलैंट नं० 31, जो, नी ारी मंतिन, रूकी जवार्ट मेंट्रस, रीज रोड, 253, वालंकश्यर, वस्त्रीं—6 विश्वत है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्णक्ष स्वाक्रिकों) सार जिल्ला करारनांमा आयकर अधिनियम, 1961 की जान 269 के खें अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के नजनाव में विजिस्हीं है, दिनांक 24-1-1985,

कर पूर्वोक्त अस्पत्ति के उप्तित बाह्यर मून्य र इस् बाह्यर मा शिवफ्स के लिए अंतरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित्त बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिश्वियों) के बीच एसे अन्तरण के विष्या ग्या ग्या प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उपल अंतरण लिखित मे वास्त्रिक स्प से किथा नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण मं कृषं किसी काव का बाबत, उन्नत विधिनियम के वधीन कर दान के वान्तरक के बायित्व मं कमी करने वा उससे ब्याने यो बुरिया के किए; वरि/वा
- [ब] एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्राप्तिस्क, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधारिय प्राप्त अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 77 क प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मुविधा के लिए;

स्काः वर्ष उपरा विधिनियम की भारा 219-त को कम्भ्रहरू मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (*) के अधीय, निम्मलिसित व्यक्तियों, अधात ---- (1) श्रीमगी गुनील कांतीलाल शहा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगदीशचन्द्रबी० शहा ग्रौर आशा जगदीशचन्द्र शहा।

(ग्रन्तरितीं)

को गृह सूचना बारी करके पृवाँक्त सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पोत्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) स्व स्वना के राजपत्र में प्रकावन की स्वरीवा से 45 दिन की अविध या तत्त्वं भी व्यक्तियों पत्र स्वना की सामीवा से 30 दिन की अविध, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकृत व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीबं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितंबंध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकतें।

स्वच्यीकरणः -- इसमें प्रयावत कव्यों और पर्यों का, जो उक्त विधियम के वध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस वध्याय में द्रिया वसा हैं।

अनुसूची

प्लैंट सं 31, जो, तीसरी मंजिल, हवी ऋषार्टमेंद्रम, रीज रोड, 253, वालकेश्वर वस्वई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैदा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/5526/84-85 ग्रौर जो अक्षम प्राधिकारी बम्बई डारा दिनांक 26-1-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> भी०एन० दुवे - स्क्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नेरीक्षण) अर्जन रेंज- 1, बम्बई

दिनांक: 12-9-1985

माहर

त्ररूप् आर्च .टी .एन . एव . ******

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को मधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

लिदौँग सं० अई-1/37ईई/5204/84-85-अत: मुझे,

पी० एम० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उनल अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69 के अधीन रुक्त प्रधान प्रधान की बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1.00,000/- रुक्त से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट सं० 418, जो, 4थी मंजिल, जियत इण्डिस्ट्रिया इस्टेट, ए- जिंग, फर्गुसन रोड, लोअर परेज डिवीजन बस्बई-13 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-मियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय है रिजिस्ट्री है, दिनांक 7-1 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और सूभ्रे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार सूक्ष्य उसके क्ष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दश्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिशा से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत्व, निम्निलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण निम्निलिखत उद्वेष्य से उन्त अन्तरण निम्निलिख से वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; जीर/या
- (स) ए मी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

ल्हा कृष्ट. तुक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं. मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) विसर्भ ावस विल्डर्स प्राइवट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) िन्सं ब्ल्यूज क्लोथियर्स ।

(अन्तरिती)

को यह स्वता कारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति ही सर्वन में संबंध में कोई भी आशीप :---

- (क) इस स्वान को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को जी जबित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस स्चान की राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 रिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावित ब्वारा वधोहस्ताक्षरी के पात लिसित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

यूनिट स० 418, जो, 4थी मंजिल, केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-विंग, फर्मुका रोड, लोअर परेल डिवीजन, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुभूची जैपा कि कि से अई-।/37-ईई/5154/84-85 क्षीर जो तक्षम प्राधिकारी, बम्बईद्वारा दिनांक 7-1-85 को रिजस्टई किया गया हैं।

> पी० एन० दुबे नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बस्बई

दिनांक : 12-9-1985

भोहर

प्रकल बाह^र. टॉ. एस*ु* एस्_-----

बावकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

मारत करनाइ

आधारिय, सहामक आयकर कायुक्त (निरीजन) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 12 सितम्बर, 1985

निर्देश मं० श्रई-1/37ईई/5228/84-85-- भनः मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विदयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचिन बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1104, जो, 11 वीं मंजिल, इमारत, नं० 1, "सुंमर टावर्स", लव लेन, शोट भोतीशा रोड, मांझ गाँव बम्बई-10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीरजो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसजा करारनामा श्रायकर प्रिधितियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिना के 7-1-85

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाँ क 7-1-85 की प्रबेंदिन नग्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयभान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का नृत्य, उसके स्वयभान प्रतिफल को नृत्य प्रतिफल के विश्वास के विषय मान प्रतिफल का नृत्य प्रतिकात से विषय है और अन्तर्क (अंतरका) जीर बंतरितीं (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया अतिफल, निम्निसित स्वयं क्य से उनत अन्वरण विश्वात में अन्तरित क्य से किया नहीं किया नवा है अन्तर्क

- (कां) जन्तरण से हुई किसीं जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/बा
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्म बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित काक्तिलां के अधीन । स्मानिकार के अधीन । 1. मैसर्स स्मेर एशोसिएट्स।

(भ्रसरक)

2. श्री मुकेशाटी जैन, (मायनर) मीर श्री विनेश कुमार टी जैन, (मायनर) नैचरल गाडियन —श्री टी एस जैन।

(मनारिती)

3. बिल्डर ।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के निवृ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई थी नाक्षेप ८----

- (क) इस स्वमा के राजपन में नकावन की तारीब है 45 दिन की नविध मा तत्वंबंधी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की नविध, को सी स्वध् वाद में बनाय्त होती हो, के मीत्र द्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाप:
- (क) इस स्वता के रावचन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीटर उन्त स्थावर सम्मत्ति में द्वितव्यक किसी जन्म म्यानित इवाधा अधोहस्तावारी के वास सिवित में किए वा सकति।

क्त्यांकरण:---इसमें प्रवृत्त वन्दों बीड वर्षों आहे. और अध्य अभिनियम के अध्याद 20-क में परिजातिक हैं, बही वर्ष होना को वस सम्बाद में विका युवा हैं।

जन्यूभी

फ्लैंट नं 1104, जो 11 वीं मंजिल, इमारत नं 1, "सुमेरटावर्स", लव लेन, शेट मोतीशा रोड, माझगाँव, बस्बई-10 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० भाई-1/37ईई/5171/84-65 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, विनौक 7-1-85 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम श्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), झर्जन रेंज बम्बर्ट

दिनौक: 12-9-1985

मोहरु 🛊

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अवीप सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक जायकर बायूक्त (निरीक्षण) सहायक श्रायकराक्ष्मायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 12 सितम्बर, 1985

निर्देश मं० ग्रई-37ईई/5416/84-85—-- प्रतः मूझे पी० एन० दुबे,

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उवत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, विसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो 3 री मंजिल, उर्वणी, निर्मणाधीन इमारत), सयाबी रोड, प्रभादेवी , बम्बई-25 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कखुके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाँक 22-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिन्त की गर्ज है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना पना प्रतिफल, निक्तिविक्त उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गर्या है

- (क) अन्तरण **से हुई किती जाय की बाबत, उन्नत** अभिनियंत्र के अभीन कर दोने *को अन्तरका* धी वाजित्य में कमी करनेया उससे अधने में सूजिया के जिए: और/या
- (क) एंसी जिसी आय या धिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्त विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, का भनकर विधिनियम, का भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः यवं, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण * मों. मों. उक्त अधिनियम की भाग 369-व की उपधारा (1) को अधीन, नियनिविधित व्यक्तियों, अर्थान '---17--286 GI/85 1. मैसर्स एवरेस्ट बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

 श्री जयराम डोम्बा, शेट्टी, श्रीर श्रीमती सुमती जे० शेट्टी,

(भ्रन्तरिती)

ग्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

सकत संबंधि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की नविभ ना तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्पना की तानील से 30 दिन की अविभ , जो भी जविभ बाद में सजाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत ब्यारा, अभोहस्ताकारी के पास सिस्थित में किय का सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो सक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में विधा नवा इ⁴ हो

फ्लैट नं० 1, जो 3री मंजिल, उर्वू शी (निर्माणाधीन इमार्न), स्यानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

ग्रन्स्ची जैसा कि कि सं श्राई-1/37ईई/5306 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनाँक 22-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बम्बई

विनाँक 12-9-1985 मो**हर** व

6. चैंसर्प रवरोक्त प**ट** एक्सपोर्ट व्रा**यवेट लिमिटेड।** (श्रन्तरक)

2. फोटो म्रार्ट सर्विसेस ।

(अन्तरिती)

बायकर वाधिनयम, 1961 (1967 का 48) महे भारा 269-व (1) की लक्षीत सम्बन्ध

सारत क्राह्म

काबीलय महायक अरक्त कारक विकासिक स्मायक स्रायकर स्राय्वत (निरीक्षण) स्रायं तरें 1, वस्तई, वस्बई, दिनाँक 12 जितस्वर, 1985

निदेश सं० ब्राई-/37ईई/5493/84-85—-श्रतः मुझे पी० एन०|दुबे

श्रौर जिसकी संख् श्राफिस सं 16. तो १४ उथ विंग, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (ही इसे उपात्रद्ध श्रनुसूची में श्रीरजो पूर्ण रूप से विज्यह है) श्रीर ित्रका करारतामा श्रायकर श्रिक्षित्रयम 1961 की धारा 269 व्यक्त के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यावच में रिजस्ट्री है विनांक 30-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित याजार मुख्य में कम के स्थामार प्रतिफल के लिए अन्तरित को पर्यो हैं अप गुभे वह स्थापता करने का कारण हैं कि सभापतीं हैं अप गुभे वह स्थापता करने का कारण हैं कि सभापतीं हैं अप गुभे वह स्थापता करने का कारण हैं कि सभापतीं हैं में स्थापता के सिक्त के स्थापता के सिक्त हैं अप गुभे के सिक्त हैं कारण हैं के सिक्त हैं कारण हैं कि सिक्त के सिक्त के सिक्त के सिक्त हैं सिक्त हैं सिक्त हैं कारण हैं का सिक्त में सास्तिवक कप से किथार नहीं कि सिक्त हमा है का सिक्त में सास्तिवक कप से किथार नहीं कि सिक्त हमा है का है का सिक्त हमा है का सिक्त हमा है का सिक्त सिक्त सिक्त सिक्त हमा है का सिक्त हमा है का सिक्त सि

- कि) बन्तरण से हुई जिन्हें अप को जन्म ज्या सिपियम को अधीन कर को के बन्तरक से बाबिरव में कभी करने वा उससे अधने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- श्रि किसी गाम या किही पर या हरत महिलाये की जिन्हें भारतीय कार कर के किया , किए के (1922 का 11) या किया कर के किया किया कि कर अधिनियम, किए कि किया पर अधिनियम, किए किया पर प्रकार महीं किया गया था या किया जाना किहा था, कियाने में स्विधा के लिए:

ब्रहः अतः, उक्त आधानस्य का ान 269-ग क अनुसरण में, में, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा कि के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाक को यह स्वना तारो करहे पूर्तिस्त संपत्ति के अर्जन के लिए शार्यक्तिहर्भ करता हो ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई' भी नाक्षेप :---

- क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अप में समान्त होती हो, के भीतर स्वांक्त व्यक्तियों में है कि सी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचया के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उसत स्थायर संपन्ति में हितबह्ध दिल १ ७२४ स्थितित द्वारा संधाहस्ताक्षरी के पास निर्मादन में जिला कि सकती।

स्पष्टिकिरणः—इश्मे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त कायकर नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा

अनस्ची

ग्राफिय नं ० 16, जो याउंथ विंग, वर्र्ड ट्रेड सेन्टर, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुतूर्चा जैना कि क० सं० आई-1/37ईई 5364/84-85 शौर जो ाक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 30-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1, बम्बई

दिनाँग 12-9-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० म्राई-1/37ईई/5570/84-85---- स्रतः मुझे पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, जो 3 रो मंजिल, गैरेज नं० 2, पुम्पा कुंज, को-ग्राप० हार्जसग सोसायटी लि०, ए रोड, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रीधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाँक 31-1-85

सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है दिनाँक 31-1-85 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की भई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह भीतदात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः दब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ;---

1. श्री भंवरलाल गिरधरलाल शर्मा

(म्रन्तरक)

- 2. (1) श्री हरीशुग्रहुजा
 - (2) श्रीमती मदमा ग्रहुजा
 - (3) श्रीमती भारती ग्रहुजा
 - (4) श्री प्रकाश ग्रहुजा
 - (5) श्रीमती पुष्पा ग्रहुजा
 - (6) श्री अशोक अहुजा
 - (7) श्रीमती कविता ग्रहुजा

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है?

अनुसूची

पलैट $^{1}_{2}$ नं \circ^{3}_{4} 306, जो 3री मंजिल, गैरेज, नं \circ 7, पुष्पा कुंज को-ग्राप० हा सिंग सोआयटी लि० ए रोड, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37ईई/5407/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधित्रारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 31-1-85 को रजिस्टर्ड, किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1, बम्बई

दिनाँक 12-9-1985 भोहर : प्रकृष बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यक्रय, सङ्घायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-6, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर, 1985

निदेश सं० म्रई-3/37-ईई/5206/84-85--म्रत: मुझे पी० एन० दसे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, जो, बीं-चिंग, वींना श्रपार्टमेंट, ए०डी० मार्ग, सिचरी नाता, बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णस्प से चिंगत है), और जिसका करारतामा श्रायकर श्रीधितियम, 1961 की धारा 269 क्ख के श्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वायिलय में रिजस्ट्री है तारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेश के अनुसार अन्सरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तस्परित का अधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय बन्धा गया प्रतिफल, निकालिबिश उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में अस्तिविक क्या से कृष्टित नहीं निया गया है :---

- (क) अंतरण से क्ष्य किसी अल्य की नायत, उसत अधि-निवम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उत्तस बचने में सृविधा के लिए; और/या
- एंसी किली आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को खिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा अल्वा जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथः, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : (1) श्रीमिति रेहना सिलम साकर वाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीं कांतींलाल जेयवा और श्रींहममुख जेयवा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसें अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति र' से किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स जी

प्लैट नं० 404, जो, बी-विंग, विना विना श्रपार्टमेंटस, ए० डीं० मार्ग, सिचरी नाका, बस्बई-15 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-1/37 ईई/5156/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाव 1-8-85 को रजिस्टई किया गया है ।

> पी० एन० **दुवं** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वम्बई

तारींख: 12-9-1985

ह्रस्य बाहं. टी. एन. एड.

. नायकर विभितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चयक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्चर्जनरें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं॰ ग्रई-1/37ईई/5584/84-85---ग्रतः मुझे,-पीं॰ एन॰ दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं फलेट नं 102, जो, स्त्यनारायण भवनं, 1लीं मंजिलं, विनस ग्रापार्टमेंटस के पास, वर्ली सिफेस, बम्बई-18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचीं में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायवार ग्राधिनियम, 1961 कीं धारा 269 के ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रिजिस्ट्रीं हैं, तारींख 31-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के रिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम : 1922 (1922 वा 11) या उज्जा व्योधिनियम : या धन-आर अधिनियम : 1957 (;) त बा 27 की प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे लिए;

श्रतः श्रव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, वर्षात व्यक्ति (1) श्रीं पुरूषोत्तम दास एच० खैतान।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीं लक्ष्मीनारायण बागला।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविधि बाद में हमाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पृत्ति में हितक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

न्यच्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट नं ० 102, जो, सत्यनारायण भवन, 1लीं मंजिल, विनस ग्रपार्टमेंटस के पास, वली सिफेसे, बम्बई-18 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37ईई/5419/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनां 31-1-1985 कों रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिनारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12 9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भागकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाहा 269-व् (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देण सं० भ्रई-1/37ईई/5398/84-85— श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हुं, की धारा 269-क का न्या प्रकार मध्यम प्रीक्षणण है, सह विकाय करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचि बाजार मुख्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकों मं० यूनिट नं० 606, है 6ठी मंजिलशहा एण्ड नहार तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इसमें उपाबंद अनुसूचीं में प्रधिनियम और पूर्णस्प से बणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर 1961 की धारा 269 कब के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्रीं हैं, तारींख 22-1-1985 को प्रायंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रांतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल रिच्निलित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए बन्ती बाय की बायत, उक्क विधिनियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें अधने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (य) एंसं किसी आय या किसी वह या जन्य जास्त्यां को, विन्हुं भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ा उक्त अधिनियम, या अन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट कहीं किया गया था शाजिया जाना चरित्रा था, विकान वा स्विधा के लिय:

कतः जग. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स णहा एण्ड नहार डिवलपमेंटस।

(म्रन्तरक)

(2) मेमर्स श्री जी इन्डस्ट्रीज।

(भ्रन्तिनी)

(3) भ्रन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके श्राधिभोग में सम्पत्ति है।)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

क्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्तीकारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होता, यो उस अध्याय में विशा गया है।

अन्स्ची

यूनिट नं० 606, जो, 6ठी मंजिल, णहा एण्ड नहार घली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेंट, डा०इ०मोजेस रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37ईई/5254/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांचः 22-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज-, बम्बई

तारीख: : 12-9-1985

मोहरू 🛭

SAM SIR, S. OR . CA

सामकर श्रीप्रतियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-व (1) के मधीन त्वता

THE PERSON

कार्याज्ञक, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

श्रर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांकः 12मितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई-1/37ईई/5405/84-85— श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे, 7 लाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'खकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69 क के अधीन एकार प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका स्थित बाजार मृत्य

है कि स्थानर संपरित जिसका स्वित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं० फ्लेंट नं० 91, जो, जी विंग, 9शी मंजिल, हींग पन्ना, भुला भाई देलाई रोड और तादडदेव रोड दा जक्णन, बस्वई 34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विंगत है), और जिसदा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 वस्त के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 22-1-1985 को पूर्वेक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संवित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके इक्बमान प्रविद्ध से, ऐसे इक्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और बसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संवित्त का उपित बाजार क्या, उसके इक्बमान प्रविद्ध से संवर्ष (अन्तर्कों) और जंतरिती (वंतिरितियों) के बीच इस अंतरण के विद्ध तम गांचा दवा प्रविद्ध कम, जिम्मिसिका उप्योक्त से उपना वंतरण तिकित में वास्तर्व कम, जिम्मिसिका उप्योक्त से उपना वंतरण तिकित में वास्तर्व कम, जिम्मिसिका उपने क्या से उपना वंतरण तिकित में वास्तर्व कम, विद्या से क्या से क्या

- (क) बन्तरम ते हुई किसी बाय की बाबस, उक्त बीय-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने या जससे बचने में सुविधा के लिए और/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आटा वाहिए था छिपाने में सविधा के सिक:

जतः अत्र, जनतः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर,, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

- (1) हैद्रा टेक । प्रापराईटर म्नुराद इ**काहीम गिलानी ।** (श्रन्तरक)
- (2) रान लाल एन० केवरीवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्णन के सुम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को शारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीज से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राबन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्रिकरण: समझे प्रयास्त शब्दां और पवा का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

MIN STATE

फ्लैट नं० 91, जत, बी बिंग, 9वी मंजिल, हीरा पन्ना, भुला-भाई देसाई रोड और ताडदेख रोड का जंभ्यान, बस्बई-34 में स्थित है।

स्रतुमुची जैसा कि क० सं० स्नाई-1/37ईई/5301/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 22-1-1985 को रिअस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बर्ड.

तारीख: 12-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां : 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ई ई/5319/84-85—यतः मुझे, पी० एन० दुबे,

जायकर जिमित्सम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

- (क) अन्तरण सं हुन्द्रं किसी आप को बाव्या, उक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तर्यक वे वायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अमिस्तयों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा को लिए;

अतः नव, उक्त अधिनियम की भारा _69-ग वौ अनुसरण अर्दे, में . अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धु——

- 1 श्री सुन्दरा गिरी वेंबट नारायण रंगाराव (अन्तरक)
- 2 (1) श्राः मीरभ वावुभाई देसाई,
 - (2) श्रांमता निर्माला बाबूभाई देसाई,
 - (3) श्रं: देवांग बाब्भाई देराई भ्रीर
 - (4) श्रांगौरंग बाब्भाई देसाई

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिक्ष कार्यवाहियां शरू करता हो।

उन्ह सम्मरित के बर्जन के सम्मन्य में कोई भी आक्षेप:---

- (क) रख जूपना के राजपन में प्रकाशन की तारीं हैं 45 विक् की जनति या तत्त्वस्तुनीं व्यक्तिएकों दर सूपना की तामील से 30 दिन की जनभि, वो भी अवभि नह में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकक स्वनितर्गों में से किसी स्वक्ति द्यारा।
- (ख) इ.स. संघन। के राजधन में प्रकाहत को तारीख स 45 दिन के भीतर उस्त स्थान्द सम्पत्ति में हितवहुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास भिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा पना हैं कि

जन्स्जा

फ्लैट नं० 19, जो, दूसरी मंजिल, प्रेम कोर्ट को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 5, पेडर रोड, बम्बर्ड-26 में स्थित है.। श्रनुसूर्वा जैरा कि क० सं श्राई-1/37-ई ई/5240/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रिजस्टर्ड किया गरा है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

प्रस्य अर्थः दी. एन . एस . ------

नाथकर अभिनियुत्र, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सुधुना

शाउद का

कार्यालय, उहायक नामकर नामुक्त (निर्धिक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनोंक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई-1/37-ई ई/5524/84-85—यतः मुझे, पी० एन० युबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसमें दश्यों, 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है'), की बारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य \,00,000/- रु. से अधिक हैं

र,00,000/- रंग. से जिथक हैं
श्रीर जिसकी सं पलैट नं 142 जो, मोनालिया श्राटंमेंट, बोमनजी पेटोट रोड, बम्बई-36 हैं, तथा जो बम्बई-36 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूर्वाः में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269 फ श्र के श्रयोन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रां हैं, तारोख 31 जनवरी, 1985 को पूर्णेक्त सम्मत्ति के उपाय कर से कम के क्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने के! कार्य हैं कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उपित बावार कृत्य, उपके स्थमान श्रीतिकत से, एसे स्थमान श्रीतिकत का स्थमान श्रीतिकत से, एसे स्थमान श्रीतिकत का स्थमान श्रीतिकत से अभिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से निए तय पाया नया प्रतिकत का निम्नितियत उद्देष्य से उक्त अंतरण सिवित में नास्तिक क्य से किया नहीं किया गया है हैं

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाद की बादत उपत निध-निवन के ब्योन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; बॉट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कार, विका^र नारतीय बायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 1!) वा उक्त विधिनियन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ अध्यरिती द्वाडा प्रकट नहीं किया नया था या किया आमा चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

कतः कय, उत्तर विधिनयम की धारा 269-न को जनुत्ररण हों, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिकित विक्तियों, त्रवातः ——
18—286GI/85

1 श्रीमती ह्यूमती श्रार० ह्वीरा

(अन्तरक)

- 2 (1) श्री सुनील नन्दलाल सिरसालेवाला,
 - (2) श्रामता सरोज सुनील सिरसालेबाला, श्रार
 - (3) श्रां नन्दलाल जे० सिरसालेबाला

(अन्तरिती)

का वह सूचना बाही करके पूर्वाक्त सम्मत्ति के अवंत के विष् कार्यवाहियों करता हो।

अवस्य सम्बन्ति के अर्थान के सम्बन्ध में के जो भी आ**र्था**य::----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

भनुसूची

फ्लैंट नं० 142, जो, मोनालिसा श्रपार्टमेंट, बोमनजी पेटीट रोड, बम्बई-36 में स्थित है ।

भ्रतुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्राई-1/37-ई ई/5385/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई ब्राया दिनांक 31-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी॰ एन० **दुवे** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्बालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनां १ 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भ्राई-1/37-ई ई/5471/84-85——यतः, पी० एन० दुवे,

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चाए (उक्त अधिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी मं० माला नं० 20, जो, प्रक्रिश इंटन्ट्रियल प्रिमा-यसेम को-भ्राप० मोसायटः लि०, भःरत इंडस्ट्रियल इस्टेट; टोकरणा जोवराज रोड, भिवरी है, तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (ग्रीर इस र उपाबद्ध सन्भूचा ने ग्रीर पूर्ण रूप म वर्णित है), श्रीर जिल्हा जगरनामा श्राय हा श्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए ख के ब्रबंगन बन्बई स्थित अक्षम प्राधितारी कारी के कार्यालय में राजिस्ट्रां है, ताराख 30 जनवरी, 1985 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रस्यमान बन्तरित गहर प्रतिफल के ਗ∱ मुश्री यह विभग्नास करने £, का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृल्य, उसके ध्रवमान प्रतिफल से, एसे काममान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है बौर बंतरकः (अंतरकों) जोर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नतिसित अक्रुवारेक से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कामित प्रकृति किया गया 🗗 🖫 —

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा दाजित्व भी लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या जिसी धन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिम्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, का धनकर अधिनियम । 957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए दा, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अक्ष, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थीत् हि— 1 श्री मदन भसीन

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्न शामेघ कारपीरेशन

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

बक्त सम्पत्ति की जर्बन को संबंध में कोई भी जासीप ह---

- (क) इस स्थान के राष्यंत्र में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन की नवींच वा तत्त्वज्ञानी व्यक्तियाँ पर स्थान की ताथींन चे 30 दिन की वयींच, वो भी अविध बाद में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वें कि व्यक्ति यो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, यो उक्त अग्रैयनिवन, के अध्यात 20-क में परिभावित है, कही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया त्या है।

नग्रुची

माला नं० 20, जो, प्रकाश इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-ग्राप० सोसाईटी लि०, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टोकरशी जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० धाई-1/37-ई ई/5346/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेज-1, बम्बई

तारीख : 12-9-1985

प्रकप आहें.टी.एन.एस. ------

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मुधीन सुचना

मारत संस्कार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश स० श्राई-1/37-ई ई/5470/84-85—यतः, मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर मस्यित, जिसका उचित नाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 19, जो, प्रकाश इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस की-ग्राप० मोपायटी लि० भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टोकर्णा जांबराज रोड, सिवरी, है, तथा जो बम्बई-15 में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसे हा करारनामा श्रावकर स्थित सम । 1961 का धारा 269 के खे के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30 जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के क्यमाल प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा जीवत महार वा उधित प्राचीर मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पल्क्ष्ड प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रतिफल, निम्निजिस्त उद्वेष्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिस नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुन्दें किसी आम की नामत, उक्त अधि-विधिनियंत्र के बभीत कर दोने के मन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे नचने में त्रिमा के निए. वीर/मा
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी भन वा क्न्य आस्तियों को, विल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा औ निस्त्रा

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (१) फें अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती विकादन्ती जै० भसीन स्वर्गीय जै० ग्रार० भसीन की पत्नी

(अन्तरक)

2. शामेघ कार्पेरिशन

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क सम्मरित के अर्जन के गुम्बन्ध में कोई भी बाक्केप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच भं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की बवधि, जा अंश्रेश्व वाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पर्व के स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति बुवाय:
- (क) इस माजन के गजन में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किया अधिहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में जिए जा सकींगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 19, जो, प्रकाश इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-ग्राप० सोसाईटी लि०, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टोजरणी जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुभूचो जैपा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/5345/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांव 30-1-1985 को रजिस्टई क्या गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रजन रैंज-1, बस्बई

तारीख: 12-9-1985

मोहर 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर, उ985

निर्वेश सं० ग्रई-1/37ईई/5438/84-85-- श्रत: मुझे, पी० एन० दुबे,

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जीवत बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भ्रॉ फिस प्रिमायसेंस नं० 270, जो, 2री मंजिल, इमारत गुर्वेचा चेंबर, नागिन दास मास्टर रोड, फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रक्षिनियम 1961 की धारा 229 कछ के श्रक्षीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 22-1-1985

को पृथितिस सम्पत्ति के उत्तित याजार मृत्य से कम के ध्यमान्
प्रिति के किए का कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाबार
करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाबार
मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का
बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के मृत्रि ऐसे अन्तरण के निष् तथ पामा नया
बितफम, निम्नलिखित उद्देष्य से उत्त बन्तरण सिवित
के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ■—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी अप की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अंतरक के दाजित्य में कमी करने या उससे वचने में कुर्तिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नृभिनियम, धा धन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिश में सिक्;

कातः जय, उपने अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. प्रभाकर जोशी और श्रीमति जे० पी० जोशी (ग्रन्तरक)
- 2. किशोर एस० भवेरी और श्रीमकी कुसुम के भवेरी (ग्रन्तरिती)

को वृह सूचना बारी करके पूर्वोक्त कमिति के नुर्वत के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- बच्च किसी बन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताकारी के पास सिवियत में किए जा सकेंगे।

त्युक्त कहना क्या क्या कीर पदी का, जां उन्ते अधिनियम, के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं:

भन्सूची

श्चाँिकस प्रिमायसेस नं० 207, जो, 2री मंजिल, इमारत गुंबेचा चेंबर्स, नागिन दास मास्टर रोड फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37ईई/5421/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-1-1985 को राजस्टर्फ किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 12-9-1985

जस्य वार्ड्, टी. १४. १४ ,------

बावकर मधितिवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यक्रम, सहाक्क भावकर मानुक्त (निराक्षण)

ध्रर्जन रें ज-1, बम्बई बम्बई दिनांक 12 सितम्बर, 1985

निदेश सं० म्रई-1/37ईई/5365/84-85-- म्रतः मुझे, थी० एन० दुवे,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इतमें इतके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 266--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्धायर समित्र, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/-स. से अधिक हैं

और जिसकी सं क्याफिस श्रिमायसेस नं 301, जो, 3री मंजिल, विकास श्रिमायसेस, 11, कैंक स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछके अधीन, वम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है। तरीख 18-1-1985

को पूर्विक्स संपरित के उण्जिस बाजार मृख्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के लिए अन्यक्ति की नर्द है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि वथापूर्विक्स सम्पन्ति का उण्जिस बाजार मृख्य, उन्सके स्वयमान प्रतिकास से एसे स्वयमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ते) और अस्तरिती (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय अपाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण मिस्ति में यास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाग की वाबत, अचत अभिनियन के जभीन कर दोने के अन्तरक के दानित्य में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा के सिए: और/बा
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए।

(1) दी जाम श्रीरणजीत सिंग स्पितिग एण्ड वीविंग मिल्स कम्पती लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स सुचेतन इनवेस्टमेंट एण्ड पशयनेन्स प्रा० लि ० (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रशेवत सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उपन रामित के अर्थन के तंबंध में कीई भी जाक्षेत्र :---

- (क) इस सूत्रना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूत्रना की तानील से 30 दिन की सर्विध, जो भी सन्देश काद में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कर्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिकित में किए का सकेंगें।

अनुसुर्घ्यः

श्राफिस श्रिमायसेस नं० 301, जो, 3 री मंजिल, विकास श्रिमायसेस, 11 बैंक स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ५० सं० श्रई-1/37ईई/5282/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-1, बम्बई

अतः अध, उनत जीभीनवम की भारा 269-ग के जनुसरक में में, उनत अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अभीत :---

तारीख: 12-9-1985

इक्ट वर्ग. टीङ **११**० हुई कुरावसम्ब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

भारत सर्कार

कार्बाजय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरेंज-1, अम्बई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-1/37ईई/5652/84-85— श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव पलैट नंव 21, जो, 5 वीं मंजिल, अमारत 'मिषछाया' नया सर्वे नंव 2499 और सीव्युस्व नव 1/1181 (अंश), रेल सिवरी डिवीजन, श्री साई बाबर रोड,लाल बाग बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्व में अः पूर्ण अप े विणित है) और जिसका करार मा आवकर मिव-। या : 61 की वारा 269 कल के च नि, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 4-2-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अक्तरण से हुव् कियों शाय की नामवा, अवस् जीवनियम के जभील कर येथे के वन्तपूरक की दावित्व में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के निए: और/मा
- (खं) एंसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना बाहिए था, जिनाने में स्विधा के लिए;

बतः क्ष्य, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण को, जी अन्न अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वृधीत् :---

(1) श्रीमती भानुबेन अंठालाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो भ्रनसुया उपेन्द्र गोलवाला और श्री जनक उपेन्द्र गोलवाला।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितयों।

वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्षमत् सम्मृत्ति के वर्षन् के संबंध के कोई जी भाक्षेप :---

- (क) इस तुचना के दुख्यम में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन की जनीं मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत तुष्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-कृष्ण किती कन्य व्यक्ति स्थारा, जधोहस्ताक्षरी के पाद निर्देश में किए जा स्केंगे।

ह्युक्कीकरण्:— इसमें प्रशुक्त सम्बाँ नीट पूर्वों का, को उनस् विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्रे हूँ, वहीं अर्थ हरोग जो उस अध्याय में दिया मुना हूँ।

प्रनुसुची

फ्लैट नं० 21, जो, 5वीं मंजिल, इमारत ''भेष छाया", नया सर्वे नं० सी० एस० नं० 1/118(अंग), परेल सियरी डिवीजन, श्री साई बाबा रोड, लालबाग, बम्बई-12 में स्थित है।

ग्रवसूची जैसा कि के० सं० ग्रई-1/37ईई/6374/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> पी०एन० दुवे सक्षम प्राधिकाणी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-1, सम्बद्

तारीख: 12-9-1985

प्रकृष् वार्षः दी . एन . एव . ------

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के मुधीन क्वमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जानकर जायूनत (जिस्क्रिक) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर, 1985

निदेश सं० प्रई-1/37ईई/5455/84-85— प्रत: मुझे, पी० एन० दुवे,

समकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने कार्यों सके परनाम् 'उनम निर्धानिकम' कहा गया हैं), की धाड़ा .69-स के अभीन सक्षम माभिकारी को सह विकास कहते का करण हैं कि स्थावर सुम्पप्ति, जिसका सामल करार मूख्य 1,00,000/- रा. से जिथक है

और जिसकी सं पलेट नं 18, जो, ओम गंगा, वालकेण्वर के पूरब के तरफ (मलबार हिल रोड) वम्बई सी क्रांस नं 152, मलबार हिल शोड) वम्बई सी क्रांस के 152, मलबार हिल और कमबाला हिल डिविजन के साथ, बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के रिजस्ट्री हैं। तारीख 22-1-1985,

को पूर्वोक्त तल्पीय के उपित वाचार मूच्य से कम के ख़ल्याय प्रीतक्त के किए अंतरित की यह है और मुख्ये नह निकास करने का खारण है कि नभापनिक्त सम्पत्ति का उपित वाचार मूच्या, उतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रह प्रतिकृत से न्याय है और संबदक (अंतरका) नीर संवित्ती , तिहितियाँ) के बीच एसे अंतरक से सिए ध्य पाया बना प्रतिकृत का निकासिक स्थापन सहारिक से सम्बद्ध संवर्ध सिक्ति में बास्स-विक क्या से कामत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शीपनिवन के स्पीन खड़ बोगे की संसुद्रक की शास्त्रक में कवी कुटने वा शब्द वसने में वृतिका में सिह: स्टिंग
- (व) इसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तिवों को, चिन्हें भारतीय आयकर कांधनियम, 1922 (1922 क्या 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया वामा चाहिए था, जियाने में सुविधा वी किसा

बराक, बाब, उन्तर व्यथिनियम की भारा 269-न के बनुसरण में, में उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) से बभीन, निम्निवित व्यक्तियों, वर्षात् ध── (1) मेसर्स ओम जिल्हा त्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्र. ।नरेन हिरी णामदासानी।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्का सम्मरित को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अगिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ शद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-ब्बूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास शिरिवत में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्यों का, वो उपके अधिनियम को बच्चाय 20-क में परिभाविक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं 18, जो, ओम गंगा, बालकेश्वक्के पूरब (मलबार हिल रोड), बम्बई सी०एस० नं 152, मालबर हिल और कमबाला हिल डिविजन, है साथ बम्बई में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37ईई/5323/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-1-1985 को रजिस्टई कि गया है।

> पी० एन० हरे सक्षम प्राधिारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

प्रकप नाइ, टी. एन. एस. -----

बामकार निधनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

नारत सरकार

कार्यानम्, सङ्घयक कारकार भागुक्त (रिन्डीक्रक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनौंक 12 सित्तम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/5283/84-85- अत: मुझे, पी० एन० दुबे,

नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात 'उम्स अधिनिषय' कहा नवा हैं), की भाषा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. हे शीपक हैं

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 1-ए, जो, तल माला, पंचरत्न, मामा परमानन्द मार्ग, भ्रापेरा हाउस, बस्बई-4 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्णरूप से बर्णित है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है। तारीख 7-1-1985

को पूर्वीक्स सम्बक्ति के उचित्र बाजार बूच्य हो कम के प्रकारत प्रतिकल के किए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वीक्त तम्पति का उचित वाजार मूल्म, उसके इस्पमान प्रतिकल से ए'से इस्पमान प्रतिकल का नम्बह्न प्रतिकात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बस्तिरिही (अस्तरितियाँ) स्टेबीच एंसे अस्तरण के बिए तब पाया गया प्रतिकाल, निक्लिलिसिस उद्देश्य से उक्त अन्सरण लिखित में बारतीयक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, अधिनियम के बंधीन कर धंने के बन्तरक के कामित्य में कभी करमें या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी मान या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, चिन्हें भास्त्रीय नामकद् अधिद्वित्तवस, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, पनकर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) की पर्याजनार्थ अन्तरिती वृक्षाय प्रकट नहीं किया अबा भाषा किया जम्मा आहिए था, क्रियाने में 14.0 क्षिभाकौ सिह्ह

(1) रजनीकान्त टी० दोशी।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्रविस एसोसिएट्स ।

(ग्रन्तरितो)

को यहसूचना अरिीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहिनां करता हुं।

जनत सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**व**ें ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अच्य व्यक्ति व्वारा अधेहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्यीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उपता अधिनिजमा, कं अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो 🖖

बुकान नं० 1-ए, जो, तलमाला, पंचरतन, मामा परमानन्द मार्ग, ध्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

ब्रन्**सुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/52.11/84-8**5 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनौंक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पो० एन० दुवेर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में , मैं , उवत अधिनियम की धारा 269-ी। की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित स्योग्तवों, अर्थात् ६---

तारीख: 12-9-1985

प्ररूप कार्द्द, टी. एव. एस_{्य} 🗷 🕶 🤊

नायकर बांधीनयन, 1961 (1961 का 43) कर्ती भरा 269 घ(1) के अधीन स्वना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनौँ ह 12 जिलम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/5357/84-85— श्रमः मुझे, पी० एन० दुवे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वान करने का कारण है कि स्थायर संस्थाति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मा ति कि सं हु ता नं ० 5, जो कि कुटीर को प्राप्त हाउँ ति सो ताइटो नि ० लंगटा ने ते , एन ० जगतोहा दा तरोड , बम्बई ६-में प्या है (श्रीर इससे उपाब असन् , ची में श्रीर पूर्ण रूप से बागत है), श्रार जिस ता करारनामा श्राय पर श्रीधि यम 1961 की धारा 269 कुछ के श्रधीन जमाई स्थित उक्षम श्रीधि कारो के कार्यान्य में रिस्ट्री है। तार ख 18-1-1985

को पूर्वांक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझं यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिलिकित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक क्य

- (क्यां) अन्तरण से हर्ड किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ये कमी करन या उसस बचन में सूर्विधा का लिए: और/या
- एंग्री किसी भाय या किसी धन मा क्रम्य कान्सियों का जिन्हें भारतीय आयक र आधिन्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभाग (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :- 19—286GI/85

(1) डा० महेंग जी को सी भपुरा।

(भन्तरक)

(2) किरीट जमनादाम मोदी।

(ग्रन्तिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ययाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन का अवीध या तत्सम्बन्धी व्याक्तयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवीध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा.
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्याक्त द्वार अधाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण :---इसमा पण्यति शत्या अति पदा का, जा उक्त अधिनिष्म, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है ॥

प्रन्यूची

दुष्ठात नं ० ठ, जो, क्रिजकृटीर की०-प्राप० हार्जील सी पहरी संगटा लेत, एस० जगमीहत दात रोड, बम्बई-७ में स्थित है।

ग्रनुभूची जीता कि कि० सं० श्रई-1/3 ईई/5274/84-85 ग्रीर जी तक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 18-1-1985 को रिज्युटर्ड दिया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारो सहायक भागकर भागुक्त (निरक्षण) भजेन रेंज-1, बम्बई

हारीख: 12-9-1985

मोहर ;

प्ररूप आद्'.टी.एन.एस-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम ई

बस.ई, तिनाँक 12 किएम्बर 1985

िदोत पं० श्रई: /3/ईई/5593/84-85-- श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकं पदचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/-रा. से अधिक है

1,00,000/- स्त. से अधिक हैं
श्रीरिन कि सं ० हु नि नं ० 18, जो, ही राणन्ता प्राणिंग सेन्टर, हाज अल पाउद्देव राउ का कार्नार, भुलाभ ही दे गई रोड, बमाई 20 में स्थित हैं (श्रीए हो ते उपाउड अनुसूची में और पूर्णरूप से वृण्ति हैं), आर जितका करारनामा आया र श्रधि-नियम 1961 की आरा 269 "खाँ अधान बमाई स्थित क्षिम प्राधि गरें। के वार्यालय में रिनस्ट्रों हैं लार खा 31-1-1985 को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए रिजस्ट्रोंकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई बार मुके यह विल्वाम करने का कारण हैं कि यह पृथां कर पृवां कर सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान श्रीतफल के पन्दाह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के किए तम पाया ज्या प्रतिफल, निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निधित के बास्तिक रूप से कीवत नहीं किया गया हैं :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी दवारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अप अब, लक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भी, भी, लक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीम, निम्नलिखित स्थितयाँ, अधित :---- (1) इंग्डिया वारी म्युनियम ।

(प्रन्तरह)

(2) श्रोनिति ताहेरा मस्तान तिर पैतापाला। (प्रशादिता)

कने यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी स्पिक्तिमां पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि हाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्स स्पिक्तमों में से किसी स्पिक्त दुवारा;
- (स) इस स्चिता के राजपत्र में प्रकारन को तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य क्टिक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गका

अनुभू ची

दुकात नं 1ी, जो हीरा पन्ना शापिग सेन्टर, हार्ज झली भ्रौर शांडदेव राड का ार्नर, गुला भाई देतसाई राड, बस्दई-26 में स्थित है।

ग्रनुत्र्चो जैता कि कि० सं० ग्रई-1/37ईई/5425/84-85 ग्रीर जा असम गाँव हारो, बस्बई द्वारा दिनौं है 31-1-85 को रिज्स्टर्ट दिया गया है।

> पी० एत**् दुने** सक्षम प्राधिता**रा** महायह प्रायत्तर प्रायुक्त (तिरक्षण) स्रजीत रेंज-1, **बस्बई**

हारीख: 12-9-1985

महर:

प्ररूप आई.टी एन.एस.-----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय , सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बमाई दिनौंक 12 ति क्वर 1985 विदेश सं० अई—1/37—ईई: 5526/84—85 अतः मुझे, पी०एन० दबे,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

औं ि सर्की संव पते हिन व 101, जा, लि मंदिल, इमान्तनंव 1, "सुमेर टार्ट्स" लग लेन, गेंट गता, पर्ड, भ झगाँव, बस्बई-10 में िषत है (ग्रार्ट्ड से उपा इंड न्यूच में प्रारपूर्ण रूप विति है), ग्रोहणि का घरा नामा प्रायकर प्रधि यन 1961 का घरा 209 खा प्रधान, बसाइ स्थित अम प्राधिकारी के नाम लग में िर्द्र है गरिख 3-1-1985

को पूर्वोद त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल हे लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सर्पात्त का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल स, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रकित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण चिखित भे वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाधत, उक्त शंधनिया के अशीन कर दोने के अरूरिक के दायित्व में कमी करन या उसस बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थित :— (1) में उर्व सुनेर एता एट् ।

(प्रकार)

(2) श्रोमिति मंजूलत बेन त्यन्तीकाल परमार भार जयन्ताकाल बाबूलाल परमार।

(प्रक्तितो)

(3) बिल्डर।

(बहु व्यक्ति जितके मधिषोत में उपनित्त है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अर्वाध या तत्सबधी अर्वाक्तयों पर सृष्टना की तामील से 30 दिन की अवधि, आंभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाप्य मर्पात्त में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पनेट नं 101, नी, 1नी वंतिन, इमाएत नं 1, "सुपेर-टावर्न" लव लेन, शेठ मात्रोदा रोड, मझावि, बस्बई-10 में स्थित है।

श्रनु (को जैसा कि क० सं० श्रर्-1/37ईर/538:/84-85 भीर जा असम गाधिकारी, अम्बई द्वारा दिनों है 31-1-85 को रिस्टर्ड िया गया है।

> पो०एत० दुवं सञ्जम प्राधि तरो सहयाज्ञायकरश्रायुकः (तिरंक्षण) भार्तन रंज-1, जस्बई

तारीख : 12-9-1985

महिर:

प्रकृष बाह् दी . पृत् . पृत् , मानवानामा मात्राचा

बायकर बर्गिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

EIVE EVEN

कार्यासय सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बभ्यई

बम्बई, दिनां र 12 रिताबर 1985

निदेश सं० भई-1/37-ईई/5484/84-85---भतः मुझे, पी०एन० दुवे

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके प्रकात् 'उकत की धीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकें सं० फ्लैट नं० 406, जो, 4थीं में फिलें, इमास नं० 1, सुमेर टॉप्ट्रें, स्व लेंटे, रेठ में तथा रेड, मझातंव, बम्बई-10 है एथ जो बम्बई- 0 में थिस्ट हैं (म्राच इस्से उपादक म्राइच में भार पूर्ण रूप से दिन हैं), भीर जिसका वराएं में भायवर अधिएटम, 1961 का धारा 269 के खे के प्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारा के कार्यालय में कार्यस्ट हैं। सार ख 30-1-1985 को पृथाकत सम्पत्ति के उपाद बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उपाद बाजार मृत्य एसं क्यमान प्रतिफल का जारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उपाद बाजार मृत्य (अन्तरकों) और क्यमान प्रतिफल का अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अतिरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिका का नम्नाचावत उद्देश्य स स्वत अन्तरण विश्वास में बास्तावक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक वंड्राइं किसी थान की नावस, सनस् अभिनित्रक की अभीन कर दोने के अन्तरक की दाजित्य में केसी कहने या उत्तर्श नेकन सी सुनिता कु। सर्थ, और/को
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हा भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या वनकर विधिनियम, या वनकर विधिनियम, 1957 (1957 रुप 27) की प्रयाजनाथ बन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया वया या वा किया बाना थाहिए वा, कियान के श्रीवाया की विषयु

बत: बब, उक्त निधिनियम, की धारा 269-ग के जन्हरण बी, बी, उक्त निधानयम की बारा 269-व की लवधारा (1) के बधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, नधीत ६() मे उर्स सुमेर भासोि एटस ।

(प्रन्तरक)

2) श्रामत रतः बेन भवरलाल जैन ग्रीर श्राभवरलाल सयारमल जैन।

(प्रन्त∂त्तः)

(3) बिल्डर ।

(वह व्यक्ति, जिन्न प्रधिभोग में सन्यत्ति है)

को यह सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कार्य थी नासोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की अवधि या तत्सवधी व्यायतयों पर स्चना की तामीन स 30 दिन की अवधि, जा भी बनिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्यायत व्यावत व्यावत में से किसी व्यावत हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित मा हतवसूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरर करी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

रपव्यक्तिरण:---इसमें प्रयात शब्दों और पर्वो का, जो उक्त कि अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वेही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं॰ 406, जो, 4थंं मंजिल, हमारत नं॰ 1, सुपेर टांबर्ज, लब लें। शेठ मोत या रोड. म.झ.ांब, बम्बर्ड-10 में स्थित है।

मार्क्ष जैशाकी करने मई-1/37-ईई/5355/84-85 भीर जो उक्षम प्राधि ।रः, बस्वई द्वारा दिनांक 30-1-85 को रजिस्टर्ड िया गया है।

पः० एन**० दुवे** सक्षम प्राधि : ररा स**हायक भा**यक **भायुक्त (िर**क्षण) भर्जन रेंज-1 **बस्बर्ध**

तारंख: 12-9-1985

भोहर :

प्ररूप बाइ. टा. एन. एस.,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

धारत सरकार

आर्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) भ्रजंत रेंजं-1, बभ्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेण सं० ग्राई-1/37-ईई/3525/84-85---- प्रतः मुझे, पी०एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. स आधिक है

म्रीत जित्रका संव पत्तैय नंव 1301, जो, 13वीं मंजिल, इमारत नंव 1, "तुरे द सीं, दान लेत, श्रेष्ठ मेतः ता रोड, मझातं, बस्दई-10 है तथा जो बस्बई-10 में थित है (भ्रीत इस्से रणाबड़ क्रास्च में भ्रीत पूर्ण रूप से दिण्ति है), श्रीर जिस्का वरारनामा श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 का धारा 269 ्रख के श्रधान बस्दई स्थित स्थाम प्रधिकार) के हार्यालय में रज स्ट्रा है तार ख 31-1-1985। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और कुमें यह विश्वास करने का कारण है

कुम यह विश्वास करने की कारण ह कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान अतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत बही किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आर्थिनयम् क अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कालए, आरे/या
- (ख) ऐसी किमी बाय या किसी धन का बन्य बास्तियों का जिन्हों भारतीय बायकर बिधिन्यम , 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधिनयम, या धन-कर बीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अनिरित्ती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मंतर्स सुमेर आसीराएटस ।

(ऋ ँर ∴)

(3) श्रामत एमं लाबेन एमे बुमार परमार ग्रीर श्रा एमे कुमार बाबूलाल परमार।

(प्रस्तिः)

(3) जिल्डर ।

(वह ङ क्ति, जिलके ग्रंधिभोग में सभ्यत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उस्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्ष 45 दिन की अविधिया तत्सबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ द्वागा. जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1301, जो, 13वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेल, शठे मोत्राशा रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रतृसूच जैलार्कः ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/538€/84-85 श्री: जो सक्षम प्राधि ारः, दम्दई द्वारा दिनांद 31-1-85 को रजःस्टर्ड िया गया है।

> पः एन० दुवे सक्षम पाबि गरी सहाय ह स्राय हर स्रायुक्त (निरःक्षम) स्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तार ख: 12--9--1985

प्रकथ बाई .टी .एन . एव . -----

क्षायध्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाडु

कार्यंतय, सहायक नायकार नायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिलाक 12 सिलाबर 1985

निदे । सं अई-1/37-ईई/5527/84-85— मत. मुझे, पी० एन० दुबे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिज्ञां, सं० फ्लैंट नं० 1406, जो, 14वी मंदिल, इमारा तं० 1, "सुमेर टवर्ज़", लव लेन, श्रेट मंती तर रोड, मझानंत, बस्बई-10 है तथा जो वस्बई-10 में स्थित है (प्रार इज्जा जावड़ अनुपुन में और पूर्ण रूप से विजित है) और जिज्ञा जारान मा आप्रार प्रविनयम, 1961 का धारा 269 है, व के आपन बर्बई स्थित क्सम प्रधिकार के जार्यालन में रजस्य है। एर ख 31-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त आधिनियन के अधीन कर दने के जतरक के प्रायित्व में कमी करने या उसने बच्चे में सुविधा के लिए, जॉर/बा
- (ह) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना वाहिए था, ख्रियाने में स्विधा के निए;

बत: बब, उक्त बिधनियम की धारा 269-ग के जनसरण के, मे, इक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अर्थान, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात्:— (1) में र्ल युक्तर असी िएटस।

(उदररः)

(2) श्रामता रत्यवाई शांत राज्य परमार, ग्रागा श्राच्यात लाल मिश्रमल परमार।

(प्रनःतितं)

(3) अन्तरका

(बह ब्र**ित,** जि.५४ ग्रिधिभाग में सम्पत्ति है)

का वह सूचना कारी करके पृत्रांचत सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

डक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी जबिध बाद में समान्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किमी अस्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्क श्रीकिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ हु। ते जा जा प्रयाय में दिया इस हैं हैं।

ग्रनुसूची

पत्रैट तंत्र 1463, जो, 14वी संजिल, इमारत नंशी, ''सुनेर टांबर्ज'', ला लेन, शेठ नीताला रोड, माझाय; बस्बई-10 में स्थित है।

श्रतुपुत्रः जै।कः ऋ०सं० श्राई-1/37-ईई/१38६/84-85 श्रीर जो असम प्राधि∴रां, वस्वईद्वात विनांक 31-4-85 को रनास्टर्ड िया गया है ∤

> पी एन० दुवे सक्षन प्राधि ारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तर्खः : 12-9--1985 -

प्रकप बाइ . टी. एन. एस. ------

अप्रकार अधिरिणमा, 1961 (1961 सा 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, रष्टामक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रें:-1, बस्बई

बन्दर्भ, दिनां ह 12 क्लिबर 1985

निदे: संव अर्द- /37-हिंदी/5527/84-85--- प्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

माधकर याधानगम, 1061 (1961 का 43) (धिम इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारा का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीत जिल्का फ्लैट नं 1406, जो, 14शित दिहा, इमारत नं 1, 'मुमे टावसी' रोड, म झगाँव बस्बिन 10 हैं ज्या जो बस्बी- 0 में रियत हैं (श्रीत इस्ते ध्याबढ़ श्रद्धा में और पूर्व हो । विभा है), श्रीर निजा का जान मा श्रय-कर श्राप्तिम, 1961 के ध्यात 269 , ख के श्रथन बहाई स्था । अस स्थित रा के सायन्यिय में जिल्दा है तराव 31-1-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के असमान निकल का लए अन्तर्ित का गर्र हैं अप माम यह उच्छाय कप करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्दश्य से उक्त अन्तरण कि सिंचत में वास्तविक रूप से किया नहा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने वा उसस वचने में सूकिधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मौ, लक्त अधिनियम की भारा 260-घ की उपधारा (1) को अवीन, रिफ्तिनि**धत व्यक्तियों, अर्थात्**— (1) में रसंसुनेर प्रसोशिएटन।

(अन्त क)

- (2) अन्मतः एतन बाई गांतील ल पन्मार, अंतर श्री गांत लाल निश्चाल पन्मार।
- (3) भ्रत्रक

(नह व्यक्ति, जि.सं श्रीधभोग में करतत्ति है)

को मह स्चना सारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहिया शुरू करता हो।

अक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र ता प्रकाशन की तारीब है 45 दिन को अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वांध, आंभी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित्बब्ध किसी उन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाच निस्ति में किए का संकी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त वीधनियम को अध्याय 20-का में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हो:

अनुपूची

पत्रैट तं० 1406. जो. 14वः मंजिल, इमा तनं० 1 'सुतेर टावर्ष' लव लेब, गो० मोतःगा रोड माँझागाव,बस्बई-10 में स्थितः है।

श्रन्भृषं: जैंाकि: कं∘सं० श्रर्य-1/37-११/5388/64-85 श्रीर जो ाक्षम प्राधि∴रः, बस्बई द्वारा दिनांक 31-1-85 को जा/स्टर्ड िया गया है।

> पे एत० दुवे सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राधुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-1, बस्बा

दार स: 2-9 ·1985

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. ------

रामधार राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के वधीन स्वना

बारत बरकार

ेणांलग्नः, समायक आयकार आयुक्तः (निरीक्षण) ग्रानीन रेज-I, अस्टई

बम्हिं, दिनौंक 12 किम्बर 1985 निरेश मं० अई-1/37-ईई/5378/84-85---अतः मुझे पी० एन० दुवे

बाककर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके वन्त्रात 'यकन प्रधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-व के अधीन सक्षत्र प्रधिकारी को, वह विश्वान करने का अधिक हैं। के स्थावन संपत्ति विश्वका उचित शाबार मुख्य 100.000/- रहे. से अधिक हैं

धीर जिकी सं० फ्लैंट नं० 7, जो, 2री मंजिल, 131 खरेघाट रोड, ज़िन्दू नालोनी, बारेंट दादर बम ई-14 है तथा जो बन्बई-14 में स्थित है (पीर इससे उपाउद अनुरूषी में प्रीर पूर्ण रूप से बिंग्ज़ है), श्रीर जिन्हा करारनामा श्राय हर श्रिधियम. 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बमाई िथत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्ही है। ताराख 7-1-1985

को विशेक्त अप्रयोग के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान उक्तिक के लिए अन्तरित्र के गई है और मझे यह विश्वाम करने का का ण है कि यथापूर्वोक्त समप्रित का उचित काजार कृष्य , उसक दश्यमान प्रतिफल स,, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह उतिहाल से अधिक हाँ और बन्तरक (इन्तरकों) और अतरिती (बन्ति। तियों) के बीच ऐसे बन्तरक के निए तब पाया गया प्रति-क्ता जिल्लामिक उदारिक से उक्त बन्तर के निए तब पाया गया प्रति-क्ता जिल्लामिक उदारिक से उक्त बन्तर के निए तब पाया निया पता पता से के विश्वाम के किया गया हैं ---

- (क) अस्तरण में हुवं किसी बाय की बाबत, उक्त क्रांचित्रक के बंचीन कर दन के अन्तरक के श्रोधित्व में कमी करन या उसस बचन में सुविधन के निए, बीर/बा
- (व) ।ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य अमित्यों का. जिन्हा भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-का आधानयम 1957 (1957 का 27) की प्रयोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था का फिल्मा बाना वाहिए वा, किया वी स्विधा के लिए;

क्षक्ष अब उक्क अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भं, औ, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेस है की को रे प्रतिएट है।

(प्रक्रारह)

- (2) श्रीमतो सुविता अरूग टिपणीत और आरूण एम टिगणीस । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिर्ताओर उनके भाडत।

(बहु व्यक्ति, जिज्जबे अधिमोग में सम्पति है।)

श्रद यह अध्या भारी करके प्राचित सम्मरित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाणन की सारीस से 45 विन की संबंधि का तत्कान्यन्थी व्यक्तिकों वय बचना की ताबीज म 30 किन का संबंधि, को भी बविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्वीवय व्यक्तियों में ते किसी स्पन्ति ब्वारा;
- (ख) इसं सक्तान की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं

 45 दिश की भीतर उत्तर स्थावर श्रम्मति में हित्तवद्ध
 किती बन्य व्यक्ति द्वारा सभाइस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए वा बकोंगे।

न्यक्षीकरणः --- इतने प्रमुख्य समी और पदी का, को अवध् अधिनियम, क बध्याय 20-क म परिभाषित हा, वहीं नर्थ होगा जा उस बध्याय में विवा गया है।

भनुपूत्री

पर्नैट नं० 7, जो, 2री मंजिल, 131, "खारेघाट रोड, हिन्दु अलानी वारर, बसाई-14 में थिए है।

भनुत्रनी जैशाको कञ्सं० हाई-1/3:-ईई/5180/84-85 भीर जा तम गाति गरा, बन्यई द्वारा दितीक 7-1-85 का रजिल्डर्ड क्या गया।

> पी० एन० **युवे** सक्षम प्राविकारी राह्ययः भ्रायः र भ्रायुक्त (रिक्षण), श्रवीन रेंज-1, **ब**स्ब**र्ध**

तारी**खा**: 12-9-1985

महर:

प्ररूप आई..टी.एन.एस..-----

नायकर निश्नियम, 1961 (1961 का 43) की बाख 269-व (1) के नवीन स्वता

मारत सरकार

कार्याज्ञम, सहायक बावकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्ब**ई** बम्बई, दिनाँक 12 सितम्बर 1985

निदेश मं० प्रई-1/37-ईई/5355/84-85—अत: मुझे, पी० एन० दुब

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारफ है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कमरा नं० 104, जो, पहली मंजिल, लोहा भवन बिझनेस एण्ड श्राँफीस प्रिमायसेस को-श्राँप० सोसाईटी लि०, पी० डिमेलो रोड, बम्बई-9 हैं तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 7-1-1985

क्ये प्वांक्त संपरित के जीवत बाबार मूल्य से का के करमान प्रतिपत्न के लिए बन्तरित की नई है और मुक्ते वह विश्वाक करने का कारण है कि यवाप्वोंक्त सम्मृति का जीवत बाबार मूक्य, उसके करमान प्रतिपत्न से, एसे करमान प्रतिपत्न का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निसितियां उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त-धिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किंची बाब की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में अभी करने या उत्तस बचने में सुविधा स्त्रे सिंग्; आहि/बा
- (क) एरेसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्कारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अयः, चनतः विधिनियमं की भारा 269-गं को वनुवरणं मं, मं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-णं की जवकारा (†) को अधीतः नियनिवि**षकं व्यक्तियों, वर्षात् ≱**् 20—286G1/85 (1) श्री सुमनलाल सी० ध्रुष।

(भ्रन्तरक)

(2) सागर स्टिल इंटरप्राईज।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय अ 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की ठामील से 30 दिन की अवधि, को भी नकीय नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्त्र व्यक्ति इवाय अभोहस्तामारी के पास जिल्लित में किए वा सुकेंगे।

अमृस्ची

कमरा नं० 104, जो, पहली मंजिल, लोहा भवन बिक्षनेस एण्ड श्रांफीस प्रिमायसेस को-श्रांप० सोसाईटी लि० पी० डिमेलो रोड, बम्बई-9 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कर्ना भई-1/37-ईई/5273/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधकारण, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारो सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

मोहर 🖫

प्रकल काह^र्ड टी. पुत्रु पुत्र_{ा स्थान}

नायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक बायकारु बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. बम्बई

बस्बई, दिनाँक 12 शितम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5212/84-85—-भ्रतः मुझे, पी० एन० दुबे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रांफीम मं० 107, जो, पहली मंजिल, सूरत सदन, 88/89, सूरत स्ट्रीट, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय-कर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का जैन्ह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई जिस्सी जाग की बाबत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के सन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे क्वले में सुविधा के जिए; जीकु/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय अय-कार मिथिनियम: 1922 (1922 का 11) या उक्त मिथिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया आता बाहिए था, डिज्या सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-्य की उपधारा (1) के अधीन, निस्निवित्त व्यक्तियों, अधीत् हू— (1) श्रीमती मंजूला गौगजी सेठीया।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स खेतान उद्योग।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरितयों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

की वृह्व कुन्नुसा सर्दरी करके पूर्वीक्ट सम्मृत्यि के वर्षक से लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अंजीन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारांख है. 45 दिन की मन्धि वा दत्स्वन्धी म्यक्तियों पूड स्थान की तामील से 30 दिन की मन्धि, जो भी नदींथ बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पृथान्त्र ज्यानगरी में से किसी म्युनित ब्वारा;
- (क) इन्न सूचना के हाय्यम् में प्रकासन की ताहीत के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित्वय्थं किसी अन्य स्थावत द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था उक्त वृद्धिपृत्वम्, के मध्याय 20-क में परिशासित हैं, बही वर्ष होना यो उस मध्याय में दिया। एका हो।

अनुसूची

भ्रांफीस नं० 107, जो, पहली मंजिल, सूरत सदन, 88/89, सूरत स्ट्रिट, बम्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/5161/84-85 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 7-1-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रैंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

मोहरः

बक्य बाह्र, धी., प्रमु, प्रसा, -- -- --

बायकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ को अधीन सुचना

भारत बरकार

कायनिय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 12 सितम्बर 1985

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/5202/84-85--- स्रतः मुझे, पी०एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विश्वका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट सं० 201, जो, 2री मंजिल गप्ता भवन, गुप्ता भवन प्रिमायसम को-श्रांप० सोमाईटी लि०, 64/बी, श्रहमदाबाद स्ट्रिट, कर्नाक बंदर, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। श्रधीन, तारीख 7-1-1985।

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे अन्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिकात से अभिक है जोर जंतरक (अंतरकार) जाँद बंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा क्या प्रति-छल, निम्निलिखित उद्वेदेय से उक्क अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अल्लाहण सं हुई किसी साथ की मामक सकत निम्नित्य में अभीत कु दोने के अन्तरक के दायिता में कमी कहने या संस्त्र वजने में सुविभा के लिए; बौट/या
- (था) ऐसी किसी बाव या किसी धन था बन्य आस्तियों को, जिन्हों जारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या प्यअर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), खें
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वासिए वा, कियाने में सुन्यि। अर्थ जिल्हा

क्षः सम, अक्त वीर्षानुष्य की पाछा 269-म मी वनुष्यस्य सें, सें, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेश्वर्स गुप्ता स्नायर्न श्रंण्ड स्टिल कंपनी।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स परमाउंट स्टील सिडीकेट।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरितीयों।

(वह ध्यक्ति, जिसके श्र<mark>िधभोग</mark> में सम्पत्ति है)

का यह स्थम। बारी कारके पृथोवक उभ्गोरक के वर्षन के विष् कार्यमाहिया करता हो।

डक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येय:---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की जनिए, जो भी जन्मि बाद में दनाप्त होती हो, को भीतर पूनों तस व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के वास् निवित में किए वा सकत्ये।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्स्की

यूनिट सं० 201, जो, 2री मंजिल, गुप्ता भवत, गुप्ता भवन प्रिमायसेम को-प्रांप० सोसाईटी लि०, 64/बी, ग्रहमदा-बाद स्ट्रिट, कर्नाक बंदर, बस्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी फ॰सं॰ अई-1/37-ईई/5152/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बाई

तारीख: 12-9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप **मार्च**. ट**्री**् **एव**ं **एव**ं 🗷 🗷 🥱

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यासम्बद्धाः स्थापकर नामुक्त (निर्दाक्षण) भूजन रेज-1, वस्बर्द

बम्बई, दिनौंक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/5574/84-85---ग्रतः मुझे, पी० एन० दुबे

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पास् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-थ के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह 'प्रश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका स्जित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से जिथक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्राफीस नं० 410, जो गोकुल इमारत, बरोड़ा स्ट्रिट, बम्बई-9 हैं तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 31-1-1985 को पूर्वें कर सम्पत्ति के उपात बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वें कत सम्पत्ति का उपात बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का बंदर प्रतिकत से सिपक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरित (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित में बारितिक कर से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुन भिन्ती आप की वावता, उनता अधिनियम के वधीन कर दोने के वन्तारक के बायित्य में कमी अपने या उन्नते बचने में सुविधा के लिए; अप्रि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम दा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ कुन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था स्थिपने में सुविभा के लिए

कतः अधा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलीकत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स दीपक उद्योग (द्वारा शक्षिकौंन शाह, भागीदार)।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री प्रदीप जयंतीलाल दोणी सीर 2. श्रीमती भारती चंद्रकांत शाह ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभाग में सम्पत्ति है)

कि हैं को बहुस्थना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के बिर्श कार्यवाहियां कुछ क<u>रता हूं</u>।

उक्त सम्पर्कत के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की ठारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत तुकान के राजगत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिड बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ग्रनुसूची

श्रॉफीस नं० 410, जो गोकुल इमारत, बरोडा स्ट्रिट, बम्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/5410/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 31-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

चिनांकः : 12-9-1985

मोहर 🐍

मुक्त बार्ड . दी . एव . एत . ------

आवकर अधिमियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) **६ स**थीन सु**य**ना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 सित्तम्बर 1985

निदेश मं० अर्फ-1/37-ईई/5528/84-85--- अतः मुझे, पी० एन० दुवे

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसकं पदचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विद्याल करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जितको मं० फ्लैंट नं० 1401, जो, 14 वी मंजिल; इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स" लग लैन, वेट मोती शाह रोड, माझगाँव, वस्बई-10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (श्रीर इसमे उथावड़ शनुसूची में ग्रीर पूर्ण व्य से बणित है), श्रीर जिनका कराउनामा आयकर आवेनियम, 1961 को धारा 269 क,खुके अवीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के सार्यालय में रजिस्ट्री है

तारीख 31-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित वाचार मूल्य से कम के खबनान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गवा प्रतिफल, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की, बावस, खबत अधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे दखने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य मास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिलाने में सुविभा के सिक्ष;

अतः अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन, शिन्निचिखित व्यक्तियों, अक्षीत अ--- (1) मेसर्स सुमेर एसोसिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रंमीबन सारमलजी परमार, श्रौर श्री सारमल देवीचदजी परमार।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख ही 45 धिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इसस्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोइस्ताक्षरी के कृष जिसा में किए का सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, को उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित है, मही अभै होना को उस अध्याय में विका क्या है ह

वप्रदेशी

फ्लैंट नं० 1401. जो 14वी मंजिल, इमारत नं० 1, ६ "सुमेर टावर्स", लव लेन, सेंठ मोती शाह रोड, माझगाँव, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुत्त्वी जैसाकि अ०मं० श्रई-1/37-ईई/5389/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 31-1-85 को रिजस्टर्ड विया गया है।

> पी॰एन॰ दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 12-9-1985 👢

प्रकृष बाद् . डी. एन. एक्.....

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) से अभीन स्ना

STATE STATE

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5287/84-85---- अतः मुझे. पीः० एन० दुवे

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसमें परकात् उकत् अभिनियम कहा गया हैं), की धाड़ा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर उप्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो, टी०के० इमारत नं० 4, नं० 16, 8 वीं खेतवाड़ी लैन, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 7-1-1985

को प्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिकत के लए जन्तरित की गई है जौर पृष्ठी यह विष्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों वस संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिकत से एसे ध्रमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक ले लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कावत नहीं किया गया है:——

- (क) बम्तरण ते हुं कि भी शांव की वावत , उभत संचित्रक के अभीत कर दोने के अमारण के समित्र में कनी करने या उससे सचने ते स्विधा के शिक्ष कर्ने/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य शास्तिओं को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनके निधिनयम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श जन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना आहिए या कियाने में दिवा में विद्या में विद्या में विद्या में विद्या में विद्या में विद्या में विद्या

कतः कथा, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, की, अक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधित :--- (1) श्री कौशिक प्रल्हादजी शुक्ला।

(मन्तरक)

(2) श्री मिठालाल देविबंद मुखा । प्रोप्रायटर-मैसर्स रोलैक्स, इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभीग[‡] में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना चारी कारके पृत्रोंक्स संपरित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त बंदरित के कर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इन स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय ने 45 विन के भीतर उसत स्थापर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्तित इनारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस या वकेंगे।

स्वाकिरण: -- इत्में प्रयुक्त क्यों बौद पूर्वों का, भी उन्ध अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा

वन्यानी

दुकान नं० 5, जो, टी०कें० इमारत नं० 4, नं० 16, 8वीं खेतवाडी लेन, बम्बई-4 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी के०सं० श्रई-1/37-ईई/5214/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 7-1-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 12-9-1985

मोहद्र 🖟

श्रक्त वार्ं.ःटी. ६२. एव. ००००० वायकार विधित्तमम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-व (1) के वृधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर काय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

ब्रम्बई, दिनाँक 12 मितम्बर 1985

निदेश सं०ुम्रई-1/37-ईई/5422/84-85---मृत: मुझे, चैि० एन० दुबे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 वस 43) (जित इसमें इसके परुषास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्राफीस नं 208, जो, 2री मंजिल, क्षमालय प्रिमायसेस को-श्रांप सोपाईटी लिं , 37, न्यू मरीन लाईन्स, बस्बई-20 है तथा जो बस्बई-20 में स्थित है (श्रांर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्रजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। में रजिस्ट्रांकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 22-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाचार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरिक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुड़ै किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दाने के जन्तरक के वाधित्य में कसी करमें या उससे याचा में त्विधा के निष्: मां (/य)
- (च) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अस्तिरिसी द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सृविधा की किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विनोद पारीखा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सी०डी० शहा, कर्ता--सी०डी० शहा (हि०श्र०कु०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

दबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कहि भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवाराः
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीच हं 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सर्कोंगे।

स्थव्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो अवत जिभिनयम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धवुनुची

श्राँफीस नं० 208, जो, 2री मंजिल, क्षमालय प्रमाय-सेस को-श्राँप० सोसाईटी लि०, 37, न्यू भरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कर्ना० श्रई-1/37-ईई/5309/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 22-1-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 12-9-1985

प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस.---

भाग प्रतिनयम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के अभीन स्थान

· भारत मरकार

कार्यालव, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/5389/84-85---ग्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी में० फर्नेट सं० जी, जो, तल माला, विश्विटी की-प्रांति हाउसिंग सोसाईटी जिला०, (नियोजित)

प्लाट नं० 892, टी॰पी॰एस॰ 4, श्राफ गोखले रोड (दक्षिण), दादर, बम्बई हैं तथा जो बम्बई में स्थित है (और इपये उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन गम्बई स्थित सक्षम ।प्राधिकारी के कार्यलय में रजीस्ट्री है। तारीख 22-1-1985।

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त को जिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार सृत्य, उत्तके क्ष्यमान प्रक्षिक से एसे दश्यमान प्रतिफत्त का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निष् तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उक्षेप्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्य से किथा गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई फिसी बाव की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उसमें अवर्ष में सृविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविश्य के मिए:

अक्ष: बब उक्त अधिनियम की भाग 2.69-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 2.69-घ की उपधारा (1) क्रे अभीन, निम्नलिस्थित व्यक्तियों, अर्थाल :--- (1) मेसर्स यानंद उद्यो

(अन्तरक)

(2) भगवानदास एस० ग्ला।

(भ्रन्तिरती)

(3) अन्तरिकी और उनका परिवार।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

की धह मुख्या बारी करके प्वीक्त सम्मत्ति के नर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

तक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 ्रेड़ बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 भूजना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती डां. के भीतर प्रशंकर क्विध्या में से सिक्सी व्यक्ति ब्रांगर
- (व) क्षत्र बुचका चे राज्यम में अकावन की रारीज़ हैं
 45 विव के बीतार बकर स्थान्त बन्मीता में हित्तवस्थ किसी केन्द्र न्यूनिय द्यारा न्यूनेश्वराताती से पास किसित में किश् था सकोचे हैं

स्वकाश्वरणः -- इसमें प्रयूक्त कन्यां और वर्ष का, वा उपर वाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं.. वहीं कर्ष होना को उस बध्याय में विवा नवा है।

अनुसूची

पर्लंट नं० जी, जो, तल माला, विश्व बुटीर की-ग्रांप० हाउसिंग क्षोसाईटी लि० (नियोजित , प्लाट नं० 892, टी०पी०एस० 4, ग्राप गोफले रोड (दक्षिण), दादर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा की किल्सं० श्रई-1/37-ईई/5289/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बईद्वारा दिनांक 22-1-85 को रजीस्टई किया गया है।

> भी० एन० दुर्के, सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रिज-1 बस्बर्ष

तारीख 12-9-1985 मोहर:

प्रकृष् वाह्रै.की.एन..णस..-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, वस्म्रई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदम सं० श्रई-1/37-ईई/3983/84-85-श्रतः मुझे, पो० एन० दुवे,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- के से अधिक है

और जिसकी संव पलैट नंव 204-डी, जो, 2री मंजिल मानंद नगर, फोर्जेट स्ट्रिट, ताडदेव, बस्बई-400 036 है तथा जो बस्बई-36 स्थित है (और इससे उपावछ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ,ख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम । प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 29-1-85

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफस के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्य के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत किम्निलिखत व्यक्तियों, वर्षात '---

21 -- 286GI /85

- (1) 1. श्री जोसेफ फान्सीस मार्टीस 2. श्रीमती नाता-लिना फ्रान्सीस मार्टीस, और
 - 3. श्रा जांन बाप्टीस्ट फ्रान्सीस मार्टीस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शांतीलाल वाधजी मेहता और श्रीमती सरस्वती गांतीलाल मेहता।

(ग्रन्तरिक्षी)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पिटित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थल्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

समस्यों

पलैट नं० 204-डी, जो, 2री मंजिल, ग्रानंद नगर, पोर्जेट स्ट्रिट, ताडदेव, बम्बई- 36में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋन्तं० आई-1/37-ईई/4268/84-85 और जिसका सक्षम प्राधिकारी, बम्बईक्वारा दिनांक 29-1-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

प्रकृषाई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, बम्बई,

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5454/84-85—-श्रतः मुझे, धी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26.9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पलैंट नं० 17, जो, "ओम गंगा", वालकेश्वर के पूरव के तरफ, (मलबार हिल रोड), बम्बई, सी०
एस०नं० 152, मलबार एंण्ड खंबाला हिल डिविजन के
साथ और एम पानींना जगह, वम्बई है तथा जो वम्बई में
रिश्त है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप मे
विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधीनियम,
1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख
22-1-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के मौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विथा के लिए;

निक्त अति, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उन्त अधिनियम की धारा १८९-घ की उपधारा (1) के अभि निम्नतिस्त व्यक्तियों, सर्थात् क्यार (1) मेसर्स ओम बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक,

(2) श्रीमती नमीता हिरो शामदासानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्कों और पतों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

and of

पलैट नं० 17, जो, "ओम गंगा" वालकेश्वरके पूरब के तरफ (मलबार हिल रोड बम्बई, सी०एस०नं० 152, मलबार एंण्ड खंबाला हिल डिविजन के साथ और एक पाकींना जगह, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्राई-1/37-ईई/5324/84-85 और ओ सक्षम, ।श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी०एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

प्रकम् आहु दी ्रन ्रच ्न---

नायकर निर्मित्रयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन त्यमा

भारत बरकार

कार्यासय ,ः सहायक नायकार नायुक्त (निर्योक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5342/84-85---श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट नं० सी/35, जो, 3री मंजिल हायवे अपार्टमेंट, प्लाट न० सी एस 2श्रो/23, इस्टर्न एक्स- प्रेस हायवे, वम्बई-22 है तथा जी बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि- कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 17-1-1985

न्त्रं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्रवमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई और नृत्रं वह निक्नात करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके क्रवमान प्रतिकत से धूंचे क्रवनान प्रतिकत का चन्त्रह प्रक्रिश्व से ब्रिथक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिकत, निम्मितिकत उद्योध से उच्छ अन्तरण सिकत में बास्तिक कम हो क्रिक्त नव्योध कर्ता वास्तरिक कम हो क्रिक्त नव्योध क्रिक्त क्रव अन्तरण सिकत में बास्तिक कम हो क्रिक्त नव्योध क्रिक्त क्रव है —

- (क) बन्तरण वे हुई किसी थाप की शावता, उपव अधिदिवन के अपील कर दोने के वश्वरण के बाजित्य में कतीं करने वा वक्क वचने में सुविधा के स्तिए; जीर/बा
- (वा) एसी किसी नाम वा किसी थन वा नन्त नास्तिवां को, जिन्हें आरंतीय आय-कर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयम, वा धन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती ह्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना नाहिए था, क्रियाने में सुविका ने लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) (1) श्रीमति इंदिरा चिमणलाल कामदार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुभागचंद फूलचंद शहा और श्रीमति दंमधंती सौभागचंद शहा।

(भ्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना चारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ट्रैसए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त तस्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई थीं बांबीप ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अविधि, यो भी नविध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पन्नीकरणः इसमे प्रयुक्त वश्यों और पदों का, को उपन अधि-निवस के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, बहुत कर्ष होगा, को उस कथ्याय में विमा गया है।

यम्ब्रुकी

पलैट नं० सी/35, जो, 3री मंजिल, हायने श्रपार्टमेंट, ललैट नं० सीएस०डी/23, इस्टर्न एक्सप्रैस हायने, नम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी २००२ं० ब्राई-उ/37-ईई/5264/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ह्यारा दिनांक 7-1-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> भी० एन० हुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

मोहरः

क्षित अस्टि औं हरा <u>हरा शास अस्त</u>

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीत ब्राह्मना

THE THE

कार्याचन, बद्धानक नामकर नान्त्व (रिट्डीकार्य)

प्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ध दिनांक 12 सितम्बर 1895

निदेश सं० ग्राष्ट्र-1/37 ध्री/5280/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भाव 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निकास करने का कारण हैं कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका उचित याणार मृज्य 1,00,000/- क. बे अभिक हैं

और जिसकीं सं० धांफीस नं० 605, जी, 65ीं मंजिल, इमारत मजेस्टीक शांपिंग सेंटर, 144, जे०एस०एस० रोड, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाबज धनुसुनी में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्त संप्रित के बिन्त बाबार मूल्य से कम के दश्यमान बित्तक के सिए बन्तरित की गई है बार मुख्य सह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्छह अतिकृत से बिक्त के बिक्त है और बन्तरुक (अन्तरुका), और बन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच धुसे अन्तरण के लिए तब पामा पना अतिफल, निम्मीनिवत उन्दर्शन से उच्त बन्तरण जिल्लिक में बास्तिक क्य से कवित नहीं किया पना है है—

- (क) शन्तारुण वं हुइं किसी नाम की बानत, उपत अधिनिक्स के अभीन कर होने के सन्तर्क के वायित्व में कानी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; शहु/वा
- (च) प्रेची किसी बाग ना किसी धन या बन्य नास्तियों की चिन्हें आर्दीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा की सिक्स

जतः जन, उनत निभिनियम की भास 269-ए को जन्मरण भं, में उनक अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) से अभीन, निम्मनिक्स व्यक्तिकों, अर्थां केन (1) श्री भरत बाबूभाई झवेरी, और श्री बाबुभाई नागिनदास झबेरी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीना बी० मेहता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

सकत सम्बद्धि के कर्बन के संबंध के कोई की मार्क्क ह--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिए या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिए, जो भी जनिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति वृक्तरा, अभाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त स्था नीह पर्यो का, को उन्ह अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁶, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया इ⁸।

अमस्यी

श्रांफीस नं० 605, जो, 6ठी मंजिल, इमारत मजेस्टीक शांपिंग सेंटर, 144, जे०एस०एस० रोड, बम्बई-4 में स्थित अनुसूची जैसाकि क० मं० मई 1/37 ईई/5208/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुखे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 12-9-1985

मोहर 😉

प्रकप बाई ्टी एन एस .------

मायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निवेश सं० ग्राई 1/37-ईई/5209/84-85---श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारत 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उष्टित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं पूनिट नं 338, जो, 3री मंजिल्. महा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कंपाउंड ; एस०जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ट नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिल्ट्री हैं, तारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिक स के निए बन्तरिक की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पन्तर्ह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ते अन्तरण है जीवत में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की नायतः, उक्त बाचियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के बाधित्य में कनी करने या उत्तरे नचने में त्रिया के निष्; बारि/बा
- (क) एखीं किसी जान या किसी थन जन्य शस्तियों की जिन्ही आर्प्तीय नायकता अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवांचनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यथा था वा किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

कतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त नांचनियन की धारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्नोसिकत व्यक्तिमें, नर्धात् ः— (1) महा अंण्ड नहार श्रासोसिएटस।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्रिन्स फन्नीकेटर्स अंण्ड इंजिनिश्चर्स। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की जबिश्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा स्थावितयों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींख चैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के गांस लिखित में किए जा सकोंने ।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियमं के बध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं कर्ष होगा को उत्त अध्याय में दिशा नमा है।

वन्स्यी

यूनिट नं० 338, जो, 3री मंजिल, शहा अंण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कंपाउंड, एस०जे० मार्ग, लोगर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क०सं० श्रई 1/37-ईई/5158/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-185 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) • श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

मोहरः

प्ररूप बाहै.टी.एन.एस.-----

आवकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन बुधना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक आवकर शायुक्त (निर्देशिक)

प्रार्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेण सं० श्रई-1/37-ईई/5535/84-85---श्रतः मुझे, पो० एस० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंद जिस्की संव यूनिट नंव 415, जो, 4थी मंजिल, केवल इंडरिट्टयल इस्टेट, सेनापती वापट मार्ग, लोधर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है). और जिसका क्रारमामा श्रीयक्र अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 31-1-1985

को पूर्वीक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम वामा गया प्रतिफल, निम्निविचित अव्योध से उचित अन्तरण जिल्लित में वास्त्विक क्या से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविभा भी जिए; और/या
- (४) एसी किसी नाय या किसी अन या कत्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में खे सिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) मेसर्स ओल्ड व्हिलेज इंडस्ट्रिज लिमिटेड।

(ग्रन्तग्क)

(2) श्रीमती उर्वशी श्राय० मनसेटा और श्रीमती कमला एस० ग्रसेरानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यनाष्ट्रियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के वर्षन संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (उ) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबब्ध किशी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लात में किए जा सकती।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो नस अध्याय में दिया नया हैं।

प्रनुसूची

यूनिट नं० 415, जो. 4 थी मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, सेनापती बापट मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० ऋई-1,37-ईई/5395/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-1-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, वस्बई

तारीख: 12~9~1985

मोहरः

प्रकम आहे. टी. एवं . एवं .,-------

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के नधीन सूचना

कारत सरकार

कार्यान्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 415, जो, 4 थी मंजिल, शहा-नहार (बरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डॉ॰ इ॰ मोजेस रोड, घरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269 अ.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक्षारी के अधीनक सम्बद्ध है, वारीख 31 जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिंशक रूप से कृषित नहीं किया नथा है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बास की बाबस, सबस विभिन्नम् के क्मीन कर दने के अन्तद्रक के दाबित्व में कनी करने या उससे वचने में मृतिभा वे लिए; बीए/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जिल्पान में सुविधा के लिए;

जतः जस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) मंसर्स णहा एण्ड नहार डव्हलोपमेंटस। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती णांती रामसिरोमणि मिश्रा। (अन्तरिती)
- (3) म्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकत्यों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पायकिकरणः ---इसमें प्रयुक्त हान्यों और पवों का, जो उस्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अधे होगा को उस अध्याय भी विका वक्षा ही।

अपूज्यी

यूनिट नं० 415, जो, 4थी मंजिल, महा-नहार (लरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डॉ० इ० मोजेस रोड, बरली, बम्बई-1.8 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/5391/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांकः 31-1-85 को रजीस्टई किया गया है।

> पी०एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 5-9-1985

मोहर 😉

प्रकप नाइं.टी.एन.एस. ------

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के निधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्क) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भ्रई-1/37ईई/5277/84-85--- भ्रत: मुझे, पी० एन० दुबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 318, जो उरो मंजिल शाह एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1 सिताराम जाधन मार्ग, लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रौर इससे ल्पाबड अनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रौर जिनका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय में रजिस्ट्रां है सारीख 7-1-85

प्राधिकारा के कायालिय में रिजिस्ट्रा है शिरि ख 7-1-85 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्हा में गुस्तविक रूप से कथित गई किया गया है है—

- (क्र) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त जीभीनयम के बभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंबरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के बिए;

बतः बन, उक्त वीर्थीत्यम की पारा 269-ग के अनुबर्ध में, में, उक्त वीर्थीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) से बधीन, निस्मतिबित व्यक्तियों, वर्षात् १००० (1) मसर्स शाह एण्ड नहार एसोसिएटस

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स गोएंका एन्टरप्राइसेस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का चै 45 दिन की अविधिया लत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच डे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, वो उच्चे अधिनियम, के अध्यक्त 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

यूनिट नं० 318, जो 3री मंजिल, शाह एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, सीताराम जाधन मार्ग, लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्चई-1/37ईई/5206/84-85 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुव (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-85

क्षम् ब्रापुं स्रोत स्मा प्रयासन्तरम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

तारुव बर्द्धकाव

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1. ब+यई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई-1/37ईई/5359/84-85—श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो सी-विंग, 1ली मंजिल, तिरुपती श्रपार्टमेंटस, भुलाभाई देसाई रोड़ बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबक्ष श्रनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप ने विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18-1-85

को पूर्वोक्त सम्मिरित को उपित बाजार मूख्य से कम के क्रयमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास अरने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्मित्त का उपित बाजार मूल्म, उसके इदयमान प्रतिकल से, एसे इदयमान प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पामा गवा प्रतिकल, निम्मीलिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बावत अवस् अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक वं शियल्य में कमी करने या उससे दलने में बृदिश के स्तर्श सरि/वा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धन या जन्म वास्तिवाँ की चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया पान चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उवतः अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसर्थः हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन जिल्लीनियस व्यक्तियों, अधीत :--- 22--286GI/85

(1) मैसर्स ग्रंसा बिल्डर्स

(म्रन्तरक)

(2) डा० हेमंत पी० ठक्कर ग्रीर, श्रोमतो भ्रमीता एच० ठक्कर

(ग्रन्थरितः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वनत बंगील की नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस भे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, थो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्भ किसी जन्य व्यक्ति ह्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सर्कींगे।

भासची

पलट नं० 4, जो "सी०" विग, 1ली मंजिल, तिरूपती प्रपार्टमेंटस, भुलाभाई देसाई रोड, यम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/5276/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० **दुवे** सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर ग्राय्**क्त (**निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, बम्बई

तारी**ख**: 12-9-85

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहासक आसकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बस्बई बस्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देण मं० श्रई-1/37ईई/5533/84-85--श्रत: मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित बाजार भूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पर्लंट नं० 14. जो 5वीं मंजिल, मंगलम श्रेपार्टमेंटम को-धाप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 99, बालकेश्वर रोड़, बस्वई-6 हैं तथा जो ब्रम्बई-6 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित हैं), श्रीर जिस हा करारतामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 को धारा 269 शब्ब के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 31-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत में अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्री भुपेंद्र जयशंकर पंडया

(भ्रन्तरक)

(2) 1. दिलाप पन्नालास शाह,

श्रीमती जसुमती प्रशालाल शाह श्रीर,

श्रीमती भारती दिलीपकुमार शाह

(मन्तरित)

(3) अन्तरितीः

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्मत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्ग}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 14, जो 5वीं मंजिल, मंगलम ग्रपार्टमेंट को-ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 99, वालकेश्वर रोड़, वस्यई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/5392/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिबारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारी**ख**: 12-9-85

प्रकष् आर्चे डी. एन. एव.=====

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत संरक्षार कार्यास्य, सहायक शायकड वायुक्त ((विद्रीकाण)

प्रजंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्वेश नं० अई--1/37ईई/5188/84--85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पसट नं० 405, जो इ-विग, सिमला हाउस, 51/बी० लक्ष्मीबाई जगमोहनदास मार्ग बम्बई-36 है तथा जो बम्बई 36 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचों में ग्रार पूर्ण रूप त विणित है), ग्रीर जिस हा करार-नामा श्राय कर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 7-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च रेय से उक्त अंतरण लिखित में रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिववन के वृथीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने वा उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिविधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिने था, जिपाने में सुनिया भी किया;

मतः अस, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसहण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1)श्रीमती राधिका राम ग्रडवाणी

(अन्तरक)

(2) श्रीः चंपकलाल मफ़तलाल शाह श्रौर श्रीमतो नीलम चंपवलाल शाह

(भ्रन्तरिती)

सबंगह स्थाना कारी कारको पूर्वीकत् संस्पत्ति को अर्जन् को तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आशोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रमु स्वना की ताशील से 30 विन की जबिध, को भी अविध या में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्री के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, आ उपस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया मना हैं॥

अनुसूची

फ्लैंट नं० 405, जो इ-विग, सिमला हाउस, 51/बी०, लक्ष्मीबाई जगमोहनदास मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है। अनुभूको जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/5251/84-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 को रजिस्टई किया गया है।

पा० एन० **पृबे** मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय<mark>क्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज-1, **बम्बई**

तार*ोख*ः 12-9-85

अक्ष जार्द्, टी. एवं , एवं , ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37 ईई०/5281/84-85--अतः मुझो, पी० एन० दुवे

आयकर किंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/2, जो क्वीन्स ब्ह्यू, 28/30, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सेविणत है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 किंख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 7-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कवरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,

एसे क्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य ते उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे सचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भर या अस्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयंकर श्रीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

कतः वक् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अन्यरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अथित् :--

- (1) स्व० श्री माणेकलाल जी० पटेल के वारीस:
 - श्रीमसी तनमनबेन एम० पटेल,
 - 2. श्री प्रवीण एम० पटेल,
 - 3. श्री दिलीप एम० पटेल,
 - 4 श्रीमती निलनी एम० पटेल ग्रीर श्रीमती प्रतिमा एम० पटेल उर्फ प्रतिमा एस० खांडकें,
- (2) श्रीमती माधुरीबेन एच० मर्चेंट श्रीर श्रीमती मंजुलाबेन जी० मर्चेंन्ट ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती टी० एम० पटेल श्रीपी० एम० पटेल, श्रीडी० एम० पटेल ग्रीर कुमारी एन० एम० पटेल।

(अन्तरक)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों जे से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूधी

फ्लैटनं० ए/2 क्वीन्स ब्ह्यू 28/30, बालकेण्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि कप सं० अई०-1/37 ईई०/5209/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 जनवरी 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

प्रकल कार्य है दी हुए एक एक है उन्हरूट

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

मारत सरकाड

भार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निर्धिका) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 सितम्बर 1985

निवेश सं० अई०-1/37 ईई०/ 5404/84-85--अत मुझे, पी० एन० दुबे

सायकद सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिक्नाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 39 है तथा जो तीसरी मंजिल, वरली हिल इस्टेट, को० आपरेटिव हार्जींग सोसाइटी लि०, प्लाट नं० 33, शिव सागर इमारत वरली हिल रोड, बम्बई—19 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि—नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 22-1-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुदं किसी बाय की बावत, उक्त बौधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बौदित्व में कमी करने में उससे बचने में सुविधा क लिए; प्रोर्/मा
- (क) श्रेसी किकी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती वृवास प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, जिन्दाने में वृत्विथा के सिए;

भतः शकः, उक्त वृधिनियनं को भारा 269-ग के अनुसूरण को, मी, उक्त विधिनियमं की भारा 269-म की उपभाग (1) के अभीन विक्रमित्र विश्वविद्याः स्वाहितः (1) श्री दीपक मेहरा श्रीर श्री दीन दयाल मेहरा।

(अन्तरक)

(क) श्रीमती नसीम गतानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यंक्ति सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मरित को कर्णन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप "----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभाहस्ताक्षरी के पास शिविस में किए वा सकोंगे।

ममुस्पी

पलैटनं० 39, जी तीसरी मंजिल, बरली हिल इस्टेट को- आपरेटिव हार्जीसँग सोसाइटी लि०, प्लाटनं० 33, णिव सागर इमारत, बग्ली हिल रोड, बम्बई-४३ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं॰ आई-1/37 ईई/5300/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 22 जनवरी, 985 को रजिस्टइं किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बाई

तारीख : 12-9-1985

महित्र ४

मुक्य जाद^क्टी पुत्र पुत्र प्रशासनाम प्रमाणन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (†) में बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर धायकत (मिरीक्षण) अर्जन रेंज--1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई०-1/37 ईई/5452/84-85---अतः मुझे, पी० एन० दुवे

आयष्ट्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह जिल्लाक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका जीवत बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० ब्लाक नं० 214 है तथा जो इसारत नं० 5, अम्बेडकर नगर, को आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, तल माला, बरली. बम्बई-18 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं,) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बच्चमान प्रतिफल के किए अन्तरित की गईं हैं और युक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्के स्वय-भान प्रतिकास से, एसे बक्चमान प्रतिकास का पंतह प्रतिकात से अभिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिय के सिए द्वय नाचा गया प्रतिकास, निम्न-जिसित उन्हरें के विका गया हैं है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबस, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के चित्र; कोर्य/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अच्य अस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, 1987 (1987 का 27 के प्रवेष्णनार्थ अन्तिरियम, विश्वा स्वाह्य प्रकट नहीं विद्या गया था या किया जाना जाहिए था, खिलाने में सुविधा को सिए;

अतः नन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कः, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् हु—

- (1) श्रीमती लिलता सुखर्जेंद्र सिंह विदीं। (अन्तरक)
- (2) श्री चम्पक लाल जवाननल श्रोसवाल श्रीर श्रीमती कमलाबाई चम्पक लाल श्रोसवाल। (अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हरूर

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकावन की तारीस वे 45 विन की अवधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पद्ध मूचना की तामीस ने 30 विन की व्यक्ति, को की जबधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति व्यक्ति हुन। सा
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनवृष् किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थळीकरण:----इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्यों का, जो उनक समितियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में विवा स्था है।

जनसंची

ब्लाक नं० 214 तथा जो इमारतनं० 5, अम्बेडकर नगर को आपमेटिव हाउसिंग मोसाइटी लि०, तल माला, वरली, बम्बई—18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-1/37 ईई०/5333/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 जनवरी, 1985 को रजिस्टइं किया गया है।

> पी० एन० दुबें सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 12-9-1985

मोहर 🛭

Titles --- Commission to American

वच्य बाहु ्टी . युग . दुव . ------

लाधकर निधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन क्षना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 12 मिनम्बर 1985

निदेश मं० अई-1/37-ईई/5558/84-85—अत: मुझे, पी० एन० द्वे,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीत क्रमन अधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मरूप 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 1, जो, इमारत नं० 16, णिवाजी नगर, णिव-णाही को-ऑग० हाउसिंग सोसाईटी लि० डां०, एनी बेंडमट रोड, घरली, बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है नारीख 31-1-1985।

को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशींकत सम्पत्ति का उचित गाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सथ पावा गया प्रतिफल, विम्निचित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्सरण ते हुई किसी जाय की भावत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दीने के जन्तरक के दायित्व में कजी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी थन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, वा धनकर वा धन

काः सव, उक्त सिंपियम की थाए 269-न के अनुसरण ८:, पें उक्त मीधीतम की धारा 269-व की उपधास (1) के अधीत, निम्टीनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामचंद्र पांड्रंग घाले।

(अन्तरक)

(2) श्री शरदचंद्र शांताराम आपटे।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाह्मे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सर्वीय ना तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना करी तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीण है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय से दिया गया हैं।

अनुसूची

ब्लांक नं० 1, जो, इमारत नं० 16, शिवाजी नगर, शिव-शाही को-आंग० हाउसिंग सोक्षाईटी लि०, डां० ग्रंनी बेसट रोड, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०मं० अई-1/37-ईई/5399/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31--1-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ष

तारीख: 12-9-1985

प्रकार बाह्यं हो देते . एव . एव ..------

बायकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के बधीन सुचना

नारत चडुनाडु

कार्यालय, सहायक भावकर मायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5320/84-85---अतः मुझे, पी० एन० दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 302, जो, 3री मंजिल, सी-विंग' आचार्य दोंदे मार्ग, बिंगा बिना को-आंप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, सिवरी (प०), बम्बई:15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (भीर इसमें उपाबंध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में बिंगत है), और जिस हा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खं के अधीन अम्बई स्था सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है सारीख 7-1-1985

करा प्रताकत संपरित के उचित बाजार मृत्य में कम के देवयान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाप्येक्त सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थामान प्रतिफल से, एसे स्थामान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुद किसी बाब की बाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने या उक्क बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा, जिनाने में सुविधा के किए:

जशः अस, उसत जिभिनियन की भारा 269-न की अनुतरण पँ, मँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) की नाधीन, निम्लिसिया व्यक्तियों, जर्भात् :--- (1) श्री डाकचंद रामजी श्रीर श्रीमती दमयतीबेनटाकचन्द

(अन्तरक)

(2) श्र आनंद दोर शेट्टी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरको ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए --कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आधीप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिरामी पर ब्रूथना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पाव निविद्य में किए जा सकीये।

स्प्रकारिकरणः ---इसमें प्रयुक्त खड्यों और पृत्रों का, को उक्त नायकर अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस कथ्याम में विगा नवा है।

अन्स्ची

पलैट नं० 302, जी तीसरी मंजिल, सी-विंग, आचार्य दोंदेमार्ग, सिवरी (प), विंना बिना को आपरेटिंब हाउसिंग सोसाईटी लि०, बम्बई-1में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-4/37ईई/5242/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸1, बम्बई

तारीख : 12~9~1985

प्रक्ष बाइं.दी.एन.एस.-----

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

े निदेश सं ० अई०—1/37 ईई०/5271/84—85——अतः

मुझे, पी० एन० दुबे प्राक्तर समितिसम् । १०

जायकर मिंपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्याके पश्चात् 'उक्त मिंपिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्विस इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, यूनिट नं० 515, पांचवी मंजिल, मिलन इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, सी० एस० नं० 2/159, 1ए /160,1/160, 1-सी/160 बी - 160, 1ए/186, परेल सिवरी डिवीजन, काटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आस्कर अधिनियम, 1961 की धारा 269कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ए से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से क्षिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गपर प्रतिफल, निय्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण किकी में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के राधित्य में कभी करने भा उससे बजने में सविध्य के लिए। जीह/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

- (1) मैं ० प्रभुदास दालीचन्द एण्ड कम्पनी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती दमयन्ती भानुप्रसाद वेद, कल्पना मुकेश वेद श्रौर मयुर भानुप्रसाद वेद।

(अन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ब्रुचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनधि या तत्सम्बन्धी श्रीक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, जो भी जनधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (ब) इस स्वाना के राजधन के प्रकासन की वारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी से पास निकार में किए का सकते।

स्थब्दीब्बरणः -- इनमें प्रयुक्त शब्दों बीर पूर्वों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस बध्याय में विका क्या है।

अनुपूषी

सर्विस इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, यूनिट नं 515 जो पांचवी मंजिल, मिलन इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, सी एस०नं० 2/59, 10/160, 1/160 वी सी/160, बी 1/160, 10/186, परेल स्विरी डिवीजन, काटन, ग्रीन वम्बई-33 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं आई-1/37 ईई/5201/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकोरी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 जनवरी, 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है

पी० एत**० दुबें** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बम्बई**

तारीख: 12-9-1985

एकम् बाहें, दौर एक्. एक..च व वत्रव

नायकपु ज्भिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म् (1) के व्यक्ति सूच्ना

भारत शरकार

कार्यातय, तहायक आयकर आयुक्त (रिनरीक्षण)

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन तक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का तरण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 2,00,000/- रह. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संव युनिट नंव 336, जो 3री मंजिल, शाह एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कंपाउंड एसव जेव मार्ग, लोअर परेल बम्बई-13 हैं तथा बम्बई-13 में स्थिन हैं (श्रीर इत्ते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विश्वत हैं (श्रीर इत्ते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विश्वत हैं (श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 काख के अधीन बम्बई स्थिन ग्रक्षम प्राधि हारी के

कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-1-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अव्युमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिता (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उचित अन्तरण जिल्लित में गास्त्रीय रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (वा) अन्तरम से हुन्दे निक्सी बाव की धावल, उक्त गीधिमयम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दावित्व में कभी करवे वा उससे उचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसे किसी जाय या किसी भन मा नन्य बास्तियों के की प्राप्तिय नायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः त्रव, उक्त जीभीनवम की भारा 269-व के अन्तरक हो. मी. उक्त जीभीनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) शाह एण्ड नहार एसोनिएटस

(अन्तरक)

(2) श्री जोसेफ डेनिस डायझ श्रीर, श्रीमती आई० जे० डायझ

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्तः स्म्पृति के सूर्यन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत् सम्पत्ति के जुर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवर्ण;
- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत अधिनिसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृश्की

युनिट नं० 336, जो उनी मंजिल, शाह एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कंपाउउ, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैंशा कि कि० सं० अई-1/37ईई/5252/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> भी० एन० दुबे सक्षम ाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 12-9-85 मोहर् प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. - - -

नायकद्र निधनियन, 1961 (1961 का 43) काँ धाडा भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

नाउँद सुरुक्ता

कार्यां नव, बहायक जायकर जायुक्त (निहासिक)

अर्जन रेंज-।, बम्बई

बम्बई, दिनां रु. 12 सितम्बर 1985 निर्देश सं० अई-1/37ईई/5336/84-85—अत : मुझे, पी० एन० दुवे,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4 बी० आर०, जो 12वी मंजिल, मोन्ट ब्लान्स अपार्टमेंटस, दादीशेठ मिल, आगस्ट कान्सी मार्ग, बम्बई—36 है तथा जो बम्बई—36 में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रिजस्टी है, हारीख 7—1—85

कां पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेशित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-िलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण है हुइ किमी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर कोने के अन्तरक औ वास्तिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधाः के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिल्हाँ भारतीय आयकर अमिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1057 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने या सृतिधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के ौ, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपभारत (1) के अधीन, निम्निनिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दुलैराय आर॰ मेहता श्रीर, श्री धिरेन डी॰ मेहता

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश वि० गांधी श्रीमती देवयानी डी० गांधी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सञ्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मान्द्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुधी

फ्लैट नं० 4 बी० आर० जो 12बी मंजिल, मोन्ट ब्लान्स अर्थार्टमेंटस, दादीगेट सिल, आगस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अतुसूची जैंसा कि क्र०स० अई-1/37ईई/5249/84-85 स्रीर जो सक्ष्म प्राप्तिकारी, सम्बई द्वारा दिलांक 7-1-85 को रिजस्टई किया गया है।

पी० एत० दुवे सक्तत अर्थाच एकी सहायक जायकर आयुक्त (किरीजण) अर्जन रेजिना, बम्बर्ड

नारीख: 12-9-85

मःहर :

ाच्य वार्_{ट्}<u>थे.स्</u>य स्वा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकाह

माबानव, बहावक नावकर बाव्यक (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं ० अई-1/37ईई/5436/84-85-36: मुझे,-पी॰ एंग॰ दुबे,

कायकर के धिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थाबन सम्प्रीता, जिसका उच्ति बाजार युल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लंट तं ० 3, जो 2री मंजिल, इसारल नं ० 3, पी० एस० बी० अपार्टमेंटस, बी० जी० खेर रोड़, बम्बई—18 है तथा जो बम्बई—18 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ जअनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित ह), और जिसका करारनामा आयकर अविनियम की धारा 1961 की धारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्टी, है तारीख 22—1—1985 को प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से सम को दक्ष्यमान प्रतिकृत की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वांक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्व्यमान प्रतिकृत है और अस्य देशा अतिकृत का वन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अतरकार) और बंतरिती (अनुरितियों) के पीच एसे बन्तरण के लिए श्रय पावा बचा बात्कन, विम्नितिबर उद्देश्य से उन्द्र बन्दरण विश्वास के बातरिती का सम्वित्व क्या की स्थाप विश्वास के स्थाप विश्वास का सम्वित्व का सम्वित्व की स्थाप की स्थाप स्थाप पावा बचा बात्कन, विम्नितिबर्स के कीयत नहीं किया वसा है इस्तान विश्वास के बातरिती की स्थाप की स्थाप स्थाप स्थाप की स्थाप स्थाप

- (क्) अंतरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त किय-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करते या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; बरि/श
- (श) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्त बास्तियों को जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिष्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ब्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 26)-ग के अनुसरण गैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

- (1) श्री बी० एल०सिमभहि० ग्र०कु०
 - (अन्तरक)
- (2) श्री संजय कें पारेख

(अन्तरिती)

को बहु मुजना बार्ड करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिए कार्यकारिया काला हो।

वक्त सम्मारत क अर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त की किसी व्यवित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए वा सकेने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्दों का, को उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

अनस ची

पलैट सं 3, जो 2री मिजित, इमारत नं 3, पी एस० बी० विर्मेटन, बी० जी० खेर रोड़, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि० सं० अई-1/37ईई/5319/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम आधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज –।, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/5362/84-85—अत : मुझे पी० ए५० दुबे,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृत्य 1,00,000/- रुत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं क्लाक नं 4, जो 1ली मंजिल, प्रभादेवी शिवर्गान्त को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 916/917 सयानी रोड, बम्बई-25 है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा आय कर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बमाई स्थित सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-1-85 का पूर्व कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मृत्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जावत बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द इ प्रतिशत से ग्रीव क है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर बन्तरित (ग्रन्तरितों) के बीच ऐसे म्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर बन्तरित (ग्रन्तरितों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया स्था है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्थिया
- ्ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहिती द्यारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुक्का के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधासा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीर ■──

(1) श्री मधुकर सोमा गावडे

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लिलाबाई भवानशंकर भट

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

वन्स्ची

ब्ला 5 र्न० 4, जो 1ली मंजिल, प्रभादेवी—शिशगिक्ति को-अप० हःउधिंग सोसाईटी लि०, 916/917, सयानी रोड़, बम्बई--25 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कर् तं ० अई-1/37ईई/5271/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, बम्बई

तारीख: 12-9-1985

प्ररूप काई, टी, एन. एस.-----

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 12 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/5516/84-85--अत: मुझे, पी॰ एन॰ दुबे,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव टेंनमेंट नंव 78, जो इमारत नंव 5, सरदार नगर—4, सायन कोर्ल बाडा, सायन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है). ग्रीर जित्रका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 1961 की 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय में रिजस्ट्री है तार्ष 30—1—85

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरफ क लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क)। अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों भी जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट उहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिज्याने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, ६, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलाखत व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री लीलाराम रतनचंद

(अन्तरक)

(2) श्री हरवंस सिंग मंदा सिर चंडोक श्रीर श्रीमती हरवंसकौर हरवंसिंग चंडोल

(अनारिती)

(3) अन्तरितीयों (बह व्यक्ति, जिनके अधिमीन में सम्मत्ति हैं)

को महसूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी ह से 4.5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्ध हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमो प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतसर्घी

टेनमेंट गं० 78, जो इसारत न० 5, एर गर नगर—4 सायन कोलीबाडा सायम, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क० स्० अई-1/37ईई/537 श/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वज्जई द्वारा दिनांक 30-1-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पोठ एक दुर्ब उक्षम भाग्यकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्मक्षण) अर्जन रेज-1, वस्त्रई

नारी**ख**: 12-9-1985

माहर:

eric service services.

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गंगाधर सदाणिय रावत

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा विष्णु भावे

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देण सं० अई-1/37ईई/5557/84-85—अत : मुझे, पी० एन० दुवे,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्ध्यावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर निहाकी मं० व्यान नं० 10, जो इमारत नं० 15, शिक्षाती गर, शिक्ष हाई को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लि० ए नी वेदेन्ट रोड, वस्ली, बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-25 में विवत है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची और पूर्ण में विशित है) श्रीर जिसका करारनाम श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 पाख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधकारी के कार्यात्य में रशीस्त्री है, तारीख 31-1-1985

को पूर्विक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्के दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 र्1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

क्रतः अब, खक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण या, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाें का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

ब्लाक नं० 10, जो इमारत नं० 15, शिवाजी नगर, शिव साई को-आप० हार्जीसग सोसाईटी लि०, डाँ० अनी बेसेंट रोड़, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैपाकि ऋ० सं० अई-1/37ईई/5398/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 31-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी चेहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज–1, बस्ब**बर्ध**

नारीख: 12-9-1985

मोहरः

मुक्य बार्षं. टी. एवं. एस्.-------

आग्रकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**म** (1) के बंधीन बृ**म्**वा

बाह्य बुडका

कार्यास्य, सहायक बायकर आव्यक्तं (निर्द्शिक्त) अर्जम रेंज-1, बम्बर्द बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985 निर्देश सं० अई-1/37ईई/5192/84-85--अत: मुझे,

पी० एन० दुबे,

जायकर णिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वजात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी०-4 जो गाड़ी गार्किंग जगह के साथ, डा० हाल, डॉव एनी बेसेंट रोड़, वरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्निजिचित उद्देश्य से उसत अन्तरण जिचित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- ्रं (क) बन्तरण वे हुए किसी बाब की बाबत, उन्तर बिध-र्नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक, के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/बा
 - (व) ऐसी किसी बाय था किसी भण या अन्य आसितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्द अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिहा;

बरः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु—— (1) मैसर्स अझीनिया केसिकल्स जिसिटेड,

(अन्दः रक्)

(2) श्री एम० ए० ई० पायस.

(अन्∴िस्ती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन में निष्के कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में अकाशन का तारिश्व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, अरे भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकोंगें।

स्वक्योक रण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का., जो उक्क जिथिनियम, के अध्याय 20-क में पोर्श्माचित हैं, वहीं अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिसा येवा हैं।

अन्स्की

फ्लैट नं० बी-4, जो कार पार्किंग जगह के आथ, ईडन हाल, डा० एनी बेलेंट रोड़, वरली, वभ्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैनािक ऋ० मं० अई-1/37र्दि/6419/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा स्मिक $7\sim 1-85$ को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एस० दृबे पक्षम प्राप्तकारी सहायक आयकर आयक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंज⊷ा, वस्ब**र्ध**

नारीख: 12-9-85

श्रूपा **वार्षे दी . एप**ा ए**ए** . जन न न न

वायकर व्योभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वामीन सुवना

भारत जह गाउ

कार्यासयः, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सिनम्बर 1985 निषेश सं० अई-1/37ईई/5324/84-85-अत: मुझें पी० एन० दुबे,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा १69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का करण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, जो एम्डेबर, 14/144, वडाला इस्टेट (उत्तर) वडाला, वस्वई-31 है तथा जो बस्बई-31 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाबार मूल्य से नम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और ममें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्मपूर्विक्त सम्मित्त का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिखत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतिरती (अन्तरिक्ता) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिबित्त वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अध्यारण से हुई कियी बाव की बावत , उन्नक विधिनियम के अभीत कर दोने थें अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन किया सन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,,मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की तपमारा (1) के अधीतः िम्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 24—286GI/85 (1) श्री अशोक डी० व्होरा,

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश एम० दवे श्रांर, श्रीमती ज्योती एच० दवे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

इक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 बिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिंग, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त रथात्रर सरगरित में हितबब्ध किसी, जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निवित्त में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत जिल्लाम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मनसंची

फ्लैट नं० 14, जो एन्डेव्र, 14/144, वडाला इस्टेट (उत्तर), वडाला अम्ब $\S-31$ में स्थित है ।

अनुसूची जैशाकि कि सं अई-1/37ईई/5253/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-85 की रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवै सत्तम प्राधि जारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, बम्ब≸

तारीख: 12-9-1985

प्रस्य बाह्र दी. एवं एक व्यक्त

आयक्षे अधिनियम, 196 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्थाना

भारत भक्ता

कार्यानय, सहायक आयकर बाबक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंजन्1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4292/84-85---अत : मुझे, पी० एन। दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिक्त अधिनियम! कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पति । किसका उचित याजार मृल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसक सं० परीट नं० 506, जो 5वी मंजिल, जी०-विंग, विना बिमा अपार्टमेंटस, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प) बम्बई-15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (श्रीत इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप पे दिण्ए), श्रांत जिसका करारनामा आयरूर अधिनियम 1961 की धारा 269 एब के अधीन बम्बई स्थित गंजम पाश्चिकरी के कार्याजय में रिजस्ट्री है तारीख 29-1-1985

को प्राेंग्स वस्पत्ति के उचित वाजार मूल्य म कम के दश्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्स सम्प्रांल का लिल वालार मूल्य, एसको क्रयभाग प्राप्ति की लिए कर्ना लेकिन का अन्तर्ह भी गात से अधिक हैं और अतरक (अंतरक हैं) और जंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए त्य पाश गाम प्रतिष्क व निम्नितिक्ति सब्देश्य से उन्त अंतरण लिखिन में बारलिबक क्या के कीच व नहीं किया व्या हैं स्ल्ल

- (क) बन्तरण संहूर किसी नाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वर्णीय क्षेत्र को ने की असरक के बायित्व में कमी करने या लगक वचने में सुविधा के नियह बौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाद या किसी का या अन्य गास्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) कि उक्की अधिनियम, या भानकार की गांक का किसी किया गांक प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यापा अकट नहीं किया गांव का या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सविधा

अतः अबः उत्तत अधिनियम की भारा 269 त के अनुसरण बौं, मौं, उस्त अधिनियम की भारा 269 त की उपधारा (1) ही सभीतः, निजितिश्वित व्यक्तियों, अभीतः :---

(1) श्री परेश नटवरलाल पारीख

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एम० असगरअली

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के बर्बन के विष् कार्यवाहिमां करता हो ।

उन्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की बनिष या तत्सन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोब्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बदुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षकिरमः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उसर बिधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में विद्या गया है।

MANGE

फ्लैट नं० 506, जो 5वी मंजिल; जी०-विंग, विना बिना अपार्टमेंटस, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क० सं० अई-1/37ईई/4270/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-1-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-9-85

प्रमा नींदुं हो । हरा हरा

सायकर अधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अभीन स्थना

शास्त्र स्टब्स

कार्वास्य, सहायक सायकर अवस्त (विरक्षित्र)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985 निर्देश सं० अई-1/37ईई/4682/84-85-अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

ायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके प्रणांत 'छन्त निर्धानयम' सहा नेवा हैं), की नारा 69-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का गरण है कि स्थानर सम्पत्ति, विस्ता उपित नानार मृत्य ,'60000/- क. से निर्धक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 173/बी०, जो हीरा पन्ना अपार्ट-मेंटन, हाजी अली सर्कल, बस्बई-26 है तथा जो बस्बई-26 में स्थित हैं (ग्राँर इसते उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्टी है, तारीख 30-1-1985

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूका से कम के दरामान शितकास के बिए अन्तरित की गई और मूक्के यह विश्वास करने आ निज़रण है कि यथापूर्वोक्त सम्मक्ति का उचित बाजार मूल्य, जिक दरयमान प्रतिफल से, एते व्यक्तिन प्रपिफल का पन्द्रह है तर अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकां) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरिण के निए तय पाया गया विफल,, निम्नलिखित उद्देष्यों से उन्त अन्तरण निखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिल्लीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बन्ते में सुविधा के लिए; बाँड/या

्रिं किसी जाम या किसी घन या अन्य आहिस्तुनी का जिल्ह भारतीय आय-क्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसावनार्थ अन्यदिसी इपाए प्रकट यहाँ किया गरा था या किया जाना जाहिए था, ज्यिपन में प्रिया के स्थिति

कता अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीयती कुसुमलता गुलाटी ग्रौर श्रीमती मुक्तामणि गुलाटी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सूरज जैन श्रौर श्री गौतम कुमार जैन

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों (वह व्यक्तिं जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सुचना चारी करके पुत्रों क्स संपत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इब स्था के राजपत्र में प्रकारन की तारीय से 45 रिष्म की संपत्ति का तरकारनाथीं क्यूनिताओं इस स्था की तारीय से 30 दिन की अवधि, जो भी क्याय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से स्थाप व्यक्ति व्यक्ति क्याराह
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीत्र उनक स्थानर सम्पत्ति में हितनस्थ किसी जन्य व्यक्ति ह्वारा न्योहस्ताकडी की वास तिबल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं॰ 173/बी॰, जो हीरा पन्ना अवामेंटेंटस, हाजी अली सर्कल, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक करु सं० अई-1/37ईई/5430/84– 85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-1-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी**०** एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रेंज**-1, बम्बई

तारीख: 12-9-85

प्रकार शहर , टी , एव , एव . ----

आधकतः अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) भी अभीत सुपता

שלדעריין ויין א

कार्यासन्, सहायक आवक्तर नामुक्त (निरक्तिम) प्रजेन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 भितम्बर, 1985 निवेश सं० प्रई-1/37ईई/5518/84-85---श्रत मुझे, पीं० एन० दुबे,

शायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स से अभीन सक्तम प्राणिकारी को, वह विश्वाद कारने स्व कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रान से अधिक है

और जिपकी संख्या फ्लैंट नं ई/2, जो, 1लीं मंजिल, दिं सोमुमूग को-आप हाउसिंग सोनाईटीं, लि सुनीता अपर्टमेंट, 62 सी सी, पेडर रोड़, बम्बई-36 तथा जो बम्बई-36 में स्थित हैं (अंप इनसे उपाबड़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), ऑप जिन्हा एपरानामा आयश्य अधिनयम, 1961 की धारा 269 स ल के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधितारों के एपरिय में रिजस्ट्री हैतारीख 30-1-85 को पूर्णेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्लोनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूजींक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मृत्य से कम के क्लोनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूजींक्त सम्वति का उपित वाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकत्त का पत्ति का प्रतिकत्त का प्रतिकत्त का प्रतिकत्त का प्रतिकत्त का प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्वर्षिय से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से की विष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्वर्षिय से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से की विष एसे किया गया है एन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? के लिए; और/या
- (स) एली किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिस्हा आरतीय वावकार अधिनियम, 1922 (19.25) (1) पा अपत अधिनियम, या भवकार जीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, जिनाने के सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बे, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविष्टिक व्यक्तियों, प्रभृति क्र- 1. श्रीं रुसिक लाल भाई चन्द भाई शाहा।

(अन्तरक)

 श्रीमती निता भरतकुमार गांधी और श्री हरजीवन दास भाई चन्द गांधी।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

नह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के अर्थम के संबंध में कोई भी वाक्षेप हरू-

- (क) इत त्यना के राज्यन में प्रकायन की तारीय से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर ज्यान की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अक्षी वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बूचना के राजपन में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बब्ध किती जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थाक देखा :— इसमें प्रमुख्त कर्जी और प्रयोक है, जो उन्हा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया के गया हैं:

नन्स्ची

फ्लैट नं इ/2, जो, 1ली मंजिल, वी सोनमग को-म्रांप हाउसिंग मोसाईर्टा लिं , सुनीता ग्रगार्टमेंटस, 62 सी सी, पर इ रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37ईई/5380/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1; **वस्बर्ध**

तारीख 12-9-1**98**5 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर, 1985 निर्देश सं० बई-1/37ईई/5256/84-85---अत: मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकों संख्या फ्लैट नं 16, जो, 2री मंजिल, सी विंग, दर्या महल को श्राप हाउलिंग सोलाईटी लि , 80, नेपियनसी रोड, बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर शिंधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-1980।

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उिषक बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अपरण है कि यथा प्रविक्त संपत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितिफल में, एसे दश्यमान प्रितिफल में, एसे दश्यमान प्रितिफल में, एसे दश्यमान प्रितिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक्तों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की आसत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियरच में कमी करने या उससे असने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थातु :--- श्री हसमुख पारेख और श्रीमतीं मंजूला एच० यारेख।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रन्प एन० महा और श्रीमती हर्षा ए० महा।

(ग्रन्तरिती)

नदे यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मंपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पनैट नं० 16, जो, 2री मंजिल, सी० विग, दर्या महल को ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 80, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम मं० श्रई 1/3 7ईई/5193/84~ 85 और जो सक्षम प्राधितारीं, वम्बई द्वारा दिलां : 7-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० **दुवे** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण), श्रजैन रेज-1, बस्ब**र्ध**

तारीख: 12-9-1985

6. श्रीं मनोहर एन० कामरा।

(भन्तरक)

2. श्रीमती इला सुरेग गहा।

(भ्रन्तरितीं)

बायकार जीधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत बुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज--6, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

बम्बह, दिनाक 12 स्थितम्बर, 1985 निर्देश सं०अई-1/37ईई/5364/84-85:---श्रतः मुझे, पीं० एन० दुवे,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एउके पश्चात उक्ष्यं अभिनियम' कहा गया है), की भाष 239-द को अभिन स्थाम भाषिकारी का वह विस्वास करने का खरण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उपिक बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैटनं ० 404, जो, धामनारी की-धाँप ० हाउभिंग सोनाईटी लिए, इंकन कॉजवे रीड, चुनाभट्टी, बम्बई-22 हैं तथा जो वम्बई-22 में स्थित हैं (ऑह इससे उपावढ़ मनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित हैं), और जिमता करारनामा पायहर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के धर्मी बस्बई स्थित सक्षम प्राधि हों के वायिलय में रिजिस्टी हैं, तारीख 18-1-1985।

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम स्वयमान गितफल के निए अन्तरित की गर्छ है और मूझे यह विश्वास करने धारण है यह पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात है अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्विक रूप से कांधत नहीं किया गया है:——

- (क) अपन्य में शुद्ध किया वाम की मामस, अवस अधिनियम की अधीन कार बाने को अस्टर्क के वादिरल में कारी किरने या उससे स्वाने में सुविधा की गुलाह: करिश्वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 ते 1922 का 11) वा उत्कत अधिनियम, या बन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा और लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण में, भैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उर्थात् :---

को यह सूचना जारी करकं पृत्रींक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिएं ज कार्यवाहियां करता हुएं।

उस्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इब सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीच धे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से. 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सब्ध . किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टिशकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 404, जी. भागतारी की-आँप० हाउसिंग सोताईटीं लि०, डंजन काँजवे रोड, चुनाभट्टी, बम्बई- 22 में स्थित है।

श्रनुसूचीं जैसा कि क सं० श्रई- 1/37ईई/5282/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारीं, बस्बई द्वारा दिनांक 18-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पीं० एन० दुने, पक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीं**व** 12-8-1985

बोहर 🕹

प्रकृष सार्वः, दर्वः, एवः, एवः,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 न (1) के नपीन सुखना

भारत सरकार

कार्यासय, सक्षायक आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985 निर्देश मं० श्रई-1/37ईई/5207/84--85:---श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह प्रिश्वास करने का कारण है कि स्थापर नम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- राज से अधिक है

अौर जिसकी संख्या फ्लैट नं ० 14, जो, सि म्ह्यू को-भ्रॉप० हाउसिंग मोनाईटी लि०, बीर साचरकर मार्ग, बम्बई- 25 है तथा जो बम्बई- 25 में स्थित हैं (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिस्ला करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिजस्टी है। तारीख 30-1-1985

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है जाँर मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसरहे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विभिक्ष है बार कम्तरक (बन्तरकों) बार बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बम्तरण के सिए तम गवा गवा प्रतिफल निम्निमिणित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निषित में बास्तिविक रूप से क्रिया नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी बाब की बावस, अन्यस् अभिनियम के बधीन कर दोने के जनसरक के वाजित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (ब) एसी किसी आय या किन्सी भन या अन्य जास्तिणों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1959 (1957 का 27) के के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती दृष्टारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्सी में सुनिधा से सिए;

कतः अस, उन्नतं अधिनियम को धारा 269-ग को, सन्तरण भी, मी, उम्रत अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) भी अधिन विकास की स्मिक्ता, संभोतः—॰ 1. श्री दत्तात्रय रचुताथ मुणगेकर।

(ग्रन्तर⊕)

7. श्री नन्दन प्रताप मुणनेस्र।

(ग्रन्यरिती)

की यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तिः के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हुई।

उनत सम्मन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की कविश्व या तत्मम्बस्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वाध : 'को भी अवधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पृत्रीकत का जिल्हों में पे किनी व्यक्ति कहारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 विन के भीतर उसन स्थावर संपरित में हिल-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तिस में किस जा सकीय।

स्पव्यक्तिस्थाः — इसमें प्रयुक्त छन्दां और पदां का, जो उक्त अभिनियम की अध्याद 20 का हो परिभाषित्य ही, बढ़ी अर्थ हाया, जो एक्ष अध्याद में दिक नवा ही।

अन्सुची

फ्लैट नं 14, जो, ति व्हय को-ऑप० हाउमिंग सोमाईटी लि०, वीर पाचरकर मार्ग, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा ि क० सं० शर्ड – 1/37ईई/4804/84 – 85 और जो अक्षम प्राजित्यारी, बम्बई हारा ँविनांक 30 – 1 – 85 को रजिस्टई थिंग गया है।

पी० एत० बुबे, क्षिम प्राधि हारी, सहाय है श्राय हर श्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

नारीख: 12-9-1985

प्रकृष् वार्डं,दी. एन. एस. ------

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधौत स्थाना

नारत तरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरोक्तण) ग्राजैन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-६६/5393/84-8.5—यतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 71, जो 7वीं मंजिल, क्षितीज इमारत, पराग प्रेम प्रिमायसेंस को-आप० हाउसिंग सोसायटी 47, एल० जगमोहनदान मार्ग, जिसका सी० एस० नं० 448, मलबार हिल. डिवीजन, बम्बई-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिजारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 22-1-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति ते उचित बाजार मृस्य से कम **वे शहयमान** प्रसिफल के लिए जन्तरित की गर्इ है जौर भूभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल ते, ऐसे क्रयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निज्निलिखित उद्भवेष्य से उक्त अन्तरण किस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया बदा है क्

- (क) अन्तरण से हुद्द निक्सी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम को सधीन कर दोने को जन्तरक को दायित्व में कसी करने या उसमें बचने में स्विधा के सिए और/वा
- (क) शृंती किसी आय या किता धन या बन्य आस्तियो १८%, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम 1922 (१९१२२ का ११) या उक्त अधिनियम या धन धन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाड़िए था, कियाने में सुविधा चे सिद्ध;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :——

1. श्रीमती निलनी चन्दूलाल नाथवानी

(भ्रन्तरक)

- मेसमं कंखल इन्वेस्टमेन्ट एन्ड ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड। (प्रन्तिन्ती)
- 3. श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्षन के निष्ध कार्यवाही करता हैं।

जन्म सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद को सवापत होती हो, के भीतर प्रविक् महिन्तयों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुजना के शाजपत्र में प्रकाशन की, तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्व्य किस्टें अत्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकड़ी कें पास सिवित में किए था सकेंगे।

स्वव्योकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्योक्षित्रक के कथ्याय 20-फ में परिजाबित हैं, बड़ी वर्ध होगा को उस कथ्याय में दिका स्वा है।

प्रतुसूची

फ्लैट नं० 71, जो 7वीं मंजिल, क्षितीज इमारत, पराग प्रेम, प्रिमायसेस को-प्राप० सोसायटी 47, एल० अगमोहन-दास, मार्ग, जिसका सी० एस० नं० 448, मलबार हिल डिवीजन, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० ग्रई-1/37-ईई/5292/8-4-85 और जौ सक्षम प्राधिकार्। बम्बई द्वारा दिनांक 22-1-85 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एस० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रापुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-I, बम्बई

दिनाँ 5 : 12-9-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायसिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज L सम्बद्ध बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० प्रई-1/37ईई/5571/84-85--- प्रतः पी० एन० दुबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है'), की धारा 269- क के कथीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.,00,000/- रत. से निधक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1-ए, त भ्रनीता को-श्राप० हाउ-सिंग सोसायटी लि०, मा उन्ट प्लैझट, रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से प्रणित है) और जिसका कुरारनामा भागकर श्रधिनियम, 1961की धारा 269 कहा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है दिनां ह 31-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रहरिकात संअधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नतिकित उद्बदेग से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किती आयः की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती वुवारा प्रकट नहीं किया। गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधेग, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— 25-286GI/85

(1) श्रनील कुमार भ्रम्रघाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती माणा भगत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारीकरकेपूर्वोक्त सम्पत्तिको वर्णनको लिख् कार्यनाहियां करता 📢।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब 🔏 45 दिन की अवधि या तत्त्रम्बन्धी स्प्रीक्तवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, बी 👯 अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवहरा किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शध्वों और पवों का, जो उपस अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिधानिक हैं, यही वर्ध होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ं 1-ए, जो असीता को श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिल, माउन्ट प्लेबंड रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अं० सं० अई-1/37ईई/5408/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 31-1-1985 को रिजिस्टर्ड शिया गया है।

> पीं प्राप्त दुवे सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अ(युक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-I, बम्बाई

दिनांक 12-9-1985 मोहर :

प्रकृत आहें की एन एस

नायकर निर्मानकम, 1961 (1961 का 43) की थाए 269-न (1) के नभीन कुकना

शास्त्र संस्कार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकर '(निर्णक्षण), शर्जन रॅज-I, सम्बद्ध

बम्बई, विनांक 12 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० मई-1/37-ईई/5573/84-85—मतः मुझे, पी० एन० दुवे,

अग्रकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राम्थिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, जो 7वीं मंजिल, और पार्किंग लाट, प्रेसिडेंट हाउस 83/85, वूडहाउस रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा धामकर श्रीधिन्यम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांश 31-1-1985

प्राधिकारी के क्ष्मालय में राजस्ट्री है, दिना है अर्र मुझे को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंदरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबस, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के सिए;

बत: बब, उसत अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण थे, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह---- (1) दिनेश बहल और राजेश बहल।

(ग्रन्तरक)

(2) गोविन्द भगवानदास, मोहन भगवानदास, और ्श्रीमती सिमा रमेश मुलचंदानी।

(भन्तरिती)

को वह तुषमा बारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के लिए.

दक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षेप द--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की बारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 विन की बविध, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति खुवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्यों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्युकी

पलैट नं० 702, जो 7 वीं मंजिल, और पाविण प्लॉट प्रेसिडेंट] हाउस, 83/85, बूडहाउस रोड, कुलाबा, बम्बई 5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋं० सं० श्रई-1/37ईई/5411/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 31-1-85 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंग-I, यम्बई

दिनांक 12-9-1985 मोहर अ प्ररूप बार्च .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश मं० प्रई-I/3-7क ईई/5927/84-85---- ग्रतः मुझे, पी० एन० दबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- र. से अधिक हैं
और जिसकी सं० पलट नं० 5, जो 1 ली मंजिल, मधुकर इमारत, सिवरी-वहाला, दक्षिण पूर्ण, रफीं महमद विद्वाई रोड, घडाला, दम्बई-31 में स्थित हैं (और इससे उपाबद मनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 30-1-1985 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युद्ध से उक्त बन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती कुमुवीनी हिम्मतलाल, त्रिवेदी। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरयू भरत देखिया और श्री भरत हिरयी देखीया।

(मन्तरिती)

को बहु बुक्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पत्रिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-ह⁴, यही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अम्स्ची

श्रातुमूची जै । कि श्रं० मं० श्रई-1/3्ईई/4408/84के 5 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांद 30-1-86 को रजिस्टई शिया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, सम्बई

विनाक : 12-9-1985

प्रकल् बाइं. टी. एव. एस .-----

नायकर नीभनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन क्षना

भारत शरकार

कार्याजय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्वेश मं० श्रई-1/37-ईई/5442/84-85—श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) (जिसे इसमें इसके प्रचास 'जनत अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह निष्णास करने का बारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव पलैट नंव 1305, जो 13वी गंजिल, पंचरत्न को-ग्रापव हाउसिंग सीसायटो लिव, ग्रापेरा हाउरा, दादई-4 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विजत है) ग्रीर जिसका करारनामा प्रायक्षर ग्रीद्दिक्षम, 1961 की धारा 269 कल के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 22-1-85

को पूर्वोक्त सम्परित के जीवत बाजार मूल्य से का। के क्रथमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि सथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार कृष्य; उक्षके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का कृष्य प्रतिशत से जिथक है और जंतरक (अंतरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नीसिकत उन्होंक से जनत अंतरण निश्चिक में बास्तिविक रूप से कथिश नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण में हुई किसी बाब की वबत, जक्त किमिनियद के अभीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूर्यिश के सिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन वा ास्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण कै, मैं स्वतः अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नितिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रोमती लिलता गौरी, तुलसीदास दोशी।
- (2) मेसर्स श्रोराम डायमंडस, श्रोरश्री भरत बाब्र्भाई भवेरी श्रौर श्रोमतं श्राशा बाब्र्भाई सवेरी।
 - (3) भन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके भधिभोग में सम्पाति है)

का बह सुवना जारी करके पूर्वनिक स्म्पृत्ति क वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पृति। के नर्पन् के सुम्बन्ध् में कीई भी बाक्षेप 🌫

- (क) इस स्वना के कवायत में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन की बनीध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 विन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त म्योक्तमों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होती.
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में द्वित-नव्य किसी मन्य व्यक्ति व्यारा मधोहत्ताकरी के पास निवित में किस् का क्कींचे।

स्वकाष्ट्रिकरणः --- हसमें प्रयूक्त सन्दों कीर वर्षे का, को अवस मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में विवा गया है।

अनुसूची

पलट नं० 1305, जो 13वीं मंजिल, पंचरत्न, को-माप० हाउसिंग सोसागटी लि०, श्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है। श्रनुसूची जैंमा कि ऋं० मं० श्रई-1-5/37ईई/328/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 22-1-85 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन**ः दुवे** सक्षम प्रा^भधेकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 12-9-1985

माहर 🖫

बक्त बाई. ही, एन. युस्तः लावाव

आयकर अधिप्रार्थात् । 1961 (1961 का 4%) की धारा । १८११ के अधीर मुख्या

भारत सरकार

कार्यालक, महायक कामकर आयुक्त (निरोधाण)

ग्रजंन रेंज-I, बम्बई

यस्यइ, दिनां . 12 रि.तम्बर, 1985

शायकर अभिनितान, 1951 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधिनियम प्राधिकारी की यह विस्थान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

- (क) अस्ति व हाइं किमी आग को बासन, उन्न र प्यो ते लीगे कार पन ले पास्क ह इग्नेस्ट्रें अभी कार्यन में उन्हें नवन में भार र के स्टूर्स
- (ख) एसं किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकत अधितियम 1922 (1922 का 11) या उत्त सीलीनअस अधिन अस्ति के अधिनियम, 1957 1957 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिन्नों स स्विधा के लिए;

बतः प्रबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्ट अधिनियमं की धारा 269-घ को अपरारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्रंतमती पुष्पा जै० कीपलानी।

(अन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड ।

(ग्रन्तरितं)

(3) ग्रन्तरितयों।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋतरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क येवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) रस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगें जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूचे?

फ्लैट नं० 45, जो "पुष्पा मिलन" सोर्फःया दालेज लेन, यम्बई-26 में िथत है।

श्रनुसूचः जैसा कि कि सं श्रई-I/37ईई/5378/84-85 श्रार जो सक्षम प्राधिकारः बम्बई द्वारा, दिनांक 30-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्रविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (गिरीक्षण) ग्रर्जन रोंज- , वस्बई

दिनांक: 12-9-1985

मक्त नार्धं डी. पन्त पत्र

बायकारु संभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बभीन सूचना

ब्राइट ब्रह्माह

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1. बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भई-1/37ईई/5476/84-85----भतः मुझे, पीं० एन० वर्षे,

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पण्यास् 'जनत कृषिनियम' कहा गया है), की भारत 269-ए के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह यि वास कारने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित नाजार मृत्य 1,00,009/- रा. से अधिक ही

सौर जिसकी संव युनिट नंव 427ए, जो साह एंड न.हर इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एसव जेव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूत्र) में ग्रीर पूर्ण रूप विशेषात है) ग्रीर जिसका करारतामा ग्राय १२ ग्रीधिनयम 1961 के धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रजिस्ट्री है, दिनांक 30-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के समित बाजार मूल्य से कम के कायवान प्रतिकल को तिए अम्त रित क्की गङ्क मभ्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसको इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंारिती (अंक्रा-रितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, िनम्नसिवित जब्देक्य से जक्त अंतरण सिवित में वास्तियक म्म्प से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुन्द निक्ती आय को नावत, उक्स विधिनियम के वधीन कर दोने ने मन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वधाने में सुविधा के विष्: व्यक्तिया
- (स) ऐसी किसी आय ना किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नायकार अभिनयम, 1922 (1922 का 11) या चक्त नाभिनियम, या धनकर व्यापित्यम, या धनकर व्यापित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ नन्तियों वृत्या प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिए वा किया में सुदिवा से प्रसूप;

ज्तः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡ अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 शाह एंड नाहर एसोसिएट्स।

(भन्तरक)

2 श्री नरेन्द्र ठक्कर ।

(ब्रन्डरिती)

को यह सूच्या कारी करके पूर्वांक्य सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

जन्य सम्मत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय :---

- (क) इस बूजना के राज्यका ने प्रकारन की तारीय के 45 विन की अपन्ति वा स्तर्भवंधी व्यविश्वां पर सूजना की ताजीन से 30 विन की अवधि, जो भी अविन वाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यविश्वां में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (व) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीय से 45 दिन के मीसर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए या सक्ती

स्पव्योकरणः — इत्र में प्रवृक्त वक्यों और पर्वो का, को उक्त अभिनियम, के अभ्यास 20-क में परिभाषित हूं, कही वर्ष होगा को उस अभ्यास में विका गया है।

धनुसुची

य्निट नं० 427ए, जो माह एंड नाहर इंडस्ट्रियक इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37ईई/5349/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा, दिनांत 30-1-1985 को रजिस्टडं वियागया है।

पी० एन० दुबे स्थान प्राधिकारी सक्षान प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षिण) सर्जन रेज-I, बम्बई

दिनां र : 12-9 1985

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बायुक्त (निरासक)

भ्रजीन ऐंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/5411/84-85----ग्रतः मुझे पी० एन० दुवे

नामकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम्' कहा युवा हु"), की धारा 269-ड के जधीन सक्रम प्राधिकारी को कह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से वरिषक हैं।

श्रीर जियको सं०कमरा नं० 8, जो सल माना, गंगा इमारक, टोपी~ वाला, लेन, डा० भड़कमक्षर मार्ग के सामने, (लैमिग्टन क्रेड) बश्बई-400 007 है तथा जो धम्धई-7 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावदा भ्रनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रीर जिसका करारनामा ग्राय हर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख ग श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, धिनांक 22-1-85 को पूर्णेक्त सम्परित के उष्पित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रीवक्तम के लिए अंतरिल की वर्ष हैं और मुक्ते वह विख्वास करने का कारण हैं कि बधावृद्यांक्त सम्पत्ति का उचित शाखार म्ल्य, उसके द्रायमान प्रतिकास से, होते व्यवनान प्रतिकास का पुल्क्य प्रतिवात से जीभक है और जंतरक जंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए सब पाया गया प्रतिकान, निम्मलिकित अनुवादेव के उपनत अंतरण लिखिता में शास्त्रविक रूप ठे कथित महीं किया पदा है ह---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिन नियम को अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में बृतिधा के लिए; अरि/बा
- (स) एंसी किसी काय वा किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ जन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया चामा चाहिए चा, **कि**याने में सुविधा ने विष्।

नतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के वनुसरक में, में, उक्त विधिनिवम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, व्यात :---

भूमतः कमलाकर चव्हाण ।

(अन्तरक)

2. श्री नरेण हरीयाम जेसवामी ।

'(श्रन्तरिसी)

भ्रन्तरितः ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के सिद्ध कार्यचाहियां करता हुं।

उन्द सस्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनीधि या सरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिओं में से जिसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में त्रकावन की वारीय से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अभोइस्ताक्षरी के गार लिखित में किए जा सकरें ने।

स्म्ब्योकरणः - इसमें प्रमुक्त खब्दों और पदों क्या, जो उन्ह नायकर अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्भ होगा को उस अध्याय भें दिका नवा है।

अनुसूची

कमरा नं ० ८, जो तल माला, गंगा इमारत, टोपीवाला लेन. डा० भडकमकर मार्ग के सामने (लैमिंग्टन रोड), अध्वई-7 में स्थित है।

ग्रनुसूचो जैसा कि क० सं० **भ**ई-1/3*7*ईई/5304/84-85 ग्रौर जो उक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-9-1985

वाष्ट्र :

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई- /37-ईई/5238/84-85--ग्रत:, मुझे, पी० एन० दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी सं० फ्लैंट नं० 12, 1ली मंजिल, समना अपार्टमेंट, डी० विंग, प्लाट नं० 926, टी० पी० एस० नं० 4, साहीम विभाग, न्यू प्रभादेवी रोड, बम्बई में में स्थित हैं (और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिपकी क्रारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की द्वारा 269 ल ख के अबीन व बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अपमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) है भें मुद्देना निष्डमें !

(अन्तरक)

(2) भोगा जीव हेस्स याप और अस्ता एसक घोषात ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति को अर्जन के लिए, कार्यवाहियाँ अन्या हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकार की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा:
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अवाहम्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसुची

फ्लैट रं० 12, भो 1ली मंजिल समाग उपार्टमेंट डी-विंग, प्रमुद्ध नं० १९८ टी० पी० ए५० नं० 4, माहीस लिखान, स्यू प्रभादेशी गोड क्यतर्ह में स्थित है।

> पी० एन० दुवे गक्षन प्राधिदारी, सहायक स्नायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन ज-1, वम्बई

तारीख: 12-9-1985

प्रकष मार्च .दी. एन . एस . -----

सायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-। अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई०- /37-ईई०_। 5445_। 84-85---श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लैंट नं० 47, जो 4थीं मंजिल, "चित्रकोट' 18/9, श्रार० ए० किडबाई रोड, वडाला, बम्बई-31 है तथा जो बम्बई-31 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद श्रनुमूचीं में और पूर्ण रूप से चिणित हैं), औय जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 26 क ख के श्रधींन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रामान प्रतिफल से, एसे श्रामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मैनम्नलिखित उद्विषय से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय े वायत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण कें, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात्:—— 26—286 GI/85 (1) श्री कांती लाल के० ठक्कर।

(भन्नतरक)

(2) श्रीमती चांदनी श्रीचंद और श्रीमती भगवानी बाई सतरमदास ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अधिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

सम्ब्दीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसमी

प्लैट नं० 42, जो 4थी मंजिन, "चित्रकोट" 13/9, श्रार० ए० किडचाई रोड. वडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कम सं० अई-1 37ईई 5331/84-85 और जो सक्षम अधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22→1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी. सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1़ वस्बर्ह

नारीख: 12-9 1985

प्रकम आर्घ . टी ्यून . ह्य , ;:-====

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-न (1) के संधीत त्यना

भारत धरकार

काशीसम, बहाबक बावकर बाय्क्ड (निर्दाक्क)

श्रर्जन रेज-ा, बम्बई

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव घर नंव 12-1/6. जो, त्यू सायन को-आपव हाउपिंग सोसायटी, निमिटेड, सायन (पंव), बम्बई-22 है तथा जो बस्बई-22 में स्थित है (और इपसे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिप मा करार तमा आयक्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के शायीलय में रजिस्ट्री है, सारीख 122-1-1985

को वृत्रोंकत संपरित के उचित बाकार मृत्य ने कम के अववाय प्रतिकत के सिए अन्तरित की गई है बीर कुने नई विकास करने का कारण है कि यथाप्नोंकत संपरित का उचित बाबार मृज्य, उन्ने अयमान प्रतिकत से, एसे अववाप प्रतिकत का वंश्व प्रतिकृत से अधिक ही जीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब बाया नवा प्रविक्ष कृत निम्मिशीकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कित में कास्तविक क्य से कथित नहीं विकास कहा है है—

- (क) अन्तरण तं हुइं किशी बाय की बाबत, उसक अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कती करने वा उससे बचने में सुविधा के सिन्ध; और/या
- (७) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य अर्थास्त्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवस, या धन-कर विधिनवस, 1957 (1957 का 27) वं प्रयोजनाथ वन्तीरती द्वार प्रकट नहीं किया ग्वा था वा किया जाना वाहिए था, क्रियाने जें गृशिका के विद्याः

बतः वन उनत निर्मित्सम की भारा 269-ण की नम्भूष्ट्य हो, मी, उनत निर्मित्सम की भारा 269-च की उपभाग (1) के अभीन, निर्मालिशित स्वित्यों, जर्थतः :---

(1) श्रीकाक्भाई जे० कक्कड़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमणीक भाई लाल कारीय और 7. श्रीमती मिना रमणीक कारीय।

(ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के वर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

अवत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्वीक्तवों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अभोहस्ताक्षरी के पास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध सिश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिश्वनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिना वदा है।

and)

हाउस न० 1 20, 6, जो न्यू सायन को-आप० हाउसिंग सोतायटी लि०, सायन (प०), बम्बई 22 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37-ईई, 5308/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांच 22-1-85

पीठ एसठ दुवे सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-,बस्बई

तारीख: 12-9-1985।

को एजिस्ट्री किया गया है।

प्रकृष वहरू . द्वी . युव . पुत्त . अ-----------------

जायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के सभीय स्वार

नारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, विनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश मं० ग्राई०-1/37-ई०ई०/5461/8585---अतः मुसे, पी० एन० दुवे

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा पत्रा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलैट नं० 62, जो 65 मंजिल, "चिन्नकूट" प्लाट नं 18(9), सिवरी बडाला, दक्षिण आकर ए० किदबाई रोट बडाला, बम्बई 31 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूचि में और पूर्ण रूप संविधित हैं), और जिसका कर रातामा आयवार प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं। नार उख 30वावा 9मैं 5

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वजापूर्वोक्त संपौरत का उद्देशत बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल के ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के बिए स्व सवा प्रसारका, विश्वसिश्वित स्वृष्टिय से उस्त श्रृष्टरण जिल्ला में वास्तविक रूप से क्रिया पहीं किया प्रवा है:—

- (ह) अन्तरण से हुई जिली आय की बावत, उपत अधिनयभ के बधीन कर बंगे के अध्ययक जी बाधित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; जीट/या
- (था) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य बास्तिकों को चिन्हें भारतीय जायकर जिपिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुकरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकित अधिनामें, अधीत :--

(1) श्रीकांतीलाल के० ठक्कर

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती चंपाबेन मुलचंद महा।

(भन्तरिती)

नी यह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया बुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पर्लंड न० 62 जो 6ठी मंजिल, "चित्रकूट" प्लाट न० 18(9), सियरी-बडाला, दक्षिण आर० ए० किंदवाई रोड, बडाला, बम्बई-31 में स्थित हैं।

अनुसूची जैमा कि कि० सि० अई-1/37/ईई०,5340, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-85 को रजिस्ट्री किया गया है।

> पी० एउ०हुवे सक्षम प्राधिककारी सहायक स्रायक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीत रोज-िबस्सई

तारीख: 12-9ब1985।

प्रकम बार्ड : हो . एम . एस . ------

भारत तरकार

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) चे मधीन सुचना

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 सितम्बर 1985

निर्देण सं० अई-1/37ईई/5444/84-85--- यतः, मुझे पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 41, जो, 4थी मंजिल, "चित्र-कूट", 18/9, प्रार० ए० किवसाई रोड, वडाला, बम्बई-31 है, तथा जो बम्बई-31 में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची म भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 22-1-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहश्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहस्मान प्रतिफल से, एसे रहस्मान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री काँतीलाल के० ठक्कर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्वेता सतीशकुमार श्रौर श्रीमती श्रम्नीर्ताबाई सुन्दरदास।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंस 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यभा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 41, जो, 4थी मंजिल, ''चित्र कटूट'', 18/9, ग्रार० ए० किडबाई रोड, बडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

ग्रनुम्बी जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/5330/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमाँक 22-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, बम्बई

दिनौक: 12-9-1985

प्रका बाद". टी. एस. एस.-----

जायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाव्सक (निरक्षिक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई क्यारिक 10 किल्का

बम्बई, दिनौंक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5220/84-85---श्रतः, मुझे, पी० एन० द्वे

कायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्हमें इन्नके परणाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 40, जो, बेन्यू श्रपार्टमेंट्स को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, फ्लैंट सं० 31, 3री मंजिल, देवरुखकर रोड, दादर. बम्बई-14 हैं में स्थित हैं (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णि हों हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-85

को पूर्वांचित सम्परित को उचित वाजार मुख्य संकम को उद्यमान प्रतिकास को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्ह्यास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सम्परित को उचित वाजार मुख्य, जसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रोत्तात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) से बीज एसे अन्तरण को लिए तथ पाया यथा प्रतिकास, निम्नसिवित उव्वोदय से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया यहा है ---

- (क) करारण से कृषं किसी नाम की नामत सकत विभिन्नम के सभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने वा उत्तते बजबे में स्विधा के मिए; बरेंद्र/वा
- (य) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में अयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा था किया जाना चाहिए था, स्थिपाने वें सुविधा को जिन्हा;

जतः जन, उपतः जीधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरच ज, मी, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वो जपीन, दिनस्तिविद्य व्यक्तितवों, ज्ञानित्य क्र- (1) श्री साम नौरोजो दस्तूर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री किरन कुमार श्री, सुपू जी खोंडा श्रौर श्रीमती ललिताबाई पीन् श्री किशोरकुमार जी० खोंडा । (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभाग से संपत्ति है)

को वह चुचना बारी करके पूर्वोक्त मुख्यक्ति के अर्थन के निष्

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इत स्था के राज्यक में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की मविभ, जो भी वविभ बाद में समाप्त हांसी हो, के भीतर पूर्वोक्त ग्यक्तियों में से किसी स्पब्ति हुताराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश सं
 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निकित में किए जा सकींने।

स्वक्रीकड्य: ---इसमें प्रयुक्त सम्बंधिर पदों का, जो उक्त विभिनिषम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वम्स्यो

प्लाट नं 40, जो, वेन्यू श्रपार्टमेंट्रम, को०-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फ्लैंट मं 31, 35। मजिल, देवरूखकर रोड, दादर सम्ब ξ -14 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कं सं श्रई०- $\frac{1}{37}$ ईई $\frac{5186}{84-85}$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्राय**कर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्फ्

दिनौंक : 12-9-1985

मोहर ध

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

माध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-क (1) के क्यीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निदेश स० अर्ध-1/37ईई/3444/84-85-- श्रतः, मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परभात् 'उसत अधिनियम' कहा नगा है), की भारा 269-स के अधीन तथान प्राधिकारों की यह निक्यास करने का करण है कि तथानर सम्पत्ति, जिसका उचित वासार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 1, जो 1ली मंजिल, गतानाथ को-भ्राप० हाउसिंग सोसाइटी लिं ०, 218, सेनापित बापट मार्ग, दादर, बम्बई-28 है तथा जो बम्बई 28 में स्थित है (श्रीप इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कव से बिजत है, और जिसका करारनामा श्रायकरअधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-1-1985

को पूर्णेक्त संस्थित को उचित बाजार मृत्य ए कह को अवस्थात प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास अपने के कारण है कि स्थाप्केंक्त कर्मांत का उचित बाजार पृत्य, उसके अवकान प्रतिकास है, एसे अपनान प्रतिकास का अन्तर् प्रतिकास ते अधिक है और अंकरक (अंकरकों) और संवरिती प्रतिकास , निम्मितिका उपयोगों से उनत बन्दर कि लिकित में (अन्तरितामों) को बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया नया बास्तिक अप से क्षित महीं जिन्तरण को निए तम पाया नया बास्तिक अप से क्षित महीं जिन्तरण को निए तम

- (क) कलायन से हुए फिली नाम की नामक उनत विध-चिम्रक की नमीन कर बीन के अभायक की वामित्त में कनी कहने वा उपसे क्यमें में सुविना की सिए; बीर/याः
- (था) एसी किसी बाग था किसी थन या बच्च वास्तियों की, जिन्हों भारतीय भाग-कर विधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियन, या वम-कर विधिनियन, या वम-कर विधिनियन, या वम-कर विधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्विष् वृत्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया वाना वाहिए था, दिवाने में स्विधा के विद्

चक्क: बर्ब, उक्त विभिन्नियम की धारा 269-ण की बनुसरण की, भी, उक्त विजिन्यम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की बाधीस की किलाजिक्त व्यक्तिहरूकी, वार्कास क्रास्ट्र (1) शाँताराम शेषगिरी प्रभू।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रंग विठ्ठल कदम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वपाष्ट्रियों करता हूं।

एका बारुशित के कर्पन की बारुला में कोई भी भारते :---

- (क) इस ब्रुचना के राजनम में प्रकाशन की तारीय से 45 विश की अनीय ना तत्त्वंत्री व्यक्तियों पर ब्रुचना की तामीस से 30 दिन की मनिथ, जो भी ब्रुचीय बाद में समान्य होती हो, के मीतर पूर्णेंक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति व्यवस्थाः
- (थ) इस सूचना से रायपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीवर जनत स्थापर सम्पत्ति में द्वित-नवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्याहल्ताक्षरी के नास विश्वित में किए जा सकते।

स्पन्नकि उन् :---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, को उन्त व्यक्षितिका, के अभ्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होता, को उस अभ्यास में दिका क्या है।

अनुस्भी

पर्लेट नं ० 1, जो 1ली मंजिल, गनानाथ की-ग्राप० हार्जानग सोमाइटी लि०, 218, मेनापित बापट मार्ग, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुपुतः नैमा कि कल्मल अई-1/37ईई/3810/84-85 और जो सक्षम बाधिकारी, बम्बई ब्राग दिनौंक 5-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1985

मोहर: :

वस्य बाह्र टी. एव. एक. ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन क्वमा

HITE WORK

कार्यालय, सहायक बायकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 मितम्बर, 1985

निदेश मं० श्रई-1/37-ईई/5586/84-85-- श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाल 'उक्त सिंपनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 म में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य :,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लेट नं० 25, जो ए-विंग, सायन-श्री कृष्णयला को-म्राप० हाउसग सोसाइटी लि०, 33 भीर 1/34, इंकन-कांजवे रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 262 कु,ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 31-1-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यज्ञान श्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विक्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार यस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिसत से अधिक ही और मंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (बन्ति रितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार, निम्नलिसित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिसित में गस्तिजिक ऋष से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अप्तरक दावित्व में कभी सरने या उसने बचने में अविधा चे जिए; नौर/वा
- (का) एोसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, यह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिशा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त व्यधिजियम की भारा 269-च की उपभारा (1) फे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कारेतु:---

(1) श्रीमित सीताबाई रामचन्द रामचन्दानी।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमति निवेदना हर्षद ग्रौर श्री हर्षद बाबुलाल शाह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेधिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) हुद् बुच्या के राज्यम् में प्रकार्य की तारीब से 45 बिनु के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में द्वित-बहुध किसी बन्द व्यक्ति धुवारा, वधांइस्ताक्षरी के वास निविद्य में निग्र का तकोंने ।

ल्क्जीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के बध्याब 20-क में परिभाषित 📢, बहुरी अभे हार्गा. जो उस अध्याय में दिया गया

ग्रनुसूची

फ्लेट नं० 25, जो ए-विंग, सायन-श्री कृष्णालय को-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 33 श्रीर् 1/34, इंकन काजवे रोख, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैना कि क**० म० प्रई-1/37ईई/5420/84-8**5 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 31-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) श्चर्यनरें ज-1, बम्बई

दिनांक: 12-9-1985

त्रक्ष्य बाह्री, टी. एन. एस. ----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मंभीन सुमना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई दिनांक 4 सितम्बर, 1985

निदेण सं० श्रर्ह-2/37ईई/16726/84-85— श्रतः मुक्षे, प्रशांत राय,

जायकर जिभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 260 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रहन से अधिक हैं

- (%) मन्तरण से शुद्द किसी नाम की बायत उपद व्यक्ति-श्रिम में स्थीन कर दोने के मन्तर्क के दावित्व में कसी करने या इसने बचने के सुविधा के मिन्ने; जॉर ना/
- (श) एँसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभिनियम, विकास विकास प्रकार महीं किया गवा धा वा किया जाना चाहिए था, फिपाने में बुविधा है निए;

कतः बज, उक्त अभिनियमं की धारा 269-र के. अतसरण के में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ज की उपधारा (†) है सभीत, निक्तिज्ञिक व्यक्तिस्यों, क्योंत् प्रच्य (1) श्री झियाउधीन बुखारी।

(अन्तरक)

2) युसुफ भौलाना कासिम पिजवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन का भविध या तत्सम्बन्धी ध्यतिसयाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, या त्री बनिध नाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति मं हित-बह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्वक्तीकरणः इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को जनत जिमित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं जर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

फ्लेट नं० 104, जो ाली मंजिल, इमारत नं० 18, सर्वे नं० 41, बेह्राम बाग के पीछे, जोगेयवरी (प), बम्बई-4000 58 में स्थित है।

श्चनुसुचो जैसा कि ऋ० मं० श्चई-2/37ईई/16726/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधि*धार!*, बम्बई द्वारादिनांक 21-1-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीख: 4-9-1985

मोहर 🔆

प्रकृष बाह्र टी. एन. एक . गार्थक का रहनाम

सामकार समिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन नृष्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. अस्त्रई

ं बम्बई, दिनांक 4 मितम्बर, 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/16208/84-85--- ग्रतः मुझ, प्रशांत राय,

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके प्रभात 'उत्वत मिनियम' कहा गर्म हैं), की भारा 269-च के अधीन समस्प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि अभावभींकत सम्मत्ति का उपित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 602, इमारत नं० 1, जोगेश्वरी (प) बस्यई-58 में स्थित है (प्रीर इसने उपावड अनुसूची में प्रीर पूर्णस्थ से विणत है) और जिनका एरारनामा प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के ग्रधीन, वस्वई स्थिम सक्षम प्राधि एरी। के कार्यालय में पित्रस्ट्री है। सा ख 10-1-1985 को पूर्वोंकत सम्पर्दित के उचित बाजार मृतय से कम के स्वयमान प्रतिक्रम के निष् बन्तरित की गर्द है और भूके गर विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपरित का उचित याजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिक्रम से एसे स्थमान प्रतिक्रम के पन्स प्रविक्त से प्रकेश का जीवत याजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिक्रम से एसे स्थमान प्रतिक्रम का पन्स प्रतिक्रम से विषय प्रीप्त के वीच एसे बंतरण के लिए तय वावा गया प्रीप्तिक्त, निम्निविद्य उद्युवदेय से उन्त व्यवस्थ रिचित में वास्यविक्त का से किया वहीं जिन्हा व्यवस्थ है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावस, उबर अधिनियम के अधीन कर धीने के अन्तरक के अधीनक की कभी अधीन के अस्तरक के अधीनक की कभी अधीन के अस्ति के क्षिका खे किए; बरि/वा
- (व) श्रेसी किसी बाव वा किसी धन वा अन्य आस्तियों की, विस्तृ आरसीन आवकर अधिनियनम्, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम्, या धन-कर अधिनियम्, 1957 (1957 का १७७) अ प्रयोजनार्थं अन्यरिती द्वारा शकत गृहीं किमा नथा धन या किया शानः व्याप्ति एवर्रा शकत गृहीं किमा नथा धन या किया शानः वर्षीगृह पा, रिक्रमाने के गरिश्वरा से सिक्रम से सिक्रम सामान

बतः सन, उसत नीधीनवय की धारा 269-ग के जन्तरक माँ, मी, अवत जीधीनवम की धारा 269-व की उपधारा (1) की नधीन निम्निजित व्यक्तियों, नधीत :----27---286GI/85 (1) भा भियाउचहान बुखारी।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीः महमद युनूम मिया महमद मंत्रारी। (ग्रन्सरिती)

को यह भूषना बारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्थन के किए कार्यगाहियां करता हा।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) एक त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की मगीम या तत्त्रमन्धी स्विक्तकों पर सचना की मानीय से 30 दिन की नगीम, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकींगे।

ग्यक्टौकरणः---इससे प्रयुक्त वक्कों और पदों का, जो उक्क नौभीनवज के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, कही जर्ब होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्स्यी

पलेट नं० 602, जो 6वी मंजिल, तमारस नं० 1, सर्वे नं० 41 (पार्ट) ओफियरा विलेज, बेहराम बाग के पिछे, वोगभ्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

भ्रम्सूनी जैसा ि ऋ० सं० वर्ष-2/37ईई/16208/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राभितारी, वस्बई द्वारा दिनांक 10-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राय्वत (निरोक्षण) भ्रार्जन जि-2, वस्बई

तारीख: 4-9-1985

मक्य नाई. टी. एव. एव. स्वा क्यान्स्य नायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्थान

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) वार्णम रेंण-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 4 सितम्बर, 1985

निदेश सं० मई-2/37ईई/16790/84-95--- सतः मुझे प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, है जो, इमारत नं० 13, जोगेप्यक्ती (ए), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्यः में
श्रीर पूर्णक्ष में विणित है), और जिसका करारनामा झायबर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्ष
प्राधिकारों के कार्यालय में रिजर्द्रः है हारि क 2---1985
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्श्यमान
प्रतिक्ष्त के लिए अन्तरित की गई है बार मुखे यह विकास
करने का कारण है कि मभाप्येक्ति सम्पीरा का उचित बाचार
मृत्य उसके क्यमान प्रतिक्षत से, एसे क्यमान प्रतिक्ष का
पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती
(बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के जिए तब पावा नवा प्रतिक्स जिम्मिया ब्रूबोव के वक्त कक्तरण विशिष्ठ के प्रकारिक
क्य जिम्मिया वर्षों किया गया है क---

- (क) अन्तरण संदुर्व किसी आग की गामन । इक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को । बागित्य में कभी करने वा समसे बचाने में स्वित्र के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आठ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपक अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में भृतिभा के तिषः

अतः जम, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;---- (1) श्री शियाउद्दीन बुखारी।

(प्रतरक)

(2) ग्रमीनावी इषाहीम बुखारी।

(प्रन्तरिती)

नारे सह सूज्या बाड़ी सहस्ते पूर्वोच्छ सुन्तृतिहा से स्थंत से जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वनव बन्दरित के वर्षन के बुज्यून्य में कोई श्री आबोप्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास विवित में किए बा सकी।

स्था करणः --- इसमें प्रयुक्त धन्यों बार पदों का, वा उक्त वीभीनयम, के बभ्याम 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया दमा है।

भनुसुषी

फ्लेट नं० 501, जो 5वीं मंजिल, इमारत नं० 13, सर्वे बम्बई-58 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि कि में शई-2/37ईई/16790/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4सित्रभ्यर, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणान्त राय सक्षम प्राधिकारी सायक श्रायकर श्रायक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 4-9-1985

गोहर:

प्रसम् नार्षः सी. एन . एक्. ------

बायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

गाउँच जडाका

कार्यासन, सहायक आयकार आयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश मं**० श्रई-2**/37**ईई**/16791/84-85--- **श्र**तः मुझें, प्रशांत राय,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के वभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

- (क) बन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत उक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन न नम्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरक्षी द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में श्रीकाल के निष्,

क्षः वयः, उत्थत विभिन्तियम की धारा 269-ग के बन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रो सियाउद्योन बुखारी।

(मन्तरक)

(2) श्रो इमामुद्दीन नूरुद्दीन बुखारी।

(भन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के सूर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के नर्जन के सम्बन्ध के कोई भी वाक्षेप प्रनन

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (ख) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतन उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्त्री

फ्लेट नं 402, जो 4थीं मंजिल, इमान्स नं 13, सर्वे २० 41, स्रोधिकरा विलेज, बेहमाम बाग के प्रेष्टे, जोगे ध्दर्र (ए), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क० मं० अई-2/37ईई/16791/85-85 और जो सक्षम प्राधियारा, बम्बई द्वारा दिनीक 25-1-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> हशांत राय नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजीन रेंज-2 बस्बई

नार ख: 4-1-1985

प्रकार बार्ष हो । पुन । परा . ------

बारकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अधीन स्वता

भारत सरकाई

भाषांसय, सहायक बायकार बायुक्त (गिरांसाण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनाँक 4 सितम्बर, 1985

निदेण सं० ग्रई-2/37-ईई/16727/84-85---यतः म मुझे प्रशांत राय

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत जिभिनियम' कहा पदा हैं), की धाख 269-च के अभीन सभाव प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका जीचत वाणार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 704, इमारत नं ० 17, जीगेण्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा भागकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम पाधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रों है, तारीख 21-1-1985

को प्रांचित संपत्ति के उधित बाजार मूल्यं से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एंग्रे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकत से अधिक है और यह कि अवरक (अंतरका) और जंतरिती रिती (अम्बरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्निलियित उस्टिंग में उन्त अन्तरण सिचित में गास्तिक रूप से किश्व नहीं किया गया है मन्ते

- (क) जनतरक से हुई मिश्री जाय की बाबत, उक्त जभिनियत के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; बॉड/बा
- (क) एसी किसी जाय या कियो धन या धन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय जाय-कर निश्चिम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अजजर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा को लिए;

कत्र कर, उक्त कार्यानिकम की भारा 260-न के बनुसरण को, की, उक्त कार्यानियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के क्योंन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जियाउद्दोन बुखारी

(भ्रत्तरक)

(2) महमद इद्रीस मोलवो कासिम पिजवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवादियां करता हुं।

जबस सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी काकोप ध---

- (क) इब स्वान के सवपन में प्रकाशन की सारीय हैं
 4.5 दिन की नविभ या स्टस्यन्थी व्यक्तियों पर
 स्मान की सामीस से 30 दिन की नविभ, जो भी
 नथि। नाम में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकारन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हिराबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निज्ञित में किस का सकेंगे।

स्वक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उनके मिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका

मन्त्रची

फ्लैट नं० 704, जो सातवीं मंजिल, इमारत नं० 17, सर्वो नं० 41, बेहराम बाग के पीछ, जोगंश्वरी (प) बंबई-400053 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ॰ सं० अई-2/37-ईई/16727/84-85 प्रोर जें। तक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वार दिनौंक 21-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशाँत राय सजन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौक: 4-9-1985

मोहर 🙄

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अम्यकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वम्बई

वम्बई, दिनाँक 4 सितम्बन 1985

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/1610**0/84**-85---यतः मुझे प्रशांत राय,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावार संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, इसारत नं० 11, जोगे ख्वरी (पं०), बम्बई 58 में स्थित है (स्रोर इक्षे उपार्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विशत है), श्रोर जिएता क्यारतामा स्रायकर 1961 स्रधिस्थिम की धारा 269 के, खेक स्रधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, बम्बई में रिपस्ट्री है, तारीख 3-1-1985

ा पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंगरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल लिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जानवन में हाई जिन्हों भाग की नायतं. तकतं रहेश्रीप्रकात के संधीत क्षेत्र नोते के प्रकारक की दर्गिक में क्ष्मी शरने पा तकत वाला यो सुविधा के नित्तर, सीर्यनः
- ार प्रस्तिक कार्य सा किसी धन वा अन्य वास्तिकों कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धरानकर अधिनियम वा धरानकर अधिनियम । 1957 (1957 का 27) कार्यन प्रस्तिक प्रस्तिक वा प्रस्तिक प्रस्तिक

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिरियम की धारा 260-ध को उपधारा (1) को अधीन, निम्हेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) महमद सबीर खान।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामीं न से 30 दिन की अविध , को श्री जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्मा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितंबह्थ किसी जन्म स्थानत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हु²।

अनसची

पलैट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 11, सर्वे नं० 41, ग्रोजिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंगा कि कि० सं० ग्रई-2/37-ई $\frac{1}{2}/16100/84$ -85 ग्रार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ढ़ारा दिनाँक 3-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रसाँत राथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, वस्बई

दिनाँक: 4-9-1985

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

RIEN REMAR

क्षायांजय, सहायक वायकर वायुक्त (निरोक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 सितम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/16133/84~85---यतः मुझे प्रशांत राय

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परशात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च में बचीव सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नावार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

को पृबंबित सपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतियांतियों) के कीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में बास्तिबन कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्यरण से हुई किसी बाय की बाबत , उबस विभागम के वधीन कार दोने के अन्तरक के दारित्य के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- ्व) एसि निस्ती भाव या किसी भन या भन्य नास्तिकों को भिन्ह भारतीय नायकर निर्धितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धितयम, या धनकर निर्धितयम, या धनकर निर्धितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करादिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में सुनिधा के निर्ध

ज्तः अव, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुनीरा श्रब्दुल हमीद शेख (श्रःतरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्शिक अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की स्वृत्ति या त्रसंबंधी व्यवित्यों प्र स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, ओ की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट स्वावता में से किसी व्यवित द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की हारीस स 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्माक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उदल आयकर शिंपियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यार 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गुरा है।

रवर्ष

पलैट नं २ 704, जो भातवी मंजिल, अमारत न० 19, सर्वे नं २ 48, भ्रोणिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, भ्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

भ्रानुसूर्व जैसा कि के० स० श्रई-2/37ईई/16130/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> यान राय नक्षम शिवकारी स**हायक श्रा**यकर श्रायुक्त (गिराक्षण) श्रर्जन रंज-1, वम्बई

तारीख: 4-9-1985

बोहर ह

प्रका बाह् हो एन एस-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निराक्षिक)

म्रर्जनरें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/16134/84-85-- अतः मुझे, प्रशाँत राय.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० पलैट नं० 602, इमारत नं० 2, ग्रंधेरी (प), वस्वई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रंप पूर्ण कर से विजन है), ग्रीर जिसका करारनामा भायकर ग्रिधिनयम 1961 की धार 269 कल के ग्रंधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकरों के कार्यालय में विजित है तारील 7-1-1985

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रथमान पितपाल के सिए अन्तिरत की गई है और भूमे यह विश्वास करने का करण है कि यथाप्नोंकित संपत्ति का उचित वाचार नृत्य इसके स्रथमान प्रतिक्षण है, एवे स्वयमान प्रतिक्षण का पण्यह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) बीर जन्तिरती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीनिवित उद्वेष्य से स्ता अन्तरण है किया के अपना से किया कर से किया नहीं किया गया है किया से क्षा से किया कर से किया नहीं किया गया है किया से किया कर से किया नहीं किया गया है किया से किय

- (कः शन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने के कृषिणा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आहिताओं कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की जणभारा (1) के अधीरन, निम्नलिखाः अकितवों, वर्षात् :--- (1) श्रो जिया उद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित रेहमत यस्मीन श्रन्लाडिया। (श्रन्तरिती)

का कह त्था वारी करके पृवाँकत सम्पृत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त बन्मत्ति के अर्थत के मन्त्रनथ में कांद्रे नी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ण) इस त्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्मत्ति में हितनव्ध किसी मृत्य व्यक्ति व्वाय स्थाहस्ताक्षरी के पास सिनित में किए वा सकेंगे।

स्या किरणः --- इसमें प्रजुक्त शब्दों कीर प्रदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं []]

अनुसूची

फ्लैट नं० 602, जो, छठवीं मंजिल, इमारत नं० 2, सर्वे नं० 41, श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, ग्रंघरी(प), बम्बई-58 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-2/37ईई/16134/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनौंक 7-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक **भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)** स्रर्जेत रेंज-2, बम्ब**र**

तारीखा: 4-9-1985

मोहर 🖫

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(1) व सिराजनो स्वासी ।

(अस्तर्क)

(८) होता अल्ड्स संगर।

(ग्रन्ति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बाई दिनांक 4 सितम्बर 1985

नि**देश सं० ग्रई-2/37ईई/16221/84-85-** ग्रतः मुझे, प्रशांत रायः

नायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) ('जसे इसमें ध्सके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, इमारत न० 9, जोगे क्वरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में अंग पूर्ण रूप से विज्ञत है). और जिसान करारतामा आयकर अधि- दियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, वस्वई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यात्रय में रिजस्ट्री है तारीख 10-1-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह निक्तात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार दूच्य, उसके द्वयमान प्रतिफल के विद्यमान प्रतिकल के विद्यमान के विद्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को किसी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिक के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

को यह सूचना कार्यः कारके पृश्लीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के एजरह में काल के आरोध है 45 दिन का अगिक राजनामा गाँ। अगिकारों पर गुमान की लगिक हो भी अगिक की मी अगिक की मी अगिक माने मी कि कि मी काल माने माने कि किसी कालित बागा।
- (ध) इस न्वना को राज्यक में प्रकारण की तारीस सं 45 विन को भीतार उच्च स्थादन स्थापन मा दितनद्भ किसी जन्म स्थापन स्थाप अ किस्पासारी के पास्

ल्हा जा जगवर सत्वा और गर्या का जा उक्त श्रीविष्ण के अध्याय 20-क में परिमाणित है, पहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्चीं

पलीट नं० ४०। जो शास्त्री मंचिल, इमारत नं० 9, सर्वे नं० 41, अभिकार विकेष, हेहराम बाग के पोछे, जोगेण्यरीं(प), व-पई-58 से विकेष हैं।

अनुत्वी है। कि कं स० आई-2/37ईई/16221/84-85 और ंको कंग ह लगरी, त्वकी द्वारी किटी ह 19-1-1985 को रिक्टर्ड ें हैं गया है ।

> प्रणांत राव ंथ्यम् आक्षित्रारी संह्यात् **भाषकार श**्रापुकाः (किशे**क्षण)** सर्वत्रेज-2. वस्व**ई**

तारीख: 4-9-1985

प्रकृप बार्ड . टी. एन . एस . जनस्वरण-----

बायकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर नायक्त (निर्दाक्त) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० ऋ६-2/37-ईई/16871/84-85--यतः मुझे प्रशांत राय,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सभ्यति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकों सं० फ्लैंट नं० 503, इमारत नं० 19, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित हैं), और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याल,य बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 25-1-85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयभान प्रतिफल को लिए वन्तिरत की गद्द हैं गर म्भे यह विष्वास करने का कि यथा पूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अब्ब देय से उक्त अन्तरण लिबित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, स्रका विधिन्त्रत के बजीन कर धीने के अंतरक के वादित्य में कामी कारने मा उससे हका हो जातिला के जिए; बीर/बा
- (क) इंदी किसी बाब वा िकसी भन वा बच्च अस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कार वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में खुविधा औं विद्

अतः अब्र. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीतः निम्निमित व्यक्तियों, कर्मात् :— 8—286GI/85 (1) श्रीं श्रियाउद्दीन बुखारी।

(श्रन्तरक्.)

(2) श्री श्रल्ताफ श्रब्दुल हरुमी मोमिन (श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति सं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्क बम्मीत्व भी मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षम ाञ्च

- (क) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अन्धि, को भी विधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वतियाँ में से किसी स्वित् कार्यन
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींत से 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म अमिकत ब्वारा अधोहस्ताकरी के शह लिखित में विषय का सकेंदी।

स्थानिकरण: ----ध्समें प्रयुक्त संख्यों और गयों का, थां जनस् वीभीनवम, के संभ्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होशा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूचीं

फ्लैंट नं० 503, पांचवी मंजिल, इपारत नं० 19, सर्वे नं० 41, ओशिवरा विलेज, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा िक कि सं अई-2/37-ईई/16871/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 25-1-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय पक्षम पाधिारी सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बस्बई

दिनांक: 4-9-1985

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्-2, बम्बई

बम्बई,, दिनांक 4 शितम्बर 1985

निदेश सं० प्रार्थ-2/37-ईई/16074/84-85- यतः मुझे, प्रशांत रायः

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 704, इसारत नं० 8, जोगेष्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से चर्णित है), और जिसका करारनामा आयश्र अधिनियम की धारा 269 के खे के अधीत नक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बग्बई में रिकस्ट्री है, तारीख 3-1~1985

को पूर्विकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रितिफल ते, एंसे रूरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिमित ये वास्तिबक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है :——

- (E) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (म) एसी किभी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों अर, जिन्हें भारतीय आयकर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, स्पत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीं जियाउद्दीन बुखारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) अहमद गमील ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों का स्वान की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रवेचिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस, अध्याय में दिया गया है।

मनस ची

फ्लैंट नं० 704, जो सातवी मंजिल, इमारत नं० 8, सर्वे नं० 41, ओशिवरा चिलेज, बेहराम बाग के पीछे जोगम्बरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/16074/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, किरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, बम्बर्ड

दनांक 4-9-1985

माहर 🤢

प्रकृष वार्ड . डो . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर काय्कत (निर्पक्षिण)
श्रर्जन रेंज-I, बम्बई
बम्बई, 4 दिनांक 9 मितम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई,-2/37-ईई/1.6065/84-85-श्रयतः मुझे. प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जियकी सं० फ्लैंट नं० 701, हमारत नं० 17, जोगे-श्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ श्रमुसूची में और एणं रूप में विणित हैं), और जिस् ा इरार-नामा श्रायंकर श्रधिनियम की धारा 269: ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के एपर्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 3-1-1985

का पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के हरधमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीध एसे बन्तरण के लिए तम पाया मया प्रतिक कम, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण

मैं. मैं उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

मैं मधीन. गिम्निचित्रं व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री जिया हीन बुखारी।

(भ्रन्तरक्)

(2) अंजुम बेगम जुबेर।

(भ्रन्तिनी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपित के अर्थन के संबंध में कोई मी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों दह सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) ६स स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः - इसमः प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में पौरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 701, जो शातवी मंजिल, इमारन नं० 17, सर्वे सं० 41, ओणिवरा बिलेज, बेहराम वाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-2/37-ईई/16065/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रारा दिनांक 3-1-1985 को रजिस्टई शिया गया है।

> प्रशांत राय स क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), स्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनां क : 4-9-1985

मोहय:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 4 मितम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/16788/84-85-यतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रत. से अधिक है और जिल्की मंं क्लैंट नं 401, इमारत नं 13, जोगेश्वरी (प) बम्बइ-5के में स्थित हु (और इससे पाबड श्रनुसूवीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा श्राय: अधिनियम की धारा 262 ए ख के श्रधीन सक्षम आहे. परी बस्वई. में रिकस्ट्री है, तारीख 24-1-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एंसे एरयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकार से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः दश्व. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण रैं. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी ।

(श्रन्तरक)

(2) ग्रहमद जमील इसामुद्दीन बुखारी। (ग्रन्तिग्ती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्यत जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 401, जो चोथीं संजिल, इसारत नं० 13, सर्वे नं० 41, ओशिघरा विलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरीं (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/3-ईई/16788/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई, दिनांक द्वारा 24-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजु1, बम्बई

दिनोक: 4-9-1985

प्रस्य बाह्र . टी., एत्. व्ह., नाराज्यात्रा

बावकड़ विधियमम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में विधीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यक्रय, सङ्गवक आवकर माबुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं । अई 2/37-ईई/16708/84-85--- अतः मुझे; प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401. इमारत नं० 2, जोगेण्वरी (प), बम्म्बई 58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसकी करारनाम आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिए के वार्यालय, बम्बई में रिजर्स्ट्री हैं, तारोख 21-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित को गई हैं और मूक्त यह विश्वास का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाधार मूल्य ससके कश्यमान प्रतिक्तस से, एसे दश्यमान प्रतिक्त में पंदह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्बरित (अंतरितियों) के भीच एसे मंतरण के सिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में क्लब्रिक का वे किया नहीं किया गुना है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वर्धिय यें कभी करणे या सससंबंध में शुविधा के स्वर्ध, कीक्स/का
- [क] एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्न वास्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनिवस, 1922 (1922 पा 11) ा उन्तर अधिनिवस, या धनकार अधिनिवस, 1957 (1957 का 27), के प्रसोजनार्थ अन्तरिर्देश हुनारा प्रकट नहीं किया चना था या किया जाना संस्थित था, किया स्रीक्ष था, किया स्रीक्ष के शिक्ष:

बतः जन, उन्त विधिनियम् की धारा 269-ग के बनुबरण वें, में, उन्त अधिनियम् की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के बचीन, निम्मनियित व्यक्तियाः अर्थात् क्ष्म (1) श्री जिया दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री करीम खान अयूब खान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ारीस में 45 दिन के मीतर सकत स्थावर सम्पंति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकी गे।

ल्याकीकरणः —-धममाँ प्रमूखता अध्या श्रीत प्यां का, श्री उपल संचित्रियम, के अध्याम 20-क मां परिभाषिय हाँ, वहीं नयां द्वापत के उप ८००० हैं किया। गया हैं।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 401, जो चौथी संजित, इमान्त नं० 2, सर्वे सं० 41, ओशियरा विलेज, वेहराम काम के पोछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० गं० श्रई-2/37ईई/16708/ 84-85 और जो क्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 21-1-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ड**

दिनांक 4-9-1985 मोहूर : प्रकृष बाहुँ . टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नधीन मुचना

भारत सरकार

भावांचय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर, 1985

निवें म सं० श्राई-2/37ईई/16209/84-85—ं श्रतः, मुझे, प्रमात राय,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (१९61 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वताह जिस्त विभिन्नियम कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी सं० फ्लैंट तं० 302, इमारत तं० 1, जोगेक्वरी (प), जम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिस्सा स्थाननामा आयार अधितियम की धार। 269 व ख के अधीन सक्षम प्राधि अर्थों के लार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारोख 1,0-1-1985

को पूर्वेकित सम्यक्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके रह्यकान जोतको है एसे अवस्कान जीतकान का पेद्रह प्रतिकात से ऑपक की दीन जितका (अनरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जलारक हे हुई फिली बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व को कमी अन्तर्भ अन्तर्भ नवाने की मृश्विका क लिए; आर्/मा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन मा अन्य बास्तियों जाने, जिल्हों भारतीय बान कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, कियाने बो क्विभा के सिए;

बतः कथ, उपत अभिनियम वी भारा 269-म को अनुसरण मों, मों, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भूथांत् क्षा (1) श्री जिया दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रब्दुल श्रजीण ए० रजक मंसूरी। (श्रश्तरिती)

स्त्री कह जुलका चाडी करकं पृत्रोंकत सम्पन्ति से वर्षन से हिन्छ कार्यमाहियां करता हुं।

जबक कम्पृतिक के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र:--

- (क) इस सूचमा के राजपन में मकाचन की राष्ट्रीय सं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ट सूचना की शामील से 30 दिन की कामभि, वो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति बुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षतीकरण: -- - इसमी प्रशासना शास्त्रा और पदा का, का उपल अधिनयम, के मुख्याय 20-क में पृरिधाणिक इ⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया मुखा है (है)

शन्सूची

फ्लैंट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, इमारत न० 1, सर्वे नं० 41 (पार्ट), ओशिवणा विलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूचीं जैसा कि ऋ० सं० ६-2/37-६६/16209/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 10-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारीं सहायक **भाय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, **बस्बई**

दिनाक: 4-9-1985

प्रकप कार्द. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) नी धारा 269-ज (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, पहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन र्ज-2,

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश मं० श्र**ई**-2/37ईई/16135/84-85—-श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार ब्रंच

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 604, इमारत नं० 2, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिमका करारनामा भ्राय-कर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारोख 7-1-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रव्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्में यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रव्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तिरित्या) के पीच एसं अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिली जाय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के बंधीन कर दोने के बन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के सिए; व्यदि/या
- (म) एसे फिसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तिकों कर्ग, जिन्हों भारतीय आयकर शिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारता असीरियम, 1957 (त्रिक्त का या प्रकारता असीरियम एका स्वाह नहीं किया गया प्राचा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किय:

बत: अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण बो, बो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित स्थितस्यों, अथित है— (1) श्री जिया दीन बुखारी ।

(ध्रन्तरक्ष)

(2) श्रीमती मुमताज श्रद्धल हमीद गेख (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध के कार्य भी कार्य है

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्वाभ, जां भी अविभ वाद में समाप्त होति हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति वतारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवक्ष किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में कि ये जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---हतमं प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को उपस प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्भ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

यमसर्वी

पर्लैट नं० 604, जो छठवीं मंजिल, इमारत नं० 2, सर्वे न० 41 (पार्ट), ओणियरा विलेज, बेहराम बाग के पोछे, अंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/16135/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ढाग दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिका**री** सहायक ब्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-2, बम्ब**ई**

दिनांक: 4-9-1985

हरूप **जात**े. टी. एवं. एकं. स्थानमानन

ৰাওকং জাগিনিয়ন, 1961 (1961 **ফা 43) ফা** খাহ্য 269-খ (1) **নী মধীন হাখনা**

ब्रायक क्रकार

कार्बातव, सहायक मायकर नायकर (मिरीक्क)
धर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनाँक 4 सितम्बर 1985

निवेश सं० भ्रई-2/37ईई/16053/84-85--भ्रत: मुझे, प्रशांत राय.

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धित इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापन सम्मत्ति, विश्वका उचित बाबार मुक्स 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रौर जिलकी सं० फ्लैंट नं० 202, इमारत नं० 3, जोगेश्वरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विश्त है), श्रीर जिसका करारनाम श्रायकर श्रिधितियम की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 3-1-1985

कां पूर्वोवत संपत्ति के उपनित सामार मुख्य वे कम के अवनाम प्रितिका के लिए जन्तिरित की गई है और मुझे यह निश्वाक करने का नगरण हूं कि सभापनोंकत सम्पत्ति का अजित बाजार मुख्य उसके त्रममान प्रितिका से, एसे रम्यामा प्रतिकास का प्रमुख्य के विकास के प्रमुख्य के विकास के प्रमुख्य के विकास के

(क) सन्तरण ने हुई किती बाय की बायत, स्वयः जीभीवसम् के अभीन कर बोने के जुन्सहरू के राजित्य में कभी करने या उसके बचने में सुनिधा रें रिजस: कार्ड/मा

हापी जिल्ला अन्य का किसी धेन ना बन्स मास्तिकों को, जिल्ला भारतीय नामकार सिपनियम, 1922 (1922 था 11) या उत्तर सिपनियम, वा धनकर किसिनियम, 1357 (1957 को 27) के प्रवोक्तार्च प्रजितिकों देशरा भकट नहीं किया भेषा या वा कियर करण खरीक्रार वा विकास करण खरीक्रार वा विकास करण खरीक्रार वा विकास के सुविधा के सिष्ट;

अत अस उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसियत व्यक्तियों, अभृति कें (1) श्री जियाउदीन बुखारी

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती शाहजहान बेगम

(ग्रन्तिरतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहिमां कुक करवा हां।

बन्द बन्दित के बर्चन से सम्बन्ध में कोई भी बाबोद है---

- (क) इंड क्षणना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं हु से 45 दिन की कथिए या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्षणना की ताबीज है 30 दिन की वथिए, को भी वक्षण नाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षणात;
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारन की सारीय है 45 दिन के बीतर उनक स्मावर सम्मत्ति में दिन-व्याप किसी नम्म स्मीत्त युवारा, मभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए या क्योंचे!

स्वक्रीकरणः --- इतमें भवुक्त सम्बंगिर पथीका, का उपक् वीभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को जान अध्याय में विका गया है।

वनवर्षी

"फ्लैंट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 3, सर्वे नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग हैंके पीछे, जोगेश्वरी (प), वस्वई 400058 में स्थित है। स्रानुसूची जैसाकि क० सं० स्रई-2/37ईई/16053/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनौंक 3/1/1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

न्यांत राव श्वता गविज्ञारो महावज प्राप्तहर प्राप्तुक्त (निराक्षण) प्रजीत निराद्

तारीख: 4-9-1985

मोहर 🗯

प्रकृप बार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अभीन सूच्या

भारत तरकार

कार्यासय, तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 सितम्बर 1985

निषेश सं० श्रई-2/37ईई/16592/84-85—श्रत : मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, इसारत नं० 3, जोगेश्वरी (प) बस्वई 58 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 17-1-85

करे पूर्वोक्त सम्बक्ति के उद्देवस बाबार मूल्य से कन के इदयमान प्रतिफल के लिए अभ्तिम्दत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि अभावविक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृदयभान प्रतिफल से एते दृद्वमान प्रतिफल का पन्यह-भितिस्त ने अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नीनेचित उद्देश्य ने उस्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विभागितम के अभीत कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विध्य के लिए; बीर/मा
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उक्त प्रक्षितियम, या प्रत-का अधितियम, या प्रत-का अधितियम, 1957 (1957 का 27) के स्पोजनाथ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किया जाता चाहिए बा. फ्रियाने में प्रविधा के लिए:

(1) श्री झीयाउदीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती झैबूनमा महमद इस्माइल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता हो।

उच्छ संपति के खजन का संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन का श्रवधि या तस्तवेधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील ने 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबढ़ किसी भन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्यत में किये जा सकेंगे

स्ववद्याकरण ।---इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पर्दों का; को उन्तः विक-नियम के अध्याप २०-५ में परिकाधित है, वड़ी धर्म होया, जो उम धन्नाय में विया गया है।

अ**नुषूची**

फ्लैंट नं० 601, जो छठवी मंजिल, इमारत नं० 3 ग्रोशिवराविलेज सर्वे नं० 41, बेहराम वाग के पीछे, जोगेम्बरी, (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमािक कि० सं० श्रई-2/37ईई/16592/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 17/1/1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रमांत राव मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बराफी

नारीख: 4-9-1985

माहर ;

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्याक्रम, सहायक कायकर बाब्क्स (निरीक्षक)

भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं ॰ ऋई-2/37ईई/16286/84-85--- म्रत: मुझे, प्रशांत राय,

नायकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 603, इमारत नं० 18, श्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 10-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यान गितफान के सिए जन्तिरत की गई है बार मुक्ते यह जिक्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उत्तके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का उन्तह प्रतिकत से विश्व है जीर जन्तरक (जन्तरका) और अंतरिती (जंतिरितिका) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नितिकित उद्योध्य से उसत जन्तरण निकित में बास्तिक रूप से कथित महीं विकास गया है :---

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी आज की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी जाए या किसी अन या अन्य आफ्तियां को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियस, या जाए कर जिभिनियस, 1957 (1957 का 27) ज प्रयोजनार्थ अन्तीपती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में भृदिधा के लिए;

(1) श्री झीयाउद्दीन बुखारी

(ग्रन्तरक)

(2) सैंगद प्रहमद दावूद पारकर

(श्रनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कांडें भी बाधोप "---

- (क) इस स्थान के राष्प्रभ में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 विन की अवधि, को भी जबधि वाद में समाध्त होती हो, के भीतर वृद्धित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में अकावन की तारिव के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्वो का, वो सन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 603, जो छठवी मंजिल, इमारत नं० 18, सर्वे नं० 41, ग्रोशियरा विलेज, ग्रंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/16286/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 10-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

कर हा । उपन किमानियम की धारा 269-ग के अनूतर्भ में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मीलिसिंग ब्यक्तियों, प्रथानि ——

तारीख: 4~9~1985

प्रस्प कार्ड, टर्ड, एव . एस ..-----

(1) श्री भीयाउद्दीन बुखारी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नइमा इम्राहीम बुखारी

(अन्तरिती)

बायकर विभिन्नियत, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई बम्बई, दिनौंक 4 सितम्बर 1985

निवेश स॰ भई-2/37ईई/16789/84-85--- ग्रत : मुझे, प्रशांत राय,

बाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502, इमारत नं० 13, जागेश्वरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधदा श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 क्ख के श्रधान सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-1-1985

को पूर्विक्त अय्यक्ति के उचित नाजार मृत्य स कम क इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं

कि यथा पृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; बार/मा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिखिल व्यक्तितयों, अर्थात् :--- को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन के संबंध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश हैं
 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 जविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेतन
 व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति कुन्या;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न मा किए जा सकींगे।

स्थळाकिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ब्रही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नन्स्यो

पलैट नं० 502, जो पाँचवी मंजिल, इमारत नं० 13, सर्वे नं० 41, श्रोधिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प) बस्बई-400058 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं 3×10^{-2} 37×10^{-2} 16789 100 10

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 4-9-1985

मातर:

प्रकार सार्व . की . पुरा . एता . -----------

माथकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सार्वार

कार्यास्य, बहायक यावकर बाव्यत (विविधान)

ग्राजॅन रेंज-2, बम्धई

बम्बई, दिनाँक 4 सितम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/1678784-85---अतः मुझे, प्रशांत राथ,

कावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिमिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० पलेट नं० 304, इमारतनं० 13, जोग म्बरी बम्बई—58 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप सेवणित है) ग्रीरजिसका करारतामा ग्रायकर ग्रधितियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23—1—1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उपित बाजार मूल्य से कम के ख्यामान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिग्रत से विधिक है और अंतरक अंतरकों) और जंत-क्ति (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्धेक्य से उन्त अंतरण सिचित में पन्तिक इस से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी काय की बाबत, उनत धीप-विश्वस की अभीज कर दोने के अंतरक को वायित्व में केसी करने वा उसते बचने को अधिक के किए। और/का
- (व) श्रेमी किसी बाब वा किसी धन वा जन्य अस्तियों का जिल्हें भारतीय वावकर वीभिनवन, 1922 (1922 का 11) वा उचल वीधीनवम, वा धन-कर जीवनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंदरिती क्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के विष्;

वतः वतः उक्त वीधीनथम की भारा 269-ग के वन्तरण में, में, उक्त विधीनवम की शास 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) श्री शोयाउद्दीन बुखारी।

(मन्तरक)

(2) मुश्ताक भ्रली इक्शाहिम बुखारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के बिछ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अधीरिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तियों हों।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अभिक्त व्यारा स्थोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, ओ उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गदा है।

arard

फ्लेंट नं० 304, जो तींसरी मंजिल, इमारत नं० 13, सर्वे नं० 41, बेहराम बाग के पीछे, जोगे श्वरी (प), बम्बई-58में स्थित है।

श्रन् सूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/16786/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई ब्रारा दिनाँक 23-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

दिनाँक : 4-9-1985

मोहर ः

प्रकृष कार्द्, टी. एम. एस-=----

भायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सप्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (जिरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/16301/84-95--- मृतः मुझे, प्रशांत रायः

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलेट नं० 703, इसारत नं० 18, श्रंधेरी (प), बम्बई -58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में बणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, खंके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म रिजस्ट्री है, तारीख 10-1-1985

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व के कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, 'क्रियाने में सुविधा के सिष्;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिबित व्यक्तियों, व्यक्ति ः— (1) श्री सियाउदीन बुखारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) खान वजीर श्रली महमद इन्नाहिम।

(भ्रन्तरिसी)

को गहस्चना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाह्यां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्याप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त ज्ञाब्दों और पदों का, जो उकल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लेट नं० 703, जो सातवीं मंजिल, इमारत नं० 18 सर्वे नं० 41, स्रोधिवरा विलेज श्रंधेरी, (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि श्रम सं० श्रई-2/37ईई/16301/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 10-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनाँक : 4-9-1985

प्रकृष् वाहाँ । टी ., एन् ., एक . - - » ::---

धायकर वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के विधीन सुचना

120 2212

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 6 सितम्बर 1985

निदेश मं ० ऋई-2/37ईई/16542/84-85--श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्ट्यांक, जिसका उजित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लेट नं० 104, सी विंग, पाहवा ग्रपार्टमेंट, बम्बई-93 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269कख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17-1-1985

को प्रवेक्त सम्मृत्ति के ब्रिन्त वाजा पृत्व से कन के अव्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि वधाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित् वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है जोर अन्तरक (अंतरकों) और संस्तिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तम पाका गवा प्रतिफल निम्नृतिवित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण किवित में बाद्यिक कम ने कीचा नहीं विकास में हैं है—

- (क) बन्दारण वे हुई किसी आब की बाबस्, बबस् अस्तिनयम के अभीन कर देने के अन्तरक के उस्ति में कमी करने या उससे बचने में द्विष्धा के (न्ए; बार/बा
- (स्र) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1-922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जया भा या किया जाना जाहिए था, जिस्साने में सुविधा से लिए;

अतः जब उक्त जिभिनियम को भारा 269-म को ममुसारम मं, मं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के मभीन, जिस्कीत्विक व्यक्तियों, संभित्ः— (1) जहाँगीर बिरुडर्स।

(म्रन्तरक)

(2) लुइस बी० गोम्स।

(भ्रन्तरिती)

को नह त्यना नारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के सर्वन के सिए कार्यनाहियां करता हैं।

उपर हम्मृति के भूषेन् के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष :---

- (क)। इस सूचना के आवषण में प्रकशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अच्छ व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए का सकैंगे

स्पक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लीनयम के ज्ञाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 104, जोपहली मंजिल, सी विंग, पाहवा श्रपार्टमेंट महाकाली केव्हण रोड़, ग्रंधेरी (पू), बम्बई-93 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/37ईई/16542/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वोरा दिनाँक 17-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्ब ई

दिनाँक : 6-9-1985

प्रकल बार्ष . टी . इन . एस . -----

काजकार क्षीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जनीम सुभना

नारवं वर्षार

कार्यकार, तहायक जायकर जायूक्त (निर्धाण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 सितम्बर 1985

निवेश सं ॰ श्रई-2/37ईई/16890/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' सहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन इक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थायर संस्पित जिसका उजित बाआर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 303, सी विंग, हवा श्रपार्टसेंटस, बस्बई-93 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-1-1985 को पूर्वोक्त संस्थित के ग्रीयत बाजार मृत्य ने काम भे रन्यभान शिक्क के किए संस्थित की ग्रीयत बाजार मृत्य ने काम भे रन्यभान शिक्क के किए संस्थित की वहाँ है बौर मृत्ये सह विश्वास करने का जारण है कि वथापूर्वोक्त संस्थित का उपनत बाजार मृत्य, उसके स्ववस्थान शिक्क की, एसे स्वयमान प्रतिकल का ग्रह प्रतिकल में अधिक है कीर बंतरक (बंतरकों) बीर वंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए स्थ पाया गया प्रतिकल का, निक्कि मिला संबद्ध के संस्था करना कि स्थ पाया गया प्रतिकल का में किया स्था है कीर करना कन्तरण निवास में बाक्त कर कर में किया स्था है:---

- (क) अम्लयका य हाई किसी आप की शासन, उक्त कांक्रीक्षय के श्राचीन दान की की अम्लयक के मिलास्य या कामी अम्लय का भराव बचन न स्वित्ता के निर्माण और/या
- एसी किसी आय या किसी भव वा वस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमालनार्थ अस्तिरिती इ्याच प्रकट नहीं किया गया स्था किए। किए। अस्ति असि सित्रि के लिए।

अतः अबं. ज़कत अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण में. में. उद्यत अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) जहाँगीर बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) संजीवा एफ० पुजारी।

(ग्रन्नरिती)

को यह सुचना जारी करके एवेक्स संपरित के वर्षन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी पाध्येप हन्न

- (फ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की जनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना नहीं तामील में 30 बिन की अनींच, जो भी अनुधि बाद में समाहत होती हो, के भीतर पूर्वेक्त करिए हों के किया है के भीतर पूर्वेक्त
- (ण) इस सूचना वे राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर ज़कर स्वावर सम्मित में दितश्रव्य कियी अन्य करिक्त क्यारा अधोहरताक्षरी के शास विकास प्रकाश मार्थिक ।

स्वव्यक्तिकरण :---हममाँ प्रयम्प शक्तां कीर पर्वो का. को उक्त व्यक्तियम की अध्याम २०-क में परिभाविष्ठ हों. बही तर्थ शोगा को सम स्वध्याण में विद्या

अनुसूची

फ्लेट नं ० 303, तीसरी मंजिल सी विंग, हवा श्रपार्टमेंट महाकाली केव्हज रोड़, श्रंधेरी (पु), बस्बई-93 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37ईई/16890 84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 25-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रभान राय नक्षम प्राधिकारी नहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई/16892/84-85—श्रतः मुसे, प्रशांत राय,

बायक र विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें धर्क परवात 'उक्त किभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 304, सी विंग, हवा ग्रपार्टमेंट, बम्बई-93 सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजिस्ट्री है, तारीख 25-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गएं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि क्यां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्या, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण मं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में विश्वभा के फिल्; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी भन या कत्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या वव-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोचनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, विष्णाने में मित्रभा के लिए:

अतः अब, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण रू, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निगनलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) जहाँगीर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) संजीवा एफ० पुजारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लियें कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कि कि 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उक्त श्रीविवज, जो जन्माय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उन्न जन्माय में विका नवा है।

धनुसूची

पर्लंट नं० 304, सीविंग,जो तीसरी मंजिल, हवा भ्रपार्टमेंट, महाकाली केव्हज रोड़, अंधेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित है। भ्रमुसूची जैसा कि कम सं० भई-2/37ईई/16892/84-85 भीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक

25-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रमाति राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजंन रेंज-2, बम्बई ४

दिनाँक : 6-9-1985

प्रस्य बार्ड, टी. एन. एव --------- (1) अवानी फ्रेमिली दूस्ट ।

माथकर मौधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

क/यालिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

वस्बई, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/16250/84-85-- हत. मुझे प्रशांत राय

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लेट नं० 304, शिरीन सोहराब पैलेस बम्बई-57 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुखी में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 10−1−85

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तये पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उपवेश्य से उसत अन्तरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम् हे हुई किसीबाव की बावता उपत मिनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँर/या
- (ब) ऐसे किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियौ को, जिन्हीं भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा केलिए:

लतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अजसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिमित ऋषितयों अधीत् ह— 30-286GI/85

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामतो रेखा रजनीकान्त दोशी।

(ग्रन्तिरती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अवधि., भी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत म्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्वाय;
- jen) इस सुम्बना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबर्ध। किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पां लिसित में किए वा सकरेंगे।

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अरिधनियम,, को अध्याय 20-का में परिज भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

पलेट नं 304, जो शिरोन सोहराव पैलेस, प्लाट नं 225, नरीमन रोड़, विले पार्ली, (पू), बम्बई-57 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/16250/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 10-1-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-9-1985

मोहर

प्रकृष बाहु हो पुन् पुन् , चन्न-प्रवचनका

श्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वभीन स्वना

HIST SECTION

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दोक्सण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/16741/84-84---श्रतः मुझे प्रशांत राय

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 303, हमारत नं० बी, भवानी नगर, बम्बई-59 में स्थित है (श्रौर हमसे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 है, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 24-1-1985

को प्राॅक्त संप्रित के उचित बाजार मृस्य थे कम की क्यमान् कितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुच, उसके द्रयमान प्रतिफल हो, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पद्मा प्रतिफल, निम्नसिखित उद्योक्त से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बानत, उक्त जिम्मिन्यन, के लचीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यथने में सुविधा के किए; जार/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा के किया

बतः अत्र, उक्त विधिनयम की बारा 269-म के बनुसरक को, में उक्त विधिनयम को भारा 269-म को उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती ताराबाई सालेभाई इलेक्ट्रीक बाला ! (अन्तरिती)

की यह स्थता कारी करके प्रॉक्ट इन्यति के वर्षन् के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖚 🛫

- (क) इस स्वना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अनुस्था सरक्त्र्यन्थीं व्यक्तियाँ पर स्वाम की तामील से 30 विन की जन्मि, को भी विश्व का मां समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस स्थान के राष्ट्रम में प्रकारन की टार्टीय में 45 दिन के श्रीकर क्यत स्थानर सम्पत्ति में हितनस्थ दिन्दी शुन्त अहिंक स्थान स्थाहस्ताक्ष्रों में गांव दिन्दित में किए का स्कृति !

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शस्यों और पर्यों का, जो उनरे अर्दिश्वास्त्र में बच्चास् 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता, को उस मध्याय में विका स्या है।

धनुसूची

फ्लैंट नं 303, जो मीसरी मंजिल, इमारत नं बी, भवानी नगर, प्लाट नं 18 मरोल भरोशी रोड़, ग्रंधेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है।

श्रानुमृत्ती जैसा कि त्रम सं० श्रर्ध-2/37ईई/1674184-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार्रः, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1985 को रोजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-9-1985

४कम आहे<u>.</u> हो_ः पुन_ा पुच_ः ८ - -

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकारु

कार्याक्रय, सहायक जायकर जायक्त (निर्रोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेण मं० श्रई-2/37ईई/16742/84-85--अतः मुझे प्रणात राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिल्ली संव पलेट तंव 15, इमारत तंव 4, भवानी नगर वस्वई—59 में स्थितं है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर श्रीर पूर्ण का से विणित्तं है) ग्रीर जिल्ला कराएन मा श्रायहर श्रीधिनियम 1961 की धारा 2695, ख के श्रीशीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तार्र ख

को पृवां कित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृवों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नीमित उद्देश्य से उसते अन्तरण निम्तरण के लिए तय

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के बिधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, में उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधास (१) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) विश्वक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती पार्वती व्हाय भूटे।

ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ

 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्क निरंपन में किए जा नकींगे।

स्पद्धकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिय भार है।

नन्त्र ची

पनेट नं० 15, जो चौथी मंजिल, इमारत नं० 4, भवानी नगर, प्लाट नं० 9, मरोल मरोशी रोड़, श्रंधेरी (पु), बम्बई--59 में स्थित है।

श्रानुसूत्रों जैसा कि क्रम सं० श्राह्य-2/37ईई/16742/81-85 श्रीर जो सक्षत प्राधिकारी, बस्बई ढारा दिनांक 24-1-1985 को रजिस्टर्ड क्या गया है।

प्रफांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-9-1985

प्रकम नाही, दी, एन, एक,,क्कालेल्डक

नायकर क्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ' भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक वायकर नायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 सितम्बर 1985

निदेश मं० भ्रई-2/37ईई/16184/84-85—-म्रतः मुझे, प्रशांत राय

नायकर अधिनियम, 1961 (19%) क्य 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी क्यें यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाचार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रार जिसकी। सं० पलेट नं० 6, इमारत नं०. 5, भवानी नगर, बम्बई-59 में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची) में और पूर्ण का से विणित हैं) श्रार जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारी 269 है, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि होरी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 10-1-1985

को न्वॉकरा सम्पत्ति के उत्तित नाजार मूस्य से कम के दृश्यमन मिलक्ष को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्रल निम्नलिखित उद्योदय से अक्त अंतरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के यायित्व में कमी करने का उससे बचने में स्वीवधा के लिए, और/या
- (चं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया भाना बाहिए था, कियान में मृतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्याक्तियों, अर्थात् :-- (1) दीपक विरुद्धंस प्रा० लि॰।

(अन्तरिती)

(2) मुखदर्शन सिंह मन।

(ग्रन्तिरती)

सी वह तृजना वारी करके पूजीकत सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उन्हा सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 4.5 दिन की अविध ए रत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्राराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त.स्थ.वर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
 लिकित में किए जा सकीगें।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदां का, जो उक्त निधानयम के मध्याय 20-क मा परिभाषित हों, नहीं अर्थ हागा का उस नध्याय मा दिया गया है।

anadi

फ्लैंट नं० 6, जो पहली मंजिल, इसारत नं० 5, भवानी नगर, फ्लाट नं० 8, मरोल मरोशी, रोड़ ब्रंधेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है ?

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/16184/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 10-1-1985 को रस्टिडं किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवस (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-9-1985

प्रारूप आहें .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 मिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/16928/84-85--श्रतः मुद्ये प्रशांत राय

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उठिए की भारा 209-व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हो कि स्थानर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य

रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त विभिन्नम के नभीन कर वेचे के बंदरक के बाबितव में कनी कुदने वा उसवे वचने में सुविभा के लिए? बाड/वा
- (थ) एसी किसी भाव वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नच अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोगार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपाने में क्षिया के लिए;

कतः वृक्ष, सकत् अभिनियम की भारा 269-मृ के अनुबुद्ध के, में , क्ष्मत अभिनियम की भारा 269-मृ की उपभारा (1) से सभीर , निवन[मिकित व्यक्तिमाँ , अभित् क्ष्म

(1) दिगक बिल्डमं प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पीर के गोलापुर वाला और ओमती टो के गोलापुरवाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करकी प्रवेषित सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्मीत के अर्थन के सम्दत्य में कोई भी बाक्षेष्:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की वनिष्य या तत्स्वान्त्रभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विधि, को भी वसिष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयित ब्राय;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उन्नत स्थाबर श्रम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त कार्गे और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

पलट नं० 10, जो दूसरी संजिल, इमारत नं० 6, भवानी नगर, प्लाट नं० 9, मरोल मरीणी रोड़, श्रंधेरी (पु), बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूचो जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/35ईई/1(918/84-85 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, अभ्बई हाना दिनांक 28-1-1995 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-9-1985

माहर 🖫

THE THE CONTRACT OF THE PARTY.

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन सुभना

RIST ESTAB

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2, बस्वई

बम्बई, दिनांक 6 सित्तभ्बर 1985

निक्षण नं० ग्रई--2/37ईई/16927/84--85---ग्रन : मुझे प्रणॉत राय.

शायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें इसके पश्चात् 'उसत अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास कारने का काएल है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 4, धमारत नं० 2, भवानी नगर, बम्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूर्च में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269र, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के सायालय में राजिस्ट्री है, तारी ख 28-1-1985

कां पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यममान प्रतिफाल से, एसे ख्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्ह विधिनयन के बधीन कर दोने के जन्तरक औ बायित्स में कमी कर्ते या उससे अधने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा के सिए;

णतः अब, उ॰ तः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियरें अर्थात् हि—

(1) दिपक बिल्डर्स प्रायव्हेट लि०

(अन्तरक)

2) श्रोमती जुडीथ डोसीजा श्रीर श्री भ्रमाहम डोसीजा।

(अन्तर्रात)

स्रो यह सूचना वारी करके न्याँक्त सम्मत्ति ने वर्षन में सिर् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बनत् बन्धरित् से बर्धन के बन्धरभ ये कोई भी नामेष् :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनवृष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस तिश्वत में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 4, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 2, भवानी नगर , प्लाट नं० 9, मरोल मरोणी रोड़, ग्रंधेरी (पू), बम्बई 59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई:2/37ईई/16927/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारी दिनांक 28-1-1995 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेज-2, वस्बई

विनांक : 6~9-1985

प्रस्य नार्व . वी . एन्, एक ६०००००००००

11 14 1 1 1 1 7 m

बाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

धारक सदकाड

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्मन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निदेश सं अई-2/37ईई/16929/84-85--श्रतः मुझे प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० फ्लेट नं० ६, इमारत नं० ६, भवार्न, नगर बम्बई—59 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रन् सूर्च में ग्रौर पूणे रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारताम ग्रायकर ग्रीध-नियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्ट है तारीक 28-1-1985

को वृत्तीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्काल इतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ है व्लेप मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि कथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपिएत स्वजार मृल्य उसके इक्याम शितिकत हैं शूर्व इक्काल श्रीतफल का पन्नाह प्रतिक्षत अधिक है और वंत्रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत्रितियों) के बीच एसे अंतरण के बिए इक् पत्ना गमा प्रतिफल, विस्निस्थित खब्वेस्य से उसत अंवरण सिसित में वास्तिविक क्य से कीमत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी भाग की गावत, उक्त अधिनियर के अधीन कर दोने में अभ्यासक के अधित्व में क्षमी करने या उससे तकने में सुविधा वी सिए; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आमकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तरत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. जियाने में सुविधा के जिए.

अत: अव, उनत अधिनियम की भारा 269-म के अनुतरक में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निकालिकित व्यक्तियों, अमृति ६—

(1) दिएक बिल्डमं प्राइवेट लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

(2) डा० कुमारी एफ० एफ० णोलापुर वाला और श्रीमती टी० के० णोलापुरवाला ।

(अन्सरिती)

को यह त्थना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्बन्धि के क्षर्यन के संबंध में कोई भी भारतेय :---

- (क) इत स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारींच हैं
 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो शी
 नविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पृथांक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस त्वना के राज्यक के प्रकादक की तारीस है 45 दिन के भीतर उन्तर स्थानर संपत्ति में हितन्द्रभ किसी बन्ध व्यक्ति इनारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकने।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्धों का, जो उथत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिशाविक है, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

ग्रनमुधी

फ्लेट नं० 6, पहली मंजिल, इमारत नं० 6, भवानी नगर, फ्लाट नं० 9, मरोल मरोगी रोड़, अंधेरी (पु), बम्बर्ध- 59 में स्थित है।

श्रनुसुर्वे। जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37ईई/16929/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिटारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 6-9-1985

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बभ्दई

बम्बई, दिनांक 6 सिसम्बर 1985

निदेश सं० भ्राई--2/37ईई/16930/84--85---भ्रप्तः मुझे, प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, इमारत नं० 6, भवानी नगर, बश्बई-59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधि-नियम 1961 की धारा 269% ख के ग्राधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याख्य में रिजिस्ट्री है, तारीख 28-1-1985

को पृचौंशत संपित के उनित बाजार मृल्य से कम के दरयमान मितकल के लिए अंतरित की गर्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उन्तर अन्तरण लिखित। भें बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) कन्तरण से हुई किसी शाय की वावत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उत्तर्थ वचने में मृथिण के सिक्ष; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिनयम, 1922 की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं अन्तरितो ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाबा काडिए था, जिनाने में सुविधा की लिए:

भतः भव, उन्त स्थिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविसित व्यक्तियों. अधीत् — (1) दिपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरकः)

 एफ़० एच० शोलापुरवाला ग्राॅर जेड० एच० शोलापुरवाला ।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

र कत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जविधि या तत्से लेगी क्यिक्त को पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषिक स्थित्त्यों से किसी क्यिक्त ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का दकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट नं० 5, जो पहली मंजिल, हमारत नं० 6, भवानी नगर, प्लाट नं० 9, मरोल मरोशी रोड़, अंधेरी (यू), बम्बई- 59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/37ईई/16930/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-1-1985 को रजिस्टई क्या गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्राजन रेंज-2, यम्बई

दिनांक : 6-9-1985

मोहर 🛭

प्रारूप आर्धः टी. एन. एसं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रई--2/37ईई/16041/84-85----- श्रनः मुझे प्रशांत राय

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त व्यक्तियम' कहा गया है'), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 1, विले पालें (पू), बम्बई~57 सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची सेंग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजिस्ट्री है, तारीख 3-1-1985 को पूर्वे अत सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदंगमान प्रतिफाल के निष् जन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, समझे व्ययमान प्रतिकास से, एसे व्यवमान प्रतिकास का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरम के सिए तय पासा गया प्रति-कस, निम्नीसीयत सब्दोवन सं उच्छ सम्तरण जिल्लिस में बाल्त-विक रूप से कथित नहीं किया पना है है---

- (क) बन्दारण वं हुइं किसी बाद की बावतु, उन्तर अभिनित्तम् के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायिएव में कभी करने या उससे बचने में मुजिधा के लिए: कौंद्र/का
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन का अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वसा था या किया जाना चाहिए 'ता छिपाने प्रकृतिका के हैं विद्या क्रिया को हैं कहा,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे अधीन: निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-31—286GI/85 (1) मेससे जयश्री निल्डर्स (इंडिया)

(भ्रन्तरक)

(2) कोमेक्स।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विज्ञ्स सम्पत्ति के प्रजन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

राक्त सम्पारित का कामन के ए 🔻 🚓 जाईको भी आक्रोप 🦫

- (क) इस स्चना के राजपण के प्रताशन की तारीख से 45 रिवा की जनभि या तत्मान्यन्थी व्यक्तियाँ वृद्ध सूचना की तामीक से 30 दिश की अविभि, वो भी अविध बाद में अवस्थान होती हों, के भीतर पूर्वीवर वर्षक्तियों में कि कि के कि स्वार हराया.
- (च) इस सूचना को राज्यपत्र का कार्यात की तारीच चे 45 चिन के भीतर उक्त स्थाश्वर सम्पत्ति में हितववृथ किसी अन्य स्थाभर स्थाहस्ताक्षरी चे शाच कार्यकार कार्यकार कार्यकार कार्यकार

स्पव्यक्तिरण :— इसमें प्रयुक्तः भटनो शिंग यदो का, जो उक्त अधिनियम के राज्यान भटना में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

शाप नं० 1, जो एफ० पी० नं० 66, टी० पी० एस० 2, प्रार्थना समाज रोड़, विलेपार्ले (पू०), वस्वई—57 सें स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कम मं० प्रई -2/37ईई/16041/ 84-85 स्रोर जो सन्तय प्रतिकार, सम्बई द्वारा दिनाँक 3-1-1985 को रजिस्टई सियाजसाहै।

> प्रशाँत राय ालम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) सर्वत रेज-2, बम्बई

दिनौंक : 5--9--1985

प्रकल बाइ", टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बस्वई बस्बई,दिनौंक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं॰ ग्रई-2/37ईई/16335/84-85---भ्रतः मुझे, प्रशांत राय

कायक र जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, प्रवीन स्मृति, विले पार्ले (पू०), बम्बई-57 में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961। की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 11-1-1985

को पूर्वों कर सम्मत्ति को उचित बाजार शृस्य से कम को इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है आर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार शृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेंच्य से उच्च अन्तरण निचित में बास्तिक अप से किंचत नहीं किया नया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

वत: अब, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित अयिक्तियों, अर्थात् :—-

(1) मेसर्स वी० ग्रार० ऐसोसिएट्स।

(ग्रन्तरक

(2) श्रीमती सुनीता सत्येम्ब्र वैद्य ग्रीर श्री सत्येन्त्र गनेश वैद्य ।

(भ्रन्तरिती

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी माध्येप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वयद्भीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिया मजा है।

प्रनुसूची

पलेट नं० 2, जो दूसरी मंजिल, प्रवीन स्मृति, पराँजये ए स्कीम, विले पार्वे (पु), बम्बई -57 सें स्थित है। अनुसूर्वा जैसा कि क्रम सं० प्रई -2/37 ईई /16335/84-85 और जो सक्षम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 11-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्फ

विनौक : 5-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/16397/85-85--श्रतः मुझ प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1..00.000/- रु. से अधिक है

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- र. से अधिक है शीर जिसकी सं० युनिट नं० एच/121, श्रंमा इंडस्ट्रियल इस्टेट बम्बई—72 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारणामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, तारीख 14-1-85 म्ये पूर्वोंकत समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान श्रेतकत के लिए रिजर्ट्टीकृत विलेख के बनुसार अन्तरिक की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का बारण है कि अथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बातार मूल्य अबके क्यमान प्रतिफल का प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरे रितरों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्विक रूप के कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में केमी करने या उमरो बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय, या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भ्रंसा बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीदास मोहनलाल पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्थन के कियू कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के नर्बन क सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व र्यं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच औ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए वा सकोंगे

स्पर्धांकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं ० एच/121, जो पहली मंजिल, म्रांसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, माकी नाका, बम्बई-72 में स्थित है।

प्रनुसूत्री जैसा कि कम सं० प्रई-2/37ईई/16397/84-85 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 14-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणी राय त्या साधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरक्षण) स्रजीन रेंज-2, बस्बई

दिनाँक : 5-9-1985

मोहर

पक्ष बार्ड . डी. (त. खा. १----

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यां वय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बस्वई बस्वई, दिनाँक 5 तितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/16385/84-85--अतः मुझे

प्रशाँत राष्ट्र आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृत्य 1,00,000/- रूप के स्थावर

ग्रौर जिसकी सं ू ब्लाल तं 5 है। गिरोराज ग्रपार्टमेंट, ग्रंधेरी (पु), बम्बई-59 हैं तित है। (ग्रोर उन्हें उपायद्ध अनुसू से ग्रौर पूर्ण रूप से विभिन्न है) अपर जिनला उरारनामा ग्रायक ग्राधिनियम 1961 की अस्य 269क, ख रं श्रयोन वम्बई स्थित सक्षय प्राधिकारी के लायालय से रिजन्द्री है, तारीख 14-1-1985

को पूर्वोकत सम्पन्नि के एक अपन्ति सन्ध प कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंवरित को गर्वो है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सन्धित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रातफल से, एमें हश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से विधिक है और अंदरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) को बीच एस अंदरण के लिए तय पान गया प्रतिफल,, निम्मीलीखत उद्दोदय से उक्त अंतरण लिगात में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण स हा किसी आय की बाबस, उक्स अधिनित्म के अवी कर दान के अन्तरक के बायित्व में केसी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क्ष) होंगी जिस्सी जान र किसी धन या जन्म आस्तियों करों, जिस्हों भाजीत जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का (1) मा जिस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या चाहिए धा विध्यों में गुविन के लिए.

अत अस्त अधिकित को धारा 26 । यह के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर विकास किता व्यक्तियों, अधीर के

(1) गिरीराज कन्सद्रवशन को०।

(अन्तरक)

(2) अजय रामचन्द्र मनीकेरी।

(ग्रन्तरितो)

(3) म्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से सम्पति है)

(4) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपन्ति के वर्णन के संबंध से कोई भी वाक्षेप :--

- (क) रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर रूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी उर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) एस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षनी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

ब्लाक न ० 5, जो गिरीराज अपार्टमेंट, प्लाट न ० 176/1 (पार्ट), कोंडविटा विलेज, कदमवाडी के पास, अधरी (पु), बम्बई-59 मैं स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/16385/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 14-1-1995 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रगाँत राय सक्षम प्राधि कारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक : 5-9-1995

मुक्त कार् 🖰 हों। स्त्रीत प्रस्ता प्रस्ता ।

শাগলর अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिगांत 5 सिनम्बर, 1985

निदेश राँ० अई—2/37ईई/16097/84—85——अतः **मुझे** प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्जाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा उक्क ने के अधिन सक्षम प्रविकारी का, तह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर नितनी कि मुनिटनं के प्रमीर इसने उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण क्य में विधान है (भीर इसने उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण क्य में विधान है) श्राँग जिसका करारनाका आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के उधीन बम्बई स्थित मक्षम मिन्न को कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-1-85 को पूर्व को सपित के उचित बाबार मुख्य से कम के क्याबान भिताल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्त मह विश्वाब करने का कारण है कि सभापूबोंक्स संपरित का उचित बाबार भूल्य, अतक इवयमान प्रतिफल से एसे इव्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्ति तिपों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, जिस्सी की उद्योग से उन्तर अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, जिस्सी की उद्योग से उन्तर अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, जिस्सी की उन्तर अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, जिस्सी की अधी अधी की का गया है ---

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- कि प्रेसी किसी बाय या किसी वन था बन्स वास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय वायकर वाधिन्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिन्यम, या धनकर लिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बर्दारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किवा जाना आहिए था, कियाने में सूर्विधा के लिए

कत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण क, म², उक्रत अधिनियम की भारा 269 ज उपभारा (1) के अक्षीत, निम्मलि**धित व्यक्तियों, ज्ञांत क्र—** (1) मेसर्स श्रांसा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी०टी० किडीसूर।

(अन्सरिती)

(3) मेसर्स श्रोरयिनक प्लास्टिक्स । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पृश्वित सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबल सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासोब् ह---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकासन की खारी सू वी 45 दिन की अविधि या तरसंविधी व्यक्तियों पर नृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूनों का अवितयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थ) इस सूचना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीय हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदन बब्ध किसी जन्म म्यक्ति द्वारा, अधोश्वरताक्षरी वे गस निवित में किए जा सकेंगे।

क्यूक्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त कव्यों भीर पदों का, यो अक्यू व्योधित्यम्, के मध्याय 20-क में प्रिशाधिक है, नहीं मुर्थ होगा यो उस मध्याय में दिशा प्रमुख

प्रनुसूचें≀

युनिट ां० 231, जो दूसरी मजिल, एच० बिल्डिंग श्रंसा इंडस्ट्रियल उस्टेट, साकी विहार रोड़, अन्धेरी (१), बम्बई-72 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ई ई/16097/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाः दिनांक 4-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼2, यम्ब**ई**

दिनांक : 5-9-1985

प्रका बाह्य, टी. एव., एस.,------

बाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन तुमना

भारत सरकार

काशांकम, बहायक भायकर नायुक्त (निरीक्त)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/16098/84-85--प्रनः, मुझ प्रशांत राय

कावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्रापिकारी की यह निक्तास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित नाजार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

मीर जिसकी संव युनिट नंव 107/एफ, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका व रास्तामा आयक र अधिनियम 1961 की धारा 269वा, ख वे अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 3-1-1985

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभ्ये यह विस्वास करने था कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिक्षल से एसे रूपमान प्रतिक्षल का क्लाइ प्रतिकृत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया कमा ब्रितिका निम्मितिकत उद्देष्य से उक्त अंतरण जिल्हा में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बलाइण वंड्र्ड किसी नाम की शखत, उपक विधिनमन के वधीन कर दोने के मन्तरक खे बादित्य में कमी करने वा उससे अपने में ब्रिया के बिए: बडि/बा
- (वा) प्रेसी किसी जाम या किसी भन ा जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत जिनियम, या भन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सूबिधा के विवा:

अर: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक को, को, तक्त अधिनियम की धारा 269-को उपधारा (1) के अधीत, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् के — (1) मेसर्स ग्रंसा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्री दुर्गाकली प्लास्टिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) एत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाच में समाप्त होती हो, के शेतर पूर्वोक्त श्विकता में से किसी व्यक्ति विवासि व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विवासि व्यक्ति व्यक्ति विवासि व्यक्ति व्यक्ति विवासि विव
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 15 बिन के भीतर उक्त स्थायार संपरित में हितवस्थ किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अथोहस्ताधारी के पास लिखत में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क गें परिसाधित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

युनिट 10 एफ/107, जो पहली मंजिल. अभा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साफी विहार रोड़, अंधेरी (पु), बम्बरे-72 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम मं० अई-2/37ई $\xi/16098/84-85$ ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, तम्बई द्वाल दिनांक 3-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

त्र गान राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, बम्बई

विनांक : 5-9-1985

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन स्चना

बारक सरका

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/16099/84-85---अतः मुझें प्रशांत राय.

नायकर निधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया ही, की चाछ 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० युनिट नं० 132/एफ०, ग्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयक्र अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्री है, तारीख 3-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अवगान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित वाचार मृत्य अमके दरयमान प्रतिफल से, एसे अवगान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पांचा जवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उच्त अन्तरण निम्नलिखत में सम्मित्य के क्या में किया नवा है ह—

- (क) अस्तरण में हुई किसी बाव का बावल, उक्त विधिनयन के अधीन कर देने के बन्तर्रक के दावित्व में कामी करने या समसे बचने में सुविश्वा के लिए; बौर/बा
- श्रिम किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयमः 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयमः, या धन-कर निधिनयमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्मिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्हलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मैसर्स अंसा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दिपवन बुश को०।

(अन्तरिती)

करों बहु कुका चारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्जन के तिष् कार्यवाही सुक करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्वेश्वन की 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सन्मिता में हिंदा-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के बाब निश्चित में किए जा सकने।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः विभावता के बध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिया वक्त हैं।

अनुसूची

युनिष्ट नं ० एफ/132, जो पहली मंजिल, ग्रंसा इण्डीस्ट्रयल इस्टेट, साकी नाका , साकी विहार रोड़, ग्रंधेरी (पू), बम्बई 72 में स्थत है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/16099/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, **बम्बई**

दिनांक : 5-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के विभीन सुनदा

बारत तरकाह

कार्यक्रम, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निवेश सं० अई--2/37ईई/16152/84--85:---अतः मुझे प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिले इसमें इसके परकार किया अधिनियम के सा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सकन प्रतिभक्तरी को यह विकास का को का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० युनिट नं० 128/एफ, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-1085

को प्योंक्त सम्मित के उचित बाबार मुक्य से काम के कायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की यह है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मित का स्वित काकर मुख्य, इसके स्थयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रविक्त का बंद्रह प्रतिस्रत से अधिक है और नंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्क) बन्तरण से हुई किसी शाम की सावतः, राज्यः सीमनियम के सभीत कर गर्ने के बंतरक औ दामित्य में कामी करने या उससे बचने में सुविधा से सिए; शरि/बा
- (क) एसी किसी नाय मा किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था का किया थाना चाहिए था खियाने में स्विधा के लिए;

कतः मन, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मों, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की धारास 💯 के अधीन, निम्नीसिल्ट व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स बेंकटेरा इंडस्ट्रिज ।

(अन्त∵क)

(2) मेसर्स प्राम्ट कांप्टर सर्विसस प्रा० लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचका जारी कराते पृत्राचित तत्र्यात्त को वर्णन के सिए 🛫 कार्यक्रतिहिमां करता हूं।

बच्छ इंपरित के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी नाश्रीय:----

- (क) इस ब्याम के राजपण में मामाम की तारीक के 45 दिव की अविध मा तत्कम्यामी व्यक्तियाँ एर सुवाग की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी लक्षी नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार.
- (ण) इस स्वमा के राजपन में प्रकाशन की तारील थें 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा-बक्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के शस सिक्ति में किए था सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरचः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उनसे विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुना है।

बनसंची

युनिट सं० 128/एफ०, जो श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, साकी विहार रोड़, श्रंधेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/16152/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रयात राय राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 5-9-1985

मोहर:

प्रकप. वार्ष. टी. एन. एस्. - - - -

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मितम्बर 1985

निदेश स॰ अई-2/37ईई/16229/84-85--अत: मुझे प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार भून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेटनं० 2, भाषखाम नगर, श्रधेरी (पु), बम्बई—59 में स्थित हैं (श्रीर इ ससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 10—1—1985 को पूर्वेक्त सम्मत्ति के खीचत बाजार मूल्य से कम के दबसमान शतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विकास करने का कारण है कि यूथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे एरयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिक्षत से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्दरितियाँ) के बीच एके बन्तरण के निए तय

शासा गया प्रतिकासः निक्तितिचित उत्यवस्य से उत्यति अन्तर्ज निवित्त में शस्तिमक रूप वे किंपत नहीं किया नया है ≱—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत उक्ता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व धं कभी करने या उससे अचने में मृश्विधा के लिए. और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

(1) ए० एस० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) डा० परीमल कान्तीलाल णाह्।

(अन्तरिती)

को बहु सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

वम्स्यी

पलेट नं० 2, जो तल मंजिल, बी-2, इमारत भापखान नगर, मरोल नाका ग्रंधेरी, (पु), बम्बई-59 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/16229/ 84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 10-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेजें-2, बम्बई

दिनाः ३ - ५ - १ - १ ७ ३ ५

भोहर :

प्रक्य भाई. टी. एम. एस. 😅 - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1985

भिदेश सं० अई-2/37ईई/16231/84-85--अतः मुझे प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि. भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से बिधिक हैं
श्रीर जिसकी सं ० फ्लेट नं ० 201, मापखान नगर, बम्बई-59
में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्री है, तारीख 10-1-1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का
पन्ताह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित
में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उथक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व म क्या करने या उससे बचने हे सुविधा के सिक्ट बाद/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, क्रियाने के स्विधा के रिना,

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को जन्मरण म्रों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धणीत हु—-- (1) एस० ए० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री जार्जपाल।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शासप थ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या सत्सम्बन्धों व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी स्थित ध्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास हैसबित में किए बा सर्वेंगे।

स्पंक्षीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया ही।

धनुसूची

पलेट नं ० 201, जो दूसरी मंजिल, बी-3, इनारर नगर, मरोल ग्रंधेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अर्ह-2/37ईई/16231/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 10-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राम् चेक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिमांक : 5-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 198 5

मिदेश सं० अई-2/37ईई/16231/84-85—अतः मुझे, प्रशांत राय,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लेट तं० 307, कमल कुन्ज, विले पारले (पू) वस्बई—57 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) श्रीर जितका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, सारीख 10-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृह्ह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गितफल निम्नलिखित स्वृष्टिय से उक्त अन्तरण निवित्त में गिस्तिक रूप से किश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आयः की बाबता, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , ताँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नोलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एस० जे० कन्मटुम्मान ।

(अन्तरक)

(2) धीरजलाल एच० मंडावीया।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अर्थ हस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः—-इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हों, वहीं अर्थ दुरेगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

अनुसुची

पलेटनं ० 30 7, जो कमल कुन्ज, 7 सुभाप रोड़, युनायटे इंक फैक्टरी के सामने, जिलेपार्ले, (पू), बम्बई-57 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम मं ० अई-2/37ईई/16228/ 84~85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-9-198**5**

जाहर:

प्रकथ बार्ध ही एव . एत . -----

भाषां हर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 5 सितम्बर 1985

निदेश मं० श्रई-2/37ईई/16887/84-85—-श्रत मुझे, प्रशांत राय,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 3, मिनु अपार्टमेंट, बिले पार्ले (पव), बबई 57 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 व.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वाबिलय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 25-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मून्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाम्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके बह्यमान प्रतिफल से एसे बह्यमान प्रतिफल के पन्द्रह नित्यति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्वा ग्या प्रतिफल, निम्निसिवत उव्वविषय से उक्त जन्तरण विकित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा को लिए।

कतः अब्ब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269-च की उपधार्य (1) के अधीन, निस्तिसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात — (1) मैसर्स मिनु कनस्ट्रमणन को०।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री राजेन्द्र एम० पंचामीया और श्रीमती उलूपी राजेन्द्र पंचामीया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के [सद कार्यमाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच के 45 दिन की जनीच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ठामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र क्षा प्रकाशन का तारीक की 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी कम्य व्यक्ति वृदारा वधोहस्ताक्षरी के पात विविद्य में किए जा सकी।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया नया है।

वनसंची

फ्लैट नं० 3, जो तिसरी मंजिल, मिनु ग्रपार्टमेंट, नन्दा पाटकर रोड, बिले पार्ले (प०), बंबई 400057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० अई-2/37-ईई/16887/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ,द्वारा दिनांक 25/1/1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बर्ष्ट

वारीख: 5-9-1985

प्रक्ष बार्च . टी . एक . एस . ------

गायकार गोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के गधीन सूचना

नाइत वर्षानु

कार्यालय, तहायक वायकर नायुक्त (निरोक्तण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई **बम्बई, दि**नांक 5 सितम्बर 1985 निदेश सं० श्चई-2/37-ईई/16889/84-85—-श्रतः मुझे,

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजिल बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० णांप नं० 4, निर्मन बिहार, ए घिन, बंबई 400093 में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनाम। आयकर अधिनियम की धारा 269 वृज्व के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 25—1—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्मसिचित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण किविक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा के तिए; और/बा
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाने चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैनर्स निर्मन कनस्ट्रक्शन्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रवामलाल गंजाधरप्रभाद गुप्ता और श्रीमती राजपती प्रवामलाल गुप्ता।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बास्ट्रेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यविसयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वितयों में से किसी स्वितत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ के किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा भया है।

अन्स्ची

णांप नं०4, जो तल मंजिल, निर्मन विहार ए विंग, पंप हाउम, अंधेरी (पु०), बंबई 400093 में स्थित है। अनुसूची जैंभा की क० सं० अई 2/37ईई/16889/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 25-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

नारीख: 5-9-1985

प्रकपः बाहै : दीः एनः एवः - - - -

कायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की अप 269-च (1) के वभीन स्चना

भारत बरमार

कार्यालय, सहायक आवकर आमृक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37 ईही/16596/84-85---श्रन: मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

1,00,000/-रु. स आधक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० डी 702, मनीण पार्क, बबई

69 में स्थित हैं (ओर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जिपका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 अ,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं. तारीख़ 17-1-1985

को पूर्वे उस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
बन्द्रह प्रतिश्वा से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तोरात्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
अतिफल निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिचित में
बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं।

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिन्यम की अभीन कर बने के अन्तरक बी वायित्व में कनी करने वा उससे बच्-े जे सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां करें, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वार प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा खे निए;

भतः सब उक्त वीधिकियम की भारा 269-म की बन्दरक् में में, अकत विधिनियम की भारा 269-म की उपधास (1) के सभीतः, जिम्मणिबित स्थितिकों, समृद्धिः— (1) श्री विमल भोपटराम सेखानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नवीन चंद्रा श्रमृतगाव मालवाडे और श्रीमती अंजली सहास मालवाडे।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस है 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश श्रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्भ किसी अन्य स्थानत द्वारा अभोहस्ताक्षणी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्हें नियम, के अध्याय 20-क में विश्वभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशक गया हैं।

वयसची

फ्लैट नं० डी 702, जो मनीश पार्क, पार्सी पंचायत रोड, पंप हाउस, अंधेरी (पु०), बंबई-400069 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की क्र०सं० ग्रई 2/37-ईई/16596/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई, द्वारा दिनांक 17-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**व** : 5-9-1985

तकन आर्थां डील पुण्यापुण्यान्यान्यान

ं आध्यक र अधिनित्रम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन स्थान

भारत सरकाड

कार्यासयः सहायक आयकर सायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बग्बई

कम्बई, दिनांव: 5 सिनायर 1985

निर्देश सं० मई-2/37ईई/19402/84-85--- ग्रतः मुझे, प्रगांत राय

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत बीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह निक्वास करने का कारण हैं फि स्थावर संपरित जिसका उचित नावार मुस्य ;

1.00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० यूनिट नं० 105, 101, 135, 136, इमारत बी, अंसा इंडेन्ट्रियल इस्टेट, बंबई-72 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वृणित हैं) और जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्कई में रजीरट्री हैं, तारींख 10-1-1985

को पृथा कर सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान ब्रियम के निए बन्ति स्त को नई है, जोर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वों कत संपरित का उचित् बादार ब्रुच, उन्न क्यान प्रतिकत से एसे द्यायमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकत से अभिक है और संसरक (संतरकों) और संतरिती (बन्तिरित्यों) से बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया ज्वा प्रतिकत, विश्वासिक स्पूर्व से उन्त बन्तरण निवित में वास्तीवक रूप से कथित, नहीं किया गया है है——

- (क) अभारण स हुई किसी बाब की: बायत उक्त ब्रीध-विवय के ब्रचीन कर दोने के अन्तरक के दासिएव के कभी करने वा उच्चे ब्रचने में सुविधर के निष्ण; बीर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, चिन्हों भारतीय आयं-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व ब्रुक्तरिती ब्वाय प्रकट वहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित क्यिक्तमाँ, अर्थात :---

(1) पारीख मेटल इंडस्ट्रिज ।

(ग्रन्तर्रः)

(2) काथारी फोबिक्त (प्रायष्हेट) लिमिटेड।

(ग्रभ्नरिती)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं। उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में खोइ' भी नाक्षेप द्र---

- [क] इस पूजा के राजपण के प्रकाशन की तारीय है

 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूजा की तामीस से 30 दिन की अवधि, यो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियाँ में है किसी व्यक्ति दुवादा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक्त किसिक में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु वर्ष होगा. थी उस अध्याय में दिया गढा है।

अनुसुची

इंडस्ट्रिनल यूनिट नं० 101, 102, 135 और 136 जो पह्ली मंजील, इमारत नं० बी, अंशा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड, बंबई-400072 में स्थित हैं।

श्रनसूची जैम। की क०सं० श्रई-2/37-ईई/19402/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई, द्वारा दिनांक 10-1-1985 को रजीस्टई किया गया है।

े **प्र**शास राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राथकर प्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंफ-2, बस्बई

तारीख : 5-5-1985

माहर :

प्रक्य बाध, टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/16201/84-85----- अतः मुझे, प्रशांत राय,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किले इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वक करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति, जिसका जीकत कामन प्राधिकारी के 100,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लांट न 28. ए बिल्डिंग, सुखदाय बंबई 5 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्राय कर श्रविनियम की धारा 269 के, ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में योउस्ट्री हैं, तारीख 10-1-1985 ।

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के उरवमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाव्योंक्त स्थ्यत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे उत्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिफिली (अन्तिनितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्धा अन्तरण लिखित में बास्तिकिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुए किसी बाय की बावत, उक्त विभिन्नियम के सभीन कर दोने के बन्तरक को स्वित्व में कामी करने वा उससे बचने में सूविधा के लिए; बीट्र/बा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या किसी जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधनियम, या धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, छिपाने में मृविधा के विष्;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती जगदीश कौर छवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेण कुमार सिंघानीया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुजाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाक्तियां करता हुं।

उन्स संस्थित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस क्वना के राज्यप्त्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध या तस्त्रवंधी व्यक्तियाँ पर स्कूटका की तालीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सुक्रमा ने राज्यत्र में प्रकाशन की तस्तीय ते 45 दिन के भीषार उक्का स्थावर संपत्ति में दिख्यास्थ किसी बन्य व्यक्ति दृबास अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सक्षी।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्वयः विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिया नवा हैं।

वन्युकी

पत्रैट नं० 28, जो ए० इमारत, सूखदायक को०ग्रांप० हाउसिंग सोसायटीं लिमिटेड, जे०बी० नगर, अंधेरी (पू०), बंबई 400059 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कल्मं० ग्रई-2/37ईई/16201/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 10-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत रा सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकत श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब

तारीख: 5-9-1985

१७न बाएं ु टी_ट प्र_ि प्र_व , ---------

बारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-व (1) के वधीन स्थान

माइक कड्रकाड

आर्याच्य, बहायक बायकाउ वायुक्त (विद्वासिक)

श्रजंत रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 सिम्बर 1985

निवेश सं० भ्रई-2/37-ईई/16558/84-85→-श्रतः मुझे, प्रशांत राय

बावकार मीधीन्त्मं, 1961 (1961 का 43) (बिसे इतावी इसको पश्चात् 'उनत मधिनियन' कहा गया है"), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थानर सम्परित जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00000/-एउ. से मधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, रोमी प्रपार्टमेट, बंबई 59 में स्थित है (और इसमें उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिपका करारनामा भाषकर श्रधिनियम की धारा 269 ज. में के श्रधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 17-1-1985

को पूर्वेक्स संपत्ति के उणित बासार मूल्य से कम के शब्यमान प्रतिकल के लिए जंतरित की गई

हैं और मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्वयमान प्रतिफल से एसे श्वयमान प्रतिफल का वंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और अंत-रक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पावा पया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) कलरन से हुई कियी बाय की बाबत, उन्हां अभिनियम के अभीन कर दोने के जल्लरक के शायत्व मो कमी करने या उसमे वचन मा स्विधा के किए; और/का
- (क) रंगी किसी बाध या किसी धन या अन्य आसितमें की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए बा, स्थितने में मुविधा वी सिए:

वतः वयः, उपत विभिनियमं की भारा 269-ग के वन्तरण वो, मी उक्त विभिन्तमं की भारा 269-म की उरभारा (1) के उधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----33---286GI/85 (1) श्रीमती जयश्री बी० राजधाधा।

(अन्तरक)

(2) श्री कुत्ब्धीन एस० मंडसोरवाला और श्री सैफी दीन जी० मंडसोरवाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन बन्दिन के बर्चन के निह

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी अव्योप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जबिंध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों केंद्र सूजना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पृथीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसक्का किसी जन्म व्यक्ति इताय का किसी जन्म किसा का सकी ।

स्वाधिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, को उपक अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका वका है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 32, जो अंधेरी तरबजीत को०ग्रांप० हाउसिंग सोमाइटी, रोमी ग्रापर्टट, हिन टोप, मरोल वर्च रोड, अंधेरी (पू०), बंबई-40005 में स्थित है।

अनुसूबी जैया की ऋण्मं० ऋई-2/37-ईई/16558/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 1-7-11985 की रजिस्टर्ड स्थि गया है।

> प्रणांत राव सक्षम प्राधिनारी सहायक आयक आयुष्त निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, शम्बई

तारीख : 5-9·1985

हरू वाह^र टी एन एस् ्-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सुपना

मन्स्य वृत्रकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश मं० श्रई-2/37-ईई/16916/84-85 --- प्रतः मुहीः श्रृष्टात राय

कामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीव रुक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संस्थित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

औय जिसकीं सं० यूनिष्ट नं० 106, सी ब्लोक, हिन्द सौराष्ट्र इंस्ट्रियन इस्टेट, बंबई 5 में स्थित हैं (और इसैंसे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) औं जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालर, बम्बई में रुखिस्ट्री है, 28-1-1985।

की पूर्वोक्त सम्बन्ति के उचित बाजार मृन्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत सं पिक है और बंतरक (बंतरकाँ) बौर बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए नय पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योवय से उच्छ बंतरण कि खित हैं:—

- (क) बन्तपुन से हुई निन्ती बाय की वायत, उन्त ∴िधनियम के अभीत कार दोने के कसरफ के शायित्व में कानी कारने या उससे नचरे में सुविधा के निष्ट; वरि√मा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना षाहिए था, व्यिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जबः उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् क्र- (1) मेपर्स सीट बैल।

(ग्रन्तरकः)

(2) मेसर्स डी०दी० ग्रार, एन्टरप्रायवस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी गाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाम में सूचान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाड़ा;
- (स) इस स्वना के राजकत में प्रकाशन की तारोस से 45 किया को भीतर उनक स्थावर सम्पत्ति में हिनजब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये वा सकेंगे।

स्वक्तीकरण :--इसमें प्रमुक्त बुक्ती जौर पर्यो का, वो उक्त व्यक्तिमम् के जभ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उन जभ्याम में विद्या

वन्स्यो

यूनिट नं० 10°, जो पहली कूर्ली मंजील, सी ब्लोक, हिन्द सौराद्रा इंन्डस्ट्रियल इस्टेटरी, अंधेरी रोड, बंबई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना की कल्सं० श्रई-2/37-ईई/16916/84-85 -...: जो भक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 28-1-1985 को रिजस्टई दिश गया है।

> प्रजात राय सक्षम प्राधिकारी सहाय ६ श्रायकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 5-9-1985

श्रस्य बार्ड. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/16276/84-85--- अतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शार हुन के लिए का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम गाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्दृष्टिय से उक्त अंतरण निचित में नास्तुतिक स्पूष्ट किथा नहीं किया गया है कुन

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने गें सुविधा के लिए; अर्टर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन ् निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री भुजंगा एम० शेट्टी।

(ऋतरक)

- (2) श्रीमती हरचरन कौर ए॰एस॰ कोहली (अन्तरिती)
- (3) म्रन्तरक ।

(वह ब्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पृति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के संबंध में कोई भी नाक्षेप प्रनाह

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वनीध सार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदी-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियाँ, स्या है।

ग्रनुस्ची

इंडस्ट्रियतः यूनिट नं० 103, जो रवीं इंडस्ट्रियतः इस्टेट, महाकाली केव्हा रोड, अंधेरी (पु०), बंदई-400093 में स्थित है।

अनुसूत्ती रौंसा की क०सं० अई-2/37-ईई/16276/84-85 और जो सक्षम प्राधितारीं, बम्बई, द्वारा दिनांदा 10-1-1985 को रजींस्टर्ड निया गया है।

> प्रशंत राहे संसम प्रावितारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 5-9-1985

प्रकृप बाई टी.एन.एस-----

चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याज्ञम, तहावक आयकर आयुक्त (निरीक्य)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37 ईई/16941/84 85—अत: मझे, अशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दिक्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिसकी स० शांप नं० 2, स्वामी निधानन्द सोसायटी, बम्बई 9 में स्थित है (और इतमें उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से श्रणित है) और जिसका वारारनामा श्रायकार अधिनियम की धारा 269 है, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री, है तारीख 28-1-1985

के कायालय, अम्बर्ध में रिजिस्ट्री, है तारिख 28-1-1985 को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकश के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त्र, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के सिए; और/या
- (ण) एंसी किसी अंग या किसी भून या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) चौ सभीन, निम्नौलियित अलिक्यों, अधीत :-- (1) श्री पोषटनान भूरा गाह ।

(बन्तरक)

(2) श्रीमती छोटीबेन ान्जी छेडा।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी अरको पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्चवाहियां करता हुं।

जनत सन्तरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस तृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकींगे।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स भौधानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

णांप नं० 2, जो स्वामी सिवानस्य सोसायटी, क सीको इंडस्ट्रिज के सामने, चकाला रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई 400099 में स्थित है।

श्रनुसूची जैला की ऋक्तं श्रई-2/37-ईई/16941/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा विनोक 28-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बर्ध

तारीख: 5-9-1985

प्रथम बाह् .टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, तहायक आयकर मायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

जम्बई, दिनांश 5 सितम्बर 1985

निदेण मं० ऋई-2/37 ईई/16418/84-85----ऋतः मुझी, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिन्ही से फ्लैट नं 6, सुपरमीत, कान्तीनगर, बंबई 59 में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसवा शराएनामा आयदार अधिनियम की धारा 269 फे, ख के अधीन सक्षम प्राधिवारी के निर्मात अस्पर्द में रिक्रस्ट्री हैं, नारीख 14-1-19 5 की पूर्विक्ष अम्पित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिक्र के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उपित बाजार बृत्य, उसके द्रममान प्रतिक्र से एसे स्थमान प्रतिक्र का बार करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उपित बाजार बृत्य, उसके द्रममान प्रतिक्र से एसे स्थमान प्रतिक्र का बन्द प्रिक्षित से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-रित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के निए एस पाया ववा प्रतिक्रत, निम्नां बोचक उद्योग से उन्तर बन्दरण कि विषक में बास्टिन कप ए है कायत नहीं किया ववा है है—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के ब्लीन कर दोने के बन्तरम क वाजित्व में कभी करने या सत्तवें बणमें में सुविधा के न्वार, श्रीप्र/सा
- (क) एची किसी नाथ वा किसी धन वा अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीन नावकर विधिन्तिया, 1922 (1922 का 11) या उच्च न्याधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीवनार्थ कच्चरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वा विध् था, सिधान में सुविधा के बिए;

बतः तदः, उत्तत अधिनियम की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन, निकालिसित व्यक्तियों - **** (1) श्रीमतीं सरोज नरेन्द्र गांधी।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री सुरेन्द्र के० गडीडिया ।

(अन्सरिती)

(3) श्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीसं से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (वा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को वास सिचित में किए जा सकने।

स्मण्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, को छक्त भीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिगा गवा है।

यनुपूर्या

फ्लैंट नं० 6, जो सपरमीत, प्लोट नं० 12, शाःतीनगर, अंधेरी (पु०), बंबम्ह 40005 में स्थित है।

प्रनुसूची जैंथा की ऋ०सं० श्रई-2/37-ईई/16418/84-85 औप जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 14-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

सारीख: 5-9-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37-ईई/16142/84-85—— अतः मुझे, 'प्रशांस राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीय जिसकी सं० यूनिट नं० 209, णिवाई इंडस्ट्रियल इस्टेट, बंबई 72 में स्थित है) और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिस्ता वरारनामा आयकर मधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिट्री है, तारीख 7-1-1985

को प्येक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अहें मिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती विमल बालकृष्ण डोग्ने, श्रीमती सूरेखा मूरली धर डोग्ने. श्री, बालकृष्ण विवक डोग्ने और श्री मूरली धर विवह डोग्ने।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स सिस्टम सपोर्ट सर्वीसीस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हा।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस प्रचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वयसकी

युनिट नं० 209, जो हुसरी मंजिल, शिवाई दौगरे इंडस्ट्रियल इस्टेट. प्लोट नं० 89 पार्क क्षेत्रीस के पास, साकी नाका, बम्बई 400072 में स्थित है।

श्रनुसूची जैहा की क०सं० श्रई-2/37-ईई/16142/64-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रारा दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किंगा गया है।

प्रणातः राय सक्षमः प्राधिकारी सं**हाय**क श्रीयकर श्रीयुक्त (किर्राक्षण), श्रुर्जन रिंज-१८ वस्बर्ध

तारीख: 5-9-1985

मोहर ह

प्ररूप नार्दा. टी. एन एस :-----

(1) में तर्भ नोबल मेटल वर्क्स।

(भ्रन्तरक)

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्रा 269-व (1) के बधीन स्वना (2) सुदर्शर मेटल फिनीशरस्।

(श्रन्तरिती)

मारत सहकार

कार्यालय . महायक जायकर डायुक्त (निरीक्रज)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 5 सितम्बर 1985

तिदेश सं० श्रई-2/37-ईई/16896/84-85---**ग्रतः मुझे** प्रशांत राय,

बायक अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पण्यात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-क क अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का फारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

अंद जिलकी संव यूतिट नंव क्, बी क्लों, हिन्स सौराष्ट्र इंडिस्ट्रिया इस्टेट, बंबई 59 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका लरारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क.स के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री है, तारील 25-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्ताक करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मौरत का उचित बाजार एका, उसके दश्यमान प्रतिफात से, एसे क्रयमान प्रतिफल का गंदह भित्रिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाना चना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में हास्तिक क्रय से कथित नहीं किया गया है है—

- िए अन्तरण सं हुई किसी मात्र की नायतः, उत्तः अधित्यम् के नधीन कर दीने के अन्तरक के शियश्व मो कभी करने या उससे वचने में हुविधा के लिए: और/शः
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्यक्षितीयमं, 1957 (1957 का 27) प्रकार या जिल्ला जाना माहिए था छिपान से सविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की ल्पधारा (1) के अधीन, कैनम्त्रिसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

को यह स्थान। जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिंत- क्यूध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निकास में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया ंग्या है।

क्षा संचि

यूनिट नं० 7, जो तल मंजील, बी ब्लीक, हिन्द सौराष्ट्र, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी कूर्ला रोड, अंधेरी (पु०), बंबई-400059 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कमसं० मई-2/37-ईई/16896/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, जम्बई, द्वारा दिनांक 25-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ,प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंग-2, वस्वाई

तारीखा: 5-9-1985

मक्य मार्च .टी: एन .एस . .-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में सभीन सुमना

HIER EVERY

सामानय, सञ्चयक नायकर नायका (विरोधन) अर्जन रेंज-2, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985,

निदेश सं ० अई-2/37-ईई/16153/84-85---अतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा नया हैं), की भारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका स्वित वाचार जुरु

1,00,000/~ रतः से अधिक है

भीर जिसको सं प्रलोट नं 64, विले पार्ले में स्थित है (भीर इससे उपाधक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्राव इतिपास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अनाप्त्रॉक्स सम्मित्त का उचित बाजार मृख्य, उसके स्वयंत्रान प्रतिपास से, एसे स्वयंत्रान प्रतिपास का पंत्रह प्रतिकात से जीभक है और जैतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरिहायों) से बीच एसे वंतरण के लिए तब पाना पना प्रतिप्त कन विश्नतिचित स्वयंत्रम से उच्छ सम्बर्ग निचित में बास्त-विक रूप से समित नहीं सिका गया है :---

- (क) कलारण में हुई चिन्नी मान भी नामक बन्द विधिननन के वधीन कर नेने के सन्तरक राजिएन में 'क्षेत्री करने ना वचने नमने में सुनिधा के चिन्न; विधि/ना
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आरितकों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जंकत अधिनियम, या कल अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सर्विका की शिए;

कतः वस, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की जमुबरन में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न को उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) घनश्याम मंगलभाई पटेल भ्रीर अन्य। (अन्तरक)
- (2) मेससंगलाम रसूल एण्ड एसोणिएटस्। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्दि में कर्यम को शिक्ष कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 किन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो और अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी स्पवित व्यादाः
- (क) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्द व्यक्ति ब्यारा स्थाहस्ताकरी के पास विविक्त के किए का सकेने।

स्थाबीकरण :---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विका गमा है।

अनुसुची

जमीन का हिस्सा जीसहा फाइनल प्लोट नं० 64, टी पी एस 3, सीटीएस नं० 1134, बजाज रोड. विले पार्ले बंबई है।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई-2/37 ईई/16153/81-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक ७-०-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर शायुक्त (चिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, जस्बई

नारीख: 10-9-1985

मोहरः

प्रचम कार्यु हुन् हुन् हुन् हुन् - ---

बरवक्टर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन समना

नारत तरकार

कार्यासन, तहायक नायकर नायक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सिसम्बर 1985

.नदेश सं ० अई-2/37-ईई/16425/84185---अत: मुझे, प्रशांत राय

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा पदा हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारम है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मस्य 1.00.000/- ए. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० अजीज बाग, मान्ताकूज (प०), बंबई 54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपांबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 15-1-1985

को प्रोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मुख्य से कम के अस्यमान इतिकम् के लिए कर्तारित की गई है और मुभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त बम्परित का उचित्र बाबार मृत्य, उसके व्यवान प्रतिकत से, एसे व्यवपाद प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से मिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) बार बन्दरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिश्वित उद्योषय से उद्या अम्तर्य सिचित में नास्त्रीयक रून ते कीयब नहीं विका यना है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई विश्वी बाय की बाबत उक्त विभिनियम के वभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; वरि/वा
- (क) प्रीती किसी बाय या किसी बन या बन्य आस्तियों को चिन्हां मारतीय जायकर विभिनिषय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर विभिन्तिक, 1957 (1957 का 27) वे क्रमोचनार्थ करतरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, सिपाने में स्विधा के लिए:

नयः जव, उन्त निविनियम की भारा 269-न के अनलरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के नधीर, निल्लिमित व्यक्तियों, वर्षात् 🖫

34--286GI/85

- (1) मसीरूधीन एस० अन्दलहलीम और अन्य। (अन्तरक)
- (2) अहमद जी शेख, अञ्दूल जी० शेखा, मेहमूद जी० शेखऔर इक्राहीम जी० शेख।

(अन्तरिती)

(3) भाडोत्री।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके प्रमुक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की वद्यीय, की भी बंदिय बाद में समल्त होदी हो. के मीतर प्रवेपत ध्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डित-बवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें में ।

स्वच्छीकरण:--- इसमें प्रयक्त अन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विका नया है।

वर्षाची

जमीन का हिस्सा स्ट्रमचर के साथ, अजीज बाग, 2 हसताबाद लेन, सान्ताऋज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क०सं० अई-2/37-ईई/16425/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 15-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सित्तम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/15983/84-85—अतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट न० 83, सान्ताकूज (प०), बंबई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः :— (1) श्रीमती रोदा रूस्तमजी सेध्ना।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनीकान्त हरकीसनदास शाह, श्रीमती सूशीला जी शाह श्री परेण प्रानलाल शाह, श्री यतीन प्रानलाल शाह श्रौर श्रीमती सरोज नरून शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 83-सी/9 फाइनल प्लाट नं०83, टीपीएस 2 सान्ताकूज (प), बंबई।

ग्रनसूची जैसा कि क्रम सं० ऋई-2/37ईई/15983/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशान्त राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अःयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

प्रकम् आर्ड । दी । एन । एसु ,५५०-५०-५०५०

मापकर नीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) से मधीन तृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/16057/84-85—अत: मुझे, प्रशांत राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 265-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 21 बी, सान्ताकूज, बंबई 54 में स्थित हैं) ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 4-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आंद्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्मा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) वे अभीषा. निम्नसिचित व्यक्तियों, शर्थात् :— (1) श्रीमती होलीबाई ह० तूलणन, नन्दिकशोर ह० तूलणन, गान्तीकुमार ह० तूलणन, बालिकान ह० तूलणन, रतनकुमार ह० तूलणन, श्रीमती सात्रिवीदेवी ग्रीर गणीकान्त आर० तूलणन।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकरलाल गौरीदत्त मिटटल ग्रौर श्री परमेश्वर गौरीदत्त मिटटल।

(अन्तरिती)

(3) भडोती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मेंसम्पत्ति है)

(4) निर्मला निकेतन कां. अंप. हाउसिंग सोसाइटी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्सूची

जमीन का हिस्मा जिसका प्लाट नं० 21-बी, टीपीएस नं० 1, सीटीएस नं०एच/64 तूलणन भवन बगलो के साथ, स्वामी विवेकानन्द रोड, मान्ताकूज, बम्बई 4000-54 में स्थित है।

मनुसूचीं जैसा कि ऋ० सं० प्रार्ध-2/37प्रार्द्ध, 16057/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 4-1-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज:2, **बस्बई**

तारी**ख**:10-9-1985

प्रकृप वार्षं .टी. एन . एस . ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश र्सं० अई-2/37ईई/16144/84-85 —अतः मुझे, प्रशांत राय

बानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के अधीन संसम् प्राधिकारी को यह निश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं०एस० नं० 35, हिस्सा नं०1/ए, ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित हैं) ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 7~1~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

न्तर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पारत का उचित बाजार मुख्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पुन्कह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और नार बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाथ वा किसी भन या अस्य जास्तियों की, विषष्ट भारतीय जात-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरियी बुवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा में किसी

न्त्र अन उत्तर वीपीनवन की पारा 269-न व वन्द्रव में, में, उपत वीपीनवम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निष्नित्वित व्यक्तिकों, नवादि ह— (1) श्रीमती उपकार कौर हरनामसींग।

(अन्तरक)

(2) मेसर्से दशमेश कनस्ट्रमशन।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती सबीरा माजीद (भाडोता)

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में

सम्पत्ति है)।

को यह स्वना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्यर्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप ह

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रमुक्त अन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया

ग्रनुसूची

जमीन का हिस्सा जीसका एस० नं० 35, हिस् । /ए, सी०टी०एस०नं० 143, मजास विलेज, अधेरी, अस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०मं० अई-2/37-ईई/16144/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय प्रसम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 9-9-1985

मोहर 🖫

प्रकृ बाह् .टी . एन . एस . ----

शायकर शिंशनिय्व, 1961 (1961 का 43) वर्षी गारा 269-म(1) के ग्योव सुजवा

भाषा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शाक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37त्ईई/16356/84-85--अत: मुझे,

प्रशांत राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित्र वाकार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जित्रकी सं० गाला नं० 103, इन्डस्ट्री हाउस, बम्बई-72 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण कंप से विणय है) श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 का, खंक अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख़ 11-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाबार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए , बन्दरित की गई

हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रति-कल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से बंधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एके अंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उष्यस्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप से कीवत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किती माय की बाबत, उक्त वीधनियम् के बधीन कर देने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; व्यार/बा
- (व) इसी किसी नाय या किसी भन या अस्य नास्तियों को चिन्हों नारतीय नामकर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिन्नम, या जन- कर निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के नवीननार्थ नन्दिरती बुनारा प्रकट नहीं किना भना वा वा विका जाना वाहिए था, किनाने में सुनिका के लिए;

नतः जब, उन्त निभिनियम की भारा 269-र के निपूत्ररण में, में, उन्त निभिन्यम की भारा 269-म की श्रेषभारा (1) ■ द्वभीन, निभ्निसियत व्यक्तिसों, निभृति ॥--- (1) मेसर्स वीना डायस एण्ड केमीकलस् प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मेरीडीयन इनफ्लेटेबल्स प्रायवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके दुर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन् के किए कार्यवाहिमां करता हु"।

उनत राज्यकि के कर्मन के राज्यका के कार्य की अरखें :---

- (क) इस स्थान के राष्ण्य में प्रकाशन की तारीय से 45 किए की शर्वीय या तत्स्र करनी स्वित्यों पर स्थान की तालीय के 30 जिन की अविध, को भी अविध कहर के स्वाप्य होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्वित्यों से किसी स्वित्य ह्वारा;
- (क) इत सूचना में राज्यपन में प्रकाशन की तारीं ते 45 दिव के शीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-वक्ष किसी अन्य स्थापत क्योद को यस सिवित में किए था बच्चेंगे।

क्ष्यांकाल ह—हसमें प्रमुक्त कर्मा श्रीत क्यां का, को क्या व्यांगीनका के क्यांव 20-क में परिभावित हैं, नहीं कर्म होता को उस क्यांन में द्विया नका है।

अनुसूची

माला नं 103, जो पहली मंजील, इंडस्ट्री हाइस, प्लोट नं . 4, मारवाह इस्टेंट, साकी विहार रोड, बंबई 400072 में स्थित है ।

अनुमूची जैमा की क. सं. अई-2/37ईई/16356/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, व्वारा दिनांक 11-1-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 ,बम्बई बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निदेश गंठ० अई/2/37/ईई/16416/84-85--अतः मुझे,

प्रशांत राय

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० पूनिट नं० 1, श्रीपाल कांम्प्लेक्स, ग्रंधेरी (पु०), बंबई 59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की घारा 269 क,ख अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-1-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए कृत्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दरयमान प्रतिफल से एसे उरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अतः, उन्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसींबत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मतीन्द्रपाल इनबेस्टमेंट प्रायवेट लिमिटेंड। (अन्तरक)
- (2) श्री नरमजी पेराज।

(अन्तरिता)

(3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

यूनिट नं० 1, जो तल मंजील, श्री पाल कॉम्प्लेक्स सी'०टी ०एस० नं० 215 श्रीर 215/1 से 9, गूडवली विलेज सूरेन रोड, श्रंधेरी (पु०), बम्बई 400059 में स्थित है। अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई/2/37/ईई/16416/84/85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रारा दिनांक 14/1/1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तारीख: 9-9-1985

(1) सूजन सींग। प्रकम बाह्य, ठीउ एन , एस, --------

(अन्तरक)

(2) समानी मीलन लक्ष्मीदास। बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरिती)

भारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत तरकार

कार्यांसय, सहावक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बई, विनांक 9 सितम्बर 1985

निवेश सं अई-2/37रहई/16148/84-85--अतः मुझे,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्रे इसमें इसको पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारत 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000 ∕- रु. से अर्थिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 4, इमारत नं०सी० श्रंधेरी जम्बो, बंबई 69 में स्थित है) ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकास से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिकस, 🦰 निम्नसिक्षित उद्देवय से उक्त अंतरण सिक्ति में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है ह---

- (क) बंतरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए: वरि∕वा
- (क) एेसी किसी नाय का किसी धन या जन्म आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए।

बत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 2.69-व की उपधारा (१) के अधीत : निस्नलिकित व्यक्तियों , अर्थात्:---

को यह सूचना जारी करके पृवर्षिक सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

क्षाबत सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवहुध किसी बन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्यों और पर्यों का को विभिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बमुसूची

फ्लैंट नं०4, जो इमारत नं०सी०, ग्रंधेरी जम्बो को० श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कोलडोंगरी, रोड नं०2 सहार रोड, अधिरी (पु), बंबई 4,00069 में स्थित है । अन्मूची जैसा की ऋ०सं० अई-2/37-ईई/16148/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशति राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, अम्बई

नारीख: 9-9-1985

मोहरः

अचन बाह्, टी. एन. एस. -----

अ।यकर आधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीत स्पना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)
भूजीन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रई०-2/37 ईईई०/16111/84-85--श्रतः मुखे,प्रशांत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया ही, की पारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० पलैंट नं० 10 था जो इमारत नं० 6, वर्मा नगर, बम्बई −69 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण रूप विणित है), ग्रीर जिसका करार नामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 4-1-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वंशापुर्वोक्त सम्परित का उपित बाबार बुक्ब, उसके स्थ्यभान प्रतिकल से ऐसे अध्यान प्रतिकल का पन्छ प्रतिकत से अपिक है और बंधरक (बंदरकों) नीर बंदरिती (बंदिशितियों) से बीच एसे बन्दरण के तिए उस पाना नवा प्रति-कल विश्वानीयां उन्नोद्य से उपल बंदरण जिल्ला के वास्तिय के बास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है है—

- क्रिक्टरम से क्षुद्ध कियी नाम भी नानद उसके अधिक नियम के अधीन कार दोने को जंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे नमने में मृतिधा के लिए बीक्ट/भा
- (क) होती रिक्सी लाग या किसी पत्र या जन्म आरितारी की, किस्तूरी धारधीय सावकार समितियम, 1922 (1922 का 11) या उसत म्यानियम, टा धन-कर साधित्यम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्वा था दा किया बाना चाहिए ना, कियाने में द्विमा से सिष्

जत: अब, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (ः) ि 'ं ं जयराज गांधी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हिनेण भगवत राय संघवी श्रीर जागृति हितेश सघवा ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिता और उसके परिवार के सदस्य।
(वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिग्न कार्यवाहिया श्रूक करता हुं।

जनत संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी स्थितियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषिस् हैं, वहीं वर्ष होना को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

पलैंट नं० 104 जो दसवीं मंजिल, इमारस नं० 6, वर्मा नगर को० स्रापरेटिव हाउसिंग सोपाइटी लिमिटेड, श्रोल्ड नगरदास रोड, श्रन्बेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 ई०/16111 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 जनवरी, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 9-9-1985

प्रकल नार्'. टी. पुन . पुन .----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) क अधीन सुचना

भारत तरकार

कायां नय भवायक अध्यक्त आयक्त (निरीक्षण) स्रोते रेंजे - 2, बस्बर्ह

बाबई, दिनों : 9 िताबर 1985

निकेश पं० मार्क०--2/37 ईई०/16394/84--**85--- म**तः मुझे, प्राप्तंत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि वथापूर्विक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

भीरिजितको सं अशिल्ड गाँड नं 36, विले पार्ले (पूर्व), में स्थल है (गेर इक्का बढ़ अनुपूजा में और पूर्ण कर कारिया है), और निज्ञा करायामा अपकर अधि—निसम 1961 का धारा 269 के ख के अवस्त जाता क्षित का धारा 269 के ख के अवस्त जाता क्षित का धारा 269 के ख के अवस्त जाता क्षित का धारा 269 के ख के अवस्त अवस्त 14—1—1985

का वर्षोचत सम्योग्न के उचित बाजार मृन्य में कम के दृष्यमान इतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्यानत सम्योग्त का उचित बाजार बन्य असके कारण है कि यथाप्यानत सम्योग्त का उचित बाजार बन्य असके कारण गत प्रतिकल में एमें दृश्यमान प्रतिकल का बन्सह प्रतिकृत अधिक है और कन्तरक (अंतरकाँ) और अतारती (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नतिस्तित उद्युष्य में उसते अन्तरण निस्ति में बास्तिकत रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बांधानयम के बधीन कर दोने के बत्तरक के द्वायत्व में कमी करन या उसते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकते अधिनियम का धन्न-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमानकार्य अन्योरिकी द्वारा एकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ब्लिपाने में सुविधा के लिए;

(.) हामान रमानन्द को० श्रॉपरेटिव हाउनिंग सोनाष्टरः शिमिटेश ।

(प्रत्यरह)

(2) श्री माशुद्धाल नरनदात मौजिशिया।

(प्रन्तिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम कायवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ६स स्वना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारोख है 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अरुसूची

जमिन का हिस्सा जिसाा श्रोस्ड प्लाट नं० 36, टी० पी० एउ० 5, बिले पार्ले (पु), बम्बई में स्थित है। श्रनुपूचः जैरा ि त्रम सं० श्राई-2/37 ईई/16394/ 84-85 श्रीए जो उक्षम नाश्चितरः, बम्बई द्वारा दिनांक 14 जागरा, 1985 को रिजस्टई िया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्रधिरारी सहायक म्नायहर म्राय्क्त (िर ४ण) म्राजैन रैंज-2, **बम्बई**

त'र ख : 9-9-1985

इस्त बाइ टी इन एस ---

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

बारत बरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयक्त (निरोक्षण)
 ग्रर्जन रेंज-2, दःदई
 बम्बई, दिनांग 9 ित वर 1985

निदे : गं० अर्ह -2/37 ईई >/16175/84--85/ अर्हः मुक्को, ।प्रातंत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके कि बात 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं और जिज्ञकें संर हरी जिल्ला, एसन जी रहें हिले

श्रीर जिन्ने का स० हरा जिन्ना, प्रम० जा कर है, कि पार्ले (ग्रु), बम्बई 57 में किश है (श्रीप इस्ते उपाद अनुसूत्र में श्रीर पूर्ण कासे धीर है), श्रीप विस्ता इसर—नामा श्रीप र श्रीकियम, का धरा 269 र खा के श्रीप का कि दार्यालय में रिजर्म, है, तार खा 7-1-1985

को पर्वाक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई और सुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि ग्रथाण बीकत सम्पन्ति का जीवन बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पासा गया प्रतिफल रिस्तिलिखत उददिष्य से उबत अ पण लिखिए में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्मपण में झाड़ी किसी बाय की नावस उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दावित्य में क्यी करने या उत्तसे वचने में सृविधा अक्ष प्रमण्डनीर थे।
- एंगी किसी शय या किसी धन या अन्य आस्तियों के किन्हें आरतीय आय-कर अधिनियस. 1922 (1922 का 11) या तक्त अधिनियस, या धन-कार अधि: प्रमा 1957 (1957 का 27) अर्थ नगोत्रनार्थ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यापन सं स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण बै. बैं डक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (१) के अधीन, निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थाट कि

- (.) ज'मत' लिहिलाबेन क्षपूराहा पार **र झं इ**क्षा। (प्रस्तरा)
- (अ) श्रांसा० एमा प्राह्म एघ० यू० एफ० स्रोह जा० एम० दोशा।

श्रन्ति (तं)

🕩 भाडोज्ञे: ।

(्रव्यक्ति, जि.के स्रधिभोग में क्वितित है)

का यह म्बना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के असन के लिए कार्यत्राहिया शुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन की सबिध मा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सक्ना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, उधाहरताक्षरा के पास सिवित में किए का सकेंगे।

पष्टीकरण — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका नवा है।

ग्रन<u>ु</u>म्ची

हाइस निजात, जो फ़ इन्स् पाँट नं 10, सब प्लॉट नं 1 जा, सट हर्वे नं 967, 967 (1) से 967 (1), मा जी रोड, दिले पार्ले (पु), बान्बई— 400057 में स्नद है।

अपूर्व जै.१ ि किम स० अई 2/57ईई०/16175/ 8: 85 और जो उजम प्राधितर, ११६६ इ.५ रिसार 7 जारा, 1985 को एजिस्टर्ड िया गया है।

> प्रातंत ताय सक्षम प्रधिः। रंग सहायक स्रायक्त स्वरूक्त (िर ६०) स्र्युक्त रेके 2, बन्बई

हार**ेख**: 9-9-19**85** मोहर:

. प्ररूप बाइ' टी एन एस -----

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचनर

, भारत मरकार

कार्यालयः सहायक वायकर वाय्**क्त (विरोक्षण)** स्रोत रेंत्र-2, बन्नई बन्बई, दिसं, 9 िस्बर 1985

ির্বিদ র্মাণ সৃষ্টিও •2/37 ইইগ/16285/84 •85 •-ম্মর:

मुझे, प्रशांत :ाय

बायकर कांधीनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पञ्चात 'उका अधिनयम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विशास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति, जियका अखित बाजार मृज्य 1 00,+00/- रा. से अधिक हैं

औ: विकीं स० पतैटनं० 7/22 दीं ब्लोसोम को आएरेटिय हु जींग सो पटीं किटिंड, इन्हेरीं (पू), बब्बईं-57 में किता है (और इक्षा जाबद्ध आसूती में और पूर्ण रूप से वींगा है), और विकास का का प्राक्ष आक्षित है कि का 269 के जीति का बई स्थित से सक्षम प्राक्षितरों के कार्यों में किस्ट्री है तारीख 10 1− 1985

का प्वाक्त संपत्ति के उचित बाधार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास कुरन का कारण हैं कि यथाप्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान अनिफल से एमं स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) कर बीच एस अन्तरक किए लब पाया गया प्रतिकात, निज्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरक सिंखित में बारतिवार रूप से किथा नहीं किथा गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्छ आधानयम क अधीन कर दान के अन्तरक के डाधिक में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की; जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ जन्तरिती इंशारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया बाना चाहिए वा खिपाने में बुविधा से लिए;

बात अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण सो. मी. प्रत्यत अधितियम की धारा 269-घ नी उपधारा (1) के अधीत. जिम्ही लाखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीनतीं येलना निरान्डा ।

(अन्दर्भः)

(2) श्रीं प्रब्दु: तमत उमर :रो:।

(भ्रन्जितीं)

(3) अन्तिती

(वह ठाकित, जि.के मधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मुखना जारी करक पृत्राक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हु।

उक्त सम्पात्त के अजन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ई 45 दिन की अवीध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील स 30 दिन की बबिध, जो भी अवीध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं के 45 दिन के भीतर उत्तर स्थातर सम्पन्ति में हितबदेशें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखत में किए हा सक्तगः।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्ते अधिनियमें के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्यूची

पलैट नं० 7/22 जो दी ब्लोसोम को० ग्राएरेटिव हार्जिंग सो एटीं किटिंड, मरंशी रोड, मरंल श्रन्थेरीं (पू), बन्दई 400057 में स्थित है।

अनुसूची जै 1 ित्रम सं० शई०--2/37 ईई०/16:285/ 84 -85 अं: जो क्षम प्रति गरी, बारई द्वारा दिनांक 10 -1-85 को पिस्टर्ड स्था गया है।

> प्रशांत ाय सक्षम प्राधि गरी सहाय : आय .र आयुक्त (िर्र क्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9.9-1985

प्रकृत नाही, दी. एव., एव.,----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीर स्थान

बारव सरकार

कार्यासय, सह ाक आग्रकर आगुक्त (निरीक्षण) ग्रजिन रेज--2, बम्बई

बम्बई, यि ते : 9 जिम्बर 1985

िवेश सं० % ई- 2/37 ई- 2/16926/84-85—— इत:, मझे, प्रकांत राय

कायकर मिधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और िंकी सं० गाप न० 20, गारिंग सेन्टर, भवानी नगर, श्रद्भोरी (पू०), बम्बई -59 में स्थित हैं (और इ.से उपावज श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणय हैं), और कि ता गरारामा आयार श्रिकियम, 1961 भी भारा 269- म, ख के १थी विवद है स्थित सक्षम प्राविकारी के वायिय में तिन्दी है तारीख 28-1-1985

कां प्रांक्त सम्पात के उचित बाबार मृन्य से का के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त संपत्त का जीचर बाजार मृल्य उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एसं ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसं उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की शबत उपस अधिनियम के अधीन कर वान के असरक के शायत्व में कमी करन या उसन बचन में श्विभा के बिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अधाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया बाना चाहिए था, क्रियान के सुविधा अधिकपः

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हो अधीर, जिम्लिखिए व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीनिती फेनी दि रांडिकित।

(अस्तरक)

(2) श्रीतिती महाबाई है एकली।

(भ्रन्ति)

(3) मैं० दीन : बिल्डर्स प्राप्तवेट िमटेड । (वह व्यक्ति, िक्षे प्रधिभोग

में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहरा शुरू करता हु।

बन्द बज्यस्ति के बर्बन के सम्बन्ध के जलोड़ों भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण ने प्रकाशन की तारीय से 45 विन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन का अवधि, जा भी अवधि याद में समाप्त हाती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति वृत्तरा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस बाधिनियम के अध्याय 20-के में पीरभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुची

माप नं० 20, को त'र मंशित, मालिंग सेन्टर, प्लाट नं० 18, भवानी लगा, मरा। मराशी रोड, धन्नेरी (पु०), बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसूची जै ा ि त्रम सं० अई 2/37 ईई/16926/ 84 85 और जो सक्षम प्रावि ारी, बन्बई द्वारा दिनांड 28 1-1985 को रिवस्टर्ड िया गवा है।

> ग्रमांत राम सक्षम प्राधि गरी सहायाः झामःार झामुक्त (िरीक्षण) झर्जन रेंज - 2, बम्बई

दिनाँ : 9--9--1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रार्तन रेंग-II बाबई बन्दई, रितं: 9 जिन्दा 985 िदेग सं० अई०--2/37 ईई⁵/15973/84·85--श्रतः म्से, प्रशांत राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 🖶 रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और िकीं सं० पर्देटनं० 102 अमर विकास अन्येरी (पू), बन्बई-59 में स्थित है (अंतः इस विस्तान्छ अन्सूचीं में और पूर्ण रूप ने वर्गित है) और जिल्ला क्याला आयाः प्रकृतियम्, 1961 की धाःत 269 टखके अधीत बम्बई स्थित :क्षम प्राधि . र्रो के ार्या व्यक्ति में िल्ही है तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एव्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अतरकाँ) और अंत-रिस्ती (अंतर्रितयाँ) के बीच एसे अहरण के लिए तय पाया गया **प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यद्याय सं उक्त अंतरण लिखित में थास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--**

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससंबचने में सुविधा के लिए; मोर/या
- (था) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों कां जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर र्क्काभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्भ अमंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए
- 🗝 माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्षतः अव, उक्त अधिनियम का धारा 269-ए के अनगरण क्ष अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) मैलाल एता एक एण्ड को ।

THE PROPERTY OF THE PROPERTY AND THE

(अनारह)

(2) श्रींमतीं पुष्ता रमेश रूइया।

(भ्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन की लिए कार्यवा ह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना को तामील सं 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ मो स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्योक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेग।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

फ्लैट नं० 10%, है तथा जो प'ली मंतिक, ग्रमा कितन गास्थान को० क्रासिटिय हाउमि सो पदरी प्लाट नं० 12, जे० थीं० भग धर्मेरी (पू), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रत्भृतीं जैसा. कम सं० शई > 2/37 ईई √15975/ 84 83 अ.र जा अस प्रकारी, बन्दई द्वारा दिलाई 1-1-1985 को २०स्टिई द्विम गरा है।

> त्रणीत राव नक्षम प्राधिकारी सहाय: आय: र प्रायकः (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-12 वन्त्रई

तारीख: 9-9-1985

- I -

इस्त्य आहे टी एव एस -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक शायकार जायुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रें 7- 2, ब वर्ड बम्बई रिस : 9 ि उपन : 1985 दि : सं• अई-2437 ईई/•16233/84 85--श्चतः नुक्षे, प्रशां अप

बायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करन को कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. स अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैंट नं० 6 हमा त नू० 5, शेर ए-पंजाब अरेरीं (पू), बनाई 93 में स्थित है (और इ.स. उपाबढ अनुसूची में और पूण रूप त पिता है।, और जिस्ता करार तमा अत्यार अविधित, 1961 की धारा 269 ख के अरों। बम्बई स्थित समाजाबि तरी के तथाया में तिस्ट्री है ताराब 10 ⋅1-1985

का प्वाक्त सपात्त क उचित बाजा मूल्य त कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अतरित्यों) के बीच एसं अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य स उक्त अतरण लिखित में वास्तीवक रूप स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय को बासक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त देवने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी बाय दा फिनो धन वा अन्य आस्तवा का, जिन्हें भारतीय बाय-कर वीधीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधीनयम, मा धन-कर अधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं क्या गया था वा किया बाना चाहिए था, छिपान वं श्रीवधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म व, अनुभरण को, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रोन्ड स्नाए० विषयै र और श्री प्रिरोश स्नार्ण शिष्यै र और

(अस्तरः)

(2) मैं कि इंटरा अनाप्तिरेशत की व इण्डिल (प्राइवेट) किनिवेड ।

(श्रदान्तिं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के जिस -कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सपति के बर्जन के संबंध में काई भी आसंप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं.
 45 दिन की अविधिया तत्मबधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्थाक्तयों में से किनी स्थावत ह्यारा,
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सि। सत के किए के सकन।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयंकत शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुं अध द्वागा वा ास अध्याय में दिया मया है।

अनुपूची 📑

. **परी**ष्ट नं० 6, जो दासी संतित, इसतात नं० 5, भोर स्पानी प्राप्त आस्तित हाजीय स्वाप्त विस्टिड, महाराजी पेव्हा राड असीसे (हा, पानी स00093 में स्थित है

अनुसूती जैता हि ऋष संके अर्ड १ १/3 व्हेर्ड व/16233/ 84 85 और की भाग प्रापितको पन्छी हता पिती. 10/1/1985 को प्रतिहाई क्षित्र ग्रांस गया ।

> अवार राय स्वार नामि गरी सहाय: ऋाजार ऋायुका (विरोक्षण) स्रजैत रिंग-2, बन्मई

तारीड : 9-9-1985

प्ररूप बाइ'. टी. एत. एस. ----

(1) श्री मूलन हुसेन।

(भ्रन्तरक)

(2) मेड टेक डिवा ने सेस प्राई टिलिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा २६७-१ (११ के अबरेट सुबन्त

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

बम्बई, दिगांक 19 नितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37 ईई/16390/84-85 -- ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वति उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 260- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-102, रीजवी पेनेस, बांद्रा, बम्बई-50 में न्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), और जिज्ञ हा उत्तर रजामा प्राय हर प्रशिष्यम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राविज्ञारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 11-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ज्ञितिगत के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दश्यमान प्रतिफल म, एम दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्युक्त में उच्च अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुईं िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तस्क के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सृविधा क लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह तुषमा जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समाहा।

अनुसूची

प्लैट नं० बी-102 जो पहली मंजिल, रीजवी पेलेस,पुलिस स्टेशन के सामने, हिल रोड, बांद्रा (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई ·2/37 ईई/16390/ 84-85 और जो सञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्धारा दिनांक 11-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िररीक्षण) ग्रुजैन रेंज⊶2, बम्बई

तारीख : 9-9-1985

मोहर :

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिब्त अधिक्तयों, अर्थात् :--- प्रकप बाई ही . एन . एस . ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

शायांत्रय, सङ्गायक आयाकर आयांक्त (निरीक्षण)
 श्राणीन रेंज-2, बम्बई
 बम्बई, दिनांक 9 निनग्बर 1985

निर्ने ग सं० अई--2/37 ईई/16348/84--85---अतः मूझे, प्रशांत राय,

बाय कर विधित्यमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमक पहरात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन रक्षण प्राध्यकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं। अधीर जिएकी संव फ्लीट नंव 12. रीच प्राथ्यित सामिस

और जिस्ती सं० फ्लैट नं० 12, रीच अपर्टमेंट, माहीम (प०), बम्बई-16 में थि। है (और इसपे उशक्त अनुमूची में और पूर्ण रूप से विना है), और जिसता करारतामा आपि हर प्रिशियन, 1961 की बारा 269 के ख के ध्धीन सभम प्राविक:री के कार्योनय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 14-1-1985

को ६थाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूकाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल के पदह बितास के पिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एस अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक स्पर्ध किया गया ही :——

- (क्त) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दन के अन्तरक को दान्यत्व मं कमी अरन या उसस बचन मं स्विधा को लए, अटर/या
- (क्) एसी कियो आय या किसी ६न या अन्य अस्तियः। क्ये, जिल्हा भारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उन्नत अधिनियम, या भगकर लाभिनयम, 1957 (1957 का 27) के भयाजनाथे उन्तारती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

न्हर अव. उक्कर किश्वियम , की शारा 269-ग को जनसरणी मीं, मीं, उक्कर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (†) को अधीर, निम्नलिक्ति स्पृतिस्तारों, अर्थात् :--- (1) श्रीजी० रिक्ट्रिन ।

(भ्रग्तरक)

(2) श्री मुखतार म्रहमद अंसारी ।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त हाती हो, के भीटर प्रवास्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्राहस्ताक्षरी के णख लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, वो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अर्थ हांगा को उस अध्याय में विया गया ही।

मन्सूची

पत्रैटनं० 12 जो पड्नी नंजित रीत प्रसादेंमेंट वांजेवाड़ी रोड, म \lesssim ीम (प०), बन्ब \lesssim -400016 में स्थित है ।

प्राम्भो तेम कि कन नं प्रश्चित्य ईर्श 16349/ 84.85 और जो सन्नम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-1-1935 को रिजल्ड किना गना है।

> प्रणात राय सञ्जय प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर प्रापुक्त (शिरीजन) प्रकृत रेंज-2, वस्बई

तारीख : 9 •9-1985

शक्य आहे. टी_ट एम्. एस्.-----

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में संभीम सूचना

शाहत सहस्रार

कार्यालय, सहायक गायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- सं अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, बेन्डा ओलम्पिक सोसायटी, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अतुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 4-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ठ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, जिम्मिसित उच्चेस्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे अधने में सृविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, फिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तरिती इनाय प्रकट नहीं किया नया था वा किसा आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अधीत १-— 36—286 GI/85 (1) श्रीमूल वी० पंजाबी।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष किणन लाल खुराना और श्री किणन लाल खुराना ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रांचित सम्पत्ति के वर्षन् के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्चन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब के 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों देव सुजना की सामील से 30 दिन की जनिध, का भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किली एक जित इवारा;
- (क) इस सुक्ता के राजपत्र के प्रकाशन की तारील के 45 किन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताकारी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:—इसमें प्रयूज्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 14, जो बेन्डा ओलम्पिक सोसाइटी सोलवा रोड, प्लाट नं० 533/34, बांद्रा, बम्ब $\xi-400050$ में स्थित है

श्चनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई०-2/37 ईई०/16086/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-9-1985

मोहरः

इक्त नार्ंु टी. एन. एस.-----

सांवकर विधित्तवम्, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के नपीन स्वता

शारक बरकार

धार्यातय, तहायक बायकर बायकर (विद्रीक्क)

मर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निवेश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/16128/84-85--- प्रतः मुझे, ात्रणांत राय,

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परनात् 'उन्तर निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन तक्षण प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर कम्पीता, जिसका किया गायार मूल्य 1,00,000/- रा. से निभक्ष हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी-1, नेलनोम मर्पा मेंट, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भतुसूची में और पूर्ण क्ष्य से बणित है), और जिसका करारनामा मायकर मधिनियम, 1961 की धारा,269 कक्ष के मधीन बम्बई स्थित कांगीलय में तारीका 7-1-1985]

की पूर्वोक्त कम्पीत के जीवत काकार मूल्य के कान के क्यानान प्रतिकास के लिए रिवस्ट्रीकृत विलेख के जनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके वृद्यान प्रतिकाल से, एसे वृद्यमान प्रतिकाल को पन्त्रह प्रतिकाल ले जीवक हैं और वृत्तरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरका के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्मलिखित उत्वरेध के उच्या बंतरण सिचित में बास्त्रिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्धरण ते हुई किती बाब की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के बाहियरच में कमी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (थ) ऐसी किसी अप या कसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था विषया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा से शिए;

अत: अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, ही, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्षीम, गिम्मनिवित व्यक्तियों व्यक्ति ह—— (1) श्री फेडरीक (फेडी) डीरोजा और मर्ली वेरोनी काडीसोजा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीग्रसीथ य० लालजी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निभिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

फ्लैट नं० डी--1, नेलनोम श्रप्रदेमेंट ग्राफ वरोडा रोड, क्षांब्रा सम्बर्ध-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-2/37 ईई/16128/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 जनवरी, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख** : 9--9--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, वस्वर्ध

बस्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37 ईडि०/16724/84-85--- ग्रन: मुझे, प्रशांत राथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिलका मं० भाँप नं० 9, रीजवी महल, बांद्रा, बश्वई—50 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायनप ग्रीधिनयम, की धारा 269 के ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिक कारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है तारीख

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के धरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृद्र्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं अचने में मृविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के लिए;

पत्र जा. जन्म अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में. में उपन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निमन्तिसिस व्यक्तिसयों, वर्धात् :---

(1) श्री साधीर ग्रहमद सिदीक भीर श्री महमद हुसैन महमद[सदीक ।

(मन्तरक)

(2) श्रं। शमीरा एस० अक्षर नूरवान् अक्षर ग्रांर श्रा जुबर सोराधिया।

(अन्तरिता)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) कम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स ्र दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सगाप्त हमोती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इस 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्वितिक में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिका गया है।

नग्स्यो

भाष नं० 9, जो सल मंजिल, रिजवी महल, प्लाट नं० 106 भौर 107, बाटर फ़िल्ड रोड, बांद्रा, बम्बई-40000 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/16724/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांद 21 जनवरी, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-9-1985

स्रोहर

प्रकप कार्च . ही . एव . एस . ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मृजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/16216/84--85---- ग्रतः

मुझे, प्रशांत राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य

1,00,000/-ए. से बिधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ब्लैट नं० 4, सर्वाना बाद्रा, वश्वई-50 में
स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूचा में श्री॰ पूर्ण रूप से
वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधित्यम,
की धारा 269 के ख के ग्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारी ख 10~1~1985

करें प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एत्यभान प्रिश्लन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उकत अंतरण सिक्तित में अम्तिबक रूप में कांचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा वेलिए; शर/वा
- (क्ष) एसी किसी आप या किसी ६न या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 क्षा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सनिया के सिए;

जतः अबं, उक्त अधिनिथम की धारा 269-ए के अनुसरण मं, में जक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उण्णास (1) कं अधीर निस्तितियत व्यक्तियों, अधार् :---- (1) सीरस केकी इंजिनियर श्रीर तेरो मिनू मिस्ता ।

(अन्तरकः)

(2) श्रामती जलीलः जहेरा खान्न काजम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--- 🛣

- (क) इस सृघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतः पूर्वोंकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

ं पर्लंट नं० 4 जो पहली मंजिल सबीना 10/बी बी, राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/16216/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँ 10 जनवरो, 1985 को रुजिस्टर्ड क्या गया है।

> प्रशांत राय, स**क्षम प्राधि**कारी सहायक **ग्रा**यकर **ग्रा**युक्त (निर्र∶क्षण) **ग्र**ाजन रेंज∽2, बस्बई

तारीख: 9-9-1985

प्रसम बाइ . टी . एन . एस . ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

शास्त्र सर्कार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरक्षिण) भ्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० ऋई- 2/37-ईई/16186/84-85---श्रतः मुझे, प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्रतिधकारी की, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लेट न० 22 लेंड मार्क बान्या बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में स्रौर पूर्ण रूप रूप से विणित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधि-नियम, को धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10~1-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरबमान प्रतिफल से, एसे दरबमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार शेने के अन्तरक के रायित्व में कामी कारने या उससंश्वन में सुविधा की सिष्: नौर/शा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिवों को, चिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उप अधिनयम, या धन कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री वसन्त नारायन समर्थ ।

(মন্ত্ৰত

(2) श्रोमतः ग्रमिता प्रभाकर दयोवधर।

(ग्रन्तरिती)

को यह श्वामा भारी करके प्याँकत सम्पत्ति के म्बन के निए कार्यमाहियां करता हूं।

बक्त सम्मरित् के बर्बन के सम्बन्न में कोड़ी भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में फ्राइन की तारीम से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्थळीकरणः--असमे प्रयुक्त कम्यों और पद्यों का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में विया गया है।

प्रमुसूची

पर्लंट नं० 23, जो लेंड मार्क, दी कोहिनूर को ग्रापरेटिय, सोसाइटी लिमिटेड, 175 कारटर रोड, बांब्रा, बम्बई— 400050 में स्थित हैं।

श्रनुसुचे जैस। कि कम सं श्राई० \sim 2/37ईई 16186/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 10-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीखा: 9~9~1985

शाह्रक :

ब्ररूप आइ.टी.एन.एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन तुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अवयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांवः 9 सिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/16062/84-85--श्रतः मक्षे, प्रशांत राय

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 12 ए, विडमेर को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनार के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-1-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि सभा प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहममान प्रतिफल से, एसे दहममान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से बधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर्धं कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के इन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थित निम्निनिधन व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रामता श्रारीस डीसोजा ।

(अन्तरक)

(2) घामता मरलीन जुलियाना बगेंजा

(भ्रन्तिरतः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबव्ध किसी इन्य व्यक्ति इबारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगी।

स्पण्डीअन्रण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न संची

फ्लैंट नं० 12-ए, तेरेस के साथ, चौथी मंजिल, विष्ठ-नेर को० श्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 114, प्रोफ़ेसर ग्रलमेडा रोड, टी० पी० एस० नं० 4, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ।

श्रृतुसूची जैसा कि कम यं० ग्राई०-2/37 ईई०/16062/84-89 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांव 4-1-1985को रजिस्टर्ड िया गया है ।

प्रमात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज∼2, बम्बर्क्स

तारोख: 9-9-1985 /

प्रकृष बार्ड दी एन एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269^{-6} (1) के अभीन सुचमा

भारत ख्रकारु

कार्यातय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनां रू 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/16048/84-85— ग्रतः मुझे, प्रशान्त राय,

कायकर किथानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की आरा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० शाप नं० 31 में ग्राधा हिस्सा, बीना शापिंग ताः, ब्रांदा, वन्बई-50 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूबं। में ग्रौर पूर्णरूप से विणत हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रांव हर ग्रिधिनयम, 1961 को धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 3-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का बिन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बसरण वे हुइ किसी बाद की बाबत, उसस आधानमध्य के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के क्ला, कीर/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था था शिल्या जाना बाहिए था, व्लिणाने के स्विषा अभिक्स)

कता अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हो, ही, उक्त अधिनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रकाशसी० ग्ररोरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति रेनू एम० तीलवानी।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

स्त सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारतेश्व सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की नविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शास विविद्य में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीमा जो जम अध्याय में दिशा मुंबा हैं।

वन्स्य

शाप नं० 31 में स्राधा हिस्सा, जो तल मंजिल, विश्ना शापिंग सेंटर, टर्नर रोड, ब्रांदा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/16048/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी। कार्यालय में रिजस्ट्री है। श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशान्त राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई.

तारीख: 9-9-1985

मोहर 🕄

प्रकृप बाइ .दी. एन. एस. -----

भारत प्रिंचियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जनरेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/16096/84-85-- श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारां 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/~ रा. से विधिक है

1,00,000 ∕- रत. से **विभक्त ह**ैं ग्रीर जिसको सं० शाप नं० 15, गार्डन कालोनी, माहीम, बः १६-१६ में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूच) में ग्रीर पूगरूप से वर्णित है), श्रौर जिपका करारनामा श्रायकर श्रीध-नियम, 1961 को घारा 269 त्रख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है तारीख 5-1-1985, को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वकित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके **दश्**यमान प्रतिफल स`, प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिप से उक्त अन्तरण मिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर किधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गय। था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्रसः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में , दक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के ब्रधीय निमनजिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रामित रेनुका लक्ष्मन दूर्गामी। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स हेम केन्नीक्स।

(अन्तरिती)

(3) भन्तरिती ।

(वह व्यक्सि, जिसके भ्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त जिथितियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

शाप नं ० 15, जो, तल मंजिस, गार्डन कालोनी, सोनावासा श्राोयरी लेन, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि प्रई-2/37ईई/16096/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया ।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्दाक्षण) भूजनरें ज-2, बक्सई

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस, -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/16049/84-85— ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बारवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं पलैट नं 31-बी, लेंड ब्रीज को न्यापं हाउसिंग सोसाइटी लिं , ब्रांदा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 एख के ग्रीती, बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकर्ट्री है, तारीख 3-1-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतुरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितयों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्रामित पुष्पा वासुदेव नवानी श्रौर श्री वासुदेव डी० नवानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति हर्षा चन्दू गुरतानी ग्रौर श्री चन्दू मुरलीधर गुरतानी।

(अन्तरिती)

(3) श्रां चन्द्र भुरलीधर गुरनानी, श्रीमति हर्षा एम० गुरनानी, कुमारी किरन सी० गुरनानी ग्रीर कुमारी दीपिका सी० गुरनानी। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूचीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तास्ति से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकहुं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के वास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्दिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिश्वतिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं 31-बी, लेंड, ब्रीज को - श्राप हाउसिंग सोसाइटी लिं , पार्ने हिल, ब्रांदा, बम्बई-50 में स्थित है।

स्रनुसूचा जसा कि कि से सई-2/37ईई/16049/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1985 को रजिस्टर्ड रिया गया है।

> प्रशांत राय नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जनरेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-9-1985

(भ्रन्सरक्)

मुक्क बाइ • टी॰ एन॰ एस॰--

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत सरकार

कार्यासयः, तहायक मायकर भाव्यत (निरीक्षण)

श्रजंन रें ज-2, बम्बई

बम्बई विनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० मई-2/37ईई/16170/84-85-- मतः मुझे, प्रशांत राय,

नाभकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात् 'उचत निधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ही कि स्थादर बम्मित जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० थाप नं० 11, नताथा शापिंग सेन्टर, ब्रांदा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इसरे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में श्रीर पूर्ण रूप में श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक (एी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 7-1-1985, को पूर्व कि सम्पत्ति के उचित बाजार सूख्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए वस्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करा मा कारण है कि यथापूर्व कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरित (बंदर सा अधिक है और अंतरित (बंदर सा अधिक है और अंतरित (बंदर सा अधिक है और अंतरित की स्थाप के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेषय से अथत अन्तरण लिखित में बाल्तिक रूप से किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किथ-निवस के अधीग कर बने के बन्तरफ के दायिस्य में कभी करने वा उससे बचने में विविधा के लिए और/बा
- (क) ऐसी किसी लाय या किसी धन या अन्य कास्तिओं का जिन्हों भारतीय नायकार निधिनियस, 1922 (1922 का .11) या जनत सिधिनियस, वा धनकर सिधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया वस्त था या किया जाना चाहिए था, जिया से सुविभा के सुविभा

अप्त अब. उन्त निमिन्यम की भारा 269-म के निम्हरण में. में. उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्मलिकित स्थिनसमों, अर्थात्

- (1) फ़िरडस रोशन सोमजी, श्रीमति कूलसूम रोणन सोमजी, श्रीमति णहनाज शामसुई/नं बलानी ग्रीर श्रीमति णहीदा वाहीट कजी।
- (2) सीरज नसरूहीन खोट ग्रौर ग्ररीफ हफ़ीज (ग्रन्तरिर्ता)
- (3) ग्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में क्र-सम्पत्ति हैं।)

को वह सूचना सारी कारके पूर्वोक्त तस्मरित के वर्णन के सिध कार्यवाहियों कारता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्याना के राजपन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की समित का तरफंडंभी व्यक्तियाँ पर तृत्यना की तामीक ते 30 दिन की अमित, जो भी अमित माद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में वित्तसवध किसी अन्य क्यांकित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार जिल्ला में किए का सकींगे।

-पस्पी

णाप नं ० 11, जो, नताणा भाषिंग नेन्टर, 52, हिल रोड, ब्रांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/16170/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> प्रणांव राय सक्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-9-1985

प्रस्य बाह्", टी. एन. एस., वरद्यारण्यापञ्च

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्त् , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्)

ग्रर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० अर्ड-2/37र्द्5/16066/84-85--- श्रतः मुझे, प्रशांन राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 8. नव सोनारवाला सोनाइटी, बांद्रा (प). बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्णक्य से बणित है), श्रीर जिस ता करारतामा आयकर श्रिष्ठित्यमं, की धारा 269 कुछ के श्रिश्वत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि तरा के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं; तारीछ 1-1-1985 श्री पूर्विकत सम्पत्ति के उपात बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के सिए जंतरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नाई प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाणा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण सं हुई फिसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922-(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित :---- (1) डो० के० छब्राया।

(मन्तरक)

(2) कुमारी सूमन पी० गुप्ता।

(प्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्क सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र, में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे ।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

फ्लैंट नं 98, जो $2\pi \ell$ मंजिल, तल मोनारवाला भोसाइर्ट., टर्नर रोड, बहिT(4), बस्बई- 400050 में स्थित है।

स्रजुद्भी, जैसा जि. ऋ० सं० सर्द-1/37ईई/16063/84-85 स्रोर जो सदम प्राधि गरा, बल्बई द्वारा दिनांक 4-1-1985 को रजिस्टई किया जया है।

> प्रणांत नाय, उदान नाधि शार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किर क्षण) श्रजन रेक-2. बस्बई

तार्एख : 9-9-19**8**5

मोहरः :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 39-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/16375/84-85—-ग्रतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फलैंट न० 3, इमारत नं० 1, जकारीया श्राघाडी नगर नं० 1, श्रंबेरो (प), बम्बई-61 में स्थित हैं (और इंडिस उपाबद्ध श्रियुम्ची में और पूर्ग कर ने विभिन्न हैं), श्राँग विकास करारनामा श्रायकर श्राधित्यम कर धाना 269 छख के श्रधीन, बम्बई स्थित तक्षम गाधि गरा के हार्याच्य में एजिस्ट्री हैं, तारीख 14-1-1985,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हो और मूळे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अत्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर आंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 239-ग के अनुसरण मे, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गूलामली सिद्यीक मडिनी।

(ग्रन्सरक)

- (2) डॉ॰ पूर्वाक्लं गूलामली मर्डानी। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति। जिसके ग्राधिभोग में सम्मति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर शूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- इद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा दरिभाषित ह³, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रेंट ते 3, जो 2री मंजिल, इमारत नं 1, जकारीया आपाड तार नं 1,यार रोड, वसींवा, अंधेरे (प),बम्बई-61 में स्थित है।

अतुमू की जैसा ि कि० सं० अई-2/37ईई/16375/84-85 और जो सक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-1-1985 को रिजस्ट इंकिया गया है ॥

प्रशांत राय सक्षग प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रोक्षण) ग्रजन रेंज-2, बन्बई

ताराख: 10-9-1985 मोहर: प्रकृष वाइं.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

शारत सरकाह

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रें ज-2, बम्बई त्रम्बई दिनां∵ 10 सितम्बर 1985 िदेश नं० ग्रई-2/37ईई/16037/84-85--- ग्रतः मुझे, ाशांत राज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाक करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और नियकों संग पलेट तं > 107, जो समर्थ नगर, ग्रंधेरी (प०),

और निवस्ती सं० पछेट तं० 107, जो सपर्य तगर, ग्रंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावस ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिस हा करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 को धारा 269 कुछ के ग्रायीन, बन्बई स्थित सक्षम प्राधि हार के कार्यालय में रिजस्ट्रों है। तारीख 3-1-1985 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्दश्यों से उक्त अन्तरण कि बिक्त में अस्ति का स्था कि स्था से किथत नहीं किया गया है।

- (फ) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त ओधनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; क्षीर/या
- (य) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1357 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण हो, में , अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत , अन्यति स्थित व्यक्तियों , अर्थात :---

(1) सैयद युसूफ़ ग्रमीर।

(ग्रन्तरक)

(2) शेख युसूफ़ याकूब।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हूं।

उक्त स्थाति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के , 45 दिन की जबिंध या तत्सवंधी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

HUGS

. फ्लेट नं० 107, जो,पहली मंजिल, बी विंग, अपना घर सोसा-इटो, समर्थ नगर, रिशीकेश (प०), जे०पी० रोड, दृधेरी (प), बभ्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूचों जैसा कि क० सं० श्रई-37ईई/16037/84-85 श्रौर जो समक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1985 को रिजस्टर्स किया गया है।

> प्रशांत राय, समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-2**, बम्बई**

दिनांक : 10-9-1985

हरू बार्चा, दी. एवं. एस . -----------

नावकर निर्धानवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नेभीन त्वना

नारत चरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निर्दाक्षण)

भ्रार्जन रें जु-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/16171/84-85- - श्रतः भृक्षै, प्रशांत राय,

बाबकर विधिनयम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसवें इसके प्रवात 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-इं के विधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका श्वित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 218, जकारीया ग्राघाडी नगर नं०1, ग्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में ग्रीर पूर्णक्य से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा भायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कव के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजन्द्री है -तारीख 7-1-1985

को प्राधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरममान प्रतिकास को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह बिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिकाल से एसे दरममान प्रतिकाल का पत्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकाल, निक्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबता, उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक दे दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविका के सिए; बाँड/बा
- (क) एसी किसा बाय या किसी धन था बन्य बास्तियाँ की, चिन्हें भारतीय बाय-कर बिंग्लियम, 1922 (1922 का 11) मां उक्त प्रधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुरिष्ण चे लिए;

कतः ज्ञाब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ;—— (1) श्री मब्दूल रहमान उर्फ़ बच्चू।

(भ्रन्तरक)

(2) एम० सलीस खान।

(ग्रन्तरितो)

(3) मन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त सम्बंक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी लाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो , क भीतर एवं कर क किसमों में से किसी व्यक्ति दसरा:
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मा हिनसक्ष रिक्सी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरां के पान रिक्ति में किए या सकैंगे।

स्थव्यक्तिस्थः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों की, जो उससे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

वन्स्ची

फ्लेट नं ्218, जो, जिकारीया श्राघाड ं का तर का सारो-रोड, वर्मोबा, श्रंधेरी (प), बस्बई-400061 में स्थित है। श्रमुस्बों जैसा कि कर संर ग्रई-2/37ईई/16101/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिसार 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशास साय सक्षम गायि गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ('नर्गक्षण) श्रजन रेंज-2, बस्बई

तार्राखः : 10-9-1985

माहर 🖫

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एव . -----

आयकः अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-थं (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानव, सहावक आयकार वाव्यक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-2, वस्वर्ष

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसं इसमें इसके पर्ववाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैट नं बी-8, रतनदीप, अंधेरी (प०), वंबई में स्थित है (और इससे उपावद ध्रनुसूची में और पूर्ण क्व छे विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारील 15-1-1985

को पूर्वोक्ष संपरित के उचित बाबार मूस्य सं कम के द्यमाथ शितफल के लिए अन्तरित ही गई है बार मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्स संस्थिति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकश से, ऐसे स्थमान प्रतिकश को पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और बन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाला प्रतिकल निम्नलिखित उप्रवेष्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से किश्वत नहीं पाया गवा है:—

- (क) अन्तरण से मुद्द किसी आय की बाबत, उसस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचमें के सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी पण था जन्य जास्तियों कर जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया परा था किया जाना चाहिए था, स्थियाने के स्विभा से सिक्या जाना चाहिए था, स्थियाने के स्विभा से सिक्या

अतः अधा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात हुन्छ (1) श्रीमती निर्मला प्रकाशचन्द्र शाल्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशोर प्रभूलाल गांधी।

(श्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को सुद् सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्मुक्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां र-रू करता हंू।

उक्त तस्पत्ति के वर्णन् के संबंध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इस भूजमा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद शूजना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी विषय साथ में समाप्त होती हों, के भीतर एवींका व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्कान के राज्यत्र में प्रकाशत् की तारीय से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुथ किती अन्य व्यक्ति व्वास स्थावर, वभोहस्ताक्षरी के वास विविद्य में किए का सर्वोगे।

स्युक्त शब्दों जीट पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-8, जो दूसरी मंजिल, रतनदीप को-भ्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 140/141, स्वामी विवेकानन्द रोड, अंधेरी (प०,) बंबई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि०सं० मई-2/37-ईई/16424/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 15-1-85 को जिरस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वस्बर्ष

दिनांक: 10-9-1985

मो€रः∄

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, ऋहायक आयकर आयुक्त (निज्ञीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985 नदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/16640/84-85⊸⊸श्रतः, मुझे, र्गत राय

आवकर औधीनवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनास् 'उक्त मन्दिनियम' कहा गया है). की भारा 268-स के मन्दिन सकत अधिकारी को वह विस्थान करने का कारण है कि स्थान सकत अधिकारी को वह विस्थान करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, विस्तका जीवस वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से मिथक है.

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 34, गौतम निवास, अंधेरी (प०), बंबई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा मायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के भधीन सक्षम [प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-1~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तिक्त बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिपन्न के बिए बंतरित की नई है और मूर्फ यह विश्वास कर्ष का कारण है कि बजाप्वोंक्स सम्पत्ति का उत्तित बाबार मूख्य, उसके दश्यमान प्रसिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिपन का पन्द्रह प्रतिसत से मिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्सरिती (अन्तरितिबाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निष् तय प्रावा गया, प्रतिकास, निम्नासिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्कित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है ∷——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की वाबत, उक्त जिस्तियम के अभीम कर दोने के अन्तरक के दिन्द में कमी करने या उससे वचने में सुविधा दायित्व के सिए; और/या
- (क) एमी किसी बाय वा किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनिसम, 1922 (1922 का 11) का न्यता अधिनिसम, वा अत-कर बिधिनिसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा कियों जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए:

अतः वधः, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण में, में; उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन दिनस्मितिबत स्पवितयों, अधीत :--- (1) श्री हरेन्द्र जे० माधवलाल।

• (ग्रन्तरका)

(2) श्री ओमप्रकाश एल० कम्प्रा और श्रीमती निशा ओ० कम्प्रा।

(ग्रन्ति रती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के सर्थन के सिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षम के तंबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 4.5 जिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि सत्य में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की जारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताअरी के पास सिवित में किए का सकींगे।

स्वच्चीकरणः—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवाँ का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुस्भी

फ्लैट नं० 34, जो तीसरी मंजिल, गौतम निवास, सात बंगलोज, जे०पी० रोष, अंधेरी (प०,) बंबई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क०सं० ग्रई-2/37-ईई/16640/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रारा दिनांक 18-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीव: 10-9-1985

प्रकथ कर्मा, डी. एत. एस.----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्गायक जायकार वायुवस (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, अध्याद

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई-2/37-ईई/16674/84-85---ग्रतः मुझे, प्रशःत राय

कारकार श्रीभरिवानं, 1961 (1961 का 43) (विके इसमें कार्क वरवाल् 'उक्त अधिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269-व के स्थीनं तकान प्राधिकारी की वह विश्वता सर्व का कार्य है कि स्थानर तज्वीता, विश्वता उपित ग्रीवार मृत्य 1,00,000/- रू. के विधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, नोर्थ वींग, स्वेता, जो मे म्वरी (पु०) बंबई 60 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर मिधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 18-1~1985

को पूर्वेक्स सम्मित के उचित बाबार मूल्य से क्या के क्यमान प्रतिकास के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात सकते का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्मित का उचित काचार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकास से एसे क्यमान प्रतिकास का क्लाइ प्रतिकास से अधिक है और बंतरक (बंदरकों) और बंदियी (क्लारितिकों) के नीच एसे अल्लाइण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्मितिबात उक्षेत्र्य से उक्त बन्तरण सिविद में बास्तिका स्पार्थ का बिदा गया है है——

- (क) क्लारण वे हुई किसी नाम की वास्त, उपत निभित्तियम के निभीन केर दोने के जन्तरक कें स्तिक्त में कभी क्लाने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (क) एसे किसी आब या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर जिल्लासिकत व्यक्तियों ह क्यांत ए—— 38—286GI/85 (1) श्रीमती जीवाबाई भीनेश वेसाई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीता भ्पतकुमार कपाडीया । (ग्रन्तरिती)

को मह् त्या जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के किए कर्म्बनाहिमां करता हुं।

उक्त कम्परि के अर्जन के गंबिंग मो कोर्ड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस न्वान के राज्यमा में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविभ या जन्में बंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी स्वाधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीचक व्यक्तियों में ये जिल्ही स्वादा;
- (क) इत सूचना के राजपंध भी प्रकाशन की तारीचा वें 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-क्या किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बाद लिखित में किए जा सकींगे।

अन्र्ाशे

फ्लैंट नं० 9, जो त्यारी मंजील, तोर्थ वींग, स्वेता को० ० इत्तर मिंग सोमायटी जिमिडेड, 12, सारस्वती बाग जोगेश्वरी (पु), बंबई-100069 मं व्यित है।

प्रतुसूची जैसा की क० मं० यई-2/37-ईई/1667.4/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, न्यूजी, वारा दिनांक 18-1-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

नारीख: 10-9-1985

प्राक्ष्य भार्च .टी. एन .एस . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बस्बई

बम्बई, विनांक 9 सितम्बर 1985

निरोश सं० भई-2/37-ईई/16895/84-85----- प्रतः मुझे, प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 305, सागर तरंग, अंधेरी (प०), बंबई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क,ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं तारीख 25-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, जर्थात् :--- (1) बीना घोष और रीना घोष।

(श्रन्तरक)

(2) कनीज फातीमा नवाध।

(भ्रन्तरिती)

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्यान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (का) इस स्थना के राजपक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

प्रनीमुची

फ्लैंट नं 305, जो तिसरी मंजिल, सागर तरंग, सात बंगलोज, वर्मोवा, अंधेरी (प), बंबई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० ग्रई-2/37-ईई/16895/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 25-1-1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9--9--1985

प्रक्रम आहे. टी. एन. एस.

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-स (1) के वधीन समजना

मारत हरकार

कार्यासव, सहायक वायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई0/16009/84-85-ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जबत अधिनियम' कहा गया हैं), 'की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उपनत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिउकी सं० फ्लैंट नं० 103-बीं ०, इनलक्स नगर, ग्रंथेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रथान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लागीलय में रजिस्टी है, तारीख 3-1-1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिएं अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कि निम्नीलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निष्ठित वास्तिविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण सं हुई सिली बाय की शबत उथक अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुन्तिका के लिए; बीर/मा
- (स) एंसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तिको करें, जिन्ह भारतीय जीन कर विधिन्यम, १९१२ (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिस्ति युरारा १०२ तहा किया गमा जाना चाहिए था, खिपाने में सृज्ञिक्ष के लिए;

ब्रहः ब्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, ब्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधार (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- कुमारी गीता डी० जगतीयानी,
 श्रोमती सुनीता डी० जगतीयानी,
 ग्रौर श्री जयिकशन ग्रार० जगतीयानी।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती लता के० ज़गतीयानी ग्रीर श्री जयकिशन ग्रार० जगतीयानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के तिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इत्तरा;
- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीख के 45 विष के प्रीतर उक्त स्थानर सम्मृत्ति में हितबब्ध किया क्या क्या क्या हस्ताकरी के शक् जिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनले विधिनियम के बध्वाय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिया

अन्स्षी

पलैट नं० $103-\overline{a}/o$, जो पहली मंजिल, $\overline{a}/-\overline{c}$ लाह, इनलक्क नगर, प्लाट नं० 15, यारी रोड़, वर्सीवा, ग्रंधेरी, (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूत्रः जैतः कि कः सं अई-2/37-ईई८/16009/ 84-85 प्रो: जो जनम प्राधितरं, बम्बई द्वारा दिनांत 3-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रानंति राय सक्षम प्राधित रः सहायक ऋायकर ऋायुक्त (निराधण) ऋाजेन रेज-2, बस्वर्ड

तारीख: 10-9-1985

प्रंरूप आई.टी.एम.एस.----

आयकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनां ः 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई--2/3"-ईई $\circ/16721/84-85$ ---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विभिन्नियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् उन्हें अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के बचीन सक्षम प्राधिकारी का . यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर शंपीत जिसका उचित बाजीर मृत्य

1,00,000/- रु. से जीवक हैं श्रीर जिसकें। संज फरी के ए०-21 मुनील निवास, श्रंधेरी (पर), बम्बई-63 में क्लिट है (श्रीत तससे उपावड़ अनुसूर्च में श्रीर पूर्ण क्षा के श्राणित है) श्रीर जिसका करारन मा श्रायाप श्रक्तिकम, 1961 की धारा 269व, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित जिल्म प्राधितारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारील 20 1-1985

को पूर्व क्ता संम्पत्ति के जिस्सा तकार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए वर्तारत को तह जाँ और मूकं हि निश्वास करने का कारण हो कि: प्रधान जिस्सा संपरित का उपित बाजार मूच्या, उसका द्वरमान प्रतिकार के, एकं द्वरमान प्रतिफल का बंद्रह भी शांत से अधिक ही अप अंतरक (असरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसं अन्तरण दो लिए तर पाया गया प्रति-फल निश्तिक्ति उद्योद्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक क्ष्म से अधित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण स हाइ किसी आय की वाबत, उक्त आधिनियम के शामित कर दोने के तरक के दायित्व मी कमो करन या उससे बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य अस्तियों कार, जिन्हों कारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ कर्निरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

जतः जब, पक्त अधिकार की पारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, तरमा अभिनियम ने पारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, किम्मिसिक अधिवायों, अर्थात् :-- 1. कांचन बग्री।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इदा जीन फ़ूर्ताडो।

(म्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारों करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4'5 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर कृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वण्द से समाप्त होती हो ,के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्रचीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा गया है।

अन्सूची

पलैट नं ए०-21, जो सुनील निवास की० श्राप० हाउमिंग सोनायटा, प्लाट नं 89 ग्रीर 90, जे० पी० रोड़, ग्रंबेरे (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूर्वः जैसा कि कर संर ग्रई-2/37-ईईर16721/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकयरी, बम्बई द्वरा दिनांक 21-1-1935 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिवारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) —ी रेज-2, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

प्रकृष बाह्र दी एम. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्मीन् स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई०/16854/84-85--मत: मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. में अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकीं मं० फ्लैंट नं० 603, सवेरा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तार्गम 25-1-1985

को पर्धोभत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के बरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित काजार मृल्य, उसके द्धयमान प्रतिफल सं, एसे द्धयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिः तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में भारतियक रूप से कि जित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं शुर्श किसी बाव का वावत, **एक्ट** न्। धनियम के संधीन कर धरे के न्तर्यक के कावित्व में कमी करने या उससे बचने ये सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) एसं किसी बाव या किसी भन् । अन्व मास्तिकाँ को चिन्हा भारतीय बायकर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिन्दिन, या वृत्-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ बन्दरिती बुवास प्रकट नहीं किया व्या भा या किया चाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा वे विष्;

बर अब , उक्त बिधिनियम की भार 269-न के अनुसरण मं, र्स, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कं अभोन, निम्निसिवत स्पिन्तका, अर्थात् ।---

1 श्रीमतो रुक्मा जी० हीरा।

(मृत्सरक)

2. श्रीमर्साः पदमा जे० श्रारार।

(श्रन्सरितः)

को यह स्वान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधन के किए कार्यवाहियां शुरू करता है।

बक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की भविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्चनाकी रामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त 'यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तर्रीस ६ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िलखिस में किए जा सकेंगे।

श्यक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त दृद्धीं जीर पर्योका, वो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है 🦸

प्रतुस्ची

फ्लैंट नं० 603, जो सबेरा को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, घर्सीचा. श्रधेरं (rc). बःदः 400.61में स्थित है।

ग्रनुसूध जैसा कि ऋ० मं० **ग्र**ई-2/37-ईहा०/16854/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 25-1-1085 को रिजस्टर्ड विया गया है।

> ग्रशांत राय सक्षमः प्राधिवारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नार्राख: 🤥 🤋 1985

माहर :

प्रकर आहे . श्री . एत . एव . ------

श्रीवकर विभिन्निम्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बभ्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निवेश सं० **प्राई-2/37**ईई/16344/84-85-श्रतः मुझे प्रशात राय

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-53, सौजन्य श्रपार्टमेंट, श्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका जरारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्टी है, तारीख 11-1-1985

को पृबंधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितथों) के बीच ऐसे अंतरण के निष् तब पाया गया प्रतिकास, निम्मिलिसित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुर्य किसी आयं की बाबत, जक्त विधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन माँ अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जलः जब, उक्त जिमीनयम की भारा 269-म के अनुसरण भं, मं-, उक्त अभिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के जधीन, निस्तिनिक्त स्थितियों, अर्थात् :- -- त्रा नन्दालीके सस्यवान शेट्टा।

(भ्रन्तरक)

2 श्रो प्रकुल जॅंग्वनलाल सौजींयानी। स्रीय श्रीमती मन्जू प्रकुल सौजीयानी।

(श्रन्तरिती)

अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को बह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षी :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 रितन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 ियन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब इंध िकसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उम्म अध्याय में दिना गया है।

नन्सूची

पलैट नं ए०-53, जो प्रांत्री मंजिल, साँजन्य ध्रपार्टमेंट भारदावाडो को० श्राप० हाउसिण सोसायटा लिमिटेड, 23, भारदावाडो रोड़, ग्रंधेरी (५०), बम्बई-400058 में स्थित है।

मृतुसूचा जैसा कि कर संर ग्रई--2/37-इंडर/16344/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकार्रः, बस्बई द्वार दिनावः 11-1-1985 को रजिस्टर्ड दिसा गरा है।

प्राप्ति रायः प्रथम प्राधि शरी सहायक ग्रायकर ग्रास्पृत (निरुक्षण) ग्राप्ति रोज-2, बस्बई

तारोख: 9--9--1985

प्ररूप बार्ड टी. एन्. एस. ----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थ्ना

भारत सरकाह

कार्यालय, महायक वायकर वायकत (निरक्षिण)
ग्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निहेश मं० ग्रई-2/37-ईई/16107/84-85--ग्रतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसम इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की क्रा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्ताब करने का आएए हैं कि रणाहर रायसि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं मुझे, प्रशांत राय,

ग्रीर जिसकः सं० फ्लैंट नं० बी:०-20, यशोधान, श्रंधेरी (प०), वस्वई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सुवा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रापार ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269वा,ख में से ग्री अपन ग्रिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्रों है, तारीख 4-1-1985

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमन प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और वन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बिह सब पाया एसा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य है इन्स बंहरून निम्बित मृं वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया नक है इन्स

्टा से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त की परिषय के अधीन कर दोने के जन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सर्विधा के लिए: बॉट√बा

ेशा रिसी अथ या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27! के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए या, छिपाने में भ्विषा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री श्रीधर पांड्रंग दीधे ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जयदेव रघुनाथ ब्रह्मभट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के तिक् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उनत् सन्तरित के न्यंन के संबंध में कोई भी बाखेप उ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की जबिध या तारसंबंधी व्यक्तियों दर सूचका की ताबीन से 30 दिन की वबिध, को भी तक की नाद में नमान्त होती हो, के भीतर वृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजाश;
- (स) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थालर हम्मित्त में द्वित्र प्रकृत किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे ।

स्वाचित्रकाः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बौह पदों का, वो उद्या वीधीनयम के बध्याय 20-क में पीर्श्वतीयक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वनुसूची

फ्लेट नं वी-20, जो यशोधान, बैंक भ्राफ़ इण्डिय कालोनी, एस० वी० रोड, इर्ला ब्रिज, भ्रंधेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रतुसूर्चा जैसा कि क∘ सं० श्रई-2/37-ईई/16107/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिलारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-1-1985 को रजिस्टर्ड क्या गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रंज-2, बस्बई

दिनाँक: 10-9-1985

ज्ञा । जार । हा । हा । एस । -----

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

कार्यालय, महायक क्रियंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांड 9 सितम्बर 1985

निदेण सं० ग्रई-2/37ग्रईई/16613/84-85-गत:, मझे, प्रशांत राय,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विधे इसमें इसके पश्चात उपत मौधीनयम महा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सभन जाधिकारी को वह निश्वात करने का बारल है कि स्थानर बम्बरित, विश्वक उचित्र वाचार मुख्य 1,00,000/- रह. से सिधक है

अर्ौर जिसकी सं शाप नं 34, शापिंग सेंटर, अधेरीं (प०), बम्बई-5के में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनु-सूची में और पूर्ण रूप में घणित है), औय जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक रीं के कार्यालय में रिजरूरी है, तारीख 18-1-1985

को पूर्वोंका सम्मत्ति के जिया नाजार मून्य से कन के क्ष्ममान विकास के लिए जन्मरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वधापुर्वोंका सन्मति का उपाय वाचार वृत्व, उसकी कावान प्रतिकास से, एसे क्ष्ममान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्त-रिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उप पाया गया पिक्रक जिन्नितिस्त उद्वेदिय से उक्त अन्तरण सिचित में शास्त्रीक क्या से अभिक नहीं किया गया है अ—

- (क) बन्तरण वं हुई किती जाग की बावत क्या विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसते दचने में सुविधा के निए; बौर/बा
- (व) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

6. मेसर्स समर्थ डेबल पमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

 श्री दयाराम रामप्रसाद यादव और रामलाखन छेडी यादव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवना वारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्षन के शिवप् कार्यनाहियां करता हूं।

दक्त सम्मरित के कर्षन के सम्मन्य में कोई भी नाशेष ६,---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 विन की बनींध मा तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनींध, को औ वर्षीध नाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (त) इस मुजना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब निवास में किए जा संकर्ष।

अनुसूची

शाप नं० 34, जो तल मंजिल, शापिंग सेटर, श्रपना धर को- श्राप० हाउसिंग सोमायटी, ओशियरा, श्री स्थामी समर्थ नगर, श्राफ जे० पी० रोड, चार बंगलोज, अधेरी (प०), बस्बई-40005 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्राई- 2/37- ईई/16613/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिष्टारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-1-1985 को रजिस्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, बम्बई

अतः अत उपल अधिनियम की धारा 269-ए के जनुसरण में, में, उपल अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीतः निकासियत व्यक्तितालें, अधीतः :---

दिनाँक 9--9--1935 मोहर प्ररूपे. मर्द्रा. टी., एन्., एस्⊴ ल ≝ = ≝ ≠

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रीज-2, वस्वई

बग्बंदी, दिनावा । सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-- 2/37-- ईई/16793/84-- 85--- ग्रत: मुझे, प्रशांत राय

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्स, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैट नंव 30, सी व्यू अंधेरी (पव) वस्तर्ध-56 में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जिसका द्रारनामा आसकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय वस्वई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 25-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्गे) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रक निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव्क कप के किया नया है ६—

- हैंक) बन्तरण से हुन् किसी नाय की बाबत, सक्त अधिनयम के अभीन कार दोने के जन्तरक के धामित्य में कजी करने या सससे वसने में सुविधा के शिए; जौर/बा
- (क) एंसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विका

कतः संस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—
39—286GI|85

श्री रोबर्ट फिलिप्स सीक्बेरा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रनिल कुमार भालचद्र दीघे।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

वयत बम्परित के मर्जन में तंबंध में कोई भी मानापु :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र को प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन की अविध या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तासीन से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस मुखना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश के शीतर उक्त स्थावर सन्पत्ति में हितवव्ध किसी वृक्ष किया कि पास विश्विष्ठ में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्ची

फ्लैट नं० 30 जो तीसरी मंजिल सी ब्यू को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, चार बंगलोम रोड अंधेरीं (प०), बम्बई--400058 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा कि कि सं श्राप्ट 2/37ई16793/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 25-1-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेजि-2 वस्बई

नारीख: 9-9-1985

धक्य आई ्टी , एन , एस हु-----

नायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2 बम्बई

बम्बई; दिनांक 4 मितम्बर 1985

ं निवेश सं क्रिक्ट्-2/37 ही 16334/84-85--फ्रितः महो; प्रशांत रा्4,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं गोड़ाउन सं 20 निर्मला अपार्टमेंट अंधेरी (प०) अम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); और जिसका कारानामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी ह तारीख 11-1-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य' उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरि-तिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने.में सूविधा ■ निए; और/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, जिसाने में सूर्विभा के सिए;

वर्षत्र अव, उन्त निधीनवन की धारा 269-व के बजुबरण कीं, में जिल्ला निधीनवम की धारा 269-व की उपधारा (1) को नधीन, निस्सीमीयन व्यक्तियों, नधीन म्राप्त मै० निर्मल कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(भ्रन्तरकं)

2. कुमारी विरत ए० छन्ना।

(भ्रन्ति)

को यह सूचना बाद्धी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीच चे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि में सबाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक सिचित में किए वा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त घट्यों और पवों का, जो उक्त श्रीमॉनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नथीं श्रोगा, जो उस अध्याय में दिया नवा ही,

जन्स्ची

गोडाउन गं० 20 जो तल मंजिल, निर्मेला श्रपार्टमेंट, जे० पी० रोड, और सीजर रोड का कोना, अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई--2/37-ईई०/16344/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-2, वस्व**र्ष**

तारीख : 4-9-1985

मोहर 🖟

प्रकप् बार्चः टी. एन. एसः ----

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाड

भार्यालय्, सहस्रक वायकर वाय्क्त (निर्द्रीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाज 9 सितम्बर 1985

निदेश सॅ० ऋई--2/37-ईई०/16869/84--85--- प्रत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकर जाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जाँधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य् 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 10, एवरशाइन 2, अंधेरीं (प०), अम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और किसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269% ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रोधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री हैं, तारीख 25-1-1985

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम् संहुद् भिसी भागकी बाब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कभी अपुने ना अवसे बुचने में सुनिया के निए। और/या
- (क) ऐसी किसी जाव वा किसी भन वा अस्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बुधीन, निस्नलिखित क्यंक्तियों, अर्थात ॥— 1. श्री शेख घन्दुल हाय इम्राहींम।

(श्रन्तरकः)

 श्री चन्दू एम० शामदासानी और श्री सूरेश एम० शामदासानीं।

(भ्रन्तिरतीं)

को यह स्थान जाडी कडके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन के दिस्स कार्यवाहियां करता हुं [a]

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के पणपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्थव्हीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, यो उक्त मधिनियम के अध्यान 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिशा गया है।

अनुसूची

णाप नं० 10, जो, एवरणाइन 2 की० श्राप० हाउसिंग सोसायटी निमिटेड, प्रताप कालोनी, के सामने, जे० पीं० रोड़, अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रमुक्ति जैसा कि कि सं० श्रई-2/37–ईई0/16869-84–85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, श्रम्बई द्वारा दिनांक 25–1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 9 -9--1985

प्रकल काइं टी. एत. एस. -----

मायकर् विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बधीन स्वना

मारत बहुकानु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० भ्रई-2/37-ईई०/16033/84-85---श्रत: मुझे, प्रशांत राय,

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित वाजार मुस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है^{*}

और जिसकी सं० शाप नं० 23, द्वमारत नं० 6, यशोधाम बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनमा म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 की धारा 2 9क, खा के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 3-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार शृक्य से कम को अस्यमान प्रक्तिफन के लिए अंतरित की नइंह" और मुक्टेयह विस्नास करने का कारण है कि समापुर्वोक्त सम्मत्ति का उपित वाषार बुल्ब, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का विकास प्रतिवास से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिकी (बन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरच के किए तथ पाया अभा प्रतिकत, निम्नतिसित उत्दोष्य से उत्त बन्दरण मिसिन में वास्त्रः[बक्त रूप से कथित नहीं फ्रिक्स गुभा है ६००००

- (क) बन्तरण में हें हैं किसी आय की बावत , उक्त अधिनियम को समीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा ने तिए: बीर/बा
- (**व**) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा र्वे सिए।

इतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री बलजोर पडाव यादव और श्री सूजोर पडाव यादव।

(भ्रन्तरक)

2. श्री इर्फान ग्रहमंद बाबुलाल सकीलाबात भ्रब्दुल रशीद, हजाबी बाबलाल और बार्नलाल फरीद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पर्वोक्त संपरित के वर्णन के क्षिप कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्वाना के रावपव में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितः बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी ब पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिथम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अमुस्ची

शापनं ० 23, जो, तल मंजिल, इमारत नं ० 6, यशो-धाम ग्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 144, जय प्रकाश रोड और चार बंगलोज के जंक्शन पर, अंधेरी (प०), बम्बई⊶ 400058 में स्थित है।

म्रनुमूची जैसा कि कि ए सं० म्रर्ड-2/37 $-ईई<math>\circ/160.35$ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3→1~1985 कों रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायकन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप आहें. टर्. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के कथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सज्ञायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस के इसके परवात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी मं० शाप नं 6, शापिंग मेंटर, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्णिखत में अस्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—— ा मेसर्स समर्थ डेवलपमेंट कारपोरेणन ।

(भ्रन्तरक)

2ुंश्री बलज़ोर परात्र यादव और सीजार परात्र यादव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनुस्थी

णाप तं ६ ६, जो, तल मंजिल, णापिंग सेंटर, श्रपता घर गो० जाप हाउमिंग सोतायटी, ओणिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जो० पी० रोड' चार बंगलोज, अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि कर सं० ग्रई-2/37-ईई0/16412/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 14-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षः प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुदः (निरीक्षण) स्नर्जन - -2, बः ई

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) . श्रजीन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्रई-2/37-ईई/16346/84- 85-- अतः मुझे, प्रणांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269- व बं अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य

1,00,000 / - रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० णाप नं० ·2, मिनी जुवेल, व्यस्वित, बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा सायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-1-1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एमें द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1 श्री मूनाफ शफी मेमोन।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती फर्जाना महमद नाहर

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

ा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गर्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शस विकित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभा-ह³, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सुधी

माप नं० 2, जो तल मंजिल, मिनी-जूबेल, प्लाट नं० 20, जे० पी० रोड, बर्सीवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रर्ड-2/37—ईई/16346/84-85 और जो सक्षम । प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1985 कों रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽2, बम्बई

दिनं।क : 9-9-1985

मोहर

प्रकृत वार्ड : दी : एक् : प्रकृतकारमा

भावकड निमित्न, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सडकाड

कार्याक्ष्य, सहायक वायकर जायुक्त (निराक्षक)

प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश मृ० ग्रई-2/37-ईई०/16157/84-85---- प्रतः मझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन, तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्प्यति, जिसका जीवत वाबार मुक्ब 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं० णाप नं० 9, नन्द किया शार्षिंग सेंटर, बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्या से विजत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिसी है, तारीख 7-1-1985

का प्वॉब्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयंतान प्रतिकल के लिए बस्तरित की गई है और मृत्रे वह विकास करने का कारण है कि संवापकों केत संपत्ति का अधिक वाचार मृत्य, उसके स्वयंतान प्रतिकल से, एसे स्वयंतान प्रतिकल का वंद्र प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (जन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया पता हतिकल, निम्मीनीचित स्वयंत्रय से उन्त बन्तरण जिल्ला निम्मीनीचित स्वयंत्रय से उन्त बन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से किया निम्मीनीचित स्वयंत्रय से उन्त बन्तरण जिल्ला में वास्तिवक रूप से किया निम्मीनीचित स्वयंत्रय से उन्त बन्तरण जिल्ला से वास्तिवक रूप से किया निम्मीनीचित स्वयंत्रय सिम्मीनीचित स्वयंत्रय से उन्त बन्तरण जिल्ला से वास्तिवक रूप से किया निम्मीनीचित स्वयंत्रय स्वयंत्

- (क्र) व्यवस्थ वं हुए किसी कार की वास्त कार व्यक्तियम के विभीन कर वोचे के व्यक्तिक वे दायित्व में कभी करने या उससे बचने मीं सृविधा के सिए; ब्रॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किश ग्या भा या किया जाना चाहिए था स्थिन में तुविभा के लिए;

जल: जब, उन्त जिभिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण कं, के उन्त जीभीनयम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निक्तिसिक्ति व्यक्तियों, वर्षाक् ३०० ं 1 श्री ग्रमीर इलाही । बद्धीन इस्माइल ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री गंगजी सुरजी गाला।

(भ्रन्तरिती)

को बहु त्यना चारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के नर्यन के जिल्ला कार्यवाहियां एक करता हुं।

चक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओर :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय वं 45 विन की संबंधिया तत्त्वस्थानी स्वयितयों पर स्थान की संबंधिय से 30 विन की नविथ, जो भी बन्धि नाव में स्थाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्वविसयों में से किसी स्वयित द्वारा;
- (क) इस स्वना के शवपत्र माँ प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माँ हितवध्य किसी कन्म स्थादित युवारा अधोहत्ताक्षरी के पास रित्सिए माँ किए का सकीयो।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ इंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

शाप न्० 9, जो तल मंजिल नन्द किया शार्षिग मेंटर, एस० नं० 144, भी टी० स० नं० 830, ग्रम्बी-बलीविलेज, वसीवा रोड चार बंगलोज के पास, अंधेरी (प०,) बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई०/1615-7/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

'प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-2, बस्बई

दिनांक : 9-9-1985

जरूर बाद्दै.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सित्तम्बर 1,985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई0/5981/84-85--प्रतः मुझ, प्रशांत राय.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं शॉप नं 15, जूबेल महल, वसींवा, बम्बई-61 सें स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधित्यम, 1961 की धारा 269क, र ख श्रधीन, बम्बई स्थान लक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क्रे अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री भूखराज एम० नागपाल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुभानम्रली हुसैनम्रली मञ्जानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कि 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास सिचित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्सूची

र्धाप नं० 15, जो जूबैल महल, को० श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटड, सात बंगलोज, बर्सीबा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्राई-2/37श्रईई०/15981 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)-श्रर्जन रेंज-2, त्रम्बई

तारीख: 9-9-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बार्ष . टर्ने . यम् . एस . ----व्यवन्त्रवात

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वृथीन सूचना

1157 5548

कार्यातव, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० म्रई-2/37-ईई०/16882/84-85--म्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इकके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शॉप नं० 4, साइ किपा, वसोंवा, बम्बई-61 सें स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधियननियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 25-1-1985

को प्रवीवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रितिकत को निर्धा वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का क्ष्यक प्रतिकत से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का क्ष्यक प्रतिकत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिकत का, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित में बास्तिवक क्ष्य से कियत नहीं किया ब्या है उन्त

- (क) बन्तरण संहुद्धं किसी बाय की बाबत, उक्त विश्वनिवय के बजीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करवे या उससे बचने में सुविधा के सिए; कोंद्र/या
- (व) एंसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य बास्तियों को विन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम या प्रक्र ब्रिधिनयम या प्रक्र ब्रिधिनयम (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृतिथा के सिए;

नतः नज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसन्दर्भ को, नै, रफ्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 40--286GI/85

 श्री मुरेश टो० पारनानी प्रौर श्रीमती सप्ना ग्रार० मखीजा।

(ग्रन्तरक)

ं 2. मेसर्स फीनान डर्सट्टे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिड़ कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस सबना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 हिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अन्स्ची

शॉप नं० 4, जो तल मंत्रिल, माइ किपा, पिक्तिक कोटेज के सामने , जे० गा० गोड, बार्गिड, बन्बई-400061 सें स्थित है।

अनुसूची जैमा कि का नंव प्रई-2/37-ईई०/16882/84-85 और जो वक्षम बाधिकरी, यम्बई द्वारा दिनाँक 25-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय[ा] सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ब**प्डई**

तारीख: 9-9-1985

ग्रोहर ३

प्रकल बाइं.टी.एस.एस. ------

बायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यांत्रयं, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० मई-2/37-ईई०/15994/84-85-मतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाए मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाँप नं० 10, ट्वीन टावर, श्रंधेरी (प०), बम्बई सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-1-1985

नेत प्रांचित सम्मित के जियत बाजार मुख्य से कम के क्यमान प्रतिकास के लिए जन्तरित की गई हैं जौर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उजित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्ता प्रतिकाल के पन्ता प्रतिकाल से कि बात स्वार्थित संविक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती अस्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निचित उद्वेदय से उवत अन्तरण निम्निचत में यास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उपत बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उत्तमें अवने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्त आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाता चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

ब्रहः शवा, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वो, मी, उक्त निधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निध्निविधित व्यक्तिग्रों, अर्थात :---

- मैसम इंदरजील प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राजकुमार एन्टरप्राइसेस एव० यू० एफ०। (श्रन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्तिः के वर्जन के निष् कार्यनाहियां शुरू करता हुं !

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्जी वाब में समाप्त होती हो, के मौतर पूजींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किसे आ सकनी।

स्पध्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

शाँप नं० 10, जो तल मंजिल, टबीन टावर, प्लात् नं० 8ए० भ्रौर 8बी०, भ्रोशिवरा विलेज, चार बंगशोज श्राफ जे० पी० रोड़, वर्लीवा, अंग्रेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैंसा कि कि लें श्रई-2/37–ईई0/1599484-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई हारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बस्बाई

सारीख: 9-9-1985

मोहर 🔉

प्रकल कार्च . टी ुपुन .पुर्व ु नननननननननन

शायकार समितियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीत सुचना

नारत सहस्राह

कार्याभव, सहायक भावकर आयुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई०/16885/84-85--- मतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 1, बुडरो, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुमूची सें श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसेका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ह, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजिस्ट्री है, तारीख 25-1-1985

को पूर्विका सम्पत्ति के जीवत बाजार गूला सं क्षम के दश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरिस की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्षेत्रित सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रशिक्त से अधिक है और अंतरक (बंतरकाँ) जौर अंतरिखी (अंतरिसकों) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया हैं:——.

- (क) बन्तरण से शुक्र किसी बाय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर बान के अधीरक के दाधित्व को कभी करने या उससे अचने का सुविभा के सिए; बाँद/या
- (भ) एंसी किसी जाय या किसी धन मा अन्य बारिसयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त बाँधिनियम, या धन-कर बाँधिनियम, या धन-कर बाँधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नेहीं किया गया मा मा किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

क्षा: अस उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण हैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के लधीन, निम्मलिखित व्यव्दि ें उभीन् :---

- 1. श्री एल० एन० गु₃ता, एच० यू० एफ० (श्रम्तरक)
- श्रीमती पदमा हरीराम पहला जॅन।
 (ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रॉक्त सम्बक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 बिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उबक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अगृश्की

र्शाप नं० 1, जो, तल मंजिस, वृडरोज, प्लाट नं० 320, एउ० नं० 41 (पार्ट), चार बंगगोज, स्रोशियरां वर्सोवा, स्रंथेरी (प०), बन्दई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची भैता कि कर संर श्रई-2/37-ईईर/13885/ 84-85 और जो नक्षम प्राधि प्रारो, बस्बई द्वारा दिनांक 25-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> भगाँ र नाय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायहर ग्रायुक्त (निधानग) ग्राजन रेंग-2, बम्बई

तारीख: 9-(-1985

में(हर्र

प्रक्रम बाह् . टो . एप . एस . -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ब (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

अयांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वस्वई, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/16546/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कर्त धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्बत्ति, जिसका उच्चित बातार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० शा। नं० 12, जो, ग्रीनफोल्ड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इनमे ज्याबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की बात 269 ह, खके ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफें यह विश्वास करने का कारण है के प्रथापूर्वोक्त मन्मित का उचित बाजार मूल इसके दृश्यमान प्रतिकल है, ऐने दृश्यमान प्रतिक ल का पन्द्रह्युप्रतिशत से प्रशिक है बीर बन्तरित अन्तरिकों) और बन्तरित है बन्तरित वों) के बीच पैसे बन्तरिल के लिए तय पाया प्रया प्रविक्त है निम्निविध उद्देश्य से अन्त धन्दरम लिखित में वास्तविक छए है खिलत बही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उसस बणने में सृथिधा को निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिश्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए; बार/मा

बंत: गंब, उक्त आंधानयम की भारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती नीम्मी रामपाल।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती चन्द नसीन श्रीर श्रीमती प्रियदर्शनी नसीन।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सुमा के राज्यन में प्रकाबन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुमारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- कद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्रावित हैं, यही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

वनस्पी

शाप नं० 12, जो तल मंजिल, ग्रीन फील्डस, प्लाट नं० 333, ए म० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोस, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-2/37-ईई/16546/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 18-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 9-9-1985

प्रकथ आई.टी.एन.एक.-----

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्रई-2/37-ईई/16061/84-85---प्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

आवकर की धीनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनयम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० थाप नं० 1, चेत्ना ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 4-1-1985

को बुवेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंपित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट हों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अव, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री नमातुल्ला कुरेशी।

(अन्तरक)

 श्री हरीश कुमार वसन भौर श्री राज कुमार वसन।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूच ग की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ध्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:—इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

शाप नं 1, जो चेंस्ता ,142/143, जे पी शरोड़, श्रंधेरी (प॰) बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37-ईई/16061/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 4-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 9-9-1985

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.----

जावकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के जधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 9 तितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई०/16486/84-85--- प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भाप नं. 9, बेनाजर, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भायकर भिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्रो है, तारीख 17-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कथ के द्रश्यमान प्रक्रियन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का गरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा प्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्त्रविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की, वावस, उत्कर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे बचारे में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नह[ा] किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा करें लए;

कतः त्रायः, उक्त अधिनियमं की धारा 269 में कं अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269 में को उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— मै० रविराज कन्स्ट्रक्शन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महमद सलीम हाजी उसमान।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस शूचना के राजध्य मा भ्रव्याश्या है। उन्नांखा सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति माँ हितबद्ध विकास करा करित इस्तार व्यवस्थात । के पास सिशास में किए का सकरेंगे।

मन्स्ची

शाप नं० 9, जो, तल मंजिल, बेनाजर, प्लाट नं० 9 और 9ए०, एस० नं० 41, चार बंगलोज, ऑजिंबियरा वर्सीया, श्रंधेरी (प०), बम्बई में िथत है।

श्रनुसूची जीमा कि कि खं श्रई -2/37-ईई/16486/ 84-80 और जो सक्षम प्राधितारी, बराउई द्वारा दिनोंक 17-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> त्रगाः राव नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निक्षिण श्राजीन रें:-2, बस्बई

तारीख: 9-9-1985

प्रकृप बाई . ही . इन . एस . -----

काशकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मितम्बर 1985

निदेश सं० मई-2/37—ईई0/16070/84—85— मतः मुझे, प्रशाँत राय,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रवात् 'उकः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधील सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार कृष्ण 1,00,000/- उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं शाप नं 6, 7, 8, 8ए०, 9, इमारत नं 1, श्रमित नगर, श्रंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबत धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के

कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-1-1985
को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथन पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पंग्रह
प्रतिशत से अधिक ं और अंतरक (अंतरका) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तीवक
रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (६) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के अधिनयम के अधीन कर देने के अंतरक के अधिनयम के कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :--- 1. मैं मर्रा प्रकाश कन्स्ट्रक्शन को०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती लज्जा रनजीत भान्।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वात जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को जविध, सो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितब्द्ध कसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास , लिखत में किए जा सकोंगे।

शिष्टिकरण:--हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुत्वी

शाप नं० 6, 7, 8 8ए०, 9, जो तल मंजिल, इमारत नं० 1, श्रमीत नगर, यारी रोड़, वर्सीवा, अंधेरी (प०), सम्बई-400061 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37-ईई/16070/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 4-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 4-9-1985

प्रकाश मार्ड , टी , एन , एस , मान - ----

बायकर विचित्रयम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के विचीन स्वता

सारुत सहकार

कार्यात्रय, सहययक वायकर वाय्क्स (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांदा 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्रई-2/37-ईई०/16173/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अौग जिसकी सं० गाप नं० 4, ध्रमित नगर, वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित हैं (और इससे उपायद धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ध्रायकर श्रीविनियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-1-1985

को पृत्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से विभिक्त है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से किनत नहीं किया गया है है----

- (क) जन्तरक वं हुई कि जी जाय की नायक, उक्क जियमित्रम के जभीत कर वेने के जन्तरक के बारिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए भरि/बा
- (थ) एसी किसी नाय वा किसी थन वा बच्च नास्तिवी की, जिन्हों भारतीय जाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के जिल्हा

बतः बनः, उत्तर अधिनियम की भारा 269-न में अनुवर्ष में, में, अनत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत ह— मै० प्रकाश कन्स्ट्रक्शन की।

(भ्रन्तरक)

2. श्री अमलेण और राजेण कुमाय।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उन्तर समिति के वर्षन के तस्त्रान्य में कोई भी काम्राप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो ची जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति इनाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतार उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिल-व्यूथ किसी नन्य स्थानत ब्वास अधोहस्ताकारी के पान सिवित में किए वा सकोंगे।

अनुस्ची

शाप नं० 4, जो तल मंजिल, घमित नगरय, यारी रोड़, वसौंबा, बम्बई-400061 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि सं भ्रष्ट-2/37-ईई०/16173/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 4-1-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्बर्ष

तारींच: 4-9-1935

प्रथम बाह् : ही प्रथ : ५% -----

नायकर जिमिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) जै नभीन स्वना

बाइत बहुका

कार्यांचय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्रण)

श्चर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निषेश सं० ग्रई-2/37-ईई./15992/84-85--- ग्रतः मक्षे, प्रणात राय

नायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसके परचात् 'उसत सिपिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित गाजार मुख्य,

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० णाप नं० 2, वींन टायर, अंधेरी प०),
बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और
पूर्ण रूप से वणित ह(, जिसका करारतासा
भायक्र प्रधिनियम, 1961 कीं धारा 269%, कुछ के प्रधींन.
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारींख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उक्ति बाबार मूक्य से कम के क्यमान प्रतिकास के प्रिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का सारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित साचार मून्य, उसके क्यमान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का रुक्त प्रतिक्त से अभिक है और नंतरक (मंतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के बिए तय पाम गया प्रति-कम मिक्नसिवित बहुददेस से सकत जन्तरण जिल्हित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) व्यव्यक्त वं हुव् किवी वाय की शबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर वोने के अन्तर्क के व्यक्तियम में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा वीनिष्; वीर्/वा
- (ण) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा वे सिए;

बतः वय, उत्तत विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उथत विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) में भणीता, जिस्मितिबिह स्वित्तयों, वभार १००० ४४--286 GI/85

। मै० इंदरजीत प्रापर्टीके प्राक्ष लि ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजनुमार एन्टयप्राइजेस (एच० यू० एफ०) (ग्रन्तियती)

का बहु सूचना जारी काहके प्रशिष्ठ संपत्ति के बर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्बक्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यय ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध क्रिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो इक्क विभिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

णाप नं० 2, जो बेगमेंट के साथ, जो तल मंजिल, टवीन टाबर ,प्लाट नं० 8ए० और 8बीं०, वर्वे नं० 41 (बार्ट), जोशिवरा, तिलेग, धार बंगणांज, श्राफ जें० पीं० रोड़, बसींबा, अंधेरीं (प०), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि अ० ग० अई-2/37-ईई/15992/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्ट्री िसा गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी गहाय ६ आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रें**ज**-2, **बम्बई**

तारींख: 4-1-1985

मोहरः

क्ष्म सामुद्रेश की सुद्रा प्रवासन्तरमा

भावकार विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सुचना

HIER TENE

कार्यांचय, सहायक बायकर बाय्क्स (निर्दाक्तण)

भ्रजेंत रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/16332/84-85-- ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये हे अधिक है

और जिसकी सं० गाप नं० 12, निर्मल श्रपार्टमेंट, अंधेरी रें (प०), बम्बई-98 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनु- व्री सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनिय, 1961 की धारा 269क, ज के श्रधीन सक्षम आधिकारों के कार्यालय में बम्बई रिजस्ट्री हैं, तारीख को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीष एसे जन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्टिधा के लिए बार्ड वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दवारा प्रकाट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए थां, छिपाने के अधिकार के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसिट व्यक्तियों कर्धात् :--- 6. मैं० निर्मल कन्स्ट्रमगत को०

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती वीना चीत्तरसेन गर्मा और चीत्तरसेन मंगीराम गर्मा।

(भ्रन्तिरतीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नामेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकरें।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

वनुसूची

शाप नं० 12, जो तल मंजिल, निर्मेश श्रापार्टमेंट, जे० पीं० रोड़, आर सींजन रोड़ का कोना, अंधेरी (प०) बम्बई-40009 में स्थित है।

न्ननुसूची जैसा कि कि में श्रई-2/37-ईई/16332/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 11-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय मक्षम प्राधितारी सहायक श्रायक्षय श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारींख: 4-9~1985

प्ररूप बाइ'्टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) वो अभीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज- 2, वस्बई बस्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निवेश सं० श्रई- 2/37ईई/16295/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भाप नं० 134, रोगनलाम्न म्रग्नवाल मापिंग सेंटर म्रारकेड' अंधेरी, (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के मधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीत कर अलंक अन्तरकः के बायित्व मां कमी करते या असस नवा मां स्विधा क लिए, और/मा
- (ह) एंसी किसी आय या किसी बन रा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम. 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा था अही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिराने में मुजिपा के लिए;

अत. अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मर्ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखत व्यक्तयों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स महेल इन्टरप्रायसेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सूर्मा कुमार पी० धनश्याम (एच यू एफ) और सजनडी० नारवानी (एच यू एफ) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतयों में से किसी स्थानत ह्वारा;
- (क) इत स्वना के राजपण में प्रकायन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मा पश्चिम स्पत हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय माँ विया गया हों।

वन्स्ची

शाप नं० 34, जो तल, मंजिल, रोशनलाल स्रम्भवाल शापित स्राक्तेड, ओशिवरा, स्राफ जे० पी० रोड़, वसीवा, अंधेरी (प), वस्पर्र-58 में स्थित है।

श्रनुसूर्च। जैसा कि श्रभ सं० श्रई- 2/37र्हः16295/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द रा दिनांक 11-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : ·4-·9-·1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

त्रम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/15995/84-85--श्रतः मुझे, प्रगांत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और शिसकी सं० णाप नं० 11, ट्वीन टावर, अंधेरी (प), गम्बई में स्थित है (और इसमेउपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणा है) और जिमका करारनामा ग्रायकर ग्रांधिनियम 1961 को धारा 269 क ख के ग्रधान बम्बई स्थित क्षिम प्राधिकारी कैयकार लिय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते गह विश्वांस

करने का कारण है कि यथापूर्वाता सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दरणमान प्रतिफल से एसे दृश्यान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कांथत नहीं किया गया है ैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में गृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वी उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—- (1) इदरजीत प्रापर्टीज प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) राजकुमार एन्टरप्रायसेस (एच यू एफ । (अन्तरिती)

को यह । सूचना जारी करके पृत्रीयत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अत्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति वुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिया गया है।

अनुसूची

णाप नं 11, जो तल मंजिल, ट्वीन टावर, प्लाट नं० 8ए, और 8बी, सर्वे नं० 41 (पार्ट), अंशियरा व्लिज चार बंगलांज, ग्राफ जे० पी० रोड, वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई $\sim 2/37$ ईई/15995/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 के रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 4--9-1985

aliyali da darib ayar e waka waka a

प्रकार कार्य . टी . एन , एक , - ११५०,०००

कावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्तिक)

श्रर्जन रेंज:-2, बम्बर्द बम्बर्द, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदण सं० ग्रई- 2/37ईई/15993/84-85---ग्रतः मुझे प्रशांत राय

बानकर बांधनियन, 1961 (1961 का 43) (विश्व द्वानें इसके पश्चाध 'उन्त विश्वनियम' कहा गया हैं), की नारा 269-य के नधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्रमांच करने का कारल हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विसका जीवत साधार मुख्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० माप नं० 8, टवीन टावर, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थिन हैं (और इससे उपाबक प्रनृसूची ० और पूर्ण एप ने विणिन हैं और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 196। की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985

को पूर्वो क्व सम्परित को उचित बाजार मृत्य से काम के आयमाब प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने के कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, सक्के दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित तथा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वरिय से उक्स बनाइण विचित में वास्तिव है स्व स किथत नहीं किया गया है :---

- (ia) जन्तरण से हुद्द जिल्ली थाय को वावत, ध्यव जिल्लामा के अभीन कर दोने के सम्बद्ध के दामिश्य के कवी करने वा उक्कये स्थाने में कृष्टिया। के जिल्हा और/मा
- (व) एची किसी नाम वा किसी भग वा बंग्य बास्तियों को, बिक्हें भारतीय बाय-कर बहिन्दिनवस, 1922 (1922 कर 11) वा उन्तर गणिनवन, वा भन-कर जिल्लिनवन, वा भन-कर जिल्लिनवन, 1957 (1957 को 27) के अनोबनार्थ कन्हिरती हुनारा अकर वहीं दिवता क्या या वा विका जाना पार्रीह्य था, कियाने जे ब्रियान के ब्रियान

कतः अतः, उत्तेत विभिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उत्तर विभिनियम की थादा 269-ग भी उपभारा (1) के अभीन, निम्नीविधित व्यक्तियों, व्यक्ति ह—

- (1) इंदरजीत प्रापर्टीज प्रायवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) राजकुमार एन्टरप्रायसेस (एच यू एफ) (श्रन्तरिती)

का वह बुपना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन में जिल् कार्यगाहिनां करता हो।

क्यत करुति के वर्षन के संबंध में कार्य भी बासेंप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र ते प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की शर्नीय ने तत्तान्तरणी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रव्या को से अविश्व में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीवय स्वित्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) प्रत स्थाना के राजयत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में द्वित-श्रिभ किसी मन्य न्यक्ति ब्वारा, मभोहस्ताकरी के एस निवित में किए का सकेने।

स्वक्रीकरणः ----इसमे प्रगुक्त बच्चों बार पर्वो का, वो उक्त विध-निवंश के कथ्याव 20-क में परिभाष्ति हैं.-वहीं वर्ष होगा, को उब बध्याव में विका गंवा है।

वन्स्ची

शाप नं 8, जो तल मंजिल, टबीन टावर, प्लाट नं 8ए और 8शं, एस० नं य41 (पार्ट), ओशिवरा विलेज, जार बंगलोज, श्राफ जें पी० रोड, वसींबा, अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूरो जैवा कि कम सं० ग्रई-2/37ई c $^{$

प्रगांत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकरं भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4--9-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एवं , एवं 🚊 वनवायनव्यवस्थान

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्वना

नारत तरकार

कार्यात्तम, सहायक भायकडु नामुक्त (निर्द्राक्षण)

धर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4सितम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/16333/84-85--ग्रतः मुझे प्रशांत राय

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शाप नं० 11, निर्मला अपार्टमेंट, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-1-1985

को पृश्वित सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बस्जार मृत्य, असके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, जनत नियम के अधीन कर दोने में बन्तरक के खिरल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बांट/बा
- (व) एसी किसी जाव वा किसी भन या जन्य शास्तिवों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धनकर् श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया श्रीमा वाहिए था, किया में स्विका के निए;

अतः मन, उनत मिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मं, मं, उनत मिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) क अभीनः, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) निर्मल कन्सद्रवशन को०

(भ्रन्तरक)

(2) कुमार कैलाश ए० खन्नााऔर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में में विक्ती की की इस इस र
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास

रपध्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दी था. जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-ल में परिश्वापत **है, वहीं अर्थ होगा, जो** उस अध्याय में दिया भगा **है।**

वनवर्षी

शाप नं 11, जो तल मजिल, निर्मला श्रपार्टमेंट, जे पी रोड और सीजर रोड़ का कोना, अंधेरी (प), बम्बई-409058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/3ईई 16333/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रुरा दिनांक 11-1-1935 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> नमात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (किरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 4-9-1985

प्ररूप नार्षः टी. एतः एस_{्य-----}

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्चना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2. बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/16069/84-85--अत: मुझे, प्रशांत राय.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख अं अधीन सक्षम प्राधिकारी को 'यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रतः से अधिक **है**

ग्रीश जिसकी सं० शाधनं० 10, 11, इमारत नं० 1, अमी नगर, बम्बई-61 में स्थित है (श्रीरइसमे उपाबद अनुसूची

में भ्रांत पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आप हा रिपितियम 1961 की धारा 269क, खा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 4-1-1985

को वर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मुख्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्यः उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंत रितिटीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलि**खित उद्वोदय से उन्त अन्तरण निर्मेखत में** नास्त्रिक रूप र किया नहीं किया नवा है प्र--

- (क) अलरण से हुई किसी बाब की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा क ग्लक्ष; **मीर∕ ग**ा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन वा बन्य जास्तियाँ े जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-जर **अधि**नियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सविधा F France

अतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-क की उपभारा (1) क्षे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स प्रकाश कन्स्ट्रनेक्शन को०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा चंपकलाल बारोष्ट । (अन्तरिती)

को यहस्यनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिग्र कार्यवाहियां करता हो।

उपत सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप र---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की मनिध, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (था) इस स्थानाको राजपत्र में प्रकाशन की सारीचासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सर्कोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, षा उपत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ दोगा को उस अध्याय में विका गया है।

नग्सूची

शाप नं ० 5,10 श्रीर 11, जो तल मंजिल, इमारत नं ० 1, अमीत नगर, यारी रोड़, वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/16069/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 4-1-1995 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-9-1985

মুক্ত নাম্ব্ৰ হাত দুৰ্ভ দুৰ্ভ —

कारकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वधीन स्वता

गाउव जाना

कार्यामय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं ० अई—2/37ईई/15978/84—85——अतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० शाप नं० 4, मनीश शापिंग सेंटर, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्याक्षय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1⊶1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपनत बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ वह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चेक्य से उक्त बन्तरण निचित में बास्तिक अप से किंचत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ते शुर्व किसी बाय की गावत, उक्त बीधनियस के बधीन कर देने के अन्तरक के सामित्न के कनी करने वा उच्चे क्यने में सुविका के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधान के सिए;

अतः अव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अमृसर्व में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उवधारा (1) वी अधीन, निम्मृतिविद्य व्यक्तियों, स्थात् च—

- (1) श्री नारायन दास घनण्याम दास खटनहार। (अन्तरक)
- (2) श्री श्याम गुन्दर कूंडोलमल मंधवानी। (अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराध ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तागीख सं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों बीर पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

नमत्त्र ची

शाप नं ० 4, जो तल मंजिल, मनीश शापिग सेंटर, की ० श्रीप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मनीश नगर, जे ० पी ० रोड, चार बंगलोज, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/15978/ 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 4-9-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ. टी. एव . एस .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचगः

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्ब\$

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/16298/84-85---अत: मुझे, प्रणांत राथ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 25, रोणनलाल अग्रवाल शापिग आरकेड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-1-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्तियक रूप से किथत नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-स के वन्तरण में, मैं अक्त आधिनियम की भारा 269-स की उपधारा (1) की अधीन नियमितिसित, व्यक्तियों, अर्थित् :—— 42—286G1|85 (1) आर० एन० ए० बिल्डसं।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवान एस० नागरानी श्रौर रानी बी० नागरानी।

(अन्तरिती)

को यह स्थान पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्छीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष ह⁴ वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया या ह⁴।

an areli

शॉप नं० 25, जो रोशननाल अग्रवाल शापिंग आरकेंड सर्वे नं० 41 (पार्ट), वसीवा, अपना घर के पास, ग्रंधेरी (प), बम्बई – 58 में स्थित हैं।

अनुचीह जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/16298/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4-9-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाग्रक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/15979/84-85-अतः मुझें, प्रणीत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00 000/- रह से अधिक है

1.,00 000/- रह से अधिक हैं

शौर जिउकी स शाप नं० , मनीश शापिंग सेंटर, श्रंधेरी

(प०, बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची

में शौर पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर

अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधि हारी के हार्यालय में रिजस्ट्री है, तरीख 1-1-1985
को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का
पंद्रह रितशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक हम से किंथा नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी थाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुनिधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी साविती घनश्यामदास खटनहार।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जन कूंडोमल मंधवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी बरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे,हस्ताक्षरी के पास तिम्बित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्षिकरणः --- इसमें प्रयंबत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शापनं ० 5, जो तल मंजिल, मनीश शापिंग सेंटर, को० श्रोपहाडूजिंग सोसायटी लिमिटेड, मनीश नगर, 4 बंगलोज, जे० पी० रोड़, श्रंधेरी (प) बस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/15979/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4-9-1985

प्रकथ कार्ड, टी. एन. एस.-----

कष्यकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाहा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई ,िंदनांक 4 सितम्बर 1985 निदेश सं ० अई-2/37ईई/16296/84-86--अतः मुझे प्रशांत राय

नायकर विभागियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके परवात् 'उनत निभागियम' कहा गया है कि भारा 269-व थे मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कालुन है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 37, रोशनलाल अग्रवाल शापिंग आपकेड, श्रधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राजिशारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख, 11-1-1985

को पर्नोक्षत सम्पत्ति के उत्पत्त बाबार मूस्य से कम के और अन्तरिस गद् प्रतिफल के लिए की विष्वास करन का कारण प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे कथमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और क बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे नन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🕰 ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, चिन्हां भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुनिधा को सिए;
 - ाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) आर० एन० ए० पिताडर्स।

(अन्तरक)

(1) श्री हेमन जयरामन दास पंजाबी श्रौर श्रीमती बीना हेमन पंजाबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

शाप नं ० 37, जो तल मंजिल, रोशनलाल अग्रवाल शापिग आरकेड, श्रोणिवरा, एस० नं ० ४१ (पार्ट), श्रंधेरी (प), बम्बई 59 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/16296/ 84-85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 11-121985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश मं ० अई-2/37ईई/16297/84-785--अतः मुझे प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/~ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० शात नं ० 24, रोशनलाल अग्रवाल शापिंग आरकेड, श्रीधेरी (प), बम्बई। - 58 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिंग ही श्रीर जिसका एरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-1-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवा रूप से कंध से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः उव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीनः, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) आर्० एन० ए० बिल्डसं।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती रानी बी० नंग्रानी ग्रौर श्री अमीताब बी० नंग्रानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अ।री करके पूर्वीचल सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रन्युची

शाप नं० 24, जो तल मंजिल, रोशनलाल शापिंग आरकेंड एस० नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवरा, अपना घर के पास, वसींवा, श्रंधेरी (प), वस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम म० अई-2/37ईई/16297/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय नक्षम प्राधिकारी सहाय ह ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनों क : 4-9-1985

प्रकृष काई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई ,दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/16712/84-85--अनः मुझे प्रशांत राय

शायकर शांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेटनं० 704, जो, सी० विंग, मनीण गार्डन, ग्रंथेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूती में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 21-1-1985

को पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि सभाप्त्रोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अतिरति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बच्चे में स्विधा के लिए; और/या
- (सं) एती किसी बाय या किसी घन या बन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्द्रिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

कतः वयः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-यं के वनुसरण मं, मं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-यं की उपभारा (1) के वधीन, निम्निचित व्यक्तियों, संभित् ः— (1) जन मंगल संस्था दूस्ट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दौलत खानु टी० हदा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्मिक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 703, जो सातवी मंजिल, सी विंग, इमारत नं० 2/3/4, मनीश गार्डन को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी जे०पी० रोड़, चार बंगलोज, श्रीधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/16712/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 21-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 4-9-1985

प्ररूप माइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० अर्थ-2/37ईई/16155/84-85--अतः मुझे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00000/-रापये से अधिक है

श्र र जिसकी सं० प्लेट नं० 901, हिमाचल श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर श्रांर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विवसास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप म किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की वाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए, अरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य बास्तियों कों, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उथत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनियत अधिकतामों, अधीत है—

(1) विजयलक्ष्मी एम० भाटीया।

अन्तरक)

- (2) दीलतमल मेहना श्रोर समीरमल मेहना । (अन्तरिती)
- (3) दौलत मेहता।
 (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में
 सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करको पूर्वा कर सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळिकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विया गमा है।

वन्स्या

फ्लेट नं० 901, जो नवी मंजिल, हिमाचल, आजाद रोड़, आफ जुहु लेन, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/17ईई/16155/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजक्षण) अर्जम रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 10-9-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाह्रं.टी.एन.एस.------

भायक र अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के सभीन स्वतः

मारत तरकार

कार्यातय, सहायक वायकार वायका (विद्रांकिक)

प्रजॅन रेंअ-2; बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मितम्बर 1985

निदेण स० ग्राई--2/37ईई/16563/85--85---ग्रतः मुझे प्रणात राय

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सक प्रलेट नक 3, जयश्री श्रापार्टसेंट, विले पार्ले वस्त्वई में स्थित है (औय इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रापकर श्रिष्ठित्यम 1961 की धारा 279क, ख के श्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 18-1-1985 को पूर्वेक्त तम्मीत के उपात बाजार मृस्य से कन के अवमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है जौर मुखे वह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संवीत का उपात बाजार मृस्य उत्तक अवमान प्रतिफल से एते अवमान प्रतिकल का पर्में का उपात बाजार मृस्य उत्तक अवमान प्रतिकल से एते अवमान प्रतिकल का परमूह प्रतिकत से बाँधक है और बंतरक (बंतरका) और बंतरित (अन्तरितवा) के बाँध एते अन्तरण में तिए तब पाता गया प्रतिकल, निम्नीलियत उपयोक्त से उक्त अन्तरण सियत प्रतिकल, निम्नीलियत उपयोक्त से उक्त अन्तरण सियत प्रीतकल, निम्नीलियत उपयोक्त से उक्त अन्तरण सियत प्रीतकल से बाँधक स्था से अवस्त अन्तरण सियत

- (%) अन्तरण संबुद्ध किसी नाव की बलात, उकत अधिनियन के बंधींग क्यु दोने के जन्दाहक की गरिस्त में कभी करने या उत्तरी वचन में सूचिधा के लिए; और/वा
 - (क) एंसी किसी अब या किसी भन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना थाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) मन्तर्भ प्रवीन विलड्स ।

(श्रन्तरक्)

(2) श्रींमतीं लता डीं० दर्यानानीं।

(भ्रन्तरिती)

करें वह सूचना बाड़ी करके पूर्वांक्य सम्परित के व्यंत के लिए कार्ववाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण:---इतमें प्रयुक्त केल्यों और पदी का, जो अक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट न० 3, जो जयश्री स्रपार्टमेट, सर्वे न० 367 और 196, रोड वदर रोड़ विले पार्ले, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि स० ग्राई-2/37ईई 7/16563/ 84~85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 18-1-1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक श्राथकर स्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

जतः प्रवा, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में उक्त अभिनित्रम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के जभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, संभित् क्र---

दिनांक : 10-9-1985

माहर 💃

प्ररूप काइ. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन संभाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

भिदेण स० अई-2/37ईई/16308/84:85→-श्रत: मुझे प्रणांत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट न० 7, मिसिन्टा अपार्टसेंट, विले पार्ले (प), बम्बई -56 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूचीं में और पूण् क्प से बणित है) और जिसका करारनामा आयक्र अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के आर्यान्य बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रसिफल से एसे क्षयमान प्रसिफल का पन्द्रह प्रसिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया यया प्रसिक्त, निम्निलिक्त उच्चित्रण से उक्त अन्तरण निक्त्य में वास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-विधितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा **से सिए**;
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए; और/वा

अत: शब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् क्र—

(1) मेसर्स अकुर बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतीं नन्कीं जीं० मजनानीं और श्रीं सुरेण जीं० सजनानीं।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मृत्ति के अर्थन के सिर कार्यवाहियां करखा हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्त्य :-

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकार की वार्यक के 4.5 प्रिन की क्ष्मि वा तरकानाची व्यक्तियों दृश सूचना की ताबीस से 30 दिन की अनिथ, यो भी अनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य स्वक्ति ब्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंग।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का को उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

बन्स्ची

फ्लेट न० 7, जो मिस्किटा अपार्टमेंट, सेंट फ़ान्सींस रोड़, विले पार्ले (प), अम्बई-400056 में स्थित है।

ग्रनुसूचीं जैसा एक क्रम स० ग्रई-2/37ईई/16308/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 10-9-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

श्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश स० ग्रई-2/37ईई/16202/84-85--ग्रतः मुझे 'प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेंट न० 5, इमारत न० 3, मुख शान्ति विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिस्ता करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 10-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को यह है जोर को गए विक्रान करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित । बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिधिनियन के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; और/या
- (व) एसी किसी अाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने से संविधा है लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 43—286GII85

(1) श्रींमतीं एस० ग्रार० जैन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीं पर्वेज एम० कोहिनूर और श्रींमती रोशन पर्वेज कोहिनूर ।

(ग्रन्तरितीं)

(3) ग्रन्तरक।

वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

श्रनुसुची

फ्लैट नं० 5, जो, इमारत नं० 3, पहली मंजिल, सूख शान्ती अपार्टमेंट, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि क०सं० अई-2/37-ईई/16202/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-9-85

प्ररूप नार्ं.टी.एन.एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत शहकाह

कार्यातय. सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/16587/84-85-- ग्रतः मुझे, प्रमात राय

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्मास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, हमारत नं० एकः, झक्कारिया अधधाडीं नगर , बस्बई-61 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269तः, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं के कायोक्य बस्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 25-1-1985

को पूर्णोक्प सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्ग है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के निए तब पाना गया प्रतिफल, निम्निलिचत उच्चेष्य से सकत जन्तरण सिचित को नास्तिक कप से किथात नहीं किया गया है है—

- (क) विश्वतरम् से हुई विस्ती वाय की वावत उक्त विभिनियन के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायिक में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए. विद्या
- (ख) ऐसी किसी अध या किसी धन जा अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए।

नतः वदः, उदतः विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उसते विधिनियम की धारा 269-ते की उपधारा (1) में मेरीन निम्मीनियत स्पनितमों, सर्थात् व (1) श्रीमती नीशा पीं खीलनानी और प्रताप टी० खीलनानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रबीया बाई ग्रब्दुल रहमान ।

(ग्रन्तरिती)

(3) रबीया बाई, श्रब्दुल २हमान, महमूद श्ररीफ,
मफीया एम० श्ररीफ, महमूद रीयाज,
सीराज श्रहमद, और समीना ए० श्रार०।
(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में
सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं
 45 दिन की जनिथ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भं
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यागः
- (क) इस सूचना के ,ग्रंजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुी अर्थ हुरेग। को जन अध्याय में विका गया हैं!

अनुसूची

प्लैंट न० 4, जो इसारत नं० एक, तल मंजिल, झकेरिया अधधादी नगर, नं० 2, यारी रोड़, वर्सीया, बम्बई-61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/16587/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा विनांक 25-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-9-·1985

TOTAL THE TOTAL

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

फार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देक्षण)

श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रर्श-2/37ईई/16373/84-85---श्रतः मुझे प्रशांत राय

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ़69-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० इ/27, न्यू चन्द्र, संधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) स्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 14-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिपत्त के लिए नंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपत्ति का उण्यान मातप्त का प्रवाह प्रतिस्त में प्रवाह का का प्रवाह प्रतिस्त में का प्रतिस्त के एके कामान प्रतिपत्त का प्रवाह प्रतिस्त मधिक है और मन्तरिक (मन्तरिका) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय प्रया गया इतिस्त्र , निम्मिसिचित उद्वेष्ण से उक्त मन्तरण निवित में वास्तिक रूप से किस्त महाँ किया गया है है—

- (क) बन्धरण वे हुए जिल्ली कर की बन्धर, उनस् वृत्तिमित्रक वे वृत्तीय कर को के बन्दरक के शरित्य में क्रमी करने वा उससे वृत्त्वे में ब्रुप्तिमा के क्रिय़; बहित्या
- प) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय अवय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में भूविभा के लिए;

(1) श्रार० के० शर्मा।

(अन्तरक)

(2) श्री जयसुख एम० मण् ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वान बारी करके वृथांकत सम्मिति के वर्षन् के विश्

उसत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विकृत्वी ववीच या तत्त्रेम्बर्णी व्यक्तियाँ पर स्वाप्त की तानील से 30 विन की ववीध, को भी वविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्राप्त व्यक्तियाँ में वे किसी व्यक्ति ब्राप्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षिकरण:---इसमें प्रमुक्त कृष्यों और पर्यों का थी अक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या एका ही।

अनुसूची

फ्लैट नं ० इ/27, जो न्यू चन्द्रा को ० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, विरा देसाई रोष्ट्र, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 सें स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कम मं० श्रई-2/37ईई/16373/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाँक 14-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षमप्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत ह---

दिनौंक : 10-9-1985

ज्ञान कार्य है है है हम है हमें , प्रत्यानननन

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के स्पीप स्पना

alta anali

कार्याजय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

निदेश: सं० श्रई-2/37ईई/16339/84-85--- ग्रतः मुझे, प्रमति राय

बावकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) विके दबकें दबकें परकात् 'उथत विभिन्नियन' कहा ग्या है, की भाग 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, विसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-तः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-1, नेहा अपार्टमेंट, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम 1971 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री बम्बई है, नारीख 19-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्मृत्सि के उजित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई है और मूक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार बुन्द, उन्हें अनुवान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचय से विभिन्न ही बाह्र मन्तर्क (अन्तर्का) जोड़ अन्तर्दिश (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा ग्वा बाविकस, निम्निसिचित उन्हों के उन्ते अन्तरण जिल्लिय के स्वस्तिक क्या के स्विधत महार्थ किया गया है :—

- (क) जन्तरण ते हुन् किती जाम की वाबत, उनस जिपिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने हैं मृथिधा के लिए; जौर/या
- (क) क्वी किसी नाव या किसी धन या कत्य आस्तियों की, विक्रू भारतीय नाव-कर निधनियम, 1922 की, विक्रू भारतीय नाव-कर निधनियम, 1922 की 1922 की 11) ना उनत मधिनियम, या धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) की क्वोचनार्थ नत्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया चाना चाहिए था, कियाने में श्विधा के विक्रः

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

(1) श्रीमती गूल्ली के० तलरेजा।

reconstitutation our transmission <mark>- Propression de la companie de</mark>

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुंती देवा खेमचन्द धल और श्री खेमचन्द स्नार० धल।

(श्रन्तरिती)

की मह सुचता भारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स भारतित क अलंग अ सन्ध मा काई भा वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की जवांच या तहमम्बन्धी ज्योनित्यां पर सूचना की तामील में 30 विन की अवधि, जो भी नव्धि भाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका स 45 दिन की भीतर अवन् प्रशायर क्ष्मिल में हितनप्र किसी बन्य व्यक्ति युवारा अकोहस्ताकारी के पास सिक्षित में किए जो तकोंग।

स्वाकीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्भां मार पक्षे का, को तक्क मधिनियम, के शक्षाय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस मध्याय में दिवा नमा है.

नगत ची

पलैट नं ० ए-1, जो तल मंजिल, नेहा अपार्टमेंट, श्रवीनाश के सामने, सात बंगलोज, जसीना रोड़, ग्रंधरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/16639/ 84-85 ग्री? जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 19-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय -सक्षम प्राधिकारी नहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, बम्बई

दिनाँक : 10-9-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.----

बायकर अधितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/15974/84-85—-म्रतः मुझे, प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गा। है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० $17/\xi$, न्यू चन्द्र, बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

की पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक निकार में के बीच एसे अन्तरण के जिए तय शया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित शम्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती रेनूका भर्दा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश एस० कैमल ग्रौर श्री पी० सुकूमारा कैमल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप र---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र्ह 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 17/ई, जो न्यू चन्द्र को० ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रॉफ वीरा देसाई रोड़, बम्बई-400058 में स्थित है। ग्रमुस्ची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/15974/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक : 10-9-1985

मोहर 🖁

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च(1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/16342/84-85-- ग्रतः मुझे प्रशांत राय

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विववास करने का कारण हैं कि संधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० जी/17, न्यू श्रंबीवली, बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर, उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बंतरिती (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से काथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में साविधः को लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना जाहिए था, जिनाने में सुविभा के निकर;

कतः मन, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) श्री सतीश बी० चौबल ।

(अन्तरक)

(2) श्री झर्सीस बी० इरानी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (5) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

फ्लेट नं जी/17, जो पहली मंजिल, न्यू श्रंबाबली को ब्रापि हाउसिंग सोक्षायटी, जीवन नगर, बीरा देसाई रोड़, अंधेरी (प), बम्बई-400958 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37ईई/16342/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 11-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि कारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-9-1985

प्रस्त बाह्रों ही एत , एस् , ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

धारत सहस्रह

शार्यालय, सहायक मायकर भागृक्त (निर्देशक) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 सि,म्बर 1985

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/16031/84-85—स्रतः मुझे प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० ब्लॉक नं० जी-1, इमारत नं० 13, बम्बई-102 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायत प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है) ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी कार्याक्षय वस्वई में रजिस्ट्री है, जरीख 3-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान शितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि मणपूर्वोक्ष संपत्ति का उचित अवार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का बन्द्रह प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया अति-कल मिन्निनिचित उद्योक से उन्ते अन्तरण कि विच्च में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाम की नावश उक्त जिय-नियम के ज्यीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुनिधा के निए; बड़ि/स्ट
- (क) एनी किसी जान या किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या धन-कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा वी किए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण मों, म⁵, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अन्दुला मोहमद अली सारा और श्री युसूफ मीहमद अली सारा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री उमर इस्माइल हलाई।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

वक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोंड़ भी बाधीप:---

- (क) इस जुनना के समयन में प्रकाशन की सारीय से 45 विन की अनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीण से 30 विन की अनिथ, वो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 वित के भीत ए उन्त स्थानर संपत्ति में हिंत-बद्द्य किसी मन्य स्थान्त ब्वाय वभोहस्ताक्षरी के गास निचित्त में किए या सकति।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उनक जिमिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में विषय स्था है।

and the same

ब्लाक नं० ज(-1), इमारत नं० 13, सुल्तानाबाद चेंबर को० ग्राँप० हाउसिंग सौसायटी लिमिटेड, बेहराम बाग रोड़, जोगेश्वरी (४), बम्बई-102 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रह-2/37ईई/16031/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1985 को रिजस्टिड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 10-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

'कार्यालय, सहायक आयानर आधवन (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांव: 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/16036/84 85- अत: गर्से प्रशांत राय

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पति, जिएहा उचित काजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह²

ग्रौर जिसकी सं० फ्लोट नं० 29, शंधेरी (प), त्रम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उसबढ़ अनुसूची में सीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिम्हा इराप्तामा ग्रायाप मिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के प्रवास नक्षम जाधिकार।

के कार्यालय, वस्बई में रजिस्हं। है, टार 🗵 ३-५-1985 **को पर्वोक्त संपत्ति के** उचित बाजार एल्य सं कम के दृश्यसान प्रतिफलाके लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह दिश्यास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संत्रीत का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एों दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (इन्टरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर होने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिनाने मं⁻ सविधाके लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की पारा 269 म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) सयद अहमद अली

(मन्तरक)

(2) श्रीमती लर्ताफा अब्दला सरगोश

(श्रन्तरिती)

को यह म्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुर करता है।

डक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की का शिक्षा विल्डांबंधी व्यक्तियों पर राचना की तारीक सं 30 दिन की अवधि, जो भी अंगित्र वाद में समान्य होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियां में में विशी अकि द्वाराः
- ् (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को जीवा उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्य िमी अन्य न्याक्त ब्दारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निविद्य में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण'--इपमें तयका गणीं और पशीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्र फ्लेट नं० ८. जो फ्लोट नं० 29,एस० नं० 4, स्त्रौर 5, मुलगाव विलेज, महाराज्ये देवहज रोड़, ग्रंधेरी (पु), बम्बई में स्थित है।

न्नानुसूचो जैसा ि ऋ० सं० ऋई-2/37ईई/16036/ 84-85 और जो एक्षम प्राधिकारी। वश्वई द्वारा दिनांक 3-1-1985 को "जिस्टाई िया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकार् ं सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां छ : 10-9-1985

मोहर 🗧

प्रकृष काइं.टी.एन.एस.,-----

बावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्थासय, सहायक जायकर नायुक्त (निर्देशक)

प्रजीन रेज; 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्र $\xi-2/37$ ईई/16856/84-85—श्रतः मुझे प्रशांत राय

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जो पलेट नं० 2. बिनानेर भवन, बस्वई-59 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनुपूर्वः में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधान वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालेय बस्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 24-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उस्त बन्तरण किखित में बास्तविक रूप से किथा निहाँ किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुंद्र किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन . निस्तिलिखतं व्यक्तियाँ, वर्धातं क्ष्मान 44—286 GI/85

(1) डा० मुरेश एउ० ओगं: ।

(प्रनार ः)

(2) रमेश जोगी श्रीर विमला जोशी।

(ग्रन्तरितः)

(3) भ्रन्तरितोः ।

(बहु व्यक्ति जिलके श्रधिमोग में संपत्ति है)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त कुम्पति के अर्थन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेदिन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्ध किसी बन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्रगक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्रनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो तल मंजिल, बिकानेर भवन, जे० बी० नगर, बम्बई-400059 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ई\$/16856/84-85 श्रोर जो अक्षय जांधि 3(7), बस्बई द्वारा दिनांक 24-1-1985 को रजिस्टर्ज किया गया है।

प्रशति राय सक्षम प्राधि हारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्भन रेंज--2, वस्बई

दिनां कं : 10-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर जिलियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना (1) श्री ग्रार० वक्रतानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० डा० भटा

(भन्तरितः)

मारह सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भाय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

'निर्नेश सं० म्रई-2/37ईई/15970/84-85-- मुझे प्रशांतराय

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त 'अधिनियम' कहा गया है'), की धाए 269-इस के अधीन सक्ता प्राधिकारों को बहु विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 10, श्री विग्नेश्वर को० श्रीप० हाउसिंग सोपायटी लिमिटेड, वम्बई-57 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधितयम 1961 की धारा 269फ, ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उँ जत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल भन पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्वोह्य से उस्त अन्तरण विश्वत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आप की बाबत, अक्ट विचित्रक के बंधीय कड़ दोने के सन्तरक के शिवरण को कभी करने या उदाय नथने में सविका के लिए; बॉर/का
- ण) एसी किसी बाय वा किसी भन वा अन्य लास्तिकों कर्ग, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1902 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, का भव-कार अधिनियम, का भव-कार अधिनियम, का भव-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया वाना चाहिए भा, जियाने में सुविधा । की जिए

जतः जव, उच्त विधिनियम की भारा 269-ग को जनसरण ग्रें, में, उच्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत् :---- को नह सूचना बारी कारके पृत्रीकत संपंति के स्थान के थि। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जन्म संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख । 45 दिन की जबकि या तत्त्वंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर प्योंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिस में किए का सकीं।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, को जन्म अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गण है।

वपुसूची

क्लाक नं 10, जो निपरी मंजिल, श्री विग्नेश्वर को भोप हार्पांसण सोपायटो लिमिटेड, 26 पार्क रोड़, विले पार्ले, (पु), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूच। जैना कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/15970/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रमांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) श्राजन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 10-9-1985

प्रकथ बार्च . हो . एम . एस् . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षक) श्रर्जन रेंज-2, अभ्यर्ड

बम्बई, दितांक 10 सितम्बर 1985

र्निदेश सं० श्र\$0-2/37 ईई0/16714/84-85—श्रतः मुझे, प्रशांतराय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकलास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 42, जय केसर कुंज, विले पार्ले, (प), बम्बई-56 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रावकर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269 कुंच के श्रधान बम्बई स्थित सभा प्राधि हारों के हार्योत्तर में रिजस्ट्रा है तारोख 21-1-1985

को प्लंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुर्ष किसी आम की नावत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (य) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बंतः शव, स्वतः अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीरा, निम्मतिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रं। हं। रा लाल मोहन लाल मेहता ।

(भन्दारक)

(2) श्रां कन्हेया लाल एम० मेहता और श्राः सुकेंधु एम० मेहता।

(मन्तिरिति)

का यह सूचना बारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के । लए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सृष्या को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाल लिक्टित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याम में दिमा गया है।

वन्स्ची

पर्लंट नं० 42, जो जय केसर कुंज को भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, खण्डूशभाई देसाई रोड, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित हैं।

श्रनुसूना जैसा कि कम सं० अर्द्द०-2/37 हिर्द | 16714 | 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21 जनवरी, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रमातं राय सक्षम प्राधिकार्ग सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्िक्षण) •श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-9-1985

प्रकार आहें **हो , ए**स , पुर ,----

आयकार क्षीपीनश्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई - बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश मं० श्राई०~2/37 ईई०/16593/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रथमत् उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की वाच 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरिया है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,05,300/- का से अधिक है

ग्रीर जिलको संव फ्लैंट तंव 5, शालीसार ग्रन्थेरी (प) विमन्दी 58 में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुस्चा में श्रीर पूर्ण का संविधान है), श्रीर जिलका उपारतामा श्रायकर अशितियम, 1961 का धारा 269 ए ख के श्रिश्चा वस्वई स्थित अभाग प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रा है तारीख 18-1-1985

को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफाल के प्रताप अलारित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथभात्रीकत सर्पात्त का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफाल से, एसे द्रयमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफाल, निम्निलिश्वत उद्योश्य से उसत अंतरण जिश्वत में अस्तिबन्ध रूप से किया नहीं किया गया है इ—

- (क) अन्तरण वं शुर्ट किसी पाय की बाबत, उक्त गीभीनयभ के बधीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के हिन्छ; बॉफ/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

वतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ के बन्सरण वो, भी, अवत विधिनियम की धारा 269-भ की अपधारा (1) के नधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा जोर्ज एडं।सन सूचिता श्रीर श्रोमतो हेन्हा जस्मीन सूचिता ।

(ग्रन्तरिती)

(2) श्रां गोपाल वेंकन्ना शेट्टी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी । 4 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पा सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्या किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इब सूचना नै हाब्यन में प्रकावन की तारीब ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्सबर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित भे किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पदों का, जो उनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुधी

फ्लैट नं० 5 जो ए बिल्डिंग, शालोमार की श्रापरेटिय हार्जिसग सोसाइटी लिमिटेड, 211 ए एस० वी० रोड, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/16593/

श्रनुसुव। जसा कि कम स० आई०--2/37 ईई०/16593/ 84--85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय शक्षम प्राधि तरी सहायक ग्रायकण ग्रायुक्त (निर्मेक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारींख : 10-9-1985

प्रकार आह^त, ती, एन , एन् , -----

भासकर लाजिनसम् : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत करकाड

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 10 सिनम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० -2/37 ईई/25377/84--85---**ग्र**तः मुझे, प्रशांत राव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पदना उथल अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वस्म करने का कारण है कि स्थायर उपिल जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर विज्ञास गं० पर्यंट गं० 2, जब निकेतन, सांताऋस (प), बश्वई-55 में स्थित है स्थार द्वारे उपाबद्ध स्नुमुन्ते में स्थार पूर्ण का रिवर्णित हैं), घीट विज्ञा क्रमाना स्थायकर स्रावितियम, घर क्षार 269 क्षा क्षार स्थान तक्षम प्रावित्तार है तार ख 21-1-1985

को पूर्वोक्त समिति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य तसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित, प्रामें) के धीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिकात उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विवित में नस्तिक, रूप से तथिक नहीं किया गया है ——

- ्की अभ्यापण मं हुई किसी भाग की बाबत उक्त बांध-भिन्न के अधीन कर दोने के कन्त्रक के दाबित्ज में फ्री करने या असम बचन में सुविधा के लिए, अप्रिया
- ा) ऐसी किसी काय या जिसी घन वा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए:

भर अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ४, . . उक्त अधिनियम का धारा 269-म की ज्यभारा (1) ﴿ कर्म किनोलाकत न्योक्तयों, अभीत् क्रिक्स (1) श्रामतीः गामा रामचन्द्रस धनीइ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीं पौलेश बाबू भाई बखाई।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान भारी करके प्याक्त सम्मन्त्त के अलग क किए कार्यवाहियां करता हो।

उबत सम्परित के जबन के सम्बन्ध में काई भी काक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विया

मन्स्यी

पलैट नं 2, जो तल मंजिल, जय निकेतन को स्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी निमिटेड, पहली गोलीबार छन, सांताकुज (पू), बम्बई-400055 में स्थित हैं।

श्रमुस्यं। जैपा कि क्रम सं० श्रई-2/37 ईई/25377/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधि परः, बस्बई हारा दिनांक 21 जनवर्रः, 1985 को रिजस्टई किया गया है।

प्रणांत राय पक्षम प्राधिकारी सहायात ग्रायकार श्रायुक्त निर्णक्षण) श्रजंत रेज--2, बम्बई

सारीख: 10-9-1985

प्रथम जार्च . सी . इन . एवं . १०००-०००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के विभीत सुवना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक कायकर वाय्क्त (रिनरीक्क)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० भई-2/37 ईई/16436/84-85--- मृतः मुझे, प्रशांत राम

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विववास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिएकी संव पर्लंट नंव 208, इमारत नंव 31 बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 कें धारा 269 ए ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है हारीख 15-1-1985

करें पूर्वेक्स सम्पत्ति के शिवत बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया प्रतिफा जनीम्निचित उच्चेक्स से स्वस्त अन्तरण कि लिए ते पासा गया प्रतिफा जनीम्निचित जें बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क' अन्तरण स हुइ' किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दने के उन्तरक क दावित्व में कभी करने या उससे बचाने में सूजिभा के सिए; और/आ
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीथ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अव, उकत कविकियम की वारा 269-ग के अनुसरक में, में अकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निज्नितिक्क व्यक्तियों, अर्थात् ३--- (1) श्रो बांव बोव पटेल एण्ड कोव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन श्रणा गदम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहिमां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) ्इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्विक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ह्या राज्य
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त गीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिका यथा है।

असम्बर्धी

प्लैट नं० 208 जो इमारत नं० 3,1, स्वतन्त्र सैनिक नगर, ग्रंबोलो, एस० नं० 39-40-41-42, श्रन्धेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37 ईई/16436/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15 जनवरी, 1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 10-9-1985

मोहर 🎨

प्रकृष जाइं.टी.एन.एस. -----

बाबकर अभिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सुचना

शाहर श्रम्

अज्ञानिय, सहाराक लावकार वागुनल (जिन्धिक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-2/37 ईई/16698/84-85---**मतः** मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रध्नात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सभापनों कत संपत्ति का उचित बाजार म्रूथ 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, नीलम ग्रपार्टमेंट, बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रन्सूर्वः) में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के ग्रिधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से किंबत नहीं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व , में कमी करने या उमले बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य प्रास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया अपा विक्या जाना चाहिए था, स्थिपने में महिशा और निक्शः

लतः लयः, जलतः कधिनियमं की धारा 260-ण के बन्सरण में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीतः, निक्तिलिसितं व्यक्तियों, वर्धातः र—

(प्रन्तरङ्)

(2) श्रः वा० के० शंकरत निम्बयार।

(ग्रन्तरितं।)

को यह स्चना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पः
 सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकों ने।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषिर हैं, तहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिय प्रवाह हैं।

वनस्यी

फ्लैंट नं० 601, छठीं मंजिल, नीलम भ्रपार्टमेंट, जीत नगर के पास, 58 वर्मोवा रोड, भ्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/37 ईई/16698/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक **भा**यकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारोख : 10~9-19**85**

मोहर -

इनाल **धार्क हो, धन,** शुद्ध,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाइ

कार्यासय, महायक जायकर जायक्त (निरोक्तम) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रार्ड--2/37 ईडी/16435/84--85---- ग्रातः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके वश्चान 'नक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धररा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यन विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डमारत नं० 31, श्रत्थेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इन्धे उपावड अनुसूर्वे में श्रीर पूर्ण क्य से बणित है), श्रीर जिसका उत्पत्नामा श्रानकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 का के श्रद्धांन वक्षम श्राधिकारी

के उपालित, तान है में पिन पूर्त है तारोख 15~1-1985 को पूर्वों कर सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरंत की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्मित का उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए प्रय पामा गया प्रतिक क्या निम्मलिकित उद्वेद्य से स्वत्य अन्तरण विचित्त में वास्तिक क्या से किया नहीं किया गया है ----

- (क) जीतरण ते हुई किती बाब की बाबत, उनत ं ते या के अधीन कर दोने के वन्तरक के बायित्व में किमी कारने या उससे वचने के स्विधा के सिंध; बार/बा
- (क) एथी जिल्ही अकर या किस्सी धन या लक्य बास्तिको को जिल्ही भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1927 का 1१) या उक्त अभिनियम, वा धन-स्टार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना वाहिए या, कियाने में मुविधा के जिए:

बतः तयः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (१) के अधीन, निम्निलिकत स्वक्तियों, अर्थात् ः√ - (1) श्रा वर० बर० एटेन एण्ड हो० ।

(अन्तर ह)

(2) श्रो ग्रम्बोली गर्लिय होम ।

(ग्रन्ति)

को यह स्थना आरी करके प्रवेक्त सम्मित्स के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:---

- (क) इस त्यना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा सं
 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 त्यका की जामीन से 30 दिन की वर्षीच, को भी
 जनभि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के बाब लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्कारणः --- इसमें प्रयुक्त कट्यों नीर पर्यों का, को उपत बिधिनयम, के क्ष्माय 20-क में परिभाषित है वही यर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हमारत न० 31 में पड़नो और दूसरी मंजिल जो एस० नं० 39, 40, 41, 42 स्वक व मंनिक नगर, श्रंबोली श्रन्थेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं। श्रम्भुत्वी जैसा कि किए सं० श्रई 2/37 ईई/16435/ 84-85 प्रोर जो नक्षम गांधिकारो, बम्बई हार। दिनां । 15 जनवरी, 1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम गिंदिकारं: सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निर क्षण) ग्रजंन रेंज--2, बम्बई

सारीख: 10-9-1985

मोहरः

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० म्राई०-2/37ईई०/16279/84-85---म्रतः मुक्षे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 769-ए के ज्योन मक्षप्र प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से लिंधक हैं

ग्रीर जिनको सं० फ्लैंट तं० 303, सुन्दर पार्क, ग्रन्थेरी (प) वस्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीप इससे उपाबद अनुसूच। में और पूर्ण रूप से वणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के ग्रवान नज़म प्राधिकारों के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री हैं तरिंख 10-1-1985

को पूर्वीमत सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल स, एस क्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रातिशा में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तारितियों) के नीच एसे अंतरण के जिए द्वर पास ग्या प्रतिफल, निम्निविक्त उद्देश्य से उचत संतर्ज निवित्त में नास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण संशूर्ण किसी बाव की बावस, समक् श्रीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उत्तरसे वजने में सूरिया के किए; स्टिंग्स
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या अनक्षर अधिनियम या अनक्षर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा अनक्षर महीं किया स्था था या किया जाना चाहिए वा कियाने में मूर्तिया से सिए,

(1) मैं० सुन्दर कन्स्ट्रक्शन को०।

(भ्रन्धरक)

(2) श्री जयसिंह कृष्ण कांत देसाई।

(मन्तरित।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां क्षरता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध के बोर्ड भी बाक्षेत् :---

- (क) इस स्थान के राज्यन के प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यन को प्रकाशन की तारीब है
 45 विन के भीएट उत्तर स्थावर सम्पन्ति को हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के
 पास निविध को विक वा सकीचे।

स्पव्यक्तिस्य :---इसमें प्रमुक्त सम्बां और पवां का, जो उक्त अधि-नियम की सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुपूची

प्लैंट नं० 303, जो सांसरी मंजिल, सुन्दर पार्क, ए बिल्डिंग, ग्राफ़ वोरा देसाई रपड, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रृतुसूत्रा जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/16279/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 10-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक झायक सायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

मोहरू 🛭

प्रकथ बाह्रं.टी.एन.एस.--

आग्रथंसर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्वमा

मारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निकीकण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/16409/84-85---श्रतः मुक्षे, प्रशांत राय

अगयसर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकर अधिनियम' कहा गया ह"), कौ धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव 13/14, श्रान्त्रेयः किरन, अन्धेरं: (प), बम्बई--58 में स्थित है (श्रीर इसके उपावड श्रानुसूचे में श्रीर पूर्ण क्यासे विचित्र है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायक्षर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कव के श्राव्येन नक्षम श्राविकार के जायित्रया, बम्बई में जिस्ट्रा है तारीख 14-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त विक रूप से काथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से इन्द्र किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियज के अधीर तर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के मिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बाहितयों का, जिन्हों भारतीय जाय-सर कि धिनियम, गर्म (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर सिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मिडिशा के शिव:

कतः कथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुक्रण में, में एक्न जीवनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जभीर निम्नितिसित व्यक्तियों, अथित :---- (1) विज्ञाल कन्स्ट्रक्शन्स ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रामतः मेवान ए० लुविस ।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाइया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति को कि किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

पर्लंड नं० 13/14, जो तीमरी मंजिल, श्रन्धेरी किरन को श्रापरेडिव हाउमिंग मोताइटी लिमिटेड, 65-ए, सीजर रोड, श्रवीजी, श्रन्धेरी (प), वम्बर्ड-400058 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसारिक कम सं श्राहिक-2/37 ईई०/16409/ 84-85 श्रीर जो क्सम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनां र 14-1 1985 को राजस्टर्ड िया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी गरायक अन्त तर आधुक्त (निरोक्षण) अर्जर रेज-2. बम्बई

वारीखा : 10-9-1985

er and the second secon

प्ररूप **मार्ड**्टी, एन, ए**व**ं, ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काशासन, सहारक नारकर नार्क्स (विद्योक्षण).

श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

वम्बई, दिनां ६ 10 सितम्बर 1985

निदेश एं० ग्रई०-2/37 ईई०/16529/84--85---- अतः मुझे, प्रशांत राय

कारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें दश्यात् 'उक्स विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विसका उचित वाषार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकें: सं० हवलदार चारा, जोगेण्यरः (प), बस्बई में स्थित है (श्रीए इसमें उपाबद्ध अनुसूचः में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका क्रयान्तामा श्रीयकर भितिषम, 1961 की धारा 269 ए ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्रंग है ताराख 17-1-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यश्यविद्धित सर्गत्ति को जांचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एम श्रव्यमान प्रतिफाल के एक श्रव्यमान प्रतिफाल के एक श्रव्यमान प्रतिफाल के एक प्रतिफाल के स्वार्थ अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राथा गया प्रतिफाल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उसत कर्माण के लिए तय

- (क) जंबरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधि। नयम के बचीर कर दोने के अन्तरक से वायित्व में कमी करते वा उससे वचने में सुविध। के सिए; वॉर/वा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आवकर जिभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) क प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विका के विष्

कतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण को, की, उक्त विभिन्यम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के वभीन, निम्नलितित व्यक्तियों, वर्धातः (1) श्रामतः श्रामा मुर्लीधर नायत उर्फ जनाताई शिवराम नाइःः।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसंप जय बिल्डॅम एण्ड डेबलोपस

(अन्तरिसी)

(3) भाषाता ।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्यत्ति है)

(4) श्रा सूगनाचन्द राधा किशन दास कलवानी और ग्राप्ता

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधों— हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबढ़ है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हुं।

सबस संगीत के वर्षन के संबंध में कोई भी मानव :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (च) इस सुचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपति मेक्ष हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास जिसित में किए जा सकती।

स्पृष्ठिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

ह्बीलदार चाल, जो सर्वे नं० 2, हिस्सा नं० 3, मी० दी० एस० नं० 33 श्रीर 33/1 से 33/17, मोग्रा जिले के 305, के बनी पाइं।, एस० नी० रोड, जोगेण्वरी (प), बस्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि फ्रम मं० अई०-2/37 ईई०/16529/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 17-1-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक*्* (निरी**क्षण)** स्रर्जन रेंज़--2,बम्ब**ई**

नारं≀ख : 10--9--1985

प्रस्प आई.टी.एम.एस.-----

णामकर अभिनिचन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्वतः

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बन्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० भई०-2/37 ईई/16556/84-85---अतः. मझे प्रशांत राय

नावकार निर्माननम्, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परपात 'उन्त नेपिनियम' बद्दा नया है), की धारा 269-च के नथीन सक्षय प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थापर सन्ति चिसका जीवत नावार मृत्य 1,00,000/- रा. से निधक है

गौर जिसकी सं० शेरू विल्ला, ग्रन्बेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद मनुसूर्या में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिस 51 करारनारा श्रीय कर श्राधेनियम, 1961 को धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के क्यांक्रिय में रजिस्दी है तारीख 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य है काम के स्वमान प्रतिपन्न के लिए जलारित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सन्त्रमान प्रतिपन्न से, एसे स्वमान प्रतिपन्न का पंच्च प्रतिपन्न का पंच्च प्रतिपन्न का पंच्च प्रतिपन्न के निर्मा के बीच एसे जलारण के सिए तब पाया नवा प्रतिपन्न का विम्निसिश्त उद्वर्षिय से उनत अन्तरण निर्मिश्त में बास्त-विक क्यू के सीचत वहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वं हुई जिसी बाब की बाबत उनत बांधु-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; अरि/बा
- (वा) श्रेची निक्षी बाद वा किसी धन वा अन्य जास्तियाँ का, चिन्हें भारतीय बाद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धद-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किया

अतः अयं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं. हैं, उक्त निधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) हैं नधीन, निस्तिषिक व्यक्तियों नभीत :---

(1) श्री जहांगीर एम० बांकाड़िया और श्रामता नर्गीस जहांगीर बांकाड़िया।

(ग्रन्तरक)

(2) भावना अन्सदृक्यान अम्पनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां कुक करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किस् मा उक्ते ।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उन्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिसा मुखा है।

अभूस्ची

जभीन और इमास्त शेरू विल्ला के तल भंजिल या हिस्सा, जो वर्सीवा रोड, भ्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूर्वा जैसा ि कम सं० श्रई०-2/37 ईई/16556/ 84-85 श्रीर जो सक्षम पाधिकारो, वस्बई द्वारा दिनांक 18 जनवरी, 1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, बम्बई

दिनांक : 10-9-1985

प्रस्थ काही, ती, एन, एस, -----

जानका, जीभीनमन्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन स्वका

भारत वहका

नामानग, एक्सभक बायकार वाबुक्त (विरोधिन) म्प्रजन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनां १ 10 सितम्बर 1985

निदेश मं० ग्राइ०-2/37 ईई०/16071/84-85--ग्रात : मुझो, प्रशांत राय.

क्षाग्रवार अधि। नयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार बस्य 1,00,000∕- रु. से अभिक हैं"

भ्रौर जिसका सं० पुलिप भ्राफ़िसर्स प्रोग्नेसिय बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रोर जिस्हा करास्तामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 का धारा 269 कुख के ग्रधीन सक्षम पारिष गरा के आर्यालय में एजिस्ट्रा है तारीख 4-1-1985

को प्योक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संक्रम के करयभान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कारने का कारण ही कि प्रभाष्यों कर शंपरिस का उचित वाजार बुच्य, उनकं क्यमान प्रीतग्रत सं. श्री क्रयमान प्रीतग्रत का बन्द्रह प्रतिशत सं मधिक है और अंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (मन्।रितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-क ने निम्नलिक्ति उषुबोरम से उक्त अन्तरण निवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाय क्री वायस उक्त सिथ-नियम के अधीन कर दोने की बन्तरक के नायित्व मी कर्मी करने वा उसने वचने में सविभा 🐃 सिए; बोर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अलिमाधाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या अन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा केलिए;

वतः वर्ग, उदत गीभनियम, की भारा 269-ग की अनुसर्ग में, में उक्त मधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, वर्धात् ह्र--

(1) श्री सुरेश जी व पेंडमें।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र जे०मूंगूर्डेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के. वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की दारीख सं 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिष्टित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

पूरी दूसरी श्रीर तीसरी मंजिल, (निर्माणाधीन इमारत), जो प्लाट नं० 6, पुलि ३ श्राफिसर्स प्रोग्नेसिय को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, यारी रोड, वर्सीवा अन्धेरी (प), बन्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूचे≀ जैसा कि क्रम सं० श्रई०-2/37 ईई०/16071/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांदा 4-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायतर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

स(रीख: 10-9-1985 मोहर 🛚

शक्य बाइ हो. एन्. एस.-----

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-में (1) के अभीन सुचना

THE REPORT

कार्यान्य, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्तिक)

भ्रजीन रेंज-2, वम्बई सम्बर्ध, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/16719/84-85---ग्रहाः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमे इसके पश्चात उसत अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित्र वाजार मृन्यू 1,99,000-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 12, नताभा बांद्रा तम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसून: में और पूर्ण रूप से विणय है), और जिन्न का करास्तामा आयकर श्रीधिनयम, 1961 को धारा 269 के ख के अधान सक्षम प्राधिकार: के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रा है, तारीख 21-1-1985

को पूर्वोवस सम्परित के अभिन्त बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए मस्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोवस संपरित का उनित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकास का पन्तर प्रतिकास से मिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सेसे अन्वरण को लिए तथ्याया गया प्रतिफल निम्निसिवा उद्योग्य से उनत अन्तर्भ मिथत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (फ) लम्बद्धण वे हृदं किसी नाव की नावत, जवक निर्मानवय के न्यीन कर दोने के बुल्बरक के बादिएक में कमी करने ना अससे द्वने में सुविधा के लिए; निर्/वा
- (अ) पुँसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अप्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नय। वा वा किया जाना चाहिए था, डिपान में सूर्यिधा के सिए;

जतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अमृजरभ मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिक्त स्थितिकों, अवस्ति :--- (1) भै० नताभा अस्ट्रक्थान्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० ट्रेन्डस इन्टरप्राइसंस ।

(भ्रत्वरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूनोंबत संपत्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बन्दित के वर्षन के बंबंध में कोई भी गाक्षेप .--

- (क) इस इचना के समयत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सकिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्य किसी मृत्य व्यक्ति ब्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकीनी।

स्पब्धीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विया यवा है।

धनुसूची

शाप नं । 12, जो तल माला नताभा विल्डिंग 52 हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रही०--2/37 हीई०/16719/ 84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनांकः 21 जनवरी, 1985 को एनिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधि शरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 10~ 9~ 1985

मोहर 🛚

प्रस्य बाह् . टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 सिनम्बर 1985

निदेश सं । श्रई-2/37ईई/16824/84-85--श्रत : भुन्ने, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात् 'उन्त किधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूस्य :.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11-ए, लैन्ड ब्रीज बान्द्रा, वम्बई 50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ब्रतुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनांमा ग्रायकर ब्रिधिनयम की धारा 269 कख के ब्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यांक्य, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-1-1 985

कां भूवेंक्त संस्पत्ति के उजित नाजार मूल्य से कम के श्वयमान प्रतिफल के लिए वंतरित की गई है और मूझे यह निवसास करने का कारण है कि यभापूर्वोंक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पलाह प्रतिकृत से प्रक्रिक है और प्रकारक (जन्तरकों) और प्रकारिकों (प्रकारितियों) के बीथ ऐसे प्रकारण के लिए तब श्रया क्या प्रति-क्या विस्कृतिकित सहेश्य से उन्त प्रकारण कियात में वाक्नकित

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत प्रश्चिनियम, या बन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं निका गया या किया बाना धार्तिए था; खिराने में स्थान के निष्

बतः बक्षः, गव्य किभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) चे अभीतः, निम्नलिकित अधीक्तयों, अधीत रें- (1) श्री डेवीस जोन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सूगून दास और, श्री हिमाचल कुमार दास

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृथोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषना की तानील से 30 दिन की जबधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्दारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पयों का, जो जक्त विभिन्नियम, के बध्याय 20-के में सभा परिम्हित इ. वहीं वर्ष होगा वो उस बध्याय में जिला मुंबा है।

अनुसूची

पलैट नं० 11-ए, जो लेन्ड बीज को० म्राप० हाससिंग मोसायटी निमिटेड, 52, पाली हिन, बॉन्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसांकि करु संरु 2/37ईई/16824/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज–2, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नाथकर : पिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, स्हायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/16794/84-85-- ग्रत: मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनिःम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक कालात उपल अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-श्र के अर्धान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- र . उं अधिक ह

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, सबीना बान्द्रा (प), बंबई 50 में स्थिन हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से बणित हैं, और जिसका करारन मा श्रायकर अधिन्त्रिम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, नारीख 24-1-1985 को पूर्वोक्त सम्प्रांत के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझ यह विश्वास करने के। कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ मान प्रतिफल से एसे खरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत स अधिक हैं और अंतरिती (अन्तरितीं त्यों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिक्ति उद्धदेश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्तिकर रूप से अन्तरित जिल्ला में वास्तिकर रूप से अन्तरित जिला उद्धिकर से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्तिकर रूप से अन्तरित गया हैं:--

- (क्षं) अन्तरण सं हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम फे अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री मीरस केकी इंजांनियर और श्री जेरू मीन मिस्त्री

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जलीली जहेरा खनुन काजेम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुक्त करता हुं।

उक्त सम्भत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस स्चान के रस्जपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हिता। वृध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकी ।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुमुची

फ्लैट नं० 4, जो सबीना, पहली मंजिल, बान्द्रा सबीना को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 10/8, राजन रोड, बौन्द्रा (प), बंबई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्र5-2/37ईई/16794/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-985 को रजिटस्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन **रेंज∼3.** बस्**बई**

तारीख: 10-9~1985

प्रकथ बाह्री, टी. एमंड एसंड, ******

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्षालय, सहायक जायकर जायकर (निरक्षिण)
अर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश मं० श्रई--2/37ईई/16183/84-85---श्रत : मुझॅ, प्रशांत राय,

शायभर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देसके पश्चात् 'उक्त मिथिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, पार्कलेन खार, वस्बई 52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अन्तर्ग सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 10-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

यह विश्वास करने की कारण हैं

कि यथापूर्वेक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य, उसके दियमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
बोधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तिबक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई फिसीं काथ की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कर्तिया उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में श्रीकथा अर्ड निए;

नतः नव, उक्त किभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण ४, मैं उक्त अभिनियम की भारा 239-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् के— 46—286GI/85 (1) श्री श्रनीस श्रार० पेशावारीया

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रयाज वाई० कायली और, श्रीमती निसरीन ए० कावली

(अन्तरिसी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां कुर करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारील से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यवितयों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बव्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अपस्पा

फ्लैट नं० 10, जो, पांचवीं मंजिल, पार्कलेन 26, यूनियन पार्क, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

भदुसूची जैसा कि कि संज्याई-2/37-ईई/16183/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 10-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-9-1985

प्रस्य सार्'्र हो । पुरु पुरु का अन्यव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्सन)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, विनांक 10 सितम्बर, 1985

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/1605 /84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राय

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उकत मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, पिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, तेस्ट वींड, बांन्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अतुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि- नियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी हैं, तारीख 4-1-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उसत अन्तर्ण निस्ति में वास्तिभिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधि-निवस के सधीन कर बने के कन्तरफ के वाधिरव में कन्नी करने या उक्के अपने में स्विभा के लिए बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अत- कर अधिनियम, या अत- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए:

जतः अब उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी कल्पना एस भाहा।

(ग्रन्टरक)

- (2) श्री मंदर पोदार और कुमार पूनम पोदार। (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती और उनके परिवार के सदस्य। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्षान्तियों में से किसी स्वक्ति क्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पत्तिकरण ६--- इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदौ का, जो उत्तर सिचित्रम के वभ्याम 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्था क्षा

अनुसूची

"फ्लैट नं० 601, जो छठवीं मंजिल, बेस्ट विण्ड प्री-मायसेज को० ग्राप० सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 210/ए, बी० जे० रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई- 2/37ईई/1605 / 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणान्त राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 10-9-1985

ोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एसं.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

निर्देश मं० श्रई-2/37-ईई/16364/84-85---ग्रनः मुझे, प्रशांत राय

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्यात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० शाँप नं० 1, पर्ल हेवन, बान्द्रा, बस्त्रई 50 में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण

से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रधि-नियम की धारा 269 क.ख., के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 14-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विद्वास करने का कारण है कि यभाप्बोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृक्ष, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलीखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित भी गाम्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त विधिनियम के विभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जस्य आस्तियों का', जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविशा के दिए;

स्तः अया, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेंंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियोंं, अर्थात्ः— (1) श्री हमेनग्रली ग्रब्दूलनाबी वाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हयंग स्यू में।

(श्रन्तरिती)

(३) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बार्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्बन के सिष् कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मूर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाड़ निवित में किये का सकेंगे।

स्थब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त क्षव्दों और पर्धों का, श्री उक्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा क्या है।

अन्सूची

भाँप नं ० 11, जो तल मंजील, पर्ल हेवन, 68 चेपल रोड, बान्द्रा, बंबई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूर्चा जैसा की ऋ०सं० श्रई-2/37-ईई/16364/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 14-1-1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10**-9-198**5

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

मारत चडकात

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरुक्तिण) अर्जन रेंज-2 वस्बई

बम्बई, दिनाँक 10 सिनम्बर 1985

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/16943/84-85—- ग्रतः मुझे, प्रशांत रायः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाबार मूस्य

1,00 000/- रह. से अधिक है श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० डी-6, यूनियन, माहीम, बम्बई 16 में स्थित है (ग्रॉर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-1-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ब्ह्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधियह है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बायमिक कर में अधिन नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बायदा, उपक्ष अभिनियम के अभीन कर दोने के जातरक के दायित्व मों कमी करने या उससे ब्यने मों सुविधा के लिए; जीर/या
- (ण) देशी किची बाब या किची थन वा अन्य बास्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयक र गीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृक्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिष्ट;

मतः अव, उक्त विधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण को, बी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निश्वितिषक अवितयों अधीत हम् (1) श्रीमती विजया ग्रनील खांडेपारकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती त्रर्घा शरद वेंगमारकर।

(भ्रन्नरिती)

को यह स्थना बारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षय :---

- (क) इस सूपना के राज्यम्त्रं में प्रकाशन की दारी । 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पा सूपना की तामील से 30 दिन की अविध जो भे नविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुसरा,
- (क) इन्ह स्थान के राजपुत्र में श्रकाशन की ताराज प 45 दिन के गीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितन्त्र्य किसी अन्य स्थानित व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाश निधित में किए था सकेंथे।

सम्बोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिट हैं, वहीं अर्थ होंगी आ उस अध्याप में दिया प्या हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं ब्री-6, जो पहली मंजील, डी बिल्डिंग यूनिय न को ब्रापि हार्जासग सोमायटी लिमिटेड, एल जे रोड कोम रोड नं 2, माहीम, बम्बई 400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी अल्म० श्रई-2/37-ईई 16943/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनॉक 28-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी मङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

ना रिख:1(+9**-**1985

मोहर 🙄

प्ररूपः नाइं, टी. एन., एस. -------

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज-2 बम्बई बम्बई, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2े 37-ईई/16825/84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राय

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-6, पीपल्स कांस्मी पोलीटन, बम्बई 50 में स्थित है) स्रार इसरा उपाबद्ध स्रनुस्ची में स्रोर पूर्ण क्य से यणित है) स्रीर जिल्हा हरारतामा स्रायकर स्रिधिनियम की धारा 269 क,ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 24-1-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिवित में शास्तिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिवित में शास्तिकल स्थ से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दीने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बॉर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

बतः अव . उक्त अधिनियम की भारा 269-न की अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) चं अधीन, निकासिबिस व्यक्तियों, अधित हु—

- (1) श्रीमती हिरामनी श्रात्माराण सेतपाल । (श्रन्तर्क)
- (2) श्रोमतो लछमा दलामल पंजाबी (मेंधानी) श्रीर सूरेण दलामल पंजाबी (सेंधानी)। (प्रन्तरिती)
- (3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति जिसके प्राधिमांग में सम्पत्ति हैं)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायंज्ञाह्या शुरु करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीं धं 45 दिन के भीतर उपत रथानर सम्मति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

प्रनुमूची

फ्लैंट नं ए-६, जो पीपल्स कोस्मा पोलीटन को श्रांपि हाउमिंग सोसायटी, लाँट नं 121, टी पी एस 3, चौबी सवा रोड, बान्द्रा (प०), बंबई 400050 में स्थित है। धनुसूची जैसा की कर्सं अई-2/37-ईई/16825/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, हारा दिनाँक 24-1-1985 को रजिस्टड किया गया है।

प्रशॉत राम सञ्जन प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, ग्रम्बई

तारीख: 10-9-1985

मोहर व

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2 बस्बई बस्बई, दिनाँक 10 मितम्बर 1985 निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/16768/84-85----श्रनः सुझे, प्रशांत राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उकन अधिनियम' कहा गया हैं), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 302, कनैया बिल्डिंग, बंबई 50 म स्थित है) श्रीर इसमे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिल्डिंग, है। श्रीर जिसका करारनामा आयवर अधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 24-1-1985। को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के विए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया तिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- श्रृक) अन्तरण से हुइ किसी बाय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में किसी करने या उससे बचन में सर्विधा वीलिए;
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा किया जाना वास्ति, था, किसाने में

स्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ते, मैं, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (।) बेसर्स रामन एण्ड कमल एमोनिएटस् । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री तेकचन्द एस० ग्रजवानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति **से अ**र्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

त बत संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-त्रुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा यस है।

वन्मूचो

यूनिट नं० 302, जो माला महल पीमायसेय करे०श्रांप० सोसायटी लिमिटेड, कर्नैया बिल्डिंग, लोट नं० 205-बी, लिकींग रोड, वान्द्रा बंबई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंमा की ऋ०सं० श्रई-2/37-ईई/16768/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई, डारा दिनाँक 24-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणॉन राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; बम्बई

तारीख: 10-9-1985

प्रकृष बाह् . टो. एवं. व्य

आवकर बीभीनेजम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-গ (1) के ग्रेभीन स्पना

मारत सरकार

कार्बालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरोधाण) अर्जन रेंज-2 वम्बर्ड

बम्बर्ध, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईर्ड/16282/84-85---अत: मुझे, अशांत राय

नायभर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रवास 'उन्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-इन ने नधीन सक्षप्र प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रह. से जिथक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16की/6, नवजीवन, माहीस, बंबई-16 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारपामा आय- कर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 10-1-1985

को पृथांकत सम्मत्ति के उचित् बाबार गृत्य से कम के क्यमान प्रतिपत के लिए बन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, इसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित हैं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया मक्त प्रतिकत, निम्नलिखित उद्वेदम से उसत अन्तरण जिलित में आस्तिमक रूप से किथात महीं किया ग्या हैं

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आज की बाबत उक्त विश्वित्यम् के नधीन् कर वीने के अन्तर्क के वायित्य में कभी अपरी वा उससे ग्रांकिंग के लिए; व्यक्तिया
- (क) एंसी किसी आय या किसी भूम या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अग्राप्त विशेष में प्रमान 1927 (1922 का 11) या उन्नते अधिनियम, या भन्कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्त्रिती धूनाय प्रकट नहीं किया श्रम या किया थाना थाहिए वा खिपान में स्विधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की पारा 269-घ के अनुसरण मैं, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) देवधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अधित् ध—

- (1) कुमारी पार्वनी बूलचन्द बाधवानी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती तिमंला रामचन्द अमरवानी । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

का बहु सूचना आरी करके पुर्वाक्त मंपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की क्ष्मि, जो भी सब्भि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति द्वापः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पन्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बड़ी अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गक्षः

अन्सूची

पर्लंट नं० 16बी/6, जो नवजीवन को०आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, माहीम यूनिट, मोरी रोड, माहीम, बबर्ड 400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०मं० अई-2/37-ईई/16282/84-85 और जो तक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिलांक 10-1-1985 को रजीस्टडं किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 10—9—1985

प्ररूप बाईं दी पुन ् एस -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

म्रार जिसकी सं० यूनिट नं० 213. हेमरिस्मय, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावड अनुसूर्चा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका जरारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, शारीख 25-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य सै कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एमें दश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितिकॉ) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोस में कार प्रतिफल के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से हुई किसी अल्य की बाबत जवल किया नियम के अधीन कार देते से ब्लाइक के बार्ड के कभी करने या उसमें दलने में स्विध्य के लियो। भीर/या
- [का) एसी किसी बाब या किसी धन अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था छिपाने में द्िश्व

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, वर्षीत है— (1) मेनर्स मन्जास।

(अन्तरक)

(2) श्री किस्त आर० कामथ श्रौर श्रीमती विजया आर० कामथ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ॥

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🎥

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियान गया है।

मन्स्ची

यूनिट नं० 213, जो दूसरी मंजील, हेमरस्मिथ इंड-स्ट्रियल प्रीमायमेस को०ंअॉप० मोतायटी, प्लोट नं० 416, माहीम, बम्बई 400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी के०सं० अई-2/37-ईई/16893/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 25-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

मोहर प

प्रकृप बाह्¹.टी.एम.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

माउत चडुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंन-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/15971/84-85---अतः मुझे, प्रशांत राय

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले एसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,600/-रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4ए, मेट्रोपोलीटन को०ऑप० हाउसिंग सोक्षायटी लिमिटेड, बान्द्रा, बंबई 50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के क्लूह प्रतिदृत्त से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के नित्त तय पाया बगा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित यो बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरक से धूर्य किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने वी जन्तरक से दाबित्व में कमी करने वा उससे बचने में नृविधा के लिए; बॉर्/बा
- (क) एसी किसी आय वा किसी अन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा की लिए।

- (1) स्व० वेष कौर कपूर की प्रापर्टी।
- (अन्तरक)
- (2) श्री वी०एस० धवन घौर श्रीमती सरला भवन ।

(अन्तरिती)

(3) मेट्रोपोलीटन को०ऑप० हाउसिंग सोमायटी, लिमिटेड ।

> (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हों।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्ष्मेप :---

- (क) इस स्थाना के राष्यण में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में स्किए का सकींगे।

स्थान किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिमियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में किया गया हैं।

RETURN

पलैट नं० 4ए, जो पहली मंजिल, मेट्रोपोलीटन को० ऑप० हार्जीसग सोमयटी लिमिटेड, 20 पाली हील, बान्द्रा बंबई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की फ्र॰सं॰ अई-2/37-ईई/15971/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

नारीख: 9-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985 निदेश सं० अई 2/37-ईई/16836/84-85---अतः मुझे,

प्रशांत राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है भ्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602, सी मेल, श्रंधेरी (प०), बंबई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे बर्णित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 25-1-1985 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रक्रिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचाह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कश्रित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, **धनकर अधिनियम**,, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उन्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेन्स चेतन डेवलोपमेंट।

(अन्तरक)

(2) कमारी अमोइती मेवावाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ीफरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 602, जो छठवी मंजील, बी विंग, सी ग्रैल वर्सीवा, सान बंगलीज रोड, ग्रंधेरी (प), बंबई400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०मं ० अई-2/37-ईई/16836/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

माहर :

इक्ष्य बाह्य हो । स्त्र हुस् व्यापालका

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत् **धरकार्** कार्यासय, सङ्गाकक वास्त्रार वास्त्रात (नि**डीसक**)

धर्जन रेंज-2, बस्बई बम्बई, दिनाँक 10 सिनम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/16834/84-85----- त्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित साजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, सी गोल, श्रंधेरी (प०) बंबई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क.ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई से रजीस्ट्री है, तारीख 25-1-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के द्रायमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है कि मून्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल के ए पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निष्ठावय वाया गया प्रतिफल, निम्नतिजित उच्चदेव से उद्योग अन्तरम निवित्त में बास्तिक कम से क्षिक वहाँ किया बवा है के

- (क) बन्दरण वे शुष्ट किसी बाब की बाबत, बचत विभिनियम के बभीन कर दोने के जन्दरक के शामिल्ड में कमी करने मा उत्तर्श बचने में सुविभा के विष्टु; बीहर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, कियाने में सुविधा के निर्दा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :— (1) मेसर्स चेतन डवलोपसेंट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री होशंग सोली श्रोफ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के कर्षन के कि कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यव्योकरणः—इसमें प्रयुवस शब्दों और पदों का, बो उक्क अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 403, जो चौथी मंजील, ए विंग, सी शैंस, वर्सीवा, सात बंगलोज, श्रंधेरी (प०), बंबई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋक्मं० श्रई-2/37-ईई/16834/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 25-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धाक्र 269-म (1) के बधीन बुचना

FIRE STORY

व्यवस्थित, बहुत्वक नामकर नाम्वल (निरीक्क)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 सितम्बर 1985

निवेश सं ॰ श्रई-2 37-ईई 16729 84-85----श्रतः मुझे, प्रशांत राय

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्काए 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ड के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थान्द सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूज्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, डी-2, यमूना नगर बंबई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर सिंधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 21-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के तिए जन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके स्वमान प्रतिकास है, एवे स्वमान प्रतिकास का प्रतिकास क

- (क) जन्तरण से हुन् किसी थाय की वावक, कन्स अर्द्धियवय के अभीत कर दोने के जन्तरण के वावित्व के कन्ते करने वा उससे वज़ने में सुविधा के किस् अर्दिशा
- (क) एंडी जिली बाव वा जिली वन वा बन्न वास्तिकों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोपमर्थ बन्धियी दुवारा मुक्ट मही दिवस जा वा वा विना जाना चाहिए वा, जिलाने में विकास के विकास के

बतः व्यव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की अनुसरण को, बी, उक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अधीन, निम्नीसिवत व्यक्तियों, नर्धात् ॥--- (1) मेसर्स जय जय कनस्ट्रकशन को०।

(अन्तरक)

(2) श्री सुशमिनी जी० मनी।

(श्रन्तरिती)

ब्री ब्रह्म ब्रह्ममा बारी करके पृत्रों भव सम्मृतिस के अर्थन के जिल् कार्यकाहिन्दे करका हूं !

तक बन्दित के बर्चन के बन्दन में कोई भी नाजेंग्य--

- (क) इस ब्याना के द्रावपन में प्रकाशन की वादीक ने 45 दिव की सर्वात या तरहम्बरणी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्षित्रयों में से किसी व्यक्तित इसीरा;
- (क) इस स्वता के राज्यम में प्रकारन की सारीय के 45 दिन के भारत उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्यकृष किसी नम्य अधिक द्वारा मुभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए या बकोंगे।

स्वक्ष्में करण्ड-- वृत्ता में प्रमुक्त स्वाप्त स्वाप्

मन्स्ची

फ्लैट नं० 602, जो इसारत नं० डी-2, यमूना नगर, ग्रोशिवरा, श्रॉफ जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बंबई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०सं० अई-2/37-ईई/16729/84-85 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 21-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर भ्रामुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

মুক্তন আছ*,তঃ .দুন ,দুৱ , --- -- -- ---

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा -269-ध(1) के अधीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (विरोधन) अर्जन रेंज-2, जम्बर्ड

बम्बई, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

निदेश यं० श्रई-2/37-ईई 16835/84-85-—श्रतः मुझे, प्रशाँत राष

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बच्चार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 103, सी शैल, श्रंधेरी (प०), बंबई में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, खंक श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्टी है, तारीख 25-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वकाल प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एते स्वयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे कंकरण के निष् तक पावा गया प्रतिकल निम्निवित्त उक्कर्य से उक्त अन्तरण तिवित्त में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है अन

- (क) बन्तरण सं हुई किली बाब की बाबस, बबस विभिन्निक वें बधीन कर की के बुन्यरक के बाबित्व में कजी करने वा अवसे क्यने में सुविधा के सिक्; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को विक्त भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिये ना, जियाने में सुविधा में तियह
- बत बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरक के बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधितु:----

(1) मेमर्स चेतन डेवलोपमेंटस्।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राकेश चन्द्रा।

(श्रन्तरिती)

को यह युवना बारी करके पूर्वीक्य सम्परित के वर्षन के निय कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनक संगरित के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित ब्यारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तित ध्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्यक्तीकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, थो उस अध्याय में धिया गया है।

अन्स्ची

प्लीट नँ० 103, जो पहली मंजिल, ए विंग, सी पौल वर्सीवा, सात बँगलोज, रोड, श्रंधेरी (प०), बंबई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर्निर श्रई-2/37-ईई/16835 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 25-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 10-9-1985

प्रस्प बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर व्यिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 सितम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई-2/37-ईई/16728/84-85---ग्रतः मुझे,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, यमुना नगर, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 21-1-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रुयमान प्रतिफल से, एसे ब्रुयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की, बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

- (1) मेसर्स जय जय कनस्ट्रक्शन को०। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सूत्रमनी जी० मनी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

ध्याखीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

फ्लैट र्न० 601, जो इमारत नं० डी/2, यमुना नगर, श्रोशिवरा, श्रॉफ जैन प्रकाश रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी (प०) बंबई-400058 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैंगाकी फ़॰सं॰ श्रद्दि-2/37-ईई/16728/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 2i-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रणॉन राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-9~1985

प्रकृप बार्ड .टी .एन .एस ., ४०००००००००

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

कायानय, सहायक जायकर जायकत (निरुक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 10 मितम्बर 1985

निदेण म० श्रई-2/37-ईई/16950/84-85--- अतः मुझे प्रणांत राण,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'जकत विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्थ 1,00,000/- ज से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, इमारत नं० 18, बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कु, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री हैं तारीख 30-1-1985

का प्वींक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है बीत अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्दिरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के बिए तय पाणा गय प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कीचत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वं हुन् किनी बाय की वावय , उनके शीर्थांत्रवा के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्य में कवी अपने बा एससे अलगे में मृतिया के लिए: बीर/भा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, धिन्ह भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिन्द;

बत: सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपभारत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सींभाउद्योग सूखारी।

(ग्रन्तरक)

(2) महमद अक्रम खान।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रांक्त सम्परित् को अवंत को विष्य कार्यगाहियां करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई थी माध्येप:----

- (क) इस स्थान के राज्यम के प्रकारन की हार्यों है 48 किन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की नविभ, को भी अविध नार में सनाथा होती हो, के भीतर प्रांक्त कानिसमों में से सिक्ती क्षानिस स्नार;
- (ब) इक सूचना को राजनन को प्रकाबन की तारीख छ 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किये वा सकोंगे।

स्वकाषिकरणः---इतमें प्रयुक्त शक्यों और पवों का, को जक्त जीवीनियम के सभ्यात 20-क में परिधाषिक हैं, वहीं त्रचें होंगा को उस अभ्याय में विया नवा है।

बन्स्ची

प्लैट नं० 103 जो पहली मंजिल इसारत नं० 18, सर्वे नं० 41 (पार्ट) ओणियरा विलेज बेहराम बाग के पीछे जोगेवहरी (प०) बंबई-400058 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा की ऋ०स० ग्राई-2/37ईई/16950/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 30-1-1985 को रजींस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, सम्बर्ध

तारीख: 10-9-1985

मोहर 🖫

इष्य बार्ट. बी. एत. एस.-----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरण 269-न (1) के मधीन सुचना

बारव प्रकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रेंज-2 वस्वई

बम्बई दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेण सं० ग्रई-2/37-ईई/16960/84-85- - ग्रतः मुझे प्रणात राय

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० शॉप नं० 6 जन्याकुमारी अधेरी (पु०) बंबई 69 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है) और जिसका करारनामा ध्रायकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 29-1-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उक्तिस काकार मृत्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उक्ति याजार बूच्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से श्थिक है और बंतरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरित्या) के बीच एसे बन्तरका से लिए त्य ण्या गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त बंतरण विश्वत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई फिली आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य श्रास्तियों करे जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें. में, अक्त अधिनियम की धारा-269-थ की उपधारा (1) के अधीन, नियनलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह

(1) श्री गाह पोपटलाल गामजी।

(अस्तरक)

(2) मेसर्म ज्योती एन्टरप्रायसंस् ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के निर्य लिए कार्यवाहियां करता हुं।

टक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी सब्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशित की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष्ट ही, वहीं अर्थ होगा., जो उस अध्याद में दिया गया ही।

अनुसूची

णॉप नं० 6 जो तल मंजील कन्याकुमारी प्रीमायसेस को०ग्रॉप० सोसायटी अंधेरी कूर्ला रोड अंधेरी (पु०) बंबई 400069 में स्थित है।

अनुसूची जैंगाकी क०मं० अई-2/37-ईई/16960/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग दिनांक 29-1-1985 को यजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी स**हाय**कः <mark>प्रायक्</mark>षर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 9-9-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/16952/84-85---- ग्रतः मुझे. प्रशांत राय

नासकार निभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकाश 'जनत अधिनियम' नहां गया हैं)., की भारा '269-च के अधीन बसम प्राधिकान्दी को यह विश्वास करने का कार्रण हैं कि स्थापर तस्पत्ति जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० माला नं० 28-ए, सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेट, जोगेश्वरीं (पु०), बम्बई-60 में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिल्ला करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 ्लख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजिन्ट्री हैं, तारीख 30-1-1985

का प्रॉक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मृज्य सं काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्याँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य उसके रश्यमान प्रतिकल सं, एसे रश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित थें बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरण वे हुन् किसी भाष की बावंत, अवध सीम्तियम के बभीन कर दोने को अन्तर्क के बावित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविका के सिए; ब्रोड/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बना वर्तस्तयां करें, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धनकर क्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः कतः, उक्त विभिनियम की धारा 269-म के बनुसरम मं, मं, अक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में विधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमें विधान :--- (1) सत्यम जिल्डर्म।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गुलमर्ग रेफिजरेशन सर्वीमीस।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरका

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में

सम्पत्ति है)

को मह स्वना जारी करके पृशांकत सपत्ति को अर्थन के किए कार्यवाहियां गुरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-- 🕺 🏋

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हु⁸।

अनुसूची

माला नं० 28/ए, जो पहली मंजील, सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेट, जीगेश्वरी (पु०), बम्बई-400060 में स्थित है। श्रतुसूची जैसा कि क्र०सं० ग्रई-2/37ईई/16952/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारीं, बम्बई, द्वारा दिनांक 30-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रकांत **राय** वक्षम प्राधिशारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** श्रर्जन रेंज-2 **वस्य**ई

दिनांक : 10-9-19**8**5

मोहर ः

48-286 GI/85

प्रका नार्वं दी पुरा पता ----

बाबकात मीर्गनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीन ब्यना

सहात पद्भाव कार्यात्रक_{ि स्}रूप्तक नावकर वाक्क (निश्चीकर्क)

शर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 सितम्बर 1985

निवेश सं० भई-2/37ईई/16945/84-85--भतः मुझे, प्रशांत राय

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इतायें इतायें प्रकार प्रकार (उनत निधिनियम) कहा गया हु"), की भाष 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सन्मत्ति, विश्वका स्रवित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकों सं० फ्लैंट नं० 401, इमारत नं० 15, बश्बई 58 में स्थित हैं (और इससे उपांबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसवा वारारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन स्थाम प्राधि गरी के कार्यालब, बस्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 30-1-1985

को पूर्वोद्धत तम्प्रीत के उचित बाबार मुख्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए अन्यरित को गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि मणापूर्वोद्धत सम्पत्ति का उचित बाजाय क्रूब उत्तक क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल क्य पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंदरण के निए तब बाया गवा बतिफल, निम्नोलिंखत उद्देश्य से उच्च कन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से कांवरण कर है

- शिक्त) अन्यारण से शुर्ह कि ती. बाय की बावत, उसते अधिनियम को. मधीब कार दोने की अन्तरका की दाजित्व में क्यों कार्रने वा उसते बचने में स्वीचित्र के लिए; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी अग्न या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195/का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गवा का या किया जाना काहिए था, छिवाने घ अधिया के निए;

क्युः सव, उत्तर सीधीनयम की धारा 269-व के बनुसरण कों, में उपत सीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थान, निम्नीविक्ति क्युक्तियों, सर्थात् हि—— (1) श्री शीयाउद्योंन बूखारी।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती कामरून्नीशा श्रब्दुल राउफ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु तुमना आरी करके पृष्टीका तज्याता के वर्तन के सिए कार्यः वाहिका करता हुए ।

सक्त संपर्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्ध--

- (क) इत ब्या के खात्र में प्रकारण की राधीय ते 45 दिव की वार्तीय या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्था की तामीस से 30 दिन की अवस्थि, जो भी व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति स्थाप्त;
- (क) इस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यव्य किसी जन्म न्यक्ति व्यास जभोहस्ताक्षरी के शव तिकित में किए वा सकने।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयक्ट अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता जा उस अध्याय में दिया गुवा है।

मन्स्यो

फ्लैट नं० 201, जो चौथी मंजील, इमारत मं० 15, सर्वे नं० 41 (पार्ट), ओणिचरा विलेज, अंधेरीं (प०), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूचीं जैसा की कल्सं श्रई-2/37-ईई/16945/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 30-1-1985 को रज़ीस्टर्ड िया गया है।

> प्रशांत राय - -सक्षम प्राधि:ारी सायिक बाठकर बायुक्त (तिरीक्षण) सर्जन रेंज-2 बस्बर्ष

तारोख: 10-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 सिनम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/16953/84~85—~अत: मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ५२ छात् 'छात अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंत्र जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० गाला नं० 26ए, सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेट, जोगेश्वरी (पु०), बंबई 60 में स्थित है) श्राट इसपे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रीर जिसका रूरारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कु.च के अधीत सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, नारीख 30-1-1985।

यो पूर्वोक्त संस्पांत के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूम्से यह विध्यास करने का कारण ह कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एमे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात के अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अंतरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करनंया उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

कत: अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, रिफारिशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सत्यम बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) विजय मध्कर सबनीस मौर दीपक मध्कर सबनीस।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिसित में किए जा सकींग।

रण्डिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिसा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं ॰ 26/ए, जो सत्यम इंडिस्ट्रियल इस्टेट, पहली मंजील, जोरोबएरी (पु०), बंबई 400060 में स्थित है। अनुसूची जैसा की कल्मे अई-2/37-ईई/16953/84-85 और जा राक्षम प्राधि गरी, बम्बई, ढारा दिलांक 30-1-1985 को रजीस्टर्ड सिया गया है।

> प्रणांत राय जलम प्राधि कारी सहायक आयक्तर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-३, बम्बई

नारीख: 10-9-1985

माहर अ

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ----

बायकर किथनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बर्घ बम्बर्घ बम्बर्घ, दिनांक 10 सितम्बर 1985 निदेश सं० अई-2/37-ईर्छ/16961/84-85—अतः मुझे, प्रशांत राय

नायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जितकी मं० पत्नैट नं० 204, इमारत नं० 11, बंबई 58 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रौंर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रींर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 2~1-1985

का पूर्वोयत सम्पत्ति कं उभित बादार मूल्य से गम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा नुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिम् त से अधिक हैं जीए अंतरकों) जीर अंतरिती (स्तरितियों) के जीच ऐसे अन्तरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्य भे उसत अन्तरण लिखित में बास्तिब्क रूप से कथित कहीं किया गया हैं:—

- (थ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वामित्व में क्यों करने या उससे व्यव में स्वाम्थ के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधि यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप ने में सूविधा के लिए;

भतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री भीयाउधीन मुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री अहमद हयातुषीन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश र 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूबना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, त्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 204, जो दूसरी मंजील, इमारत नं० 11, सर्व नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेम्बरो (प०), बंबई 400058 में स्थित हैं।

अनुसूर्वा नंसा की कि०सं० अधे-2/37-ईई/1696 /84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रारा दिनांक 2-1-1985 का रीस्टडं किया गया है।

प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

तारीख: 10-- 9--1985

मोहर

प्रकृष् बाद् .दी ृप्न .पास . -------

भागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्पना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निरेश मं० अई-2/37त्ईई/16064/84-85--अतः **मुझे,** प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पत्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जियकी संव पर्लंट नंव 707, एवरेस्ट, प्रधेरी (पव) बंबई 61 में स्थित है) ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर में विणय हैं) ग्रीर जिनका करारतामा आयकर अधितिनम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 4-1-1985। की पृथ्वित सम्पत्ति के जिए जंतरित की गई हैं गरि मुक्ते वह विश्वाद प्रतिकल के लिए जंतरित की गई हैं गरि मुक्ते वह विश्वाद करारत के कार्याल हैं कि यथापूर्वितत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, कार हैं कि यथापूर्वितत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, कार हैं कि यथापूर्वितत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, कार हैं की श्रीर हैं मीर बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरित स्था) के वीच एसे बंतरण के निए तम पाय) गया प्रक्रिक का कि मिर्म कि कित उद्देश से बनत वंतरण विश्वित में वास्तिक क्या से की भत नहीं किया गया है हैं

- (क) अन्तरण सं हुई किसी माय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भेसर्स नहार सेथ एण्ड जोगानी एसोशिएटस।

(अन्तरक)

'2) श्री मदनलाल बी० मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कार्ड पूर्वोक्त सम्पट्टित् के बर्डन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के वास विख्ता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं कर्थहारोगा जो उस अध्यार में दिका गया है।

मन्त्रची

पर्लंटिन० 707, जो सातवी मीजल, एवरेस्ट, जय प्रकाश नारायण रोह, वर्सीवा श्रंधेरी (प०), बंबई 400061 में स्थित है।

अनुसूच जैसा की ऋ०सं० अई-2/37-ईई/16064/84- 85 श्रीर जंसक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिशांक 4-1- 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशंत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख : 4-9-1985

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई दिनांक 4 सितम्बर 1985 निदेश सं० अई-2/37-ईई/16063/84-85—अत: मुझें प्रशांत राय

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकोर भात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व्या के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर तम्परित, जिसका उधित वाषार मुक्य 100,000/- रां. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 801, एवरेस्ट, ग्रंधेरी (प०), बम्बई 61 भें स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अग्नितियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 4-1-1985 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्र्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख शांतशत से बिधक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उसत अन्तरण सिजित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की शवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आंजिनयम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिशाने में सुविधा के लिए;

जरू: अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मंं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित, व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मेसर्स नहार सेथ एण्ड जोगानी एसोशिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्री महावीर टायर एण्ड टयूब। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर चृष्णना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

स्पष्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 801, जो आठवो सतीते, स्वरंश्य जयप्रकाश नारायण रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प०). वंबर्ड, 400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2/37-ईई/16063/84त 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, दारा दिलांक 4-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ंणांत राय[ा] सक्षम प्राधिनारी **सहायक आयकर आयुक्**त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बस्बई

तारीख : 4-9-1985

अक्रम बार्च , टी.. पुन... पुष

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

धारत सहस्र

कार्यासय, सहायक अध्यकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, वस्त्रक्री

बम्बर्ड, दिनांक 4 सिसम्बर 1985

निवंश सं. अर्ध-2/37र्ष्ड / 16140/84-85--- अतः मुक्ते, प्रशांत राग.

जायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वास् 'उक्त निधीनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षण प्राधिकारी की यह निस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिक्का वित्त बाजार नृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं. फ्लैट नं. 101-ए, नन्दीनी, अंधेरी (प), बम्बर्क -58 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपमें वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 क. स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रजीस्ट्री हैं, तारीस 7-1-1985 की एगिक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित्र का पर्म स्थाप प्रतिकल का पन्द्र प्रतिक्ष से अधिक हैं और बंतरित की गई हैं और स्थाप प्रतिकल का पन्द्र प्रतिक्ष से अधिक हैं और बंतरित (बंतरित) और वंतरिती (अन्तरितिधीं) के बीच एवं अन्तर्भ के जिस्स वन पाना जना प्रतिकल, निम्नितिबित उद्योक्स से उच्य अन्तर्भ कि सम्बर्ध की सम्मान प्रतिकत में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वायत, उक्क अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दीमिश्व में कमी करने मा उद्यस वचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निय;

सतः सव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग में अनुसरण कों, में , इक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री एम०के० भाटीया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरनाम साहीबराय वासवानी ग्रौर श्रीमती इंद्रा एच० वासवानी।

(मन्तरिती)

को यह सुचना अपि करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यमहियां ग्रुक करता हुं।

उक्तः सत्यक्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी कालोपः :---

- (क): इत क्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की राशिष्टः है 45 दिन की जनींथ वा राज्यत्रणी व्यक्तियों पर कृष्या की राजीश वे 30 दिन की वनींथ, के बी अवस्थि वाह में बनाव्या होती हो, में भीतर पूर्णिक अधिसारों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वारा;
- (व) इत बूचना के बचनन में प्रकारन की बारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकों ने।

स्वच्छित्ररणः -इसमें प्रयुक्तः सम्बर्धे जरि पर्को व्यः, वर्षः स्वत्रः अर्धिनियमः, वर्षे सम्भावः 20-क में परिस्थानिकः हुः, बहुदै वर्षा होन्छः वर्षे उपः सम्बर्धः नें: विसाः, नवाः हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० ए-101, जो नन्दीनी को०ग्रांप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटड, श्रांफ वर्सोवा रोड, श्रविन(श के सामने, साप्त बंगलोज, श्रंधेरी (प), बंबई-400058 में स्थित है। श्रनुसूची जैमा की ऋ०सं० श्रई-2/37ईई/16140/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनौंक 7-1-1985 को रजोस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीखाः 4-9-1985

प्रकप आहे. दी. एन. एस. ------

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बधीन सुधना

भारत तरकार

कार्याक्य, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 4 सितम्बर 1985

जिनकर सीधीनवज्ञ, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परवास् 'उनत निधीनवज्ञ' कहा गया है), की भारा 269-च के संधीन सक्षण प्राधिकारों को यह निश्चास करने का करण है कि स्थावर सम्बंदित वितका उचित गयार मूच्च 1,00,000/-छ. से निधन है

श्रीर जिसकी सें० फ्लैंट नं० 103, निलम श्रपार्टसेंट, श्रंधेरी (प० बंबई), 61 म स्थित हैं (श्रीर इसते उपाबद्ध श्रनुसूची ने श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम को धारा 269 क,ख के श्रदीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारउख 4→1−1985।

को पूर्वोक्स बश्यित से उपित बाबार मृस्य से कम में दश्यमान जितका के किए संतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सरने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित काधार बृश्य, जबके स्वयमान प्रतिफल से, एते स्थ्यमान प्रतिफल का भन्तक प्रविक्तन से विभिक्त है और अंतरक अंतरकां) और अंत-ग्रिशी (बैसरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के निए सय पाया गया प्रतिक्तत, निम्नीनीयत स्वयंदिक से उन्त अंतरण सिवित में बास्तविक स्व से कृषित नहीं किया नवा है:——

- (क्यू) अंकरक वे हुए किसी बाब की बाबत, उपय अधि-पिषक के अधीन कार दोने के अंसरक के दाविस्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को विमहं भारतीय जायकर अभिनियंम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अभिनियंम, या भन-कर अभिनियंम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोक्तार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के खिए;

कतः अत्र, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ⊭ें, नें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) अक्रिकीन, विस्मितिकत व्यक्तियों, अर्थात् ः- (1) श्रीमती नैना फूरणूरम भामवाला।

(भ्रन्भरक)

(2) श्रीमती कान्ता एम० लालवानी ।

(ग्रन्नरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रंप .---

- (कं) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की जिन्नीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

फलट नं० 103, जो निलम ब्रापार्टसेंट, सी टी एय नं० 1105, मछलीमार, वर्सोना, ब्रंधेरी (प). वंबई 400061 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क०सं० श्रई-2/37-ईई/16161/8485 श्रीरुजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनाँक $4\sim1$ -1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणील राव सक्षय प्राधि गारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-2, बस्बई।

तारीख: 4-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बावकर वीजीनवम, 1961 (196) का 43) की

धारा 269 ए (६) के अधीन मुखनः

भारत सरकार

कार्बासय, सहायक आयकर भायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2 **धम्बई**

बम्बई दिनांक 4 सिनम्बर 1985

निदेश सं० प्रई-2/37-ईई 16818₁84-85----प्रनः मुझे_, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्वे इसको पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार अनुस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नें० 1204, एवरेस्ट बिल्डिंग, ग्रंधेरी (प०), बंबई 61 से स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विश्वत है) श्रौर जिपका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 24-1-1985।

का वृश्वेंकत सम्पत्ति के उपित बाजार सूल्म ते का के जरमान गौतफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुर्फे गह दिश्वाच करने का कारण है कि यथाएवोंकत संपत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकत से बिधक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच एसे अंतरक के लिए तट वाया गवा प्रकिक कल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गैवा हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किती बाव की बावत, उपक बीधनियत्र के बधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कसी करने या उससे बचने में तृतिभा के सिक्; बार/भा
- (क) एंसी किसी जाव वा किसी धन सा जस्य जास्तिकों करों, चिन्हों भारतीय आयकर जीधीनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में मुनिधा के सिए;

(1) सार्म नहाः सय एण्ड जोगानी मुसोमिएदस्।

(ग्रन्तरक)

(2) शाँवलयन्य यलातन्य मेहता।

(म्रन्तरिती)

की कह सुमान बारी करफ प्यक्ति सपरित के वर्षन के विश्व कार्यनाहियां करता हा।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिश की अर्था कर्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश की अर्थित के शामीन, जा भी अविव को तानील से 35 दिन की शामीन, जा भी अविव नाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वीक्श व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति

स्वकाकरण:—हसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवदे अधिक र, जे स्वकात 20-क में परिभाविक हाँ, वहां अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिवा गया हो ।

अन्**स्ची**

फ्लैंट नं ० 1204, जो वारह्यों मंजील, एवरेस्ट बिल्डिंग, जय प्रकाण नारायण रोत, वर्मीवा, प्रधेरी (प०), बंबई 400061 में स्थित है।

श्रन्युची ज़िया की संवसंव श्रई-2/37-ईई/16818 84-85 श्रीर जो दक्षम गाधिकारी, तकाई जारा दिनाँक 24-1-1985 को रजीक्टई किया गया है।

प्रशांत **राव** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-2, **बस्वई**

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूख्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

मोहरः

तारीख : 4−9−1985

त्ररूप नाइं .टी .पून , एस . -------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सूचना भारत बरुकार

कार्वालय, सहाबक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज-2 थस्यह

बम्बई दिनौंक 4 सितम्बर 1985 निदेश सं० मई-2/37-ईई/16414/84-85—म्रतः मुझे,

प्रशांत राय

नावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें उपन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संप्यतित जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/-रा. से विधिक है

ह्मौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 1310(एफ), एवरेस्ट, श्रंधेरी (प०), बंबई 61 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रन्मूची सें श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रंधिनियम की धारा 269 क.ख के श्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई सें रजीस्ट्री है, तारीख 14-1-1985।

को प्रांवित नम्पित के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रिंतिकन के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विस्तास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिकां (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के किए तक पाया जवा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उच्च बंतरण कि किए तक पाया जवा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उच्च बंतरण कि किए तक पाया जवा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उच्च बंतरण कि किए तक पाया जवा प्रसानिक रूप से किथत नहीं किया गया है अ—

- 'क' अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत, उक्त अधि-निवस के वादीय कर वोने के बंतरक को कारित के कसी करने या उसने बजते में स्विधा के किए; हीर/का
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या क्रस्य आस्तियों की, विमह आरतीय वावकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियंत्र, या धन-कर अधिनियंत्र, या धन-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से निर्मा

अप्तः अबः उक्त अधिनियमं की धारा २६९-गं के उनसरण भैं. में, उक्त अधिचियमं की धारा २६९-घं की उपधारा (1) के अभीत, निम्निलिखतं व्यक्सिं, अर्थात् १——

- (1) मेसर्स नहार संथ एण्ड जोगानी एसोशिएटस्। (ाक्षा
- (2) श्री कनसींग राजपूरोहीत । (अन्तरिती)

को वह सुचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में करोड़ भी बाक्षेप :---

- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारत की तारीव वं 45 दिन की अपिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिथ, जो भी अविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इत त्यना के उपयन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-यव्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो उज्जल विधीनवज के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1310(एफ), जो तेरहवी मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग, जय प्रकाश नारायण रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बंबई 400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ़्मं० श्रई-2/37-ईई/16414/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनाँक 14-1-1985 को रजीस्टई किया गया है।

प्रशांति रायः - प्रक्षम प्राधि कारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन ^{प्रे}ज-2, वस्बई

तारीख: 4-9-1985

मोहर 🥫

त्रकप नाहाँ दी . एत . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985 निदेश सं०अई-2/37ईई/16820/84-85--जतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

श्रीर जिसकी मं० फ्लैटसं० 1107, एवरेस्ट, श्रंबेरी (प), बम्बई 61 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका जरारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन तक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-1-1985,

को पूर्वेक्ति संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में मृतिधा के लिए; और/या
- 'ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के लिए;

अर्हः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुहरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स नहार सेथ एण्ड जोगानी एस्रोसिएटस । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बाबूलाल उखाजी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के शिल कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीय थे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (च) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-ब्रिंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमं प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

प्रनुमुची

"पत्रैंड सं० 1/07, ता तारहारहों। मंति त, एकरेस्ट बिल्डिंग जयप्र हाण पारायणगेड, वर्षीता, अंबेरी (४), बस्बई-400061 में स्थित है।

अतुसूची नै सिकि क० सं० अई-2/37ईई/16820/84-85 श्रींग जो उक्षम प्राधि घरी, बम्बई, द्वारा दिलां हे <math>2--1-1985 को प्राप्तां के किया गया है ।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, क्रकई

दिनाम : 4-9-1985

माहर:

प्रकृत वार .टी. एक . एव . -----

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-ध (1) के बधीन बुधना

भारत सहस्र

श्वार्याल्य, सहायक आयकत आयुक्त (निर्धाल्य) अर्जन रोज-2, बम्बई वम्बई, दिनांज 4 वितम्बर 1985

निदेश सं ० अई-2/37ईई/16819/84-85--अत: मुझे, प्रशांत राय,

ं बाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें क्रिको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा लेकि कर का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पत्तैट सं० 1201, एवरेस्ट, श्रंधेरी (प), बम्बई 61 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रार जिसका करारनामा अध्वार अधिनिय म की धारा 269 अख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-1-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्तानन सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित् उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से दुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनिक्त के अधीन कर दोने के अन्तर्क वां वायित्व में कन्नी करने या उन्नसं बचने में सुविधा के जिए, और/था
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्य-कर जिंधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकः नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में हिष्या के सिष्ट;

- (1) मेसर्स नहार सेथ एण्ड जोगानी एसोसिएटस । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री मदनलाल सांवलचन्द मेहता। (अन्तरिती)

को बहु सूचना कारा करक वृक्षानत सम्पादित के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मृतित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई श्री नाक्षेप्त--

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की जनिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नगिंध, को भी सम्बद्धि बाद में समाचा श्रीती हो, के सीसर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो, के सीसर पूर्विक
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्मारित में हिरानद्व कि सी नृत्य व्यक्तित द्वारा मुभोइस्तान्ती के "पाद्र सिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रकृतत बन्दों सीर पदों का, बो उनक्ष जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाशिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा दशा है।

वन्स्थी

"फ्लैट सं० 1201, जो बार हवी मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग, जय प्रकाश नारायण रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/16819/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4-9-1985

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 सिनम्बण 1985

निदेश सं० अई--2/37ईई/16821/84-85---अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियन' कहा गया है।,, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विभवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,900/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिस्की संरुपलैट संरु 104, एवरेस्ट, श्रंधेरी (प), बम्बई— 61 में स्थित है (श्रीप इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्णक्य से विजित है) श्रीर जिसका उपायनामा आयकर अधिनियम की धारा 209 के खे के अधीन सक्षम श्राधिकारी के जायीलय, वम्बई में रजिस्कृति है, दिनांक 2 (—1—1985,

को प्रवेकित सम्परित को लिक्त बाजार मुल्ड में कर के करवजान प्रतिफल है. लिए अन्तरित की गई है और मुप्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का जैक्त बाबार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य स उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- [क) जन्तरण से हुइ किसी नाम की बावत उक्त निध-नियब से अभीत कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने से स्विधा के लिए: बौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण में, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ब्राधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्प नहार येथ एण्ड जोगानी एसोसिएटसः। (अन्तरक)
- (2) डा० प्रजनी भारत एच० पांडे । **(प्र**न्तरिता)

को यह सूचना औरी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ,से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समान्त हाती हो, के भीतन पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्था किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण:--- प्रममें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, धा जलत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में विका स्यां हों।

गमस्ति 🕆

"फ्लैट सं : 104, जो पहली मंजिल, एवरेस्ट हिल्डिंग, जय प्रकाश ना"प्रयण रोड. वर्सोव्ह, यंधेरी (प), बम्बई—100061 में स्थित है।

अनुसूची नेपाकि करु मंत्र अई-2/37ईई/16821/84-85 और जो नत्रभ प्राधि गरी, बम्बई, द्वारा दिनांक 24-1-1985 को रिस्टई किया गया है।

प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (विरीक्षण) श्रजीन रेजिस्थ बस्**यई**

दिलांह : 4-9—1985

मीहर:

प्रस्य बाइं.टी. एन. एस. ------

कायकर किंपियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बाधय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेज-2, मिंबई क्षम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1985 निदेश सं० अई-2/37—ईई/16817/84—85—अतः मुझे प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), को धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रहा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट मं० 103, एवरेस्ट, ग्रंधेरी (प), बम्बई 61 हु स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्णरूप से विश्वित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर लिधिनियम की धारा 269 कष के अधीन सक्षम प्राधि तारी के कार्या लय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-1-1985,

को पूर्विकत सम्मित्त के उचित बाजार मूख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीज ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नतिचित उद्वेष्य से स्वत सन्तरण निचित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किली बाय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तिवां फो, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त उधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (19:7 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

क्रतः १था, उक्त अधिनिधेश की थारा १६६-व के अनसरण भा. मा. सा. क्षणत विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मेसर्स नहार सेथ एण्ड जोगानी एसोसिएटस । (ग्रन्तरक)
- (2) डा० श्रीमती अनुराधक पांडे। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

· उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तालीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी संविध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तितमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 वन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त ब्वारा अधोहस्त्याक्षरी कि पास सिक्शित में किए जा सकोंगे।

स्वक्कीकरण:---इशमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ' उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंग हैं।

वनस्था

',फ्लैट सं० 103, जो पहली मंजिल, एवरेस्ट,िफिडग, जय प्रकाश नार यञ्च रोड, वर्सोवा,श्रंधेरी (प), बस्ब:-400061 में स्थित ई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/1681 $^{\prime}/84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक -24-1-1985, को रजिस्टर्ड किया गया ई।

प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-2, बम्बर्थ

दनांक: 4-9-1985

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र³ज-2, बम्ब**र्ड**

बम्बर्ड, दिनांक 4 सितम्बर 1985 निदोश सं. अर्ड-2/37र्डड /16842/84-85---अतः मूर्से, प्रशान गय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 612, एवरस्ट, अंधेरी (प.) टम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और एफ रूप ने विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 24-1-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफट के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास सर्ग का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से एसे खरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचित्त में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नीलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्वयनिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के किर्श और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अबः उत्तन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1—

(1) श्रां किमो ए० मूलानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री फजलश्रली पेणीमाम

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्या सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिशाधित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

नुसूची

"फ्लैट मं० 612, जो छठवीं मंजिल, एवरेस्ट, जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बस्बई-400061 में स्थित है। श्रनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/16842/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई, द्वारा दिनांक 24-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, यस्त्रह

दिनांक : 4-9-198

प्रशति राय,

.. प्ररूप आर्दा, टी. एन. एस. ------

अपयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--भ (1) **से संभीत सूर्थना**

भारत सरकार

कार्यालर, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रामिन नेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां : 1 मितम्बर 1985 निदेश सं० अई--2/37ईई/16415/84--85----श्रतः मुझे,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पत्रकार 'अभग अधिनियम' काहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, प्रश्नु विक्यास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिक श्रावर 1.00.000/- रु. में अधिक है

1,00,000/- फ. से अधिक हैं
को प्रिक्ति संपरिण के जिया साजार मल्य में कम के का श्रीर जिसके। संव प्रलेट संव 1301(ए), एउरेस्ट, श्रं (प), वस्वई-61 में स्थित हैं (श्रीर इसमें ज्याबद्ध अनु में श्रीर पूर्ण का से बिणत हैं) श्रीर जिसा ए एएएनामा श्रा श्रिष्टियम को श्रीरा 269 करा के श्रियोग प्रक्षम प्राधित के ज्ञियालय, वस्वई में प्राधित्वं, हैं, पिलीए 14-1-15 श्रीतक्षल के लिए अन्तीरित की गई हैं श्रीर मूझे यह विश्वत का कारण हैं कि स्थापूर्वित्त सम्पत्ति का अधित व क्या उसके करमान प्रतिकत से, एसे क्यामन श्रीतकत कर्मा श्रीतकत से विश्वत हैं बीर जन्तरक (अन्तरका) जन्तरिती (अन्तरितवा) के बीच एते सन्तरण के जिस गया गया श्रीतकत से वासकी क्या से स्थित कहीं क्या गया श्रीतकत से वासकी क्या से स्थित कहीं क्या गया हैं:

- (क) अन्तरण छ हुई कि छी शाव को यायस उपस वॉक-दिल्ला के अधीन कर बावे के बन्तरक के धावित्य वॉ कती करने का उन्नये वचने में बुविधा के सिए; वर्त्तर/वा
- (क) एसी किसी आव या किसी पन या बन्य वास्तियों को, विक्रू भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, 1927 के प्रयोच- नार्च क्लारिती युवारा प्रकट नहीं किया पया वा वा किया जाना जाहिए था दिनाने में सविधा के लिए;

बसः कथः, उत्तर जिथिनियमं की धारा 269-मं के अनुबरण बी, बी, अक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) बे बधीन, नियमलियसं व्यक्तियों, कर्णून ५---- (1) मेन ने नहार देख एण्ड जोगार्नः एमोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रं बाब्रूलाल पूखराज जैन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्परित के सर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंचे :---

(क) इस ब्रुंबचा के सम्बन में प्रकाशन की तारीब से 45. दिन की अनिथ ना तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुवना की तानीस से 30 दिन की वनिथ, जो भी वनिष नाद में समाप्त होती हो., के भीशर वृथेंका विन्तरों में से किसी व्यक्ति स्वास;

स्त स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसा से 5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष केती जन्म व्यक्तित द्वारा स्थाहस्ताकारी के वास तिकत में किए या सकोंने।

न्द्रसमें प्रयुक्त राज्यों और वधों का, जो उपस्य मीपीनवन के बध्याव 20-क में परिभाषिक ह¹, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्यान में विद्या भयर हैं.

अनु**सूची**

"फ्जैंट नं2 1301 (ए), जो तेरहवीं मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग, जय श्राश नाराथण रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई⊸ 400061 में स्थित हैं।

अनुसूचः जैसा कि कल्सं० अई--2/37ईई/16415/84--85 श्रोर जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14--1--'1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रणांत रास सक्षम प्राधिकारी सहायह श्रापार त्र्यायुक्त (तिराक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

चितां ह : 4--9--1985

१९०५ - वर्ष (दे) . प्रमृत्न प्रदार-नामान

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) के बभीन बुचना

बारत बरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयवत (निरीक्षण)

श्चर्गन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनां ा 10 ित बर 1985 निरेग स० श्चर्य-2/37ईई/22033/84-85-—श्रतः मुझे, त राय.

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भी: जितको सं० पलैट सं० 43, गुर कृष्ण भार्टमेंट, त्याप (11), बम्बई 128 में संस्था है (भीए इ.से उपाबढ़ अन्स्वा में और पूर्ण का ने विणित हैं), भीर जिता राराएलमा भारकर भीतिसम का धारा 269 जब के भारत सक्षम प्राधि तर के कार्तिस बमाई में एजिन्हा है, दियो ति 7-1-1985,

हो पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के रण्यमान भ्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मभे यह विज्यास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सृत्य, उसके रण्यमान प्रतिफल से, एसे रण्यमान प्रतिफल का रंबह प्रतिकात से बिधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनारातयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रति-कम निक्तिविक्त उचरोष्य से उकत अतरण लिखित में बास्तविक क्य के कियत नहीं किया गया हैं:---

- (का) अध्यारण में हाइ किसी बाय की बावन सकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन वा इसस बचन में सोवधा का निष्; और/मा
- (बा) एनेनी किसी आयं या किसी धन या अन्य आंक्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दनारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण की, मी, इक्त अधिनियम की धारा 269-व्य की उपधारा (1) के अभीन निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अधीत :----- 50 ----286 QI/85

- (1) में 'स्पं बिल्कोन को पोरेशन । . (श्रन्तर ३)
- (2) श्राः झनीयकुमारः जन्है तरास्य जोकास्य रा । (श्रन्सीता)

ध्ये यह सचना बारी करके पृवांक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

बक्त सम्मारत के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मचनी की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्विक्तयों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (स) इस मचना के राजपण में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिल के भीतर उपन स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निकास में किए वा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं अपी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

अनु सूची

"परीप्रतं 43, जी गाएगी पंतित, गुरू कृपा आपर्टतेंट, एन० नः० केल पर रोड, दादर (१), बन्बई-400028 में स्थित है।

म्रापुत्र जीता ि क० सं० म्रई -2/37ईई/22033/84-85 म्रीर घो क्षत्र प्राधितरी बम्बई, द्वारा दिनांक 7-1-85 को रिलस्टर्ड िया गया है

प्रणत राय सन्नम प्राधि गरो सहायक भाग हर श्रायकत (िरीक्षण) भाजैत रेंज → 2, बम्बई

दिनो ह : 10-9-1985

प्ररूप जाइं.टी.एमं. एड.-----

स्थायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) सहै भारा 269-भ (1) के नभीन स्थाना

भारत तरकार

स्मयमिय सहायक आयक्त आय्क्त (निरीक्षक) सर्गन रेज-2, बस्बर्ष बस्बई, वितार 10 जिल्लाम 1985 निदेश सं अर्थ-2/37ईई/22024/81-85 - अतः

मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), का अप 269-स के अधीन स्कम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1 00,000/-रा. में अधिक है

भौग ि का संव पलैट संव 28, गुरू कृपा मार्टवेंट, यादर (11). बाबई: 28 में विश्त है (भौग), इस उपाबद भग्नुषा मे भौग पूर्णरूप से धरित है), भौर ितका कारान मा भा कर भवित स का भागा 269 .ख के अशान सम्भा प्राधितार। वासीस्ट, बस्बई में रिट्टू है, दिनों 7-1-1985

कां वृशें क्ल सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य स कम के क्ल्यकाम श्रीतफल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का काश्य है कि यथा पूर्वोंक्त संपत्ति का उण्यत अवत अध्यान प्रतिफल में, ए स्थ्यमान प्रतिफल में, ए स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिफल से विश्वक है और अंतरिक्त (अंतरिक्त) औ बीच एके जन्तरण के लिए तम पामा ग्या प्रतिफल, निम्नीसिक्त क्ल्यकेंग्र में उन्त अन्तरण सिवित में श्रीतिक्त क्य से क्रीचल क्ली किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ फिसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने को सूर्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, वर ध्वामर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उन्त जीभीनयम् की भारा 269-मं की अनुकर्य मो, मी, उक्त जीभीनयम् की भारा 269-मं की जपभारा (1) को जभान, निम्मसिषितं व्यक्तियमी, वर्षास् अस्मि (1) में .सं बिल्कोन को भोरेशन ।

(मन्दरक)

(2) श्रामतः कृत्वा रामचद्र देशभाडे भौर श्रा रामान्द्र हरा देशभाडे ।

(भ्रन्सि:त:)

को वह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

वक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भैतर उक्त स्थावर अंपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म श्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शस सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः -- इतमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

र्मन्स ची

"पलैट सं० 28, जो सातवीं पंजिल, गुरूकुपा श्रपार्टमेंट, एक संग्र केल उर रोड, दादर (1), बम्बई-400028 में स्थित है।

प्रनुपुत्र जै.म ि त्र० सं० प्रई-2/37ईई/22034/84-85 ग्री: जो सक्षा प्राधि गरः, बम्बई, द्वारा दिनोक 7-1-85 को रजिस्टई िया गया है।

प्रशांत राय -सक्षम प्राधि री सद्भाय ह ब्राय हर ओ पुक्त (िर काण) धर्जन रेज-2, बस्बर्ष

Ports: 10-9-1788

बोद्यर :

त्रकत् कार्या हो । एव । एक । 😗 • 🤭

बावकर श्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) की। भारा 269-व (1) क अभीन सूचना

भारत सरमध्य

कार्याचय, बहुनक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनौंक 10 क्तिस्वर 1985

निदेश सं ० श्रई-2/37ईई/22035/84-85--- प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंतर्जे इसके वहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पास्त, जिसका उचित वाचार मून्च 1,00,000/- रा. से अधिक है

मार जिसके सं प्रति स० १, गुरूकृता म्रापार्टमेंट, दादर (प), बम्बई—28 में स्थित है (म्रार इतसे उपाबद्ध म्रनुसूच में मीर पूर्ण रूप से विगत है, म्रार जित्तका करारनामा म्रायत्र मधिनियम को धारा 269 कखू के प्रधान तक्षम प्राधि तारा के तार्यान्तय, बम्बई में रजिस्ट्र है, जिनाक 7-1-1985,

को प्राक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्मयान प्रतिकार के लिए मन्तरित की गई है और मृत्रे यह विववात करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, एते दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्तर् मां पन्तर प्रतिकत्त का पन्तर् मां पन्तर प्रतिकत्त का पन्तर् मां पन्तर् प्रतिकार से अधिक है और मन्तरक (बन्तरका) और बन्तरित (मन्तरितियाँ) के बीच एसे मन्तर् के सिए तच पाया वशा प्रतिकत्त, निम्मतिचित उद्देश्य से उच्त बन्दरक वासरक निम्मतिक के साथात नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त विध-नियंत्र के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के निय;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्क अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) क सभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभित अ— (1) मे . सर्व बिल्कोन को पीरेशा।

(प्रतारक)

(2) श्री अमोर मं लाल तूर्विया श्रीर श्रामतः विशुलाक तूर्विया

(प्रतिको)

का वह त्वना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहिमां करता हुं।

क्षम्त सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई नाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी साधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (वा) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीके से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबव्ध किसी. जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्क क्षिपित्रमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ हुन्या को उस अध्याय में दिवा गया है।

प्रनुसू वी

"क्लैट सं० 9, जो तातरो मंजिल, गुरू कृपा भाटिंमेंट, एन० सां० केल हर रोड, दादर (४), बम्बई—400028 सें स्थित है ।

धनुष्वी जैता किक० सं० श्रई -2/37ईई/22035/84→ 85 श्रोर जा तक्षम प्राविकारी, बन्नई द्वारा दिनौक 7-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण), धर्जन रेंज⊶7, बस्क्≹

दिनौंक : 10-4-1985

मोडर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर आर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 10 तिलम्बर 1985

निदेश सं **अई**-2 37ईई/22036/84-85--- अतः मुझे, प्रणाति राय,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विशास करने का कारण है कि स्थावर संपात्त जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रतः से अधिक है

भौर जितको सं ० पर्नेट मं ० 11, गुरू कृता आगर्टनेंट, बादर (ग), बम्बई 28 में स्थित हैं (बोर इत्तु उराबद्व प्रतृत्चो में आर पूर्णरूप से बिशत हैं), भार जित्त ने करारनामा आया हर प्रधि-, ियम को धारा 269 खें अथीन स्थाम प्राधि तारी के कार्यालय बम्बई में रिल्स्ट्रों है, दितौं ह 1-7-1985

को पूर्वोका संपत्ति के उचित बाभार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हर्द किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेतर्स बिल्कीन की पोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रवी मधुकुमार शाह श्रीर डा॰ कुमारा यमायन्तः हरःलाल शाह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिल् कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्या 20-क में यथा परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यन्युची

"फ्लैंट सं० 11, जो ति तो मंजिल, गुरू की कुमा श्रामटेंसेंट, एन० सी० केलकर रोड, दादर (प), बम्बई-400028 सें रिथात है।

श्रनुरूची जैना कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/22036/84-85 श्रार जा अक्षम प्राधि गरो, बस्बई आया जिसे हैं 7-1-1935 को रिस्टर्ड िया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि गरी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरक्षण) प्रार्जन रेंज-2, यम्बर्ष

दिनौक्: 10-9-198**5**

प्रकप बाइ'.टी.एन.एस.----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के निधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यांतयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनाँक 10 तितम्बर 1985
निदेश सं० प्रई-2/37ईई/24245/84-85-प्रतः
मुक्षे, प्रदात रायः,

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ण के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूस्य 1,00,000/- रहा संअधिक है

बार जि.कः सं० पर्लंट सं० 41, गुरू कृपा धपार्टमेंट, यादर (६), इस्टई-28 में स्थितः है (ग्राट इतस उपादक श्रनुसूचः में बार पूर्ण रूप से दर्फितः है), ग्राट जिसका करारनामा आयकर अधितियम के धारा 269 के के प्रधान सक्षम प्राधिकारी के कायलय, बस्दर्श से रिलस्ट्र है, जिनौक 7-1-1985,

का प्ताक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य स कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है बौर मुफ यह जिस्बास करन का कारण है

कि यथीपूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल के अन्द्रह प्रतिसत सं गंधक हैं और अतरक (अतरकां) और अतरितो (अतरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्ताब्क रूप सं कांधत किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 स की अनसरण मैं मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) मार्स्स अल्कान कारपारधान ।

(मन्तरक)

(2) श्री प्रपूर्व जयन्ते.लाल जोबालिया भीर निमित जयन्तःलाल जाबालिया। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के लिए कायवाहिया करता है।

सकत संपत्ति को जर्जन की संबंध में कोई मी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चैं
 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी स्पीक्तयों वर् सूचना की तामील सं 30 दिन की जविभ, को भी जविभ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पिक्तयों में से किसी स्पन्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिक्क-बद्ध किसी न्यक्ति दवारा, बभोइस्ताक्षरी के पार्च स्थिति में किए जा सकेंग।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की क्या अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधे हागा जी उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्यौ

"पर्नीट सं० 41, जो ग्यारहत्री तंजित, गुरू कृता श्राहेंसेंट, एन० सो० केल हर रोड, दादर (१), बस्नई-400028 में स्थित है।

भनुसूचो जैता ि क० सं० भई-2;/37ईई/24245/ 84-85 स्रोर जो नजम नाजि जरो, बस्बई द्वारा दिताक 7-1-1985 को रजिस्टड विसा गया है।

> प्रशांत राम सन्नन गाबि नारी सहाय ह माय हर मायुक्त (निरोक्तग), मर्जन रेंज-2 वस्वरी

टिनॉक : 10~5~1988

मेहर:

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
पर्णन रेंज-2, बम्बई
वम्बई, दिनांक 10 जितम्बर 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई 16196/84-85--- अतः मुझे, प्रशांत राय,

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.,00.000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिनकी सें० फ्लैट सें० बी-3, कान्ती ध्रपार्टमेंट, बान्द्रा, अम्मई-400050 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ध्रायकर अधिनियम की घारा 269 कखा के प्रधीन सक्षम प्राधि तारी के कार्यालय, बम्बई म रजिस्ट्री है, दिनौंक 10-1-1985,

को पर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की पर्द हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसवे दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्कात स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कृप से किथात नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबता, उनका नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व बें कमी करने या उससे बचने में सूविधा के जिस्हु। और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, किपाने के सुविभा के लिए;

अतः क्षेत्र, उनत जीधीनयम की धारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मीनिवद व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) कुमार द्वितेण टा० गोवानो ।

(अन्तरक)

(2) विजयकुमार जी० मेहरा भीर विनोद जा० मेहरा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भन्तरका

(वह व्यक्त, जित प्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वता जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्टु कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (धा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयंक्त शब्दो और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, वें अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

पन्सूची

"फ्लैट सं० बीच3, जो दूतरी मंजिल, कान्ती श्रपार्टमेंट, माउंट मेरी रोड, बन्द्रा द∓ाई 400050 सें स्थित है ।

भनुसूची जैसा कि क० सं० भई-2/37ईई/16196/84-- '85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई, द्वारा दिनौंक 10-1-- 1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय संभाग गात्रि हारी सहायक भागकर श्रायुक्त (निरोक्षण) सर्जन रेंज-2, बस्वर्ष

दिनौंक : 10-9-1985

प्रकप बार्ड .टी . एन . एत . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 12, अन्बई

बम्बई, दिशंक 10 शिम्बर 1985

िदेग सं० अर्थ ·2/37ईई/16197/84 ·85---अतः मुझे, प्रशांत रा

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान 'तिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिपात से आपक है और संतरक (अंतरकों) और बंत-रिती (अंतरितियों) के सीच ऐसे संतरण के लिए तथ पाया नशा इतिफल, निम्नलिशित उव्विध्य से उक्त संतरण सिश्चित के बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रिक

- (क) अंतरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त वर्षिं-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व के कभी करने या उससे दचने में सुविधा के निए; वरि/या
- (च) एसी किसी जाम या किसी धन या बन्य बास्तिबी को जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्व अंतरिसी व्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, खबत अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) की अधान, निस्तीलियत स्पन्तिसों, जर्थात् :~~ (1) कुनारी मजुत दी० गठाणी ।

(str.t.)

(2) श्रींमतीं सुरेन्द्र सीं० सेंह्गल

(भ्रन्तिती)

(३) भन्तरः

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम. ि है)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निक् कार्यवाहियां शुक्र करता हु।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्वान के राजपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर स्थावर सम्बत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरण:---इसमें प्रमुक्त सम्बाँ और पदों का, जो उक्त जीध-नियम, को अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्य होगा जो उस कथाय में दिया क्या है।

वन्त्वी

"फ्लैट न० बीं-, जो पहतीं मंित, कान्सीं प्रश्नार्टमेंट, माउण्ड मरीं रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रानुसूती नैपा हि कि० स० गईं -2/37ईई/1619 '81-७३ मोर तो उत्तर मोजिज़री, बन्धई, द्वारा दिना है 10-1-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> प्रगांत राय सक्षम प्राधि: १री सराय : प्राय : प्रायुक्त (१राकाः) धर्जन रेंज-2, बम्बई

'दिर्गा' । '1 **क-प-198**\$

मोहर 🏻

(भ्रग्तरः)

(श्रन्तिःती)

द्वाकन आर्द्रात्टी एन एस

भायकार क्रीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन स्चला भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिशंह 10 तिम्बर 1985

्रिवेग सं० आई ·2/3७ईई/16198/8ः 85-⊷श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बासकर बांधीनयम, 1961 (1961 व्या 43) (विसं इसमें हरू चे पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया **("**), की धा**र्थ** 269-च वं धपीन सक्षत्र प्राधिकारी का वह विद्यास करने का 🚛 रच ही रिक स्थानर संपत्तिः, चित्रका उपितः वाचार मुस्य 1,00,000 / - रत. से अधिक हैं

और ति की तं० परीष्ट सं० त्रीं० न्यः हान्सी प्रवार्टेनेंट, बान्द्रा, ब जर्द 50 में स्थित है (और इ' जिगा द धनुगूची में और पूर्ण रूप विभिन्न हैं), और किल्ला जार महाशीय एश्वि-ियम की धा । 269 : व के प्रधी । नक्षम प्रति , ारी के ार्यात्य, भम्बर्ग में परिदंग है, दिते र 10 न-1985,

<table-of-contents> पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मुख्य से कम 📑 कायमान प्राचक्य के जिए अन्तरित को यह है और अभ यह विश्वास क्रान का कारण है कि समाम्बॉक्ट संपरित का उपनित शाबार कृष्य, उसके उपयोग प्रतिकास से, एसे उपयोग प्रतिकास का 👪 प्रविकास सं स्थित हूं सीर सम्मारक (संसरकार) और सन्दौरती (क्रक्रिक्टिं) के बीच ह'वे अन्तरण के जिए तब रावा बना प्रतिन क्षम विकासिविक स्कृतका से राज्य सम्परम विविध में शास्त्र-निकार कर वे करिया नहीं किया नवाही रूप

- है कमरूर में हुए किया का की राज्य , श्रीभागनन के अभीन कर दोने के अन्तरक के क्षरीयन्त्र को बन्दी बहुद या उन्हर युवन में द्वाचित्रा ष्ट्रे विष्; बीर/वा
- (य) एंडी किसी बाय या किसी धन या सन्य बास्तियों का, विन्हा नारतीय अविन्तर अधिवयन, 1922 (1922 व्या 11) था उत्तरा वाधिनववर, हा ध्यक्कर व्यक्तिमध्य, 1957 (1957 का 27) 🖷 प्रयोधनार्वक्रमारिती ह्याराप्रकट नहीं विका नेका नाया किया बाना चाहिए था क्रियाने बी श्रीवृधा से नेसकः

(2) श्री सी० के० मेहरा

को यह स्वनाजारी करके पूर्वोक्ट सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाद्यां शुरू करता हूं।

(1) भार्स नान्ता जिल्बर्स प्राइबंद िमिटेश ।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (5) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (बा) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

"फ्लंट सीं० सी- 4, जो पांचवी मंजित, कान्ती प्रपार्टमेंट माउण्ट मेरीं रोड, बान्द्रा, बम्बई- 4000:0 में स्थित है।

अनुसूखी जी ा ि. ऋ० सं० इ.इ. - 2/3 7ईई/16198/84-85 और जो अप गाधि असी, बप्बर्ध, द्वारा दिलांच 10-1-1983 को स्थिस्टर्ड िया गरा है।

> प्रशांत राय स्क्षम प्रतिधारी सहाय : श्रायकर झायुक्त (िरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बद्दी

बल बच, क्यत मीथीनवंश की धाराः269-स की, बमुबरस ं अवल बीधीनवम की भाग 269-व की उपधाय (1) ह्यप्रीत शिक्तालिकत व्यक्तियों वर्धातः :----

विनोधः : 10-9-1985

नोहेंच :

प्रकम बाइं,टी.एन.एस. ------

जाबकर जीभीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहामक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मितम्बर 1985

निदेश सं० म्रई--2/37ईई/22032/84-85-म्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात (उनत अधिनियम कहा गना ही), की धारा 269-- व के अधीन तक्षम प्राधिकारी को वह जिस्तात करने का कारण है कि स्थानर उन्नीत, वितका जीवत बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. व नियक ही

और जिसकी सं० पलैट सं० 5, गुरु हृपा भ्रपार्टमेंट, दादर (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (और इससे उपाबंद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसता हरारनामा भ्राय र श्रिष्ठिनयम की धारा 269 व्यव के श्रधीन सक्षम प्राधितारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 7-1-1985,

को पूर्वाक्त सम्बद्धि के स्थित बाजार मृत्य से कम के ब्रयमान प्रतिकाल के सिए अन्तरित की गई है और अभे यह विक्यात कारने का कारण है कि यमानुबोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार स्थ्य, छातके दश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दश्यमान प्रतिकास के पन्नह प्रतिकात से बीधक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पावा गया प्रतिकास, निम्नसिक्त उद्वोद्य से उच्त अन्तरण निवास में वास्तविक रूप से क्षिया नहीं किया गया है :----

- (क) करनारण वं हुवं किसी बाय की वावस, उक्स विभिन्निय के अधीन कर वाने के अन्तरक को वामिल्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--51-286 G1/85

(1) मेधर्म बिल्कीत कोरपीरेणन ।

(भ्रन्तरक्)

(2) श्री पांपटलाल रोचन्द शाह और श्रीमती शान्ताबेन पांपटलाल शाह।

(भ्रन्तिनिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भं वनिध बाद में समाप्त होती हो, में भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताकरी के पास निश्चित में किए जा सकांगे।

स्वकाकरण :---इसमें प्रयुक्त शम्यों और पर्यों का, वो उपस वीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया नवा ही।

अन्सची

"फ्लैंट मं० 5 जो दूसरी मंजिल, गुरू पा श्रपार्टमेंट, एत० सी० केल एर रोड, दादर (प), बम्बई 400028 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई 2/37ईई/22032/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. अम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टई दिया गया है।

प्रणांत राय मधाम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, बम्बई

दिनोंक : 10-9-1985

माहरः

शारूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज-2, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/25246/84-85--श्रतः मुझेः, प्रशांत राय

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपित्स, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,06,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 37, गुरू कृपा अपार्टमेंठ दाइर (प) बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 30-1-1985 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कर के स्वमान

प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार बूल्य, उसके इरयमान प्रतिकल से, एसे इरयमान प्रतिकल का बंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिसित उद्विश्य से उस्त अन्तरण निस्ति में अन्तरिक रूप म कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; बौर/या
- (वा) ऐसी किसी नाय ना निक्षी पत्त ना नन्य शारिताकों को, जिल्ही भारतीय नाय-कर निवित्तकों, 1922 (1922 को 11) या उन्तर अधिनियम, या पन-कर नीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती ब्वास प्रकट नहीं किया उना ना ना किया जाना वाहिए ना, कियाने में निवान के लिका के लिका

बक्त अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बनुसरक वी. मी, एक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीन :---- (1) मेसर्स बिल्कोन कोरपोरेशन

(भ्रन्तरहा)

(2) श्रीमती पीन्की जितेन्द्र दोशी और श्री जितेन्द्र कान्तीलाल दोशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सुरुप्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के सर्वन के तस्वन्थ में कोई भी नामेप :---

- (क) इस त्यमा के समयम में प्रकारण की वाहीस से 45 दिन की वर्गीय या उत्तरकारण कहीं बाहीस से स्वाप की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्यों बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति कृषाराष्ट्
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 शिन के श्रीतर उनत स्थानर कम्पणि में हित्सक्थ हिंक्सी बन्ध व्यक्तित स्थान क्योहस्ताकरी के पास विश्वित में सिक्ष या सर्वोत्ते ।

स्थादिकरणः — इसमें प्रयुक्त वास्त्रों और पर्वो का, जो अवस विधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस कथ्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 37, जो दसवी मंजिल गुरूकृपा श्रपार्टमेंट एन० मी० केलकर रोड दादर (प) बम्बई-400028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/25246/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रकात राय मक्षम प्राधि∷ारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक : 10-9-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर बंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भहरा 269-घ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई--2/37ईई/16841/84-85---म्रतः मुझे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-कः. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ० पी० सं० 747/749, दादर, बम्बई—28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 25-1-1985,

का पूर्वोक्त सम्मात के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ध बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया चाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेरी लैण्ड कन्स्ट्रवशन को० प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) जोफरे मेनर्स एण्ड को० लिमिरेड।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अन्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित दी, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एवा है।

-

"जमीन का हिस्सा जिसका एफ० पी० सं० 747/749 टी० पी० एस० 4, वीर सावरकर मार्ग, दादर बम्बई 400028 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37–ईई/1684/84–85 और जो सक्षमप्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरा ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2. बम्बई

दिनांक : 10-9-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए० ग्रार०-II/37जी-3789/84-85--ग्रतः मझे, प्रश्रणांत राय,

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतकों इसको पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- स्त से अधिक हैं

और जिसकी सं जिसका का हिस्सा जिसका सर्वे सं 133 से 136, हिल रोड, बान्द्रा बम्बई में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता म्रिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन, विनांक 17-1-85, का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमाम प्रतिकल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकत के गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गतिकल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण निकित में शस्तिकल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण निकित में शस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (कः) धन्तरम ने हुई फिकी जान की नानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने वा उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी काम या किसी धन या कम्य ब्रास्तिको का, चिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, वा धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना जाहिए था, क्रिपाने में सुविधा स्विधा के लिए,

कतः बनः, ग्रन्त मिनियमं की भारा 269-गं के बन्सरणं में, में, उनत अधिनियमं की भारा 269-णं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् ह्— (1) श्री मोहर्नासग नागपाल सूखराज एम० नागपाल, श्रवतार सिंग एम० नागपाल और प्रदीपसिंग एम० नागपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) उसमान माती खन्नी।

(ग्रन्तरिती)

·(3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्कता धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त तम्परित के वर्षन के तंबंध में कोई भी बाबोप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की सविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबव्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकते।

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का चो उपत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1850/80 और जो उप-रजिस्ट्रार , बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-9-1985

माहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-11 सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ए श्रार०-2/37 जी-3747/जून 85--- प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 नव 43) विकास करमें इसके वरवात् 'उनत् निर्धानयन' नक्त वना ही, की भारा 269-व ने नवीन वसम माध्यक्ति को यह विकास करने का कारव है कि स्थानर वन्नरिख, जिस्का जीवत नावार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक ही

और जिसको मं० फाइनल प्लोट सं० 741, टी० पी० एस० 3, केडेल रोड, माहिम में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची (और पूर्ण रूप से विजित में, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-1-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाबार अवस से कम के क्स्बमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और जुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त संभ्यति का उपित बाजार मूस्य उसके क्ष्वजान प्रतिकत ते, दोने क्ष्यजान प्रतिकल का बन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और मन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरित्तयों) के बीच एने जन्तर्य के निष् तब पाना गमा प्रतिकल, निम्नलिकित उद्बोदन से अक्स जन्तर्य सिचिक में बास्तिक इस से क्रियत नहीं किया गया है हम्म

- (क) बन्तरण से हुई किसी माय की नावस, उनक सिंधनियम् के नधीन कुछ दोने के जन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे क्वने में बृतिभा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य वास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए वा, जिपाने में सुविभा वे विषः

बत: बव: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व भी उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाद :--- (1) श्री गुलाम मुहम्द अब्दुल करीम और श्रीमती जैतुनवी अब्दुल करीम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रली ग्रहमद एम० खान और श्रीमती सकदरी बेगम ग्रली अहमद

(ग्रन्तरिती)

को बहु ६ जा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां हुः करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की जबींथ या तत्वंबंधः व्यक्तियों पृष्ट सूचना की तामील के 30 किन की अवश्य, को की क्योंच नाव में तमाचा होती हों, जे भीतर पूर्वीका स्वनित्वों में से फिजी स्वनित्य क्योंका;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हिंदा- बद्ध किसी व्यक्तिस क्यारा, जथोहस्साधारी के काल सिवास में किए जा कर्नोंगे।

न्त्यदेखापुण:---इतमें प्रमुक्त सन्दों कीर पर्वो का, की अन्द नीभिनियम, से अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं नर्थ होगा को उस अभ्याय में दिवा गया है।

अमृत्त्री

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2446/83 और जी उप-रिजस्ट्रार, बम्बई हारा दिनांक 18-1(1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी ्यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , बम्बई

दिनांक : 10-9-1985

माहर:

प्ररूप बार्षः दी. एनः एसः ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

आयालय, महायक आयकर आयक्त (निर्राक्षण) श्रर्णन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए श्रार०-2/37-जी-3748/जन० 85-श्रतः मझे, प्रशांत राय,

शायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विषवास करने का अरुरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं जिसकी का हिस्सा स्ट्रक्चर के साथ जिसकी हाउस सं 57, खारी विलेज, फाइनल प्लोट सं 1/5, टी , पी । एस 3, तैतीस वा रोड, सी । टी । एस । सं एफ / 201 ओल्ड खार गावथन बम्बई 400052 है । बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण, श्रीविचम, 1908 1908 का 16 के श्रीवीन, दिनांक 28-1-85, का पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पत्ति की गई है और क्रियमान प्रतिफल कर पत्ति की स्थाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पत्ति की सिंग वंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निवित उद्योध्य से उच्ट अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) गभी किसी अप या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधानयम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजशार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिनाने में नृतिकथा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती उमा हिरालाल गोवीबाला (ग्रन्तरक)
- (2) डा० पेट्रीक लायोनल कियड़ी सील्या (ग्रन्तरिती)
- (3) भाडोस्री । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में) सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लि**ए**ं कार्यवाहियां करता **ह**ै।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में सभापत हांती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा स्कोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त सब्बों और पर्वो का, जो उक्त विभागियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा वचा है।

ग्रनुसूची

ग्रनुसूची जैसा की विलेख सं० 5205/84 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 28-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 10-9-1985

प्रारत्य नाइ^कः टी.- एक ् एस_{्यास्थानसम्बद्धानस्थ}

ाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्तिण)

ध्रर्जन रेज-2, बभ्बई बभ्बई, दिनांक 10 मितम्बर 1985

निदेश मं० ए० श्रार०--2/37जो--3749/जन० 85---श्रतः मुझे, प्रशांत रायः,

बावकर बाँभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके व्यवस्त 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-व के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- क. से जीवक हैं

भौर जिसकी मं० सर्वे मं० 3ए, हिस्सा, सं० 4 (पार्ट), सी० टं॰ एस० सं० 349, जुहू विलेज, किले पार्ले बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रें कर्ता अधिकारं के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रें करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-1-85,

कां पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरक्यें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म असिलानों की जिन्हीं भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1) के रूपीय, निम्नलिविष्ठ प्यक्तिकों, स्वर्धात् १५——

- (1) श्रः जुगलिक्षणोर शिवप्रसाद शर्मा । (ग्रन्तर ६)
- श्री फान्स/स धन्थोनं/ मोन्टेरं/ (ध्रन्सरित/)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उन्त सम्परित के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पृबोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाबन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकति।

स्वाक्षतिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसूची

श्रनुसुक्ते जैसा कि विलेख सं० 2887/83 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बर्ड द्वारा दिनां र 21-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिभारः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रोज-2, वश्बई

दिनांग : 10--9-1985

मोहर ः

प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्वर्जन रेज-2, वस्बई

बम्बई, दिनां त 10 नितम्बर 1985

निदेश सं० ए० म्रार०- 2/37जं/- 3751/जन० 85---म्रतः मुझे, प्रशांत राय,

जाबकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं किता है। एसक सं किता, 671/1 से 4, एसक सं कि 42-ए, अंधेरा बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विधित हैं), रिजस्ट्री केती श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक 10-1-1985,

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है बरि मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा

मुक्त यह विश्वास करने का कारण हा कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पश्यभान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से
उसत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था 'छपाने में स्विभा के सिए;
- -

(1) श्री नागिनदासं धरमसै से।

(प्रत्तरक्)

(2) श्रा बसंत डा० जोगाः ग्रीर श्रामता ग्रांथणी वी० जोगाः ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यशाहिमां गुरू करता हो।

उन्त सम्मत्ति के नर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, यो औ वर्षीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितजब्ध किवी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के शर्म सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वसा है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख मं० 283/81 श्रौर जो उप-रोजिस्ट्रार, बम्बर्ड द्वारा दिनात 10-1-1985 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वश्बई

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीर, निम्नलिमिन व्यक्तियों, अर्थान् :—

दिनां 7 : 10-9-1985

प्ररूप आईं टी.एन.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई

बग्बई, दिनांक 10 सितन्बर 1985

निदेश सं० ए० आए०-2/37जी-3752/जन० 85--आतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रीर जित्तको सं० सं० टं॰ एस० सं० 507, 507/1, 502/2, एस० सं० 43-ए, प्रधेरें बन्धई में स्थित हैं (प्रांतः इससे उनाबड प्रतुस्तः में प्रांत पूर्ण का से विणा है), रिजिस्ट्र न ती प्रांत जा के जार्याका, बन्दि में रिजिस्ट्र नरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवंति, दिनांक 10-1-1985, को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अयः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की जपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---52 ---286 GI/85

(1) श्रा बालकृष्य बाब्याव फल्ले ।

(भन्तरक)

(2) श्रीः बसंत डी० जीर्माः ग्रीर डा० श्रीमती ग्रीणी वी० जीशा।

(भ्रन्तरिती)

3) भाडोको ।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिमीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुत्रारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीधरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-वित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्ची

श्रासुर्वी जैसा कि विलेख सं० 284/81 श्रीर जो उप-रो⊞ार वाप\$ द्वारा दितीक 10-1-1985 को रिजस्टडं किया गया है।

> प्रसांत राय सक्षम प्राधितकरी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रार्वन रोंज-2, बस्बई

धिनोंक : 10-9-1985

मोदुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 सिसम्बर 1985

निवेश सं० ए० ग्रार० 2/37जिः-3754 $_{\rm j}$ जन० 85—श्रतः मुद्ये, प्रशांस राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

शौर जिसकी सं० 29, बोमन्त स्ट्रंट, बान्द्रा (प), न्यू सं० टं० सर्वे सं० ए/543, बम्बई-400050 में स्थित हैं (शौर इसमें उपाबद्ध अनुसूचे। में शौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रंचिता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रंचिरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनांक 16-1-1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की अबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के मिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती जूलो श्रपोलीनीया मेनेजोस श्रीर श्री मारीस डोमनीक मेनेजोस । (श्रन्तरक)
- (2) श्री विमलचन्य सूरजमल।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री सीहराज सुरजमल, फांसीस रेमेडीया, जोसेफ़ परेरा श्रीर रोनल्ड फ़र्नाडीस । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो धक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुमा हैं।

वन्स्त्री

ग्रनुसूचो जैसा कि विलेख सं० 195/82 भौर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनॉक 16-1-1985 को रजिस्टर्ड किया या है।

प्रशांत रामसक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 10-9-1985

माहर :

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस्।.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सिसम्बर 1985

निर्वेश सं० ए० श्रार-2/37-जी-3756/85--**श्र**तः, **मुझे**, प्रशांत राय,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रंग से अधिक है

भीर जिपकीं स० सर्वे नं० 138 पार्ट), 138/1 से 7, कोंडा बिटा, तालू मा अंधेरी हैं, तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत हैं) रिजर्ट्री तो प्रधिनारी के कार्यालय बम्बई में रिजर्ट्री तो प्रधिनारी के कार्यालय बम्बई में रिजर्ट्री तरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 14-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को स्थमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, जक्त नियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में लिए।

जतः बच, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जौं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वःकी उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, वर्धात् ३——

- 1. (1) श्रीं प्रब्दुल माजींद शेख,
 - (2) याकूब मुहमद शेख,
 - (3) युसुफ मृहमद शेख,
 - (4) धमीनाबाई शेख,
 - (5) मरींयमबीं शेख,
 - (6) फात्मा शेख,
 - (7) बाब्यू शेखा,
 - (8) नसीमा शेख और मेहरूरिसा कावर खान (भ्रन्तरक)

2. मैसर्स एस० क्यूएन बिल्डसं

(भन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति को अर्जन के रिष्ण कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ी भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** ते 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में निया गया है।

धनुसूची

धनुसूची जैसा कि विलेखं सं० 1192/82 और जो उप-रिजस्ट्राय, बम्बई द्वारा विनांक 14-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) शर्जन रेंज-2, बस्बई

तारोख: 10-9-1985

प्ररूप **बाइ**. टी. एन. एस.-----

भाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जागकर आयुक्त (निरीकण) धर्णन रेज-2, बम्बर्ध

बरुवर्षे, दिनां स 12 तितम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ई ई/16121/84-85-अतः, मुझे, प्रशांत गयः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के लधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर रूम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृष्य 1,,00.000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० नमरा न० 13, विनाविना मार्निंग सेंटर, हर्नर बाल्बा एटेकन के पात, बाल्बा बग्बई-40050 में रियत है (अगि इसी उपायब मनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) और जि राज राज पाता भाग कर अधिराम 1961 की धारा 269 राख्य के अधीत, सक्षम प्राधितारी के रायरिंग, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 5 जनवरीं, 1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्ति उद्योदय से उक्त अन्तरण लिस्ति में गास्त्रिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उकत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः स्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री गुलाब एम० अपनानी

(अन्तरक)

7 श्री रमेश हिरानी और श्रीमती शीला सी० हिरानी

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में रिभावित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

'कमरा ऋ॰ 13, जो, ''जिला बींना शापिंग सेंटर'' टर्नर रोड, बान्द्रा स्टेशन के पास, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ स॰ ग्राई-2/37-ई ई/16121/84-85 बीट जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनक 5-1-1985 को रजिल्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहाय क भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, बम्बर्ग

तारींख : 12-9-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

अधिभनिति अब्दुरता चूता दाला

(ध्रन्तरक्ष)

7. कुमारी अंजूम वी० नाय**डू** 1961 (1961 का 43)

(भ्रन्तिःसीं)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंंः-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक १ सितव्यर 1985

निर्देश सं० अई-2/37-६ ई/1009 त/04-05-अत:, मुझे, प्रमात एस,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरज है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से यधिक है

अरि जिस्की सं प्रतिष्ट नं 203, फिरदोस प्रपार्टमेंट, सन्दर्ध-50 में स्थित है (अस इसने उपायद्ध प्रमुद्धीं में और पूर्ण रूप से धिलत है) और जिस्ता नरारनामा प्रायवर प्रधिनियम की धारा 260 के ख के प्रधीन सक्षम प्रधिनारी के नार्यात्य बण्डर्थ में रिकर्ट्री है, तारोख 25 जरवर्री, 1985 को पूर्वों स्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिखत उद्योग से उक्त उन्तरण लिखित में वास्त-कि, निमालिखत उद्योग से उक्त उन्तरण लिखित में वास्त-कि, निमालिखत उद्योग से उक्त उन्तरण लिखित में वास्त-कि, निमालिखत उद्योग से उक्त उन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की वासित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा से लिए; जाँद/बा
- (व) एसी किसी जाम वा किसी भन या जन्म आस्तियां की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः अज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अस्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ६--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र के प्रकाशन की ठारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिश गया है ॥

अनुसुची

पत्नैट नं 203, जो, दूसरी मजिल, फिरदोस अपार्टमेंट, सीं टीं एम न 482, इली विले पार्ले (प), बस्बर्ध 400056 में स्थित हैं ।

स्रनुसूची जैसा िक सं० आई-2/37-ईई/16896/84-85 सीर जो प्रसान प्राधिकारी, सम्बईद्वारा विनोध 25-1-1985की रिज्ञाहरी स्था प्रसा है ।

> प्रणांत राय सदाम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-2, बम्बई

तारोख: 9-9-1985

प्ररूप नाइं . टी. एन., एस.. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

तारत सम्बाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बट्ट

बम्बई, दिनांक 9 तिसम्बर 1985

निर्देश स॰ माई-2/37-ई ई/15964/84-85-अयत:, मुसे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पदवात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का द्वारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस्की सं ज्लाट नं 5, विले पार्ले, अधेरी है, तथा जो वम्बई में स्थित हैं (और इनते उपावड अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से पर्णित है) और जिता एस समा श्रामकर श्रीधिन्यम की धारा 269 वाख के अधीन स्थाम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिकर्ट्यों है, तारोख 1 स्नवर्स, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाध्र प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उच्च अन्तरण निवित्त में बास्तिक इप से कथिय नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्म से हुए किसी बाद की बादस्, उपस् अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में स्विभा के लिए; बहि/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी थन वा जन्य जारिसयों का जिम्ह भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनस जिमियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाड़िए था, जियाने में सुविधा के लिए;

कतः अवं, उक्त आधानयमं का धारा 269-गं के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियाँ,, व्यथांत ध--- छ जनाब कूडव जोहर माई साहेब बूरहानूघींन
 (प्रतरक)

7. श्री प्रर्जुन भजनलाल २ हेजा

(भन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अवे वर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबाधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मास्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

हमध्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्क जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 5, जो नोर्थ श्राफ इलो नाला, विले पार्ले, अधेरी, वस्वर्ष में स्थित है।

भनुसूनी जैसा कि क० स० भई-2/37-ई ई/15964/85-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 की गिरुटई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

तारोख : 9-9-1985

प्रेंक्प बार्षः टी, एन् एसं उनन्यान

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाइत 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश स॰ भाई-2/37-ईई/16025/84-85-श्रतः, मुझे, प्रशांत राय.

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गरि जिन्नी सं० पलैट नं० 307, विले पालें (प), बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्या में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिन्नता काराग्नामा आयकर श्रीवित्यम की घारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रम की घारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रम, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारोख 3 जनवरीं, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का चूंदह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिल्ला जिल्ला उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निश्चत में बास्ट-विक रूप से अधित नहीं किया गया है इ—

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबल, उकल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अवने में सुविधा की लिए; अडि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हीं भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भर्तः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभिभा निम्निजिसित व्यक्तियों, वर्षात् 1. मैसर्स नींकेश इन्टरप्रायसेस

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती हिल्डा देवपोल्ड रोडरोक्स

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उब्द सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप —

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचका की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगै।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पलैट नं ० 307, जो तींसरीं मजिल, सीं ० एस० नं ० 662 और 669, इली विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37 ईई/16025/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसके 3-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत नाय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रापुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

ताारीख : 9-9-1985

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर दिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बन्धर्ध

बम्बर्ध, दिनांक स्तिम्बर 1985

निर्देश स'o द्याई-2/37-ई ई/15963/84-85-अत:, मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

जित्तों संघटाइनंग् 5, नार्थ आफ इला नाला अधेरी है, तथा जो बाबई में स्थित हैं (और इम्से उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिस्सा करारतामा स्रायकर श्रविनियम की धारा 269 वा खा के श्रधींन सक्षम प्राधिवारी के हार्याक्य, बण्बर्ड में रिजिल्ड्री है, तारोख 1 जनवरी, 1985 का पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास रने का कारण है

कि यथा पूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महो किया गया है:---

- - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अंधिनियम को अधीन कर दोरे को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिरियम की धारा 260-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पात् :---

- 1. जनाव क्इय जोहर भाईताहेब ब्रवान्धीन साहेब (अस्तरक)
- 2. श्रीमती साजनी ए० रहेजा

(धन्तिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीरत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स्त) इ.स. सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ष्य**नु**सूची

प्लाट नं 5, जो नोर्थ झाफ इर्ला नाला, विले पार्ले, अंधेरी में श्यित है ।

थनुसूर्वा जैसा कि क**० सं० श्राई-2/37-ईई /15963/89-8**5 कीर जो सक्षम प्राधिकारी, बल्बई द्वारादिनांक 1-1-1985 को रजिल्डर्ड किया गया है।

> प्रशति राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (िर्देक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बधी

तारोख : -9-1985

प्रकृप बाह्य हो । एवं । एकः। क्ष्मान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

ताउत् त्रकात

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देण मं० श्राई-2/37-ई ई/16641/84-85-ग्रत:, मुझे, प्रणांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिमकीं सं प्लैट नं 103, छूछूम, सान्ताकुज (प), वम्बई-59 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के खे के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारोख 1 जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रवयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के द्रवयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रवयमान प्रतिफल से एसे द्रवयमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से विश्वास अत्वर्ध (अंतरितों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में गास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया जवा वा का किया वाना वाहिए वा, कियान में सृविधा के किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 53 ——286 GI/85 श्रीमती वासन्ती मनोहर बोपार्डीकर, श्रीमती गीता वसन्त नाडकर्णी और श्री राजा सन्जीवराव श्राइडेरी

(श्रन्तरक)

2 श्री गिरींश कुमार रघुनाथ ठकर और श्रीमती हन्सावेन गिरीश कुमार ठकर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पश स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ज्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्योक रुण: --- इसमें प्रयूक्त क्षव्यों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अमूस्ची

फ्लॅंट नं० 103, जो, छूछूम, सान्ताऋूज तराना को -ग्राप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, मरस्वतीं रोड, मान्ताकृज, (प), बम्बई-400054 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि का सं श्राई-2/37 ई ई/16641/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नियीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्कर्द

तारीखः : 9-1-1985

मस्य भाषां है द्वीत एस एक्त

ज्ञानुष्टर व्यक्तिन्त्व, 1961 ((1961 क्य 43)) की भारत 269-व ((1)) के वर्धान क्यान

बारत बुद्धार

कार्यालयः सहायक यायकर लायक्स (निराक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेण सं० प्र ई-2/37-ई है/16372/84-85-यत:, मुझे, प्रशांत राय,

ब्रायकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० णाप नं० 21, रिजवी नगर, सान्ताकृत्ज (प), है, तथा जो बस्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसकी करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है, तारोख 14 जनवरी, 1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उण्चित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपन्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि नजापूर्णोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक ही जौर अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफक विस्वतिस्थित उध्योक्ष से उच्च अन्तरण जिल्ला में वास्तानक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के स्वित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922 शि 1922 का 11) वा अवल बीधनियम, वा धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाका वाका था, जियाने के सविधा के सिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-म कै अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः--- 1. श्रीरामजीं क्वरजी छंडुा

(भ्रन्तरव)

2. श्री निर्भय रामनरेण मिह

(ग्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी कारके प्रतिस्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो। '

ावत सम्बद्धि की वर्षन के सम्बन्ध को कोई भी वाकोए:--

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीक स् 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर क्षाना की वामील से 30 दिन की बनिध वो भी क्षानिक को संकल्प क्षेत्री हो, के शीसर प्राव्यक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर जनत स्थानर संपर्ति में हिस्तब्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा, बधोहस्ताक्षरी के वास विश्वित में किस वा सकेंगे।

स्पष्टोक रण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

मनुसुची

णाप नं० 21 जो रीजबी नगर एस० बी० रोड सान्ताकुन्ज, $(\mathbf{u})_{,1}$ बम्ब ξ -400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37 ईई/16372/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 14-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 9-9-1985

प्ररूप आईं ती. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-छ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं०, ऋई०-2/37ईई/16933/84-85--अतः मुझे प्रशान्त राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. में अधिक ही

श्रीर जिसकी सें० शाप नं० 5, चौदवी इमारत, मार्बल श्रार्क, बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) प्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम की धारा 269 क खके श्रिधीत प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनाँक 28-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास

कि पथा पृथिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्छने मी सूविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः ब्राव्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ब्रॉ., ब्रांग, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के ब्राधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री रमेश टग० बिजलानी ग्रौर न्य्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कमला हमदेव ग्रौर ग्रन्य ;

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संबंधि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

शाप नं० 5,जो चीदवीं इमारत मार्बल ग्राक्ते, प्लाट नी 153, सेन्ट्रल एवेन्यू, सान्ताक्रूज (प०, वस्बई-400054 से स्थित है।

श्रनुसूची जै सा कि कि क सं श्रई-2/37ईई/16933/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनाँक 28-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशानित राय पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनाँक : 9-9-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुर्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/16744/84-85---अत : मुझे प्रशांत राय

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्तका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, भारत निवास, विले पार्ले (प०) बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कल के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनाँक 24-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित भमें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्त्रहरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

1. श्री पंकज छगनलाल बवाशी।

(भ्रन्तरक)

श्री परमानन्द दूल्लभ दास वोरा ग्रौर
 श्री शरद परमानन्द वोरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएँ कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः—

- (क) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 4, जो तल मंजिल, भारत निवास, बापूभाई बासी रोड, बिल पाले, (प०) बम्बई-400056 में स्थित है।

ग्रानुसूची जैसा कि कार्ार ग्राई०-2/37ईई/16744/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 24-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियां, अधित है—

दिनांक: 9-9-1985

मोहरु 🛭

प्ररूपः बाह्ये, टर्नि, एसः, ------

आयकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनः रंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश मं० अई०-2/37ईई 16437/84-85---- श्रनः मुझे प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 201, दी जन्दन को-स्रापरेटिक हाउसिंग सोसायटी जिले, पार्ली (प०), बस्तई-56 में स्थित (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और तो पूर्ग चल में बिलित है) स्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिविश्यम, की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री दिनौंक 9-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बावत, उक्ष अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण कें इपित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविभा कें निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भूज था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में:, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती शाँती देवी ग्रध्बप्रसाद मिश्रा

(अन्तरक)

2. श्री मनप्रकाश भजनलाल निचानी

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्रेष :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनें की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पर्लंट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, दी चन्द को-प्र हार्जिंग सोसायटा, लिमिटेड, दादाभाई कास रोड नं० 3 विले पार्ले. (प०), बम्बई-56 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि कि में अग्नई-2/37ईई/16437 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, हारा, दिनौंक 15-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रभांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायकः श्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनोक: 9-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ुग्रर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनाँक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/16398/84-85--- प्रतः मुझे, प्रशाँत न्याय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

ष्रौर जिनकी सं० फ्लैट नं० 42, जुहू गोल्ड मीस्ट, बम्बई-49 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रन्सूची में ग्रोरुजो पूर्ण घा से विणित है) श्रौर जिसता करारनामा ग्रायकर ग्रिधितियम की धारा 269 कुख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनौत 14-1-1985

की पूर्वोक्त राम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ब्रयमान . प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अग्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री कें ० एन० मौजरेकर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कें नीलकान्यन, ग्रीर श्रीमती दिप्ती नीनकान्थन (ग्रन्नरिती)

3. हाउसिंग डेबलोगमेन्ट फायनेन्स, कारपोरेकान, लिमिटेड (वह ब्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिशित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 42, जो नोथी मंजिल, जुहू, गोल्ड मीस्ट कीन् श्राप हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, गूल मोहर रोड, जुहू, जिल पार्ले, डजलपमेन्ट, संकीन, तम्बई-400049 में स्थित है। श्रानुमूनी जैसा कि का सं श्राई०-2 37ईई/16398/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनाँक 14-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक : 9-9-1985

प्रकृष कार्य , टी , एन् , एस ; ====

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरका।

कार्याचय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

सहायक श्रायकर श्रायकत (रिक्षिण) श्रजन रेजि-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/16532/84-85---श्रतः मुखे प्रशांत राय

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-श्र के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

निदेश मं० फ्लैंट नं० 402, आय, नोपोन जुहू बम्बई-49 भें स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचों में और जो पूर्ण रूप में विजित है) श्रीर जिसान स्थारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कब के श्रशोन मक्षम प्राधिकारों के कायलिय अम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 18-1-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में नास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्क) बन्तरण से हुद्द किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उक्से वचने में सुविधा के निराः; मोर/भा
- (भ) एंसी किसी शाम वा किसी धन वा कन्य आसितानों को जिन्हों भारतीय आस-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया आमा चाहिए था, कियाने में सिमिधा वो किए।

सक्षत्र सक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अपूत्ररण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाय (1) की अधीन, निम्निलिश्वत स्युक्तियों, अकृति है—-

- 1 देव सोमदत्ता शर्मा आर प्रतीभा देवदेव शर्मा (ग्रन्नरक्)
- 2. बाटलो बोय एण्ड को० लिमिटेंड। (अ.तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथेक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बक्षोप ह--

- (क) इस् स्थान के राजपूत्र को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किस वा सकींगे।

स्वष्टीकरुत्रः --- इसमें प्रयुक्त घट्यों लौरु पर्यों का, वो उक्त निधिनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित इं. वहीं वर्ध होगा को उस बध्याय में दिया मुंश हैं।

अनूसूची

फ्लैंट नं० 402-म्राय, नोबोन को-म्रापरेटिव हाउसिंग मोपायटो, लिमिटेड, 37 जुहू तारा रोड, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित हैं ।

प्रतृत्या जैसा कि कि में प्रार्ड-2/37ईई/16532/84-85 प्रीर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड, द्वारा, दिनांक 18-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 9-9-1985

मारहर 🕨

एक्स आर्', टो. एन, पुरु, ::--::

बायकाड विभिन्नियम, 1961 (1961 क्या 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2,

बम्बई, दिनां ५ 9 सितम्बर, 1985

निदेश मं० म्राई-2/37ईई/16104/84-85---म्प्रनः मुद्ये प्रणांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेशत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 9, सान्ताकूज, मेन्शन नंव 3, बस्बई-85 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रतुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिश्चिममा, की धारा 269 उस के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बस्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 5-1-1985

करे प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मृझे यह जिश्यास करने का कारण है कि प्रथापविक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिति उद्योच्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अध्यारक से हुए किसी बाय की वावता, उक्त काँधनियम के अधीन कर धेने के अस्तरक की वाँगिएक में कमी अधने या उससे क्यने में गाँविधा की विश्वास में कमी अधने या उससे क्यने में गाँविधा
- (क) एसी किसी आय वा किसी अन वा जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया ध्या भाषा किया चाना वाहिए था कियाने भें विकास के लिए;

भतः वय, अवत विधिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (4) के वधीन निम्निसिच्त व्यक्तिमें वधीत :-

ः श्र हेर्मा वीत कोडनाने

(अन्तरक्)

2. था/ इन्म कुमार अरोरा

(ग्रन्तरितीः)

अन्तरितो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के हैंसए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस स्ववा के राजपण में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिणा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वतः की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीता पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच इं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्थो

प्लाट नं० 9, जो सान्ताक्ज, मेन्यन नं० 3 को-म्राप० हाउक्षिम मोनायटो, पोस्ट ग्राफ़िस के प्राफ़े, सान्ताक्ज (पु०), बम्बई-400055 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा हि कि० सी० श्राई-2/37ईई/16104/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 5-1-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 9-9-1985

प्रकप बाह्". टी. एन . एत . पर------

भायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) से वभीन स्मना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक (निर्राक्षण) श्राजैन रोज-२,

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निवेण मं० म्राई-2/37ईई/16119/84-85----- मुझे प्रणांत राय

क्षायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके प्रशास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 259-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिलकी सं० पर्नेट नं० 2, मिस्किटा श्रपाटेमेन्ट, बम्बई-57 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिप ता करारतामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के गार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 5-1-1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार शृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, ऐसे ख्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्रत से अधिक हैं और अंतरक (जंतरकाँ) जोर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरम के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसितित उद्वारेव से उच्त अंतरम किवित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अल्हरण संहुई किसी बाय की अबहर, उपल विधितियम के बंधीन कहर दोने के बल्हरक के दासित्य में कमी करने या उन्नसे वचने में दुविधा के लिए; और/बा
- (क) एंगी जिन शी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

जतः अस, उक्त सिमिनिक की भारा 269-ग के जन्नरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, समाद्य ■—— 54—286 GI/° = श्रा हंसमुख लाल पंत्र बजानी

(अन्तरक)

श्रा नभ्मो दास पंग् बजानी ।

(अन्यस्ति)

को वह सूचना धारी कारके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपत संवति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी बहुधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- त्रद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिस्व :---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वनस्थी

पलौट नं० 2, जो तल मंजिल, मिस्किटा श्रपार्टमेन्ट, सेंट फांग्मास रोड, विले पालें (प०) बम्बई-400057 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्राई-2/37ईई/16119/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 5-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर श्रायुक्**त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 9-9-1985

अक्स बाह्री, दी, एन, एक् , न्यानगण्य

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-ज (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायक (निरीक्षण) श्रजन रेज-2,

बम्बर्ड, दिनांक 9 सितम्बर, 1985 निदेश सं2 ब्राई-2/37ईई/16597/84-85—-ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्बात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं । शाप नं । 2. सहाजनन्द, सान्याकू । (प०), बम्बई-54 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूषः में श्रीर जो पूर्ण रूप से विशिष्ठ हैं) श्रीर जिसा करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 केख अश्रीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रें हैं दिनकों र 19-1-1985

को पूर्वोक्त तस्पित के उचित बाबार मृस्य से कम के कश्यमन बितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्में बह बिश्वास करमें का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का खोचतें बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तों, एखे दश्यमान बितफल का पंद्रह प्रतिचात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए बय पाया गया प्रतिफल निम्नितियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियात में बास्तिकक रूप से अधिक नहीं किया गया है ;---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, धः भन-कर अधिनियम, धः भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के जिए।

श्रतः अव, जनत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, नी, उनत अभिनियम की भारा 269-म उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--

ा. श्रोतमती रीटा नरीन्दर कडार.

(ग्रन्तरक)

2 श्रं: बद्धमना मनमोहन दास गेथ, ग्रांप श्री अपेगा चद्रकान्त गेथ ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा सकरेंगे।

ग्रनुसूची

भाप नं० 2, जो सहाजन द को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 44-ए, टी०पी० एस० 4, सबवे रोड, श्रीर पहले रोड के कीने में, साताकूज, (प०), वस्बई-400054 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/16597/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राविकारः, वस्वई, ब्रास, दिनांक 19-1-1985 को रजिस्टडं किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, बस्बई

दिना 🤈 : 9-9-1985

मोहरः

प्रस्पुः बाह्यं, ठी. एन. एस. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश र्सं० ग्राई-2/37ईई/16932/84-85—श्रतः मुझे प्रशाँत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी में० फ्लैट नं० 303, भान्ता आशिश, वस्वई-56 से स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, की धारा 269 कख के अश्रीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई म रजिस्ट्री है दिनाँक 28-1-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचि । बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यक पूर्वोक्त संपरित का उचित आजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्षण से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से लिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और न्सरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

> दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीय, निम्नीलिखित अमितयों, जर्भात !--- मैसर्स भान्ती डवलोपर्स ।

(भ्रन्तरक)

 श्री दिनेश क्विष्न लाल दंगारवाला श्रीर श्रीमती सुधा दिनेश दंगारवाला।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वालेंच 🌣---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की समिध या तत्संबंधी स्पिक्तमाँ पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकावन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त सब्धों और वर्षों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं अ 303, जो शान्ता श्राफिश, ईर्ला लेन, श्राफ दादाभाई रोड, विलेपार्ले (प०) त्रम्बई-400056 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं अप्राई-2/37ईई/16932/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दनाँक 28-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक: 9-9-1985

मोहरः

्रप्रकप नाद*, टी., एन.⊴ एस...------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बन्बई बम्बई, दिनाँक 9 मितम्बर, 1985

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/16141-ए/84-85---ग्रतः मुझ प्रशाँत राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व की अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ० टेनामेन्ट, नं ० 23, इमारत नं ० 1, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिश्चित्यम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाँक 7-1-1985

को प्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वंश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, ज़िन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख़ियानी में सुविधा के लिए;

अतः जब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ां नधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रवीन कुमार स्नार० बर्वे।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रोहीन मनेक हिल्लूबाला ।

(धन्तरिती)

भ्रन्तिरती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्तिहै)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्तिः में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पच्टीकरण: ---- इसमं प्रयुवत शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

टेनामेन्ट, नं० 23, जो जुहू विकान्त को-क्षाप० हार्जिस मोसायटी, लिमिटेड, एच० वाय, जी० इमारत, नं० 1, समर्थ रामदाश रोड, जे० वी० पी० डी० स्कीम, बम्बई-49 में स्थन है।

अनुसूची जैउा कि क्र० सं० म्राई-2/37ईई/16141-ए/84-85 ग्रीर जो। सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनाँक 7-1-1985 र जस्टर्ड क्या गया है।

> प्रमाति राय मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, वस्बई

दिनाँक 9-9-1985 मोहर: प्रकष् वार्षः दी पुनः एसः प्रतानाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीत स्पना

भारत सरकाड

भायां स्वयं सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश मं० श्राई-2/37ईर्ड/16300/216347/84-85--- श्रतः मुझे प्रशांत राय

भावकर भििनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जसकी मं एलैंट नं के, चान्द को-श्रापि हाउमिंग सोसायटी जुहु, दम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर्जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिकारी के श्रिधिनियम की धारा 269 क्खा के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय बम्बई से रिजस्ट्री है दिनाँक । 11-1-1985

को पूर्वोवस सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बनारित की गई है और मूने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवस संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंश्वह प्रतिशत से अधिक है बीर बंतरक (बंतरकों) और बंसरिती (उन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निष्कृत में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण संध्यक्ष किसी भागवती वावत, सकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्ष्य उससे वचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 19? (1922 का 11) या उन्त् अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

जत: अब, उठत अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1), दे अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् ३—— 1. श्री नरेन्द्र रामचन्द ग्रडवानी ।

(श्रन्तरक)

- थी दिीना नाथ लगार श्रोर त्रीमती साधना लगार (श्रन्तरिती)
- 3. अन्त.रती।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह स्चना जारी करके पृथाकित सम्महित के अर्थन के लिए कार्यपाहियां करता हो।

उयत संपत्ति के अर्थन के मध्य में कार्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्तकों में से किसी ब्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन को तारीख से 45 दिन के भीतर उबद स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्व में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोक्षरणः --- ध्सर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

बन्स्ची

फ्लैट मं० ८, जं। दूसरी मंजिल, को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहू चर्च राड, जुहू, बस्बई-400049 में स्थत है।

श्रनुसूर्चा जैसा कि क० मं० ग्राई-2/37ईई/16300/84-85 श्रांत जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 11-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनाँक : 9-9-1985

प्रकृष् नार्वः दीः एतः एसः ------

ध्ययकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के वृभीन स्पना

मन्दत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, वस्वई
बस्बई, दिनाँक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/16249/84-85---ग्रनः मुझे प्रशांत राय

नायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने प्राप्तात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/14, मूर्ली गोपाल को-ग्राप० हाउ० सोसायटी बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269व ख में अधिन सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाँक 11-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाग्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कार देने के अतरक के दायित्व में कामी कारने या उसमें बचने में स्रिया के लिए वरिष्ण
- (थ) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या शन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान से स्विधा के निए,

अतः लख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ग्री, ग्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (पूरे चे अभीतः, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् रू--- 1. श्री भून्हीतयील भारथन

(भ्रत्यरक)

 श्री गोरौलन वेंकटरामन ग्रार श्रीमती लक्ष्मी गोरालन ।

(अन्तरितो)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्मत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सभ्पत्ति के अर्जन के शिष्ठ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

मन्त्रची

पत्रैट न० ए/14, जो मूर्ला गोनाव, का-प्राव० हाउसिंग मोनावटा तेजेराल स्कोत, त्रिवे पार्वी, (पु०), बस्बई-57 में स्थित है।

श्र तुमूचा जैसाहि क० स० प्राई-2 37ईई/16359/84-85 श्रोर जे। सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रास, दिनाँक 11-1-1985 को रजिस्दर्ध किया गया है।

प्रशांन राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक: 9-9-1985

प्ररूप वार्षं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बर्द, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निदेश सं० अर्ड $2/37 \frac{\sqrt[8]{5}}{2} \hat{\xi} \hat{\xi} \circ /176528/84$ 85 अनः मृज , प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लांट न० 151, है तथा शेर-ए पंजाबी, ग्रंधेरी (पु०), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप स वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख वं अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है, तार्गिख 17-1-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तिरत की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत सम्बद्धिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (स) एंसी किसी आय गा किसी धर्ग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति (ती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना पाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनिय। को धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन निम्नजिधित व्यक्तियों, अधीन निम्नजिधित व्यक्तियों, अधीन

া. श्रीमती इन्द्रा आनन्दः

(अन्तरक)

2. मैं ० तोलानी इंजीनियर्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

ं प्लाट नं० 151, जो शेर-ए2 पंजाब को० आप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, मोग्रा विलेज, ग्रंधेरी (पु०), बम्बर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई 2/37 ईई०/16528/ 84-85 ग्रींग जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 9-0-1981

श्रम्प द्वा**र**े टी. एस ्प

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) क्रीजधीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बस्बई, दिनांक 9 स्तिम्बर 1985

निदेश सं० अई 2/37 ईई०/16612/84 85 अन: मुझे, प्रशांत राय.

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिराका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिनकी संव प्तार नंव 292, शेर-एपंजाब, श्रृंधेरी (पु०), बम्चई में स्थित है (प्रांत इप्तमे उताबद्ध अनुस्ती में ग्राँद पूर्ण स्त से विभिन्न है), ग्राँद जिन्ना करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरा के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण सं हुई िकती आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक की एपिएन को कमी कारने या उन्नले अधने में गुबिधन के लिए। कौर/का
- (स) एपी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिजों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाना जानिए था लियाने में मुक्थिय के लिए

जतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को अनुसरण में, भी कक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती मोहिन्दर कौर विदीं।

(अन्तरक)

2. मै० तोतानी इंजीनियमी लिमिटड।

(अन्तरिती)

को भह सूचना दारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के प्रजन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

टक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षंप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्यक्तिस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा को उस प्रध्याय में दिया। गया है।

धन्यूची

प्लाट नं० 292, जो शेर-एपंत्राीं को० आप० हाउसिंग मोतायटी लिमिटेड, मोता, विलेज, श्रंधेरी (पु०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैना कि कुछ संठ अई 2/37 ईई०/16612/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 18-1-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सह्यया आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६०-ण (1) के कभीन मुजना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वाज्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, विनांक 9 सितम्बर 1985

निवेश सं० अई 2/37 ईई०/16352/84 85 अत: मुझें, प्रशांत राय,

भायकर किंपित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, बामनपुरी रोड़, श्रंधेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक अनु-सूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, तारीख 11-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने करने का कारण है कि सथाप्वाँक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उच्चेश्य से उचित अंतरण निम्निलिखत में वास्तिक रूप से किया गवा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त सीविनवम की बचीन कर दोने के बन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे व्यन में स्विधा को विष्ए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिसित अधिकताों, अर्थात् हि— 25—286 GI/85

1. मेसर्स पारीख वाज टिडर्स।

(अन्तरक)

2 श्री यू० इंद्रसेन।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हिल्ल

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकादन की तारीं से 45 दिन की जनींथ ना तत्त्रं किया क्यां किया पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सन्धि नास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां करों से फिसी क्यां दिन दुनारा;
- (क) इस सूचना की राषपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहरू किसी बन्य क्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास किस्तित में किए या सकति।

स्पत्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त बक्ते और वहाँ का, वो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में वीरभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

बयस्यी

फ्लैट नं० 10, जो एस० नं० 45, एच० नं० 13, कोंडिविटा विलेज, बामनपुरी रोड़, श्रंधेरी (पु०), बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37–ईई0/16352/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11–1–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 9-9-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269(व) (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निदेश सं० अई-2/37-ईई०/16118/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मंगल प्रभा, बिले पार्के (पु०), बम्बई-57 में स्थित हैं (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिक नियम, 196 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-1-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य से कम को इश्यमान प्रिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वतस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रन्थ, उसके श्वयमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का प्रश्नह प्रतिज्ञव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण 'सिखत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरभ ने हुए फिनी अस की वानता, उनता नीपीननन के अधीन कर दोने में बन्तरक औ कवित्य में कनी करने वा तकते वचने में सुनिधा से शिए; नीर/वा
- (वा) एसे किसी बाव था किसी थल वा अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वाँ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविधा को शिक्ष का

कए: बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन . निम्मिसिक्ट स्परितयों, अर्थातु :--- 1. श्री एम० आर० मुप्रक्रमनियन

(अन्तरक)

2. श्री एच० पी० बजानी।

(अनीतरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकासन की हारी है से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अनिध, जो भी जन्निथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा。
- (का) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों कर, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हाँ।

ननुसूची

फ्लैंट नं० 7; जो मंगल प्रभा, प्लाट नं० 411, गूजराती मंजील, चौथा रोड़, बिले पार्ले, (पु०), बम्बई-400057 में स्थित ही।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई०/16118/ 84-85 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-9-1985

मोहर:

शक्य भार^क, की, युग, एक, क्ल्ल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यात्म, बहाबक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निवेश सं० अई-2/37—ईई0/16589/84—85——अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांर जिसकी सं० फ्लंट नं० 11, विञ् पालें उद्यान, विले पालें, (पु०), वम्बई-57 में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णीत है), भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की 269क, ख के अवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी द्वारा के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-1-1985 को प्वांक्त सम्मत्ति के उचित वाचार नृत्व से कम के खबमान प्रतिक को निष् धंत्रित की नई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित वाचार मृत्व, उसके स्थमान प्रतिक से प्रतिक से, एसे क्यमान प्रतिक का पत्तह (तिवत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे क्यारण से विष् तय पाला स्वा अधिक , विम्नविचित स्वविक के स्थम से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) सम्बद्धण वं हुए कियी जान की वान्य, अन्य विश्वित्त्व के व्यक्ति कह देने के बन्दाक के द्वित्व में कभी बहुत या स्थल न्याने में सुनिया के जिए; आर/वा
- (च) पंची किसी बाय या किसी धन या बन्स कारित्यों की, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या चक्त क्षिधिनयम, या चन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- श्रीमती उषा उमाकान्त माहीमकर। (अन्तरक)
- श्रीमती एस० एस० माहीनकर और श्री एस० ए० माहीनकर। (अन्तरिती)
- 3. अन्तरिती। (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (6) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किस वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त कथ्यों भीर पर्वो का, थों उच्छ अधिनियम के अध्याय 20 क में परिश्राविक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं अ

अनुसूची

प्लैंट नं० 11, जो पार्ले उद्यान को० आप० ्उंत्र सोसायटी लिमिटेड, पार्क रोड़, विले पार्ले (पु०), बम्बई 400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37-ईई०/16589/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा विनांक 18-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त ।(निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9—9—1985

मोहर:

द्रवे,

शक्य **वाह**ै,<u>टी,एन,एस,</u>------

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मेथीन सुभना

MEG STATE

बार्योत्तव, तर्राव व मायवर मायुक्त (नि शिक्षण)

म्पर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनाँक 17 सितम्बर 1985 निदेश सं० III-987/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे, प्रबोध कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसनें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विस्तका उचित बाबार भूका 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० होस्डिंग सं० 392/286 थाना र्न० 4, पी० एस० कदमकुंग्रा, बी-ब्लाक, राजेन्द्र नगर, पटना-16 है, तथा जो पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपायब अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 8-1-1985

को पूर्वोक्त तरपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्रमबाब प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और बुक्के यह विकास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संवरित का बचित बाबार बूल्म, उसके क्रममान प्रतिकत से, एसे क्ष्ममान प्रतिकत का बंद्रह प्रतिवात से बधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्द्रितियाँ) के बीच एसे बन्दरक के सिए तब पामा बया प्रतिक क्ष निकासिक्ष उक्षक्ष से अवद बन्दरक विविद्य में बास्त्-विक कर ने कथित नहीं किया कमा है है—

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उच्त विध-विस्थ में वृत्रीय कड़ दोने के कथरक के दामित्व में कनी कड़ने वा कचने वृत्रमें में सूरिया के किए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्न अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिना

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की, अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उन्धारा (1) के मुखेन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- श्री श्रालोक मुखर्जी, 13, जोधपुर पार्क, कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रहण कुमार सिंह, 6-ए०, राजेन्द्र नगर, पटना-16।

(भ्रन्तरिती)

3. वही

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग) सम्पत्ति है)

का वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कर्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज ते 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी अविश्व द्वाराह
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ते. 45 बिन के भौतर उक्त स्थावर संपरित में दित-म्बूथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निविद् में किए वा सकोंचे।

रपक्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किंपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस कध्याय में दिया--गया है।

वन्स्ची

580.22 वर्गगज जमीन मय एक मंजिला मकान के जिसमें चार कमरे, दो स्नानघर, ढका हुग्रा बरामदा (ग्रन्दर) गराज तथा नौकरों का क्वार्टर हैं, जिसका होत्डिंग नं० 392/286, थाना नं० 4 पी० एस० कदमकुश्रां है श्रांर जो बी—ब्लाक, 65, राजेन्द्र नगर, पटना—16 में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसींका सं० 378, दिनांक 8-1-85 में विणित है श्रौर जिसका निबन्धंन रजिस्ट्रार ग्रांफ ऐसो-रेन्सेस, कलकत्ता द्वारा हुग्रा है।

पी० के० दुढे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 17-9-1985

मोहर:

संघ लोक सेवा प्रायोग गोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1986 नई बिरुली, विनांक 19 धक्तुवर, 1985

सं० एफ० 8/6/85-प० (ख)-संघ लोक सेवा माथोग द्वारा निम्नांकित कोर्सों में प्रवेश हेतु 4 मई, 1986 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा मायोजित की जाएगी:---

कोर्स का नाम तथा रिक्तियों की संभावित सं०

- (1) भारतीय सैन्य भ्रकावमी, वेहरादून, जनवरी, 1987 में प्रारम्भ होने वाला 82वां कोसं
- 150* [एन० सी० सी० (सेना स्कंध) "सी" प्रमाण-पत्न प्राप्त उम्मीदवारों के लिए भारक्षित 32*, रिक्तियो सम्मिलित हैं।]
- (2) नौसेना ग्रकावमी, कोचीन (जनवरी, 1987 में प्रारम्भ हो रहा कोर्स)

(क) सामान्य सेवा

- 48* [एन० सी० सी० (नौ सेना स्कल्घ) "सो" प्रमाण-पन्न धारियों के लिए 6* ग्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।]
- (ख) नौसेना विमानन
- 32*
- (3) बायु सेना श्रकादमी ए० एफ० ए० सी० कोयम्बद्धर [जनवरी, 1987 में प्रारम्भ होने वाले 141वां एफ० (पी०) कोर्स के लिए उकाम पूर्व प्रशिक्षण कोर्स]।
- 28* [एन० सी० सी० (वायु सेना, स्कन्ध) घरिष्ठ प्रभाग के "सी" प्रमाण-पन्न धारियों के लिए 8* भारक्षित रिक्ति सम्मिलित हैं।]
- (4) ग्रधिकारी प्रशिक्षण शाखा, मद्रास (भई, 1987 में प्रारम्भ होने वाला 45वां एस० एस० सी०) एन० टी० कोर्स
- 250^{*}

*उपर्युक्त संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

विशेष ध्यान: (1) उम्मीदवार को घावेदन पत्न के कालम 7 में यह स्पष्ट रूप से बताना होगा कि वह किन सेधाओं के लिए वरीयता कम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह प्रपनी इच्छान्तुसार जितनी वाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता-कम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भलीभाति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों को ब्यान में रखना चाहिए कि नीचे विशेष ध्यान (II), की व्यवस्था की छोड़कर उन पर केवल उन्हीं कोसी में नियुक्ति हेतु विचार किया जाएगा जिनके लिए धरीयता निर्विष्ट करते हैं, भ्रम्य कोर्स (कोसी) में नियुक्ति हेतु नहीं।

जम्मीववार द्वारा भ्रपने भावेदन-पक्त में पहुले निर्विष्ट बरीयताओं में वृद्धि/परिवर्तन हेतु भनुरोध को भागोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

किन्तु भारतीय सैन्य भकावनी भौर नौसेना/वायुसेना प्रकादिमयों में उम्मीदवारों की कमी हो जाने पर ही भिष्ठकारी प्रशिक्षणशाला की पहली पसन्व रखने वाले भौर भारतीय सैन्य अकावनी तथा नौसेना/ वायु चेना श्रकादिमियों हेतु यो ग्यताप्राप्त उम्मीदिवारों के मामले में उनके श्रास्यथा प्राप्त होने पर कोसों में प्रवेश पर निचार किया जा सकता है। विशेष व्यान—(II) स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए, भा० सैग्य मकादमी/नी सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी कोसे के इस परीक्षा से बचे हुए उम्मीदिवार यदि बाद में मल्प-कालीन सेवा कमीशन गैर तकनीकी) कोसे के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो निम्नलिखित मतौं के अधीन अपकालीन चेवा कमीशन (गैर तकनीकी) प्रदान करने के लिए विचारण योग्य हो सकते हैं। चाहे उन्होंने अपने आवेदन-पन्नों म इस कोसे के लिए अपनी पसंद नहीं बताई है।

- (i) यदि अपकालीन सेवा कभीणन (गैर तकनीकी कोर्स के लिए प्रतियोगी सभी जम्मीदवारों को लेने के बाद भी कमी है, ग्रौर
- (ii) जो उम्मीदवार प्रपकालीन सेवा कमीशन गैर तकनीकी) हेतु धरीयता व्यक्त न करने पर पी प्रिषक्षण के लिए भेजे जाते हैं, उन्हें योग्यता सूची के कम में उस प्रतिम उम्मीदवार के बाद रखा जाएगा जिन्होंने इस कोर्स के लिए विकल्प सूचित किया है, क्योंकि ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रयेश पा जाएंगे जिसके लिए के व्यक्त वरीयता के प्रनुसार हकदार नहीं है।

टिप्पणी I--एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध (वरिष्ठ प्रभाग)/(नौसेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाण-पत्न प्राप्त उम्मीद-वार अल्पकालिक सेवा कमीयन (गैर तकनीकी) कोसी की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चृंकि ग्रभी तक उनके लिए इस कोर्स में कोई ग्रारक्षण महीं है। ग्रतः इस कोर्स में रिक्तियों को भरने के लिए उ**न्हें** सामान्य उम्मीववारों की तरह समन्ना जाएगा। जिन उम्मीव-बारों को प्रभी एन० सी० सी० में "सी" प्रमाण-पद्म (सेना स्कन्ध)/बायु सेना स्कन्ध का (वरिष्ठ प्रभाग) (नीसेना स्कन्छ) की परीक्षा उत्तीर्ण करनी है, किन्सु प्रत्यथा के धारिक्षत रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पाझ हों, तो वे भी प्रापेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी० "सी" प्रमाण-पन्न (सेना स्कन्ध)/(वायु सेना स्कन्ध)/ (भी सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रमाग की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आई० एन० ए०/एस० एस० सी० (एन बी०) प्रथम विकल्प बाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय मर्ती 6 (एस॰ पी॰) (ई॰) नई दिल्ली-110022 तथा नीसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुक्क्यालय ग्रार० एण्ड ग्रार०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को श्रीर वायु सेना के प्रथम विकल्प थाले उम्मीद-बारों के मामले में पी० ग्रो० उ (ए०)/बायु सेना मुख्या-लय, विंग 7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लाक नं० 6, रामकृष्णपुरम मई विल्ली-110066 को 1 जनवरी, 1987 तक पहुंच जाए ।

ष्रारक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता की पानता हेनु उम्मीवनार ने राष्ट्रीय कैंबेट कोर में जो सेवा की हो वह सीतियर डिवीजन सेना स्कन्ध में 2 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो भीर सीनियर डिवीजन वायु सेना/नैसेना स्कन्ध में 3 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो भीर धायोग के कार्यालयों में मावेदनों की प्राप्त की मंतिम तारीख को उसे राष्ट्रीय कैंडेट कोर से मुक्त हुए भारतीय सैन्य मकादमी/नीसेना मकावमी/थायु सेना धकादमी कोसं के लिए 24 मास से मधिक न हुए हों।

टिप्पणी II—भारतीय सेना झकादमी कोसं/वायु सेना झकादमी कोसं/ नौ सेना झकादमी कोसं में एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध/ सीनियर दिबीजन बायु सेना स्कन्ध/सेना नौसेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाण-पत्नद्वारी उम्मीदवारों के लिए झारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए परीक्षण परिणाम के झाद्यार पर झहुंता प्राप्त इन उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई झारक्षित रिक्तियों के अनारक्षित समझा जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

ष्यायोग द्वारा भ्रायोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा बोर्ड में योग्यता प्राप्त उम्मीद-वारों के लिए भायोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के श्राधार पर उपर्युक्त कीर्सों मैं प्रवेश दिया जाएगा।

(क) परीक्षण की योजना स्तर और पार्ह्यचर्मा, (ख) धकावनी/ णाला में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर खया (ग) भारतीव तेना धकादमी नौ सेना धकादमी धिकारी प्रशिक्षणशाला और वासु तेना धकादमी म प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की खेवा धादि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्षमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

टिप्पणी: परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्नों में केवल यस्तुपरक
प्रश्न पूछे आएंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण
कृपया परिशिष्ट II पर "उम्मीदिशारों को सूचनार्थ विवरणिका" में देखिए।

2. परीक्षा के केश्व--धगरतसा, ग्रहमवाबाव, एजल, इलाहाबाव, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, विस्त्ती, विस्तुल (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, इटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहांट, कोहिमा, लखनऊ, मब्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्टब्लेयर, रायपुर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिवपति, विवेन्द्रम, जवयपुर धौर विशाखायत्तमम।

ग्रायोग यदि चाहे तो उत्तर परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारी खों म परियर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी ग्रायोग परिस्थितिषण किसी उम्मीदवार को ग्रंपनी विवक्षा पर ग्रालग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेण दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (नीचे पैरा 11 देखिए)।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध धन् रोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार प्रपने उम केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीका हेतु प्रपने मावेदन में निर्विष्ट किया था तो उसे सचिव, संब लोक सेवा मायोग को इस बात का पूरा भीजिस्य बताते हुए एक पक रिजस्ट इंडाक से भवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे यन्योधों पर गृणवत्ता के झाधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 4 झश्रेल, 1986 के बाद प्राप्त भन्दोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- 3. पानसा की शर्तीः
- (क) राष्ट्रिकसाः

उम्मीदबार या दो---

- (1) भारत का नागरिक हो, या
- (2) भूटान की प्रजा हो, या
- (3) नेपाल की प्रजा हो, या
- (4) तिश्वती शरणार्थी, जो स्थायी रूप से मारत में रहने के इरावे से 1 जनवरीं, 1962 से पहले झा गया हो, या

(5) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, अर्मी, श्रीलंका भौर पूर्वी भाकीकी देश जैसे कीनिया, उगांबा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका भौर जंजीबार), जाम्बिया, मालाबी, जैरे भौर इथोपिया भौर वियतनाम से प्रव्रजन कर स्राया हो।

परम्तु उपर्युक्त वर्ग (3), (4) और (5) के अन्तर्गत ब्राने वाला उम्मीदवार ऐसा प्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पानता प्रमाण-पन्न प्रदान किया हो।

लेकिन नेपाल के गोरखा उम्मीववारों के लिए यह पासता प्रमाण-पक्ष भावक्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए पात्रता प्रमाण-पक्ष भ्राषप्यक है उसे उक्त परीक्षा में इस शतंं पर भ्रमंतिम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि सरकार द्वारा उसे भ्रावश्यक प्रमाण-पक्ष संघ सोक सेवा भ्रायोग द्वारा परिणाम की घोषणा से पहले दे दिया जाए।

(च) धामुसीमाएं, लिंग या वैवाहिक स्थितिः

- (1) धारतीय सैन्य प्रकादमी के लिए: केवल ऐसे प्रविवाहित पुरुष उम्भीदवार पास है जिनका जन्म 2 जनवरी 1963 से पहले का तथा 1 जनवरी, 1968 के बाव का न ही।
- (2) नौ सेना भीर बायु सेना भकावमी के लिए : केवल भविवाहित पुष्प उभ्मीनवार पाल हैं जिनका जन्म 2 जनवरी 1965 के पहले भीर 1 जनवरी 1968 के बाद न हुआ हो।
- (3) प्रशिकारी प्रशिक्षणशाका के लिए: केवल नहीं पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या प्रविवाहित) पांच है जिनका जन्म 2 जनवरी, 1962 के पहुले पौर 1 जनवरी 1968 के बाद न हुआ हो।

टिप्पणी -- जरम की तारीख केवल वही माध्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/ हायर सैकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपक्ष में लिखी गई हो।

जिन उम्मीदवारों में मा० से० भ्रकादमी/नी सेना भीर नायु सेना के लिए पहनी पसन्त बताई है, उन्हें चयन स्टाक द्वारा सरयापन के प्रयोजन हेतु सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षारकार के लिए उपस्थित होते समय प्रायु का प्रमाण (मूल रूप में) प्रस्तुत करना है।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं:

- (1) भारतीय सेना भक्तावमी, नौ सेना श्रकावमी और श्रिष्ठ-कारी प्रशिक्षणधाला के लिए किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की डिग्नी या समक्रम योग्यता,
- (2) बायु सेना प्रकावनी के लिए—किसी मान्यता प्राप्त विश्वन विद्यालय से भौतिकी भौर/या गणित विषय के साथ डिग्री या समकका। जिन उम्मीदवारों ने प्रपनी डिग्री परीक्षा भौतिकी भौर/या गणिद के धलावा धन्य विषय सेकर उत्तीर्ण की है वे भी पाल हैं, किन्तु भर्त यह है कि उन्होंने हायर सेकेन्डरी परीक्षा (बुरामा पैटनें) या स्कूली शिक्षा 10-1-2 पैडनें के घन्यांत 11 में/12 जें स्नर की परीक्षा या कोई समकक परीक्षा गणित भौर भौतिकी विषयों के साथ उन्होंने की हो।

नी क्रेन|बायु केना की पहली पसन्य वाले स्तातकों को ग्रेजुएशन के प्रमाण के क्ष्य में प्रोविजनक सर्टिफिकेट सेवा प्रयत कोई पूरा होने के दो सप्ताहों के घरवर कमका सेना मुख्यालय (रिकृटिंग) (6 एस० थी॰) (ई०/ती सेना मुख्यालय (प्राप्त० एवड धार०सेन सन)/वायु सेना मुख्यालय डाक्यर 3 (ए) को मस्तुत करना है। जो उम्मोदनार धभी डिग्री, परीक्षा में उलीर्ण होने बाले हैं, वे भी धावेवन कर सकते हैं परम्तु उनको डिग्री परीक्षा में उलीर्ण होन का समाग धाई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प बाले उम्मीववारों के मामले में सेना मुख्यालय चर्ली 6 (एस० पी०) (इ०) नई दिल्ली→110022 तथा भी सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौसेना मुख्यालय/धार० एण्ड धार०, सेना भवन, नई दिल्ली→110011 को धौर वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में भी० धो० 3 (ए०)/वायु सेना मुख्यालय, विंग 7, प्रथम तथा, वेस्ट ब्लाक नं० 6, पामळुष्णपुरम, नई दिल्ली→110066 को निम्नलिखित तारीख तक पहुंच जाएं जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीदवारी रह हो जाएगी।

- (1) मा० से० धकावमी, नौ सेना तथा वायु सेना धकादमी में प्रवेश के लिए 1 जनवरी, 1987 तक या उससे बहुले।
- (2) भ्रधिकारी प्रश्निकामाला, मधास में प्रवेश के लिए 30 ग्रजैल, 1987 तक या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के वास व्यावसाधिक भीर सकतीकी योग्यताएं हों जो सरकार द्वारा व्यावसायिक भीर सकतीकी विग्नी के समकक मान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा के लिए पाक्ष होंगे।

श्रपबाद की परिस्थितियों में भ्रायोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निधरित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, भैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर द्वायोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

- टिप्पणी 1---ऐसे उम्मीववार जिन्हें कियी परीक्षा में सभी कहेंना प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा सायोग की परीका में बैंडने की क्रमुमति दे वी है, उन्हें नोट कर केना चाहिए कि उनको दी गई यह विकेष छूट है, उन्हें कियी उलीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है सौर कुनियादी अहंक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से सायोजित किए जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्स था सन्य किसी कारण से इस तारीख को सौर सागे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी सनुरोध को स्थीकार महीं किया जाएगा।
- टिय्थणी 2-- जो जम्मीवबार रक्ता मंत्रालय द्वारा रक्ता सेवाधों में किसी प्रकार के कमीधान से ध्रवर्णित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पाल नहीं होंगे। ध्रगर प्रवेश दिया गया तो उसकी उम्मीववारी रह की जाएगी।
- टिण्वणी 3-- विशेष तथा भाविकों को छोड़कर बाकी नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर प्रशिक्ष साम्मिलत हैं), जिनको बापने निमस कार्य पूरा करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा ने बैठने के पाल नहीं होंगे। जिन विशेष तथा नाविकों को बापने निमत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके बावेबन पत तभी लिए जाएंगे जब वे जनके कनांडिंग झफसरों के बारा निधरित कप में झनुशंसित हों।
- 4. बावेदन प्रवक्ष के साथ देय मुल्क: ६० 28.00 (अठ्टाइस स्पत्रे)। जिन श्रावेदन-प्रपत्नों के साथ यह निर्धारित मुल्क नहीं भेजा जाम्मा जनको एकदम अस्वीकार कर दिया जान्मा।

कन्सूचित जातियों/प्रनुसूचित जनजातियों से संबद्ध उन्मीदवारों की कोई मुल्क मही देना पड़ता है।

5. सुल्त से छूट: प्रायोग यदि साहि तो, निवारित सुल्क से छूट दे सकता है जब उसको इस बात का प्राक्तासन ही कि प्रावेदक सूटान, पूर्वी शांकित्यान (प्रव बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित ध्यक्ति है ओ 1-1-64 और 25-3-1971 के बीच की प्रविध में भारत में प्रवजन कर ग्राया है या तत्कालीन पश्चिम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित

व्यक्ति है, जो पहली जनवरी 1971 तथा 31 भाग, 1973 के बीच की प्रविध के धौरान प्रव्रजन कर भारत प्राया था या यह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावितत भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन कर प्राया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्या-वितित प्रारतीय मूलक व्यक्ति है जो प्रक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के प्रक्तित 1 नवस्त्रर, 1964 को या उनके बाद भारत श्रीया है या शाने याला है और निर्धारित मुल्क वे सकने की स्थिति में तहीं है।

- 6 प्रावेदन कैसे किया जाए: केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा मई, 1986 के लिए निर्वारित पक्र में छपे हुए मावेदन-पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। प्रावेदन-पत्र भर कर सिषव, संघ लोक सेवा मायोग, घौलपुर हाऊस, नई दिल्ली—110011 को मेजे जाने चाहिएं। मावेदन प्रपन्न मौर परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राग्त किए जा सकते हैं:——
 - (1) वो रुपये का मनीझाईर या संब लोक सेवा प्रायोग के सचिव को नई विल्ली प्रज्ञान डाकथर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल धाईर भेजकर, सचिव, संघ लोक सेवा झासीम, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
 - (2) को रुपये नकद देकर प्रायोग के कायालय के काउन्टर पर।
 - (3) निकटतम मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालय नौसेना तथा बायु मेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुरूकः।

मानेदन-प्रवन्न सथा पावती कार्ड उम्मीदवार के हायों द्वारा स्थाही वाली कलाम या वालपेन से ही भरे जाने चाहिएं। सभी प्रविष्टियां शक्दों में होनी चाहिएं रेखाओं या विन्दुओं में नहीं। प्रभूरा या गलत भरा हुआ मावेदन-पन्न रह कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्वान रखें कि झावेदन-पत्नों को भरते समय भारतीय झंकों के झस्तर्राब्द्रीय कप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि झावेबन-पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों, यवि प्रविष्टियां भपाठ्य या भामक होंगी तो उनके निर्वेचन में होने वाले भ्रम तथा संविग्नता के लिए उम्मीदनार उत्तरवायी होंगे।

उम्मीदवारों को प्र्यान रखना चाहिए कि भायोग द्वारा भावेदन-पक्ष में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पक्ष भादि स्वीकार महीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें भावेदन-पत्न सही कप से भरने के लिए दिशेष सावजानी बरसनी चाहिए।

सभी उम्मीववारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामिश्व वाले भौषोगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाधों में नियुक्त हों, प्रायोग को सीधे भावेदन-पन्न भेजने चाहिएं। भगर किसी उम्मीववार ने अपना भावेदन-पन्न भपने नियोक्ता के दारा भेजा हो और वह संघ नोक से वा भायोग में देर से पहुंचे तो उस भावेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा, मले ही वह नियोक्ता दारा भाखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में माकस्मिक या दैनिक वर कर्मचारी, से इतर स्थायी या घस्यायी हैसियत से या कार्यभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या ऐसे कर्मचारी जो लोक उद्यमों में कार्यरत हैं, उन्हें यह परिजचन (धन्छरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से मपने कार्यालय/विभाग के घष्ट्यक्ष को सूचित कर विया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए धानेदन किया है।

जम्मीवकारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि धायांग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए धावेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध धनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलना है तो उनका धावेदन-पत्र धस्वीकृत कर दिया जाएगा धीर उनकी उम्मीववारी रह कर क्षे जाएगी।

सशरत सेना में काम कर रहे उम्मीदवार अपने आविदन-पत्न अपने कर्मांडिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन प्रपन्न के भाग 'ख') को धर करके आवीग को भेजेगा।

7. भरा हुआ धावेवन-पन्न धावश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा धावोग, धौलपुर हाऊस, नई विल्ली—110011 को 16 दिसम्बर, 1985 (16 दिसम्बर, 1985 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालम, धरणाचल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, बिचुरा, सिक्कम, जम्मू धौर कवमीर राज्य के लहाख प्रमाग, हिमाचल प्रवेश के लाहौल धौर स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंदल, धंडमान धौर िकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप धौर विवेशों में रहने वाले उम्मीद-धारों के धौर जिन उम्मीद-धारों के धौर जिन उम्मीद-धारों के धौर जिन उम्मीद-धारों के धावेवन उपपुक्त में से किसी एक इलाके से बाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 30 दिसम्बर, 1985 तक या उससे पहले अक द्वारा धवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं धायोग के काउन्टर पर धाकर जमा करा विया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने बाले किसी भी धावेवन-पन्न पर विचार नहीं किया जाए गा।

असम. मेवालय, अद्याचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू भौर कश्मीर राज्य के लहा अभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, तथा चंबा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप भौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि धह 16 विसम्बर, 1985 से पहले की किसी तारीख से असम, मेवालय, अद्याचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहा अभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकोबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- टिप्नणी (1): जो उम्मीवनार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले भाषेदन की प्रस्तुति हेतु में भितिरिक्त समय के हकतार हैं उन्हें भाषेदन-पत्न के संगत कालम में भपने पतों में भितिरिक्त समय के हकतार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात भ्रसम, मेचालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लहाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए भ्रष्यया हो सकता है कि उन्हें भितिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- हिष्यणी (2): उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि अपने अविदान पल को स्वयं सं० को० ते० सा० के काउन्टर पर अमा कराएं भ्रथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा मेजें। माबोग के किसी सन्य कर्मचारी को विए गए भावेदम-पत्नों के लिए आयोग उत्तरवानी नहीं होगा।

8. प्रलेख जो झावेदन के साथ नेवे जाएं:

(क) सभी उम्मीदवारों द्वाराः

(1) रु॰ 28.00 (प्रटुआइस रुपए) का मुस्क ओ सचिव, संघ जोक सेवा आभोग को नई दिल्ली, प्रधान काकवर पर देव रेखांकित भारतीय पीस्टल झाउँर के रूप में हों वा सचिव संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य खाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी साखा ते जारी किए गए रेखांकित बैंक द्वाच्य के रूप में हो।

भगुबुणित जातियों/धनुबुणित जन जातियों ते तंबक सम्मीदवारों को कोई गुरुक मही देना पड़ता है।

हिष्यणी: उम्मीदवारों को प्रयने प्रावेदन-पन्न प्रस्तुत करते समय बैंक कृष्ट की पिछली भीर सिरे गर भ्रपना नाम सथा गता श्रिकन का बाहिए। पोस्टल पार्करों के मामने में उम्मीदवार वोस्टल भार्कर के पिछलीं भीर इस प्रयोजन के निष्कृ निर्धारित स्थान पर भ्रपना नाम तथा पता निर्धे। विवेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वै अपने यहां के भारत के उच्चायुक्त या राजदूत का विवेशी प्रतिनिधि के कार्यालयों में निर्धारित शुक्त इस प्रकार जमा करें जिससे यह "051 लोक सेवा प्रयोग परीक्षा शुक्त के खासे में जमा हो जाएगा और उसकी रसीव भावेवन-पत्र के साथ भेज दें।

(iv) मायुका प्रमाण-पतः :--- मायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समक्त माने गए प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा भनुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रिजस्टर में वर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समृत्रित प्राधिकारी छारा प्रमाणित हो। उम्मीववारों को चूर्जोक्त मैट्रिकुलेशन या समकक्ष प्रमाण-पत्न की वो मनुत्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां भवश्य प्रस्तुत करनी वाहिएं। किन्तु जिस उम्मीववार ने हायर सेकेण्डरी परीक्षा या कोई समकक्ष परीक्षा उत्तीर्णं कर नी है वह हायर सेकेण्डरी परीक्षा प्रमाण पत्न या समकक्ष प्रमाण पत्न की वो मनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत कर सकता है।

आमु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुरवली, पथपन्न, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार वहीं किए जाएगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मैड्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पक्ष" वाक्यांश अन्तर्गत उपर्युक्त वैकक्ष्पिक प्रमाण पत सम्मिलित हैं।

कथी-कथी सैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष में जन्म की सारीख मही होती या धायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे नामनों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उन संस्थान के हेड मास्टर/प्रिस्सिपल से लिए गए प्रमाण पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के जाति चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीण की हो। इस प्रमाण पक्ष में उस संस्था के वाद्यास रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या बास्तविक आज सिखी होवी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि विद मावेदन पक्ष के साथ इस अनुवेशों में बचा निर्वारित आनु का पूरा प्रमाण महीं गेचा गवा सो आवेदन पन्न अस्थीकार किया जा सकता है। दिप्पणी (1):—जित उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पन्न हो, उसे केवल आ सु से सम्बद्ध प्रविष्टि बाले पृथ्व की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि केजनी चाहिए।

टिप्पची (2): - उम्मीदनार यह ध्यान रचें कि आवीग उम्मीदनार

की जन्म की घसी तारीख को स्वीकार करेगा जो

कि आवेदन-पक्त प्रस्तुत करने की तारीख को मिट्टकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न या
समकक परीक्षा के प्रमाण पत्न में दर्ज है और इसके

वाद पत्नमें परिवर्तन के किसी अमुरोध पर न तो

विभार किना जाएगा और न उसे स्वीकार किया
जाएगा।

हिल्लाणी (3): — जम्मीवबार यह भी मोट कर लें कि उनके द्वारा किसी
परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीखा एक बार
घोषित कर लेने और सायोग द्वारा छसे अपने अभिलेखा
नेंं वर्ण कर लेने के बाद उसनें बाद में या किसी परीक्षा
में वरिवर्णन करने की बनुमति नही दी आएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण-गत्र की शिश्वप्रमाणित/प्रमाणित प्रति:—उम्मीदवार की इस आणय के प्रमाण-गत्र की एक अनप्रमाणित/प्रभाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास पैरा ३ (क) में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उपमीदवार द्वारा इसके इस प्रकार अजित कर कैने की सम्भावता है कि वैरा ३ (ग) में विहित तारीख तक इसको उत्तीर्ण करने का प्रमाण दिया जा गके। जो प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए, यह वही हो जो योग्यता विशेष को देने वाले प्राधिकरण अर्थातं विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकार हारा जारी किया गया हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उम्मीयवार को उसके प्रस्तुत न करने की बजह बतानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह अपेक्षित योग्यता रखेने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के अध्वार पर विचार करेगा पर इसे प्रयोग को प्रमाण के किए बाध्य नहीं होना।

वायु सेना अकादमी के बास्ते प्रतियोगिता में बैठ रहे उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यता के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री या समकक्ष •परीक्षा उत्तीर्ण करने के विष्यविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अनप्रमाणित/ प्रमाणित प्रति म यदि गरीक्षा विष्णों का उल्लेख न हो तो उसे विस्त्र-विद्यालय प्रमाण-पद्ध की अन्वप्रमाणित्र विभागित पति के साथ-साथ प्रधाता-चार्य, विभाग के प्रधान के प्रमाण-पता ती अनुप्रमाणिन प्रमाणित प्रति अवस्य प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें दर्शाया गया हो कि उसने भौतिकी और/ या गणित परेक्षा विसय के रूप में लेकर अर्रक परेक्षा उर्ति पं की है। किन्तु यदि उम्मीदवार ने अपनी डिशी या मनकक परीक्षा भौतिकी और/या गणित के अंलावा अन्य जियमों के साथ उनीर्भ की है तो उस डिप्री या सनकन प्रनागनक को अनुस्तानिस्त्रनागित प्री के साथ-**साथ वि**रव्यातिय|कीर्ड की हायर सेकेन्डरी परीजा (पुराना पैटर्न या स्कली णिक्षा 10 + 2 पैंटर्न के अन्तरत 1 1ये 1 2वें स्तर की परीक्षा या समकक्ष परीक्षा हत्तीर्ण करने के प्रमागनव नी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तृत करनी चाहिए। फिन्तु ऐसे मानले में यदि हायर सेकेन्डरी परीक्षा (गुराना पैटर्न)/मन्त्री णिला के 10+2 पैर्टन के अन्तर्गत 1 विं/ 1 2वें स्तर की परीक्षा उनीर्ण करने के विकायियालय/ बोर्ड के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में परीक्षा विषयों का उल्लेख न हो तो सम्बद्ध हैडमाण्डण/प्रिनियल हे अमाग-गर की अनुप्रमाणिन/ प्रमाणित प्रति अवस्यं प्रस्तुत की जाए जितमें यह दर्शांग गया हो कि **उम्मीदवार ने** उक्त मरीक्षा गणित और भौतिकी परीज्ञा निषय के रूप में लेकर उत्तीर्ण की है।

- (4) उपस्थिति प्रत्नक (आवेदन-गत्न के साथ संलग्न) विश्वित्रत भरा हुआ।
- (5) इम्मीटबार के हाल ही के पागपोर्ट आकार (लगभग 5 सें के मी × 7 सें के मी •) के फोटो की एक जैनी दो प्रतियों जिनके अपरी हिस्से पर उम्भीदवार के हस्लाक्षर विधिवत् अंकित हों।

कोटो की एक प्रति आवेदन प्रमत के गहते पृष्ठ पर और हमरी -प्रति उपस्थिति पत्नक में दिए गए निर्धारित स्थान पर विपका देनी बाहिए।

- (6) लगभग 11.5 में० मी०×27.5 सें० मी० आकार के विना टिकट लगे 3 लिफाफे, जिल्ला पर आपका पता लिखा हो।
- र (ख) अनुमूजित जातियों अनुमूजित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा अनुमूजित जातियों अनुमूजित जन जाति के होने के दावे के समयत में जहां उम्मीदवार या। उनके माता-शिता (वा जीवित माता वा तिता) आम तौर पर रहते हो उस जिले के सक्षम प्राविकारी (प्रमाण-पद्ध के नीचे उल्लिखित) से पश्चित्रण्ट अ में दिए गए प्राव में तिल् गए प्रमाण-पद्भ की अनुप्रमाणितं प्रमाणित प्रतिलिपि।

 56—78 6GI/85

(ग) ग्लक से छूट चाहने वाले उम्मीदवारो के द्वारा:

(i) किसी जिला अधिकारी या राजावित अधिकारी या संध या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणिन/प्रमाणित प्रतिलिधि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदबार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्निचिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि:

- (क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति:
 - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों के शिविर कमांडैंट।

अथवा

(2) उस इलाके का जिला मजिल्द्रेट जहां पर वह फिलहाल रह रहा हो।

अथवा

(3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

(4) सब-डिबीजनल अफसर अन्ती अधीनस्य सब-डिबीजन की सीमा तक।

अयवा

- (5) शरणार्थी पुनर्वास उपापुक्त परिवमी बंगाल/निदेशक (5 विसन), कलकत्ता।
- (ख) श्रीलंका से प्रत्यार्वीतन:--श्री लंका में भारत का उच्चायुक्त।
- (ग) बर्मा से प्रत्यावित :-भारतीय राजदूनावास रंगून, या जहां का वह रहने वाला हो,
 उस क्षेत का जिला मजिस्ट्रेट।
- (घ) तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान । त्रिस्थापित व्यक्तिः
- (1) विभिन्न राज्यों के ट्रोजिट केन्द्रों तथा राहत शिवि**रों के** कैम्प कनान्डेट।

अथवा

(2) उस इलाके का जिता मजिल्द्रेट जहां वह किनहाल रहता हो।

अथवा

(3) अपने जिते के शरणार्थी पुनर्वात के प्रभारी अतिरिक्त जिला मिलस्ट्रेट।

अथवा

(4) अपने प्रभार में सब-डिवीजन के अन्दर सब-डिवीजनल अधिकारी।

अथवा

- (5) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त ।
- (घ) भा० सेना अकादमी और वायु सेना अकादमी और नौ सेना अकादमी कोर्स में अतिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतियंगियों में भाग लेने वालें एन० सी० सी० (गी०) प्रशास-पत्र (सेन्ट स्कन्ध/वायु सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग/नौ सता स्कन्ध) प्राः उम्भीदकर्षे द्वाराः

यह दिखाने के लिये कि उनके पास एन० सी० सी० "भी" प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/वायु सेना/नौ सेना स्कन्धं का वरिष्ठ प्रभाग है अथवा वह एन० सी० गी० "सी" प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध/ नौ सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रभाग परीक्षा में अवेश ले रहा है/प्रवेश ले चका है, इस आशय के प्रमाण-पर्व की अनुप्रभागित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को आदेदत-पत्न के साथ भेजे गए सभी प्रमाण-पत्नों की अनुत्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर हस्ताक्षर करके तारीख लिखनी है।

- 9. शुल्क की वापसी—आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुरूक वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए स्रिकित रखा जा सकता है:---
 - (1) जिसे उम्मीदवार ने विधित्ति भल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैटने नहीं दिया उमकी एक 15.00 (पन्द्रह रूपए) वापस कर दिया जाएगा परन्तु यदि कोई आवेदन यह मून्ना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्री परीक्षा में अनुतीर्ण हुआ है या डिग्री गरीक्षा में उत्तीण होने का प्रभाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुन नहीं कर पाएगा तो उस उम्मीदवार को शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।
 - (2) जो उम्मीदवार मई, 1985 या अक्तूबर, 1985 में आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवां परीक्षा में कैंग हो चौर उनमें से किसी परीक्षा के परिणाम के आधार पर विकी कोर्स के लिए उसका नाम अनुजयित हुआ हो ती उसके मामले में कि 28 00 (अट्टाईस स्पए) का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है, कि मई, 1986 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रह कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 अक्तूवर, 1986 को या उससे पहले पहुंच नाए।
- 10. श्रावेदन-पत्ने की पावती .— आयोग के कार्यालय में देर से प्राप्त श्रावेदन-पत्नों सिंहत प्रत्येक श्रावेदन-पत्न की पावती दी जाती है तथा श्रावेदन-पत्न की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को श्रावेदन-पत्न की रिजिस्ट्रेशन सं० जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के श्रावेदन-पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित श्रंतिम तारीख से एक मास के श्रंदरं पावती नहीं निराती है तो उसे तत्काल श्रायोग से पावती हेतु संपर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को ग्रावेदन-पत्न की रिजस्ट्रेशन संख्या जारी कर दी गई है ग्रपने ग्राप यह प्रथं नहीं है कि ग्रावेदन-पत्न सभी प्रकार पूर्ण है ग्रीर ग्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. श्राबेदन का परिणाम:—श्रागर किसी उम्मीदवार को श्रामे श्राबेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा श्रुष्ट होने की तारीख से एक महीने पहले तक श्रायोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए श्रायोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। ग्रागर इस बात का पालन नहीं हुश्रा तो उम्मीदवार श्रापने मामले में विचार किए जाने के श्राधिकार से वंचित हो जाएगा।
- 12: परीक्षा में प्रवेश: —िकसी उम्मीदवार की पात्रता या ग्रपावता के संबंध में संघ लोक सेवा श्रायोग का निर्णय ग्रंतिम होगा। श्रायोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्न के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—उम्मी-दवारों को चेतायनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्न भरते समय कांई गलत विवरण न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी भी प्रलेख या उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह की संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न ही फेर-बदल किए गए गढ़े हुए प्रलेख को प्रस्तुत करें।

ग्रगर इस प्रकार के दो या इसमें ग्रधिक प्रलेखों में या उनकी ग्रनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिमों में कोई भ्रणुद्धि या ग्रसंगति हो तो इस ग्रमंगित के बारे में स्पर्धीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नोकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है:---

- (1) किमी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्रान्त करना; या
- (2) किमी व्यक्ति के स्थात पर स्वयं प्रस्तुत होना;या
- (3) ग्रयने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुन करना; या
- (4) जानो प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रतेख प्रस्तुन करना; या
- (5) ग्रशुद्ध या भ्रमत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अभिवित या अनुचित लाम उठाने का प्रयास करना;
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
- (8) उत्तर पुस्तिका(प्रों) पर ग्रसंगत वार्ते लिखी **होंया** ग्रण्लील भाषा या ग्रभद्र ग्राणय की हों; या
- (9) परीक्षा भवन में श्रीर किसो प्रकार का दुर्ध्यवहार किया हो; या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए ग्रायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेणान किया हो या श्रन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमित देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो; या
- (12) ऊपर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदात्रार की ब्रोर प्रवृत्त ोतः या ऐसा करने के लिए किसी को उत्तेजित करना।

वह अपने को दण्ड अभियोजन का णिकार बनाने के अतिरिक्त :---

- (क) वह जिप परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए भ्रायोग . द्वारा भ्रयोग्य ठहराया जा सकता है; भ्रयवा
- (ख) (1) भ्रायोग द्वारा उनको किसो भी परीक्षा का चयन के लिए।
 - (2) केन्द्र सरकार द्वारा उनके प्रधीन किसी नियुक्ति के स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट प्रविध के लिए। ग्रयवर्जित किया जा सकता है, यौर
- (ग) प्रगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित तिय-मात्रली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पान होगा। फिन्तु पर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तुब तक नहीं दी जाएगी जब तक:---
 - (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित श्रभ्यावेदनं, जो वह देना चाहे, प्रस्तुन करने का श्रवसर दिया गया हो; श्रीर
 - (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समग में प्रस्तुन अन्यावेदन यदि कोई हो, पर विचार न कर निया गया हो।
- 14. मूल प्रमाण-पत्नों का प्रस्तृती करण: तेवा चयन बोर्ड के साक्षा कर में ग्राह्ता प्राप्त करने वाले उम्मोदवारों में से ग्राई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकटन वाले उम्मोदवारों के मामने में सेना मुख्यालय/भर्ती 6 (एम० पी०) (ई), नई दिल्ती-110022 को तथा नौ सेना के प्रथम विकटप वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/ग्रार० एण्ड ग्रार० सेना भवन, नई दिल्ली 110011 को या

वायु सेना व प्रश्नम विवस्प वाले उम्मीद्यारा के माना ने पाठ प्राठ 3(ए)/वायुंगना मुख्यालंग, विग ७, प्रथम गण, विश्व द्यार तठ ६, रामकृष्णपुरम, नई दिक्ला-110006 की अपनी श्रीमीण कोगतायों स्नादि के समर्थना में अपने मुल प्रमण-पत्नी हो. वेस चान बोर्ड के साक्षात्कार के पूरा होने के दो सल्वाहों के प्रन्दर और 1जनवरी, 1987 [एग०एस०मी० (एम०टी०)] ह प्रथमों में 30 स्रप्रैल, 1987 प्रस्तुत कर्ने होंगे। उक्त प्रमाण-पत्नों को संव राजुनसाणिय प्रतिनिष्धों या फोटीस्टेट प्रतियां किसी भी स्थित में स्वायार महा को जाएगी।

15 धादेदन के सम्बन्ध में पत्न व्यवहार:— प्रायेदन के सम्बन्ध में सभी पत्न-व्यवहार सचिव, संघानाक ऐवा आयोग, धालपुर हाइम, नई दिल्ली-110011के पते पर करना चाहिए और उन पे धमनाहित विवरण अवस्थ हाना नाहिए।

- (1) परीक्षां का गाम 1
- (2) परीक्षा का वर्ष और महोना।
- (3) श्रावेदस-पत्न की पंजीकरण संख्या/अनुकर्माक गा जन्म की तारीख (श्रमर श्रावेदन पंजीवारण सर्वाञ्चनुक्रमाक वही मिला है)।
- (4) उम्मीदेवारों का नाम (पूरा ग्रीर साफ रिधा ुंगा)।
- (5) पत्न-व्यवहार का पता जैसा ग्रावेदन पत्र में रिया है ।

विशेष ध्यान—(1) जिन पत्नों के साथ उपर का व्यास नहीं होगा, हो सकता है, उस पर कीई कारवाई न हो।

(2) यदि किसी परीक्षा का समाप्ति के बाद किसी जम्मीदबार से पत्र/पत्नाधि प्राप्त होता है तथा इसमें जसका पूरा नाम आर अनुकराक गरी दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जल्ला। और उस पर काई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

16. पते में परिवर्तन — उद्दर्भादवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में बिए परे पर भेजे जाने बाले पत्न आदि आवश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजा दिए जायें। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊतर के पैरा 15 में उत्तरिक्षत विवरण के साथ आयोग को यथायोद्य सूचित कर देना भारिए।

सेवा चयन बोर्ड गत्कात्कार के लिए प्रायंग द्वारा प्रनशसित उम्मी-दवारों है प्रगर परीक्षा के लिए प्रायंग करने के याद गणा पता बदल दिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिए प्रायंग करने के परिणाम प्रापत हो जाते ही प्रपत्ता नाम, पता तत्काल सेना मुग्यात्रम, ए० जां प्रायंग, रिकृटिंग 6 (एस० पी०) (ई०) (11) बेस्ट ब्ल.६ 3, विग 1 रामाकुण्णपुरम, नई दिल्ली—110022 क्रीर बायु रंगा मुग्यालय (ती० ग्रो० 3), नई दिल्ली—110011 को सूचित कर देना चाहिए। जा उम्मीदवार इन ग्रादेशों का पालन नहीं करेगा वह गवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मत-पत्र ने मिली पर अपने मामते में विधार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार ने परिवर्तनों पर पूराप्रा ध्यान देते हैं फिर भी इस संस्वन्ध में वह अपने अगर कोई जिम्सेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखिन परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के मानास्कार के सम्बन्ध में पूछताछ:—जिन उम्मीदवारों के मान गैया गयन बोर्ड के मानास्कार के लिए अनुशासित है उनको अपने सामानार के नम्बन्ध में समी पूछ-ताछ और अनुरोध सीधे सेना मुगाला, एक जांव कि मूर्टिंग 6 (एम० पी०) (ई०) (i!) बेस्ट ब्लाह 3, विम ा, रानाहरणपुरम, नई दिल्ली—110022 और वायु सेना उम्मीदयान के लिए पी० और 3 (ए)/वायुसेना मुख्यालय, विग 7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लाह नंव 6, रामकरणपुरम, नई दिल्ली—110066 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्माद्रवापुर का नाजातकार ग्रान्ताम् नग्न गए स्मान-पत्न द्वारा , स्पित तम नहिं । सम्भान का ने स्व का नाम नाम नामातकार हेतु स्थिति ग्रान्ती है। सामातकार का स्थान गरमें से सम्बन्ध अनुरोध पर वेवल वर्गा विभाग के ने गोर प्रतिक्रम सुविधा को ध्यान में स्वकार हो बिद्धार दिया प्राप्ता विभाग विभाग कि विष्या कि विद्यार प्राप्ता विभाग विभाग स्व विद्यार हो विद्यार हो । सुनाम स्व विद्यार हो से सुनाम स्व विद्यार हो । सुनाम सुनाम स्व विद्यार हो । सुनाम सु

विभिन्न सेवा चयन केम्डो पर तेय ज्याः सोई के शनक साक्षास्कार हेतु भुवाने गरे उम्मोदबार प्रस्ते ताय निम्तीनीयन वस्तुर्वे लायेंगे:---

- (क) सफ़ेव कमीज में पापपोर्ट शाजार कोटो की 6 प्रतियां।
- (ए) विश्वर और वस्त्रव (शीनव के प्रकृतार)।
- (ग) नहीद करायां योग हत्य पेन्टा है दो जोड़े।
- (प) एक जोती पील टीज के नमीद जुल और दो जोड़े सफीद मोजे।
- (३) रेंबों और कवीतों के साम्मेंहै।
- (च) फान्टेन पेन. स्याही और पेन्सिल १
- (छ) पृत्र पालिय और सफेद अपैको।
- (ज) एक मच्छर्दाकी।

विशेष ध्यान — यदि कि दी असी दक्ष को भारतीय सैन्य अकादमी हैं। अन्तुवर 1986 तथ धीर अधिकारी असी आकायाना हेतु जनवरी, 1987 तथ सेवा चयन वाड के साक्षात्मार के विषे साक्षात्कार पत्र प्राप्त नहीं होता है का उस सेवा पुल्यान असी कि (एक पीर) (ईरु), वेस्ट ब्लाक 3, रामाकृष्णपुरा, नर्व दिल्ली — 1100,66 की साधात्कार पत्र न मिलने के बारे में सिखना नाहिये।

18 लिज्यि परीका के परिना म की दोषणा योज्यता शास्त उम्मीदवारों का साक्षास्कार, अन्तिम परिजाम की द्योषणा और अन्तिम रूप से योग्य पाये गर्ने उम्मीदकात कर प्रजिक्षण कींग्र में प्रवेश :--

मंत्र कोळ सेवा प्रायोग विषया से लिखित परीक्षा के लिये निर्वारित त्यूनतम प्रेक प्राया करने वाले उम्बोतायों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्भीदवार उन नहीं प्रविष्टिया के लिये किनके लिये उन्होंने प्रदेश प्राप्त हो है बोद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिस होते।

नी उम्मीदरार याई० एन० ए० (ती० ई०) कोनी श्रीस्था नी में।। (एन० ई०) कार्य होत्ता याय सेना श्रक्तवर्धा कोर्स की निष्टित परोक्षा में श्रह्तता श्राप्त करने हैं, जहें वे एस० एए० मी० (एन० दी०) कोर्स के जिने अर्थन। श्राप्त करने हैं। नहीं उनकी निम्मस्थ्रित्रस्य 1986 में सेना चयन बोर्ड के परीक्षण के निने में ता जिन्म श्रीप जो उम्मीदवार केनत एन० एस० सी० (नग० ही०) कोई ने निये श्रहंसा श्राप्त बरते हैं, उनको दिसम्बर, 1986/जनकरी, 1987 मंसेना चयन बोर्ड के परीक्षणों के निने भेजा जायेगा:

उत्पीदिवार सेवा जान बीड के नामने श्रीलिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहां परोक्षणों में जानिन होंगे, और सेवा नोई में उनके जो परीक्षण होता है. उनके दौरान वा उसके फलमाह्य अगण उनकों कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिये सरकार की प्रोर्टोंस कोई अनिद्धित का सहायता पाने के से एक इस नहीं होंगे, चोहे वह किसी उपनित्त की लायण्याही से हो या दूरि किसी कारण से हो उपनीवदेशों को अवेक मात्र के साथ संलग्न वाव में उन जाय के होंगे अपनी वाव पर हरे जो करने होंगे। स्वीकृति है। उपनीवदारों को (ं) विभाग निर्माण कार्य हरे जो कारण वाव वोई के प्रशेष को के अववाद की की अववाद की लिया वाव वाव है। अपनी वाव वाव के साथ सेवा वाव वाव है। अपनीवदारों को प्रभाग का वाव वाव है के प्रशेष के सेवा कारण निर्माण की स्वाद होंगे की सेवाल कार्य के सेवा के अववाद की की सेवाल कार्य के सेवाल होंगे के अववाद की की सेवाल कार्य के सेवाल होंगे। अववाद की की सेवाल कार्य के सेवाल की सेवाल के प्रभान की सम्बंध में उपनिवास की की सेवाल की सेवाल

परीक्षा में सफल होने माझ से भारतीय मेना प्रकादमी, है तो सेना अकादमी, वायु सेना अकादभी या अधिकारी प्रणिक्षणणाला में जैसी स्थिति हो प्रवेश का कोई प्रधिकार नहीं सिलेगा। अन्तिम-चयन णारीरिक समता और अन्य सभी य'तो में उपपुक्तता के अतिरिका उपलब्ध रिक्तियों की ख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यना के अस रे किया जायेगा।

टिप्पणी:—वायु सेना, नौ सेना विमानन के प्रत्येक उम्मीदवार की पायलट सम्बन्धी प्रामिक्ष्य का परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अत. पहले मरीक्षण में जसने जो ग्रेड प्राप्त किया है, उसकी बाग सेना चयन कोई में लिये जाने बाले बाद के प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीवार किया.जायेगा। जो उम्मीदवार पायलट सम्बन्धी प्राभिक्षि के पहले परीक्षण में फेल हो जाता है, वह भारतीय वायु सेना की (एफ० पी०) शाका भीसेना विमानन हेसु प्रवेश के लिये धावेदन नहीं कर सकता।

19. प्रणिक्षण कोर्म में प्रवेश के लिये प्रहेतायें:---जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी, भारतीय सेना धकादमी, सायु मेना उड्डयन महा-विद्यालय, नौ सेना धकादमी, कोचीन और ध्रधिकारी प्रणिक्षणणाला मदास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर धन्शासिनक खाधार पर वहां से निकाल दिये गये हैं, उनको भारतीय सेना धकादमी, नौ सेना धकादमी, वायु सेना धकादमी या यल सेना धकादमी में धल्पकालीन सेना हमीणन में प्रवेश देने की वात पर यिचार नहीं किया जायेगा ।

जिन उम्मीवनारों को एक ग्रधिकारी से ग्रपेक्षित लक्षणों के ग्रभाय के कारण पहले भारतीय सेना श्रकादमी हो बापस किया गया हो उनकी भारतीय सेना श्रकावमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

जिन उम्मीदयारों को स्वेचल एट्टी नेवल कैडेट्स के रूप में पहले कृत लिया गया ही पर बाद में एक श्रधितारों में अरोधिन लक्षणों के श्रभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा पंचादनों या नौतेगा प्रतिष्ठानों से यापस किया हो ये भारतीय नौ सेना में प्रयेश के पाल नहीं होंगे।

जिन उम्मदवारों की एक प्रधिकारी में घ्रपेक्षित लक्षणों के घ्रपाध के कारण भारतीय सेना धकादमी, घ्रधिकारी प्रणिक्षणणाला, एन० सी० सी० तथा स्नातक कोर्ग से वापस लिया गया हो उनके बारे में यल सेना में घल्पकालिक सेवा कमीणन देने की वात पर विवार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों की एक प्रधिकारी में प्रपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण एन० सी० सी० तथा स्नातक कोस से पहले वापस किया गया गया हो, उनको भारतीय सेना फ्रकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

20. भारतीय सेना श्रकादमी या नी सेना श्रकादमी या वाय् सेना श्रकादमी में प्रशिक्षण के समय निवाह पर प्रतिबन्ध: — भारतीय सेना श्रकादमी और गी सेना श्रकादमी या वाय् सेना श्रकादमी के कीर्स के उम्मीदवारों की इस बात का चयन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे भादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार श्रपने भानेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसकी प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जायेगा चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में भादी कर लेगा उसे नापस भेजा जायेगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया वह सब उससे वसूल किया जायेगा। भ्रष्ट्यक कोलक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाट्यश्रम का कोई उम्मीदवार:

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ गादी की ही या भादी के लिये सर्विदा कर ली हो, जिसकी पहले से कोई जीवित पति/पत्नी है या ठी।
- (ख) जिसने पहले से जीवित पति/परेंसी होते हुए भी किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिथे संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश अर्ल्पकालिक सेवा कमीशन की प्राप्ति का पान्न नहीं होगा।

परस्तु यदि केन्द्रीय मरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि इस तरह की सादी ऐसे व्यक्तियों के लिये और गावी की दूसरी तरक के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तियन कानृत के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के ध्रांस्य ठीस कारण हैं तो किसी अ्यक्ति को वह इस नियम के ध्रमुपालन में छूट दे सकती है। 21. भारतीय सेना पान दमा या ती गा। प्रकादमी या वाय सेना प्रकादमी में प्रशादण के नगप प्रत्य प्रशादण — भारतीय सेना प्रकादमी, नी सेना प्रकादमी या गाव सेना प्रकादमी में प्रयोग प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूरिं तमाणन के निषे विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना प्रकादमी या गी सेना प्रकादमी या याग् सेना प्रकादमी में प्रशासण के लिये प्रतिन रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनकी बीर किसी भी साक्षारणर या परीक्षा में प्रयोगित होने की प्रवासन नहीं दी जायेगी।

जो उम्मीदवार भारतीय सैन्य अकारेमी/ती सेना प्रकादमी/ताय सेना प्रकादमी/ताय सेना प्रकादमी/ताय सेना प्रकादमी/ताय सेना प्रकादमी/ताय सेना प्रकादमी से स्थान पत्र हो दिचार विधा जा सकता है बामाँ किं उस कोर्स विभेद में स्थान प्राची हो।

22 संघ लोक तेस गायोग ने "संघ लोग सेश प्रांगोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हेत् उम्मीद्यार विवरणिका" गीएक से एक समृत्य पुम्तिका छापी है। यह इस उद्देश से छापी गई है जिससे संव लोव सेव धाव की परीक्षाओं या ध्यानों के भागी उम्मीद्याओं को समुख्या मिल सके। यह पुम्तिका प्रधान कि लका, विविच्च लोहरस, देहली—110054 के पास विका के लिए गुलम है सौर इस छासे भीके मेल आईर द्वारा या नक्ष भृतान पर प्राप्त किया जा एकता है। इसमें केवल नवद भगतान पर (1) दिल्ला सहन, रिवोणी विवेमा के सामने, एम्पोरिया विविद्या, "सी" बताक, बाबा प्रदेश निह्मां, निह्मां, निह्मां के सामने, एम्पोरिया विविद्या, "सी" बताक, बाबा प्रदेश निह्मां, निह्मां के दिल्ली—110011 पर स्थित प्रकाणन भाषा का प्रकाण कर प्रदेश प्रदेश प्रकाण कर प्रकाणन भाषा का प्रकाण कर प्रदेश से कि सामने है। मैन्द्रस भारा गरहार के प्रकाणने से विविद्या मुण्डिया का सकता है। मैन्द्रस भारा गरहार के प्रकाणने के विभिन्न मुण्डिया बहरों में स्थित एजेंटो से भी जनलाव है।

्ष अध्याता मृष्यात, उप-मृश्विय

परिशिष्ट -- 1

(परीक्षा की मोजना, स्तर फ्रीर पाठप वियरण)

1. परोक्षाकी योजना

- 1 प्रनिवर्धिकः परीक्षाः में निम्यनिध्वा समिमिधित होगाः--
 - (क) नीचे के पैरा 2 में निदिय्ट रीति से लिखित परीक्षा,
 - (ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और श्विकागा परीक्षण (इमपरि-णिष्ट के भाग ख के अनुवार) के लिये गक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक भविसेज गलेक्शन संस्टर में सक्षात्कार के लिये बुलाया जामे।
- तिथित परीका के विषय, उनके लिए दिया जाने चाला समय और प्रत्येक विषय के लिए नियन प्रधिकतम ग्रंक पिम्नलिखित होंगे--

(क) भारतीय सेना घ्रमान्धी में प्रयेण के लिये

<u>यि</u> ५ य		ঘণ্ডা	श्रद्धिकतम अंक
1. अपंत्रेजी .		 2 मण्डे	100
2. सामान्य भान .	•	2 घण्टे	100
 प्रारम्भिक गणित 		2 घ¢टे	100

(ख) नौ सेता श्रकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	ग्रधिकतम् ग्रंक
ग्रनिवार्यः		
ा धरोजी	. 2 घण्टे	100
^{के} 2 सामत्य ज्ञाव , .	, 2 घण्टे	100
यै क हिपक		
*3. प्रारम्भिक गणि। या प्रारम्भिक भौ	तकी 2 घण्टे	100
*4. गणितयाभौतिकी	2 घण्टे	150

*जो उम्मीदबार प्रारम्भिक गणित लेगे उन्हें घोषे प्रश्निपव में भौतिकी विषय लेता होगा तथा को उम्मीदबार प्रारम्भिक भौतिकी सेंगे उन्हें चीषे प्रश्निपत्र में गणित विषय लेता होगा।

(ग)	ជាមោក∀ោ	प्रशिक्षणशासः	ĪΪ	স্থ্য	क निय
-----	---------	---------------	----	-------	-------

विषय .	<u>भयधि</u>	भ धिकतम शंक
1. ग्रंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	े घण्टे	100

वाय सेना सकादमी में प्रवेश के लिये

बि षय			द्यवधि	धधिकतम संक
1. ग्रंग्रेजी			2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान		,	2 घण्टे	100
3 प्रारम्भिकगणित	,	•	2 घण्टे	100

लिखिन परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो प्रधिकतम प्रंक नियन किसे गये हैं, वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे प्रधात भारतीय केना प्रकादमी, नौसेना प्रकादमी, अक्षार ट्रेनिंग स्तूल, धौर थायू सेना धकादमी में भर्ती के लिये लिखिल परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत धिकतम धंक कमगः 300, 450 धौर 200 धौर 300 होंगे।

- 3. समस्त विषयों के प्रश्न पन्नों में केयल वस्तुपरण प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों महित विग्नृत विवरण कृपया परिणिष्ट 5 पर उर्ग्यादयारो को सूचनार्थ विवरणिका में देखिये।
- प्रधन-पक्षों में जहां भी घालश्यक होगा केयल तील घोर माप की मीटरी पद्धति से मम्बिन्धित प्रथमों को ही पूछा जायेगा।
- 5. उभ्मीदवारों को प्रश्त-पत्नों के उत्तर धपने हाथ से लिखने चाहिये। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्तों के उत्तर लिखने के लिये लिखने याले की सहायता गुलभ नहीं की जायेगी।
- 6 परीक्षा के एक या सभी विषयों के ग्रहंक ग्रंकों का निर्धारण ग्रायोग की विश्वका पर है।
- 7. उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्न-पत्नों (प्रश्न पुस्तिकामों) के उत्तर देने के लिये कैपकुलेटर का प्रयोग करने की धनुमित नही है। धतः वे उसे परीक्षा भवन में न लायें।

छ. परीक्षा का स्तर धीर पाठ्य विवरण

₹तर

प्रारम्मिक गणित के प्रश्न-पत्नों का स्तर मैद्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न-पत्नों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

धन्य विषयों में प्रश्त-पत्नों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्तातक से धनेक्षा की जा सकती है।

इन में से किसो भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

पाट्य विशरण

मंग्रेजी (कोड सं० 01)

प्रकारत इस प्रकारका होगा कि जिससे उम्मोदवारकी ग्रंप्रेजी ग्रीर कांग्रेजी के शब्दों के बीध की परीक्षाकी जा सके।

सामान्य ज्ञान (कोडरां० 02)

सामाध्य ज्ञान तथा साथ में समनामियक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे भीर धनुभव किये जाने थाले इसी तरह के मामले के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित क्यक्ति से घपेक्षा की जा सकती हैं, जिमो किसे वैज्ञानिक विषय का विशेष घट्यपन न किया हो। प्रकान पक्ष में भारत के दिनिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रकान भी होगे जिनका उत्तर उम्मादयार को उन विषया का विशेष प्रध्ययन किये विना देना चाहिये।

प्रारम्भिक गणित (कोइसं० 03)

र्शक गणित

संख्या पद्मतियां: --धनपूर्ण संख्यार्ये, पूर्णांक, परिमेय घौर वास्तविक संक्रियार्थे, मूल संक्रियार्थे---ओड़, घटाना, गुणन घौर विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि:--समयतया दूरी, समय तथा कार्य प्रतिणतता, साधारण तथा चक्रवृद्धि स्थाज में धनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, धनुपात धीर समानु-पात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत :--विभाजन की कलन विधि प्रभाज्य भीर भाज्य संख्यामें, 2, 3, 4, 5, 9 घीर 11 द्वारा विभाज्यन। के परीक्षण घपवर्तत्व भीर गुणन खण्ड/गुणन खण्डन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लच्च-त्तम समापवर्तक, युक्लिब की कलन विधि।

भाषार 10 तक लघुगुणक, लघुगुणक के नियम, लघु-गणकीय सारणियों का प्रयोग।

र्व। जगणित

प्राधारभून संकियायें: साधारण गुणन खण्ड 1 योप फल प्रमेय, प्रकृति का महत्तम समापवर्तक धीर लघुत्तम समापवर्त्य रिद्धांत । द्विध समीकरणों का हल इमके मूलो धीर गुणांको के बीच सम्बन्ध (केवल बारतिबक्त भूल पर विचार किया जाए) । दो धन्नात राणियो में युगपत रेखिक इ.सं.क रण-विक्लपण भीर प्राफ सम्बन्धी हल । दो घरो में युगपत रेखिक धितमकार्ये भीर उनके हल प्रायोगिक प्रकृत जिनसे दो चरों में दो युगपत, रेखिक समीकरण या श्रसिमिकार्ये बनती है या एक घर में द्विधात, समीकरण तथा उनके हल, समुक्चय भाषा तथा समुक्चय श्रंकन पद्धति, परिसेय व्यजक तथा प्रतिबन्ध तस्समक पातांक नियम।

विकोणमिति

ज्याXकोटिज्या, Xस्पर्श रेखाXजत 90 $^{\circ}$ $\angle X$ \angle 90 $^{\circ}$ क्याXकोटिज्या, Xस्पर्श रेखाXका मान वयोकिःX X 0 $^{\circ}$, 30 $^{\circ}$

45°, 60° म्रोर 90° सरल क्रिकोणिमसीय तस्समक । विकोणिमतीय सारणियों का प्रयोग । अंबाइयों मौर दूरियों के सरल कोण ।

ण्योमिति :

रेखा भीर कोण, समतल घीर समतल घाकृति: निम्तिलिखित पर प्रमेय:——(1) किसी विन्तु पर कोणों के गुण धर्म, (2) समांतर रेखाएँ, (3) किसी विभुज की भुजायें घीर कोण, (4) विभुज की सवैगसमता समरूप विभुज, माध्यिकायों घीर शीर्ष लम्बों का सगमन, (7) समान्तर चतुर्भुजों, धायात घीर वर्ष के फोणों भुजायों के विकल्पों के गुण धर्म, (8) वृत्त घीर उनके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा धामिल हैं, (9) स्थानिल संयक।

विस्तार कलनः

यगों, आयतों, समानांतर चतुर्मुजों, त्रिमुजों धीर यृत्तों के क्षेत्रफल। उन ब्राह्मितों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती है। (क्षेत्र वहीं) घनामों का पृष्टीय क्षेत्रफल तथा धायतन लम्ब वृत्तीय शंक्रफों भीर बेलनों का पार्थ-पुटाय तथा धायतन/गोलकों का पृष्टीय क्षेत्रफल तथा धायतन।

भासियकी:

सांक्रियकी सच्यों का संप्रहण तथा सारणीयन । झालेखी निक्यण वारम्बारता यहुगुज झायात विझ शलाका चार्ट, पाई चार्ट धादि केन्द्रीय प्रयृत्ति के माप रेखाओं के बीच कोण ।

त्रारोम्मक नातिका (कांड स० ०५)

- (ह) किनार हा। --पावन के मापक, मोठ जोठ एसठ और एमठ हेउ एनठ मालाहा प्रदेश प्रीर गिरिए। बन ग्रीर वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानस्वरण। एक समानस्वरण के ग्रीन ऋजुरेखीय गति। स्टूटन का गति नियम। बल की संकल्पन बल के माल्लक। माला ग्रीर भार।
- (ख) पिण्ड का बल विज्ञान:—-गुरूत्य के ग्रधीन/समानान्तरण बल।
 गुरूत्य केन्द्र साम्यवस्था/माधारण मशीन/विग श्रनुपात श्रानत समतल/पेंच
 भीर गियर सहित विभिन्न साधारण मशीन/पर्यण, चर्यण कोण. घर्यण,
 गणाक कार्यणिक ग्रीर उर्जा, शिनिज भीर सनिज उर्जा।
- (ग) तरल गुणश्रमं --दाव ग्रीर प्रशोद/पास्त्रल का नियम। आर्कमिश्रीज का नियम। धनत्व ग्रीर विशिष्ट गुरूत्व पिण्डों ग्रीर द्रव्यों के विशिष्ट गुरूत्वों को निर्धारित करने के लिये प्राक्तिश्रीज के नियम का अनुश्रयोग। 'लवन का नियम के भैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाव का मापन। बोलो नियम/वायु पम्प।
- (प) ताप पिडों का रेखिक विस्तार ग्रीर द्रव्यों का घनाकार विस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा धामासी विस्तार। ट्रचाल्म नियम परम शृत्य बायल ग्रीर चार्ल्स नियम, पिण्डों ग्रीर द्रव्यों का विणिष्ट ताप कनोगेनिन/ताप का सचरण, धातुग्रों की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन । संलान ग्रीर वाष्पन की गुप्त उष्मा। एम० पी० वी० पी० नमी (ग्रादंना ग्रीमाक भ्रापेक्षित ग्रादंता।)
- (इ) प्रकाण ऋजुरेखीय मंचरण। परिवर्तन के नियम गोलीय दर्पण, श्राप्ततंत्र के नियम, लैन्स, प्रकाणित यंत्र कैमरा प्रक्षेपित, पारापार चित्रदर्शी दूरवीन, सूक्ष्मदर्शी, बादनीक्पूलर तथा परिदर्शी, प्रिज्म, प्रकाणे के माध्यम से श्राप्यतंता।
- (च) <u>ह्विति :--- इदिति संचरण, ह्विति परिवर्तत, भ्रतुनाद/ह्विति दामी</u> रोत का भ्रभिलेखन।
- (छ) चुन्नकत्व तथा नियत चुन्वकत्व के नियम, चुन्वकीय क्षेत्र, चुन्वकीय क्षेत्र, चुन्वकीय क्षेत्र, चुन्वकत्व । चालक ग्रीर विशे ग्रीमिनयम, पी० डी० प्रतिरोधक विग्रुत चुन्वकीय वल, धेणी पाइवं में प्रतिरोधक । विभवमापी विग्रुत चुन्वकीय बल की तुलता । विग्रुत धारा का चुन्बकीय प्रभाव । चुन्वकीय क्षेत्र में संवाहकता । फलींग का वाम हस्तिनयम । मापक यंत्र धारामापी एमीटर, वोल्ट/मीटर, वाटमीटर विग्रुत धारा का रासायितक प्रभाव, विग्रुत लपन, विग्रुत चुन्वकीय प्रेरण, केरोडे नियम, वेसिक ए० सी० तथा डी० मी० जिनत्र ।

- भौतिकी (कोड गं० 06)

1. पदार्थं के सामान्य गुण और यांत्रिकी)

यूनिटें और विभायें, स्केलर और वेस्टर, मान्नायें, उड़त्त्र, आहुर्ण, कार्य ऊर्जा और संवर्ग। यांत्रिकी के मृल नियम, घूर्णो गति, गुस्त्वाकर्षण सरल आवर्त गति, सरल और असरल लोलक, प्रत्यास्थता प्रष्ठ तनाव, द्वव की शयानता, रोटरी पम्प।

2. ध्वनि :

अवसंदित, प्रणोदित और मुक्त कम्पन, तरंग गति, डाप्तर, प्रभाव, हविन तरंग वेग, किसी गैस में ध्विन के वेग पर दाव तापमान और/आईता का प्रभाव, डोरियों, झिल्लियों, और गैम स्तम्भों का कम्पन, अननाद विस्तंद. स्थिर तरंगे। ध्विन का आवृिन वेग का तीव्रता। पराश्वव्य के मूल तत्व। श्रामों फोन, टाकीज और लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धान्त।

3. उपमा और गतिविज्ञान:

तांतमान और उनका मापन: तांपीय प्रजार, भैसो में समनापी तथा होष्म परिवर्तन। विभिष्ट कृष्मा और उम्मः स्वकाता, द्रश्य के अनुपति संद्वात के तत्व, वाक्टसमन के विनरण निमा सा भौतिक बोध, बाडस्वाल क अवस्था समीकरण. जल थामसन, प्रभाव सैसों का टवण कृष्मा ईंधन, कार्नाट्यमय, उष्मागांत विज्ञान ६ नियम और उनका सरूत अन् प्रयाग । कृष्णिका विकिरण ।

4. प्रतान

ज्यामितीय प्रकाशिको । प्रकाश का वेग, समतन्त्र और गोतीय ५६ठों पर प्रकाश का परिवर्तन और अपवर्तन । प्रकाशीय प्रतिविम्बों में गोतीय और विशिक दोष और उनका विनावरंग । नेन्न और अन्य प्रकाशित यंत्र । प्रकाश का तरंग सिद्धात, व्यक्तिकरण ।

5. विद्युत और चुम्बकत्व

वियुत्त क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के विद्युत और चुम्बकीय गुण धर्म, हिन्टेरिसस, चुम्बकीशीलना और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र, भूविंग भैग्नेट एण्ड मृत्यि क्षेत्रहार आहे. प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिय मिकट, एलिमेन्टम के गुण और धर्म और असका निवारण; ताप विद्युत प्रभाव; विद्युत, चुम्बकीय प्रेरण प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन/ट्रामफार्मर और मोटर, इलैक्ट्रानिक वाल्य और उनका सरल अनुप्रयोग।

6. आधुनिक भौतिकी

बार के परमाणु मिद्धात के तत्व, इनैक्ट्रांम गैसों द्वारा विद्यूत क विसर्जन, कथोडर। रेडियो एक्टिवता, कृतिम रेडियो एक्टिवता आइसोरो विखण्डन और सलयन की प्रारम्भिक धारणा।

गणित (कोड सं० 04)

1. बीज गणित:

समुच्चयों का बीज गणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रतिलोभ युक्त फलन, तुल्यता, सम्बन्ध- प्ररिमेयसूचकांक के लिये द- मीयवर क प्रेमेय और उसका सरल अनु⊱यंग ्

2. भेट्रिसेम:

मैट्रिनेस की बीजिक्रिया, सारिणिक सारिणयों के सरल गुण, सारिणिक के गुणनफल, सह खण्ड आब्यूह; मैट्रिनेसों का प्रति लोभन, मैट्रिक्स की जाति। रेखिक समीकरण के हल निकालने के लिये मैट्रिसेस का अनुप्रयोग (तीन अज्ञात संख्याओं में)।

3. विक्लेपिक ज्यामिती

द्वितिम को विश्लेषिक ज्यामिति, सरल रेखार्ये, सरल रेखाओं की जोड़ी, वृत्त निकाय, परिक्लय, दीर्बगृत अति।रिक्लय (मुख्य अग्राों के सन्दर्भ में) द्वितीय अंग समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पर्शे रेखाये और अभिलम्ब।

दिविन की विश्लेपिक ज्यामिती:

समतल, सीधी रेखाएं और गालक (केवल कार्तीय निदेशक)।

4. कलन (कैलकुलत) और विभिन्न समीकरण:

अवकल गणितः सीमात की संकल्पना, वास्तविक पर फलन का सातत्व और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरोत्तर अवकलन रोल का प्रेमेय। मध्यान प्रेमेय भैक्लारिन और टेलर सीरिज (प्रमाण आवश्यक नहीं हैं) और उनका अनुप्रयोग परिमय। सुबकाकों के लिये द्विपदप्रसरण चरघातांकों प्रसरण, लघुगुणकीय विक्राण वित्तीय और अतिपरिकलविक फलन। अनिर्धारित रूप। एकल चर फलन का उच्चिप्ट और अलिप्ट, स्पर्गरेखा, अभिलम्ब, अथः स्पर्गी, अधोलम्ब, अनन्त, स्पर्गी वक्षका (केवल कार्तीय निर्देणाक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग। एनक्तेप आशिक अवकलन। समागी फलनों के सम्बन्धित आयलर प्रेमेय।

समाकलन गणितः समाकलन की मानक प्रणाली। मतन फलन के निश्चित समाकलन का रीमान-परिभाषा। समाकलन गणितः का हल निश्चिता। निशम्ब, गुणाक के साध्ध द्वितीय और उप बनाकृति का पृष्ठीय श्रीक्काल। सक्ष्यारमक समाकलन के बारे में सिम्प्यसमन का नियम।

अवकल समीकरणा. प्रथम काटि के मानक अवकट प्रमाहण का हल निकालना। निगम, गुणांक के साथ दिनीय और उज्ज्वार कोटि के रेखक समीकरण काईहल निपालना। विद्व और अव की नाम्याओं का सरल अनुप्रयोग, सर्णल हारमोनिक मपांतरण। सावारण पर्याण और समीविण ।

5. यांत्रिक (वेक्टर शद्धति का उपयोग किया जा सकता है)।

स्थिति विज्ञानः समतितीय तथा सभाभी यती को नाष्यपस्था की स्थिति। साधारण नत्थों के गृष्टव नेन्द्र। स्थैतिः पर्यंण, नाष्यायपंग और सीमांत अधं आधर्षण कीण। सक्ष्यानत समतिन पर के चहा की नाष्यावस्था किल्पन काय (दो आयामों में)।

गति विज्ञान: शुद्ध और विज्ञान ऋण वा स्वन्ध, वेन, वारा और विस्थापन, अपिक्षिक विग। निरस्तर त्यरण भी अवस्था है सीवी रेखा की गति। त्यूटन गति सध्वन्धी सिवास्त। केन्द्र हक्षा। तथा प्राप्तवा गति (नियति में) गृह्हवावस्था में गति। अत्वेग कार्य और उर्जी रेखिक संवेग और उर्जी का संरक्षण। समान वर्तन गति।

6. सांध्यिकी प्राधिकता: प्राधिकता की जास्त्रीय और साझ्यकीय परिभाषा, चयत्मक प्रणाली की प्राधिकता का परिकलन. योग एवं गणन प्रेमेथ, अप्रतिबन्ध प्राधिकता। यादृष्टिक चर (विविश्त और अप्रिस्त) चनत्व, फलन, गणितीय प्रस्याणा।

मानक वितरण : द्वाद वितरण परिभाषा, माध्यम और प्रगरण वैषमय सीमांत रूप सरल अतृह्योग। व्यामां विरारण परिकाषा मध्य और प्रतरण क्षेत्रस्ता, उपलब्ध आकृहों में व्यामी वटन मा समजन। सामान्य वितरण, सरल समामुषात और मरल अनु-प्रयोग, उपलब्ध, आंक्डों में सामान्य में प्रसामान्य वहन या समजन।

द्विचर वितरणां यह सम्बन्ध दो चरों वा रेखिक समाध्रवण, नीधी रेखा का समाजन, परिवलधिक और चल धालांको यक, सह सम्बन्धिन गुणांक के गुण।

मनल प्रतिदर्श कितरण और परिकापनाओं का सस्य परीक्षा, बादिएक प्रतिदर्श (सांख्यिकी प्रतिदर्श बटन और मानस तुटि) अर्थाचा के परीक्षण में प्रसामान्य टी सी॰ एच० आई० (CIM_2) और एफ० वा सम्बितरण ।

टिप्पणी:— उम्मीदवारों को दो विषयों — यं 5 प्रांतिकी और गं० 6 सांख्यिकी — में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर नियमें का विकल्प होसा।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षा

उम्मीदवारों को व्वियारी वृद्धि की जान करने के लिये साक्षाकार के अतिरिवत मौखिक तथा गिरित वित परिश्व की कार्यों। उसरे एए परीक्षण भी किये आयेगे, जैसे युव परिचर्या, यूव योगाना, वित्रिक्त यूव कार्यकलाप तथा उन्हें तिरिष्ट विषयों पर परित्त बारकार देने के तिये कहा जायेगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदकारों की मेघा प्रतित की जान के लिये हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तार में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जान के लिये हैं अति इसने उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति दिलन्त्रमी का भी पता चलेगा।

परिचित्र्य 🔢

सिमिलित रक्षा सेबा परीक्षा के लिये अमीख्यारों के शारीरिक मानक टिल्मणी उम्मीदेवारों को निर्धारित शारीरिक मानका के अनुपार शारीरिक रूप से स्वस्य होना आप्रका है। स्वस्थरा नव्यती मानक त्रीचे दिये जाने हैं।

बहुत से अहीता प्राप्त उम्मीदियार बाद में स्थाम्थ्य के आधार गर अस्वीकृत कर दिये जाते हैं। अत उम्भीददारम को उनके अपने दिन भे सलाह दी जाती है कि ये अभिना अस्त्या पर विस्ताप के बारे के विदे आखेदन-पन्न भेजने से पहले अपन स्थाम्थ्य की जान करा लें।

- । संवायम बार्ड इप्त अन्याति उम्मीदियार को सेना के निकित्सा अधिकारियों के बोर्ड हाथ स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या प्रियालका ये में केवल उन्हीं उम्मीदिवारों को प्रीण दिया जायेगा नोकि विकित्सा बोर्ड हारा स्वस्थ पोशित कर दिये जाते हैं। विकित्सा बोर्ड की वार्षवाही गोपनीय होनी है। जिसे किसी को नहीं दिखाया जायेगा। किसत अयोग्य अर्थाई रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदिवारों को उनके परिणाम की जानकारी जिल्ला बोर्ड के अध्यक्ष दर्शाद दी जायेगी तथा उम्मीदिवारों को विकित्सा बोर्ड से अपीत का अपूरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीदिशों के विवे भीते निकित्स हम में दिये गये निविद्शिक्त गारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है:——
 - (क) उम्मीदवार का णारीसिंग तथा मातीक स्वास्थ्य शैक होता चाहिते तथा उन्हें ऐसी बीमारी/अणवंता से मृत्रा होता चाहिये जिससे उनके भुजाता पूर्वक कार्य करते में बाधा पड़ सकती हो।
 - (ख) उनमें कमजार पारिंदिक गठन दैहिक दोष का स्थूनता नहीं होनी चाहिये।
 - (ग) कद कम से कम 157,5 से० मी० का हो तीमेना है। तिये 157 मे० मी० तथा यागू मेरा के लिए 162.5 से० मी०)। गोरपा और भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के गर्वतीय पदेशों, गद-यान नथा ल्यापूर्वे के उत्तर-पूर्व को क कि० मी०कम कद स्वीकार्थ होगा। जातीण के उस्तीद्वारों के मामने में स्थूननम कद से 2 सें० मी० की यमी भी स्थारण की जा सकता है। कद और बजन में मानक नीचे स्थि जाते हैं:--

कद और वजन के मानिक

संटींमीटरों में कद	[क्तितोबाम में यजन		
बिना जूना)			18 24	20 वर्ष	22 वर्ष
152	•	•	4 4	4 6	47
155			48	48	4 9
157	.•		47	49	5.0
160			4.8	5 ()	5 1
162			5 Y .	5.2	53
165		•	5 2	5 6	5.5
163			5 3	5.5	57
170			59	57	53
173			57	59	60
175			55	6.1	6.2
178			6.1	62	63
180			63	6.4	65
183			65	6.7	67
185		•	6.7	68	70
188			70	7 1	. 72
199		•	, 72	73	74
193			74	76	77
195			77	78	78

ह्याईत सारणी में दिए गए श्रीयत बहत से 10 कि बार बान स्न-ज्यादा (ती सेता के तिर 6 कि को कम-ज्यादा) बजन गामान्य सीना के श्रंदर माना जाएगा; किन्दु भागे हिंदूरी बाले लग्ने चीडे ब्यक्तिशों तथा पानेपर अन्यवा स्वस्थ हिंदिकों के मामले में गुणबत्ता के श्रादार पर इसमें कुछ छूट दी जा सुकती है।

(ग) छात्री भली प्रकार विकासन हारी चाहिए तथा पूरा मांस लेने के बाद इसका स्थनाम कैलाव 5 से० मी० होना चाहिए माम इस नरह फीता लगाकर वो आएगी कि इसका निचला किनारा गण्यन चूचक म लगा रह थीर कीस पा अपना भाग पीछे समन्ध कलक (शोल्डर स्लेष्ट) के निम्न कोण (लांघर एलिल) को छूने रहना चाहिए। छागी का एक्स-रे करना जकरी है। इसे मह जानने के लिए किया जाएगा कि छल्ती का कोई रोग तो नहीं है।

- (इ.) शरीर में हिंदुधयों शीर जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए।
- (च) उम्मीदवार के संबंध में मानसिक विद्वाल या दौरा ५३ ने का पूर्वपुक्त नहीं होना चाहिए।
- (छ) उपमीदवार सामान्य रूप से मुन सके। उपमीदवार को इस बीप्य दीना आहिए कि वह जान कमरे-में प्रशंक कान से 610 रीवसीव की दूरी से जोर की कानापूर्म: मुन सके। कर्ज नामिका करन की पिछली या ग्रंग की बीमारी का कोई प्रमाण न हो।
- (ज) हुदय या रक्त वाहिकाकों के संबंध में कोई कियारमक या श्रीमिक रोग नहीं होता चाहिए। रक्त दाय सामान्य हो।
- (म) उदरवेशियां मृषिकसित हों तथा जिगर या तिरुली सकी हुई न हो । उदर के प्रांतरिक धंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदयार धन्वीकृत कर दिया जाएगा ।
- (ज्ञ) यदि किसी जम्मीदयार को हिनया है और उसकी णहम जिकित्सान की गई हो तो बहु उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हिनया की णत्य चिकित्सा हो गई हो तो बहु बर्ममान परीक्षा में कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जनम पूरी तरह ठीज हो चुका हो।
- (ट) हाइड्रोमील वेरिकोसील या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मृत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई झमामान्यता भिलती है तो इससे उम्मीदवार ध्रायीकृत हो जाएगा।
- (इ) उम्मीदयार को दूर दृष्टि चार्ट में प्रत्येक झांख से ऐनक सहित या ऐनक बिना (तो सेना तथा वायु सेथा के लिए केश्वल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्य होना चाहिए। मायोपिया 3.5 डी तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 की (एस्टिंगमेटिजम) सहित से श्रिधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि श्रांख में कोई रोग तो तहीं है श्रांख की झांतरिक परीक्षा श्रोग्यल मोक्काप से को जाएगी। उम्मीदयार के दोनों नेझों की बृष्टि घच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का सानक सीव पीठ--3 होगा। उम्मीदवार में लाल व हुरे रंगों को पहचानने को क्षांत्रा होनी चाहिए।

भी मेना हेतु उम्भोदवारों का दृष्टि-स्तर निम्न प्रकार होना बाहिए :---

दूर दृष्टि . . 6/6, 6/6 तक सुधार योग्य **6/**9

निकट दृष्टि . . एन-5 प्रस्येक धांख

यर्णद्िं . . एन० एच० बी० द्वारा बी०पी०~1

मायोगिया 0.5 टायोग्ट्रेम से प्रधिक न हो भौर हाअपरमेट्रोपिया भक्ती भांख में 1.50 डायोग्ट्रेस से तथा धुरी भांख में 2.50 डायोग्ट्रेस से बधिक न हो :---

नेब-गेगी संतुलन

मेरोक्न रोक्ष टैस्ट के साथ हेट्रोकोरिया निश्नलिखित से बिल्कुल इप्रधिक न हों:---

(i)	G मोटर पर	ऐक्मोकोरिया	८ प्रिज्य डायोग्ट्रेस
` .		ऐसीकोरिया	8 प्रिज्म आयोग्देस
		हा इ परकोरिया	1 प्रिज्म द्वायोप्ट्रेस
(ii)	30 संब मोटर पर	ऐक्मोहोस्या	16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
• •		ऐसीकं।रिया	06 त्रिज्म डायो ग्ट्रेस
		हाइपरकोरिया	प्रि रम ुहायोप्ट्रेस

- () उपमादगर ए प्रभात मक्या म नृदरता व मन्तू। दान होन चाहिए। कम रो कम 14 दान धिन्तु बाले उपमीदिवार स्थी-कार्य हैं। जब 32 दोन हैं ते हैं तब कुल 22 दोन बिन्तु होते हैं। उन्मीदबार को तीय पायरिया का रोग नहीं होता चाहिए।
- (ण) छानी का एक्स-रे परीक्षा में ग्रेथ पश्का की उपस्थित हेबु ग्रेय मेघदण्ड के निचले भाग की परीक्षा भी ग्रामिल होगी सेवा चिकित्सा थोडे द्वारा जरूरी गमझने पर मेघदण्ड के द्याय भागों को एक्स-रे परीका की आएगी।
- केबल वायु मेना के जम्मीदनारों के लिए उपर्युक्त के साथ-साथा निम्नलिखित चिकित्या भानक भी लागु होंगे :--
 - (क) बःयु सेना के लिए स्वीकार्यमानय देह राम्बस्धी माप निस्न प्रकार है:--

कद . 162.5 सें० मी०।

टांग की लम्बाई . कम से कम 99 से० मी० घीर
प्रधिक सेग्रधिक 120 सें० मी०।

प्राक्र की लम्बाई . श्रीधिक से श्रीधक 6 व सें० मी०।

कैट कर ऊंबाई . कम में कम 81 5 सें० भी०

घीर ग्रीधक से ग्रीधक 96 सें०
मी०।

- (ख) मेरदण्ड का एक्स-रेगिटिश्य विटा जारका राज्य-रेगे प्रकट निम्नलिखित वर्गे अनहर्फ होगी:---
 - (i) मेध्दण्ड या गणियान्त्मीय रोग
 - (ii) प्राथाइटिम/स्पीडिसीसिम
 - (iji) प्रदक्षे प्रपेक्षापृत्त प्रधिय बायक्तेरिस्/रुक्केरिस्टरकी-लियोसिस याल-पट्टिन द्वारा 15 से धीध्य धार्यी-पृति का बारण अनेगा ।
 - (iv) स्पोद्धीसोलिंग्स श्रीमस/म्पोद्धीमें लिशि म
 - (v) होता टिइन्यकलियस पलपोसस
 - (vi) कशीनका का सम्पीडन % स्थिमंग
 - (vii) इधेयर मेन का रोग
 - (viii) प्रदर्णशीय तंत्रिकीय या परिसंघरणीय धभाव केसाय ग्रेव पशका।
 - (ix) कोई ग्रन्थ ग्रयसामान्यता जिसे कोई विशेषक ऐसा ठहराए !
 - (ग) छाती का एवस-रेजहरी है।
 - (घ) दुप्टि

दूर की दृष्टि . . 6/6, 6/6 तक सुधार सोग्य 6/9

पास की दृष्टि . . प्रत्येक धांख की एम० 5

वर्ण दृष्टि . . बी० सी०--- 1 (एम० ब्राई ० एच०)

मेनीफेस्ट हाइपरमेट्रोपिया--2.00 डी० सी० से ग्रधिक न हो। मैल-पेकी सन्दुलन

मद्रोक्स रोड टैस्ट के गाय हेट्रोफोरिया निम्नलिखित से घष्टिक न ो :--

(i) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 8 प्रिश्म हायोग्ट्रेस
एक्सोफोरिया 6 प्रिश्म हायोग्ट्रेस
(ii) 33 सेंब्सी॰ पर एक्सोफोरिया 16 प्रिश्म हायोग्ट्रेस
एक्गोफिशिया 6 प्रिश्म हायोग्ट्रेस
हाईनरकोरिया 1 प्रिश्न हायोग्ट्रेस
मायोपिया, कुछ नहीं एस्टिंगसेटिज्स
0.75 ही सिर्फ

दिमेली दृष्टि --- प्रक्छी दिनेली धृष्टि का होना धनिवार्य है। स्युजन तथा स्टरवोसिस तथा साथ में धन्छा धायाम व गहनता।

(क) मानक

(i) वाक परीक्षण: प्रत्येक कान से 610 सें० मी० से काना फूसी सुनाई दे।

(ii) अन्यतामितिक:

250 एच० एस० तथा 4000 एच० जैंड० के बीच की झाबतियों में व्याश्रमत कर्मा 10 दी० बी० से सक्षिक न हो।

- (भ) रहीन ई०सी०जी० तथा ई०ई०जी० सामान्य सीमा मेहां।
- तौसैनिक विमानन माखा के उम्मीदवार हेतु स्वास्थ्य मानक बही होंगे जो वायुसेना के उड़ान इयुटी हेतु उम्मीदवार के हैं।
- 4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित विशेष परीक्षण किए जाने के वौराम यबि किसी अक्षमता का पता जलता है तो मेडिकल बोर्ड द्वारा अन्हर्क ठहराए जाने की स्थिति में यह अक्षमता उम्मीदवार को अन्यसेवा (सेवाओं) के लिए भी अयोग्य ठहरा मकती है।

परिकाष्ट⊸III

सेबा भावि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं:--

भारतीय सेना प्रकादमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारी के लिए:--

- 1. भारतीय सेना प्रकादनी में भर्ती करने से पूर्व --
- (क) उसे इस प्राथम का प्रमाण पत्न देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणाम-स्वक्षप यदि कोई चोट लग जाए ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यवा धावश्यक किसी सर्जिकल धापरेशन या संवेधना-हरण दवाधों के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक ध्रशक्सता ध्रा जाने था उसकी मृत्यु ही जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विषय किसी मुधाबजे या अन्य प्रकार की राष्ट्रत का दावा करने का हक नहोगा।
- (ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस प्राणा के बन्ध-पन्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापिस भाना चाहता है या कमीशन भस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा मुख्क, भोजन, वस्त्र भीर किए गए क्यय तथा दिए गए देतन और भसे की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापिस करनी होगी।
- 2. मंसिम रूप से चुने गये उम्मीवनारों को लगभग 18 महीनों का प्रिमालण विया जाएगा। इन्हीं उम्मीववारों के नाम सेना म्राधिनियम के मधीन "जेंटलमैन कैडेट" के रूप में वर्ज किये जायेंगे। "जेंटलमैन कैडेट" पर साधारण मुमनुसासनात्मक अयोजनोंे के लिए भारतीय सेना मकावमी के नियम और विनियम लागू होंगे।
- 3. यद्यपि प्रावास, पुस्तक, वर्दी, बोर्डिंग भीर जिकित्सा सहित प्रिक्षिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी, लेकिन यह भाषा की जाती है कि उम्मीदवार भ्रपना खर्च खुव बर्दाक्षत करेंगे। भारतीय सेना भ्रकादमी में (उम्मीदवार का न्यूमतम मासिक व्यय 90.00 रु० से भ्राधिक होने की संभावना नहीं हैं)। यदि किसी कैंडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या भ्रांशिक रूप में बर्दाग्त करने में भ्रसमयं हों तो सरकार द्वारा उन्हें वितीय सहायता वी जाती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक भ्राय 500.00 रु० या इससे मधिक हो, वे इस जित्तीय सहायता के पान नहीं होंगे। वितीय सहायता की पान ता निर्धारित करने के लिए भ्रष्टल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली भ्राय का भी व्यान रखा जाएगा।

57—286GI|85

यदि उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक किसी प्रकार की द्वितीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें भपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय सेना श्रकादशी में प्रणिक्षण के लिए श्रंतिम रूप से चुने जाने के तुरस्त बाब भपने जिला के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक शाबेदम-पत्र देना चाहिए जिससे जिला मजिस्ट्रेट भ्रपनी श्रनुशंसा महित भारतीय सेना श्रकादमी देहरादून के कमांडेंट को श्रग्नेषित कर देगा।

4. भारतीय सेना श्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए प्रतिम रूप ते नुने गए उम्मीदवारों की ग्राने पर, कमाईट के पास निक्नलिकित राशि जमा करानी होगी---

(क) प्रतिमास २० 90.00 के हिसाब से 5 महीने का जेब खर्च

450.00

(ख) बस्क्र तथा उपस्कर की मदों के लिए

800.00

तंत

1250.00

जम्मीववारों को विक्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापिस कर वी जाएगी:—

90,00 रु॰ प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेब सर्च 450,00 रु॰

- 5. भारतीय सेना प्रकादमी में निम्नलिखित छासवृत्तियां उपलब्ध 👸 :---
- (1) परणराम भाऊ पटलर्घन छात्रवृत्ति ——यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैंडेटों को वी जाती है। इस छात्रवृत्ति की राणि प्रधिक से प्रधिक 500.00 द० प्रति वर्षे है जो कि कैंडेटों को भारतीय सेना भकादमी में रहने की प्रविध के वीरान दी जाती है, अगर्ते कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी प्रन्य संरकारी विश्वीय सहायता के हकदार न होंगे।
- (2) कर्नल कडल फ्रेंक मेमोरियल छात्रवृत्ति इस छात्रवृत्ति की राशि 360/— रुपए प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे ग्राह्म मराठा कैंडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय सहायता के भ्रतिरिक्त होती है।
- 6 भारतीय सेना घकावमी के प्रत्येक कैंडेट के लिए सामान्य शतौं के भ्रन्तगैत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के भनुसार परिधान भत्ता भकादमी के कमांडेंट को सौप दिया जाएगा। इस भत्ते की जो रक्तम खर्च होगी वह :---
 - (क) कैंबेट को कमीशन दे विये जाने पर दे वी जाएगी।
 - (का) यदि कैक्केट को कमीशन नहीं दिया गया तो भक्ते की यह रकम राज्य को बापस कर दी जाएगी।

कभीशन प्रवान किए जाने पर इस भर्त से खरीदे गए बस्स्र तथा प्रन्य आवश्यक जीजें केडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट त्यागपन्न दे वे या कभीशन से पूर्व उसे निकाल विया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपर्युक्त बस्तुओं को उससे अपस से लिया जाएगा। इन बस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीवनार को प्रशिक्षण के वौरान त्यागपत्र देने की धनुमित नहीं दी आएगी। लेकिन प्रशिक्षण के वौरान त्याग-पत्र देने वाले जैंटलमैन कैंडेट को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्त्रीकार होने तक घर जाने की भाका वे वी जानी चाहिए। उनके प्रस्त्रान से पूर्व उनके प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाभों पर होने वाला खर्च उनसे बसूल किया जाएगा। भारतीय सेना भकावमी में उम्मीववारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माता-पिता/प्रिमिभावकों को इस भाषाय के एक बांड पर हस्ताकार करने होंगे। जिसे जैंटलमैन कैंडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोसे पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना

मुख्यालय की घनुमित से प्रसिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परि-स्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को घपनी रेजिमैंट या कोर में वापिस चेज दिया जाएगा।

- 8. यह कमीसम प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक करने पर ही विया जाएगा। कमीसन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से धगले विन से मुक्त होगी। यह कमीशन स्थामी होगा।
- 9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित प्रफसरों के समान बैतन भीर मत्ते पेन्शन भीर छुट्टी दी जाएगी तथा सेवा की प्रमय शर्तें भी बही होंगी जो सेना के नियमित प्रफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

(1) प्रशिक्षण

10. भारतीय सेना श्रकादमी में ग्रामी कैंडट को 'जेंटलमैन कैंडेट' का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इंफेंट्री के उप-यूनिटों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत जेंटलमैन कैंडटों को सैकिण्ड लेपिटनेंट के रूप में कमीशन प्रवान किया जाता है क्यार्त कि एस०एच०ए०पी०ई० शारीरिक रूप से स्वस्य हों।

1 । सेवा की गर्तेः

(i) **धे**तन

रैंक	वेतनमान
सेकिन्ड लेपितमेन्ट	750-790
वे पिटने ंट	830-950
रे ट म	1100-1550
मे जर े	1450-1800
मेजर (वैतन का चयन ग्रेड)	1880-50-1900
पिटमेन्ट-कर्नेल (चयन द्वारा)	1750-1950
भेपिटनेंट कर्नल (चयन ग्रेड बेतन)	2000-50-2100
फिटनैंट कर्नेस (समय वेतनमान)	1900 नियस
. नं ल	1950-2175
बे डे डिर	2210-2400
ोजार जनरल	2500-125/2-2750
फिटर्नेट जनरल	3000 प्रतिमास
वेषिद्रमेंट जनराज (आर्मी कमान्डर)	3250 प्रतिमास

(2) योग्यता, वेतन भौर मनुवान

लेफिटनेंट कर्नल घोर उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले प्रधिकारी धपनी योग्यताओं के धाधार पर 1600 द०, 2400 द०, 4500 द० प्रथम 6000 द० के एक मुस्त धनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख'') द० 70 की दर पर योग्यता वैतन के प्रधिकारी होंगे।

3. **भ**सं

वितनः के प्रतिरिक्त भफसरों को इस समय निम्मलिखित भक्ते मिलंते हैं:---

- (क) सिविलियन राजपिक्षत भ्रफसरों पर समय-समय पर लागू वरों भीर शतों के भ्रमुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भक्ते विथे जाते हैं।
- (♥) 75 ६० प्रति मास की दर से किट अनुरक्षण मत्ता।
- (ग) निर्वातन भला भारत से बाहर सेवा करने पर ही देय है, इसके भुगतान की वर्रे उपर्भुक्त विदेश भल्तों की संगत एकश वर की 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिशत राशि तक भलग-भलग है।
- (ष) वियुक्ति भक्ता जब विवाहित मफसरों को ऐसे स्थामों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रक्षा जा सकता है, तब भफ्तर 140/~ रु० प्रतिमास की देर से वियुक्ति भक्ता प्राप्त करने के हकवार होते हैं।

- (इ) सज्जा मत्ताः --प्रारंभिक सज्जा भत्ता रु० 2100 है। प्रथम कमीभान की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद 1800 रु० नये सज्जा भत्ते का दावा किया जा सकता है।
- (भ) बल सेना में ब्रिगेडियर के स्तर तक मुक्त राशन दिया जाता है।

4. तैमाती

थल सेना धप्पसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जासकते हैं:--

पदोन्नति

(क) स्थायी पदोस्रति

उच्चतर रैकों पर स्थायी पदोक्षति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:----समय वेतनमान से

षे पिटमेंट	2	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
फै प्टेन	5	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
मेजर	11	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
लेपिटनेंट कर्नल (चयन द्वारा)	21	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा

लेपिटनेंट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नस	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जगरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिमेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेबा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध भृहीं

(ब) कार्यकारी पदीन्नति

निम्नलिकितं स्पूनतम सेवां सीमाएं पूरी करने पर अफसर उच्चतर रैकीं पर कार्यकारी पदोक्षति के लिए पान्न होंगे बगर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों—

कैप्टम	3 वर्ष
मेजर	5 ब र्ष
लेपिटनेंट कर्नेल	6 के वार्ष
कर्नेल	8], वर्ष
क्रिनेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
ले फ्टिनेंट जनरल	25 वर्ष

- (ख) भौसेना अकादमी, कोबीन में भर्ती होने वाले उम्मीदवाररों के लिए :
- 1 (क) जो उम्मीदबार अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अस्तिम रूप से चुन लिए जाएंगे, उन्हें नौसेना कार्यकारी शाखा से कैश्वेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी, कोचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करागी होगी।
- (1) जिल उम्मीदवारों ने सरकारी विसीय सहायता के लिए आवेदन पक्ष नहीं दिया हो:---
 - (1) 45.00 रुपए प्रतिमास की दर से पांच मास के लिए जेंब सार्च 225.00 रु० (2) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए 460.00 रु० जोड़ 685.00 रु०
- (2) जिन जम्मीदवारों ने सरकारी विसीय सहायता के लिए आवेदन-पक्र दिया हो:—
 - (1) 45.00 ६० प्रति मास की दर से वी पास के लिए जेंब वार्च 90.00 ६०
 - (2) कपड़ों और सण्जान्सामग्री के लिए 460.00 रु

जोर्ड़ \$50.00 **६**०

- (थ) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैंग्रेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाओं और प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :—
 - (क) कैडेट प्रणिक्षण तथा 6 मास का भौकाएं पश्चिष्ठण 1 वर्ष
 - (ख) मिडशिपमैन नौकाएं प्रशिक्षण ६ मास
 - (ग) कार्यकारी सय-लेपिटनेंट तकनीकी कीर्स 12 मास
 - (भ) सब-लेपिटनेंट

उपर्युक्त प्रणिक्षण पूरा होने के बाद, अधिकारियों को भौबहुम निगरानी संबंधी पूर्ण प्रमाण-पत्न लेने के लिए भारतीय नौसैनिक जहाजों पर नियुक्त किया भाएगा, जिसके लिए कम से कम 6 मास की अवधि आवस्यक है।

- (ii) नौसेना अकादमी में कैंबेटों के लिए शिक्षण, आवास और संबंद्ध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भोजन तथा डाक्टरी इलाज का **वर्ष** सरकार भहन करेगी । किन्त कैंडेटों के माता-पिता/अभिमाजकों को उनका जेव खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैडेट के भाता-पिता/अभिभावकों की भासिक आय 500 रु॰ से कम हो और वह कैंग्रेट का जैंग खर्च पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो सरकार कैडेट के लिए 55 र० प्रति मास वित्तीय सहायक्षा स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता लेने का इञ्चूक उम्मीद-कार अपने चुने जाने के बाद शीध ही अपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से आधिवत-पन दे सकता है। जिला मजिस्ट्रेट उस आवेदन पत्न को अपनी अनुशंसा के साथ निदेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई विल्ली के पास भेज वेगा। यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के दो अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित नीसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अविधि के लिए उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बगर्ते कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 600 रु० से अधिक न हो।
- (iii) बाव का प्रशिक्षण मारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्ज पर विया जाता है। अकावनी छोड़ने के बाद उनसे पहले छह माम के प्रशिक्षण के धौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार अकावमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों की मिलने भाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैंडेटों की मिडिशापमैन के रैंक में पदी- स्नित कर दी जाएगी और थे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कीई खर्च नहीं देना होगा।
- (iv) कैंडेटों को सरकार से निःशुल्क यदीं मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलाका कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन लपड़ों के सही नमूने उनकी एकरूपता को सुनिष्ठित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना अकादमी में सैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/अभि-भाषकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पक्ष देने वाले फैडेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उद्यार दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े भी खरीदने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के दौरान सिंवस कैडेटों को अपने मूल रैंक के बही बेतम और यहा भलें मिलेंगे जो कैडेटों के बुने जाने के समय नाविक या सेवक या अप्रेंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैंक में बेतन वृद्धि वो जानी हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भत्ती सी भतीं होने वाले कैडेटों को मिलने वाली विलीप सहामता से कम हों तथा वे उस महायता को प्राप्त करने के पाल हों तो उन्हें उप- युंक्त दोनों राणियों के अन्दर की राणि भी मिलेगी।
- (vi) सामान्यतः किसी कीन्नेट को प्रशिक्षण के दौरान त्याग पद्म दैने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस कीन्नेट को भारतीय गौसेना

जहाजी और प्रतिष्ठानों में कोर्स पूरा करने के योग्य महीं समझा जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन में वापिस चूलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैंडेट को उसकी मृल सर्विस पर वापस भेज दिया जाएगा। जिस कैंडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा, या भूल सर्विस पर वापस भेजा जाएगा वह परवर्ती कोर्स में दुवारा दाखिल होने का पान महीं रहेगा। किन्तु जिन कैंडेटों को कुछ करुणाजन्य कारणों के आधार पर त्यागपन देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गूणा-वगुण के आधार पर विचार किया जाता है।

- किसी जम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैंडेट चुने जाने से पूर्व माता-विता/मिमानक को :
 - (क) इस झाशय के प्रमाण-पक्ष पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली-भौति समझता है कि यदि उसके पुत्र या धाश्रित को प्रशिक्षण के वीरान या उसके कारण कोई चीट लग जाए या झारीरिक दुवंलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या धन्य कारणों से चीट लगने पर किए गए झापरेशन से या धापरेशन के वीरान मृख्तित करने की भौविधि के प्रयोग के फलस्वरूप मृश्यु हो जाए तो उसे या उसके पुक्ष या झास्त्रित को सरकार से मुखावजा मांगने के वाने या सरकार से धन्य महायता भगिने का कोई हक नहीं होगा।
 - (क) इस आशय के बांड पर हरताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे प्रारण से जो उनके निर्मक्षण के प्रक्षीन हो, यदि उम्मीदबार प्रशिक्षण पूरा होने से पहले बापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिए जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, शुरूक, भोजन, बस्क, देतम तथा भन्ने जो कैडेटों ने प्राप्त किए हैं, उनका मृख्य या उनका शंश जो मरकार निर्णय करे, खुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

3. बेतन तया भूते

रैंक	वेसनमान मामान्य सेवा
1	2
मिडशिपमें न	₹∘ 560.00
एक्टिंग सब-लेफिटर्नेंट	▼ ○ 750.00
मब लेफ्टिनेंट	ৰ≎ ৪২০,00870.00
लेक्टर्नेट	5 · 1100,001450,00
नेपिटनेंट कमंदिर	To 1450, 001800, 00
लेपिटनॅट कमांबर (खयस ग्रेड वेतन)	₹०1800,001900,00
क्रमांहर (चयन द्वारः)	₹0 1 7 50,00-1950,00
कमोबर (समय वेतनमान द्वारा)	रु० 1900,00 नियम
कमोडर (चयन ग्रेंड वेतन)	▼ 0 2000.00-2100.00
चै प्टन	50 1950, 00-2400, 00
	(कसोकोर वह वेतन लेता है
	जिसका वह कैप्टन के रूप में
	वरिष्ठता के शनसार हकवार
	₹)
रियर एकमिरल	50 2500,00-125.00
	2-2750.00
वाइस एडमिरल	कर ३००० oo
बाइस एडमिरल (वी०सी० एन० ए	म ०/
एफ० घो० सी०-इन-भी०)	ৰিও ৪০% বি ০০

(च) मत्ते

वेतन के अतिरिक्त ग्रक्षसरों को निध्नलिक्षित मक्त मिलते हैं ---

 (i) सिविलियन राजपित प्रकसरों पर समय समय पर लागू वरों भौर भक्तों के धनसार उन्हें भी नगैर प्रतिकर नया महिगाई भक्ता और धन्तरिम महायक्षा मिनती है।

- (ii) 75/-६० प्रतिमास की दर से किट प्रनुरक्षण भन्ना (कमोडोर रैंक के तथा उनसे नीचे के रैंक के श्रफसरों को) ।
- (iii) जब भ्रफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के भनुसार 50/- रुपए से 250/- रुपए तक प्रतिमास प्रवास भरता।
- (iv) 140/- ४० प्रतिमाम के हिसाब से इन ग्रफसरों को वियक्ति भत्ता मिलेगा '--
 - (क) जिन विवाहित श्रफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहां वे परिवार सहित नहीं रह सकते।.
 - (का) जिन विवाहित अफसरों को ब्राई०एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा भ्रम्थवा जितनी भ्रविधि के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
- (V) (क) परिसज्जा भत्ता : प्रारम्भिक परिसज्जा भत्ता 2400/-
 - (ख) बास्तविक सेवा के प्रति सात वर्ष बाव, नवीकरण परिसज्जा मत्ता ६० 2100/- है।
- · (vi) नीसेना में कमोद्रोर (भारतीय नीसेना) के स्तर तक मुफ्त राशन विया जाता है।
- टिप्पणी 1:-- उपर्युक्त के ग्रालाया संकट के समय काम करने की राशि पनबुब्बी भत्ता, पनबुब्बी/चेरियट वेतन, फ्लाइंग वेतन मर्वेक्सण, ग्रान्तोषिक/प्रहेता वेतन/ग्रन्दान तकसीकी वेतन गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी प्रकसरों को वीजासकती हैं।
- टिप्पणी 2:--ग्राफसर पनशुक्की सन्धा विमानन सेवाक्कों के लिए अपनी सेवाएं प्रपित कर सकते हैं। इन सेवाकों में सेवा के लिए भूने गए झफसर बढ़े हुए बेतन तथा भक्तों को पाने के हकदार होते हैं ।

4 पदीव्यति

(क) समय वेतनमान क्वारा मिडशिपर्मैन से एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट तक 1/2 अर्प एक्टिंग सब-लेक्टिनेंड से सब-लेपिटर्नेट तक ा वर्षे मब-लेपिटनेंट से लेपिटनेंट तक एक्टिंग झीर स्थादी संब-लेपिटर्नेट(अग्विट्टताके लाभ/ र्ममपहरण के ब्रह्मीन) रूप में 3 वर्ष लेफिटनैंट से लेफिटमैंट कमोडोर तक लेफिटनैंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर तक 24 वर्ष की संगी कमीशन

(ख) चयन द्वारा लेफ्टिनेंट कमोडोर गे कमोडीर तक

(यदि चयन हारा पदीश्वति न हुई

लेफ्टिनेंट कमोडोर के रूप में 2--- 8 वर्षकी वरिष्ठता कमोद्वीर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता

कमोडोर से कैप्टन तक

अपर तक

कैप्टन से रियर एडमिरल बौर उनसे कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं

प्राप्त सेवा

तैनाती

भक्तसर भारत भीर विवेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं। टिप्पणी:---यदि किसी भीर सुचना की भावश्यकता हो तो वह निवेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, मई दिल्ली-110011 से प्राप्त की जासकती है।

- (ग) प्रकसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती होने बाले उम्मीदवारों के लिए :-- इससे पूर्व कि उम्मीदबार अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास मैं भर्ती हो:---
- (क) उसे इस भागय से प्रमाणपत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भनी भांति समझता है कि उसे या उसके बैध वारिसों को सरकार से मुधावजा या अन्य किसी सहायना के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्बक्षता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट अपने पर किए गए क्रापरेशन या ब्रापरेशन के वौरान मृष्टित करने की भीषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।
- (ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर हस्तालार करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंक्षण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदबार कोर्स पूरा करने के पूर्व वापस जाना चाहे या यदि दिये जाने पर कमीशन स्थीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रक्रिक्षण प्राप्त करते हुए सादी कर ले तो शिक्षा, खाना, वस्खाऔर वेतन सथा भत्ता जो उसने प्राप्त किये हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, जुकाने के जिस्मेवार होंगे।
- 2. जो उम्मीववार अंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्भूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इस उम्मीदवारों को "सेना अधिनियम" के अन्तर्गत जैण्टलमैन कैडेट के रूप मैं नामांकित किया जायेगाः सामान्य अनुशासन की वृष्टि सेया जैन्टलमैन भी**डे**ट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।
- प्रशिक्षण की लागत जिसमें आधाम, पुस्तकों, वर्बी व मोजन तथा चिकित्सा सुविद्या शामिल हैं सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 90.00 ६० प्रतिमास से अधिक खर्च की सम्मावना नहीं है। किन्तु यदि जम्मीवबार कोई फोटोग्राफी, शिकार **खे**लना, सैरसपाटा **इत्यावि का** क्षीक रस्रता होतो उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कीबेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप से वहन नहीं कर सके ती जसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु विशीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि कैंडेट और उसके माता-पिता/अभिभावक की आय 500 ६० प्रति मास से कम हो। वर्तमान आवेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की वर 90.00 रुपये प्रतिमास है। जो उम्मीदबार विसीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक है उसे प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चूने जाने के बाद निर्धारित प्रपत पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन पत्र को कमडिंट अफसर, ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भज वेगा।
- अफसर ट्रेनिंग स्कृक्ष में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवारों को बहां पहुंचने पर कमांडेट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी:---
- (क) 90.00 द० प्रति मास की दर से दस महीने के लिये जेश खर्च 900,00 स्पर्ये (खा) वस्त्र तथाउपकरण के लिये 500.00 रुपमे योग 1400.00 हपये

यदि कैंडेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (सा) के सामने दी गई राशि वापस कर दी जाएगी।

 समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अन्तर्गत परिधान मना मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भन्ने से खरीवे गये वस्त्र तथा अन्य आवश्यक वीर्ज केंडेट की त्र्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे। यदि केंडेट प्रशिक्षणाधीन भविष में स्याग-पन्न वे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापिस से लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हिन को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

- 6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के वौरान श्याग-पत्र देने की अनुमित महीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाव त्याग-पत्न देने वाले अण्डलमैन कैडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्याग-पत्न स्वीकृत होने सक घर जाने की आक्षा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भीजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च क्सूल किया जायेगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती कियें जाने से. पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय का एक बांड भरना होगा।
- 7. जिस/जेण्टलमैन कैडेट की प्रशिक्षण का संपूर्ण कीर्स करने के योग्य महीं समझा जाएगा उसे सरकार की अनुमृति से प्रशिक्षण से हृद्याया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों की उनकी रेजिमेंट कीर में वापिस भेज दिया जाएगा।
- कमीशन प्रवान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा भता, पेंशन छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तेनिम्न प्रकार होंगी:—

9. प्रशिक्षण :

1 खुने गए उम्मीदवारों की सेना अधिनियम के अवर्गत जैण्टलमैन भैडिटों के रूप में नामांकित किया जायेगा तथा के अफसर ट्रेनिग क्लून में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक करने के उपरान्त जेण्टलमन कैंडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सक्षेण्य लेपिटमेंट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीणन प्रवान किया जाता हैं।

10 सेवा की मर्ते

(क) परिवीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीखा से अफसर 6 मास की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगा। यदि उसे परिवीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन खारण करने के अनुपयुक्त बताया गया तथा उनकी परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूरे या उनके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया था सकता है।

(ख) तैनासी

अल्पकालिक मेत्रा कमीयन पान्त करते पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्ति

नियमित थल सेना में अस्पकालिक सेवा कमीणन पांच वर्ष की अत्रिधि के लिये प्रदान किया जायेगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अस्पेकालिक सेवा कमीणन की अविधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे यिव हर प्रकार से पाल तथा उपयुक्त पाए गए तो मंबंधित नियमों के अनुसार उनके अस्पकालिक सेया कमीणन के अंतिम वर्ष में उनकी स्थायी कमीणन प्रवाम किये जाने पर विचार किया जाएगा जो पांच वर्ष की अविधि के दौरान स्थायी कमीणन प्रदान किये जाने की अर्हता प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की अयिष पूरी होने पर निर्मुवन कर दिया जाएगा।

(घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वैतन और भक्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

🔳 छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिए लागू नियमों में शासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावनी खंड-1 यस सेना के आध्याय पांच में उन्लिखित हैं। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा इयूटी ग्रहण करने से पूर्व नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के उन्मीदियार को उनकी रैजिमेंट कोर में वापिम भेज दिया जाएगा।

(च) कमीशन की समाप्ति

ग्रह्मकालिक सेवा कमीशन प्राप्त श्रफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकसी है :---

> म्रपचार करने यासंतोषजनक रूप से सेवान करने पर; या स्थास्थ्य की वृष्टि से म्रयोग्थ होने पर;

उसकी सेवाधों की धौर धिषक धावश्यकता न होने पर; या उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में धर्हता प्राप्त करने में भनकत रहते पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी धप्तसर की करणाजस्य कारणों के आधार पर कभीशन से त्याग-पत्न देने की धनुमति वी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। करूणाजन्य कारणों के भाघार पर कभीशन से त्यागपत्न देने की अनुभति प्राप्त कर लेने पर कोई धप्तसर सेवांत उपदान पाने का पात्न नहीं होगा।

(छ) पेंगन लाभ

- (I) ये प्रभी विचाराधीन हैं।
- (II) घल्पकालिक सेवा कमीशन घफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 का सेवांत उपवान पाने के हकवार होंगें।

(ज) रिजर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की भ्रष्टपकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की श्रविध के लिए या 40 वर्ष की भ्रायु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(झ) विविध~∽

सेवा संबंधी भन्य सभी शर्ते जब तक उनका उपयुक्त उपबन्धों के साथ भेद नहीं होता है वही होंगी जो नियमित भफसरों के लिए लागृहैं।

(ञा) बायु सेना प्रकादमी में प्रबंश लेने बाले उम्मीदवारों के लिए

भारतीय वायुलेना की उड़ान गाखा (पाइलट) में दो प्रकार से भर्ती की जाती है। प्रपति संघलोक सेवा प्रायोग के माध्यम से अयरेकट एल्ट्री ग्रीर एन० सी० सी० वायु सेवा स्कन्ध वरिष्ठ प्रभाग के माध्यम से।

- (क) डायरेक्ट-एन्ट्री—पायोग लिखिन परीक्षा के भाषार पर क्यम करता है, ये परीक्षायें एक वर्ष में सामान्यतः दो बार मई भीर नवश्वर में ली जाती हैं। सफल उम्मीववारों को बायु सेना चयन बीडें के मामने परीक्षण भीर साक्षारकार के लिए भेजा जाता है।
- (ख) एन०सी०सी० के माध्यम से प्रवेश →राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशक द्वारा विभिन्न एन०सी० सी० यूनिटों के माध्यम से एन०सी० सी० उम्मीदबारों से धावेदन-पत्नों को धार्मित करके उन्हें वायु नेना मुख्यालय का ध्रप्रसारित कर दिया जाता है। पात उम्मीदवारों को परीक्षण घौर साक्षात्कार के लिए वायु सेना चयन बोर्ड के मामने प्रस्तुत होने का निवेश दिय। जाना है।
- प्रशिक्षण पर भेजता: वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा प्रनुशासित भीर उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा शारीरिक रूप से स्वस्थ पाए आने वाले

उम्मीदवारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिक्षियों की संख्या के प्राक्षार प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। डाइनेक्ट एण्ट्री उम्मीदवारों की वरीयत। सूची संघ लोक नेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन० मी० सी० उम्मीदवारों की वनीयता-सूची अलग से तैयार की जाती है। बाइनेक्ट-एण्ट्री उड़ान (पाइन्ट) उम्मीदवारों की वनीयता-सूची मं० लो० से० प्रा० द्वारा जिल्लात परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तांकों तथा वायु चेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैडेट कोर के उम्मीदवारों की वनीयता सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के प्राक्षार पर तैयार की जाती है।

3. प्रशिक्षण: वाधुसेना प्रकादमी में उड़ान शाखा (पाइलट) के लिए प्रशिक्षण की प्रविध लगभग 75 सप्ताह होगी।

जड़ान प्रशिक्षण के दौरान बीमा मुरक्षा:— वायु मेना ग्रुप बीमा सोसाइटी वुर्णटना की स्थिति में इस फ्लाइट कैंडेट के निकटतम संबंधी को 30,000/- रुपए अनुमह राशि के रूप में भदा करेगी जो सिविल क्षेत्र से माया हो भौर उड़ान प्रशिक्षण पा रहा हो। उड़ान प्रशिक्षण पा रहा कोई फ्लाइट कैंडेट यदि स्वास्थ्य की वृष्टि से अक्षम हो जाता है भौर प्रशिक्षण मुक्त कर दिया जाता है तो उसे शत-प्रतिशत मक्षमता के लिए 25,000/- रुपए अनुमह राशि के रूप में भदा किए जायेंगे तथा यह राशि इसी अनुवात में बटकर 20 प्रतिशत रह जाती है।

सरकार द्वारा पलाइट कैडेट को एक बार वेतन तथा मले स्वीकृत कर लिए जाने पर मृत्यु नुरक्षा 50,000 रुपए होगी भीर शत-प्रतिशत भक्तमता के लिए भक्तमता सुरक्षा 25,000 रुपए होगी। वायु सेना भूप बीमा सीसाइटी द्वारा यह भुरका उड़ान प्रशिक्षण पा रहे प्रत्येक पलाइट कैडेट द्वारा 76 रुपए के मासिक भन्नतिमेद भंगवान का भुगनान करने पर दी जाएगी जिसके लिए सवस्यता भनिवार्य होगी।

वित्तीय सहायता पर लागू होने वाली शर्ते--

(1) यद्यपि जगह, पुस्तक, वर्षी, ठहराने भीर चिकित्सा उपचार सहित, प्रशिक्षण का खर्च भरकार द्वारा वहन किया जाएगा तो भी उम्मीद-बारों से भाशा की जाती है कि वे भपना जेव खर्च स्वयं बहन करें। वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रतिमास कम से कम 90 से रुपए प्रश्निक वर्च होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैंडेट के अभिभावक या संरक्षक उप आरचे की भी पूर्णरूप या झांशिक रूप में वहन में करने ग्रसमर्थ हैं तो उसे भरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रवान की जा सकती है। जिस कैंडेट के द्यभिमावक या संरक्षक की मानिक भ्राय 500 रुपए या इससे मिन्नक है वह बिलीय सहायता प्रदान किए जाने का पान नहीं होगा। विलीय सहायता की पास्ता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्ति भथा प्रस्य परिलब्धियों भौर सभी स्रोतों से होने वाली भाय को भी ध्यान में रखा जाता है। वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीवकार के समिभावक/संरक्षक की प्रपत्ते पुन्न/बच्चे के बायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्तण हेतु अंतिम रूप से चुन लिए जाने के तुरन्त बाद प्रपना आवेदन अपने जिले के जिलाधीश के माध्यम से प्रस्तुत कर देना चाहिए। जिलाधीश उस भावेदन को भपनी धनु-शंसा सहित कमांडेंट, वायुसेना प्रणासनिक कालिज, रेड फील्ड्स, कोयस्ब-टूर को मग्रेषित करदेगा।

(2) बायु सेना प्रणासनिक कालिज में प्रणिकाण हेतु भंतिम रूप से चुनै गए उम्मीदवारों को भागे पर निम्मलिखित रक्षम कमांकेंट के पास जमा करनी है:—

(क) 90 रुपए प्रतिमास की दर से 5 मास

योग

उपर्युक्त रकम में से निम्नलिखित रकम कैंबेट को विलीय सहायताः प्रदान किए जाने की स्थिति में वापस देय हैं:

90 दपए प्रतिमास की दर से 5 मास के क्रिए जें**व भत्ता**

450 वपए

975 रुपए

4 भिष्य में पदोन्नति की संभावनायें :— प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के काद उस्लीक्वार को पाइलेट ग्रफसर का रैंक दिया जाता है भीर वे उसी रैंक के बेवन नथा भरते प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं। बतमान दरों के ग्राधार पर, उड़ान शाखा के अधिकारियों को लगभग क० 245/- प्रति माह मिलने हैं जिसमें उड़ान बेनन रू० 750/- प्रतिमाह भी सम्मिलित हैं। बायु मेंना का भिन्नप्य बहुत उज्जवल होना है यद्यपि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावनाएं ग्रलग-ग्रलग होती हैं।

भारतीय बायु सेना में वो प्रकार से पदोन्नति होती है प्रयति कार्य-कारी रैंक प्रवान करके और स्थायी रैंक प्रवान करके। प्रत्येक उच्च रैंक के लिए मतिरिक्त परिलक्षित्र यां निर्मारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर भाषारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के धच्छे भवसर मिलते हैं। स्क्बेंड्न लीडर और विंग कमांडर के रैंक में ममय वेतत-मान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) भाखा में क्रमणः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांडर भौर उससे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विधिवत गठित पदोन्नति बोडों द्वारा चयन के भाषार पर की जाती है। उदीयमान प्रधिकारियों के लिए पदोन्नति के धक्छे धवसर होते हैं।

वेतन तथा मले :---

मूल रैक				उड़ाम शासा
			 	জ্ভ
पाइलट भफसर				825-865
क्लाइंग भफ्तर	-	٠,		910 1030
पलाइंग लेपिटनेस्ट				11501550
स्थवेडून लीडर				14501800
विंग कमोदर				1550-1950
प्रुप कैप्टन				19502175
एयर कमोडोर				22002400
एयर वाइस मार्शल				25002750
एयर मार्शल				3000

महंगाई तथा प्रतिकर भत्ते :→-प्रधिकारियों को ये भन्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों को लागू होने वाली गर्तों के प्रस्तर्गत की गई वरों पर मिलते हैं :--

किट यनुरक्षण भत्ता :-- ६० ७५/- प्रति साह; उड़ान वेतन; उड़ान शाखा के प्रधिकारी निम्निजिखन दरों पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हकदार होते हैं :--

विंग कमांक्रर भीर उससे नीचे य० 750,00 प्रति माह पूप कैप्टन भीर एक्रर कनोडोर य० 666,00 प्रतिमाह एयर नाइन नार्गल भीर उससे ऊवर य० 600,00 प्रतिमाह

योग्यता नेतन '-- कनीशन सेवा के वो या वो से प्रधिक वर्ष पूरा करने बाले जिंग कभीडर और उससे नीचे के रैंक के प्रधिकारियों को निशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता नेतन/प्रनुदान प्रवान किया जाता है। योग्यता नेतन की दर द० 70/- और ६० 100/- है भीर अनुदान द० 6000/-, ६० 4,500/-, ६० 2400/- और ६० 1600/- हैं।

प्रवास भत्ता: -- जहां वायुसेना ग्रिशिकारियों को टुकिश्यों के रूप में रखा जाना ग्रिपेक्षत होता है उन वेशों में नियुक्त एक तृतीय सिचय, द्वितीय सिचय, प्रथम सिचय कम्सूलर को विए जाने वाले विदेश भस्ते का 25 प्रतिस्तत से 40 प्रतिशत तक (पारित रैंक के ग्रनुसार) प्रवास भत्ता देय होता है।

वियुक्ति भत्ता :-- ऐसे विवाहित प्रक्षिकारी जिनकी नियुक्ति यूनिट में होती है। गैर परिवार स्टेशन स्थित/सरकार द्वारा प्रधिमूंचित ऐसे स्थान जहां प्रधिकारियों को परिवार को साथ रखने की प्रनुप्ति नहीं होती है उन्हें देवा 40/- प्रतिमाह की दर से वियुक्ति सत्ता विगर जाएगा। परिधान शता :--वर्षी/उपस्कर जो कि प्रस्येक श्रीधकारों को श्रवश्य रखनी पड़ती है उसके मृत्य के बवले में विया जाने जाला प्रारम्भिक परि-खान भत्ता ६० 2100/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर साल के बाद ६० 1800/- दिए जाएंगे। कैम्पिक्ट कमीशन प्रधान करते समय मुफ्त दी जाती है।

वायु सेना में एयर कमोडोर के स्तरतक मुक्त राझन दिया जाता है।

छुट्टी भीर प्रवकाश याक्षा रियायत भक्ता

्बार्षिक भवकाण भाकस्मिक भवकाण वर्ष में 60 दिन वर्ष में 20 दिन : एक बार में 10 दिन से प्रधिक नहीं।

कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष बाद जब भी प्रशिकारी वार्षिक धाकिस्मिक भवकाश लेंगे वे तथा उनके परिवार के सवस्य मुक्त सवारी के हकदार होंगे चाहे भवकाश की भविध कुछ भी क्यों न हो। जनवरी 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्षों के ब्लाक में एक बार प्रधिकारी भपने बृगूटी स्थान (गूनिट) से घर तक भाने के लिए नि:शृल्क सवारी वाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस वर्ष उसे परनी सहिस 1450 कि० मी० के रास्ते के लिए भाने भीर जाने दोनों तरफ की सुविधा पाने के हकदार होंगे।

इसके अतिरिक्त उड़ान शाखा के अधिकारियों की, जो प्राधिकृत स्थापमा में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान डयुटी पर तैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार बारंट पर अपने, परनी तथा आश्रित बच्चों के बारते प्रत्येक और से 1450 किं मीं की दूरी की तयं करने के लिए रेल ब्रारा उपयुक्त बलास में मुफ्त याक्षा करने की सुविधा होगी।

जो प्रक्षिकारी खुद्टी लेकर प्रपने खर्ज से याक्रा करने के इच्छुक हैं वे कलेण्डर वर्ष में तीन बार पत्नी तथा अच्चों के रेल द्वारा प्रथम बेणी के किराये का 60 प्रतिशत भुगतान करके याक्रा करने के हकदार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ याक्रा की मुक्किंग की जाएगी। परिवार में पत्नी तथा बच्चों के ग्रलावा ग्रिकिंगरी पर पूर्णतया ग्राधित माता-पिता, बहुन ग्रीर नावालिंग भाई कामिल होंगे।

7. पेंशन लाभ :

सेजा-निवृत्ति के समय रैंक (स्थायी)	ध्यर्हक सेवा की	निवृत्ति पेंकन की मानकदर			
,	•यूनतम धवधि				
		য ০	प्रशि	त माह	
पाइसट झफसर प्लाइंग श्रफसर	20 वर्ष	600	17	,,	
पाइलट लेपिटमेंट	20 वर्ष	825	,,	,,	
स्कोबून सीडर	2.2 वर्ष	950	,,	11	
विग कमांडर (समय वेतनमान)	26 वर्ष	1025	,,	,,	
विंग कमोडर (सलेक्टिव)	24 वर्ष	1025	17	11	
यूप कैप्टन	26 वर्ष	1175	11	,,	
एयर कमोडोर	28 मर्प	1275	০মনি	माह	
एयर मार्गल	30 कर्ष	1500.0	0	11 [1	
एयर मार्शल बी० सी० ए० एस०	30 কৰ	1500.	0.0		
धीर ए० घो० एस० सी० इन सी०					
एयर चीफ मार्शल	3 थ अ र्थ	1700.	0 0		
		(घपरिक्रो	वित्)	

सेबा-निबृत्ति उपदान

राष्ट्रपति की विवक्षा पर सेवा-निवृत्ति उपदान निम्नतिः वित हैं:---

(क) 10 वर्ष की सेवा के लिए ४० 12,000/- जिसमें से पिछके रैंक के बेक महीने के बेतन महाकर। (सा) प्रत्येक ग्रांतिरिकत वर्ष के लिए रु० 1200/- जिसमें से पिछले रैक के 1/4 महीने का बेतन घटाकर।

पेंशन या उपदान के प्रतिरिक्त प्रस्येक छ: महीने की घविष्ठ की महँक सेवा के लिए कुल परिलब्धियों के चौथाई के बराबर मृस्यु भीर सेवा-निवृत्ति उपदान देय है जोकि परिलब्धियों का 16/1/2 गुणा होगा भीर कः 50,000/- से प्रसिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु भीर सेवा-तिवृत्ति उपवान निम्नलिखित रूप से होंगे :---

- (क) सेवा के पहले वर्ष यवि मृत्यु हो जाए तो वो महीने का वेतन;
- (चा) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पांच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाए छः महीने का बेतन; स्रोर
- (ग) पांच वर्ष की सेवा के बाद मृत्यु हो जाए, तो कम से कम 12 महीने का बेतन।

विकलागता पेंकन भीर बच्चों भीर ग्राध्यक्तों (माता, पिता, बहिन तथा थाई) की विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के मनुसार देय है।

भ्रन्य सुविधाएं

स्रविकारी तथा उनके परिवार निःगुरुक चिकित्सा सहायता, रियायती दर पर झावास, ग्रुप श्रोमा योजना, ग्रुप श्रावास योजना, परिवार सहायता योजना, क्टीन सुविधाओं झावि के हकदार हैं।

परिशिष्ट-- 4

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले समुसूचित जातियों भीर भनुसूचित जनजातियों के जम्मीदवारी द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पक्ष का फार्मः-प्रमाणित किया जाता है कि श्री.............. सुपुत्र श्री....जो गाँव/कस्वा*..... राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कें......के निवासी है जाति/जनजाति* के है जिसे निम्निलिखित के ग्रधीन म्रनुमुचित जाति/मनुमूचित जनजाति के रूप में माध्यना दी गई है:---संविधान (धनुसुवित जानिया) धादेण, 1950@ संविधान (धनुसूचित जनजातियां) भादेश, 1950@ संविधान (ग्रमुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रावेश, 1951@-संविद्यान (ग्रमुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) भादेश, 1951@ (भ्रनुसुचित जातियां भीर धनुसूचित जनजातियां सुचियां (संशो-धन) भावेश, 1956, अम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पुर्गठन भक्षिनियम, 1966, हिमाचल अदेश राज्य मधिनियम, 1970 मौर उसर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गटन) प्रधिनियम, 1971 और प्रमुसूचित जातियां तथा मनुमूजित जन जातिया भादेश (संशोधन) भेजिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित)

संविधान (जम्म ग्रीर कथ्मीर) ग्रनुसूचित जातिया ग्रादेश, 1956

संविधान (शंक्रमान भीर निकोबार दीप समृष्ठ) भनुसूचित जनजातियां भादेश, 1959 भनुसूचित जातियां तथा भनुसूचित जनजानियां धादेश (संशोधन) भश्चिमियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (वादरा ग्रीर मागर हवेशी) अनुसूचित जातिया भावेश 1962@

मंगिधान (दादरा भीर नागर हवेली) भनुसूचित जनजातिया भावेत, 1962@

संविधान (पाविचेरी) धनुसूचित जातियां झावेश, 1964@
संविद्यान (मनुसूचित जनजातिया) उत्तर प्रदेश, मावेश, 1967@
संविधान (गोमा, बमन भीर दीव), धनुसूचित जातिया धादेश,
1968@
संविद्यान (गोम्ना, वसन धीर दीव), भ्रमुसूचित अनजातियां म्रादेश,
1968@
संविधान (नागालैण्ड) धनुसूचित जनजातिया मादेश, 1970@
संविधान (सिविकम) अनुसूचित जाति धादेश, 1978@
संविधान (सिविकम) धनुसूचित जनजाति धादेश, 1978@
%2 प्रमुसुचित जातियों/प्रनुसुचित अनजातियों के उन उम्मीववारों
क मामलों में लागू जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से प्रवलन कर चुके
<u>f</u> :
यह प्रमाणपत्र श्री/श्रीमती/कुमारी*
के पिता/माता स्त्री/श्रीमती*
गौर/कस्या [≠]
जिला/मंडल*
राज्य/संव राज्य क्षेत्र*
को जारी झनुसूचित जाति/झनुसूचित जनजाति प्रमाणपत के झाधार पर
जारी किया गया है जो
मनुसूचित जाति/जनजाति [#] के हैं जिसे
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र ^क में धनुसूचित जाति/धनुसूचित जनजाति के रूप
में मान्यता प्राप्त है ,कारा जारी।
विनांक
%3. घर्गे
भौर/या उनका परिवार भामतीर गांव/कस्वा*
•••••
राज्य/संघ *राज्य क्षेत्र *में
रहता है।
ह स्ता धा र
. **पदशाम
(कार्यालय की मुहर के साथ)
राज्य/संघ *राज्य क्षेत्र
स्यान
तारीब
⁴ जो शस्त्र लागून हों उन्हें क्रपया काट दें।
राष्ट्रपति का निश्चिष्ट भावेग निर्विष्ट करें।
% को पैरालागूनहीं है जसे काट दें।

टिप्पनी:--वहां "माभतौर से रहता है" का मर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेस्टेशन झाफ द पीपुल एक्ट, 1950" की घारा 20 में है।

**जाति/जनजाति प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्तम प्राधि-कारियों की सूची:

- (1) जिल्ला मजिस्ट्रेट, ग्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलक्टर, डिप्टी कमिशनर/एडीशनल जिप्टी कमिश्नर/जिप्टी/कलेक्टर/प्रवस श्रेणी का स्टाइपैंडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/सब@-डिबीजनल मजि-स्ट्रेट/तारुलुक भजिस्ट्रेट/एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्तर।
- @ (प्रथम स्नेणी स्टाइपेव्हरी मजिस्ट्रेट के झोहदे से कम नहीं) । '
- (2) चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट ।
- (3) रेवेन्थू चक्सर जिसका मोह्वा तह्सीलवार से कम न होगा।
- (4) उस इलाके का सब-डिबीजनल भ्रफसर जहाँ उम्मीदबार मोर/या उसका परिवार भ्रामतौर से रहता है।
- (5) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट घफसर, सकाद्वीप ।

परिशिष्ट--- 5

उम्मीववारों की सूचनार्थं विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण

भाप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में ग्रापको उत्तर लिखने नहीं होंगे प्रत्येक प्रश्न (जिसको भागे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई सुझा। गए उत्तर (जिसको भागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) विए जाते हैं। उनमें प्रत्येक प्रश्नाश के लिए ग्रापको एक उत्तर चुनलेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य धापको इस परीक्षा के बारे में हुं। आनकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्थकप से परिचित्त न होने है कारणकापको कोई हानि नही।

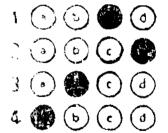
(ख) परीक्षाकास्वरूप

प्रश्न-पद्म प्रश्न 'पुस्तिका' के रूप में होंगे।प्रश्न पुस्तिका कैयर श्रंग्रेजी में तैयार की जाएगी।इस पुस्तिका में कम संख्या 1,2,3 श्राि के कम से प्रक्तांश होंगे। हर प्रक्तांश के नीचे ए, बी, सी, बी चिन्ह के साव सुझाए गए प्रश्युत्तर लिखे होंगे। बापका काम एक सही या यवि बापको एक से प्रधिक प्रत्युत्तर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करन होगा। (भन्त में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें) किसी भी स्थिति 🕏 प्रस्थेक प्रश्नाम के लिए ग्रापको सही प्रत्युक्तर का चुनाव करना होगा यदि माप एक से भ्रधिक प्रस्युत्तर चुन लेते हैं तो मापका प्रस्युक्तर गनः मामा जाएगा।

(ग) उसर देने की विधि

परीक्षा भवन में ग्रापको ग्रलग एक उत्तर पक्षक विया जाएगा भापको भपने प्रश्युत्तर इस उत्तर पत्नक से लिखने होंगे। प्रश्न पुस्तिक में या उत्तर पत्रक को छोड़कर ग्रम्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तः महीं जिच्चे आ एंगे।

उत्तर पक्रक (जिसकी एक नमुना प्रति द्यापको प्रवेश प्रमाण-पर के साथ मेजी जाएगी) से प्रश्नीशों की संख्याएं 1 से 160 तक आरा खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए, बी, सी, डी जिन्ह बाहे वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं।प्रश्न पुस्तिका के प्रस्येक प्रश्नाम को पढ़ लेने भीर यह निर्णय करने के बाद कि कीन सा प्रस्युत्तर सही या सर्वोत्तर है इसको इस प्रत्युत्तर के प्रकार वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बनाकर उसे ग्रंकित कर देना है जैसाकि (भ्रापका उत्तर वर्काने के लिए) नीचे विखाया गया है। उत्तर पक्रक के वृक्त को क(ला बनाने के लिए स्याही काप्रयोगनहीं करना चाहिए।



यह अभरी है कि:--

- 1. प्रश्नोशों के उत्तरों के लिए केवल प्रश्की किस्म की एष० बी० (पेंसिल) (पेंसिलें) ही लाएं ग्रीर उन्हीं का प्रयोग करे।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आर्थ भपने साथ एक रवह भी भाएं ।
- उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी प्रसानधानी नहीं बरतनी चाहिए जिससे यह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट झादि पकुजाएया सारावाही जाए।

(च) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- 1. भ्रापको परीक्षा भारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा भौर पहुंचते ही भ्रपना स्थान प्रहुण करना होगा।
- परीक्षण गुरू होने के 30 मिनट बाद किसी भी परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 3. परीक्षा शुक्र होने के बाद 45 मिनट नक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की प्रनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समान्त होने के बाब, प्रश्न पुस्तिका भीर उत्तर-पक्ष निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सींप दें। भ्रापको प्रश्न पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की भनुमित नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कहा दंड विया जाएगा।
- 5. भ्रापको उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरता होगा, भ्रापको कुछ विवरण उत्तर पत्नक पर कूटबद्ध भी करता होगा। ६सके बारे में भ्रापके पास अमुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजे जाएंगे।
- 6. प्रथन पुस्तिका में दिए सभी ध्रनुदेश ध्रापको भावधानी से पहने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से ध्रापके नम्बर कम ही सकते हैं। ध्रगर उत्तर पलक पर कीई प्रविद्धि संविष्य है, तो उस प्रश्नां के प्रत्युक्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के ध्रमुवेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को धारम्म या समाप्त करने को कहे तो उनके ध्रमुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7 शांप श्रपना विशेष प्रमाण-पत्र साथ लाएं. शांपको श्रपने साथ एक एष० बी० पेंतिन, इक रबक, एक पेंसिल प्रार्पनर छोर नीली या काली स्पाष्ट्री वाली कलव की लानी होगी। शांपको सलाह दी जाती है कि झांप अवने साथ एक-एक क्लिब बोर्ड या हार्ड बोर्ड भी लाएं जिम पर कुछ न लिखा हो। शांपको वरीला भनन में कोई खाली कांगज या कांगज का टुकड़ा था पैमाना या धारंखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काजु के लिए धांपको ललग कांगज विया जाएगा। श्राप कल्चा कांम शुरू करने के पहले उम पर परीका कां नाम, धपना रोल नम्बर धोर वरीक्षण की तारीज लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उमे धांपने उनर बज़क के माथ पर्वक्षक को सापस कर हैं।

(छ) विशेष धन्येग

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक धापको उत्तर पत्रक देंगें। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर वें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक धापको प्रथन पुस्तिका खेंगे। प्रथन पुस्तिका सिलके पर भाप यह भवश्य देख ने कि उस पर पुस्तिका की संख्या सिखी हुई है प्रश्वा, उसे बदलवा नें। प्रश्न पुस्तिका को खोलने से पहले उसके पहले पृष्ट पर ग्राना अनुक्रमांक निर्दे । भापको प्रश्न पुस्तिका सब तक खोलने की धन्मिन नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए नकहें।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यशिष इस परीक्षण का उद्देश्य भाषकी गति की अपेका शुद्धता को जांखना है, किर भी यह जरूरी है कि भाष भ्रपने समय का यशासंसव यक्षता से उपयोग करें। सन्तुलन के साथ भ्राप जिननी जन्दी काम कर सकते हैं करें, पर लापरवाही न हो। भ्राप सभी अग्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों लो जिन्ता न करें। भ्रापकी जो प्रश्न भ्रत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय अर्थन करें। दूसरे प्रश्नों की भ्रोर यहें भ्रीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विभार करें।

सभी प्रकाशों के शंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके । या श्रीकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के श्राधार परही श्रीपक्षी शंक किए आक नहीं काटे जाएंगे 58—286 GI/85

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक प्रापको लिखाई बन्द करने को कहें, प्राप लिखना बन्द कर वें। प्राप प्रयने स्थान पर तब नक बैठे रहें जब तक निरीक्षक प्रापके पास प्राक्त प्रापसे सभी प्रावश्यक वस्तुएं से जाएं घौर प्रापको हात छोड़ने की प्रनुमति वें। प्रापको प्रशन पुस्तिका भीर उत्तर-पत्रक तथा कक्के कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर से जाने की प्रनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोड-- सही/सर्वोत्तम उत्तर विकल्प को निर्दिग्ट करता है)।

सामान्य भ्रध्ययन

ß

वहुत ऊंचाई पर पर्यतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखन में से किस कारण से रक्त छात होता है:---

- (a) रक्तका दाव वागुमण्डल के बाब से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाव यायुमण्डल के दाव से प्रधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर बाब समान होता है।
- (d) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव के प्रमुख्य घटता बहुता है।

2. English)

(Vocabulary—Symmetries)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(4) largest so far

3. (कृषि)

अरहर में फलों का अड़ना निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से ध्य किया जा सकता है?

- (a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड्छाव
 - (b) दूरलूर पौध लगाना
 - (c) सभी श्रृतु में पौध लगाना
 - (d) चोड़े-थोड़े फासले पर पौधे लगाना

4. (रसायन विज्ञान)

H3VO1 का एनहाड़ाइड निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a) VO_3
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- *(d) V₂O₅

s. अर्थ गास्त्र

श्रम का एकाधिकारी गोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता

- *(a) सीमान्त राजस्व उ-पाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा मीमान्त राजस्वे उत्पादन दोनों बरावर हों ।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के घराबर हो।

8. (बच्चुत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को अपेक्षित पैरावैद्यलीक 9 के पैरावैद्यत के म सम्पूरित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में सवरण वेग दगौना है तः आइन में संचरण का वेग क्या होगा ?

- *(a) C
- (b) C
- *(c) C₃
- (d) C₉

7. (भू-विज्ञान)

बेसास्ट में प्लेजिओक्सेस क्या होता है ?

- (a) आलिगो लेख
- (b) सबटेकोराक्ट
- (c) एल्लाइट
- (८) एनापरिट

в. (गणित)

मूल बिन्दु से गजरने बाला और $\dfrac{d^2y}{dx^2} - \dfrac{dy}{dz} = 0$ समीकरण की

सगत रखने बाला वक-परिवार निम्निखित में से किससे निविष्ट है ?

- (a) $y \rightarrow ax + b$
- (b) y **=** ∞ax
- (c) $y=a_o^x+be$
- *(d) y=ae-a

9. (भौतिकी)

एक आवर्ष छण्ना इंजन 400° K 300° K के तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमसा निम्नलिखित में मे क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (0) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (सांख्यिकी)

विवि द्विपव विचार का माध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निम्नालिखत भैं से क्या होता ?

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) 5

11. (भूगोस)

वर्मी के दक्षिणी भाग की अध्याधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखिन में क्या है ?

- (42) यहां पर खनिज साधमीं का विपुल भण्डार है।
- (b) वर्मा की अधिकांश नदियों का केल्टाई भाग है। १९९७
- (c) महां श्रेष्ठ बन सम्पदा है।
- (ed.) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

12. (भारतीय इतिहास)

बाह्मणनाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- (a) बौद्धधर्म के उस्कर्ष काल में भी बाह्मणबाद के अनुयायियों की संख्या बहुत स्रधिक थी।
- (b) ज्ञाह्मणथाद अञ्चल अधिक कर्मकाण्ड और आडम्बर पूर्ण धर्म था।
- (c) ब्राह्मणवाद के अध्युवय के साथ बलि सम्बन्धी पत्र कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) ध्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करण केसंस्कार निधारित थे।

13. (वर्शन शास्त्र)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी वर्शन समृह कीन सा है?

- (a) बौज, न्याय, धावकि, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशाविक, जैन और बीडा, चार्वाक
- (c) अर्ज्ञ, वेदान्त, सांख्य, चाथोक, योग
- (d) बौद्ध, साँख्य, मीमांसा, चार्वाक

14 (राजनीति विज्ञान)

वृत्तिगत प्रतिनिधान का अर्थ निम्निखित में से क्या है ?

- (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमंदल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
- * (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्पना
 - (c) किसी शेजगार सबधी सगठन में प्रतिनिधियों का णनाव।
 - (d) श्रमिक संबों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रनिनिधि ।

15. (मनोविकान)

सक्य की प्राप्त निम्नलिखित सें से किम को निर्वेशित करती है?

- (a) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
- (b) भावारमक अवस्था में न्यूनता
- (c) व्यवहारिक अधिगम
- (त) पक्षपास पूर्ण अधिगम

18. (समाजणास्त्र)

मारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन सी उपक्रिश्य ♣?

- (a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्य प्राप्त हुआ है।
 - (b) छआछूत कम हुई है।
 - (c) वंदित वर्गी के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
 - (4) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणीं:--- उम्मीदवार को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रथनांश (प्रथन) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं कि ये इस परीक्षा की पाठयचर्या के अनुसार हों।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th September 1985

No. A-19011/7i85-Adm.I.—The President is pleased to appoint Smt. Nita Kapoor, IDAS as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 2nd September, 1985 until further orders.

M. P. JAIN, Under Secy. (Personnel Admu.) Union Public Service Commission

GLE INTERNATIONAL INTERIOR CONTRACTOR OF THE PROPERTY AND ADMINISTRAL PROPERTY AND ADMINISTRATION AND ADMINISTRAL PROPERTY AND ADMINISTRATION ADMINISTRATION AND ADMINISTRATION ADMINISTRATION AND ADMINISTRATION ADMINISTRATION ADMINISTRATION ADMINISTRATION ADMINISTRATION AND ADMINISTRATION ADMINISTRATI

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 27th September 1985

No. 2|13|84-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Dr. R. B. Verma, an Asstt. Director (Horticulture) of the Central Public Works Department, as Asstt. Technical Examiner (Horticulture) in this Commission in officiating capacity on deputation basis in the scale of pay of Rs. 650—1200 plus a special pay of Rs. 75|- p.m. with effect from the forengon of 17th Sept., 1985, until further orders.

K. L. MALHOTRA,

Under Secy. (Admn.), for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 23rd September 1985

No. A|19036|26|79|AD.V.—On repatriation from Govt. of Sikkim, Shri M. M. Rai, Dy. Supdt. of Police|CBI joined CBI in the same capacity on the forenoon of 12th August, 1985.

The 24th September 1985

No. A|19036|11|77-AD-V.—On his repatriation from the Special Investigation Team (MHA|New Delhi) Shri D. P. Singh, an officer of U.P. Police on deputation to CBI, joined CBI as Dy. Supdt. of Police in the forenoon of 24th August, 1985 and posted in SIC (Punjab Cell).

No. A-19020|4|83-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Gupta, IPS (PB: 1969) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation|Special Police Establishment with effect from the forenoon of 6th Sept., 1985 and until further orders.

No. A-19020/7/83-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri P. Lal IPS (JB: 1969) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the afternoon of 5th Sept., 1985 and until further orders.

No. A-19023[3]84-Ad. V.—Services of Shri S. Shanapalan, APP|Grade-II, Tamil Nadu working as Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, GOW: Madras Branch on deputation are placed at the disposal of Government of Tamil Nadu on repatriation, with effect from 31-8-1985 afternoon.

The 25th September 1985

No. B-72|66-AD.V.—Shri B. R. Dubey has taken over as Supdt. of Police|SIC|CBI New Delhi with effect from the forenoon of 4th September, 1985 on repatriation from the Govt. of Sikkim.

No. A-19029|1|80-Ad.V.—The President is pleased to accept the resignation from service submitted by Shri Anil Sud, Technical Officer (Accounts and Income Tax)|C.B.I., with effect from the afternoon of 18th September, 1985.

R. S. NAGPAL,

CBI.

Administrative Officer (E)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 20th September 1985

No. A.VI-9|78-Estt|(CRPF).—The President is pleased to appoint the following officers on 'transfer basis' as Joint Assistant Director (Legal) in the CRPF in the pay scale of Rs. 1200—50—1600:—

- 1. Shri M. S. Hundal
- 2. Shri P. N. Mago.
- 2. They have accordingly taken over charge of the post on the forenoon of 6th September, 1985.

The 23rd September 1985 CORRGENDUM

No. F.2 | 18 | 84-Estt(CRPF).—Reference this Directorate General notifications No. F.2 | 36 | 83-Estt(CRPF), dated 16.5.84 and F.2 | 44 | 83-Estt(CRPF) dated 13-12-83.

2. The dates of proforma promotion in respect of S|Shri B, S, Gill and S, H. Khan, Dy. SSP to the rank of Assistant Commandant are hereby amended to read as 15-1-84, the latest date on which one of their seniors was promoted as AC in the CRPF instead of 4.8.83 and 3.8.83 AN respectively

(Authority: MHA's UO No. 6496 84-Pers.II dated 2-1-85).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI, Asstt. Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE New Delhi-110003, the September 1985

No. E-16013(2)|1|81-Pers.I.—Consequent upon his repatliation to State Govt. (Cadre), Shri S. K. Verma, IPS (PB: 67) relinquished charge of the post of Group Commandant CISF Group Hqrs., Patna with effect from the afternoon of 16th September, 1985.

The 23rd September 1985

No. E-16013(2)|11|85-Pers.1.—Consequent upon his repatriation to State Cadre, Shri Gurvinder Singh Bhullar, IPS (Pb: 69) relinquished charge of the post of Commandan, CISF Unit, ISRO Thumba with effect from the afternoon of 9th August 1985.

No. E-31013 (25)|1|85-Pers. (1).—The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officers a Assistant Commandant for a further period upto 18-8-1986 or till regular selection is made, whichever is explier:—

S. No. Name of the officer

S/Shri

- L. Nathuni Ram
- 2. P. D. Khullar
- 3. D. R. Jangada
- 4. P. C. S. Guleri
- 5, M. Chhetri
- 6. R. S. Khatri
- 7. D. T. Muralcedharan
- 8. S. N. Duggal
- 9. G. C. Thapliyal
- 10. S. P. Saxona
- 11. Ashish Moitra
- 12: S. N. Rao
- 13 R. C. Prasad
- 14. Ashok Vohra

1 2	
15. J. S. Saini	
16. D. C. Suraj	
17, K. Yashu Ɗasu	
18. R. D. Pal	
19. S. R. Dahiya	
20, L. N. Bag	
21. K. K. Niranjan	

No. E-38013 (4)/1/85-Pers. I—President is pleased to appoint the following Inspectors (Exe.), on promotion a Assistant Commandant in CISF with effect from the dates mentioned against each on purely ad-hoc basis and temporary upto 18th August, 1986 or till such time regular appointments are made whichever is earlier:—

Sr. Name of Officer No.		Date of assumption of charge as Asstt. Comdt. (Ad-hoc)	CISF Unit
(1) (2)		(3)	(4)
S/Shri 1. S. S. Shukla		2-9-85 (F.N.)	DSP Durgapur
2. Krishna Chandra	1.	19-8 - 85 (F.N.)	Gp · HQ. Patna
3. V. K. Khosla		25-8-85 (F.N.)	NFL Nangal
4. N. B. Saxena		31-8-85 (F.N.)	Salal Project
5. G. L. Khichi		30-8-85 (F.N.)	RSP Rourkela
6. V. K. Gupta		28-8-85 (A,N)	MUL Gurgson
7. S. P. Yadav		5-9-85 (F.N.)	NPP Nowgong
8, N. K. Swamy		22-8-85 (A.N.)	FSTPP Farakka
9. T. S. Bhinder		28-8-85 (F.N.)	MIOP Meghahi tu-
10, S. C. Mishra		5-9-85 (F.N.)	IOC Barauni
11. V. P. Prabhu		6-9-85 (F.N.)	PPT Paradip
12. G. S. K. Nair		7-9-85 (A·N)	CPT Calcutta
13. C. S. G. Sharma	•	31-8-85 (F.N.)	DTPS Durgapur
14. S. C. Saklani		7-9-85	CPT Calcutta
15. D. S. Mehra		(A·N.) 21-8-85 (E.N.)	BSL Bokaro
16. Om Prakash		(F.N.) 5-9-85	CCWO Dhanbad
17. T. D. Goswamy		(A.N.) 31-8-85 (A.N.)	SHAR Centre

D. M. MISRA Director General/CISF

New Delhi-110001, the 27th September 1985 No. E-16013|(1)|23|85-Pers,I(CISF)|Pers,IV.—The Prestdent is pleased to appoint Shri D. M. Misra, an officer of the Indian Police Service, Cadre of Orissa (1952) as Director General, Central Industrial Security Force with effect from the afternoon of 31st August, 1985 and until further orders.

> KANWAL NATH, Director

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas-455003, the 22nd September 1985

F. No. BNP[C|5]85.—In continuation of this Office's Notification of even No. dated 24.3.85 the ad hoc appointment of Shri P. V. Verghese as Accounts Officer in Bank Note Press. Dewas is extended for a further period of six months with effect from 21-9-85 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

M, V. CHAR, General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 24th September 1985

No. 1936-CA.I|33-82.—On his attaining the age of superannuation Shri B. S. Gupta of the office of the Accountant General-II, Uttar Pradesh office on deputation with Delhi State Industrial Development Corporation Limited, New Delhi has retired from Govt. service with effect from 31.8.1985 AN.

No. 1937-CA.1[73-69.—On his attaining the age of superannuation Shri H. C. Chakraborty, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Accountant General (Audit), Assam, Meghalaya etc., Shillong has retired from service with effect from 31.7.1985.

K. P. LAKSHMANA RAO, Asstt. Comptr. & Auditor Genl, (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I,

New Delhi, the 27th September 1985

No. Admn.I|O.O. No. 251.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shii V. K. Garg, a Permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the afternoon of 13th September, 1985 until further orders.

Sd |- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 20th September 1985

No. Admn-I|G.Os. Promotion|1389.—Accountant General (A&E) I, Madhya Pradesh, Gwalior, has been pleased to promote the undermentioned permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 until further orders, with effect from the date noted against them:—

S. No., Name, permanent No. & Date from which promoted

1. Shri G. S. Singh, 02|438--5.8.85 (F.N.). (Authority:-A.G. (A&E)-1, M.P. orders dt. 1.8.85).

Sd[- ILLEGIBLE

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL (A&E) ORISSA

Bhubaneswar-751001, the 24th September 1985

EO. No. 40.—The Accountant General (A&E), Orissa is pleased to appoint Shri K. C. Mohapatra, Section Officer of

of this office to officiate as Accounts Officer in the scale of pay Rs. 840-40-1000-EB-1200|- with effect from 3.9.85 (F.N.) until further orders in accordance with the provisions of the I.A. & A.D. (Administrative Officer, Accounts Officer and Audit Officer) Recruitment Rules, 1969. This promotion is on adhoc basis and subject to the final decision of the High Court|Supreme Court on the cases subjudice in the Court and without prejudice to the claims of his seniors.

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) RAJASTHAN

Jaipur, the 23rd September 1985

No. Admn. I. (Audit)/18-10/1317,—The Accountant General (Audit) Rejasthen, Jaipur has been pleased to promote in the officiating capacity the undermentioned Section Officers to the post of Asstt. Audit Officer (Group-B gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-E. B.-40-1040 from the dates noted against each till further orders.

Sl. No.	Name			,		Date
S/Shri		•				
1. Vinod I	Cumar Agarw	e J				31-7-85
2. Heera S	Singh .					31-7-85
3. Vidya S	ager Sharma					31-7-85
4. Ravind	ra Nath Sharr	na				31-7-85
5. Ram Sv	varoop Singh	Punia	1			31-7-58
6, C.B.N	lathur .					31-7-85
7. Gopal I	∟al Shárma II	l				31-7-85
8. Mathar	i Chi cko					31-7-85
9. O. P. G	upta .					31-7-85
10. Yas Pai						31-7-85
11. B dri P	resad Sherma			,		31-7-85
12. Nand R	am Chitoria					31-7-85
13. Nagar I	Mal .					31-7-85
_	landan Goyal					1-8-85
	Singh Modi					19-8-85
					— -	 C

No. Admn. I (Audit)/19-10.—The Accountant General (Audit) Rajasthan, Jeipur he's been pleesed to preme to the following Assistant Audit Officers to the post of Audit Officers (Group B gazetted) in the scale of Rs. 840-40-1000-E.B.-40-1200 in an officiating capacity, till further orders from the determined against each.—

S.No.				
S/Shri			 	
1. Raj Kumur Jain .				26-6-85
2. Satya Pal Mahna .				24-6-85
Prakash Chand Mathur				24-6-85
4. Rajendra Singh Verma				24-6-85
Kishan Lal Wadhwa .				24-6-85
6. Gangadhar Nand Lal B	odha			28-6-85
7. Jhaman Dharam Dass I	Bha gcha	ındani		28-6-85
Buli Chand Vinayak				28-6-85
Jogendra Singh Jahhal				28-6-85
10 Shushi Sunder Dwivedi				9-7-85
II. Heera Lal Paliwal .				15-7-85
12. Nasifuddin Quareshi .				26-8-85
13. Babu Lal Bakiwala .				26-8-85
14, Panna Lal Maleti .				26-8-85
15. Shambha Saran Dalela				28-8-85

A. MUKHOPADIIYAY Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, WEST BENGAL

Calcutta-70 001, the 10th September 1985

No. Admn. 1/1038-XXI/1752.—The Accountant General-I, Vest Bengal has been pleased to appoint on adhoc and pro-isional basis the following permanent section officers to offi-

ciate as Accounts Audit Officers in temporary and officialing capacity with effect from the forenoon of 10th September 185 as Accounts Officers in the offices of the A.G.-I, A.G.-II & A.G.-III, West Bengal and as Audit Officers in the office of the Director of Audit Central, Calcutta until further orders.

S. No., Name

S]Shri

- 1. Smriti Kumar Sen
- 2. Gosta Behari Choudhury
- 3. Tushai Kanti Mukherjee
- 4. Sourendra Mohan Bhattacharjee
- 5. Satyendranath Das
- 6. Mrinal Kumar Pal
- 7. Ramlal Saha
- 8. Aloke Kumar Choudhury
- 9. Madan Mohan Jas
- 10. Amiya Kumar Sengupta
- 11. Panchanan Mukherjee-1
- 12. Debendranath Dey
- 13. Sreenath Biswas
- 14. Anil Kumar Sarkar-II
- 15. Chittaranjan Das-IV
- 16. Rakhal Ranjan Sen
- 17. Parimal Kumar Saren
- 18. Achintya Kumar Chandra
- 19. Baleswar Prasad Gour

It should be clearly understood that the aforesaid promotions in the cadre of Accounts Audit Officers are purely provisional during the pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the Court case filed against the Union of India and others under C.R. case No. 14818 (W) of 1979.

The newly promoted Accounts Officers will have to exercise option within one month. On their promotions, their pay thould be first fixed under FR 22c and in case they exercise option in terms of para-2(b) of OM dated 26-9-81 within the prescribed period of one month, their pay should be reflixed under FR 22(a)(i) with effect from the date of their promotion and then under FR 22c only with effect from the date of next increment in the feeder post.

D. MISRA,

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

West Bengal.

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 23rd September 1985 No. 7(2)84[Admt][12369,—Shri K. M. Raghuraman, Stenographer Grade-1 is promoted to officiate in the post of Administrative Officer in the Directorate-General of Mines Safety with effect from 1.7.1985 (F.N.).

No 7(2)84-Adm.1|12376.--Shri S. Bhattacharjec, Assistant Administrative Officer is promoted to officiate in the post of Administrative Officer, in the Directorate-General of Mines Safety with effect from 1.7.1985 (F.N.).

No. 7(2)-84-Adm.112383.—Shri G. S. Mitharu, Superintendent is promoted to the post of Administrative Officer in the Directorate-General of Mines Safety on adhoc basis w.e.f. 1.7.85 (F.N.) until further orders.

No. 7(2)84-Admn.1|12390.—Shri M. Mondal, Superintendent is promoted to the post of Administrative Officer in the Directorate-General of Mines Safety on ad-hoc basis with effect from 1.7.85 (F.N.) until further orders.

No. 7 (2)/84-Admu, I/12397—The following Superintendents are promoted to Officiate in the posts of Assistant

Administrative Officer in the Directorate-General of Mines Safety from the dates shown against their names.—

S. No. Name							Dates
1. Shri B. A. Rajel .			•	•		*	1-7-85 (F.N.)
2. Shri S. L. Pan .			•				1-7-85 (F.N.)
3. Shri G. C. Sengupta	•	•		•	•		1-7-85 (F N.)

No. 7 (2)84-Admn. I/12404.—The following Superintendents are promoted to Officiate in the post of Assistant Administrative Officer on ad-hoc basis in the Directorate-General of Mines Safety from the dates shown against their names.

S. No. Name					Date
1. Shri R. B. Bhattach: 1 jee		'			1-7-85 (F.N.)
2. Shri R. N. Sen	•		٠	•	1-7-85 (F.N.)

No. 7(2)84-Admn. I/12411.—Shri M. M. Mondal. Accountant W.E.F. 1-7-85 (F.N.) and the following Het d Clerks are promoted to officiate in the lost of Assistant Administrative Officer on ad-hoc basis in the Directorate-General of Mines Safety from the dates shown against their names.—

S. No. Name					Date
1. Shri Jiten Mukherjee .		<u> </u>			1-7-85 (F.N.)
2. Shri H. C. Chakraberty	٠		•		3-7-85 (F.N.)
3. Shri A. S. P.(1)	•	•		•	1-7-85 (F.N.)
4. Shri Dwark i Prasod	•	•	•		1-7-85 (F.N.)
5. Shri D. P. Srivastava .		•			1-7-85 (F.N)

(Sd-) ILLEGIBLE Director General of Mines Saftey

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 25th September 1985

No. 12(119)|61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri B. Roy. Dy. Director (Mechanical), Small Industries Service Institute, Ludhiana to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-8-1985.

No. A-19018(782) 85-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Kanwaljit Singh, as Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) at Extension Centre, Jorhat under Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 17-6-85 until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

New Delhi-110 001, the 7th August 1985

No. A6|247(86).—The President is pleased to appoint Shri O. D. Sangar, Assistant Director of Inspection (Engg.),

(Gr. III of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg.) (Gr. II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Engineering Branch) in the scale of pay of Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600 with effect from 15-7-85 (F.N.) and until further orders.

2. Shi O. D. Sangar, relinquished charge of the office of Assistant Director of Inspection (Engg.) in the Directorate General of Supplies and Disposals on the forenoon of 15-7-85 and assumed charge of the Office of Dy. Director of Inspection (Engg.) in N.I. Circle, New Delhi on the forenoon of 15th July, 1985.

3. The appointment of Shri O, D. Sangar as Dy. Director of Inspection (Engg.) is subject to the outcome of the three LPAs No. 67[83, 68[83 and 69]83 filed by U.O.1. in Delhi High Court and WP No. 3001[83 and 35[83 filed by Shri S. C. Anand, DDI (Engg.) in Bembay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in Delhi High Court and WP No. 1277[78 filed by Shri O. D. Sangar in Delhi High Court.

R. P. SHAHI, Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 24th September 1985

No. A-19011(33) 85-Estt.A. PP.—It is informed with profound sorrow that Shri R. K. Sinha, Superintending Mineral Economist (Int.) expired on the afternoon of 21st September, 1985. As such his name has been struck off the strength of the Indian Bureau of Mines.

G. C. SHARMA, Assit. Administrative Officer for Controller General

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 20th September 1985

No. F.2-16|83-Estt.—Dr. P. C. Tak is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650-1200 in the Zoological Survey of India, High Altitude Zoology Field Station, Solan, in a temporary capacity with effect from 28-8-1985 until further orders.

DR, B. K. TIKADER,

Director

Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 20th September 1985

No. A. 22012/118/84-CHS II/PH (III).—Consequent upon the transfer of the following officers vide D.G.H.S Office order No. A. 22012/118/84-CHS II/PH (IH) dated 18-4-1985, they have as sumed/relinquished the charge in the office shown against their names as under:—

S. No. Name of Officer	-	Charge relin- quished	Charge assumed
1. Dr. S. D. Khosla "		A.P.H.O. Delhi Airport as Asstt. A.P.H.O. w.c.f. 14-5 85 (F.N.)	C.G.H.S. Delhi w.c.f. 14-5-1985 (A. N.) as Me. dical Officer
2. Dr. S. R. Aggarwal	•	As Medical Officer in C.G.H.S. Delhi South Zone w.c.f. 13-5-1985 (F.N.)	As Asstf. Airport Health Officer w.c.f. 13-5-85 (A.N.) at A.P.H.O. Delhi Airport.

MATU RAM Dy. Director Admn. (D).

New Delhi, the 24th September 1985

No. A.12026/4/84-M(F&S).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G. Lenin Kamatchi, in the post of Scientific Officer-cum-Tutor (Pharmacology) at Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry with effect from the forenoon of 19th August. 1985 in a temporary capacity.

P. K. GHAI,

Deputy Director Administration (C & B)

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF FOOD DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi-110 001, the 19th September 1985

No. A-19012|26|70-Estt. Vol.II.—Shri S. D. Kewalramani, a permanent Section Officer (Accounts & Statistics) in the Directorate of Sugar has been appointed to officiate on purely temporary and ad-hoc basis, to the post of Inspecting Officer (Sugar), a group B Gazetted post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate, with effect from 20th August, 1985 (FN) for a period upto 31-1-1986 or until further orders, whichever is earlier

The 24th September 1985

No. A-20012|27|70-Estt.—Shri M. L. Antony, an Assistant (Accounts and Statistics) (Selection Grade) in the Directorate of Sugar has been appointed to officiate on purely temporary and ad-hoc basis, in the post of Section Officer (Accounts and Statistics), a Group 'B' (Gazetted) post in the pay scale of Rs. 500-20-700-EB-25-900 in the same Directorate, with effect from the 28th August, 1985 (FN) for a period upto 21-1-1986 or until further orders, whichever is earlier.

V. LAKSHMI RATAN, Jt. Secy. (Sugar)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 23rd September 1985

No. PA|73(12)|85-R-IV|970.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Kum) Tahiliani Veena Laxmandas as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of June 10, 1985 to the afternoon of August 17, 1985.

M. D. GADGIL, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 19th September 1985

Ref. No. DPS|41|16|85-Adm.|6677.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. T. Lakshmanan a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 17-6-85 (FN) to 20-7-85 (AN) in the same Directorate vice Shri K. Balagangadharan Assit. Burchase Officer granted leave.

P. GOPALAN, Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 20th September 1985

No. 05012|R3|OP|3523.-Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri B. P. Sharma, Assistant Accounts

Officer, Heavy Water Project (Kota) to officiate as Accounts Officer-II in the same Project in a temporary capacity on adhoc basis w.e.f. May 13, 1985 (FN) to June 29, 1985 (AN) vice Shri D. S. Israni, Accounts Officer-II granted leave

The 24th September 1985

Ref. No. 05012|R5|OP|3586.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Shiv Charan Herma Birua, Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same project, in a temporary capacity on adhoc basis w.e.f. June 6, 1985 (FN) to July 6, 1985 (AN) vice Shri D. N. Nair, Assistant Personnel Officer, granted leave.

No. 05012|R4|OP|3587.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri A. John Stephen, Selection Grade Clerk, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis w.e.f. June 17, 1985 (FN) to July 27, 1985 (AN) vice Shri G. Padmanabhan, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Admn. Officer-III.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY, Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 24th September 1985

No. 020|1(15.4)85-Est.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Shri S. V. Revankar from the post of Scientist|Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, with effect from the afternoon of August 23, 1985.

H. S. RAMADAS, Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th September, 1985

No. A. 3201 /1/83-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc? ppointment of the following Assit, Aerodrome Officers since made regular for the period mentioned against each:—

S. No. Name					Date
				From	To
S/Shri		,			
1, S. B. Dey				1-8-84	13-2-85
2. V. D. Yaday			-	Dο.	Do.
V. Ranganathan				Do.	Do.
4. H. N. Trisal				Do.	Do,
5, R. K. Kapur				Do.	Do,
6. R. L. Roda				Dο.	Do.
7. A. R. Mitra				Do.	Dо
8. G. C. Sarkar				Do.	Do.
9, D. C. Misra				Do.	Do.
10. V. T. Patil				Do.	Do,
11. Nothi Prasad				Do.	Do.
12. R. K. Sharma				Do.	Do
13. R. Choubcy	,			Do.	Do.
14. S. P. Singh				Dο.	Do.
15. S. Subramanium				Do.	Do.
16. M. J. Motwani			-	De.	Do
17. C. S. Tripathi				Do.	D٥,
18. Bijoy Sharma				Do.	Do.
19. S. Manoharan				Do.	Do.
20 . R. C. Ghia1	,_			Do.	Do.

Sl. No Mame				Di tc ·	
				From	
S/Shri.					- 4,
21. R. P. Gautam			,	1-8-84	13-2-85
22. Raja Ram				Do.	1-4-85
23. R. R. Kureel				Do.	1-5-85
24. B. C. Manghera				De.	1-6-85

M. BHATTACHARJEF
Dy. Director of Admn.

for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 25th September 1985

No. A.32013|14|84-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. Surrender, Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department to the post of Assistant Director of Communication on regular basis w.e.f. 28th May, 1985 and until further orders.

V. JAYACHANDRAN,

Deputy Director of Administration for Director General of Civil Aviation

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 16th September 1985

No. 1/564/85-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Gopalan, Supervisor, Madras Branch as Dy. Traffic Manager, in an officialing capacity in the same branch for the period from 11-3-85 to 25-3-85 (both days inclusive) against a short term vacancy.

The 25th September 1985

No. 1|563|85-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. Ramakrishnan, Supervicor, Madras as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same branch with effect from the forenoon of the 4th July, 1985, until further orders.

No. 1|567|85-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Raminder Singh, Supervisor, O.C.S.,, New Delhi, as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same branch with effect from the forenoon of the 4th July. 1985, until further orders.

R. K. THAKKER,

Dy. Director (Admn.) for Director General

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mis. Economic Self-Reliance Association.

Bombay-400 002, the 16th September 1985

No. 682 [19130] 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. Economic Self-Reliance Association nuless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Himalayan Homes Private Limited,

Bombay-400 002, the 16th September 1985

No. 68e/124105/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Himalayan Homes Private Limited, unless course is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bharar Here Purchase And Finances Limited

Bombay-400 002, the 16th September 1985

No. 681 18020[560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereal the name of the MIs Bharat Hire Purchase And Finance Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Celina Estates Private Limited.

Bombay-400 002, the 16th September 1985

No 688|24009|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mis. Celina Estates Private Limied, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Western India Minerals Association.

Bombay-400 002, the 16th September 1985

No. 612.0733/5(t/1(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Western India Minerals Association, unless cause is shown to the confrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Rockwell Engineering Private Limited.

Bombay-400 002, the 16th September 1985

No. 690/14736.560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Rockwell Engineering Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Masona Private Ilmited.

Bombay-400 002, the 16th September 1985

No. 093[4039]560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. Masona Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN,

Addl. Registrar of Companics
Maharashtra, Bembay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Dubey Finance (J & K) Private Limited.

Srinagar-190008, the 18th September 1985

No. PC|530|2064.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date of this notice the name of the Dubey Finance (J&K) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA, Registrar of Companies, J&K, Srinagar

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Movie Makers Private Limited.

Calcutta, the 17th September 1985

No. 24681 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Movie Makers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE, Addl. Registrar of Companies

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 13th September 1985

No. F.48-Ad(AT) | 1985.—Shri S. K. Biswas who is officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity is reverted to the post of Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay with effect from the afternoon of 13th September, 1985.

No. F.48-Ad(AT)|1985.—Shri S. V. Narayanan, Personal Assistant to President, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiale as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 2 months with effect from 1st July, 1985 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)|1985 dated 24th July, 1985 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of 3 months with effect from the 1st September, 1985 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

CH. G. KRISHNAMURTHY, President

FORM TINS---

(1) Shri Satish Kumar Kohli so Gobind Ram, rlo 616-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1985

A.P. No. 5852 and 5853.—Whereas I. No. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereissafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,090/and bearing No.

As per Schedule situated at Jalandhar

tand more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jalandhar in January, 1985

for an apparant consideration which is less than the faor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(2) Shri Rajinder Singh slo Lal Singh rlo 227-L, Model Town,

Jalandhar.

(Transferce)

(3) As. per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the program)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the onto of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 227-L situated in Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 4302 and 4328 of January, 85 of the Registering Authority, Jalandhar,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1987);

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 16-9-1985

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1985

A.P. No. 5854-5855.—Whereas 1. Ref. No.

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda in January & March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fail
market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the gaid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Duni Chand so Kishori Lal, ro Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Darshana Devi woo Desh Bandhu Goyal, 4720, Hospital Bazar. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered - Sale deed No. 3223 of January, 1985 and 567 of May 1985 of Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assisant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1985

Scal :

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 16th September 1985

No. A. P. No. 5856.—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

As per Schedule

situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandher in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Parkash Kaur wo Davinder Singh, rlo 13-Guru Nanak Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Davinder Singh slo Shri Gurdit Singh, ro Village Jalwera, Tehsil Garhshanker, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used are defined in Chapter XXA of Act, shall have the same meanin in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Plot No. 684, situated in Urban Est and persons as mentioned in the registered sale of January, 1985 of the Registering Authorit

> Ι. Comp.. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 16th September 1985

Ref. No. Λ.P J. L. GIRDHAR, Λ .P. No. 5857.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No

As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jalandhar in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Gurmakh Singh slo Harbans Singh Mukhtiar of Sandagar Singh. r o 13 Guru Nanak Nagar,

(Transferor)

(2) Shrimati Darshan Kaur wlo Gurmakh Singh rlo 13 Guru Nanak Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SHEDULE

Property Plot No. 1082|C, situated in Urban Estates, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4098 of January, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 18th September 1985

A.P. No. 5858.-Whereas, I, Ref. No. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000'- and bearing No. As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed herete)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thursfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incomotax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Sunita J. Masand wlo Sh. J. W. Masand, r|o 3-C, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Jagjit Kaur w|o Sh. Pirthi Pal Singh, ro A-I-342, Janak Puri, New Delhi.

(Transferee)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immer-able preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 3-C, situated in Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4059 of January, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 18-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 18th September 1985

Ref. No. A. J. l. GIRDHAR, A. P. No. 5859,-Whereas I, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000]- and bearing

Rs. 1,00,0000|- and bearing
As per Schedule
situated at Jalandhar Urban Estates,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Jalandhar in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

(1) Shri Aparinder Singh so Harwant Singh Mukhtair-am of Gurmit Singh s o Mehanga Singh, r o 1209-Urban Estate, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Dev Singh s|o| Shri Bal Singh, r o 104-C, Urban Estate, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As. S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Property No. 1074-C situated in Urban Estates, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4097 of January, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 18-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION_RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 18th September 1985

A. P. No. 5860-5861-5862.—Whereas I, No. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.

35634

As per Schedule situated at Adam Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Dalip Kaur, wd/o Jagtoo r/o Ward No. 6, House No. 928, Adam Pur, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

[PART III-SEC. 1

(2) 1. Shri Amarjit Singh so Harbans Singh and Smt. Kalwant Kaur wo Amarjit Singh (R.D. No. 4535), 2. Pritam Singh & Jinder Singh and Jaswant Singh (R.D. No. 4536).

3. Kuldip Singh s|o Tarlok Singh, all resident of MCA-1515, Adampu, Teh. Jalandhar.

(Transferce)

(3) As. S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registered sale deeds No. 4535, 4536 and 4550 of dated January, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar...

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 18-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. JAI ANDHAR

Jalandhar, the 19th September 1985

A. P. No. 5863.—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. as per Schedule

as per Schedule as transferred and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kapurthala in January, 1985

for ah apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument f transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion at the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons gamely: 60-286 GI|85

(1) SSShri Navin Anand, Rakesh Anand, Rajesh Anand, sslo Shri Narinder Kumar Anand and Snt. Sudershan Anand wdo Narinder Kumar Anand and Smt. Chitra Anand woo Navin Kumar Anand, Directors Navin Wire Products Pvt. Ltd., Sultan Pur Road, Kapurthala, (Transferor)

(2) M|s Shiv Shanker Rice and General Mills, Sultan Pur Road, Kapurthala.

(3) Any other person interested in the property. (Person in occupation of the property)

(4) As. S. No. 2 above.

(Person whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land 4 Kls. 15 Mls. and factory building, situated at Sultanpur Road, Kapurthala and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2121 of dated January, 1985 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-9-1985

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 19th September 1985

A. P. No. 5864.--Whereas 1, Ref. No. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-. able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

as per Schedule

situated at Kapurthala

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Kapurthala in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) S|Shri Navin Anand, Rakesh Anand, Rajesh Anand, ss|o Shri Narinder Kumar Anand and Smt. Sudershan Anand Smt. Sudersnan Anand wd Narinder Kumar Anand and Smt. Chitra Anand woo Shri Navin Kumar Anand, Directors Navin Wire Products, Pvt. I.td. Sultan Pur Road, Kapui thala.

(2) M|s Shiv Shanker Rice and General Mills, Sultanpur Road, Kapurthala.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Ferson whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land 7 Kls. 2 Mls. and factory building electric motor connection situated at Sultannur Rond. Kapurthala and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2122 of January, 1985 of the Registering Authority, Kapurthala.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 19th September 1985

Ref. No. A. P. No. 5865.—Whereas I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000]- and bearing
No. as per Schedule
situated at Kapurthala

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beleve that the fair market value of the property as aforesaid execceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

isideration for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of isfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) S|Shri Navin Anand, Rakesh Anand, Rajesh Anand, sslo Sh. Naroder Kumar Anand and Smt. Sudershan Anand wd o Sh. Narinder Kumar Anand and Smt, Chitra Anand wio Shri Navin Kumar Anand, Directors Navin Wire Products Pvt. Ltd., Sultan Pur Road, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Des Raj so Durga Dass and Sawtantar Kumar slo Ajudhiya Dass and Gurdial Sadi slo Amar Nath, clo Shiv Shanker Rice and General Mills, Sultanpur Road, Kapurthala.

(Transferce)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land 2 Kls. & 16 Mls. and factory building, situated at Sultanpur Road, Kapurthala and persons as mentioned in the registered sale deed No. 677 of June, 1985 of the Registering Authority, Kapurthala.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sad Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th Septtember 1985

A. P. No. 5866.-Whereas I, No. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing
No. as per Schedule
situated at Kapurthala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 4908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Kapurthala on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) S|Shri Navin Anand, Rakesh Anand, Rajesh Anand, sslo Shri Narinder Kumar Anand and Smt. Sudershan. Anand wd|o Sh. Narinder Kumar Anand and ' Smt. Chitra Anand wlo Shri Navin Kumar Anand, Directors Navin Wire Products Pvt. Ltd., Sultanpur Road, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Des Raj, Lekh Raj, ss o Durga Dass r o Meri Pur, Teh. Kapurthala and Onkar Nath slo Girdhari Lai rlo Arhna Wali, Teh. Kapurthala and Sawtantar Kumar slo Ajudhia Dass clo Shiv Shanker Rice & General Mills, Sultanpur Road, Kapurthala.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Property land 18 K-15 Mls. and boundry wall, situated at Sultanpur Road, Kapurthala and persons as mentioned in the registered sale deed No. 845 of June, 1985 of the Registering Authority, Kapurhala.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 19-9 1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th September 1985

C.K. No. 62|R-1515|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ.

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearng No. B situated at 84 J.C. Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed 1 eto), has been transferred under the Registraton Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Oncer at Bangalore under Registration No. 1326 84-85 Dt. 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M|s. Manish Enterprise,
 1-2, 1st Floor,
 Shrungar Shopping Centre,
 80, M. G. Road,
 Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. B. G. Krishnaswamy Iyengar, No. 10, 6th Cross, Malleswaram, Bangalore-560 003.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAY MON:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No.: Regn. No. 1326]84-85 Dt. 7-1-85]

Shop No. B-8 admeasuring about 126 sq. ft. on the floor, of the Manish Tower Building, 84 J.C. Road, Bangalore-560 002.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-9-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Baugalore-560 001, the 5th September 1985

C.R. No. 62|R-1567|37EE|84-85|ACQ|B.-Whereas I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. B-5 situated at 84 J.C. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Bangalore under Regn. No. 1339|84-85 Dt. 16-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, th respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Accidenting the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Manish Enterprise, 1-2, 1st Floor. Shrungar Shopping Centre, 80, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. Sajan K. Verghese Managing Director, The Oriental Finance and Exchange Coy., P.B. No. 299, Kottayam-686001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said knmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No..: Regn. No. 1339]84-85 Dt. 16-1-85] Shop Premises No. B-5 admeasuring 474 sq. ft. on the floor of the Manish Tower Building, 84 J.C. Road, Bangalore-560 602.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-14X Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th September 1985

Notice No. 1004|85-86.-Whereas, I,

R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. CTS No. 1262 and 1263 situated at Vishwashyal Nagar Hubb (und more fully described in the schedule annexed hereto), hase been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli under document No. 2963|dt. 4-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a, maintaking the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under out-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M. L. Agarwal Attorney of Transperot Corporation of India Ltd. office at M. G. Road, Secandrabad (A.P.) branch office N.C.M. Hubli.

(Transfefor)

(2) Shri Malaprabha Investment and Service Company Private Ltd.

Clo Vijuya Transport, Corporation Building, Behind New English School, Hubli-24.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2963 dated 4-1-1985] Plot bearing No. 12 and 13 admeasuring 10,200 sq. feet. situated atVishwashwaya Nagar Hubli.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th September 1985

C.R. No. 62|Notice No. 1005|85-86.-Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land Registration office No. 21454 situated at Miramar

Panaji Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rtgistering Officer at Ilhas Gon under document No. 124|dt. 14-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferer to per under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any minimizing the concentration of any income of any income of the not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jose, Antonio Alfredo Bernardo Afonso Fornandes & his wife Smt. Luiza Maqia Fernandes R o Benferos Bungalow. Miramar, Panaji Goa.

(Transferors)

(2) The Chairman, The Beach West Co-operative Housing Society Ltd. Minamar Panaji Goa.

(Transferees)

- (3) Buliding No. 2(B)
- 1. Mrs. Rckha H. Thakker.
- 2. Mr. Ernest H. Shimose, 3. Mr. A.O.T. D'Mello, 4. Mrs. Irans Barbose, 5. Mrs. Ina Cabral,

- 6. Mr. Alfredo G. Soares.

Building No. 1(D).

- 1. Mrs. Verginia Paes,
- 2. Mrs. Lilla Menezes E. Valles,

- 3. Mr. Jose F. Fernandes.
- Mr. Jushine Fernandes.
 Mr. Ethel D'Mello.
- 6. Mr. J. F. D'Souza,

Building No. 3(A).

- 1. Mrs. Khanbibi H. Laljee,
- Mr. Julius Nazareth.
 Mr. V. N. Bhobe.
 Mr. Francis Cabral.

Building No. 4(D).

- Mr. Enginio F. Barnet.
 Mrs. Maria Lida Menezus.
- Mrs. Helena C. Telles.
 Dr. A. X. Riven Car.
 Mr. Hilloy D'Souza.

- 6. Mr. lymne Souza Margues.

all are clo Cotta Shet Building at Miramar, Panaji, Goa.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the nection in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interpreted in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 124 dated 14-2-1985]

The property consisting of Land admeasuring 1978 sq mis, with four building situated at Miramar Panamar Pana). Goa consisting of 22 residential flats.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th September 1985

C.R. No. 62|DR|234|37EE|84-85|ACQ|B,-Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. A-5 situated at Acquem Alto Margao Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 5-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of trtansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons name is the said Act, to the following remons name is the said Act, to the said Act, to the following remons name is the said Act, to the said Act, to the following remons name is the said Act, to the said Act, Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 61-286 GI 85

(1) Shri Gabriel Rodrigues, Benlik Bldg, 1F1. Behind Fatima Convent Margao-Goa.

(Transferor)

(2) Martha Travasso Margao-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. O]147[Feb.85 dated 5-2-1985] Flat No. A-5, situated at Acugem Alto Margao-Goa Measuring 88 sq mg.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-9-1985

(1) 1. Rama Babuli Kamat Ghanekor & wife Vishnu Babuli Kamat Ghanekor & wife 3. Laxmikant Babuli Kamat Ghanekor & wife Santa Inez Panaji-Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chowgule Industres Ltd. Chowgule House, Marmugao Harbour-Goa.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th September 1985

C.R. No. 62|D|R-17|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 514.25M Plot B situated at Panjim Municipal Limits Taluka

Ilhas-Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bangalore on 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D-98—Jan 1985 dated 8-1-85] No. 217111 (ving with plot No. B admeasuring 1879 M2.

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax / Acquisition Range, Bangalore,

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 11-9-1985

N() TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th September 1985

C.R. No. 62|DR.219|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

73 & 441 situated at 1572M2 Land bearing Margao (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 23-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Nicacinho Philip Martins and
 Atmira Esperanca Martins
 A-8 Nirmala Apartments Morgao-Goa.

(Transferor)

(2) M|s. Manuman Lowande & Associates. 2nd floor Marchon Building Opp. Lohia Maidan Margao-Goa,

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|12st Jan 85 dated 23-1-85) 1572 M2 Land bearing Margao-Goa.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th September 1985

Ref. No. GRG|609|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land measuring 11 bigha 17½ biswa pukhta situated at Village Nathupur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7043 dated 8-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as efforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Khushi Ram, So. Sh. Tota Ram, Ro. Village Nathupur Teh. & Distt. Gurgaon, (Transferor)
- (2) M/s. Paragoan Real Estate & Apartments Limited. 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatto or a period of 30 days from the service of notice on the respective sersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 bigha 174 biswa pukhta situated at Village Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No 7043 dated 8-1-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th September 1985

Ref. No. DLI|9|84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. land measuring 23 kanal 16 marla situated at Village

Palla Teh. Ballabgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi under Regstration No. 153

dated 29-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Bed Ram S|o Sh. Bansi S|o Sh. Gurshai R|o Vill. Palla Tch. Ballabgarh Distt, Faridabad. (Transferor)
- (2) M|s. Greater Delhi Planners (P) Ltd., Flat No. 3, Shanker Market, Connaught Circus, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 23 kanol 16 marla situated in village Palla Teh. Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 153 dated 29-1-85 with the Sub Registrar, Delhi.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1985

Ref. No. I.A.C.|Acq.KNL|153|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

land measuring 63 kanal 6 marlo situated at Village Rasulpur Teh. Kanal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal under Registration No. 7293 dated 8-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Phula S|o Sh. Hamira R|o Village Rasulpur Kalan Teh, Karnal.

(Transferor)

(2) S|Sh. Sewa Singh, Deva Singh, s|o Fateh Singh, R|o Vill. Sekhpura Teh. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 63 knoal 6 marla situated at Village Rasulpur Kalan Teh. Karnal and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 7293 dated 7-1-85 with the Sub Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th September 1985

Ref. No. HSR[|88|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-l and bearing No. land measuring 37 kanals 13 marla situated at Satroad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 4651

dated 9-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) SSh. Om Parkash, Ram Phal, Sunder Singh sslo Shri Sheo Nand & Smt. Lichhmi Prem Devi, Bharti Devi dlo Shri Sheo Nand Rlo Vill. & P.O. Satroad Khurad (Hissar).
- (Transferor) (2) S|Shri Jaswant Singh, Sumer Singh, Partap Singh, ss|o Sh. Mani Ram s|o Sh. Zora Singh, Urban Estate No. 2, Dubra Chowk, Hissar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the anid Act, shall have the same meaning as given Chapter.

HE SCHEDULE

Property being land measuring 37 kanal 13 morla situated at Village Satroad Khurad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4651 dated 9-1-1985 with the Sub Registrar, Hissar,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ro H. No. 12, Model Town, Panipat,

(1) S|Shri Naresh Kumar, Sanjiv Kumar, Ss|o Shri Hari Chand, S|o Shri Roshan Lal,

(Transferor)

(2) M|s. Sarswati Re-rolling Mills. Mirzapur Road, Hissar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th September 1985

Ref. No. HSR|100|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

an land measuring 20 kanal 1 marla situated at Mirzapur

Road, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hissar under Registration No. 4988 of Income-tax Rules,

1962 dated 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 20 kanal 1 marla situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4988 dated 28-1-1985 with the Sub Registrar, Hissar.

THE SCHEDULE

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiiotn Range, Rohlak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stction 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th September 1985

Ref. No. GRG|606|84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
land measuring 1 bigha 18 biswa situated at Village
Nathupur Teh, Gurgaon

(and more ully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer of Gurgaon under Registration No. 7022 of Income-tax Rules. 1962 dated 7-1-85

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been true; stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ Οľ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-62-286 GI 85

- (1) SSh. Dharam Singh, Babu Ram, Brahm Singh, Sslo Sh. Ganpat, Sint. Mano Sint. Birwati dlo Ganpat through Shi Dharam Singh, Slo Sh. Ganpat Mukhtiarc-am Sint. Rameshwati dlo Sh. Ganpat, Sint. Bholi wdlo Sh. Ganpat Rlo Village Nathupur Teh. Guragan gaon.
 - (Transferor)
- (2) M|s. Delhi Land and Finance Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Delhi-1. Street, New (Transfer**ce**)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 bigha 18 biswa pukhta situated at Villoge Nathusur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7022 dated 7-1-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 5-9-85

FORM NO. LT.N.S.-

(1) Smt. Sunita Aggarwal, w/o Sh. V. K. Aggarwal, R/o 5-E-3-BP, NIT, Fardbaabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ramm; Kedia, Wo Sh. C. K. Kedia, Rlo 1-E-43, NIT, Fardiabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th September 1985

Ref. No. FBD 23 84 85.—Whereas, I. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

House No. 5-C BP NIT, Fardigabad situated at Fardiabad and more fully described in the schedule annexed hercto) has been transferred and registered under the Registration Act,

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 2478 of Incomelax Rules, 1962 dated 2-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as offersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Property being house No. 5-E-3 BP, NIT situated at Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at St. No. 2478 dated 2-1-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
> Acquisition Range, Robbak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-9-85

Sen1 ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th September 1985

Rci. No. FBD|13|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Plot No. 1345 situated at Sector 14, Urban Estate, Faridabad had

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Paridabad under Registration No. 3168 of Income-tax Rules, 1962 dated 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S|Shri Atul Sharma, Manoj Sharma, Ss|o Shri Ramesh C. Sharma, R|o 10 Babar Lane, New Delhi.

(Transferor)

2) Sh. Chander Kant Aggarwal, Slo Sh.i Kanwar Sain Aggarwal, Rlo H. No. 1092 Sector 15, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nervens, whichever period expires laser;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property to my plot No. 1345 measuring 1011.11 sq. y3., situated at acc or No. 14 Urban Estate, Faridabed and as more men loaded in this sale deed registered at No. 3168 dated 21-1 1985 with the Sub Registrar, Faridabad.

P. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Liconatura
Acquisition Range, Robtak.

C.V. 4-9-85

FORM ITNS----

(1) Shri Bhartu, So Sh. Gaju Rlo Vill. & P.O. Nathupur, Distt. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Paraguon Real Estate & Apartment Limited, 21-22, Narindra Place, Parliment Street, New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th September 1985

Ref. No. GRG[611]84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. land measuring 5 bighas 19 biswas situated at Village

Nathupur

(and more fully described in the Schedul: annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gurgaon under Registration No. 7048 of Income-tax Rules, 1962, dated 9-1-1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANIION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer,

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bigha 19 biswas situated at Village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7048 dated 9-1-1985 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Incom-iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

B. L. KHATRI Compete at Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the rand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Tate: 5-9-85 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Kale, Pirbhu, Sher Singh, Ss o Sh. Bhim Singh, R o Vill. Nathupur Teh. Gurgaon.

(2) Pa agaon Real Estate & Apartments Ltd. Narendra Place, Parliament Street, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th September 1985

Ref. No. GRG 608 84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,:00,000 and bearing

No. land measuring 8 bigha 12 bishwa Pukhta situated at Vil-

lage Nathupur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Gurg on under Registration No. 7038 of Income-tax Rules,

1962 cated 8-1-85

for ar apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in subject of any income arising from the transfer: SUBJE / DK

> (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian incorne-tax Act, 1922 if of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 lot 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 bigha 12 biswa pukhta situated at Village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7038 dated 8-1-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. KHATRI Competer: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-9-85

NOTICA: UNDER: SECTION 269D(1) OF THE INCOMECTÁR ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd September 1985

Ref. No. AMB 15484-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 2695 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 7 kanal situated at Vill. Singhawala Teh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 1604 of Income-tax Rules, 1962 dated 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect on the property as atoresand fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, tend for
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Karnail Singh, So Partap Singh, Ro Vill. Singhawala Teh. Ambala.
- (2) Sh. Roshan Lal Tirkha, So Pt. Ram Jas, Radhey Shyam Tayal, So Sh. Puran Mal, Ro Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sad immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 Kanals situated at Village Singhawala and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7604 dated 31-1-85 with the Sub Registror, Ambala.

> B. L. KH. Compatent Authority Inspecting Assistant Commissione: of I come tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the ecquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .

Date: 3-9-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd September 1985

Ref. No. SPT 117 84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-inx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the inail Act') have reason to believe that the immovable preparty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
No. Land measuring 8 kanal 6 marla comprising of four rooms, on and and boundry wall situated at Kundly (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been anosferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Schepat under Registration No. 4572 of Income-tax Rules, 1962 dated Ion, 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as efforced to the fair market value of the property as efforced to the fair market value of the property as efforced to the fair market value of the property as efforced to the fair market value of the property as efforced to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of par ies nes not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of, any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mis. Screen Arts, Kundly Prop. Bhim Sain, So Ishar Dass 645 Sector, 14, Sonepat. (Transferor)

(2) M|s. Kashmir Katha Industries Pvt. Ltd., 61-62, Transport Centre, Rohtak Road, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective: persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Froperty being land measuring 8 kanal 6 marla comprising four of rooms, one shed and boundry wall situated at Kundly and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4572, dated Jan. 1985 with the Sub Registrar, Sonepat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

rlow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 3-9-1985

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th September 1985

Ref. No. GRG 610 84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00]—and bearing No. land measuring 11 bigha 17½ biswa pukhta situated at Vill Nathurur.

Vill. Nathupur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Gurgaon under Registration No. 7044 of Incorne-tax Rules, 1962 dated 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Rati Ram, So Sh. Tota Ram, Ro Vill. & P.O. Nathupur, Distt. Gurgaon.
- (2) M|s. Paragaon Real Estate & Apartment Vid., 21-22, Narindra Place, Parliament Steet, New Deihi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 bigha 17½ biswa pukhta situated at Village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7044 dated 8-1-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohl ...

Date: 6-9-1985

in the control of the

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th September 1985

Ref. No. PNP|118|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. land measuring 11 bigha 8 biswa situated at Putti Raj-

putan, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Paniput under Registration No. 4880 of Income-tax Rules

1962 dated 7-1-85

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following

persons mamely:—63—286 GI|85

- (1) Sh. Lai Chand Garg, Soo Sh. Naval Kishore, Rlo Kishore House, Asandh Road, Panipat.
- (Transferor) (2) Sh. Harbilash Slo Sh. Ram Chander, Sh. Ramesh Kumar, So Sh. Harvilas, Ro Panpiat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able preserty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 bigha 8 biswa situated at Patti Rajputan, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4880 dated 7-1-85 with the Sub! Registrar, Panipat,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 5-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th September 1985

Ref. No. GRG|620|84-85.--Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. land measuring 5 bigha 2 biswa situated at Village Nathupur Teh. Gurgaon

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurugaon under Registration No. 7253 of Income-tax Rules,

1962 dated 21-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pertons, namely :--

- (1) Smt. Sarla, Wo late Chhote, So Sh. Parbhu, Ro. Vill. Nathupur, Teh. Gurgaon.
- (Transferor) (2) S|Sh. Kishan Lal, Rattan Lal, Ss|o Sh. Sunahri, S|o Sh. Mittar, R o Vill. Nathupur, Tch. Gurgaen. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being land measuring 5 bigha 2 biswa pukhta situated at Village Nathupur Teh, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7253 dated 21-1-85 with the Sub Registrar, Gurgaon,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak.

Date: 9-9-1985

FORM ITNS

(1) M/s Auto Pins (India) Pvt. Ltd. New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nikky Tasha India Pvt. Ltd. E-1, E-2, Mahajan House, NDSE II, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th September 1985

Ref. No. FBD[1]84-85.JWhereas, J, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

bearing No. Factory building on plot No. 37 Sector 6, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 2686 on 7-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building on plot No. 37, measuring 11404,66 sq. yds situated at Sector 6, Faridabad and as more mentioned in the sale deed egistered at No. 2686 dated 7-1-1985 with the Sub-Registrar, Faridabad.

> B, L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Rohtal

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th September 1985

Ref. No. I.A.C.|Acq.|JDR|104|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

necome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

bearing No. H. No. 560 situated at Friends Colony, Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jagadhari under Registration No. 5398 on 28-1-85

Jagadhari under Registration No. 3398 on 28-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265° of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Jaswant Singh So Dewan Singh Ro H. No. 560, Friends Colony, Yamunanagar, Teh. Jagadhari.

(Transferor)

(2) Sh. Ved Mittar So Sh. Mohan Lal Ro H. No. 74, Kishana Colony, Yamunanagar, Teh. Jagadhari.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 560, situated at Friends Colony, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5398 dated 28-1-85 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th September 1985

Ref. No. I.A.C. (Acq | JDR | | 99 | 84.85.—Whereas, I, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

bearing No. land measuring 16 kanal 1 marla situated at village Kami Majra Teh. Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jagadhari under Registration 5209 on 17-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than officer per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S|Sh. Kutbudin, Rahmuldin Ss[o Sh. Amamuldin Ro H. No. 1208 Khera Mohalla, Yamunanagar Teh. Jagadhari.

(Transferor) (2) M. Sankar Timber Industries, Yamunanagar Teh. Jagadhari.

(3) Sh. Faqir Chand So Sh. Mulakh Raj Rlo H. No. 712, New Market, Yamunanagar. (Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanal I marla situated ut village Kami Majra and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5209 dated 17-1-85 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :---

Date: 13-9-1985

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohlak, the 9th September 1985

Ref. No. GRG 613 84-85.—Whereas, I,
B. L. KHATRI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the 'said' Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]— and bearing
bearing No. land measuring 2 bigha 5 biswa
situated at village Nathupur Teh, Gurgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gurgaon under Registration No. 7106 on 14-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- it.) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kishan Lal soo Rumal roo village Nathupur Teh. & Disti, Gurgaon,

(Transferor)

 Sh. Laxman P. Sarin, A1|38, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late:
- (b) by any other person interested in the said mman able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha 5 biswa situated at village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7106 dated 14-1-85 with the Sug-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th September 1985

Ref. No. HSR|91|84-85.--Whereas, I, B. I. KHATRI
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'band Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and

bearing No, land measuring 9 kanals 17 marla situated at Talwandi Rana

PART [11 -- Sec. 1]

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 4717 on 15-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sh, Gulab So Sh, Ram Sarup Gujar Ro Vill. & P.O. Talwandi Rana Distt, Hissar.

(Transiero

(2) Mis. Aggarwal Engineers, Talwandi Rana. District, Hissar.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanal 17 marla situated at Village Talwandi Rana and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4717 dated 15-1-1985 with the Sub-Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Dated 5-9-1985 Scal:

(1) Smt. Kuldeep Kaur wd]o Bhagat Singh rlo Ambala Cantt.

(Transferor)

N'VIICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th September 1985

Ref. No. I.A.C. |Acq. |KLK|2|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. land measuring 60 acre

bearing No. land measuring 60 acre situated at Kalka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka under Registration No. 2313 on 11-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate procee lings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269DL of the said Act to the following persons, namely:

(2) Sh. Mohinder Singh, Sh. Tarlochan Singh Ss|o Sh. Jiwan Singh r|o 52 Palika Vihar, Ambala City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 60 acre and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2313 dated 11-1-85 with the Sub-Registrar, Kalka.

B. L. KHATR!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Dated: 13-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th September 1985

Ref. No. I.A.C. Acq. Ladwa 16 84-85.—Whereas, I. B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. land measuring 18 kanal 6 marla including wall situated at village Thanesar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ladwa under Registration No. 1078 on 10-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and far
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

64-286 GI|85

(1) Sh. Rajinder Pal soo Sh. Mange Ram roo Ladwa Teh. Thancsar Distt, Kurukshetar,

(Transferor)

(2) Sh. Amrit Pal S|o Sh. Som Parkash,
Smt. Usha Kiran W|o Sh. Som Parkash,
Smt. Santosh Kumari w|o Sh. Vishanu
Sarup Smt. Rama Rami w|o
Sh. Sunil Kumar r|o vill. Ladwa and
partners of M|s Dayal Rice & Genl. Mills,
Ladwa Teh. Thanesar Distt, Kurukshetar.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

T. SCHEDULE

Property being land measuring 18 kanal 6 marla alongwith wall situated at Niwarsi Teh. Thanesar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1078 dated 10-1-85 with the Sub Registrar, Ladwa.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Dated: 12-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th September 1985

Ref. No. AMB 126 84-85.—Whereas, I.
B. L. KHATRI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and
bearing No. land measuring 11 kanal 6 marla
situated at village Samo Majra Teh, Ambala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (10
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ambala under Registration No. 7028 on 4-1-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 S|Sh. Ujagar Singh, Pritam Singh, Ajit Singh Ss|. Sh. Ganga Singh r|o Samo Majra Teh. Ambala.

(Transferor)

 Mis Mayour Footwear Industries, Samo Majra Teh. Ambala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 kanal 6 marla situated at village Samo Majra Teh. Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7028 dated 4-1-85 with the Sub Registrar, Ambala.

B. L. KHATP!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th September 1985

Ref. No. GRG 619 84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and hearing No. land measuring 3 bigha 6 biswa ka 11 12 Bhag situated at village Nathupur Teh. Gurgaon (and more fully described in the scheduled below) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7152 on 15-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transferend/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mohan Lal soo Shiv Dayal, Harkesh soo Harphool, Smt. Nathiya do Sh. Bishan Singh, Charan Singh soo Bishan Singh, Babu Lal soo Charan Singh roo Vill. Nathupur Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M|s Paragoan Real Estate & Apartments Ltd. 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 6 biswa pukhta ka 11|12 bhag situated at village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7152 dated 5-1-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 9-9-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th September 1985

Ref. No. I.A.C. Acq. HSR 93 84-85.—Whereas, I, B, L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. land measuring 17 kanal 3 marla situated at village Satroad Tch. Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 4776 on 16-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Amar Singh soo Sheodan soo Kalu roo village Satroad Khas Teh. Hissar.

(Transferor)

(2) M|s Associated Distilleries (P) Ltd. c|o M|s Bhanu Steel Industries Pvt. Ltd. 10 KM Stone, Dclhi Road, Hissar.

(Transferee)

(3) Sh. Anoop Singh s|o Ch. Bhupinder Kumar r|o Model Town, Hissar. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanal 3 marla situated vill. Satroad Khas Teh. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4776 dated 16-1-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-85

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th September 1985

Ref. No. AMB|140|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing
No. House No. 115
situated at Model Town, Ambala City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ambala under Registration No. 7306 on 16-1-85
for an apparent- consideration which is less than the fair
market value of the antregal property and I have reason to

at Ambala under Registration No. 7306 on 16-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the andresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnefer with the object of :—

(a) racultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:—

(1) S|Sh. lqbal Singh Sodi s|o Baba Hari Singh Sodi r|o Cicil Hotel, Ambala Cantt. Mrs. Jaspal Kaur Sodi w|o Sh. Ramender singh r|o H. No. 16[438, Lodi Colony, New Dethi, Joginder Singh Sodi s|o Sh. Baba Hari Singh Sodi r|o H. No. A-65, Defence Colony, New Dethi, Mukhbain Singh Sodi s|o Baba Hari Singh Sodi r|o 8-Civil Hotel, Ambala Cantt. Sh. Amrat Singh Bedi Sh. Rajinder Singh Bedi ss|o Sh. Mohar Singh. Bedi r|o Laxmi Niwas, 5-Road Khakhar Bombay-400052.

(Transferor)

(2) Smt. Darshni Devi wo Sh. Som Parkash so Sh. Sadhu Ram ro Mulana Teh. Ambala, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, witnin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 115, Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7306 dated 16-1-85 with the Sub Registrar, Ambala.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Robtak

Date: 9-9-85

Scal ;

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohatak, the 11th September 1985

Ref. No. I.A.C. Acq. AMB | 150 | 84-85. Whereas, I, B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House No. 8657 situated at Ward No. 5 New No. A.M.C. 394 Block No. 6 Moh. Naya Bans, Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 7477 on 25-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Santosh Rani woo Sh. Sohan Lal ro H. No. 8657 5, Ward No. 5, Naya Bans, Ambala City.

(Transferor)

(2) Sh. Som Parkash slo Sh. Mulakh Raj rlo H. No. 8905 5, Ward, No. 5 Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 8657|5 new No. A.M.C. 394. Block No. 6. Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7477 dated 25-1-85 with the Sub Registrar, Ambala.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-9-85

(1) Brig. D. P. Dhilon soo Sh. Jagat Ram roo 7-K. Jangpur Extension, New Delhi.

(2) Sh. Madan Lal Rampal slo Sh. Durgadass Rampal rlo Sohal Distt. Gurdaspur (Punjab).

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th September 1985

Ref. No. I.A.C.|Acq.|FBD|12|84-85.—Whereas, I. 3. L. KHATRI

peing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and

and bearing No. House situated at Sector 15, Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 2809 cm 11-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house situated in Sector 15 Faridabad and as more mentioned in the sale deed regisered at Sr. No. 2809 dated 11-1-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

kal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMES LANGE SECTION 269D (1) OF 1961) INCO:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th September 1985

Ref. No. I.A.C. Acq. AMB 141 84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing

bearing No. 115 situated at Model Town

Ambala City

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 7307 on 16-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; - /er
- ,b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) S|Sh. Iqbal Singh Sodi s|o Baba Hari Singh Scd-r|o Cicil Hotel, Ambala Cantt. Mrs. Jaspal Kau-Sodi w|o Sh. Ramender Singh r|o H. No. 16|438, Lodi Colony, New Delhi, Jaginder Singh Sodi s|o Sh. Baba Hari Singh Sodi r|o H. No. A-65, Defence Colony, New Delhi, Mukhbain Singh Sodi s|o Baba Hari Singh Sodi r|o 8-Cicil Hotel, Ambala Cantt. Sh. Amrat Singh Bedi Sh. Rajinder Singh Bedi ss|o Sh. Mohar Singh Bedi r|o Laxmi Niwas, 5-Road Khakhar. Bombay-400052. 5-Road Khakhar, Bombay-400052.
- (Transferor) (2) Sh. Som Parkash so Sh. Sadhu Ram ro Mulana Tch. Ambala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this active in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 115, Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7307 dated 16-1-85 with the Sub Registrar, Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th September 1985

Rcf. No. JDR | 105 | 84-85.—Whereas, I, B, L, KHATRI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961), hereinatter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the imm v ble property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

House situated at near New Market, Jagadhari Road, Yamunanagar (and more fully doser by 1 in the Schedule amexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari under Registrion No. 5441 on 29-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— House situated at

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acc, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under objection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons ramply (1997)

65-286 GI 85

(1) Sh. Umesh Mittal slo Sh. Babu Bul Chand Mittal ro Gali Ganya Kesra, Jagadhari Distt. Ambada.

=-=-

(llaffsteror) (1) Sh. Jagdish Lal Mehta so Sh. Nanak Chand Michael rio H. No. 0-23, Industrial Ar.a. Yamunanagar, Sh. Vikram Bhada so Sh. Viswamitar Bhada, Sh. djo Vishwamitar Bhada ilo 209 D, Model Town. Yamunanagar, Sh. Dharam Singh so Sh. Kenar Singh rio Iejli Teh. Jagadhari.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 d v m the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in a napter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house situated near new market Jagadhan Road, Yamunanagar Tch Jaradha i and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5441 dated 29-1-85 with Sub Registrar, Jagadhari,

> B. L. KHATRI
> Competent Authority
> Inspecting Asstt. Committee of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1985

Ref. No. J.A.C.|Acq.|AMB|129|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI

heing the omnetent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1 00 000|- and b aring No. House No. 22 situated at Raja Park, Ambala Cantt. (and more fully described in the Schedul's annexed hereto), has been transferred and registered und r the registrate. Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambala under Registration No. 7176 dated 10-1-85

for an a parent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer end/er
- (b) facilitating the concealment of any months or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Shrl Roshan Lal So. Shri Sewa Ram so. Shri (1) Karam Chand rlo Samlehdi Teh, Ambala. (Transferor)
- (2) Shri Ghasita Ram So. Shri Pitamber Singh So. Shri Bishan Singh, Smt. Jasmin woo. Shri Ghasita Ram Soo. Shri Pitamber ro vill. Kamasi (Now H. No. 22, Raja Park, Ambala Cantt. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 22, Raja Park, Ambala Cantt. and as more mentioned in the sale de d registered at Sr. No. 7176 dated 10-1-85 with the Sub-Registrar, Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Dange Robtak

Date: 11-9-85

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1985

Ref. No. I.A.C. [Acq. [KNL] 152] 84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (nerematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop-cum flat No. 15 situated at G.T. Read, Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrang Officer at Ka nat under Registration No. 7214 dated 3-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than

fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Shri Gopal Dutt adopted son of Shri Shiva Lal ro Ramesh Nagar, Karnal.

(Transferor)

(2) S|Shri Mani Kant, Siri Kant Ss|o Shri Ravi Parkash, Smt. Roshni Devi w|o. Shri Ravi Parkash r|o The Mall, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period capites later.
- (b) by any other person interested in the said immerable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop-cum-flat No. 15 situated at G. T. Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7214 dated 3-1-85 with the Sub Registrar, Karnal,

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

FORM 1.1.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Gianwati Jain wo. Shri Vidya Parkash Advocate, rlo Opposite Sissions Court, Ambala City.

(Transferor)

(2) Smt. Tripta Jain wo. Shri Rattan Lal Jain rlo 1. Jain Nagar, Ambala City,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th September 1985

Ref. No. AMB|146|84-85.-Whereas, I, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. plot measuring 651 sq. yds. situated at Patti Mehar Teh. Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 7382 dated 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 651 sq. yds. situated at Patti Mehar Teh. Ambala and as more mentioned in the cale deed registered at Sr. No. 7382 dated 21-1-85 with the Sub-Registrar, Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the anoresaid property by the issue of this notice and subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th September 1985

Ref. No. SPT|109|84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,0001- and bearing

No. House No. 905, Sector 14, situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat and Registration No. 4274 dated 3-1-85

for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the limbility of the transferor, to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the wald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Chander Kanta wo. Shri Krishan Lal Batra, House No. 905, Sector-14, Sonepat.

(Transferor)

 Shri Jai Gopal Aggarwal S|o Sh. Puran Chand H. No. 905, Sector-14, Sonepat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanted :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 905 Secor 14, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4274 dated 3-1-1985 with the Sub-Registrar, Sonepat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range
Robiak

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following penetra, namely:—

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4h September 1985

Ref. No. FBD|14|84-85.—Whereas, L.

Lauter with the object of :-

B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heromafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House No. 1000 situated at Sector 15, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerng Officer at Faridabad under Registration No. 3295 dated 25-1-1985 for an apparent consideration which is ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the prope ty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that The consideration for stich trainfer as agreed to between the private has not been truly stated in the stail obstructions of

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Devi Dayal Dhingra So. Shri Ram Narain, House No. 1000, Sector 15, Faridabad now House No. 82, Sector 15, Faridabad.

(Transferor)

(2) Smt. Inder Mohini woo. Shri Panna Lal Sharma, House No. 1000, Sector 15, Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1000 situated at Sector 15, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr No. 3295 dated 25-1-1985 with the Sub-Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATF Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 4-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th September 1985

Ref. No. HSR|99|84-85.—Whereas, I, B, L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing

No. Land measuring 7 kanals 13 marlas situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at

in the office of the Registeing Officer at Hissar under Registration No. 4987 dated 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Naresh Kumar and Sanjiv Kumar S₃|0. Shri Hari Chand r|0 12, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Rai So, Shri Mangal Chand co. Ms. Saraswati Re-rolling Mill, Mirzapur Road, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property land measuring 7 kanal 13 marla situated at Village Hissar T.h. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4987 dated 28-1-1985 with the Sub-Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Comp tent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th Scrtember 1985

Ref. No. KIK 184-85.—Whereas, I. B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing No. land measuring 10 marla

situated at S.ctor 10, Panchkula (and more furly described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under he Registrat on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering offi er at Kalka under Registration No. 2300 dated 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a oresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as acousaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Missen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may become the respect of any income arising from the transfer; mad or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate of occeedings for the 100 inition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sm: Swaran Kaur Shri Santosh Singh R|o H. No. 1544|2, Sector 30-B, C. andigarh.

(Transferor)

(2) Sm⁺. Santosh Devi D|o Sh. Gian Chand. R o 13 Sadar Bazar, Shop No. 57, Jallandhar, Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Property being and measuring 10 Marla situated in sector-10 at Panchku'a and a more mention d in the sale deed registered at No. 2300 dated 11-1-1985 with the Sub Registrar, Kalka

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 6-9-1985

Sept 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

So Sh. Fatu Ro Hartari now Subzi Mandi, Karnal.

(1) Sh. Kishan Chand

(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Chand, Inderjeet, Reghubir Singh, Jai Bhagwan, Sewa Ram Sslo Fatu Ram Rlo H. No. 576, Ward No. 4, Panipat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th September 1985

Ref. No. PNP|121|84-85.--Whereas, I.

B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act?), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Land measuring 79 K 15 M situated at Vill. Hartari Teh. Panipat. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat Under Registration No. 5227 dated 21-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and /or:

THE SCHEDULE

Property being 79 K 15 M situated at Vill. Hartari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5227 dated 21-1-85 with the Sub Registrar, Panipat.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following per one namely :-66-286 GI|85

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, RORTAK

Rohtak, the 13th September 1985

Ref. No. I.A.C. Acq. GRG 712 84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 35% share in 13 Biswas with factory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gurgaon under Registration No. 7271 dated 23-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Krishan Kumar Aggarwal Slo Sh. Khushi Ram Aggarwal Slo Sh. Sh. Jairam Dass, Rlo 4|28. Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Aggarwal
Wo Sh. Om Parkash
So Sh. Laxmi Narain
Ro 47,4702, Regarpura,
Karol Bagh,
New Delhi.
Smt. Usha Aggarwal
Wo Sh. Suraj Bhan Aggarwal,
So Shri Chandgi Ram
Ro 183,4, Urban Estate,
Gurgaon.

(Transferee)

(3) M|s. Goble Surgico Industries,
Daultabad Road, Gurgaon.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 35% share in 13 bishwa with factory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7271 dated 23-1-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 13-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th September 1985

Ref. No. 1.A.C. Acq. GRG 711 84-85.—Whereas I, B. 1. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 35% share in 13 bishwa with factory shed situated at Daultahad Road, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7272 dated 23-1-1985 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or where or the bright of he transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Hari Dass Aggarwal Slo Shri Khushi Ram Aggarwal Slo Shri Jairam Dass Rlo 51-E, Kamla Nagar, Delhi.
 Smt. Sushma Aggarwal Wlo Sh. Om Parkash Slo Shri Laxmi Narain Rlo 47/4702, Ragerpura, Karol Bagh, New Delhi.
- (2) Smt. Usha Aggarwal Wo Sh. Suraj Bhan Aggarwal, So Shri Chandgi Ram Aggarwal, rlo 1834 Urban Estate, Gurgaon.
- 183|4 Urban Estate, Gurgaon.

 (3) M|s. Globe Surgico Industries, Daultabad Road, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 35% in bishwa with factory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7272 dated 23-1-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th September 1985

Ref. No. I.A.C. Acq GRG 713 84-85. Whereas I. B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the 'add Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 30% share in 13 Bishwa with factory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7273 dated 23-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrume of transfer with the object of: between

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Tilak Raj Aggarwal Slo Sh. Kesho Ram

Aggarwal Sio Shr. Gian Chand Rio 3/16, Roop Nagar, Delhi. Smt. Sushma Aggarwal Wio Sh. Om Parkash, Sio Sh. Laxmi Naram Rio H. No. 4702, Regerpura Karol Bagh, New Delhi.

(2) Smt. Usha Aggarwal Wo Sh. Suraj Bhan Aggarwal, So Shri Chandgi Rum Ro 183]4 Urban Estate, Gurgaon.

(3) Mls Globe Surgico Industries, Daultabad Road, Gurgaon.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 30% share in Bishwa with Industrial Shed situated Daultabad Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7273 dated 23-1-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-9-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th September 1985

Ref. No. Raj. IAC (Acq) 2603.—Whereas, I MOHAN

SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Plot No. T|D situated at Bikaner

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Bikaner on 4-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chandra Singh S|o Shri Pratap Singh and Shri Lal Singh S|o Shri Chandra Singh Kachchawa Rlo Bikaner

(2) Smt. Saraswati Devi Wo Shri Indrachand Chandak and Ramnarayan Slo Sohanlal Chandak, Rlo Gajner Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. T|D situated in Sadulganj Bikaner and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrer-Bikaner vide Registration No. 20 dated 4-1-85.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Japur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 16-9 1985

FORM ITNS----

Shrimati Suraj Kawar Wo Shri Gopal Bux Kali Pahari House Purani Basti, Jaipur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Intzamia Committee of Karigarn Bagaue House, Purani Basti, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- Ref. No. Raj. LAC(Acq.) 2606.—Whereas, I
- being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₃, 1,00,000|- and bearing No. House Property situated at Jaipur

MOHAN SINGH

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that sald, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> Portion in Bagru house situated at Chokri Purani Basti. Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ja pur vide registration No. 193 dated 22-1-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, 1 amely:—

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th September 1985

Ref. No. RajlIAC(Acq.) 2605.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. E-387 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transformed.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ocrsons, namely .-

(1) Shri Surendra Kumar Sabu Slo Sh. Prahlad Rlo Y-387, Road No. 9 Vishwakarma Industrial Aroa, Jaipur,

(Transferor)

(2) Mls. Mayur Sales Headquarters, C-39, Burmese Colony, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. F-387, Road No. 9F, situated in Vishwakarma Industrial Area, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Jaipur vide registration No. 1 dated 1st January 1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assister Commissioner of Income-tar Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-9-1985

NOTE E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

laipur, the 16th September 1985

Ref. No. Raj|IAC (Acq)|2604.-Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. C-51 situated at Bikaner

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer nt Bikaner on 15-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than integer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 2000, or the sala Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°P of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Norang Lai So Sh. Kalu Ram Jat Village Harnath Pura, Distt. Jhunjunu,

(Transferor)

(2) Sh. Amba Parkash Soo Shyam Lal Saxena Roo Rami Bazar, Bikaner.

(Transftree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date combination of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-51, Sadulganj, Bikaner and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Bikaner vide Registration No. 67 dated 15-1-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-9-1985

Seal ;

FORK ITN

 Shri Kamal Nayan Sharma S/o Shri Kishanlal Singhi 98-B Shakti Nagar, Udaipur.

(Transferor)

35691

(2) M/s. Rajasthan Breweries Ltd., Ramganj Mandi,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 17th September 1985

Ref. No. Raj. IAC (Acq.) | 2608,—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196! (43 of 1961) (Nationalism referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immenviable property having a fair market value Rs. 1,00.000]—and bearing No. Agricultural land situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaiour on 4-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the colors of the property and I have reason to believe that the property and I have reason to believe that the property and I have reason to believe that the property and I have reason to believe that the property and I have reason to believe that the property and I have reason to believe that the property and I have reason to believe that the property and I have reason to be property

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other parson interested in the said immovship preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Aarazi No. 1059/9 situated at Moza Kotda Teh. Girwa and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 34 dated 4-1-1985.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
67—286GI[85]

Date: 17-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Jaipur, the 17th September 1985

Ref. No. Raj. [IAC(Acq.)]2607.—Whereas, L.

Ref. No. Raj. IAC (Acq.) 2007.—vertenes, 2, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Building situated at Jaipur (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Mohan Laddha S/o Shri Badri Narain Laddha, R/o 13 Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Govind S/o Shri Meghraj Pujari Laddha, Building M.I. Road, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Laddha building situated at M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide Registration No. 81 dated 8-1-1985.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jainur

Date: 17-9-1985

Soal:

(1) Shri Man Mohan Lall,

(Transferor) (Transferce)

(2) Shri Motilal V. Lalchandani.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|1470|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 7A, 'Ivanhoe' Building situated at Foreshore Road

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

at Bombay on 29-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from

whichever period expires later;

the service of notice on the respective persons,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7A, 3rd floor, 'Ivanhoe' Co-operative Housing Society Ltd., Foreshore Road, 139, Backbay Reclamation, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|4380|84-85 on 29-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following

Seal:

Date: 12-9-1985

persons, namely ---

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Sujata K. Kapadia.

(Transferor)

(2) Purshottam Lavji Sarvaiya, Nikhilbhai P. Sarvaiya, Himmatbhai P. Sarvaiya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5103|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Garage No. 41, Navyug Nagar No. 3, Forjett Hill Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the profess has not been truly exceed in the solid between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the eaid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Garage No. 41, Ground Floor, Building No. 3, Navyug Nagar, Forjett Hill Road, Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I[4272]84-85 on 26-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-9-1985

Beal ;

(1) M/s. P.S.B. Construction Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. S. Chawla,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5143|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 4, PSB Apartments situated at Worli, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 7th floor in Building No. 2, PSB Apartments, B. G. Kher, Read, Worli, Bombay-400018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Scrial No. AR-I/6337/84-85 on 7-1-85.

(b) facilitating the conceatment of any scome or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 12-9-1985

(1) M/s. PSB Construction Co. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri I. S. Chawla,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I]37EE|5144|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 1 in PSB Apartments situated at Worli, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the mid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mahilly of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 7th floor in Building No. 2, PSB Apartmente,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/6338/84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 12-9-1985

(1) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Finance House India (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-I|37ED|5145|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Flat No. Two in PSB Apartment situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agramment his registered

Flat No. Two in PSB Apartment situated at Worli (and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. TWO on 7th floor in Building No. TWO, PSB Apartments, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]6339]84-85 on 6-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

FORM NO. 1.T.N.S.---

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Gangaram Hari Kanade, Dilip Gangaram Kanade Rajan Gangaram Kanade,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5185|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.0001- and hearing No.

1,00,000|- and bearing No. Unit No. 218, Shah & Nahar Industrial Estate situated at Lower Parel

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 218 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Fstate A-2, Dhanraj Mill Compound, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|6346|84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-9-1985

FORM I'INS---

(1) M|s. Kewalson Industrial Corporation.

(2) M|s. Shoe Crafters.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37FE|5199|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Unit No. 227, Wadala Udyog Bhavan situated at Wadala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1'r of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 19.57 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 227 Wadala Udyog Bhavan, Naigaum Cross Road, Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent At nority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5149|84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistaant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

Seal:

68-286GI|85

FORM ITNS----

(1) Mrs. Vilas Bhandari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Crown Carpets, Prop. Raghubir Singh Dhody. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5203/84-85.—Whereas, I, P. N. DUREY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Re 100 000l, and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 70, 'Fardeo Air Cond, Mkt, situated at Tardeo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 70, Ground floor, Tardeo Air-Conditioned Market Building, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5153|84-85 on 7-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (37 of 1957);

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Messrs Juliet Creation.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5208/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No 311, Shab & Nahar Indl. Estate situated at lower Parel

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 311 on 3rd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1|5157|84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Acquisition Range I Bombay

Date: 12-9-1985 Scal:

(1) Shri Jayendra Pragji Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Vasant Phutarmal Jain.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5211/84-85.-Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Garage No. 1, Suvarna-Sapna CHSL situated Ridge Road has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of grapsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garage No. 1 on ground floor, Suvarna-Sapna Co-op. Housing Society Itd., Ridge Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by thte Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR|I|5160|84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 12-9-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-aforesain property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

(1) Pooran Investment Corporation.

(Iransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamlesh Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1985

AR-I|37EE|5214|84-85.--Whereas, I, P. N. DUREY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Shop No. 84, Heera Panna Shopping Centre, situated at
Bhulabhai Desai Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed here o). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30 January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERMANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 84, Heeta Panna Shopping Centre, Corner of Haji Al & Tardeo Road, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4799|84-85 on 30-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. R.T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Patasibai Chaganlal Join.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-I|37-EE|5221|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000 and

Flat No. B|103, Vikas Bldg, situated at Byculla, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|103, 1st floor, Vikas Building, Anant Ganpat Pawar Lane & Chinthpokli Cross Road, Byculla, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5167|84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I **Bombay**

Date: 10-9-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Mls. R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Champabai Jethmalji

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5222|84-85.-Whereas, I.

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property, having a fair market value exceeding R. 1,00,000[- and bearing No. Flot No. A 101, Nitin Bldg, situated at Byculla, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of * transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|101, Nitl Building, Junction of Anant Ganpat Pawar Lane and Chinchpokli Cross Road, Byculla, Bombay-400 027.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I¹5168|84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 вомвлу

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No AR-1|37EF|5223|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Office Premises No. 504 Anantdeep Chambers

situated at Narsi Natha St., Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of reansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- b) tachtaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. T. G. Merchant & Co.

(Transferor)

(2) Shri Chunilal Odhavji Vithalani Shri Ramesh K. Shah.

(Transferee)

, 7 V | (3) Transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Fremises No. 504, 5th floor, Anantdeep Chambers, 273 77, Narsi Natha Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4798|84-85 on 30-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority ting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suk section (1) of Section 269D of the said Act to the follow ing persons, namely :--

Date: 10-9-1985

FORM ITNS ---

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EF|5229|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

peing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00,000] and bearing No.

Flat No. 801, Sumer Towers situated at Mazgaon, Bombay fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—286GI|85

(1) Mis. Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Shri Bhanwarlal M. Kothari & Shri Maneckchand M. Kothari.

(Transferee)

(3) Builder.

(Person(s) in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 801 on 8th floor in building No. 1 of Sumer Towers at Love Lane, Seth Moti Shah Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5172|84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 12-9-1985

- (1) Mr. Balchand Manroopil.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indra Nagraj. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5237/84-85.-Whereas, I.

7-1-1985

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. One room at Gems Niketan situated at Dhanji St, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AR of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value A the property as aforesaid exceeds the apparent consideracon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One room at ground floor, Gems Niketan, 33[37, Dhanji Strect, Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5174|84-85, on 7-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, samely :--

Date: 12-9-1985

FORM ITNS

(1) Shri Gopaldas Udhavdas Ahuja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Habib Ali Dashtl and Smt. Nargish Habib Dashti.

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5246|84-85.-Whereas, 1, N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

as the said Act.), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 301 'Red Rose' Bldg. situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the egreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 801 on 8th floor of building known as 'Red Rose' situated at Pochkanwala Road. Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay under Serial No. AR-I]5246]84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section: Act, I hereby initiate proceedings for the a aforesaid property by the issue of this not section (1) of Section 269D of the said Act, persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5247|84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Office No. 23, Tardeo Air-Condition Market, situated at

Tardeo Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferoand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Akbarali Hasanali Padamsee and Mr. Murad N. Padamsee.

(Transferor)

- (2) Mr. Rajiv Chandrakant Shroff, HUF, by Karta Manager Mr. Rajiv Chandrakant Shroff, (Transferee)
- (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the understaned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SHEDULE

Office No. 23 on the 7th floor of the Tardeo Air-Conditioned Market Bldg. at Tardeo Road, Eombay-400 034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5190|84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 12-9-1985

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Madhubala Jayantilal Jain,

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-IJ37EE|5248|84-85.--Whereas, J.

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

ras the said Act) have leason to believe that the infinovasie property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. B|104, Vikes Bldg, s'tuated at Byenlla (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. B|104, 1st floor. Vikas Building, Junction of Anant Ganpat Pawar Lane and Chinchpokli Cross Road, Byculla, Bombay-400 027.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I|5191|84-85 on 7-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-9-1985

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sayarbai Gangaram Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5249|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. B|101, Vikas B|dg, situated at Byculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facitivelying the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 45 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expides later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|101, Vikas Building, Junction of Anant Gampat Pawar Lane and Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[5192]84-85 on 7-1-1985.

r. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

(1) Bonaza Investment Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt Bindu N. Hinduja

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor).

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5265/84-85.--Whereas. 1. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value executing Rs. 1,00,000; and bearing
Office No. E-6, Everest Bldg, situated at Tardeo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered, under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Office Premises No. E-6, 6th floor at Everest Building, Tardeo, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5197|84-85 on 7-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons namely :--

Date: 12-9-1985

FORM ITNS .---

(1) Ghewarchand Babulal Nahar, Rewachand Achalmalji Jain, Ms Seiko Finance Corporation,

(Transferor)

(2) Sukhraj B. Nahar Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5273|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Block No. 119, Commerce House situated at Fort (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction on evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the indian income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 119, 1st floor, Commerce House, 140, N. M. Road, Fort, Bombay-400 023.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bomba, under Scrial No. AR-1/5203/84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

Seal

(1) Mrs. Tarabai Texchand Sahijwani.

(Transferor)

(2) M|s. Jain Enterprises.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5282|84-85,---Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office No. 2, Navivan Society situated at Lamington Road (1971), the second fail of the school of the second fair than school of the second fair that school of the second fair than school

Office No. 2, Navivan Society situated at Lamington Rosal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomoay on 7-1-1985

at Bomoay on 7-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
70—286GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the slate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 2, 4th oor, Building No. 3, Navjivan Society, Lamnigton Road, Bombay-400 008.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Bombay.

Date . 10-9-1985

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shamira Haneef Kapadia.

(1) Zohar Anwar Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferco.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT: COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5285|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DOBET, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Flat No. 604, Kailash Apartment situated at Bellasis Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Flat No. 604, Kailash Apartment situated at Bellasis Road (and more fully described in the Schoolule annexed horsto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, A wing Kailash Apartment, 293, Bellasis Road, Bombay-400 008.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-bax
Acquisition Range-I. Bombay

Date . 10-9-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Mis. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Velji Murji Bhojani Charitable Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMIL-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5343|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Unit No. 326, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, situated at

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seld Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 326 on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-test Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Sect Act, I hereby initiate proceedings for t aforesaid property by the issue of the section (1) of Section 269D of the said persons, namely :--

Date: 12-9-1985

(1) R. L. Bhassin, HUF.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lata Kantilal Parckh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5351/84-85.—Whereas, J. P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 4, PSB Apartments situated at Worli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-lax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985.

at Bombay on 7-1-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mahiller of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by say other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exalamation: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 2nd floor, Building No. 3 in PSB Apartments, B. G. Kher Road, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5270/84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date . 10-9-1985

FORM ITNS----

(1) M.P. Bhassin, HUF.

(Transferor)

(2) Sunil Kantilal Parekh.

(Transferee)

NOTION UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 12th September 1985

Ref No. AR-1/37EE/5352/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 2. PSB Apartments situated at Worli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personn. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used become as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Building No. 3 in P.S.B. Apartments, B.G. Kher Road, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5271/84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

Date: 12-9-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

FORM I.T.N.S.-

- (1) Shri Bhara V. Shah & Shri Dhiren V. Shah.
 (Transferor)
- (2) Shri Sukanraj Kasturchandji Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37-EE|5354|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 0001- and bearing

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Unit No. 218, Narayan Udyog Bhavan situated at Lalbaug, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the sforestid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of which apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Service Indl. Unit No. 218 on 2nd floor of Narayan Udyog Bhavan, Dr. B. Ambedkar Road, Lalbaug, Bombay-12.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said A t, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5366|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Office No. 514, 'ANAND' Bldg. situated at Kazi Syed Street

Office No. 514, 'ANAND' Bldg, situated at Kazi Syed Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Surendra Jaduram Mehta & Shri Chamanlal Jaduram Mehta

(Transferor)

(2) Shri Paresh, Gulabhai Parekh, Smt. Bhanmati G Parekh Shri Jitendra Ramniklal Mehta, Shri Dolar Ramniklal Mehta

(3) Transferors

(Transferee)

(Person in occuptaion of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 514, 'ANAND', 82|84, Kazi Syed Street, Bombay-400 003.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I|5283|84-85 on 18-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5387|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Office No. 7, Tulsiani Chambers situated at Nariman Point

Office No. 7, Tulsiani Chambers situated at Nariman Point (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Machinex Exports, Prop. Smt. Satish Shourie (Transferor)

(2) Shri Manoj Khubchand Gurshahani. Shri Dharmindra Khubchand Gursahani Shri Khubchand Gursahani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 7, Tulsiani Chambers, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. R-I/5185/84-85 on 18-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

(1) M/s. Sumer Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indiraben Shantilal Chandaliya Smt. Vijayalaxmi Pramodkumar Chandaliya (Transferee)

(3) Builder

(Person in occuptaion of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5399|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBFY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 305, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule unnexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 305 on 3rd floor in Building No. 1 of Sumer towers, Love Lane, Seth Motishah Road, Mazgaon, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-#5295[84-85] on 22-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely :

71-286GI|85

Date: 12-9-1985

FORM FINS-

(1) Ms. Sumer Associates

(Transferor)

(2) Shri Ratankumar Pukhrajji Doshi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Builder

(Person in occuptaion of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OTHICL OF THE INSPECTING ASSITE COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I 37EF 5400 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1261 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000}- and bearing Flat No. 1001, Sumer Towers situated at Mazgaon

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the res-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

pective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 1001 on 10th floor in building No. 1 of 'SUMER TOWERS' at Love Lane, Seth Moti Shah Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. A R-I | 5296 | 84-85 on 22-1-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 12-9-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. Sumer Associates

(Transferor)

(2) Shri Dilipkumar Pukhrajji Doshi

(Transferee)

(3) Builder

(Person in occuptaion of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5401|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000] and bearing. Flat No. 1106, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent. Authority, at Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1106 on 11th floor in Building No. I of Sumer Toers at Love Lane, Seth Moti Shah Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5297|84-85 on 22-1-85.

THE SCHEDULE

P. N. DUBEY Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-9-1985

FORM No. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1]37EE[5402]84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 1005 in Sumer Towers situated at Mazgaon

Flat No. 1005 in Sumer Towers situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—

(1) Mls. Sumer Associates

(Transferor)

(2) Shri Sumerchand Nagraj Mehta

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occuptaion of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unnersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period & 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1005 on 10th floor in Building No. 1 of Sumer Towers at Love Lane, Seth Motishah Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|5298|84-85 on 22-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

(1) M|s. Sumer Associates

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Madanlal Parekh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Builder

(Person in occuptaion of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5403|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Flat No. 1306, Sumer Towers situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following person namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1306 on 13th (loor in Building No. 1 of 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Moti Shah Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5299|84-85 on 22-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

Seal .

FORM ITNS----

(1) Mis. S. N. Engineering Works

(Transferor)

(2) Mis. Apsara Art Materials Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mr. Brahspati V. Joshi & Mrs. Nirmala N. Shah. (Person in occuptaion of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5409/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 113 Regal Indl. Estate situated at Sewree, Bombay

Unit No. 113 Regal Indl. Estate situated at Sewree, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Unit No. 113 on 1st floor, Regal Industrial Estate, Acharya Donde Marg, Sewree, Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5303|84-85 on 2-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-J|37EF|5423|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 8, Daulat Building situated at Colaba

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay 1957 (27 of 1927):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bachubhai Harakehand Shah

(Transferor)

(2) Shri Ramji Karson Shah

(Transferee)

- (3) Shree Ram Old Paper Mart & Transferce (Person in occuptaion of the property)
- (4) Shree Ram Old Paper Mart, The Society, The Transferce

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Daulat Building Ground floor, Shaheed Bhagat Singh Road, Colaba, Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR 15310[84-85 on 22-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 19585

Ref. No. AR-I/37EF/5433/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000]- and bearing
Office No. 17, Mahavir Darshan, Junction of Narsi Natha St. and Bhandari St. situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pensous, namely :-

(1) Shri Vipinchandra Sakarchand Sanghvi, Master Suketu Vipinchandra Sanghvi (Minor) (Transferor)

(2) Shri Hasan Meera Sahib

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occuptaion of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and , expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 17, Mahavir Darshan, 2nd floor. Junction of Narsi Natha Street & Bhandari Street, Bombay-400 003.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I[5318]84-85 on 22-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I¹37EE 5437 84-85 — Whereas, 1 **P. N. DUBEY**.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 3. PSB Apartments No. situated at Worli

Flat No. 3. PSB Apartments No. situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

1

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which jought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 :27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
72—286GI|85

(1 Mrs. Harinder Kaur

(Transferor)

(2) Shri A. Imanial Manilal Sheth

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisitant of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Graphic of a crist of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period and a respective persons.
- (b) by any other reproductive interested in the said immovable property, within 45 may, from the date of publication of the across a the Official Gazette.

EXPLANATION . -Th: terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said oct, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th fivor 4000 00 1 to 3 in P.S.B. Apartments, B. G. 17 1 10 11 11 10 10 10 2 3

The statement has been alterned by the Authority, Acquirit a kerner is copay, under Serial No. AR-1|5320|84-85 on 22 1-31

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombes

Date: 12-9-1985

(1) Mr. Harkhchand Pukhraj Golchha, HUF Karta

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mona T. Lalwani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5472|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Room No. 313. Taylee Air-Conditioned Market situated at

Room No. 313, Tardeo Air-Conditioned Market situated at

Tardeo

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bembay on 30-1-85

for an apparent consideration which is 1000 that reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 313, 3rd floor, Tardeo Air-Conditioned Market Building, Tardeo, Bombay-400 034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5347|84-85 on 30-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 12-9-1985

FORM ITN9-

(1) Mr. Amubhai G. Patel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Vivek Bahri through his natural guardian father Mr. Vinod Kumar Bahri (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5480/84-85.-Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Office No. 16, Tardeo Alc Market situated at Tardeo, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 30-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons. whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 16, 3rd floor, Tardeo Air-Conditioned Market, Trdeo, Bomb 1y-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5352|84-85 on 30-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Ir specting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-9-1985

(1) M|s. Sumer Associates

(Transferor)

(2) Smt. Dariyabai Mohanlal Jain Shri Mohanlal Manekchand Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Builders.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5485|84-8.5—Where.s, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing.

Flat No. 501, Sumer Towers, situated at Mazgaon,

(and more fully described in the schedule innexted hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the innext, and 1951, in the Office of the Competent Authority, Bembay on 30-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therete by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of.

a) facilitating the induction of events of the liability of the transfere to may the under the said Act, in respect of any mecome arising ir m the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other musts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, a the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person reterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 on 5th floor in Bldg. No. 1 of 'Surger Towers' at Love Lane, Seth Motishah Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5356|84-85 on 30-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Specting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-9-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance, as Section 169C of the said Act, I hereby initiate proparatings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:—

CONTRACTOR OF THE PROPERTY AND ADDRESS.

FORM ITNS-

(1) Ms Sumer Associates

(Transferor)

(2) Shri Ganpatchand Nagraj Mehta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Rcf. No. AR-J|37EE|5486|84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (homeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

proper y, having a fair market value exceeding Rs. 1,40,000 and bearing

Flat No. 1006, Sumer Towers, situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Authority at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the stid instrument of transfer with the object of :—

- (a) incititating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1006 on 10th floor in Building No. of 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Moti Shah Road, Mazgaon, Bombay-400 010,

The stalment has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]5.57[84-85] on 30-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

New therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequilities of the aforest ad property by the issue of this rotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9- 985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1985

AR-I|37EE|5532|84-85.--Whereas I. Ref. No. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000 and bearing No. 1/2 share in Office No. 13211, Navjivan Society, Building No.

3, situated at Lamington Road, Bombay-8 (and races fully described to the Schodule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registored under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 31-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen percent of such apparent consileration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of eary faccine arising from the transfer: and/ar
- (1) facilitating the concealment of ar r income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Werlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforest all property by the issue of this office under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Sudhir Shankar Phadke

(Transferor)

(2) Shri Pramod Moreshwar Gangal

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the maderaigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whishever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Office No. 13211, Building No. 3, Navjivan Society, Larrington Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5390/84-85 on 31-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-9 1985

PART III.—SEC. 1]

FORM ITNS...

(1) M|s Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Urvashi I Manseta & Mrs. Kamla S. Asrani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5567|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the humovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 414, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annued hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as loresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same morning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 414, 4th floor, A Wing of Kewal Industrial Estate, Ferguson Road, Lower Parel Division, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]5405]84-85 on 31-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 12-9-1985

FORM ITHS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

(2) Mr. Mukesh R. Shah & Mrs. Anjare Mukesh Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5578|84-85.—Whereas P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000- and bearing
Flat No. 1, Patel Apartments, Pattel Gupta Tower situated
at Worli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hisblity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income srising from the transfer; and ler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be usede in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period . 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able preserv, within 45 days from the date of the able property, within 45 days from the date of ti-publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLAMATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 5th floor, Building No. 7-B in Patel Apartments, Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5414/84-85 on 31-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely .-

Date: 10-9-1985

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh Kantilal Patwa, Mrs. Chetna S. Patwa Mrs. Lilaben K. Patwa & Mrs. Sushilaben Choksi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5579/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Flat No. 3, Patel Apartments, situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following 73—286GI]**85**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 3rd floor, Building No. 7-B in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400 018,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5415/84-85 on 31-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-1 Bombay

Date: 10-9-1985

FORM I.I.N.S .-

(1) Ms Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ding Dong Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, ВОМВЛУ

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I[37EE]5596]84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
Unit No. 418, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel (and moore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under the schedule annexed hereto). section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from? the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 418, 4th floor, A wing of Rewal Industrial Ferguson Road, Lower Parel Division, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial N-AR-I | 5428 | 84-85 on 31-1-1985

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquistion Range-Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1985

Beal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4176|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rg 1 00 0001, and hearing

Rs. 1,00,000 - and bearing Unti No. 416-A, Panchratna Bldgs, situated at Mama Parmanand Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

(1) M/s. Dilip Gems,

(Transferor)

(2) M/s. Hirako India Private Limitéd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 416-A, 4th floor, Panchratna, Mama Parmanand Marg, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial N : AR-I|4269|84-85 on 25-1-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12 9-1985

Seul:

(1) Smt. Chunilal Kantilal Shah,

(Transferor)

(2) Mr. Jagdishchandra B. Shah & NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE Mrs. Asha Jagdishchandra Shah. INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4606/84-85.--Whereas, I P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 31, Ruby Apartments situated at Walkeshwar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31 on 3rd floor, Ruby Apartments, Ridge Road. 253. Walkeshwar, Bombay-400006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5326/84-85 on 24-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-9-1985

FORM ITNS-

(1) Ms. Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M[s. Blues Clothiers,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

POFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5204|84-85,—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act: 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and hearing

Unit No. 418, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 418, 4th floor, Kewal Industrial Estate, A Wing Ferguson Road, Lower Parel Division, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5154|84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 12-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5228/84-85.--Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 1104, Sumer Towers, situated at Mazgaon flat No. 1104, Sumer Towers, situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s, Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Shri Mukesh T. Jain (Minor), Dinesh Kumar T, Jain (Minor) by father & Natural guardian Shri Tejrajji S, Jain.

(Transferee)

(3) Builder

. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1104 on 11th floor, Building No. 1 of 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Motishah Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5171|84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-9-1985

Seal:

Flow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

(1) M|s. Everest Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Jayram D. Shetty, Mrs. Sumati J. Shetty.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EF|5416|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1, URVASI Bldg, situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

Flat No. 1, URVASI Bldg, situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act; 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than ilfteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitaing inverselection or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 3rd floor in URVASHI (proposed building) at Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400 025

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5306/84-85 on 22-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

FORM I.T.N.S.--

- (1) Mls. Multicrafts Exports Pvt. Ltd.
- (Transferor)

IN OTTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

(2) Foto Art Services.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-I, ROMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I 37EE 5493 84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Office No. 16, World Trade Centre, situated at Cuffe Parad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, fi respect of any income arising from the tree and/or

Office No. 16, South Wing, World Trade Centre, Cuffe Parade, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5364/84-85 on 30-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-9-1985

Scal:

(1) Shri Bhanwarlal Girdharlal Sharma.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ahuja.

2. Smt. Padma Ahuja. 3. Smt. Bharti Ahuja,

4. Sh i Pr kash Ahuia,

5. Smt. Pushpa Ahuja, 6. Shr. Asuok Ahuja,

7. Smt. Kavita Ahuja.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMIL

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIONRANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th Soptember 1985

AR-I|37EE|5570|84-85.-Whereas, f,

P. N DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1061 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the imm vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 301, Garage No. 2, Pushpakunj CHSL

situated at Church Cate (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is reg's ered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration when is less than the tail for the apparent consideration the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a coresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the sespective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Garage No. 2, Pushpa Kunj CHSL, A Road, Churchgate, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent athority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. Authority. Acquisition Rance-I AR-I|5407|84-85 on 31-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, moretore, is purwance of Section 269C of the term Act. I hereby initiate proceedings for he acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons a maly income a maly income of the said Act, to the following persons a maly income. 74-286GI|85

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIONRANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref No AR-I|37EE|5584|84-85.—Whereas I, P. N DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100 0001- and braring
Flat No. 102. Satvanarain Bhavan situated at Worl Seasace
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

and the Ag eemont is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 31-1-1985

for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen her composition for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer while the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other issets which have not been or which ought to be disclosed by the Lansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Purshottamdas H. Khaitan,

(Transferor)

(2) Shri Lachminarayan Bagla.

(Transferco)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used therein is are defined in Chapter >> 1 of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Satyanarain Bhavan Ist floor, Near Venus Apartmens, Worli Seaface, Bombay-18,

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquiritien Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5419|84 85 on 31-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acuisition Range-I
Bombay

Date 12-9-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1761)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIONRANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5206|84-85.—Whereas, I, P. N DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) (herematter referred to the said Act), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Fiat No. 404, Vecna Beena Aptts, situated at Sewree

Fiat No. 404, Vecna Beena Aptts, situated at Sewree (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is regis ered under section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

on 7-1-1985
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aloresaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than lifteen per cen, of uch apparent consideration and
than the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated to the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) faccilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act the (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in nuisuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mrs. Rehana Salim Sakarwala.

(2) Mr. Kan lal Jethwa & Mr. Hashmukh Jethwa.

(Transferor)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saine meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, B Wing, Veena Beena Apartments, A.D. Marg. Sewree Naka, Bombay-400 015.

The tatement has been registered by the Competent Authority. Acquirition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5156|84-85 on 7-1-1985.

P. N DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acuisition Panga-I
Bombay

Their: 12-9-1985

(1) M s. Shah & Nahar Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 4961)

(2) M|s. Shreeji Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Per-on in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5398|84-85.-Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing venue exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Unit No. 606, Shah-Nahar (Worli)

nituated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init are proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under with section (1) of Section 109D of the fail Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 cays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 606 on 6th floor at Shah & Nahar (Worli) Ind. Estate Dr. E Moses Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authori y, Acquisit on Range-I. Bombay under Serial No. AR-I/5254/84-85 on 22-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985 Seal:

(1) Hydra Tech, Prop. Murad Ibrahim Gilani.

(ransteror)

(2) Ratanlal N. Kejriwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIDNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I 37EE 5405 84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 91, Heera Panna Bidg.

sicuated as photobinal we as well, Bombay

(and more fully described in the Schedule annued hereto) has been transferred and the Agreement is regulated under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 22-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the arcresard property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 48 days from the late of the public cation of this notice in the Offic al Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mea ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 91, B Wing, 9th floor, Heera Panna' At the junction of Bhulabhai Desai Road and Tardeo Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1|5301|84-85 on 22-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the relieving persons, namely :-

Pate: 12-9-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Sundaragiri Venkatnarayan Rangarao,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Saurabh Babubhai Desao, Smt. Nirmala B Desai. 3. S ri Devang B Desai & ShriGaurang B Desai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I[37EE|5319|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing Flat No. 19, Prem Court CHSL situated at Pedder Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- va) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 or 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 2nd floor, Prem Court Co-op. Housing Society Ltd. 5, Pedder Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|5240|84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressio properts by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Scal:

Date: 12-9-1985

persons namely :-

FORM LT.N S .---

(1) Smt. Hasumati R Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE IN_OME-IAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Sunil N Sirsalewala, Smt. Saroj Sunil Sirsatewala, Shri Nandlal J Sir alewala,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5524|84-85,---Whereas, I. P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) the conditor referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing Flat No. 142. Monalisa Apptt. situated of Bemanji Petit Read Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

the Competent Authori y, at Bombay on 31-1-85

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the poperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of his no ce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of one publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that (hapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any moome arising from the transfer, andior - १*० क च्या*की
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-rax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Plat No. 142, Monalisa Apartment, Bomanji Petit Road, Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 5385 on 31-1-1985.

> P. N. DUBEY Compete it Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 12-9-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5471|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act), he ve reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Gala No. 20, Prakash Indl, Premises CS Ltd.

Bharat Indl. Estate.

situa ed at Sewrec, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 30-1-85

to a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thap fitteen percept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and)or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Madan Bhasin.

(Trausferor)

(2) M|s. Shamegh Corporation,

(Transferce)

(3) Transferor.

(Per on in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otheral Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 20 at Prakash Industrial Premises Co-op. Society Ltd. Bharat Industrial Estate, Tokarshi Jiviaj Road, Sewree, Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authori y, Acquisit on Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5346/84-85 on 30-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-takto Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5470|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBFY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referre to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Gala No. 19, Bharat Indl Estate.

situated at Scwree, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument it transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or eve of the transferor to pay tax under the said Ast, in not of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether needs which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Art, to the following ersens, namely :— 75—286GI[85]

- (1) Mrs. Vidyawanti J Bhasin.
- (Transferor)
- (2) Shamegh Corporation.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersimed:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 19 at Prakash Indl. Premises Co-op. Society Ltd., Bharat Industrial Estate, Tokarshi Jivraj Road, Sewere, Bomobay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1|5345|84-85 on 30-1-85.

P. N. DUBEY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dato: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ВОМВАЧ

Bonibay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5438|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and

bearing

Office No. 207, Gundecha Chamber situated at Fort (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ASSOCIATION
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Prabhakar Joshi & Smt. J. P. Joshi. (Transferor)

(2) Kishore S. Jhaveri & Smt. Kusum K. Jhaveri.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 207 on the 2nd floor of the building Gundecha Chamber, Nagindas Master Road, Fort, Bombay-23.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 84-85 on 22-1-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I. Bombay

Date: 12-9-1985

(J) The Jamshri Ranjitsinghji Spg. & Wvg. Mills Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Suchetan Investments & Finance Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37E|5365|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
Office No. 301. Vikas Premises situated at Fort
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
section 259AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority,
at Bombay on 18-i-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta' Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 301 on 3rd floor of VIKAS Premises, 11. Bank Street, Fort, Bombay-23.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial Na AR-1|5282|84-85 on 18-1-85.

P. N. DUSEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Bomb

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following versons, namely:—

Date: 12-9-198¢

FORM ITNS--

(1) Smt. Bhanuben Jethalal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

Bombay, the 12th September 1985

BOMBAY

Ref. No. AR-I[37EE]5652[84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 21. Meghchbaya Bldg, situated at Lalbaug (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority, at Bombay on 4-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(2) Sm., Ansuya Upendra Golwala & Shri Janak Upendra Golwala.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested has the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 21 5th floor, in the building 'Meghchhaya', New Survey No. 249 and C.S. No. 1\(\)1181 (pt.) of Patel Sewree Division, Sr. Sai Baba Road, Labbay, Bombay-12.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I\(\)6374\(\)84-85 on 4-2-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 12-9-1985 Scal:

- (1) M/s Om Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mr. Niren Hiro Shamdasani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5455|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Flat No. 18, 'OM GANGA' situated at Walkeshwar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 22-1-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 'Om Ganga' Eastern side of Walkeshwar (Malabar Hill Road) Bombay, with C.S. No. 152 of Malabar Hill & Cumballa Hill Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-IJ5323[84-85] on 22-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or he said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following namely:

Date: 12-9-1985

Seal .

FORM ITNS----

(1) Rainikant T Doshi.

(Transferor)

NØTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Avis Associates.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5283|84-85,---Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

No. Shop No. 1-A, Panchratna situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the sast property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 1-A, Ground floor, Panchranta, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-I[5211]84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-9-1985

Scal:

(1) Dr. Mahesh G. Somputa.

(Transferor)

(2) Kirti Jamnadas Modi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Rel. No. AR-I|37EE|5357|84-85 —Whereas, I, P. N. DUBEY,

seing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000 and bearing.

Shop No. 5. Brijkutir CHS, situated at L. Jagmohandas.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-1-1985,

for an apparent coasideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1947 (27 of 1927);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein has are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Brijkutir Co-op Housing Soci Lane, L. Jagmohandas Road, Bombay-400 006. Society, Rungata

The statement has been registered by the Commetent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5274[84-85] on 18-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, secretary ing persons, namely :---

Date: 12-9-1985

Scal :

(1) India Saree Museum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Tahera Mustansir Paisawala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5593|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 18, Heera Panna Shopping Centre situated at Bhulabhai Desai Road, Bombay-26,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 31-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 18, Heera Panna Shopping Centre, Corner of Haji Ali & Tardeo Road, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5425/84-85 on 34-1-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Rcf. No. AR-I/37EE|5526|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00.000|- and bearing Fint No. 101, Sumer Towers situated at Mazgaon, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authortiy, Bombay on 31-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax-act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269. If the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the strong of the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely — 76-286GI|85

(1) M/s Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Smt. Manjulaben Jayantilal Parmar, Shri Jayantilal Babulal Parmar.

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

That No. 101 on 1st floor in Building No. 1 of Sumer Towers at Love Lane, Seth Moti Shah Road, Mazgaon, gdon. Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR U5387'84-85 on 31-1-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12.h September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5484|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. Tla No. 406. Sumer Fowers situated at Mazgaon, Muland (W), Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the hald Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Smt. Ratanben Bhawarlal Jain Shri Bhawarilal Sayarmal Jain.

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 406 on 4th floor in Building No. 1 of SUMER TOWERS at Love Lane, Seth Motishah Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5355/84-85 on 30-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rergins, hantely :--

Date: 12-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ret. No. AR-1/37E1-/5525/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBFY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have repson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000), and hearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the used instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s Sumer Associates.

(Transferee)

(2) Smt. Ramilaben Rameshkumar Parmar, Shri Rameshkumar Babulal Parmar,

(Transferor)

(3) Builder,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as wee defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 1301 on 13th floor in Building No. 1 of 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Moti Shah Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-II5386[84-85 on 31-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 12-9-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Smt. Ratanbai Shantilal Parmar, Shri Shantilal Mishrimal Parmar.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

nomony, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5527|84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 248B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroimeter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. (406, Sumer Towers situated at Mazgaon

Flat No. 1406, Sumer Towers situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 31-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 1406 on 14th floor in Building No. 1 of 'SUMF'R TOWERS' at Love Lune, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Computent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5388|84-85 on 31-1-85.

P. N. DUBEN.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

FORM ITNS----

(1) Mis Kirkire Associates.

(3) Transferce and his tenant.

(Transferor)

(Person in occupation of the property)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-I BOMBAY**

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-J|37EE|5378|84-85.—Whereas, J. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269Bof the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000] and bearing
Flat No. 7. Hindu Colony situated at Dadar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has bee transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-1-85, for an apparent consideration which is less than the following the property consideration which is less than the following the property consideration which is less than the following the property consideration which is less than the following the property consideration which is less than the following the property consideration which is the property conside

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of '-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Smt. Suchitra M. Tipnis, Dr. Arun M. Tipnis.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flut No. 7, 2nd floor, 131, Khareghat Road, Hindu Colony, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5180/84-85 on 7-1-85.

> P. N. DUBĘY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-I. Bombay

Date: 12-9-1985

Seel:

FORM ITNS ---

(1) Ambit Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vikram N. Maheshwari Smt. Chandrika V. Maheshwari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFECT OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5390|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1, Lotus Court, situated at Dr Annie Besant Road, Market

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-1-85

at Hombay on 22-1-83 (and more fully described in the Scredule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor in Building LOTUS COURT at Dr Annie Besant Roud, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, oBmbay, under Serial No. AR-15290[84-85] on 22-1-85

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

FORM ITNS----

(1) Sumanlal C. Dhruva,

(2) Sagar Stel Enterprise.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I]37EE]5355[84-85.—Whereas, I, P. N. DUBFY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Room No. 104, Long Bhavan situated at P. D'Mello Road, Bombaq-9,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other access which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 104, 1st floor, Loha Bhavan Business & Office Premises Co-op. Soc. Ltd., D'Mello Road, ombay-400009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5273/84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

teal

(1) Smt. Manjula Gangaji Sethia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Khetan Udhyog

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5212|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Office No. 107, Surat Sadan situated at Surat St., Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 7-1-1985

ror a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: for a apparent consideration which is less than the fair

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Office No. 107, 1st floor, Surat Sadan, 88|89. Surat Street,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I|5161|84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitles Range I Powher

Date: 12-9-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

FYRM ITNS

- (1) M/s Gupta Iron & Steel Co.
- (Transferor)
- (2) Ms Paramount Steel Syndicate.
- (Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref .No. AR-I|37EE|5202|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immovable p operty having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001and bearing

Una no 201, Gupta Bhavan situated at Ahmedabad, Street,

Bombay-9,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compe ent Authority, Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Aften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /est
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-ention of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 201, 2nd floor, Gupta Bhavan, Gupta Bhavan Premises Co-op. Soc. Ltd., 64 B, Ahmedabad Street, Carnac Bunder, Bombay-400 009.

statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-Il Bombay, under Serial No. AR-I|5152|84-85 on 7-1-85.

> P. N. DUBEY Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons namely :--namely ; 77-286GI|85

Dero: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **БОМВАУ**

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5574|84-85.—Whereas, I.

P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 196!) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 100 0001- and being

Office No. 410, Gokul Building satuated at Baroda St.,

Bombay 9, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961, in the Office of the Computent Authority at

Bombay on 31-1-85. fo an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid apperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s. Deepak Udyog (inrough partner Shashikant Shah)

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Jayantilal Doshi Mrs. Bharati Chandrakant Shah

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the aloresate persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall nave the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 410 in Gokul building, Baroda Street, Bombay-400009.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5410|84-85 on 31-1-85.

P. N. DUBEY Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

The second second second second second

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, LUMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5528|84-85.—Whereas, I, P. N. DJBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 1401, SUMER TOWERS situated at Mazgaon, Bombay-10,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 31-1-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ps agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Mls. Sumer Assocites.

(Transferor)

(2) Smt. Ansiben Saremalji Parmar. Smii Saremal Devidandji Parmar

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1401 on 14th floor in Building No. 1 of 'STIMER TOWERS' Love Lane, Seth Moti Shah Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Penge-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5389|84-85 on 31-1-85.

P. N. PUREY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

(1) Kaushik Prahladji Shukla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1361 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5287|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 5, R. K. Building No. 4 situated at Khetwadi Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is regist red under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Com event Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, as respect of any mourne arming from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) Mithalal Devichand Mutha Prop. of Mis. kolex Industrial Corporation. (Transferee)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, T. K. Biulding No. 4, No. 16, 8th Khetwadi Lane, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[5214]84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-9-1985

Scal:

(1) Shri Vlnod Parikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. D. Shah as Karta of C. D. Shah (HUF). (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-LAX ACQUISITION RANGE-I, ASSISTANT COMMIS-BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5422|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to us the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Office No. 208, Kshemalaya Pre. CHSL situated at New

Marine Lines

(and more fully described in the Schedule annixed hereto), has been t ansferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 22-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid non-trained that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or she Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Office No. 208, 2nd floor, Keshemalaya Premises Co-op. Hsg. Society Ltd., 37, New Marine Lines, Bombay-20.

THE SCHEDULE

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|5309|84-85 on 22-1-85.

> P. N. DUBEY Competent Auth rity Inspecting Asstiant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1985

FORM 1.T.N.S.-

(1) Mis. Anand Udyog.

(Transferor)

(2) Mr. Bhagwandas S. Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

UFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5389|84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sair Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. G, Vishwa Kutir CHSL situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred and the Agreement is regist red under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 22-1-1985

for an apparent coas denotion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value or the property a more and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days tross the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-inn Act. 1957 (27 of 1957):

Flat No. G. Ground floor, Vishwa Kutir Co-op. Society Ltd. (proposed) Plot No. 892, T.P.S. IV, Off Gokhale Road (South) Dadar, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 5289 | 84-85 on 22-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 7 Acquisition Rang I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3983|84-85.—Whereas, I, P. N. DOBLY,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) therematter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100.000i- and bearing Flat No. 204-D, Anand Nagar situated at Tardeo

Flat No. 204-D. Anand Nagar situated at Turdeo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t ansferred and the Agreement is legisted unler section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 29-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 control of 1957).

(1) Shri Joseph Francis Martis, Smt Nattina Fancis Martis, Shri John Bap ist Francis Martis

____ = ______________

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Vaghji Mehta, Smt. Saraswati Shantilal Mehta

(Transferee)

(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otherni Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204-D. Second floor, Anand Nagar, Forjett Street, Tardeo, Bombay-400 036. The statement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 4268 on 29-1-1985.

P. N. DUREY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Bombay

Date: 12-9-1985

(1) Mis. Om Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Mrs. Namita Hiro Shamdasani.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I[37EE]5454|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to be leve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Fiat No. 17, 'OM GANGA structed at Walkeshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is regist red under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa d property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

and/or

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;--

Object'ons, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Character of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the exid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 'OM GANGA' Eastern side of Walkeshwar (Malabar H.ll Road), Bombay, with C.S. No. 152 of Malabar & Cumballa Hill Division, and one parking space.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5324|84-85 on 22-1-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

Beni ;

(1) Smt. Indira Chimanlal Komdar

(Transferor)

(2) Shri Saubhagchand Fulchand Shah Smt, Damyanti Saubhagchand Shah

whichever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5342|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. C|35, Highway Apartment situated at Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under action 250AB of the Income tax Act 1964 in the Office. section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C|35 on the third floor, Highway Apartment, Plot No. C|2D|23, Eastern Express Highway. Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5264/84-85 on 7-1-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Penely:— 78-286GI|85

Date: 12-9-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Bharat Babubhai Jhaveri & Babubhai Nagindas haveri

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meena B Mehta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5280|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Office No. 605, Majestic Shopping Centre situated at J.S.S. Road

Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 605, 6th floor in the building known as Majestic Shopping Centre, 144, J.S.S. Road, Bombay-400 004,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR 1/5208/84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, **Pombay**

Date: 12-9-1985

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) M/s. Prince Fabricators & Engineers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|371:E|5209|84-85.—Wheeras, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Unit No. 338, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower

Parel Parel 2007

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Unit No. 338 on 3id floor in Shah & Nahar Industrial Fstate 'A-2, Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Computers Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1[5158]84-85 on 7-1-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

P. N. D(IBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. Bomb.a)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Soid Act to the following person, namely (2)

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5535|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Parel, Bo nbay-400 013.

Unit No. 415, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel

Unit No. 415, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 26 AB of the Income-tax Act, 1961, n the Office of the Competent Authority, at Bombay on 31-1-85

for an apparent consideration which is less han the fair market value of the aforesaid property, and I I ave reason to believe the total the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said astrument of transfer with the object of:—

- (a) ficilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ans Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Old Village Industries Ltd.
- (2) Mrs. Urvashi I Manseta & Mrs. Kamla S Asrani

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPANNATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 415, 4th Boor, Kewal Industrial Estate, Scnapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5395|84-85 on 31-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-9-1985

(3) Transferor

FORM ITNS--

(1) M/s Shah & Nahar Developments

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Ramsirement Mishra

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

AR-1|37EE|5529|84-85.--Whereas, I, Ref. No. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 415 on 4th floor at Shah-Nahar (Worli) Light Industrial Estate situate dat Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any ncome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

THE SCHEDULE

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HEPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 415 on 4th floor at Shah-Nahar (Worli) Light Industrial Estate, Dr. E. Moses Road, Worli, Bolabay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Accuisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5391/84-5 on 31-1-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of I come-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accusition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 12-9-1985 Scal:

- (1) Messrs Shah & Nahar Associates
- (Transferor)
- (2) Messrs Goenka Enterprises

(Transferee)

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5277/84-85.--Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the innome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearmer

Unit No. 318, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at

Lower Parcl

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eaid immovproperty, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Unit No. 318 on 3rd floor in Shah & Nahar Ind. Estate A-1, Siturum Judhav Marg Lower Parel, Bembay-400 013.

The statemen has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I 5206 84-85 on 7-1-85.

(b) is dilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 [11 of 1922] or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 260°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1985

Scal.

(1) Mls. Amsa Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Hemant P Thacker & Smt. Amceta H Thacker

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I[37EE[5359]84-85.-Whereas, 1,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, higher a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 4, Tirupjeti Apartments situated at Bhulabhai Desai

cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, C Wing on 1st floor, Tirupati Apartments, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-1/5276/84-85 on 18-1-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

refore, in pursuance of Section 269C of the said by initiate proceedings for the acquisition of the operty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-9 1985

(1) Sh. Bhupendra Jayshanker Pandya.

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Dilipkumar Pannalal Shah, Smt. Jasumati Pannalal Shah and Smt. Bharati, Dilipkumar Shah,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I[37EE]5533[84-85.-P, N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereina ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 |and bearing No.

No. Flat No. 14, Mangalam Apt. CHSL situated at Walke-

shwar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 31-1-85

for an apparent consideration which is less can the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than into in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14 on 5th floor in Mangalam Apartment Co-op. Housing Society Ltd., 99. Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/5392/84-85 on 31-1-85.

P. N. DUBEK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12-9-1985

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5188|84-85,-Whereas, J.

P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 405, Simla House situated at L. Jagmondas

Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Sect on 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair norket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-av A.t. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the remesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Radhika M. Advani,

(Transferor) (2) Mt. Champaklal Mafatlal Shah Mrs. Neelam C.

and the same of th

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405 in E Wing of Simla House, 51/B, Laxmibai lagmohandas Marg, Bombay-400 036.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5251/84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12-9-1985

Seal:

79--286GI|85

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EF|5281|84-5,--Whereas, 1, P. N. PANDEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. A|2, Queens View situated at Walkeshwar

Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of considerat on for such transfer as agreed to between the ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; . andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any microrys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Mrs. Tanmanben M. Patel,

2. Mr. Pravin M. Patel,

3. Dilip M. Patel
4. Nalini M. Patel,
5. Pratima M. Patel alias Pratima S. Khandke,
Legal heirs of Late Mr. Maneklal G. Patel. (Transferor)

(2) 1. Mrs. Madhuriben H. Merchant,

2. Mrs. Manjulaben G. Merchant,
(3) Mrs. T. M. Patel
Mr. P. M. Patel,
Mr. D. M. Patel
N. M. Patel

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|2, Queens View, 28|30, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I | S209 | 84-85 on 5-1-85

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12-9-1985

(1)Shri Deepak Mehra & Shri Dindayal Mehra. (Transferor)

(2) Mrs. Naseen Mantani.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Rcf. No. AR-1|37EE|5404|84-85.—Whereas, I, P. N DUREY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proprty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 39, Worli Hill Estate GHSI situated at Worli Hill

Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent authority at

Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a perion of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 39. 3rd floor, Worli Hill Estate Co-op, Housing Soc. Ltd., Plot No. 33, Shiv Sagar Building, Worli Hill Road, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquissition Range-I, Rombay under Serial No. 5300 on 22-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-9-1985

(1) Smt. Lalita Sukhiendrasingh Virdi.

(Transferor)

(2) Shri Champalal Jawanmal Oswal (Jain) Smt. Kamlabai Champalal Oswal (Jain).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5452|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.
Block No. 214, Ambedkar Nagar CHSL, Worli,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Block No. 214. Building No. 5, Ambedkai Nagar Co-op. Housing Society Ltd., Ground Floor, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-1, Bombay, under S. No. 5333 on 22-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramchandra Pandurang Ghole.

(Transferor)

(2) Shri Sharadchandra Shantaram Apte.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I[37EE[5558[84-85.—Whereas 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No.

Block No. 1, Bldg. No. 16 in Shiv-Shahi Co-op. Housing Society 1td., situated at Worli, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 31-1-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Block No. 1 Building No. 16, Shivaji Nagar, Shiv-Shahi Co.-op. Housing Society Ltd., Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under S. No. 5399 on 31-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspectin: Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 12-9-1985

(1) Shri Takchand Ramii & Smt Danvantiben Takchand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anand Doru Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferors. (Person in occupation of the property)

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

UITICI OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, it any, to the acquisition of the said proper

ACQUISITION RANGE-1,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immov-

Bombay, the 12th September 1985

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. A P. N. DUBEY, AR-I|37EE|5320|84-85.--Whereas 1, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 302, Voera Beena Apts., situated at Sewri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7--1-1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 302 on 3rd floor, C Wing, at Acharya Donde Marg, Sewri (W), Bombay-15 of Vecna Beena Co-op, Hsg. Soc. Ltd.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 5242 on 7-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of thee said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followi-ne persons, namely:-

Date: 12-9-1985

(1) M|s. Prabhudas Dalichand & Co.

(Transferor)

(2) Damyanti Bhanuprasad Ved, Kalpana Mukesh Ved, Kalpana Mukesh Ved, Mayur Bhanaprasad Ved.

(3) Transferees.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Rcf. No. AR-I|37EE|5271|84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 515. Milan Indl. Fstate, Service, Indl. Estate,

situated at Cotton Green,

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-1-1985.

Sor an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immosble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I:XPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Service Industrial Estate, Unit No. 515 on 5th floor, Milan Indl. Estate. C.S. No. 2|159, 1A|160, 1|160, 1C|160, 1B|160, 1A|186 of Parel Sewree Division, Cotton Green, Bombay-33.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/5201/84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 12-9-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE (UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Joseph D Diaz & Mrs. Irenc Joseph Diaz.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Eombay, the 12th September 1985

Ref. No. $\Lambda R\text{-}1|37\text{EE}|5322|84\text{-}85$.—Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 336, Shah & Nahar Indl. Estate,

situated at Lower Parel,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 7-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the property as aforesaid exce

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Axi
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been to which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The techns and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 336 on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2 in Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 01?.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[5252]84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBFY.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, it inforce, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons namely:—

Date: 12-9-1985

FORM ITNS --

(1) Shri Dulerai R Mehta, Shri Dhiren D Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh V Gandhi, Smt. Daryani D Gandhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY:

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. A P. N. DUBFY, AR-I|37EE|5336|84-85.--Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 4 B.R., Mont Blanc Apt., August Kranti Marg,

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentrate of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, B.R. 12th floor, Mont Blanc Apartr Dadyseth Mill, August Kranti Marg, Bombay-400 036.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5249/84-85 on 7-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-9-1985

Seal:

80--286 G1/85

(1) B. L. Bassin HUF.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanjay K. Parekh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Rtf. No. AR-I/37EF/5436/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Isocome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Re. 1,00,000)- and bearing

Hat No. 3, PSB Apartments No. 3 situated at Worli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961.

in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect a per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferos to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: limit/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatte

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Building No. 3 in P.S.B. Apartments, B.G. Kher Road, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5319/84-85 ou 22-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Accuisition Range-t,
Bombay

Date: 12-9-1985

Seal ;

(1) Shri Madhukar Soma Gawade. (Transferor)

(2) Smt. Lilabai Bhavanshankar Bhat.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I 37EE 5362 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000|- and bearing

Block No. 4, Prabhadevi Shiv Shakti CHSL situated at Sayani Road, Bombay

(and more fully described in the Schadule annexed hereto), has been transferred under the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Odlichi Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, 1st floor, Prabhadevi-Shivshakti Co-op. Housing Society Ltd., 916/917, Sayani Road, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-J, Bombay, under Scrial No. 5271 on 13-1-1985,

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax . Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-9-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Lilaram Ratanchand.

(Transferer)

(2) Harbausingh Gandasingh Chandok Harbanskaur Harbansingh Chandok.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5516/84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceedings Rs. 1,00,000|- and bearing Tenement No. 78, Building No. 5, Sardar Nugar situated at Sion Koliwada, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; und/or;
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been Or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of we from the date of publication of this notice ial Guartto or a period of 38 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Tenement No. 78, Building No. 5, Sardar Nagar-IV, Sion-Koliwada, Sion, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. 5379 on 30-1-1985,

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely i-

Date: 12-9-1985

(1) Shri Gangadhar Sadashiv Raut

(2) Smt. Sudha Vishnu Bhave

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5557|84-85.-Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Block No. 10, Shiv Sai CHSL situated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 31-1-85

at Bombay on 31-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration. that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 10, Building No. 15, Shivaji Nagar, Shiv Sai Co-op. Housing Society Ltd., Dr Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 023. The statement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 5398 on 31-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atcresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-9-1985

(1) Herdillia Chemicals Limited

(Transferor)

(2) Mr. M. A. E. PAES

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mr. M. A. E. PAES (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR11|37EE|5192|84-85.-Whereas, I P. N.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.
Flat No. B-4, alongwith one covered car parking space at Eden Hall situated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-1-85

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instaument of transfer with the object of !--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the seme meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay ter under the mid Ast, in any tacome arising fro
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. B-4, alongwith one covered car parking space at Eden Hall, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 6449 on 7-1-1985.

一图 图 11

P N. DUBFY Competent Authority
Impacting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manchy ;-

Date: 12-9-1985

Said :

(1) Mr. Ashok D. Vora

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING AMERICANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I 37EE 5324 84-85.—Whereas, J. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding-Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 14, Endeavour situated at Wadala (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability storer to pay tex under the said Act, i may income arising from the transfe

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Transferce)

(2) Mr. Harish M. Dave & Mrs. Jvoti H. Dave

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this petics in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gagette.

Insplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same asseming as given in that Chipter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Endeavour, 14 144, Wadala Estate (North) Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I | 5253 | 84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bont's

New, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-9-1985

Seel :

(1) Shri Paresh Natwarlal Parikh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961) (2) Shri Natadaarwala Munawar Asgerah

may be made in writing to the undersigned :-

· (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4292|84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY

being hie Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. Flat No. 506, Veena Beena Apts, situated at Sewri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AP of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen perent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any messeys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 566, 5th floor, G Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (West) Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4270|84-85 on 29-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

PORM ITNS

(1) Smt Kusumlata Gulati & Smt. Mukhtamani Gupati (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37FE|4682|84-85.--Whereas, 1 P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing

No. Flat No. 173 B, Heera Panna Apts, situated at Haji Ali Circle Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the Comperent Authority

at Bombay on 30-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tension.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (2) Smt. Suraj Jain & Shri Gautamkumar Jain. (Transferee)
- (3) Transferors (Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. EXPLANATION: -The terms and expressions used herein is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 173 B, Hecra Panna Apartments, Haji Ali Circle, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5430|84-85 on 30-1-85.

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--81-286 GI/85

P. N. DUBEY Competent Authority
Inspecting Assistant Committioner of Income-tax Acquisition Range-I, Rombay

Date: 12-9-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 268D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5518/84-85,---Whereas, J. P. N.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. E|2. Sunita Apis. situated at Peddar Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the 21st Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfers to pay tex under the add Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269°D of the said Act. Is the following persons tumely:—

(1) Shri Rasiklal Bhaichandbhai Shah

(Transferor)

(2) Smt Neeta Bharatkumar Gandhi & Shri Prajivandas Bhaichead Gandhi.

(Transferce)

(3) Fransferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E|2, 1st floor. The Somming Co-op. Hsg. Soc. Ltd.. Sunita Apartments, 62CC, Paddar Road, Bombay-400 036.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5380|84-85 on 30-I-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Bombay

Date: 12-9-1985

Soal :

(1) Hasmukh Parckh, Smt Manjula H. Parckh

(Transferor)
(2) Shri Anup N. Shah & Smt. Harsha A. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5256/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaule exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, Darya Mahal CHSL situated at Napcansea Road (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Aurequent is registered under

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any increase or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-MX Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16 on 2nd floor, C Wing, Darya Mahal Co-op. Housing Society, 80, Napeansea Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Auguistion Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/5193/84-85 on 7-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-9-1985

(1) Mr. Manohar N. Kamra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ila Suresh Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. $\Lambda R\text{-}1|37\text{EE}|5364|84\text{-}85.$ —Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat Nd. 404, Bhagnari CHSL, situated at

Chunabhatti, Bombay, (and more fully described in the schedule below)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority, at Bombay on 18-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, Bhagnari Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-2.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5281/84-85 on 18-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1985

Scal ·

(1) Shri Dattatray Raghungah Mungekar

(Transferor)

(2) Shri Nandan Pratapi Mungekar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-11|37EE|5207|84-85.-Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000 and bearing

No. Flat No. 14, Three View CHSL situated at Veer Savarkar

Mary Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Three View Co-op. Housing Society Ltd. Veer Savarkar Marg, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-J, Bombay, under Serial No. AR-J[4804]84-85 on 30-1-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisirion Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5393/84-85. - Whereas, I P. N. **DUBEY**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Flat No. 71, Kshitij Building stuated at L Jagmohandas Marg, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the In once as Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforexaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Nalini Chandulal Nathwanl

(Transferor)

(2) M[s. Kankhal Investment & Frading Co. Pvt. Ltd. (Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flet No. 71, 7th floor, Kshitij Building, Parag Prem Premises Co-op. Society, 47, L Jagmohandas Marg, bearing C.S. No. 448 of Malabar Hill Division, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. No. AR-I | 5292 | 84-85 on 22-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforgaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-4985

FORM ITNS-

acembro de la propria manemalación de la contrata del contrata de la contrata de la contrata del contrata de la contrata del la contrata del la contrata de la contrata del la contrata de la contrata de la contrata de la contrata de la contrata del la co (1) Shri Anil Kumar Aggarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Asha Blagat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref., No. AR-1/37EE/5571/84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 1A. Anita CHSI, situated at Mount Pleasant

Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 31-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :--

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1A, Anita Co-op. Housing Society Ltd., Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-t. Bombay, under Serial No. AR-J\\$408\84-85 on 31-8-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

. meretore, in pursuance of Section 269C of the said , I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Shi! Dinesh Bahl & Rajesh Buhl

(Transferor)

(2) Shri Govind Bhagwandas, Mohan Bhagwandas, Smt. Seema Ramesh Mulchandani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISMONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I]37EE]5573]84-85.—Whereas, I P. N.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnifter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 702 & Parking Lot at President House situated at Colaba Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 31-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a)) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of new income arising from the transfer endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercead persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor and Parking Lot, President Housel 83|85, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-400 005. The statement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 5411 on 31-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1985

(1) Mrs. Kumudini H Trivedi FORM ITNS---

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Saryu Bharat Dedhla & Shri Bharat Hirji Dedhia (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5927|84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Fiat No. 5, Madhukar Bldg, situated at Wadala

(and more fully described in the Scheume annexed hereto), has been transferred and the Agreement's reg sie ed section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemad property and I have reason as bilieve that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; endior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respactive persons, whichever beriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date or publication of this notice in the Offic.al Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are sefined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Madhukar Building Sewree-Wadola South East, Rafi Ahmed Kidwai Road, Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent Authority Aranicision Ranger Bombay, under Serial No. No. AR-I 4408 84-85 on 30-1-85,

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 82-286 GI/85

Date: 12-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIS INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5442|84-85. -Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Government in this behalf under section 269th of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematic referred to in the said Act'), have remon to believe that the immovable

his the tail Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 1,00,000|- and bearing No. 1205, Pancaratna Bldg situated at Opera House, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement's registe ed under section 2694 and the Correctors Authority. section 2694 \ \tag{269 me-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bomoay ou -

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such sp arent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferon a pay tax and he was a m respect of any income arising from the transfer; and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1947 (27 of 12,1);

(1) Mrs. Lalita Gauri Tulsidas Doshi

(Transfe. or)

(2) Messrs Shri Ram Diamonds, Md Bhatat Babubhai maveri & Mrs. Asha buaiat maveri,

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the late of publication of these notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1305 on the 13th floor, Panchrotna Co-op, Housing Soc. Ltd.. Opera House, Bombay 400 00%. The statement has been registered by the Competent Authority. Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 5328 on 22-1-85.

> P N. DUBEY -Competent Authority
> Inspecting Assistant Commission r of 1 commissan Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 12-9-1985

Scal .

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME LAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5514|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

pening the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to ta the 'said Act'), have reason to believe 'hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Fiat No. 45, Pushpa Milan situa.ed at Sophia College Lane

(and more fully described in the Schedule annual hereto), has been transferred und the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30 1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed so between the parties has not been truly stated in the said instrument of arander with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer: and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore. In pursuance of Section 269°C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section, namely temporary.

(1) Mrs. Pushpa J. Kripalani.

(Transferor)

(2) Hindustan Lever Limited.

(Transferce)

- (3) Hindustan Lever Ltd. (Person in oc upagen of the property).
- (4) Hindustan Lever Ltd.
 (reason watern the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 45, 'Pushpa Milan' Sophia College Lane, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Commetent Authority. *cquisition Range-I, Bombay, under S. No. 5378 on 30-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-I
Bombay

Theta: 12-9-1985

FORM ITNS-

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Narendra Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5476|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]. No. Unit No. 427A in Shah & Nahar, Industrial Estate, situated at Lower Parel, Bombay-13 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wasith-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the motion in the Official Gazetts of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmevable property, within 40 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 427A in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5349|84-85 on 30-1-1985.

P. N. DUREY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commission &
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5411|84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY

being the Competent Au hority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter refer ed 10 as the said Act), have reason to believe that the immove be property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Room No. 8, Ganga Building situated at Topiwala Lane
Bombay on 22-1-1985

cance more runy described in the schedule annexed hereto), her been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-1-1985

for an apparem consideration which is less than the fair anarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of stansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely .-

(1) Sumati Kamlaker Chavan.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Hariram Jeswani.

(Transferce)

Transferce.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Room No. 8, Ground floor, Ganga Bullding, Topiwala Lane, Oop. Dr. Bhadkamker Marg (Lamington Road) Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5304|84-85 on 22-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commission r of Incom tax, Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-9-1985

FURM IINS-

(1) Mis. Gundecha Builders.

(Transferor)

NGTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. B. Sinha Roy & Mrs. S. Ghoshal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5238|84-85,-Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the income-un Act, 1961 (45 of 1961) (hereinatter reterred to as the mild Act), have reason to believe that the incomovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000)- and bearing
No. Flat No. 2, Mamata Apartment situated at New Prabha

Devi Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as of o-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said nustrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons watchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 1st floor, Mamata Apartment, D Wing, Plot No. 926. T.P.S. No. IV. Mahim area, New Prabhadevi Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Page-I, Bombay, under Serial No. AR-I[5176]84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the house of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tellowing persons namely :-

Date: 12-9-1985

FORM ITMS-

(1) Shri Kantilal K. Thacker.

(Transferor)

(2) Smt. Chandni Srichand & Smt. Bhagwantibai Srichand.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5445|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom:-tax Act 1964 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'Said Act') have reason to believe that 'he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and bearing No

No. Flat No. 42, Chitrakoot Bldg, si'uated at Wadala (and more fully described in the schedule annexed heleto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competer Au hority at Bombay on 22-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the wald Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor, 'CHITRAKOOT' 18/9, R.A. Kidwai Road, Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acousition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5331|84-85 on 22-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the whom the section 100—266 G185

Date: 12-9-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I]37EE|5421|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reserved to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Houle No. 12/16, New Sign CHSL situated at Sign (W)

Hou e No. 12/16, New Sign CHSL situated at Sion (W) (and more fully described in the Schedule annexed hardo), has been transferred and the agreem, at is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Com etent Au hority at Bombay on 22-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have on the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wente-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26913 of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Kakubhai J. Kakkad.

(2) Shri Ramnik Bhailel Karia & Smt. Meena Ramnik Karia.

(Transferee)

(Transferor)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prope ty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12A/6. New Sion Co-op. Housing Society Ltd., Sion (West), Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisiti n Ropers-I, Bombay, under Serial No. AR-I]5308]84-85 on 22-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Paner-I
Bombay

Date : 12-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th Soptember 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5461|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 62, 'Chitrakoot' Building situated att Wadala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :-

- (a) tambitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

7 persons, namely :--

(1) Shri Kantilal K. Thacker.

(Transferor)

(2) Smt. Champaben Mulchand Shah,

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62 on the 6th floor of 'Chitrakoot', Plot No. 18(9), Sewri-Wadala, South R.A. Kidwai', Road, Wadala, Plot No. Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5340|84-85 on 30-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Bombay

Date: 12-9-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Kantilal K. Thacker,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sweta Satishkumar & Smt. Amritibai Sunderdas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I]37FF[5444|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 41, 'Chitrakoot Building situated at Wadala, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferr d und the agreement is registered under under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41. 4th floor, 'Chitrakoot' 18/9, R.A. Kidwaf Road, Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5330/84-85 on 22-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

OCH!

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Rcf. No AR-I]37EE]5220|84-85.--Whereas, I, P, N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No., 31, Venu Apartments CHSL situated at

Dadar, Bombay

tand more fully described in the schedule annexed

hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is two than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subon (1) of Section 269D of the Act, to the following ma, namely :--

Mr. Sam Navroji Dastoor.

(Transferor)

(2) Mr. Kiran Kumar So Shri Gamuagi Khonda, Mrs. Lalitabai Wo Shri Kishorkumar G. Khonda.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period % 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40, Venu Apartments Co-op. Housing Society Ltd., Flat No. 31, 31d floor, Deorukhai Road, Dadar, Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5186/84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority *nepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-9-1985

FORM ITNS-

(1) Shantaram Sheshgiri Prabhu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrirang Vithal Kadam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-I 37EE 3444 84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sn'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
Flat No. 1. Gananath CHSL situated at Dadar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred und the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen now cant of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1. 1st floor, Gananath Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 218, Senapati Bapat Marg, Dadar, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3810/84-85 on 5-1-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR-1|37FE|5586|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfler referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]— and bearing No. Flat No. 25, Sion Shree Krishna Lava CHSL situated at Sion East, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agrement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 31-1-1985 on 31-1-1985

on 31-1-1985
tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act er the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Sitabai Ramchand Ramchandani.

(Transferor)

(2) Mrs. Nivedita Harshad & Mr. Harshad Babulal Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective pursons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used harein are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, A Wing, Sion-Shree Krishnalaya Co-op. Housing Society Ltd., 33 1/34, Duncan Causeway Road, Sion East, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I 5420 84-85 on 31-1-1985,

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,:—

Date: 12-9-1985

Scal:

P0134

FORM ITNS-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Yusuf Moulana Kasim Pijvi.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II[371:E]16726]84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 104, 1st floor Bldg. No. 18 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara behind Behram Bang, Jogeshwari (West) Bombay-58

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the ogreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the reforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaint consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Building No. 18, forming Part of St. No. 41 of village Oshiwara, behind Bahraum Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]16726]84-85 on 21-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Date : 4-9-1985

FORM ITNS

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mohd. Yunus Mivo Mehd. Mansuri.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16208|84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. Flat No. 602, 5th floor, of Building No. 1, (CA-1-602) Village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 6th floor, of Building No. 1, CA-1-602 Forming Part of S. No. 41 (Part) of village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IJ/37EF/16208/84-85 on 10-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-9-1985

FORM ITNS-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

فتحيره بالمراب المبارات والمبارات والمارات

(1) Aminabi I. Bukhari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II[37EE[16790]84-85,—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 501, 5th floot, of Bldg. No. 13 forming Part of Sl. No. 41 of village Oshiwata, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the horrownest is registered under

has been fransferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 501, Building No. 13, forming Part of S. No. 41, Oshiwara Village, behind Behram Baugh, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16790|84-85 on 24-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-9-1985

FORM ITNS

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Imamuddin Nooruddin Bykhari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BUMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16791|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tan market value exceeding

ks. 1,00,000; and bearing Iso.
Fla. No. 402, 4th floor, of Building No. 13, S. No. 41,
Oshiwara Vidage, behind Behram Baug, Jogeshwari (W),
Bombey-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income.ax Act, 1961, in the Office of

the Com. etent Authority at Bombay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fars market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the da e of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guassie.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, of Building No. 13 torming Port of S. No. 41 Ochiwara Village, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR-II|37EE|16791|84-85 on 24-1-1985.

PRASANTA RAY
Computent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesand of a large transfer of the said Act, to the following persons, namely:—

84--286 GI/85

Date : 4-9-1985

Sonl 1

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohammad Idria Molvi Kasim Pijvi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16727|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being he Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the memovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing No. Flat No. 704, 7th floor, Bldg, No. 17 Forming Part of Sl. No. 41 of village Oshiwara, Jogeshweri (W), Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registe ed under

has been transferred and the agreement is registe ed under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Com etent Authority at Bombay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair than the same to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not occas of which ought to be disclosed by the transferre for the ourmoses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, Building No. 17, Forming Part of Sl. No. 41 of village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogoshwari (W), Bombuy-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16727|84-85 on 21-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesam property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 4-9-1985

Soal :

FORM TINS

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mohd. Sabir Khan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16100|84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (begeinsfter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00 0001- and bearing No. Flat No. 202. 2nd floor, Bldg. No. 11 S. No. 41 Jege:hwari

(West). Bombay-58, (and more furly described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act. 1961, in the Office of the Com etent Authority at

Bombay on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein ** are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the ame meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202. 2nd floor of Building No. 11, forming Part of Sl. No. 41 of village O'hiwara, behind Behram Baug, Jogeshweri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Anthori y. Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16100|84-85 on 3-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-9-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

(2) Mrs. Munira Abdul Hamid Shaikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THIS INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16133|84-85.—Whereas, I, PR/3SANTA RAY,

the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafte) referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value ks. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 704, 7.11 Medical No. 81, S. No. 41 of Village Oshiwara, Ancheri (West) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Com etent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mounts arrang from the transfer: MHI /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be duclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property thay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period di-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 704, 7th floor of building No. 18 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, behind Behram Baug, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16133|84-85 on 7-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following POTODES, BARBERY :---

Date: 4-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Ziauddin Bukharl.

(Transferor)

(2) Mrs. Rehmat Yasin Alladia.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16134|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beleinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 0001- and bearing No. Flat No. 602, 6th floor, of Building No. 2, forming part of S. No. 41 of vinage Oshiwa.a, Anoheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Com etent Authority at Bombay on 7-1-1985 Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Flut No. 602, 6th floor of B'dg. No. 2; forming Part of S. No. 41 of vil age Oshiwara, behind Behram Baugh, Andheri (West), Bombay-58.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India means 1 932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Component Au hority Bombay under Scrial No. AR-II[37EE],6134|84-85 on 7-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-9-1985

FORM ITNS-----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Haniya Mehmood Sayed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16221|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair ma.ket value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing No. Flat No. 701, 7th floor of Bidg. No. 9, forming part of S. No. 41 of village O hiwara, behind Behram Baugh, Jogeshwari (West). Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the typeemen is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Com etent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such a parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the consideration of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which sught to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in numericance of Section 2690 of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the af resaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 701. on 7th floor of Bidg. No. 9 forming part of S. No. 41 of villege Oshiwara, behind Behram Baug, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Pembay under Serial No. AR-11/37EE/16221/84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Da'e: 4-9-1985

FORM ITN3-----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Altaf Abdul Hakim Uomin.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16871|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Au hority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ac.') have reason to believe that the immovable p operty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000l- and bearing No. Flat No. 503. 5th floor of Bidg. No. 19 S. No. 41 of village Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the transferred and t

has been transferred and the agreement in registe ed under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of

Section 269AB of the Income-.nx Act, 1961, in the Office of the Com_etent Authority at Bombay on 25-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable prope ty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 503 on 5th floor of Building No. 19 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16871|84-85 on 21-1-1985.

PRASANTA RAY Comp tent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 'hereby minute inforcedings for the a quisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, camely :--

Dare: 4-9-1985

Seal ;

FORM ITNS--

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohamed Jameel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-LAX ACQUISITION RANGE-II, BUMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II/37EE/16074/84-85,---Whereas, I, PKASANIA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing 180.

Fig. No. 704, 7th floor of Bldg. No. 8 village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bomb.y-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Com clent Authority at

Bombay on 3-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrament of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shill have the same meaning as given in that Chapter.

- (a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b' facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, Bldg. No. 8 S. No. 41 of villinge Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16074|84-85 on 3-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai property by the issue of this notice under sub-Section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Da'o : 4-9-1985 Soal !

FORM I.T.N.S.--

(1) Mr. Ziauddin Bukhari. (2) Anjum Begum Zubai.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4.h September 1985

Ref. No. AR-11/37EE/16065/84-85.—Whereas, J. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tail market value exceeding

k. 1,00 000; and bearing No. Flat No. 701 on 7th floor of Bldg. No. 17, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, behind Behiam baug, Jogeshwi (W) Bembay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Com etent Authority at Bombay on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a first the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen cer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days roun the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 701, 7th floor, Bldg. No. 17 forming Part of S. No. 41 of village O hiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16065|84-85 on 3-1-1985,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (4) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely ;→s 85-286 GI/85

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Pembay

Dare : 4 9-1985

Scal ;

FORM I.T.N.S .--

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bomber the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16788|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ks. 1,00 0001- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, Bldg. No. 13, Jogeshwari (West),

Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Egreemen: is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of

the Com etent Authority at Bombay on 24-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent con deration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ag eed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoles of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the same of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mohammed Jamil Imamuddin Bukhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period exp.res later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor of Bldg. No. 13 forming part of S. No. 41 Oshiwa:a, Jogeshwari (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16788|84-85 on 24-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-9-1985

FORM ITNS

— (1) Mr. Siauddın Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Karim Khan Ayub Khan.

may be made in writing to the undersigned .-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-LAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-11|37EE|16708|84-85.—Whereas, I, PKASANIA KAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 or 1961) (incremental referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Figt No. 401, 4in floor of Bldg. No. 2, behind Behram Baug,

Juguinwari (w), Bombay-58, (and more turly described in the Schedule annexed hereto). has been thansteried and the agreement is regulated under Section 209.45 or the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bembay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid projerty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefo by more than in a p character approval consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pasties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, the respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 of 1957); of Act, of the Wealth-tax

(a) by any of the afor said persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette of a period of 30 days from the seisice of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor of building No. 2 forming part of S. No. 41 of vil'age Othiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Commetent Authority Pombay under Serial No. AR-II|37EE|16708|84-85 on 21-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property in the trace of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Daje : 4-9-1985

FORM NO. LT.N.S.--

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Aziz A. Razak Mansuri.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16209|84-85.—Whereas, I, PRASAN_A RAY,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter reterred to as the 'said Act'), have reason to betteve that the immovable property having a fair market value exceeding R= 1.00.000/- and bearing No.

Flat No. 302, Bldg. No. 1, Jogeshwari (W) Bombay-58, (and more tuny accentrated in the schedule analysed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Completent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor of Building No. 1, of Village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disc osed by the transferee for the purpoles of the Indian Income-tax Act, 1722 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The agreement has been registered by the Competent Au.hority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/16209/84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-9-1985

FORM ITNS---

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Mrs. Mumtaz Abdu! Hamid Shaikh,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16135|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair mrke value exceeding Rs. 1,00,000) and bearing No. Flat No. 604, 6th floor of Bldg. No. 2 forming part of S. No.

Flat No. 604, 6th floor of Bldg. No. 2 forming part of S. No. 41 of the general benchmark benchm

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), seen transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Competent Au hority at

Bombay on 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as oven in that Chapter.

THE SCHEDULE

First No. 604, 6th floor of Bldg. No. 2 forming part of S. No. 41 of viltage Commun. Commun Baug, Andheri (W), bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II.37EE 16135 84-85 on 7-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomnutation Range-II
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—

Date: 4-9-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Zlauddin Bukhari

(2) Mrs. Shahichan Begum

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-I |37EE|16053|84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY.

being inc Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000|- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor of Bldg. No. 3 Forming Part of S. No.

41 of village Osniwa a, benind behram Edug, Joge hwari Ancheri (W), Bembay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-1-1985 fo in pparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason o believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fift en per cent of such apparent consideration and that the con deration for such transfer as agreed to between the part is has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arming from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any moome & any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used become are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor of Bldg, No. 3 Forming Part of S. No. 41 village Ush.wara, Jogeshwa.i (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37PE 16053 84-85 on 3-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-toxy Acquisition Panac-Ir Bombay

Date: 4-9-1985

FORM ITNS-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Zaibunnsa Mohammad Ismail

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.11|37EE|16592|84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Comp ent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter effected to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R: 1 00 0008- and having

Flat No. 604. Bldg. No. 3. S. No. 41 of village Oshiwara, Joseshwari (W), Bombay-58. (and more fully d see bed in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have repson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otheral Cazette or a period of 30 days from the service of n tice on the respective persons whichever period explies fater.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wir in 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nav tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 604. 6th floor, Bldg. No. 3, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara behind Behram Baug, Joge hwari (W), Bembay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR,II]37EE|16592|84-85 on 17-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Pance-II Вощрау

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby initiate proceedings for the negativition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-9-1985

FORM ITNS

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transletor)

(2) Saeed Ahmed Dawood Parkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.JI|37EE|16286|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.0001- and bearing

Flat No. 603, 6th floor of Bldg. No. 18, forming part of S. No. 41 or viriage Conwara, Juge hwari (W), Bombay-58, tand more fully described in the Schedule annexed nercto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an a parein consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction e- e-asion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6tht floor of Bldg. No. 18 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Andheri (W), Bomb.y-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16286 84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Au, hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby in the proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nacema Ibrahim Bukhari

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 4th September 1985 '

Ref. No. AR.II|37EE|16789|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Computent Authority under Section 269B of the Incometax A.t., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the introduction Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Flat No. 502, 5th floor of Bldg. No. 13 S. No. 41, Oshiwara Village, Jogeshwari (W), Bombay-58.

(and the feath of the best in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-1-1985

interation which is less than the fair qpp. market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair marks' value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more har fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /ge

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of his notice under subsection 11 of Section 269D of the said Act, to the following 86-286 GT/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502. 5th floor of Bldg. No. 13 forming Part of S. No. 41 Oshiwara Behind Behram Bldg. Jogeshwari (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Combay under Serial No. AR.II]37EE|16789|84-85 on 24-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranne-II Bombay

Date: 4-9-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mushtaque Ali Ibrahim Bukhari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTON RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref No AD II|37EE|16787|84 85.—Wh reas, I, PRASANTA RAY,

being the Connectent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding R: 1 00 0001, and h ing No Flat No. 304 on 3rd floor of Bldg. No. 13 forming part of S. No. 41 Ochiwara Village, behind Behram Bang. Jogeshwari (W) Rombay-58

wari (W). Bombay-58.
(and more full loss had in the schedule annexed he etc), has been transferred and the agreement in registered under Section 26948 of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to one tax under the said terms respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this nature quite subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used here'n as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

F'a: No. 401 on 4th floor of B'dg. No. 13 forming part of S. No. 41 Oshiwara Village, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Pombay under Serial No. AR.II]37EE[16787[84-85 on 24-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Au brity
Inspecting Assistant Commission of Incometax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 4-9-1985

FORM ITNS ---

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Khan Wazir Ali Mohd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION PANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR II/37EE/16301/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competer of Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act.), have reason to believe that the immove be property having a fair market value exceeding ks. 1,00,000|- and bearing Flat No. 703, 7th floo, Bldg. No. 18 forming Part of S. No. 41 of village Oshiyara, Andhari (1964), Punk v 59

No. 41 of village Oshiwara, Andheri (We t). Bcmb.y-58. (and more fully described in the schedule annexed he e o), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office C the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair stacket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consuleration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of branster with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the peols cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or eventon of the lumbility of the unmaferon to pay bix under the said Act in respect of any moothe arising from the transfer . und/cata

(b) facilitating the concealment of any, income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Flut No. 703, 7th floor, Bldg. No. 18 forming Part of S. No. 41 of village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Comp tent Authority, bembay under Serial No. AR.II|37EE|16301|84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commisi In ome-tax Acquisition Reno -II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice-under subsection (1, of Section 269D of he said Act, to the following persons namely .-

Date: 4-9-1985

FORM ITNS---

(1) Jehangir Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE .INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Louis V. Gomes.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BUMBAY

Bombay, the 6th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16542|84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/and bearing

Frat No. 104, 1st floor C-Wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Anchert (E), Bombay-93,

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and net the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the lini-skiry of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; Nad/or

(b) facilitating the concealment of any measure or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

used herein EXPLANATION: -The terms and expressions as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor C-Wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16542|84-85 on 18-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rener-II Bombay

Date: 6-9-1985

FURM ITNS ---

(1) Jehangir Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanjeewa F, Poojari

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMERTAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16890|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the compactnt Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'be immovable property having a fer murky, value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd floor, C-Wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

(and more tuly described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the ncome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparen consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /01
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, C-Wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent uthority Pombay under Serial No. AR.II|37EE|16890|84-85 Authority Por on 25-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 9ct, to the following persons, namely <---

Date: 6-9-1985

Scal :

(1) Jehangir Builders

(Transferor)

(2) Sanieewa F. Pooiari

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16892|84-85.-Wherens, 1, PRASANTA RAY,

the Local the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Flat No. 304, C-Wing, 3rd fl.or, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Anaheri (East), Bombay-83, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumeat of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of a function the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein a are defined in Charge No. 1 d the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, C-Wing, 3rd floor, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Comptent Authority Pombay under Serial No. AR.II 37EE 16892 84-85 on 25-1-1985.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, '922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby unit are proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of In ome-tax Acquisition Rang -II Bombay

Date: 6-9-1985

Scal:

(1) Savani Family Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTRONT PANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 6th September 1985

Ref. No. AR, 11 37EE 16250 84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Cortis and Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have rea-on to believe that the immovable property, having a fair marke value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 304, Shirin Sohrab Palace, Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in corpect of any income arising from the transfer: andjor
- (b) facilitating the outcookness of any income or any spenders or other sausts which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nerely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. perioly :---

(2) Smt. Rekha Rajanikant Doshi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are denied in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 304, Shirin Sohrab Palace, Plot No. 225, Nariman

Road, Vilc Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authorive mbay under Serial No. AR.II[37FE]16250[84-85] on 10-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date : 6-9-1985

FORM ITNS-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACI, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Tarabai Salehbhai Electricwala

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUIST OF PANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6in September 1985

Ref. No. AR II|37EE|16741|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) therematter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

property having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000 - and b a ing No.
Flat No. 303, 3rd floor Bldg. No. B. Plot No. 18, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59, (And. Control of the Schedule ann xed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1985

ton at apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid \$2,000 the apparent consideration therefor by more than fitteen per cen, of such apparent consideration and that the obtainderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer and (a).
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferoe the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Cazette of a period 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatto

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor Bldg. No. B, Plot No. 18, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority Pombay under Serial No. 9A,II|37EE|16741|84-85 on 24-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isy of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely:—

Date: 6-9-1985

Soni :

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(2) Smt. Parvathi Y, Bhute.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

BOMBAY

Bombay, the 6th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16742|84-85.--Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 15. 4th floor, Bldg. No. 4, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Mar.ohi Road, Andheri (Eas), Bombay-59 (and more tully described in the min dule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay, on 24-1-1985 Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1 Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th floor, Bldg. No. 4, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Marosh Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent by under Serial No. AR-II|37EE|16742|84-85 on 24-1-1985.

> PRASANTA RAY Comp tent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Rengal Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, 87---286 GI / 85

Date: 6-9-1985

FORM ITNS-----

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)
(Transferee)

(2) Sukhdarshan Singh Mann.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16184|84-85;--Whereas I, PRASANIA RAY,

being in Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 's.id Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/henring

Nugar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been t ansfer ed and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 her-by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Bldg. No. 5, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol, Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16184|84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY/
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ba
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-9-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri P K. Sholapurwala and Mrs. T. K. Sholapurwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16928|84-85,—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-fier referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, havin a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 10, 2nd floor Bldg. No. 6, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Ma ol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t anster ed and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Bldg. No. 6 Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16928|84-85 on 28-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Incometar,
Acquisition Page Formation

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-9-1981

FORM LINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQJISITION RANGE-II,

BOMBAY

Bombay, the 6th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16927|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

teins the Conjectent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

and bearing
Flat No 4, 1 t floor, Bldg. No. 2, Plot No. 9, Bhawani
Nagar, Marol Ma.osh Road, Andheri (E), Bembay-59
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been t ansfer ed and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office
of the Competent Authority at

Bombay on 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely;—

(1) Deepak Budgers Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Judith D'Souza and

Mr. Abraham D'Souza.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Bldg. No. 2, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II]37EE[16927]84-85 on 28-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 6-9-1985 Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. (Mss) F. F. Sholapurwala Mrs. T. K. Sholapurwala,

('Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th September 1985

Ref. No. AR-II/37EE/16929/84-85.—Whereas, 1, PRASANJA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the institutive able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 6, 1st floo; Bldg. No. 6, Plot No. 9. Bhawani
Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been t anefer ed and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 28-1-1985

proposed oxideration which is less than the fair markst value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as awreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in re meet of any income arising from the transfer; ar.dlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any thonevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act., 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1, of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Offic al Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor Bldg. No. 6, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol, Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]16929|84-85 on 28-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-9-1985 Seal :

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.(2) Shri F. H. Sholapurwala

(Transferor)

and Sam Z. H. Sholapurwala.

may be made in writing to the uncersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION ROOF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II, BUMBAY

Bombay, the 6th September 1985

Ref. No. AR-II]37EE|16930|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here the as the 'said Act') have reason to believe that the 'mmovable property, having a an market value exceeding tes 1,00,000|-and bearing

Flat No. 5, 1st floor, Bldg. No. 6, Plot No. 9, Bhawani Naga, Ma of Marosh Road. Ancher: East, Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Composite Authority at Bombay on 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid at ceds the apparent consideration therfor by more than affect the apparent consideration and that the confideration for such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1: of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from 'he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5. 1st floor, Bldg. No. 6. Plot No. 9 Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheci (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Au.hori y, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16930|84-85 on 28-1-1985,

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of I come-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to following persons namely:—

Date: 6-9-1985

(1) M|s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

(2) COMEXCO.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 5th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16041|84-85.--Whereas, 1, PKASANIA KILI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovant property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00 000]- and bearing
Rs. 1,00 000]- and bearing
Shop at No. 1, F.P. No. 66, T.P.S. II, Vile Parle (East),
Fraction as Samaj Road, Vile Parle (East), Bombay-57
Samaj Road, Vile Parle (Ea.1), Bombay-57
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
hat been transferred and the agreement is 1.0 stored under
Section 269AB of the income tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act respect of any income arising from the transfer; AUG/OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the raid immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this nouse in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Shop at No. 1, F. P. No. 66, T.P.S. II, Vile Parle (Fast), Prar hana Samaj Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by he Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16041|84-85 on 3-1-1985. he Competent

> PRASANTA RAY Competent Autho ity Inspecting Assistant Commissioner of recommentax Acquisition Range-II Bombay

Dato: 5-9-1985

(1) M|s. V, R. Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sunita Satyandra Vaiday.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th September 1985

Ref No. AR-II|37EE|16335|84-85.--Whereas, I, PRASANIA RAY,

being the competent Authority

tinder Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe take the immovable property having a rair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Fiat No. 2, 2nd floor, Pravin Smriti, Paranjape 'A' Schtme,

Vice Parle (E), Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

ha been transferred and the ag cement is egistered under Section 269AB of the incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason 'so believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by mole than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period explices later,
- (b) by any other person interested in the said immovable p opency, within 45 days from the d te of the publication of this natice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX v of the said Ac shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, Pravin Smriti Paranjape 'A' scheme, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16335|84-85 on 11-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commi-Acquisition Range-II -Вошову

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxmidas Mohankal Patel,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16397|84-85.--Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Ansa Industrial Fstate, Saki Nakka, Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at

Bombay on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—88—286 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16397|84-85 on 14-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16385|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Block No. 5, Giriraj Apartments, Plot No. 176|1 (pto), Kondivita Village, Andheri (E), Near Kadamwadi, Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act or respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 250D of the said Act, to the following errons, namely :---

(1) Giriraj Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Ramchandra Manikeri.

(Transferee)

(3) Giriraj Construction Co.

(Person in occupation of the property)

(4) Giriaj Construction Co.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 5, Giriraj Apartment, Plot No. 176 1 (Pt), Kondivita Village, Andheri (Eust), Near Kadamwadi, Bombay-59.

the agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE|16385|84-85 on 14-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-9-1985

(1) M/s. Ansa Builders.

.(Transferor).

(2) Smt. B. T. Kidiscor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M|s. Organic Plastics. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, ВОМВЛУ

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16097|84-85.—Whereas, 1 PRASANTA RAY,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
M/s. Ausa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri

(East), Bombay-72 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered inder Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

((1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter.

THE SCHEDULE

M|s. Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (East), Bombay-72.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16097|84-85 on 5-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

How, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-9-1985

FORM 1.T.N.S.-

(1) Ms. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s Shree Durgakali Plastic.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16098|84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Andheri

(East), Bombay-72

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and t have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it that Chapter

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Ansa Industrial Estate, Saki Vibar Road, Saki Naka Angaleta (East), Bombay-72,

The agreement has been registered by the Competen Authority Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16098|84 85 on 5-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-9-1985

FORM I.T.N.S. 187-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II;37EE|16099|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Unit No. 132, 1st floor, "F" Blg., Ansa Indusrial Estate,
Saki Vihar Road, Andhen (East), Bombay-72
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with hte object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Ms. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Deepvan Brush Co.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in

THE SCHEDULE

Unit No. 132, 1st iloor, "F" Bldg. Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Andheri (East). Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16099[84-85 on 5-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-9-1985.

FORM ITNE

(1) Mis Shri Venkatesh Industries.

(Transferor)

(2) Mls. Prompt Computer Services P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16152|84-85.— PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Unit No. 128, E-Bldg., Essa Industrial Estate, Saki,

Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afonsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 128, E-Bldg., Ansa Industrial Estate, Saki, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16152|84-85

PRASANTA RAY Competent Authority inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ. Bombay

Date: 5-9-1985.

FORM ITNS ----

(1) A. S. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Parimal Kanilal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II|3717E|16229|84-85.-Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 2, Ground Floor, B|2 Bldg. of Mapkhan Nagar, Moral Naka, Andheri (East), Bombay-59

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-1-1985

Bombay on 10-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, B|2 Bldg. of Mapkhan Nagar, Marol Naka, Andheri (East). Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16229 84-85 on 10-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Bombay

Date: 5-9-198!

FORM ITNS...

(1) A. S. Builders.

(2) Mr George Paul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSTT: COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II|37[EE|16231|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 201, 2nd floor, Bldg. Bl3, Mapkhan Nagar, Marol, Andheri (Hast), Bembay-59

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any meneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laser:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used norsin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Bldg. B|3, Mapkhan Nagar, Marol, Andheri (East). Bombay-59.

The agreement has been registered by the connectent Authority. Bombay under Serial No. AR.II/37EE/16231/84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 5-9-1985.

Scal:

(1) S. J. Construction.

(2) Dhirajlal H. Mandavia.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bonibay, the 5th September 1985

Ref. No. AR II|37EE|16228|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-cax Act. 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propec'y, having a fair market value Rs. 1,00,000[- and bearing No. Fiat No. 307, Kamal Kunj, 7, Subhash Road, Opp. United Ink Factory, Vile Parle (E), Bombay-57 (sud more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985 for an unparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affects are part of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gissette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and lor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 1d Act, or the Wealth-rax Act. 1957 (27 of 1957);

Fiat No. 307, Kamal Kunj, 7, Subhash Road, Opp. United Ink Factory, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16228 84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesse of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following helsture mamely two 89-286 GI/85

Date : 5-9-1985.

ince!

(1) M/s. Minoo Construction Co.

(Transferor,

(2) Mr. Rajendra M. Panchamia and Mrs. Ulupi Rajendra Panchamia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16887|84-85,-Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have feason to believe that the infinity-able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 3rd floor, Minoo Apartment, Nanda Patkar Road. Vile Parle (East). Parth v 57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Eombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ment of the sect which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this socions in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 3rd floor, Minoo Apartment, Nanda Patkar Road, Vile Parle (Fast). Bombay-57. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] 16887 84-85 on 25-1-1985.

> PRASANTA RAY Computent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tox. Acquisition Range-II.
> Bombay

Now, therefore in nursuance of Section 269C of the said Act. I herefore in pursuance or Section 2070 on the same Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely !--

Date : 5-9-1985. Seal

(1) M/s. Nirman-Constructions.

(Transferor)

(2) Shri Shyamlal Gajadharprasad Gupta and Smt. Rajpati Shyamlal Gup.a

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16889|84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Shop No. 4, Ground Floor, Nirman Vihar 'A' Wing, Pump

House, Andheri (East), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground Floor, Nirman Vihar 'A' Wing, Pump

House, Andheri (East), Bombay-93.
The agreement his been registered by the Computent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16889|84-85 on 25-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commi-Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this not ce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-9-1985.

Scal :

HURM FINE

(1) Mr. Vimal Bhopatram Schhani.

Mrs. Aniali Suhas Malwade.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II. ROMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16596|84-85 .-- Whereas 1, PRASANTA RAY.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-erred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000)- and bearing No. Flat No. D-702, Manish Park, Parsi Panchayat Road, Pump House, Andheri (East), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fate

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puriou has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mr. Navin Chandra Amrutrao Malwade and

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used boreln as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. D-702, Manish Park, Parsi Panchayat Road, Pump House, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16596|84-85 on 17-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subor non (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-9-1985.

Soni:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Parikh Metal Industries.

(Transferor)

(2) Kothari Fabrics (P) Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|19402|84-85,-Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

101, 102, 135 & 136 Industrial Units, 1st floor, Bldg. No. 'B'
Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following -: Vietnan enormer

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ir movable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetta.

Explanation: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

101, 102, 135 & 136, Industrial Units, 1st floor, B'dg. No 'B', Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 19402 84-85 on 10-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissions of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-9-1985.

Scal:

FORM IINS----

(1) Smt. Jagdish Keur Chadha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Kumar Singhania.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION PANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16201|84-85.---Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act.), have reason to believe that the immov-

to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000-1 and bearing No. Flat No. 28, 'A' Bldg., Sukhdayak Co-op. Hsg. Society Ltd., J. B. Nagar, Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u der Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to betieve that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than h teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the anid testru-ment of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of a tax on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the raduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 'A' Bldg., Sukhdayak Co-op. Hsg. Society Ltd., J. B. Nagar, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16201 84-85 on 10-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commission reaf forcome-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-9-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II[37EE]16558|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-and heaving No.

and bearing No. Flat No. 32, 3rd floor, Romy Apartments, Marol Church Road, Andheri (East), Bombay-59 (Sarabjit Co-op. Hsg.

Society)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fake market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the portion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- fb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jayshree V. Rajawadha

(Transferor)

(2) Shri Kutubuddin S. Mandsaurwala and Shri Saifuddin G. Mandsaurwala,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publisation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, Romy Apartment, Sarabjit Co-op. Hag. Society, Marol, Church Road, Hill Top, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority Pombay under Serial No. AR.II|37EE|16558|84-85 on 17-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5-9-1985,

FORM TINS-

(1) M(s. SIT WELL,

(Transferor)

(2) M/s. D.T.I. Enterprises.

(Transferce)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR II|37EE|16916|84-85.-Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinsfer referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

roperty, having a fair market value exceeding
Rs. 100.000|- and bearing No.
Unit No. 106, Is floor, C-Block, Hind Saurashtra Industrial
Estate. Andheri-Kurla Road. Bembay-59.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at

tor an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the entire has not been truly stated in the end instrument of constor with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor is pay tax uniter the said Act, in yespect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wouldh-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perfect of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the sespective personal wheshover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovement property, within 45 days from the date of the public ention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 106, 1st floor, C-Block, Hind Saurashtra Industrial

Estate, Andheri-Kurla Road, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II[37EE|16916|84-85 on 28-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
[mapecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II.
Received Bombay

Now, beautiful to purbance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely |---

Date : \$-9-1985.

Beal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE LINCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR II 37EE 16276 84-35.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) 'hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000]- and bearing No. Industrial Unit 103, Ravi Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement's registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comnetent Authority at Bombay on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manater with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and;or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, as pursuance of Section 269C of the east

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely ;—

(1) Mr. Bhujanga M. Sh.tty.

(Transferor)

(2) Mrs. Harcheran Kaur and A. S. Kohalai.

(Transferee)

(3) Mr. B. M. Shetty. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein see defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit 103, Ravi Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (Fast), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16276 84-85 on 11-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5 9-1985

Sent :

90---286 GH, 85

(1) Shri Popatlal Bhura Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chothi ben Kanji Chhada.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR II 37EE 16941 84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to make 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]- and bearing No. Shop No. 2, Swimi Sivanand Society Opp. Calico Industries Chakala Road, Andher' (East), Bombay-99 (and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered and or

has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombsy on 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. (Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Clfic al Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 Swami Siman ! Society Onn. Cal'co Industries Chakola Road, Andheri (E), R mbay-400 099.

The agreement has been registered b the Competent Authority. R mbay under Serial No. AR.II[37EE]16941]84-85

on 28-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Pate: 5-9-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Saroj Narendra Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. Sunrendra K. Gadodia.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th Soutember 1985

Ref. No. AR. 11/37EE/16418/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 6 Supermeet, Plot No. 12 Kantinagar, Andheri(E), Bombay-400 059

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombiv on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habilita of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wenith-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 6, Supermeet, Plot No. 12, Kantinagar, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority Combay under Serial No. AR.II|37EE|16418|84-85 on 14-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commi stone of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Porte: 5-9-1985

Scal

FORM NO. I.T.N.S.----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16142|84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the kinmovable property, having a fair market value exceeding

able moments, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing Plot No. 89. Unit No. 209. 2nd floor, Shivai Doangre Industrial Estates, Next to Park Davis, Saki Naka, Bomb y 400 0/2 (and more fully described in the schedule anneed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the lucume-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any assumes of other sasets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the ourboses of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acq uisition of the affirmantal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

(1) Smt. Vimal Balkrishna Dongre. Smt. Surekha Mura, dhar Dongre. Shri Balkrishna Tryamb & Dongre, Shri Murlidhar Tryambak Dongre.

(Transferor)

(2) M₃. System Support Services.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned. —

- (a) by any of the aformald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the miblication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 89, Unit No. 209, 2nd floor, Shivai Doangre Industrial Estate, Next to Park Davis, Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rembay under Serial No. AR.II|37EE|16144|84-85 on 7-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometal
Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 5-9-1985

FORM IINS----

(1) M/s. Noble Metal Works.

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sudarshan Metal Finishers.

(Transfereo)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Eombay, the 5th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16896|84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

boday the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter reteriod to be the said Act), have region to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing No.

Unit No. 7, Ground Floor, 'B' Block, Hind Sau ashtra Industrial Estate, Andheri Kurla R. ad, Andheri (E) Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed n. eto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomestax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid roperty and I have reason to believe that take fair maket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transfere (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immesovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamesia.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) inclinating the reduction of consider of the thankeron to pay the moder the said Act of expect of any morning from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Unit No. 7, Ground Floor, 'B' Block, Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority Combay under Serial No. AR.II|37EE|16896|84-85 on 25-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the and Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-rax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the main Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the pane of the motice under subsection 1) of Section 269D of the half Act, to the reflowing persons, namely:—

Date: 5-9-1985

Scal:

(1) Shansyam Manga bhai Patel & Others.

(Tran feror)

(2) M/s Gulam Rasul & Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME 14X, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR I' | 37EE | 16153 | 84-85. - Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable p operty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Plot No. 64, Vile Porle (West), Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

fo an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meoine arising from the transfer: ROUJOT

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giron in that Chapter

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or the purpo es of the Indian Income-'ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Piece or Parcel of land or ground of Khoti Tenure at Vile Parle, together with the structure standing thereon Municipality's House Nos. 3, 3A 3B of Bajaj Road, CTS No. 1134, F.A. No. 65-C.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.R 37EE 16153 84-85 on 7-1-1985.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :-

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombav

Date: 10-9-1985

FURM HIND

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION BANGERI, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.1 [37 = 2]16 (25]84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) there notice referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

Land with structures 'Aziz Bagh' at 2nd Hasnabad Lane, Santaeruz (W), Hombay-400 054

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the inconti-tax Act, 1961, in the Office of the Comsetent Authority

at Bombay on 15-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to gelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fittee per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or examon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income itily illinutery, or other amount which have not been or which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice where subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely 1-

- (1) Shri Nasauddin Shu,audan Abdul Halim and Others.
 - (Transferor)
- (2) Shri Ahmed Goolamnabi Sheikh & Others. (Transferee)
- (3) Tenants. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underugated :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Lieucilo.

EXPLANATION :- The torms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structures thereon, all tenanted viz. Aziz Bagh, at 2nd Hasnabad Lane Santacruz (West), Bombay-400 054

The agreement has been registered by the Competent
Authority Company under Serial No. AR.II 37EE 16425.84-85 mbay under Serial No. AR.II 37EE 16425 84-85 on 15-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom -tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref No. AR.II|37EE|15983|84-85,—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable promerty having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]—and bearing Plot No. 83. Santacruz (West). Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered and on the santacruz (west).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following poisons, namely:—

(1) Mrs Rody Rustomii Sethna, Mrs. Mehru Burjor Dastur.

(Transferor)

(2) Mr. Rainikent Harkisondas Shah, Mrs. Sushila Gordhandas Shah, Mr. Paresh Pranlal Shah, Mr. Vain Pranlal Sheh and Mrs. Saroj Tarun Shah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propers may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same meaning in given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land at Santaeruz Mauje Danda being Piet No. 83-C]9-A of Meera Baug Scheme, TPS II, Santaeruz.

The agreement has been registered by the Competent Authority Combay under Serial No. AR.II|37EE|15983|84-85 on 1-1-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II 37EE 16057 84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

bung the Competent Authority under Section 269B of the bung the Competent Authority under Section 1898 of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immuvvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000l- and braving Plot No. 21B of TPS I, Santacruz and CTS No. H|64 together with the Bungalow S. V. Road, Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

at Bombay on 4-1-1985
for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tas under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

riow, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suc-Section (1) of Section 269D of the said Act, 'so the following nerrors namely :--91-286 GT/85

- (1) Mrs. Holibai Hanuman Presad Tulshan & others. (Transferor)
- (2) Shri Shankarlal Gaurdutt Mittal and Shri Parmeshwar Gauridutt Mittal. (Transferse)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property).

(4) Nirmal Niketan Co-op. Hou ing Society Ltd.
(Person whom the unders gued knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein * are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21B, TPS I, Santa-ruz & CTS No. H|64 together with Eurgelow Tulshan Bhavan at Swami Vivekanand Road, Santacruz, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.H|37EE|16057.84-85 on 4-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985

FORM JTNS -- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM SIGNER OF INCOMA-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No AR II/37EE/16144/84 85.—Whereas, I, PRASAN [A RAY,

being the Competent Au hority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to oblive that the imin value p operty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000-and healing

Land beating S. No. 35 H. No. 1/A CTS 143 of Village Majas, Taluka Andheri in Bembay Subu ban District

tane more fully described in the Schedule and xed hereto), has been transferred and the agreement is g t red u r Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

at Bombay on 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and t have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the exparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to now tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wave ought to be disclosed by the transferee for

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Urkar Kaur Harnamsingh.

(Transferor)

(PART III -SB: 1

(2) M/s. Dashmesh Construction.

(Transferee)

(3) Mrs. Sabira Mujid (tenant).
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Lend bearing S. No. 35 Hissa No. 1/A, CTS 1/3 of village Majas Taluka Antheri in Bombay Suburben District.

The agreement has been registered by the Component Authority. Bombay under Serial No. AR:II/37EL]16144,84 85 on 7-1-1985.

PRASANTA RAY
Completent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bonibay

set in herefore, in pursuance of Section 269C of the said set i hereby initiate proceedings on the acquisition at the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Pate:

Scal;

ili in a series in the series FORM ITNS-

(1) M|s Veena Dyes & Chemicals Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Meridian Inflatables Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II/37EE/16356/84-85.—Waereas, I, PRASANIA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 or 1761) (necentator referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Cala 100,100, 103, 1st floor, Plot No. 4 Marwah Estate at Saki-Vihar Road, Bombay-72 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Area of the Area o Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the competent Authority

at Bombay on 11/1/1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa d property, and I have jeason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of not ce on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. 103, 1st floor in Building 'Industry House' Plot No. 4 of Marwah Estate at Saki-Vihar Road, Bembay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authorit Pombay under Serial No. AR II 37EL 16356 84-85 on 11-1-1985.

> PRASANTA RAY Computent Authority Inspecting Assistant Commission r of Income tex, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-9-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Satindrapal Investment Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Mr. Naranji Peraj Karta & Trustee of Ketankumar Naranji Trust. (Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Rombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16416|84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that to as the the iminovable property naving a fair market value exceeding

Unit No. 1, 'Snreepan Complex' CTS No. 215 & 215 1 to 9, Vundavali Suren R al, Andheri (E), B mbay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement s regise ed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of me transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and, ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1722 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 1 on the ground floor of Building 'Shreepal Complex' CTS No. 215 & 215 1 to 9 Village Gundavali Suren Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Author'y R. bay under Serial No. AR.II|37EE|16416|84-85 on 14-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income 'ax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

(1) Sujan Singh.

Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Samani Milan Laxmidas.

Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16148|84-85.—Wherece, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Fiat No. 4, Andner Jumbo Co-op. Housing Society Ltd. at Andheri (East), Bombay-69

(and more tuily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement s registered under Section 269AB of the income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-1-1985
to an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as alote-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred to the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby induce proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in he Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter $\lambda\lambda A$ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fla. No. 4, Andheri Jumbo Building, Building No. 'C', Koldongr', Road No. 2, Sahar Road, Andheri (East), Bombay 69.

The agreement has been registered by the Commetent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16148|84-85 on 7-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomisa
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-9-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16111|84-85,-Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 104, Nagardas Rofel, Varma Nagar Co-op, Housing Soc. Andheri (Fast) Bombay-69 (and more fully described in the article).

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement a registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mole than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the mid Act in respect of any moothe arming from the transferor. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Harachand Jairaj Gandhi.

(2) H'tesh Bhagwatrai Sanghi, Jog. uti Hitesh Sangivi.

(Trensferor) (Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 104, Varma Nagar Co-op. Housing Society Old Nagardas Road, Andher (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16111[84-85 the Competent on 4-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commission of the metals and the commission of the competent Authority Inspecting Assistant Commission of the commission of th Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-9-1985

(Transferee)

FORM ITNS----

(1) Hanuman Ramanand Co op, Hsg. Society Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF 'NDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No AR.II 37EE 16394 84-85. Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]- and bearing

Portion of land bearing Old Plot No. 36, TPS V, Vile Parle

(Fast), Romb iy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement s registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-1-1985

one of ramon, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the p operty as af read exceeds the apparent consideration to the property as after a defected the percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

(2) Shri Mathurdas Narandas Majithia.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person morested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers 10\ bas

THE SCHEDULE

Portion of land bearing Old Plot No. 36 TPS V. Vile

Parle (East), Bombay,
The agreement has been registered by the Competent
Authority Combay under Serial No. AR.II/37EE/16394/84-85 on 14-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for me purposes of the Indian Income tax Act, 1922 all of 1922) or the said Act, or the Westch-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income to Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in surmance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the same only to the following persons, namely !-

Date: 9-9-1985

Real ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THL INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II[37EE]16175[84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immo-

vable roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. Harmar Niwas M. G. Roed, New Final Plot No. 10, TPS. T. V le Parle (E), Bombay-57. (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the ag eement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair mark:t value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Lalitaben Chandulal Parikh & Others. (Transferor)

(2) C. M. Shah, HUF Karta of C. M. Shah, HUF. (Transferee)

(3) Tenant. (Person in occupation of the property).

(4) Transferce. (Person whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Harihar Niwas, M. G. Road, New Final Plot No. 10 TPS. Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Commetent Authority Pombay under Serial No. AR.II|37EE|16175|84-85 on 7-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incrme-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisit on of the aloresaid properly by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

Dato: 9-9-1985

(1) Mrs. Thelma Miranda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Samad Umar Karol.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.11/37EE/16285/84-85.—Whereas, 1. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|and bearing
Flat No. 7|22 at the Blossom CHSL, Maroshi Road, Marol,

Andheri (East), Bombay-57 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the sair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tex under the said Act in east of any income article from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Flat No. 7/22 at The Blossom Co-operative Housing Society Ltd. Maroshi Road, Marol, Andheri (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16285[84-85 on 10-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authoric Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow THE PERSONS DAMELY :-92-286 GT/85

Date: 9-9-1985

(Person in occupation of the property).

FORM ITNS--

(1) Mrs. Felicity Rodriques.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manabai Haiderali.

(3) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-'!, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR II 37EE 16926 84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinester referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to 93 the 'said Act'), have reason to believe that the minovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Shop No. 20, Shopping Centre on Plot No. 18, Bhawani Nagar, Andheri East, Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed before of the largest tay Act 1961, in the Office of Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) fasilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 20, ground floor of Shopping Centre on Plot No. Shop No. 20, ground floor of Shopping Centre on Plot No. 18 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East.

The agreement has been registered by the Competent Authority Pombay under Serial No. AR III 37EE 16926 84-85 on 28-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 9-9-1985

PORM ITNE -

(1) M|s S.S. & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pushpu Ramesh Ruia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMEAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II/37EE/15973/84-85.—Whereas, 1. PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000]- and bearing Flat No. 102, Amarniketan, Plot No. 12 Rajasthan Co.op. Housing Society Ltd. J.B. Nagar, Andheri (East), (and more fully described in the Schedule amaexed hereto), Bombay 59

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Amarhiketan, 1st floor, Plot No. 12, Rajasthan Co.op. Housing Society Ltd., J.B. Nagar, Andherl (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15973]84-85 on 1-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bembe

Date: 9-9-1985 Scal:

FURM ITNS-

(1) Mr. Rajendra R. Shirvaikar, Mr. Shirish R. Shirvaikar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms Interra Exploration Co.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR:II|37EE|16233|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 6, 2nd Fl. Bldg, No. 5, Sher-E-Punjab Co-op.

Housing Soc. Ltd. Mahakalı Caves Rd., Andheri (E) Bombay-93,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property of may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Building No. 5, Shere-E-Punjab Coop. Housing Society Ltd. Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|16233|84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge-II, Bombay

Date: 9-9-1985

Scal:

FORM TINS-

(1) Munal Hussain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Medtech Devices Private Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16390|84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. B-102, 'Rizvi Palace' Hill Road, Bandra,

Bombay-50,

instrument of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-102, 1st floor of 'Rizvi Palace' Opp. Police Station, Hill Road, Bandra (West) Bombay-400 080.

The agreement has been registered by the Compatent Authority, Bombay under Serial No. AR II|37EV|16390|84-85 on 11-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-9-1985

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.11/37EE/16348/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
No. Flat No. 12. Let floor, Rich Apartment, Wanzewadi
Lane, Mahim (W) Bombay-400 016.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conconlinent of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. G. Ravindran.

(Transferor)

(2) Mr. Mukhtar Ahmed Ansari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Consette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rich Apartment, Wanzewadi Lane, Flat No. 12, Wanzewadi Lane, Mahim West, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16348|84-85 on 14-4-1985.

PRASANTA RAY

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bambay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16086|84-85.-Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 14, Bandra Olympic Society 16th Road, Plot

No. 533 34, Bandra, Bombay-400 050, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ten under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Gul V. Punjabi.

(Transferor)

Smt. Santosh Kishinlal Khurana & Shri Kishinlal Khurana.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Bandra Olympic Society 16th Road, Plot No.

533|34, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sorial No. AR.II|37EE|16086|84-85 on 4-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

(1) Frederick (Freddy) DE Souza & Merly Veronica DE'Souza.

be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Asif I. Lalljee,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II[37EE]16128|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000)—and bearing Flat No. D-1, at 'Nelnom Apartment' Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated us the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of said property may

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse two the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE OCHEDULE

Flat No. D-1, Nel Nom Apartments, Off Waroda Rd.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16128[84-85] on 7-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

Date: 9-9-1985

Scal:

(1) Saghir Ahmed Siddique & Mohomed Hussein Mohumed Siddique. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shamira S. Jaffer, Noorbanu Jaffer & Zubair Sorathia.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37FE|16724|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the (ucome-tax Act. 151 (43 of 1261) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Shop No. 9, Rizvi Mahal, Bandra, Bombay-50, (and more 'ally described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the become-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at of the Competent Authority at

Bombar of 21-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair marker, which is the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than forward exceeds the apparent consideration therefor by more than from per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

(a) facilisating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said isomovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9 on Ground floor of Rizvi Mahal at Plot Nos. 106 & 107 at Water-field Road, Bondra, Bombny-400 050. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. H | 3717 E | 16724 | 84-85 on 21-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rungo-H, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-93--286G1'85

Date: 9-9-1985

FURM 11/N5

(1) Cyrus Keki Engineer & Terro Minoo Mistry.
(Transferor)

WOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR,II|37EE|16216|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovrole property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 4, 'Sabeona' 10|B, Rajan Rd. Bandra,

Bombay-50, tand more fully described in the Schedulo annoxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor have more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay mx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westlinday Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. taliti Zahera Khanoon Kazem.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 10 B. Rajan Road, Sabeena, 1st floor, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16216|84-85 on 10 1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

(1) Lt. Col. Vasant Narayan Samarth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Amrita Prabhakar Deodhar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16186|84-85.—Whereas, J. PRASAN'IA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the Said Act) have reason to believe that the infinitivative property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Flat No. 23, Landmark, The Kohinoor Co-op, Housing Society Ltd., 175 Carter Road, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, Landmark, The Kohinoor Co-operative Housing Society Ltd. 175 Carter Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16186|84-85 on 10-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

FORM ITNS ----

(1) Mrs. Iris D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Marlene Julian Braganza.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16062|84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'he immov-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Flat No. 12A alongwith terrace, Windmere Co-op Hsg. Society Ltd., Banara, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-1-1985

andlor

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12A, alongwith adjoining terrace on the 4th floor, Windmere Co-op. Hsg. Society Ltd. 114 Prof. Almeida Road, TPS IV, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16062|84-85 on 4-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

(1) Shri Parkash C, Arora.

(Transferor)

(2) Smt. Renu M. Tilwani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.41|57EE, 16048|84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereissater referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 30 per cela share a the option snip of snop No. 31 Veena Beena Inogene Centre fromises Co-6. Housing Section 269AB of the Income-ta xAct, 1961, in the Office (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been from terred and the agreement in tog stered under Section 269AB of the Income for Act, 1961, in the Office Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competen Authority at Bombay on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen pur tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any accome arising from the transfer; atki/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from said the date of the publications of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

50 per cent share in the ownership of shop No. 31 on ground floor in Veena Beena Shopping Centre premises Coop. Society Ltd., Turner Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16048|84-85 on 3-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, managy :-

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Renuka Lachman Durgani,

(Transferor)

(2) Mis. Hom Fabrics.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF I'HE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16096|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 15, Ground floor, Garden Colony, Somewald Agiary Lane, Mahim, Bombay-16, (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Hombay on 5-1-1985 Bombay on 5-1-1985
tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, Ground floor, Garden Colony, Sonawala Agiary Lane, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16096 84-85 on 5-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-9-1985

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.IJ37EE,16049[84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. 31-B, Land Breeze CHSL., 52 Pali Hill, Bandra,

Bombay-50.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market 1 slite of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of grander with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-id properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Pushpa Vasudev Navani & Mr. Vasudev D. Navani.

<mark>e</mark>stant<u>ion to total medicina and p</u>esta to estantia de la companya de la companya de la companya de la companya

(Transferor)

(2) Mis. Harsha Chandru Gurnani & Mr. Chandru Murlidhar Gurnani.

(Transferce)

(3) Mr. Chandru Murlidhar Gurnani Mrs. Harsha Chandru Gurnani Miss Kiran Chandru Gurnani Miss. Deepika Chandru Gurnani,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31-B, Land Breeze Co-op. Housing Soc. Ltd., 52 Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16049 84-85 on 3-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-9-1985

TO A COLUMN THE PARTY OF THE PA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT (961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION PANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. N_{O} . AR.II|37EE|16170|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Shop No. 11. Natasha Shopping Centre, 52 Hill Road,

Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) I. Fadaus Roshan Sonjce

2. Mrs. Kulsum Kosman Somjee

Mrs. Shehenaz Shamsuddin Wallani &
 Mrs. Shahida Walleed Kazi,

mo amountations accommo a promote sound a solution or industrial constant of the constant of t

(Transferor)

(2) Siraj Narsreddin Khot & Arif Hafiz .

(Transferee)

(3) Transferec.

(Persons in occupation of the property)

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the alloward pornow within a period of 45 days from the there of rabband on of this notice in the Oficial Govette or a period of 30 days from the service of notice on of, respective persons whichever period ernice take
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Olicial Cazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Natasha Shopping Centre, 58 Hill Road, Bandra. Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent thority, Bomboy under Serial No. AP.H[37EE]16170[84-Competent Authority, 85 on 7-1-1985.

> PRASANTA BAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bom'nay

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

(1) D. K. Chhabria,

(Transferor,

(2) Miss. Sumar P. Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16066|84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Falt No. 8, 2nd floor, in Nav Sonarbala Society, 35-36 Turner Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule anexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat Nod. 8, 2nd floor Nav Sonarbala Society, Turner Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16066|84-85 on 4-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-94-286GI|85

Date: 9-9-1985

Seal ;

(1) Mr. Gulamali Siddig Mardani.

(Transferor)

(2) Dr. Mushtaqali Gulamali Mardani.

(Transferee)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37FE|16375|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 3, Zakaria Aghadi Nagar No. 1 CHS, Yari Road, Versova, Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay that under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; notion
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days na the service of notice on the respective persons. whichever period supires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Bldg. No. 1 Zakaria Aghadi Nagar No. 1 CHS. Yari Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16373|84-85 on 14-1-1985,

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985

SeoI:

(1) Sayed Yusuf Amir.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shaikh Yusuf Yakoob.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. $\Delta R.JI|37EE|16037|84-85$.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 107, Apna Ghar Society, Samartha Nagar Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers ned/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107, Apria Ghar Society, Samaratha Nagar, Rishiketh (E) J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16037|84-85 on 3-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acousition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under reversion (1) Section 269D of the said Act, to the following CTRODS, DAMOLY :--

Date: 10-9-1985

(1) Mrs. Abdul Rehaman Alias Bachoo.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M. Salim Khan.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16171|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reseon to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 218, Zakaria Aghadi Nagar No. 1 Co-op, Heusing Society P. Ltd. Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

Bombay on 7-1-1985 ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 218, Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Co-op. Socy. Ltd., Yari Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II]37EE]16171[84-85 on 7-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: -

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Nirmala Prakashchandra Shalya

(Transferor)

(2) Shri Kishore Prabhulal Gandhi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II[37EE]16424[84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value esceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. B-8. 2nd floor, Ratandeep Co-operative Housing
Society Ltd.. 140 J41, Andheri (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at
Repulsey on 15.1-1985

Bombay on 15-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-laid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Flat No. B-8, 2nd floor, Ratandeep Co. op. Housing Society 1.td., 140[141 Swami Vivekanand Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16424|84-85 on 15-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-II, Bombay

Date: 10-9-1985

Scot:

(1) Mr. Harendra J. Madhavlal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Omprakash L. Kamga. Mrs. Nisha O. Kamra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Rcf. No. AR.II]37EE]16640[84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding

property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 34, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Edid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 3rd floor, Gautam Niwas, 7 Bungalows, J. P. Road, Andhori (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16640|84-85 on 18-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscription (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. number:—

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16674|84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000 and bearing

Flat No. 9, Sweta Co. op. Housing Society Ltd., Jogeshwari

(E), Bombay-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereso), has, been transferred and the agreement of registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the shield of the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Jinbala Sahilesh Desai,

(Transferor)

(2) Mrs. Mita Bhupatkumar Kapadia.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Sweta Co. op. Housing Society 1td. at 12 Saraswati Baug, Jogeshwari (E), Bombay-400060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]16674]84-85 on 18-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1985

Scal:

Bina Ghosh & Rina Ghosh.

(2) Kaneez Fatima Nawab.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16895|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Tha No. 305, Sagar Tarang, 3rd floor, 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer. transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

305 Sagar Tarang, 3rd floor, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|16895|84-85 on 25-1-1984.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tiamely :--

Date: 9-9-1985

FORM ITNS ----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16009|84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000]- and bearing.

Flat o. 103-B, Yari Lane, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and the agreement is registered under fection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at sombay on 3-1-1985.

or an apparent consideration which is less than the fair tarket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the unsideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of unsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Miss. Geetaad Jagtiani, Mrs. Sunita D. Jagtiani and Mr. Devidas R. Jactiani,

(Transferor)

(2) Mrs. Lata J. Jagtiani & Mr. Jaikishin R. Jagtiani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offlical Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103-B, 1st floor in 'B' Block, Inlakhs Nagar, Plot No. 15, Yari Lane, Versova, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16009]84-85 on 3-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
95—286GI 85

Date: 10-9-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Kanchan Bagri.

(Fransferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ida John Furtado.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMECTAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37FE|16721|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value erceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. A-21, Sunil Niwas Co. op. Housing Society, J. P. Road, Andheri (West). Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, i. the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability at the transfer to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of that notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-21, Sunil Niwas Co. op. Housing Society. Plot No. 89 & 90, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II]37EE[16721]84-85 on 21-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. Rukma G. Hira.

(Transferor)

(2) Mrs. Padma J. Thakrar.

(Tran ferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Persons in occuption of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|16854|84-85.— Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and begins

Flat No. 603 in Savera Co. op. Ltd., Versova, Andheri (West)

Bombay-61.

formasy-or, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreements registered under Section 269AB odf the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties han not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable. preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATIO&: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) incidening the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Flat No. 603 in Savera Co-operative Housing Society Ltd., Versova, Andheri (W), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seraial No. AR-II|37-EE|16854 84-85 on 25-1-1985,

(b) fucilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|16344|84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-wile property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. A-53, Saujanya Apartment, 5th floor, Bhadawadi Co. op. Housing Society Ltd., 23 Bhadawadi Road, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreements registered under Section 269 AB odf the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coast of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly etated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or moneys or other needs which have not been which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922 ne Ast, 1922 he Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Nandalike Satyavan Shetty.

(Transferor)

(2) Shri Praful Jivantal Sawjiany, Smt. Manju Praful Sawjiany.

(Transferee)

(3) Transferee

(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said introv-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-53, Saujanya Apartment, 5th floor, Bhardawadi Co. op. Housing Society Ltd., 23, Bhardawadi Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37-EE]16344[84-85 on 11-1-1985.

PRASANTA RAY Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-take Acquisition Range-II Rombay

Date: 9-9-1985

(1) Shridhar P. Dighe.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jayadeo Raghunath Brahmbhatt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985 -

Ref. No. AR-II|37-EE|16017|84-85.— Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. B-20, S. V. Road, Irla Bridge, Andheri (West), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreements registered under Section 269AB odf the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985

for an apaprent consideration

which is less than the fair market value of the aforemant property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said acoverty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Camette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

dimination:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, 1st floor 'B' Wing, Yashodhan Bank of India Co-operative Housing Society Ltd., Andheri (West), Bombay-400.058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37-EE]16107[84-85 on 4-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M|s. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Dayaram Ramprasad Yadav & Ramlakhan Chedi Yadav.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th Septimber 1985

Ref. No. ΛR.-II|37-EE|16613|84-85.— Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Shop No. 34, Apna Ghat Co. op. Housing Off J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreements registered under Section 269AB odf the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fatteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by and of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIOE:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shopping Centre Shop No. 34, Apna Ghat Co. op. Housing Society at Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar, Off. J. P. Road, Opp. 4 Bunglows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|16613|84-85 on 18-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 9-9-1985

(1) Robert Philips Sequ eira,

(Transferor)

(2) Anil Kumar Bhalchandra Dighe.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned ;-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|16793|84-85.--

Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing Flat No. 30, 3rd floor, Sea View Co. op. Society, Andheri

(West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreements registered under Section 269AB odd the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, 3rd floor, Sea View Co. op. Housing Society, 4 Bungalows Road. Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|16793|84-85 on 25-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the fortsaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 9-9-1985

(1) Nirmal Contruction Co.

2521

(Transferor)

(2) Mr. Amar Khanna, Father & Natural Guardian of Miss Kiran, A. Khanna (Minor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|16334|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

whereas, I, PRASANIA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Godown No. 20 on ground floor of Nirmala Apartments, Corner of J. P. Road & Ceaser Road, Andheri (West), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement registered under Section 269AB odf the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sud/or
- 18) facilitating the concealment of any income of any purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The tarms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 20 on ground floor of Nirmala Apartments Corner of J. P. Road & Ccaser Road, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37-EE]16334]84-85 on 11-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-9-1985

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS-

(1) Mr. Shaikh Abdul Hai Ibrahim.

(Transferor)

(2) Mr. Chandru M. Shamdasani, Mr. Suresh M. Shamdasani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMI-TAX ACQUISITION RANGE-II BUMBAY

Bombay, the 9th September 1985

being the Competern Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred on the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 and bearing Shop No. 10, Evershine II Co op. Housing Society Ltd., opp. Practap Colony, J. P. Road, Andneri (West), Bombay-58, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULF

Shop No. 10, Evershine II Co. op. Housing Society Ltd opp. Pratap Colony, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58

The agreement ha been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|16869|84-85 or 25-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1-28603185

Date : 9-9-1985

Soal :

. . National Sign in the Heat Table

1 - T-C-2-

FORM ITNS----

48----- (1) Baljor Padau Yadav & Sijor Padav Yadav.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Itfon Ahmed Babalal, Shakila Banoo Abdul Rahis, Hajara Bi Babalal & Babalal Farid.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 9th Sep'ember 1985

Ref. No AR-II|37-FE|16035|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing S op No 23, Yashodhan Apartments, Andheri (West) Bombay-58, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annoxed hereto), has been tran ferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incompletax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1985

tor in applical consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linkships of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 23, ground floor Bldg No. 6, Yashodhan Arartments Plot No. 144, J. P. Road & 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement ha been registered by the Competent Author ty, Bombay under No. AR-II|37-EE|16035|84-85 on 3-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Rose II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Net. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pate : 9-9-1985 Seal :

(1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Baljor Parau Yadaw & Saroj Parav Yadav.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|16412|84-85.-Whereas, I. PRASANIA RAY,

being in Component authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immuyable property, having a fau market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing Shop No. 6-B, Apna Gha Co. op. Hsg. Society, 4 Bungalow,

Andheri (West) Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and the agreement is registered under Sect on 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competen, Authority at Bombay on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration ther for by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to perween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay this under the said Act to respect of any income arising from the transfer; RTHL / OR

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought is be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937): Shop No. 6B, Shopping Centre, Apna Ghar Co. op. Housing Society a O h.wara, Shree Swami Samartha Nagar, off J. P. Rold, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement ha been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|16412|84-85 on 14-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiat proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|16346|84-85.—Whereas, I, PKASANIA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 2, ground floor in mini Jewel J. P. Road, Versova, Bombay-61.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay cax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he thorsand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shree Munaf Shafi Memon.

(Transferor)

(2) Mrs. Farzano Molimed Taher.

(Tran feree)

(3) Transferor.

(Person in occuption of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sa.d. Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, in Mini-Jewel, Plot No. 20-J.P. Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement have been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|16346|84-85 on 11-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission-r of Income-ax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 9-9-1985

FORM ITHS-

(1) Shri Amir Elabi Badruddin Ismil.

(2) Shri Gangji Surji Gala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(Transferee) (3) Transferor.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Person in occuption of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|16157|84-85.-Whereas, I, PKASANIA RAY,

being the Completent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Shop No. 9, Nand Kripa Shopping Centre, Andheri (West),

Bombay-58. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of t e Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the offile of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income of any moneys or other assets which have not seem Of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a ported of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse inter;
- (b) by any other person interested in the said inconovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetta.

EXPLANATION :- The terms and expressions used hereis are defined in Chapter XXA of Act, shall have the same meaning in given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, 'Nand Kripa Shopping Centre, CS No. 830. of Ambivali Village, Versova Road, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement har been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|16157|84-85 on 7-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-9-1985

(1) Sukhraj M. Nagpal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1941 (43 OF 1961)

(2) Subhanali Hussainali Abjani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th September 1985

Ref. NJ. AR-II|37-EE|15981|84-85.— Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing S op No. 15, Jewes minuted. Co. op. Housing Society Ltd. 7 Bungalows, Andheri, Versova, Bombay-61.

situated at Hombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tran fe red and he agreement is registered under Sec ion 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pur oses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, the effore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this source in the Official Gazette or a period of 30 days tream the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said "mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, Jewel Mahal Co. op. Housing Sosiety Ltd., 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Au h ity, Bombay under No. AR-II|37-EE|15981|84-85 on 1-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tai Acquisition Range I Bomba¹

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Suresh T. Parsani & Smt. Sapna R. Makhija,

(Transferor)

(2) M/s. Finan Tradtrs,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISIT'ON RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II 37EE 16882 84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Coopetent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the Said Act.) have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000|- and bearing
Shop No. 4 Soi Kripa, 7 Bungalow's Garden, J.P. Road,
Versova, Bombay-61,

situated at Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 260AB of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the affice of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proper'y as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been cruly stated in the said instrument of ranger with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforegoid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lateri-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground Floor, 'Mini Jewel' at J.P. Road, Versova, Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II 37EE 16882 84-85 on 15-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commiscon of I come-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date : 9-9-1985

FORM ITNS -----

The second of th

- (1) M/s. Inderjit Properties Pvt. Ltd.
- (2) M/s. Rajkumar Enterprises HUF.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIT'ON RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15994|84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Shop No. 10. Tw'n Towers, at Village Oshiwara, 4 Bungalows

Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay situated at Bombay

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

el the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 10 on ground floor 'Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (Part) Village Osh wara, 4 Bungalows, Off J.P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent who-it. Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15994]84-85 Autho-it." on 1-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissions of Income-axAcquisition Range-II. Вошвау

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 9-9-1985

(1) Shri L. N. Gupta HUF.

(Transferor)

(2) Smt. Padma Hariram Pahlajain.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIT'ON RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16885|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]—and bearing Shop No 1, at Plot No. 320, of S. No. 41 (Part), 4 Pungalows. Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58, situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, de respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-##\$ parsons namely :--- 97-286GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor of the Building 'Woodrose' at Plo No. 320, of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Oshiwara, Versova, Andscri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|16885|84-85 on 25-1-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Date: 9-9-1985

œ. = ; = = = =

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQ''IS'T'ON RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th S p'ember 1985

Ref. No. AR.III37EE,16545|84-85.---Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00 000l- and bearing Shop No. 12 4 Pungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

hand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incompetant Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-1-1985

for an arpatent are selection, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been unity states, in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or use Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons damely:—

(1) Smt, Nimmi Ram Pal.

(Transferor)

(2) Smt. Chand Basin & Smt. Priyadarshani Basin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined up Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, ground floor of the building Greenfields at Plot No. 333 of S. No. 41 (Part). 4 Bungalows, Oshiwara, Versova, Andherl (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|16456|84-85 or 18-1-1985.

PRASANTA RAY
Competen Authority,
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-II
Bomba

Date : 9-9-1985

FORM ITNS-

(1) Mr. Namatullah Quereshi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Harish Kumar Vasan Mr. Ra,kumar Vasan.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISIT'ON RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR II]37EE|16061|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Component Authority under Section 269B of the Income-tiex. Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Naid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

able property having a fair market value excideing Rs. 1.00.000; and bearing Shop No. I, 'Chetna', 142/143, J.P. Road, Andheri (West),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threefor by more than fifteen percent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beth truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability on the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shon No. 1, 'Chetna', 142/143, J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|16061|84-85 on 4-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent At therity
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Resp. II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

(1) M's, Raviraj Constructions,

(Transferor)

(2) Mr. Mohammad Salim Haji Usman.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

ACQUISIT'ON RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II 37EE 16486 84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the and Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 9, 4 Bungalows, Oshiwara, 'Benzer', Versova,

Anuheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facili ating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in record tof any income arising from the transfer; and or . .
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 at 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Grazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :-

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Ground floor, of S. No. 41, 4 Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Anthoria. Bombay under No. AR.IJ/37FE.16486/84-85 on . Bombay under No. AR.11/37EE.16486/84-85 on 17-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Rang II. Bombay

Date: 9-9-1985

(1) M/s. Prakash Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Lajja Ranjit Bhanu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION R OF INCOME-LAX.

ACQUISIT'ON RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II 37EE 16070 84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the in movable property, having a fair market value exceeding

Shop No. 6, 7, 8, 8A & 9, Building No. 1, Amit Nagar, Yari Road, Versova, Antheri (W), Bembay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered unler Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker, aftic of he iforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent ons deration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed o between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever periou expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act us

respect of any income arising from the transfer; Alte. /c

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 6, 7, 8, 8A & 9, ground floor, Building No. 1, Amit Nagar at Yari Road, Versova, Andheri, Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority Pembay under Serial No. AR.II|37EE|16070|84-85 on 4-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranga-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9->-1085

(1) M/s. Prakash Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kamlesh & Rajesh Kumar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIUNER OF INCOME IAL, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16173|84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the late of the Same Act have reason to beneve that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000)- and bea. ng ISO. Shop No. 4, in Amit Nagar at Yari Road, Versova, Bombay-

400601.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ourse to be list of the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders.gned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the attriestal persons within a person of 45 days from the date of publication of this sortice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as gives In that Chapter.

THE SCHEDULE

shop No. 4 ground floor in Amit Nagar, at Yari Road, Versova. Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority Pombay under Serial No. AR II 37EE 16173 84-85 on 4-1-1985.

> PRASANTA KAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Power-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-9-1985

(1) M/s. Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Tran feror)

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rajkumar Enterprises HUF.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTT ON RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR II|37EE|15992|84-85.---Whereas, I, PRASANTA RAY,

heing the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding ts 1 00 000l- and bearing No.

Shop No. 7, alonowith Basement on ground floor Off J. P.

Soud, Versova, Andheri (West), Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and the agreement is registered under action 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Competent Authority at 30mbay on 14,1985

3ombay on 1-1-1985

us an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wi hin 45 days from the date of the publication of thu notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Shop No. 7, alongwith Basement on ground floor, "Twin Towers', Plot No. 8A &8B S. No. 41 (Part) at village Oshiwara, 4 Bungalows, Off J.P. Road, Versova, Andheri (West),

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15992|84-85 on 1-1-1985.

> PRASANTA RAY Competen Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Rang -II Bombay

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Nirmal Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs Veena Chittersen Sharma & Mr. Chittersen Mangram Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISIT'ON RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR. Π |37EE|16332|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 12 on ground floor of Nirmala Apartments, Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-1-1985

consideration which is less than for an apparent the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or walch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

mg persons namely .---

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ide in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons Whichever period exputes later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Nirmala Apartments, Corner of I.P. Road & Ceaser Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority bombay under Serial No. AR.II|37EE|16332|84-85 on 11-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 4-9-1985

(1) M|s. Mahesh Enterprises.

· (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Surya Kumar P. Ghanshyam (HUF) & Mr. Sajan D. Narwani (HUF). (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISIT'ON RANGE-JI **BOMBAY**

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR II|37EE|16295|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer ed to as the 'said Ac') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 34, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, O.hiwara, Off J.P. Road, Andh ri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as and that the consideration for such transfer as agreed o between the parties has not been truly stated in the said instrumant of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable reporty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transier;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 34, Ground floor, Roshanlai Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwara, Off J.P. Road, Versova, Andhtri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16295 84-85 on 11-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Rang*-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following 98-286GI|85

Date: 4-9-1985

See! :

PORM ITNS

(1) M.'s. Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rajkumar Enterprises H.U.F.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQ''IS'T"ON RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 4th Sep'ember 1985

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No AR II/37EE/15995/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'Said Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 1.09.000/- and bearing No.
Shop No. 11. Twin Towers, at Village Och'wers, 4 Punglows Off J.P. Road, Verson, Andheri (West) Rombov, (and more fully described in the Schwilde approved hereto). (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been type-formed and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not ce in he Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, ground floor in Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara. 4 Bungalows Off J.P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15995 84-85 Authority on 1-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rung -Il Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the spid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-metion (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-9-1989

Seal .

~ _____=__=__

- (1) Inde jit Proporties Pvt, Ltd.
- (Transferor)
- (2) Rajkumar Enterp ises HUF.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISIT ON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II]37EE|15993|84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exteeding Rs. 1,01,001 and bealing. Shop No. 8, g cound floor in Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, 4 Bunglows, Off J. P. Rd., Andheri (W), Bombay (and more findy described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement in regi tered under Section 269 AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ,-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 8 on ground floor in proposed building Twin Towers, Plot No. 8-A, & 8-B. S. No. 41 (Part) at Vlage Orhiwara, 4 Bunglows, Off J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by he Competent Authority. Be may under Serial No. AR-II 37EE 15993 84-85 on 1-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Au hor'ty Inspecting Assistant Commissi ner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

ow, therefore, in pursuance of Section 249C of the said I hereby antitate proceedings for the acquisition of the esaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 4-9-1985

FORM ITNS ---

(1) Nirmal Construction Co.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Amar Khanna Father & Natural guardian of Master Kailash A. Khanna.

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16333|84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Shop No. 11, G ound floor, Nirmala Apartments, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement in regi tered under Section 269 AB of the Income- ax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-1-1985

for ar apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andjor

Shop No. 11, ground floor of Nirmala Apartments situated at Coine of J. P. Road and Ceaser Road, Andheri (Wes.), Bombay-58.

The agreement has been registered by 'he Competent Authority, Rombay under Serial No. AR-II/37EE/16333/84-85 on 11-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any m neys or o her assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay -

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 4-9-1985

(1) Ms. Prakash Construction Co.

(2) Smt. Manorama Champaklal Barot.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16069|84-85.—Whereas I, PRASANI'A RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Sucp No. 5 10 & 11, ground floor Bldg. No. 1. Amit Nagar at Yari Road. Versova, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under Section 269 AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) ficilitating the concealment of any income or any manners or other amets which have not been on which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this socious in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immunity vable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the wid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 5, 10 & 11, ground floor, Building No. 1, Amit Nagar at Yari Road, Ve.sova, Bombay-400 061,

The agreement has been registered by he Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16069|84-65 on 4-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pane II

Date: 4-9-1985

(Transferee)

FORM I.T.N.S.----

(1) Mr. Nataindas Ghanshamdas Khatanhar.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition or the send property

may be made in writing to the undersigned :--

(2) Mr. Shyam Sunder Kumdomal Manghwani, (Trai

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|15978|84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Com, etent Authority under Section 269AB of the bacome-tax Act. 1961 [45 of 1961] (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 4, Manish Shopping Centre Co. op. Housing Society, J. P. Road, Antheri West) Bombay-58 (and more fully described in the Schedure annexed hereto).

(and more fully desc ib d in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under Section 269 AB of the income ax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough: to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days rom the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, waich-ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovnote property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A to the said the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor Manish Shopping Centre Co. op. Housing Soc. Mani h Nagar, J. P. Road, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Au hority in about under Serial No. AR-II|37EE|15978|84-85 on 1-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of In ome-tax
Acquisition Program
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versions, namely:——

Date: 4-9-1989

Beal :

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE

FORM ITNS-

(1) R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16298|84-85.-Whereas. I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Shop No. 25, Ro'hanlal Aggarwal Shopping Arcade, Oshwara, S. No. 41 (Pt.), Versova, Near Apna Ghar, Andheri (West). Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in regitered under Section 269 AB of the Income-lax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agroal to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Bhagwan S. Nagrani & Rani B. Nagrani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

at the bave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwara, S. No. 41 (Part), Versova, Near Apna Ghar, Andheri (West). Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Compitent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16298|84-85 on 11-1 1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act. I hereby initial e proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the follows ing persons, namely :---

Desc : 4-9-1984 Beal

FORM I.T.N.S.

(1) M.ss Savitri Ghanshyamdas Khatanhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Arjan Kundomal Manghwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL **BOMBAY**

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR-II/37EE/15979/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 5, Man sh Shopping Centre Co. op. Housing Society, Andhe i (W). Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under Section 269 AB of the Income-lax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Aftern per cent of such apparent consideration and that the sonaideration for such many as intreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1977 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of than notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 5. ground floor, Manich Shopping Centre Coop. Housing Society, Manish Nacar. 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (Wect), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competen Authority. Dombay under Serial No. AR-II 37EE 15979 84-85 on 1-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tail Acquisition Range-Il Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Access, namely :---

Date: 4-9-1985

FORM TINS-

(1) Mis. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Heman Jairamdas Punjabi & Mrs. Beena Heman Punjabi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16296|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and hearing

and bearing
Shop No. 37, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwara, S. No. 41 (P.), Versova, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect on the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transferond and or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 250° of the said Act. I hereby in late proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice and sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .—
99—286GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 37, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwa:a, S. No. 41 (Pt), Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II-37EE 16296 84-85 on 11-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pones-II
Bombay

Date: 4-9-1985

Seal ;

FORM ITNS ---

(1) M|s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rani B. Nangrani & Mr. Ameetav F. Nagrani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16297|84-85,---Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe 'hat the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100.000|- and braring

Shop No. 124, Roshanlal Aggarwal Shopping A ende Near Apna Ghar, Versova, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facili'ating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Ind an Income-tox Act, 1922 (11 o' 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 lays from the date of publication of this nonce in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 24, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcada, S. No. 41 Pt.). Ochiwara, ear Anna Ghar, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been regis'ered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16297|84-85 on 11-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquirition Represent
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1985

FORM IINS

(1) Jan Mangal Sanstha Trust,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr3. Daulat Khanu T. Hudda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, **BUMBAY**

Bombay, the 10 h September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16712|84-85.-Whereas, I, PRASANTA KAY.

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax vet, 1961 (43 or 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1 lac, and bearing Fig. No. 703, Manish Ga den Co op. Hsg. Society, Andheri (West), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Computant Author ty at Bombay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marke, value of the p operty as aforesaid exceeds the apparent consideration there or by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facili'ating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or moneys of other assets which have all which ought to be disclosed by the transletee 1 of the transletee 1 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Fla' No. 703, 7th floor 'C' Wing, Building No. 2|3|4, Manish Garden Co. op. Housing Society Ltd., Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been regis'ered by the Competent Authority P bay under Se ial No. AR-II 37EE 16712 84-85 on 21-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 UF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16155|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 901, 9th floor, Himachal Azad Road, Off Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, or respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. V.jaya Laxmi M. Boatia.

(Transferor)

(2) Shri Daulatmal Mehta & Samurnal Mehta.

(Transferce)

(3) Shri Daulatmal Mehta.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisit on of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 901, 9'h floor, Himachal Azad Road, Off Juhu Lane, Andhe.i (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16155|84-85 on 7-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 10-9-1985

(1) Smt. S. R. Jahn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF THE OMETAX ACQUISITION RANGE-II. ROMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16202|84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 5, Bldg. No. 3, Vile Parle (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreements registered under Sec ion 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the onice of the Competen' Authority at

Bombay on 10-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a oresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the p openty as afore-said exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Mr. Pervez M. Kohinoor Mrs. Roshan Pervez Kohinoor.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable p operty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze.te.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in Building No. 3, 1st floor Sukhshanti Apart-

ment, Vile Parle (W). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16202[84-85] on 10-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-9-1985.

(1) Smt. Nisha P. Khilnani Pratap T. Khilnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rabiya Bai Abdul Rehman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16587|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (44 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inchovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat No. 4, Bldg. No. F, Ground floor, Versova, Bombay-61 (and more fully describe din the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

to an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arming from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other usuets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person: pumely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 42 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Building No. F, ground floor, Zakeria Agdhadi Nagar No. 2, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61. The agreement has been registered by the Compeent

The agreement has been registered by the Comp. ent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II[37EE]16587[84-85 on 25-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ax
Acquisition Range-IC
Bombay

Date: 10-9-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, POMBAY

Bornbay, the 10th September 1985

Ref. No AR-11/37FE/16563/84-85.—Whereas, 1. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 00.000|- and bearing

Flat No. 3 Jayshree Apa tments, Vile Parle (W), Bombay (and more fully described in the Schedul, annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more than fifteen per cent of such appurent conside a ion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen, of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. 20 \ 100
- (b) facilitating the concealment of any income or any grouplys of office assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said. Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act.' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M|s. Pravin Builders.

(Transferor)

(2) Mis. Lata D. Daryanana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncorrespind :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used therein are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 'Jayshree Apartments S. No. 367 & 196 Ghodbunder Road Vile Parle (W), Bombay.

The agreement has been regis ered by the Competent Author ty. Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16563|84-85 on 18-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-9-1985

FORM No. 1TNS-

(1) M|s. Ankur Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (45 OF 1961)

(2) Mrs. Naki G. Sajnani Mrs. Sulesh G. Sajnani.

(Transferee)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16308|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding

property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 100 0001- and bearing Flat No. 7. Misquitta Apartments Vile Parle (W), Bombay cand more fully described in the Schedule annexed beliefed, has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-1-1985

for appropriest consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for she purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gizette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7. Misquitta Apartments St., Francis Road, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 16308 84-85 on 11-1-1985.

PRASANTA RAY
Completed Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Ren_sill*
Bombay

Date: 10-9-1985

Scal;

FORM I.T.N.S...

(1) R. K. Varma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jaysukh M. Mashru.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16373|84-85.-Whereas, I,

PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. E|27 New Chandra Co.op. Hsg. Society Ltd., Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Sction 269AB of he Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-1-1985

Bombay on 14-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. E|27 New Chandra Coop. Housing Society Ltd., Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16373|84-85 on 14-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

100-286GI/85

Date: 10-9-1985.

FORM_ITNS-

(1) Mrs Gulli K. Talreja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION: 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Kuntidevi Khemchand Dhall & Mr. Khemchand R. Dhall.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP. TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II[37EE]16639[84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing

Flat No. All. Ground floor, Neha Apartments, Andheri (W), (and more fully describe din the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB odf the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 400 058

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that effor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|1, Ground floor, Neha Apartments Opp. Avinash, 7 Bunglows, Versova Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16639|84-85 on 19-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper's by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely **—

Date: 10-9-1985.

FORM ITNS----

(1) Smt. Renuka Bhadra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh S. Kaimal and Mr. P. Sukumara Kaimal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

- OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II]37EE[15974]84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 171E. Off Vecra Desai Road. Bombay-58 (and many fully describe limits the Schedule appropriate limits and bearing No.

(and more fully describe din the Schedule annexed hereto), Sction 269AB of he Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 17 E Bldg., New Chandra Co-op, Housing Society Ltd. Off Veera Desai Road, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15974[84-85 on 1-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1985.

FORM IINS-

(1) Mr. Satish V. Chaubal.

(Transferor)

NOTICAL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Zersis B. Irani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II]37EE|16342|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. G-17, New Ambivali Co-op. Hsg. Society Ltd., Andheri

(West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under Sction 269AB of he Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execels t heapparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> Flat No. G-17, 1st floor, New Ambivali Co-op. Housing Society, Jeevan Nagar Vecra Desai Road, Andheri (West),

> The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37P.E 16342 84-85 on 11-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 10-9-1985.

FORM ITNS——

(1) Mr. Abdulla Mohammed Ali Sara.

(Transferor)

(2) Mr. Yusuf Mohamed Ali Sara.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16031|84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Plot No. 13, CTS No. 356|5, Jogeshwari, Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at

Bombay on 3-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid evoperty by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 13, CTS No. 356[5, Oshiwara Village Jogeshwari,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16031 84-85 on 3-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985.

Seal ·

FORM ITNS--

(1) Syed Ahmed Ali.

(Transferor)

(2) Smt. Latifa Abdulla Surgosh,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Rcf. No. AR.II|37EE|16036|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 8, Plot No. 29, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Plot No. 29, S. Nos. 4 & 5 of Village Mulgaon, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16036|84-85 on 3-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in tursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property t) he is no if this notice under succeeding (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985.

alita in anti-material de la companie de la compan

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16856|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 'and bearing

Flat No. 2, Bikaner Bhavan, Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreementis registered under Sction 269AB of he Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of kny incesse arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Suresh S. Joshi.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Joshi and Vimla Joshi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned in -

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, on Ground Floor of Building Bikaner Bhawan, J. B. Nagar, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16856[84-85 on 24-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-9-1985.

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri R. Chakrapani.

(Transferor)

(2) Shri P. D. Bhatt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15970|84-85.--Whereas, 1, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardnafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ru. 1,00,000]- and bearing No.

Block No. 10, Shri Vigneswar Coop. Housing Society Ltd., 26 Park Road Vile Park Road, Vile Parle (E) Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreemnt is registered under Sction 269AB of he Incom stay Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than lifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the patites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Ast. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the property, within 45 days from the date of the sation of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: The forms and expressions used librain as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 10, Shri Vigneswar Coop. Housing Society Ltd., 3rd floor, Block No. 10, 26 Park Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15970 84-85

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 10-9-1985.

FORM ITNS-

(1) Shri Hiralal Mohanlal Mehta.

(Transferor)

(2) Shri Kanaiyalal M. Mehta Shri Suketu M, Mehta.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II 37EE 16714 84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 42, Jai Kesar Kunj Coop. Hsg. Society Ltd. Vile

Parle (W) Bombay-56

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreemnt is registered under Sction 269AB of he Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the r id instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned...

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42 in Jai Kesar Kunj Coop, Housing Society Ltd. Khandubhai Desai Rood, Vile Parle (W), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II 37EE 16714 84-85 on 21-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-9-1985.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons namely:— 101—286GI|85

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37FE|16593|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 5, 211A-Salimar Coop. Housing Society Ltd., Andheri (West), Bombay-400058, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under School 269AB of he Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-1-1985,

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the Morevaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execuls the apparent consideration therefor by more than lifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moments or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate procenities for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. George Edison Suchitta Mrs. Hannah Jasmin Suchitta.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Venkannı Shetty.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 'A' Building, 211-A, S. V. Road, Andheri (West). Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16593|84-85 on 18-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-II
Bomba

Date: 10-9-1985.

FORM ITHS-

(1) Smt. Gceta Ramchandra Karnad,

nggagananggagan nakata

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shailesh B. Bakhai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Rombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II/37LE/25377/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. 2, Ground floor, 1st Golibar Lane,

Santucruz (East), Bombay-55 (ard more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1985

for an apparent condition which is less that the cair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of - transer with the object of :-

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, 1st Golimar Lane, Santacruz (East), Bombay-400 055.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|25377|84-85 on 21-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act (I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Onto: 10-9-1985

FORM ITNS-

(1) V. B. Patel & Cc.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Anna Gadam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAN ACT. 1961 (43 OF 1961) (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BUMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II]37EE|16436|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tat Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'unid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 208 Swatantra Sainik Nagar,

Andheri (W) Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208 in Building No. 31, at Swatantra Sainik Nagar, S. No. 39-40-41 & 42 at Vilalge Amboli, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16436[84-85 on 15-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore in putsuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-9-1985

FORM ITNS

(1) M[s. Neclam Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. K. Sankaran Nambiar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16698|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 601, 6th floor, Neclam Apartments, 58 Versova Road, Andheii (West) Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 601, 6th floor, Neelam Apartments, 58, Versova Road, Near Jeet Nagar, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scral No. AR.II[37EE]16698[84-85 on 19-1-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 10-9-1985

Seal 1

FORM ITNS-

- (1) V. B. Patel & Co.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Amboli Nursing Home.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **
BOMBAY

Eombay, the 10th September 1907

Ref. No. AR II/37EE/16435/84-85.—Wherer: "

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

1st & 2nd floor in Building No. 31 Andheri (West),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-1-1985

on 13-1-1903 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the fashtating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

1st & 2nd floor in Building No. 31 bearing S. No. 39, 40, 41 & 42 at Village Amboli, Swatantra Sainik Nagar, Amboli, Andheri (West) Pombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR.II|37EE|16435|84-85 on 15-1-1985,

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-9-1985

FORM ITNS ----

(1) Sunder Construction Co.

(2) Mr. Jaisingh Krichnakant Desai.

(Transferor)

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II]37FE|16279|84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00.000/- and bearing No.

Flat 303, Vecra Desai Road, Andheri (West) Bombay-58 (and more fully described in the Scheduled annexed herote) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than acteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-test Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor in Sunder Park, 'A' Building, at Off. Veera Desai Road. Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/16279/84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pernons, namely :--

Date: 10-9-1985

Scal '

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EF|16409|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

prasanta RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. Fair No. 13/14, Andheri Kiran Co.op Hsg. Society Ltd. Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-parties has not been truly stated. In the said instrument of said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Vishal Constructions.

(Transferor)

(2) Smt. Mavyn A Lewis,

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13|14, on 3rd floor, in Andheri Kiran Co.op. Housing Society Ltd., Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H|37EE|16409|84-85 on 14-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II[37EE]16529[84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconnectax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs 1,00,000] and bearing

Havildar Chawl, S.V. Road, Jogeshwari (West), Bombay (and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1985

fo. an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

(a) facilitating the reducion or evasion of the Hability of the transferor to pur tax under the and Act of respect of any income aroung from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferse which purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269° of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under stb-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons comply:—

102—286GI|85

(1) Smt. Asha Murlidhar Sawant alias Janabai Saiyarama Naik.

(Transferor)

(2) M/s. Jay Builders & Developers.

(Transferee)

(3) 17 Tenants.

(4) Suganichand (Person in occupation of the property)
(4) Suganichand (Radhakishandas Calwani & 5 othe.s.
(Person whom the und raig ed knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cuzette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Havildar Chawl. Piece and Parcel of land bearing S. No. 2, Hissa No. 3, & CTS Nos. 33 & 331 to 3317 of Village Mogra, Kevni Pada, S.V. Road, Jogeshwari W. st.), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority. Pombay under Serial No. AR.II|37EE|16529|84-85 on 17-1-1985.

PRASANTA RAY
Commetent butherity
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 10-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 264D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AA,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AP III37EE 16556 84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred on the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 0001- and hearing Land' with part of Ground floor of building known as Sheroo Villa Versova Road Andheri (West). Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at B mbay on 18-1-1985 for an annazent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the necessary of the property as aforesaid exceeds the annazent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numbers of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Jehangir M. Wankadia & Mrs. Nargis Jehangir Kankadia.

(Transferor)

(2) Bhavana Construction Co.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Extranation: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with ground floor of Building known as Sheroo Villa, Versova Road, Andheri (F) Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15656 84-85 on 18-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rence-II.
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in its proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the force of this notice under subsection (1) of Section 26 of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

Moel :

FURM LINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mr. Suresh G. Pendse.

(Transferor)

(2) Ramchanden J. Mangurdekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BUMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.I.|37EE|16071|84-85.—Whereas, I, PRASANIA KAY,

being the competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 or 1961) (he,ematter reterred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

Entire 2nd & 3rd floor of building on Plot No. 6, Yari Road,

Versova, Addheri ('w), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Othera. Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or eventual of the thability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any names or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Entire 2nd & 3rd floor of building on plot No. 6 Police Officers Progressive Co.op Housing Society Ltd., Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16071|84-85 on 4-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renoe-IT
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Thate: 10-9-1985

FORM ITNS-

- (1) Natasha Constructions.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mls. Trends Enterprises.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR | 11 | 37FE | 16719 | 84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter reterred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Shop No. 12, 52 Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more tillly deer had in the Schooling appared bearing)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AH of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market valle of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by Fore than ficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any loneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given his that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12 on the ground floor of Natasha Esituated at 52 Hill Road, Bandra, Bombay-400 050. Building

The agreement has been registered by the Competent Authority B mbay under Serial No. AR.II|37EE|16719|84-85 on 21-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inco-Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. Davis John.

(Transferor)

(2) Mrs. Sugun Das & Mr. Himachal Kumar Das.

(Transferee)

ACTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.11/37EE/16824/84-85,-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Encouns-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter reterred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1 lac. and bearing No.

Flat No. 11A, Land Breeze Co.op. Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Cffice of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as atoremid exceeds the apparent consinderation theregtor by more then afteen per com of such apparent consideration and mat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any shouse arming from the transfert mad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any montes or other assets which have do, been in which ought to be disclosed by the transferee for the positive index Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the breath-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersegmed :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective germanwhichever period exercis later:
- (b) by any other person interested in the said bushelv zbie property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Camera.

EXPLANATION: :--The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the suit Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Flat No. 11A, Land Breeze Co.operative Housing Society Ltd. 52 Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority mbay under Serial No. AR.II|37EE|16824|84-85 on 24-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assett. Commission of Income-talk Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mill Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the above interest of the oction under section (1) of Section 269D of the said Act. to the following Persons, namely :---

Date: 10-9-1985

FORM TINS

- (1) Cyrus Keki Engineer & Jeroo Minoo Mistry.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Jalili Zahera Khanoon Kazem.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IX BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II 37EE 16794 84-85.--Whereas, I. PRASANIA KAY,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Fiat No. 4, Sabeena, 1st floor, Bandra Sabeena Co.op. Hsg. Society Ltd., 10 B Rajan Road, Bandra (W), Bombay 50 has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the lucome-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atorsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any moone arming from the trainfe and/or

(b) facilitating the concealment of any lucome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 4, Sabeens, 1st floor, Bandra Sabeens Co.op. Housing Society Ltd. 10|B Rajan Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16794[84-85 on 24-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Respecting Assistant Commissioner of Incom -tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the more of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10-9-1985

Seel :

FORM IT'NS

(1) Mr. Anil R. Peshawaria

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Ayaaz Y. Kably and Mrs. Nisrin A. Kably

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR VI37EE 16183 84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

Flat No 10. 5th floor in Building known as Parklane, 26th Park, Khar, Bombay-400 052.

(and more fully described in the Schedule annex d hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985

ther an apparent consideration which is less than the fair market value of the storeased property and I have reason to believe that the fair market value of the present as aforewid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of terms.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act in 11 of all may income arising from the transfer; mailer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the 'urposes' of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 195 (27 of 1957); Objections, if any, to the aquisition of the said property may be stade in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period engines inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussian.

MUFILANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter VXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ownership Flat No. 10, 5th floor in Building known Parklane, 26th Park, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16183[84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Jampecting Ambitant Commissioner of In ome-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the Sale Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aformald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the Said Act to the following persons, matching:

Date : 18-9-1986 Seel : The state of the s

PORM ITNS

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PROMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II]37EE]16056]84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

herns an compensat Authority under Section 769B of the Income-last Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 601, West Wind Premises Co. op. Hsg. Society Ltd.

Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule armexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985

But an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as afove-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to octween the parties has not been truly stated in the said matrament of weather with the citiest of two

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

 of the mastern and come arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any measure or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the agreement property by the same of this notice under reference (1) of Section 269D of the said Act, to the helical-line persons namely:—

(1) Miss Kalpana S. Shah

(Transferor)

(2) Mr. Shankar Poddar and Miss Poonam Poddar

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective paramet whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, West Wind Premises Co. op. Hsg. Society Ltd. Bandra, Bombay-50

The agreement has been regsitered by the Competent Authority above under Serial No. AR. II 37EE 16729 84-85 on 4-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Range-II
Rombay
Bombay

Date : 10-9-1985

Heal ;

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16364|84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000L and having No.

Pagr Portion of Shop No. 11 'Pearl Haven', Bandra, Bombay-

50 h.s been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect at any income arising from the transfer; and or
- (b) recruitating the concealment of any micorhe or any gnoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the lidian income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Prove, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

103-286GI|85

- (1) Mr. Hussainali Abdulnabi Bana
- (2) Mrs. Buang Hsueh Mei

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the sais property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear Portion of Shop No. 11. ground floor, 'Pearl Haven' 68 Chapel Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreemen has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II[37EE]16364|84-85 on 14-1-1985.

PRASANTA RAY:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 10-9-1985

Soal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II 37EE 16943 84-85,-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Lio me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

perty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and braring No.

Flat No. D-G, D-Building Union Co. on Housing Society Ltd., L. J. Cross Road No. 2, Mahim, Bombay-16 (and more u d b in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-1-1985

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section, 269C of the said Act I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Smt. Vijaya Anil Khandeparkar

(Transferor)

(2) Smt. Varsha Sharad Vengsarkar

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act, shalt have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-6, 1st floor, D-Building, Union Co. op. Housing Society Ltd., L. J. Cross Road, No. 2, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Pombay under Serlal No. AR.II[37EE]16943[84-85] on 28-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Time v 10-9-1986 Beal :

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II]37EE]16825]84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinstter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable projectly having a fair market value exceeding iks. 1,00,000/-

Fiat No. A|6, Peoples Cosmo Politan Co. op. Housing Soc. Plot No. 121, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully die note in the sendule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Heeramani Atmaram Scipal

(Transferor) (Tran_feror)

(2) Mrs. Lachmi Dalamal Punjabi and Suresh Dalamal Punjabi

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette of a period of 30 days does the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|6 Peoples Cosmo Politan Co. op. Housing Soc. 121, T.P.S. III, 24m Road, Bendra West, Bombay-

Au hority Combay under Serial No. AR.II[37EE]16825|84-85 on 24-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of In ome-tax Acquisition Pange-II Bombay

Date: 10-9-1985

FORM TINS------

- (1) Ms. Raman & Kamal Associates
- (Transferor)
- (2) Mr. Teckchand S. Advani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM SSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16768|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred of as the Said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00.000 and blar market value exceeding Unit No. 302, Kanqiya Bldg. Bandra, Bombay-50

Unit No. 302, Kanqiya Bldg. Bandra, Bombay-50 (and more tuny dear need in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the same Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manks of the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a perrod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 302. Kanqiya Building Plot No. 250-B, Linking Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been regsitered by the Competen Au⁻¹ mbay under Serial No. AR.II]37EE]16768|84-8; on 24-1-1985.

PRASANTA RAN
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range-1
Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in trate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nerson namely:—

Date: 10-9-1985

FORM LINS-

(1) Kumari Parpati Bulchand Wadhwani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INC. INC. UNDER ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Ramchand Amarnani

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

UN FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16282|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immo-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 16B 6, Navjivan Society Mahim Unit, Bombay-16 (and more in verse od in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to be oelieve that the fair market value of the projectly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforeasid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective person,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with a 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect, of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULB

Flat No. 16B|6, Navjivan Co. op Housing Society Ltd., Mahim Unit, Mori Road, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16282|84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY
Com, elent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoregad property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

PURM ITNS

(1) Ms. Manujas

(Transferor)

(Transferor)

(2) Mr. Kiran R. Kamath Mrs. Vijaya R. Kamath

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME IAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II 37EE 16893 84-85.—Whereas. L. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair merket value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

Unit No. 213, Hammersmith, Mahim, Bombay-400 016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269Ad of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than she fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than afeen per cent of such apparent consideration and that the someisteration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tennafor with the object of :--

- (a) fücilitating the reduction or evades of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. It respect of only income arising from the transfery madler
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the wife Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned ;-

- (a) hy any of the aforesald persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 213, 2nd floor, Hammersmith, Plot No. 416,

Unit No. 213, 2nd noor, riammersman, 116, 116.

TPS Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority Pombay under Serial No. AR.II|37EE|16893|84-85 on 25-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of In om.-tak Acquisition Pange-II Bombay.

Date: 10-9-1985

والمعمور والأعام والمعمان والأناء الأساليا

FURM ITMS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the9th September 1985

Rof No AR UI37EE|15971|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000]- and bearing

Flat No. 4A on the 1st floor Metropolitan Co. op. Housing Society Ltd., 20 Pali Hill Bandra, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

ton an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax andor the said Act, in respect of any message transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transforce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under sub-section (1) of Section 269D of the self Act to the following persons, namely—

(1) The Estate of late Ved Kaur Kapur

(Transferor)

(2) Mr. V. S. Dhawan and Mrs. Sarla Dhawan

(Transferee)

(3) Metropolitan Co. op Housing Society Ltd.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing so the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Transfer in respect of Flat No. 4A on the 1st floor. Metropolitan Co. op Housing Society Ltd., 20 Pali Hill, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15971[84-85 on 1-1-1985.

PRASANTA RAY
Commetent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Pange-II
Bombay

Dere : 5-9-1985

),

PURM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16836|84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing

Flat No. 602, 6th floor, 'Sea Shell' Andheri (West), Bombay (and me u h in Sen ule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer sailer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

plow therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Ms. Chetan Development

(Transferor)

(2) Miss Armity Mevawalla

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersumed :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor in 'B' Wing SEA SHELL Versova, 7 Bunglow Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority B mbay under Serial No. AR.II|37EE|16836[84-85 on 25-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-9-1985

FORM ITNS

(1) Ms. Chetan Developments

(l'ransferor)

(2) Mr. Hoshang Soli Shroff

(Transferec)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16834|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ard bearing

Flat No. 403, 4th floor 7 Bunglows, Andheri (West), Bombay-58

and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

104--286GI[85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor 'A' Wing Sea Shell Versova Bunglow, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under Serial No. AR.II[37EF]16834[84-85 on 25-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ray
Bombas

Date: 10-9-1985

on a contra terra contrata de marco estado en caracidade en anterior en acceptado en contrata de contr

FORM NO. IT.N.S. (1) M/s. Jay Jay Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2) Mr. Subramani G. Mani

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16729|84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 602, D-2, 'Yamuna Nagar' Andheri (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said funtrement of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evacion of the limbility of the transferor to pay tax under the said, Act. In respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2694, of the real Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nemety:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, in Building No. D-2, 'Yamuna Nagar' Oshi-wara Off Jai Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16729 84-85 on 21-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-9-1985

FORM NO IT: 5 ----

(1) Mls. Chetan Developments

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rakesh Chandra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR. II|37EE|16835|84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. 103, 'Sea Shell' Versova, Andheri (West), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as givein that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor in 'A' Wing Sea Sheli Versova, 7 Bunglows Road, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II]37EE]16835]84-85 on 25-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-9-1985.

FORM ITNS

(1) M|s. Jay Jay Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Subramani G. Mani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR. II|37EE|16728|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 601, Bldg. No. D-2, Yamuna Nagar, Andheri (W),

Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the sain Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, in building No. D-2 at Yamuna Nagar at Oshiwara, Off. Jain Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|16728|84-85 on 21-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985.

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Mohammed Akram Khan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR. II[37EE]16950]84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing that No. 101, regeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed here to),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1985,

for an prosuper consideration which is less than the fair marker vaule of the aforesaid property, and I have rosses to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by piere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, i respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Building No. 18 S. No. 41 Village Oshiwara, behind Behram Buag, Jogeshwari (West), Bombay-400 058, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 16950 84-85 on 30-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Date: 10-9-1985.

Shah Popatlal Shamji
 M|s. Jyoti Enterprise

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR. II|37EE|16960|84-85,—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 6, Ground floor, Kanyakumari premises Co-op. Soc. Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wasith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the snat Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Kanyakumari Premises Co-op. Soc. Andheri Kurla Road, Andheri (East) Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay under Serial No. AR, II/37EE/16960/84-85 on 29-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR. II|37EE|16952|84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Gala No. 28 A in Satyam Industrial Estate, 1st floor at Jogeshwari (E) Bombay-60,

(and more fully described in the Schedulo annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tag. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(1) Satyam Builders

(Transferor)

(2) M/s. Gulamarg Refrigeration Services.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 28 A in Satyam Industrial Estate 1st floor of Jogeshwari (East), Vinvat 400 060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR. II|37EE|16952|84-85 on 30-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985.

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Comrunpisa Abdul Rauf

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Ref. No. AR. II|37EE|16945|84-85.—Whereas, I.

PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.

Flat No. 401, Bldg. No. 15, Oshiwara, Andheri (W) Bombay-

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in th Offic of the the Competent Authority at Bombay on 30-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesed property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said nustru-ment of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date, of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end or

Flat No. 401, 6th floor of Building No. 15 forming part of S. No. 41 of village Oshivara, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 16945 84-85 on 30-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-9-1985.

_74== 2=

FORM ITNS-

(Transferor)

(2) Vijay Madhukar Sabnis & Deepak Madhukar Sabuls

(Transferce)

(3) Transferor

(1) Satyam Bullders

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. AR. JI[37EE]16953[84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

bring the Competent Authority under Section 269B of the facome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000]—and brazing No. Gala No. 26 A in Satyam Industrial Estate, Jogeshwari (E), Rembers 60.

Bombay-60

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at
Bombay on 30-1-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Anatrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 26 A in Satyam Industrial Estate 1st floor at Jogeshwari (E) Bombay-400 060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16953 84-85 on 30-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

105—286GI[85] FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Mohd. Haytuddin

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR. II|37EE|16961|84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 204, Bldg. No. 11, Oshiwara, Jogeshwari (W), Rombays 58

Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor of Building No. 11, Forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|16961|84-85 on 2-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1985.

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

(2) Mr. Madanlal B. Mehta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR. II[37EE]16064[84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 707, 'Everest' Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority of

the Competent Authority at
Bombay on 4-1-1985
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 707, 7th floor in Everest Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W) Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16064 84-85 on 4-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons namely :--

Date : 4-9-1985 Seal :

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Shree Mahavir Tyre & Tube

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR. II[37EE]16063[84-85.-Whereas, I, PRASANTA. RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 801, 8th floor, 'Everest' Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri West, Bombay-61,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- in) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 801, 8th floor in 'Everest' at Jay Prakash Narayan

Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 16063 84-85 on 4-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. M. K. Bhatia

(Transferor

(2) Shri Harnam Sahibrai Vaswani & Mrs. Indra H. Vaswani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR. II|37EE|16140|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000¹ and bearing No.
Flat No. 101, Nandini Co-op. Housing Society Ltd. Off Versova Road, Opp. Avinash, 7 Bungalows, Antheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used in the and are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-101, Nandini Co-op. Housing Society Ltd., Opp. Avinash, 7 Bungalows. Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|16140|84-85 on 7-1-1985.

PRASANTA RAY
Competer Authority
Inspecting Assistant Commissioner of noome-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Dato: 4-9-1985

(1) Mrs. Naina Furshuram Bhamwala

(Transferor)

(2) Mrs. Kanta M. Lalwani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR. II|37EE|16161|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 103, Neelam Apartments, J.P. Road

Road, Machlimar,

Versova, Andheri (West), Bombay-400 061 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, J.P. Road, Neelam Apartmnts, CTS No. 1105, Machlimar, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 16161 84-85 on 4-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-9-1985 Scal :

FORM ITNS----

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Tiansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sanwalchand Dalichand Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16818|84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1204
12th floor in Everest Building, Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1204 on 12th floor in Everest Building, Jay Prakash Narayan Road, Versova Andheri (West), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE Authority, 16818|84-85 on 24-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-9-1985

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

والمراجع والمساورة والمساور والمراجع والم

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(Transfero

(2) Mr. Kansingh Rajpurchit.

(Transfereo)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961) ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16414|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

prasanta RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 1310(F) on 13th floor in 'Everest' Building at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61, situated at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961, in the Office of of the Competent Authority at

Bombay on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 i27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1310 (F) on 13th floor in 'Everest' Building at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE| Authority. Bombay un 16414|84-85 on 14-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-9-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mr. Babulal Ukhaji,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|14639|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 1107 on 11th floor in Everst Building at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61, situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Setion 269AB of the Income-tox Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

CAPLANATION: - The terms and regulations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ref. No. 1107 on 11th floor in Everest Building at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37FE] 16820[84-85 on 24-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

106—286GI|85

Date: 4-9-1985

36004

FORM ITNS---

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Madanlal Sanwalchand Mehta,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16819|84-85.—Whtreas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 1201. Everest Building, Jay Prakash Narayan Road,

Versova, Andheri (West), Bombay-61.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1201, 12th floor in Everest Building, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay ur 16819 84-85 on 24-1-1985. under Serial No. AR.II 37EE

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-9-1985

. ...ಫ್ರೀ ೧೯ - ೧೯೫೪ರಲ್ಲಿ ಚರತ ಕಿಳಿದಿದ್ದಾರೆ.

FORM ITNS-

- (1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.
- (2) Dr. Rajnikant H. Panday.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16821|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

prasanta RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 104, 'Everest', Jay Prakash Narayan Road, Andheri (West), Bombay-61.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Competent Authority at

Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 104, 1st floor in 'Everest' Building at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/16821/84-85 on 24-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-9-1985

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Mrs.) Anuradha Pandey.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16817|84-85.--Whertas, I, PRASANTA RAY,

prasanta RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and beating
Flat No. 103, 1st floor in 'Everest' Building, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

situated at Bombay

situated at Bonioay
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)
of the Competent Authority at
Bombay on 21-1-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (17 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor in 'Everest' Building, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent athority. Bombay under Serial No. AR.H[37FE] Anthority, Bombay un 16817₁84-85 on 24-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-9-1985

(1) Shri Kishore A. Gulani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Fazalali Peshimam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR. 11[37FE]16842[84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing that No. 612, 6th floor, Tiverest Jay Prakash Road, Versova,

Andheri (West), Bombay-400 061, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pergans, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 612, 6th floor, 'Fverest' Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR. II 37EE 16842 84-85 on 24-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 49-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th September 1985

Ref. No. AR. II|37EE|16415|84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 1301 (A) 13th floor 'Everest' Bldg. at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 14-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Babulal Pukhraj Jain.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1301 (A) 13th floor 'Everest' Bldg. at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Rombay under Serial No. AR. II|37EE|16415|84-85 on 14-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date: 4-9-1985

(1) M/s. Bilcon Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amishkumar Kanaiyalal Jobalia (Minor). (Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 10th September 1985

No. AR. II|37EE|22033|84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 43, 11th Floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred and the agreement is registered, under (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Flat No. 43, 11th floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under Serial No. AR. II]37EE|22033|84-85 on 7-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957. (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludbiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mis. Bilcon Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kunda Ramchandra Deshpande and Shri Ramchandra Hari Deshpande.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

AR. II|37EE|22034|84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 28, 7th floor, Gurukripa Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28. Gurukripa Apartments, N. C.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the incometax Act, 1961, in the Office of

Bombay on 7-1-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accreated to between that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 7th floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|22034|84-85 ол 7-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely --

Date: 10-9-1985

FORM ITNS ---

(1) M|s. Bilcon Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Samir Maneklal Turukhia and Smt. Vipula K. Turukhia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR. 11/37FE/22035/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000|- and bearing No. Hat No. 9, 3rd floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (West), Eombay-28.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; und/et
- (he facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, ir pursuance of Section 269C of the said Act. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

107--286GI|85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (West), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|22035|84-85 on 7-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-9-1985 Scal:

(1) Ms. Bilcon Corporation.

______ (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravi Madhukumar Shah (Minor) and Dr. Miss Damayanti Harilal Shah (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|22036|84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

> Explanation:—The terms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the sale shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

and bearing No.
Flat No. 11, 3rd floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (West), Bombay-28,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 7-1 1985

Bembay on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 11, 3rd floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (West), Bombay-28. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|22036|84-85 on 7-1-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985

(1) Mls. Bilcon Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Apurva Javantilal Jobalia, and Nimit Jayantilal Jobalia (Minor).

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR. PRASANTA RAY AR. II|37EE|24245|84-85.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Flat No. 41, 11th floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (West), Bombay-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at
Bombay on 7-1-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and 1 have
reason to believe that the fair market value of the reason to believe that the last inflater varie of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 11th floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (West), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. IIJ37FE]24245]84-85 on 7-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985

(1) M|s. Kanti Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. C. K. Mehra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR. PRASANTA RAY, AR. II 37EE 16198 84-85.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lamevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. C|4, Kanti Apartments, Mt. Mary Road, Bandra, Bombay-50.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

of the Competent Authorny in Bombay on 10-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to setween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. C|4, 5th floor, Kanti Apartments, Mt. Mary Road, Bandra, Bembay-50,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. 11/37EE/16198/84-85 on 10-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1985

No. AR. 11/37EE/16196/84-85.—Whereas 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flut No. B3 2nd floor, Kanti Apartments, Mt. Mary Road, Bandra, Bombay-50.

canel more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of --

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Master Hitesh T. Gowani (minor)

(Transferor)

(2) Vijaykumar G. Mehra and Vinod G. Mehra.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B3|2nd floor, Kanti Apartmentts, Mt. Mary Road, Bandra, bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37FE 16196 84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the goal Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 10.9-1985

FORM !TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR. III37LE[16197]84-85,—Whereas I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. Bt lst floor, Kanti Apts., Mt. Mary Road, Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-1-1985

for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:— (1) Kumari Manjula T. Gowani (minor).

(Transferor)

(2) Mrs. Surendra C. Sehgal.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aformald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B1 1st floor, Kanti Apis., Mt. Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR. 11[37FE]16197[84-85 on 10-1-1985.

PRASANTA RAY. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ, Bombay

Date: 10-9-1985

FORM LT.N.S.-

(i) M/s. Bilcon Corporation,

(Transferor)

(2) Shri Popatlal Ramchand Shah and Smt. Shantaben Popatlal Shah,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-- TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Rcf. No. AR. II|37FE|22032|84-85.--Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immuovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 5, 2nd floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar-Road, Dadar (W), Bombay-28.

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair was consideration therefor by more than the fair was consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer. andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967):

Objections, if any, to the acquisition of the cald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survine of nation on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II]37EE|22032|84-85 on 7-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice mader subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons namely :-

Date: 10-9-1985

(1) M/s. Bilcon Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Pinki Jitendra Doshi and Shri Jitendra Kantilal Doshi,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL

BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|25246|84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No. Flat No. 37, 10th floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar

Road, Dadar (W), Bombay-28.
(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 30-1-1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sinted in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 37, 10th floor, Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Eombay-28.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37FE|25246|84 85 on 30-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR. II|37EE|16841|84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing

novable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000: and bearing F. P. No. 747/749 of TPS IV, Dadar, Bombay-28 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons samely:—

108—286GI|85

(1) Maryland Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Geoffrey Manners & Co. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing F. P. No. 747/749 of T.P.S. IV (Mahlm) situate Veer Savarkar Marg, Dadar, Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 16841 84-85 on 25-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-9-1985

FORM ITNS (1) M

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR. II|37G|3789 Jan. 85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fairm raket value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Land, together with the measuring tenements or dwelling house stable and outhouses at Bandra Hill Road, bearing non-agricultural S. No. 133 to 136, Hill Road, Bandra situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 17-1-1985

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mohansingh Nagpal, Sukhraj M. Nagpal Avtarsingh M. Nagpal, and Furdeepsingh M. Nagpal.

(Transferor)

(2) Usman Gani Khatri.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1850|80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 17-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-II|37G. 3747|Jan. 85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000, and bearing Final Plot No. 741, TPS III, Mahim situated at Cadel Road,

situated at Mahim

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaio exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Gulam Mohammed, Abdul Karim and Mrs. Jaitoonbi Abdul Karim.

(Transferor)

(2) 1. Ali Ahmed M. Khan & 2. Mis. Saldari Begum Ali Ahmed.

(Transferee)

(3) Smt. Khairunnisa A. Sattar & others. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2446| 83 and registered on 18-1-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under objection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 10-9-1985

(1) Mrs. Uma Hiralal Gediwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.(2) Dr. Patrick Lionel Keith De Sylva.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Two tenants.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 10th September 1985

No. AR. II|37G-3748|Jan. 85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter reterred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.09,0001- and bearing No.

Plot of land with structure standing thereon bearing House No. 57 in the Village Khari, F. P. No. 115 in TPS III, 33rd Road, CTS No. F|201 at Old Khar Gauthan, Bombay-52 situated at Khar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weakh-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 5205 84 and registered on 28-1-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I heavily initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ratice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Balkrishna Baburao Phalke.

(Transferor)

(2) Mr. Vasent D. Joshi Dr. Mrs. Aparna V. Joshi. III II II II (Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.II]37G|3752|Jan. 85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'maid Act'), have reason to believe that the immoving the 'maid Act') and the 'maid Act'. property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing CTS No. 507, 507|1 to 12, S. No. 42-A. Andheri, situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the appearnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 284/82, and registered with Sub. Registrar, Bombay on 10/1/1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10-9-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-II|37G|3754|Jan. 85.-Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

29, Domant Street, Bandra (West), Bombay-50, situated at

Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 16-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Is: ome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Julie Appolonia Menezes Shri Maurice Domnic Menizes

(2) Shri Vimalchand Suraimal.

(Transferor) (Transferee)

(3) Sohanraj Surajmal

(2) Francis Remedia (3) Joseph Perera &

(4) Ronald Fernandes.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever periods on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1951 82 and registered with the Sub-registrar, Bombay on 16-1-85.

> PRASANTA R. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-9-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR, II | 37G | 3756 | Jan. 85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 209B of the fucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Ac.'), have reason to believe that the inimovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000] and bearing Survey No. 138 (Part) and 138 1 to 7, Kondavata Ta'uka, Andheri, situated at Bomboy, (Coder, Studied at Bomboy, Coder, Studied at Bomboy, Coder, Studied at St

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 14-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforess d exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen pen cent of such apparent consideration and that the consideration for each true for its consideration to be such that the consideration for each true for its consideration. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, ared /em
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:-109—286GI|85

(1) (1) Abiul Majid Kasam Shaikh

(2) Yakub M hamed Kasam Shaikh (3) Yusuf Mohamed Kasam Shaikh

(4) Aminabi Kasam Shaikh(5) Mariambi Kasam Shaikh

(6) Fatma Yusuf Shaikh (7) Banu Gaful Shaikh

(8) Nasima Kasam Yusuf Shaikh (9) Mehruaissa Kadar Khan.

(Transferor)

(2) Ms. S. Q. Euilders.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property) (4) Tenants.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed, Doct. No. 1192/82, and registered with the Sub Registrar, Bombay on 14-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-9-85.

FORM I.T.N.S .---

(1) Mr. Gulab M. Adnani.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Hirani & Mrs. Sheila C. Hirani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|16121|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Room No. 13, 'Ve na Beena Shopping Centre, Bandra, Bom-

bay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 13, Veena Beena, Shopping Centre, Truner Road, Near Bandra Station, Bendra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent athority. Bombay under Serial No. AR.II|37-EE| Authority, Bombay u 16121/84-85 on 5-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 12-9-85.

FORM ITNS----

(1) Shii Atiz Ab'ulla Chunawella.

(2) Miss Autum V. Islaidu,

(Transferor)

(Transferce)

- - 127 - I - I

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|16898|84-85.---Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having 'a fair market value exceeding Fis. 1,00,000|- and bearing Flat No. 203, 2nd floor, CTS No. 482 Irya, Vile Parle

(West), Bombay-400,056

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weskth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the stad property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectave personnia whichever period expires later:
- (b) by any other period introduced in the sale immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions need hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, CTS No. 482 Irla, Vile Parle

(West), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Tombay under Serial No. AR.II[37-EE] 16898[84-85] on 25-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-9-85.

Scal 1

FORM I.T.N.S.——-

(1) Janub Quied Johar Bhoisaheb Burhanuddin. (Transferor)

(2) Shri Arjun Bhajanlal Raheja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15964|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Plot No. 5, North of I.la Nalla, Vile Parle, Andheri, Bom-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Witeen per cent of such apparent consideration and that the munideration for such transfer as agreed to between the martles has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of ;---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

sersons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ach. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, North of Irla Nalla, Vile Parle, Andheri,

The agreement has been registered by the Competent uthority, Pombay under Serial No. AR.11]37-EE Authority, 15964 84-85 on 1-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Combay.

Date: 9-9-85

Seal:

FORM ITNS----

M|s. Nikesh Enterprises.

(2) Mrs. Hilda Deopold Rodrigues.

(Transferor)

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|16025|84-85.-Whereas, I.

REI. NO. AR. III37-EE | 10025|04-03. — videreas, 1. PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 302, CS No. 662 & 669, Village Irle, Vile Parle (West) Rombay

(West), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 265 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformation property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, bearing CTS No. 662 & 669 in Villago Irla, Vilo Paric (W).

The agreement has been registered by the Competent uthority, Eombay under Serial No. AR.II[37-EE] Authority, Eombay ut 16025|84-85 on 3-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-9-85. Seal:

FORM 1.T.N.S.----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|15963|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

Plot No. 5, Noeth of Irla Nalla Vile Parle, Andheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Janab Quied Johar Bhaisaheb Burbanuddin Saheb.
 (Transferor)
- (2) Smt. Sajani A. Raheja.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, North of Irla Nalla, Ville Parle, Andheri,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial, No. AR.II[37-EE] 15963[84-85 on 1-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 9-9-85.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II[37-EE]16641[84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1 00,000!- and braring No. Flat No. 103, 'Chuchum' Santacruz Tarana Co-op. Housing Soc. Ltd. Santacruz (West), Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-1-1985, for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid procerty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

(1) Mrs. Vasanti Manohar Dopardikar Mrs. Geeta Vasant Nadkarni Mr. Raja Sanjivrao Aederi.

(Transferor)

(2) Mr. Girishkumar Raghunath Thaker Mrs. Hansaben Girishkumar Thaker.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 'Chuchum' Santacruz Tarana Co.op. Housing Society Ltd., Saraswati Road, Santacruz (West), Bembay-54.

The agreement has been registered by the Computers uthority. Fombay under Serial No. AR.II 37-EE Authority, Fombay und 16641 84-85 on 19-1-1985. AR.II[37-EE]

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-9-85.

Scal:

FORM ITNS-

(1) Shri Ramji Küwarji Chedda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nirbhay Rammaresh Singh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|16372|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/2 and bearing No. Shop No. 21, Rizvi Nagar, S. V. Road, Santa Cruz (W), Bombay-54,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 21, Rizvi Nagar, S. V. Road, Santacruz (West), Bomboy-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Fombay under Serial No. AR.II[37-EE] 16372[84-85] on 14-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Unspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 9-9-85;

Seal:

FORM ITNS-

(1) Ramesh T. Billani & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kamla Hemdey & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

. Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|16938|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/-

and bearing No.

Shop No. 5, 14th Bldg. Marble Arch at Plot No. 153, Central Avenue Eagtacrul (West), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-Able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income alising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957). Shop No. 4, 14th Bldg. Marble, Marble Arch, at Plot No. 153, Central Avenue, Scatacruz (West). Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Eumbay und 16399 84-85 on 28-1-1985. Serial No. AR.II 37-EE under

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Rombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said her to the following persons markety:

110--286GI|85

Date: 9-9-85.

Seal:

FORM I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pankaj Chhaganlal Bavishi.

(Transferor)

(2) Shri Parmanand Dullabhdas Vora & Shri Sharad Parmanand Vora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|16744|84-85.—Whtreas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Fla No. 4, 'Bharat Niwas' Bapu Bhai Vasi Road, Ville Parle (W), Bombay-400 056,

(w), Bombay-400 056, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of 3 ection 269D of the said Act, to the following persons, namely *---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, 'Bherat Niwas', Bapubhal Vasi Road Ville Parle (W), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37-EE| 16744|84-85 on 24-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 9-9-85.

Scal:

FORM ITNS-

(1) Smt. Shantidevi Adhyaprasad Misra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manprakash Bhajanlal Nichani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 9th September 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II|37-EE|16437|84-85.--Whereas, I, PRASANTA_RAY,

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 201, The Chandan Co.op. Housing Society Ltd., Vile Parle (W), Bombay-56, and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is register under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority of Bombay on 15-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, his respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 201, The Chandan Co.op. Housing Society Ltd., Dadabhai Cross Road No. 3, Vile Parle (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37-EE| 16437|84-85 on 15-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-9-85.

Seal :

FORM ITNS-

(1) Mr. K. N. Manjrekar.

(Transferor)

- (2) Mr. K. Neelakantan & Mrs. Dipti Neelakantan. (Transferce)
- (4) FDFC Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16398|84-85.---Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, teng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat No. 42, 4th floor, Juhu Gold-Mist Co-op, Housing Society JV, P.D. Scheme, Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor, Juhu Gold Mist Co-op. Housing Society, Gulmohur Road, Juhn Vile Parle Development Scheme, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Au hority. Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16398|84-85 on 14-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-9-1985 Seal :

FORM I.T.N.S.-

(1) Dev Somdatta Sharma & Pratibha Dev Sharma.

(2) Batli Boi & Co. Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF T INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16532|84-85.-Whereas, I,

Ref. No. AR-II|37EE|16532|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 402-I. Nipon Co-operative Housing Society Ltd., Juhn, Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961_ in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market sediment the fair market sediment to be the fair market sediment to be

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ar agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official O izette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402-I, in Nipon Co-op. Housing Society Ltd., 37 Juhu Tara Road, Juhu, Bombuy-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16532.84-85 on 18-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dute': 9-9-1985'

Seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Hemi V. Kodnanev.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishna Kumar Arora.

(3) Transferee

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16104|84-85,-Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 9, Santacruz Manion No. 3, Co-op. Housing Society,

Bombay-400 055.

(and more fully described in the Schedule annexed fereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Santacruz Mansion No. 3, Co-op. Housing Society, Santacruz (East), Bombay-400 055.

Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16104|84-85 on 5-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dute: 9-9-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mr. Hasmukhlal P. Vajuni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Laxmidas P. Vajani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16119|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

As. 1,00,000- and bearing 180.

2 Misquitta Apartment. Ground floor, St. Erancies Road, Vile Parle (W) Bombay-400 057,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have renson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

2 Misquitta Apartment, Ground floor, St. Francies Road, Vile Parle (West), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Commetent Authority. Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16119|84-85 on 5-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II. Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Smt. Reeta Narinder Kandhari.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chandrakant Manmohandas Sheth, Mr. Jayesh Chandrakant Sheth.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-III37EE|16597|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 2, Sahaj Arand Co-op. Housing Society Ltd., Santa-cruz (W), Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 19-1-1985 for an arparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

"THE SCHEDULE

Shop No. 2. Sahajanand Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 44-A, TPS VI, Corner of Sue Road and 1st Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|16597|84-85 on 19-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-9-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS-

(1) Mls. Shanti Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

(2) Mr. Dinesh Krishnanalal Dangarwala and Mrs. Sudha Diesh Dangurwala. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16932|84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00 000|- and bearing No.
Flat No. 303 Shanta Ashish, Irlu Lanc, Off Dadabhai Road,
Vile Parle (West), Bombay-56.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-1-1985.

for an apparent ponsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Shanta Arhirh. Irla Lane, Off Dadabhai Road, Vile Parle (West), Bembay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|16932|84-85 on 28-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Accumition Range-II, Bombay

ryow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-111-286GI 85

Date : 9-9-1985

Scol:

(3) Trancferee.

FORM ITNS

(1) Pravinkumar R. Barve.

(Transferor)

(2) Mr. Robin Manek Hillocwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BUMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16141-A|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Comp ent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act' have reason to believe that the annovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1.00.000]—and bearing No.

Tenement No. 23, Bullding No. 6 Juhu Vik rant Co-operative Housing Socie y Ltd., JVPD. Sch me Bembay 49, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and he agreemen is registe, ed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomb y on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent con idention herefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero to pay tax under the sed at the respect of any income arising from the transfer; and fer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I exceed initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. or #2 following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenement No. 23, Building No. 6. in the Project of 224 tenements HIG at Juhu Vile Parle Development Samarth Ramdas Marg, J.V.P.D. Scheme, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|16141|84-85 on 7-1-1985.

PRASANTA PAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, B. mbay

Dute: 9-9-1985

Scal:

FORM ITNS----(1) Mr. Na endra Ramchand Adwani.

(3) Transferee.

(Transferor)

(2) 1. Dina Nath Langar, 2. Mrs. Sadhna Langar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-[AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE-II, BUMBAY

Bombay, the 9th Scutember 1985

Ref. No. AR-11/37EE/16500 & 16347/84-85.—Whereas, I, PKASANIA KAI,

being the complicnt Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable p operty, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and beating ro.
Flat ro. 8, 2nd floor, Chang co-op. Housing Society Ltd.,
Junu Church Road, Juhu, Bombay-49,
(and more tuny described in the Schedule annexed hereto),

this been transferred and he agreement. is registered section 259,43 of the income-tax Act, 1961, in the Office of the competent Authority at

Econbay on 11-1-1985

for an appa ent consideration which is less than the fact market value of the afolesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per sem or such apparent consideration and har the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Manster with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, to respect of any income arming from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concentration of any meaning or any moneys of other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the finding Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weal a-ing Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this store in the Official Gazetto or a period of 34 days from the service of actice on the respective persons, whichever period experts later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein in are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, Chand Co-op. Housing Society Ltd.,

The agreement has been registered by the Competent Authoriv, Bomb.y under No. AR-II|37EE|16300|84-85 on 11-1-1985;

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incenie-tax Acquisition Range-II, Bombay

I*te: 9-9-1985

Scal:

FURM IIND

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BUMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16359|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. A 14 Muri Go at Co-op. Houring Society, Tejpal Scheme, Vile Parle (East), Bombay-57,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair smarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurroses of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following or samely:—.

Seal:

(1) Shii Kunhilayii Bharalhan.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gopalan Venkatraman and 2. Smi. Laksami G.

(Transferee)

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions med berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|14 Murli Gonal Co-on. Housing Society, Tojpal Scheme, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority Pembay under Serial No. AR-II|37EE|16359|84-85 on 11-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dirto: 9-9-1985

Seal:

PART III-SEC. 11

FORM LT.N.S.———

(1) Smt. Indra Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tolani Engineers Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16528|84-85,---Whereas, I, PRASANIA KAY.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the Land Act), have reason to believe that the immuvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Plot No. 151, Sheli--i unjab Co-op. Housing Society Ltd., Village Mogra, Andheri (East), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 17-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said enstrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have got been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may ne made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, waschever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given m that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 151, Land in Sher-E-Punjab Co-op. Housing Society Ltd. Village Mcgra, Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Au having mbay under Seriai No. AR-II|37EE|16528|84-85 on 17-1-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tas Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to he followers persons, namely:—

Scal:

Lute: 9-9-1985

FORM ITNS-

(1) S.nt. Mohinder Kaur Virdi

(Transferor)

(2) Tolani Engineers Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION (ASD 1) OF THE INCUME-IAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16612|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

seing the Competent Authority under Section 269B of the Incompetant Authority under Section 2098 of the Incompetant Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1;00,000]—and bearing Plot No. 292, Landin Sher-E-Punjab Co-op. Housing Society Ltd. Village Mog a, Anaberi (E), 60 mbgy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under Section 269AR of the Incompetant Act, 1961, in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid shoeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay 'ax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of the notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 292, Sher-E-Punjab Co-op. Housing Society Ltd., Village Mogra, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been resistered by the Competent Anth rabay under Serial No. AR-II|37EE|16612|84-85 on 18-1-1985.

PRAŞANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tex Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submoving (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dhte: 9-9-1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMDAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR- $\dot{\rm H}$ |37EE|16352|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Agt') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 0, Plot No. S. No. 45 Village Kondivita, Andheri

(E). Bombay-49.

(and more fully described in the Schedule annuxed hereta), has been transferred and he agreemen is region ed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than, he fair market value of the atoresaid property, and I have reason to be better that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hiability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which dught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely ---

(1) Ms. Pankh Vaz Builders.

(Transferor)

(2) Shri U. Indrasenan.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, on 2nd floor in Building on rlot No. 45 R. No. 13, Villege Kondivita, Bamanpuri Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Au hority Bombay under Serial No. AR-II|37EE|16352|84-85 on 11-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 9-9-1985

Seal:

FURM ITNS-

(1) M. R. Subramanian.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) H. P. Vajani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE<u>|</u>16118|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1.00 000]- and bearing No.

7. Mangal Prabha, Gujarati Mandal Vile Parle (E) Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this norther in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pastilianusm at this nation in the Official Canadia.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7. Mangal Prabha, Plot No. 411, Gujarati Mandal, 4th Road, Vile Parle (E), Bembay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority Rombay under Serial No. AR-II|37EE|16118|84-85 on 4-1-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Poto: 9-9-1985

Seal 1

FORM ITNS-

(1) Smt. Usha Umakant Mahimkar.

(Transferor)

1. Smt. S. S. Mahimkar and
 2. Shri S. A. Mahimkar.

(3) Transferec.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. AR-II|37EE|16589|84-85.--Whereat, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax s.e., 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 11. Parle Udyan, Vile Parle (F) Bembay-57, (and more fully deter bed in the Schedule and xed hereto), has been transferred and here tax are many is registered, under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bembay on 18-1-585

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trensferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Parle Udyan Park Road, Vile Parle (E) Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authori v Bembay under Serial No. AR-II|37EE|16589|84-85 on 18-1-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the rollowing persons, namely :---

112-286GI/85

Lite: 9-9-1985

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Aloke Mukherjee, 13, Jodhpur Park, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar Singh, 6A, Rajendra Nagar, Patna-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BIHAR

Patna-800 001, the 17th September 1985

Ref. No. III-987 Acq 85-86.—Whereas I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Holding No. 392|286, Thana No. 4, P.S. Kadamkuan, situated at 'B' Block 65, Rajendra Nagar, Patna-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 81-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 580.22 sq. yards with a single storled building consisting of four rooms, two bath rooms, covered varandah inside, garage and servants quarter bearing holding No. 392|286, Thana No. 4, P.S. Kadamkan situated at 65, 'B' block, Rajendra Nagar, Patna-16 morefully described in Deed No. 378 dated 8-1-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1985

Seal :

150*

48*

37+

28*

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICE EXAMINATION MAY, 1986

New Delhi, the 19th October, 1985

No. F.8|6|85-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 4th May, 1986, for admission to the undermentoned courses:—

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

- Indian Military Academy, Dehra Dun (82nd Course commencing in January, 1987) [Includes 32* vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].
- (2) Naval Academy, Cochin Course commencing in January, 1987.
 - (a) General Service
 [Including 6 reserved for NCC 'C'
 Certificate (Naval Wing) holders.]
 - (b) Naval-Aviation.
- (3) Air Force Academy AFAC, Coimbatore [Pre-Flying Training Course for 141st F(P) Course commencing in January, 1987] [Includes 8 reserved for NCC 'C' Certificate Senior Division (Air Wing) holders].
- (4) Officers' Training School, Madras [45th 250* SSC (NT) Course commencing in May, 1987].

*The above numbers are liable to alteration.

N.B. (i).—A candidate is required to specify clearly in Col. 7 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they express their preference and for no other course(s).

No request for addition alteration in the preferences all ready indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

However, only in case of shortfall on IMA|Naval|Air Force Academies, candidates having OTS as their first choice and also qualified for IMA|Navy|AF can be considered for induction into these courses in order of their choices if otherwise eligible.

- N.B. (ii).—The left-over candidates of IMA|Naval Academy|Air Force Academy Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions:—
 - (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC (NT) Course; and
 - (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.

Norr I: NCC 'C' Certificate (Army Wing)|(Senior Division Alr Wing) | (Naval Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing|Senior Division Air Wing|Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing Senior Division Air Wing Naval Wing) examination to reach the Army HQ|Rtg. 6 (SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA|SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ|R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011, in case of Navy first choice candidates and PO 3(A) Air Headquarters, Wing 7, 1st Floor, West Block No. 6 Ramakrishna Puram, New Delhi-110066 in case of Air Force first choice canddiates by 1st January, 1987.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidates should have served for not less than 2 academic years in the senior Division Army Wing|3 academic years in the Senior Division Air Wing|Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA|Naval Academy|Air Force Academy Courses on the last date of receipt of applications in the Commission's office.

Note II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Lettificate (Army Wing|Senior Division Air Wing|Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Miltary Academy Course|Air Force Academy Course|Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualty in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy|School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE:—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Abmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bor.bay. Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gaubati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jummu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivendrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT ADIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Framination, he must send a letter addressed to the Secretary Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 4th April, 1986 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

- (a) Nationality:-
 - A candidate must either be-
 - (i) a citizen of India, or
 - (ii) a subject of Bhutan, or
 - (iii) a subject of Nepal, or
 - (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pak stan, Burma, Sri Lanka and East Arrican countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanabar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose tayour a certificate of eligibility has been issued by the Covernment of India.

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt, before declaration of result by UPSC.

- (b) Age limits, sex and marital status :-
 - (i) For IMA—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1263 and not later than 1st January, 1968 only are eligible.
 - (ii) For Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not partier than 2nd lanuary, 1965 and not later than 4st lanuary, 1968 are only eligible.
 - (iii) For Officers' Training School—Male candidates married or unmarried) born not earlier than and January, 1962 and not later than 1st January, 1968 are only eligible.

Note: Date of birth as recorded in Matriculation[Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of IMA Navy and Air Force are to submit proof of age (original) while reporting for SSB interview for the purposes of vertification by the Selection Staff.

- (c) Educational qualifications:--
 - For I.M A., Navai Academy and Officers' Training School—Degree of a recognised University or equivalent.
 - (ii) For Air Force Academy:—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics as subjects Candidates who have passed their degree examination with subjects other than physics and/or Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 11th 12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy|Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)] NHQ (R&R Section)|Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ₁Ktg. $\theta(SP)(e)$, New Delhi-110022 in case of IMA₁SSC(N1) lifst choice candidates and Naval HQ₁R&R, Sona Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy hist choice candidates and PO3(A)|Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6 Rama Krishna Puram, New Delhi-110066 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their cardidature will stand cancelled:—

- (i) For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 1st January, 1987.
- (ii) For admission to Officers' Training School, Madras on or before 30th April, 1987.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

- Note I: Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertuined on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination, delay in declaration of results of any other ground whatsoever.
- NOTE II: Candidates who are debarred by the M'nistry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.
- Note III: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagement will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.
- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28|- (Rupees Twenty-eight). Application not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the region between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide displaced resson from erstwhile West Pakistan and has migrated to India during

the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migra'ed to India on after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

- 6. HOW TO APPLY.—Only printed application on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination May, 1986 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—
 - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2|- (Rupees Two) by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
 - (li) On cash payment of Rs. 2|- (Rupees Two) at the counter in the Commission's office.
 - (iii) Free of Charge from nearest Military Area|Sub-Area Headquarters, Naval and Air Force Establishments.

The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries answers should be in words and not by dashes or tlots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertaking or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any cand date forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

fersons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination their application shall be rejected candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (viz. Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur Flouse, New Dethi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 16th December, 1985 (30th December, 1985, in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Fripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaui and Spitt District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 16th December, 1985 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents.

No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Impura, Sikkim, Ladakh Division of J&K Stace, Lahaul and Spin District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lukshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Impura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spin District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lukshadweep or abroad from a date prior to 16th December, 1985.

- NOTE (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of apilications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be respossible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

(A) By all candidates :-

(i) Fee of Rs. 28- (Rupees Twenty-eight) through crossed Indian Postal Order payable to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the Candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the nurpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head '051 Public Service Commission—examination fee' and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested[certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested[certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested certified copy of the Matriculation Higher Secondary Examination Certificates, an attested certified copy of a certificate from the Headmaster Principal of the Institution from where he passed the Matriculation Higher Secondary Examination, showing the date of his birth of his exact ugo is recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application will be rejected.

Note 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COM-PLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

Note 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION|HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE COSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attexted/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested certified conv of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested certified conv of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested|certified copy of the University Certificate of passing the degree or equivalent examination submitted by a candidate competing for the Air Force Academy in support of his educatiomal qualification does not indicate the subjects of the examination, he must submit in addition to the attested|certified copy of University certificate, an attested|certified copy of a certificate from the Principal Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with Physics andlor Mathematics, as subjects of examinations. If however, the candidate has passed his degree or equivalent examination with subjects other than Physics and/or Mathematics, he must, in addition to artested|certified copy of degree or equivalent certificate, submit an attested|certified copy of the University|Board certificate of passing the Higher Secondary Examination (old rattern of the 11th|12th Standard Examination under the 10--2 pattern of school education) or an equivalent examination. In such a case if the attested|certified copy of the University|Board certificate of passing the Higher Secondary Examination old pattern of 11th|12th Standard Examination (under the 10--2 pattern of school education) does not indicate the subjects of the examination, an affested|certified copy of a certificate from the Headmaster|Principal concerned showing that the candidate has passed the examination, must also be submitted.

- (iv) Attendance sheet (attached with the application Form) duly filled.
- (v) Two identical copies of recent passport size (5 cm \sim 7 cm approx) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms ×27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes|Scheduled Tribes candidates:—Attested|certifled copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste|Scheduled Tribe.
 - (C) By candidates claiming remission of fee:-
 - (i) An attested certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- (ii) An attested/certified cory of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate:—
- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan:
 - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

OR

- ii) Additional District Manistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.
- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal!Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repairlates from Sil Lanka.

 High Commission for India in Sri Lanka.
- (c) Repairlates from Rurma;

Embassy of India Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

- (d) Displaced persons from ersiwhile West Pakistan;
 - Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner,
- (D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing)|(Senior Division Air Wing)Naval Wing) holders competing for the vacancles reserved for them in the DMA., Air Force Academy Course and Naval Academy Course.

An attested certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing)Naval Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination.

NOTE:—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

- 9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
 - (i) A refund of Rs. 151- (Rupees fifteen) will be made to a candidate who has paid the p escribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, an application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date no refund of fee will be made to that candidate.
 - (ii) A refund of Rs 281- (Rupees Twenty eight) will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in May, 1985 on in October 1985, and is recommended for admission to any of the courses on the results of any of these Examinations provided his request for concellation of cardidature for the Combined Defence Services Examination May 1986 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th October, 1986.
- 10 ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS—Every application including late one, received in the Commission's Officelis acknowledged and Application Registration Notes issued to the candidate in taken of recept of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not inso-facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any caim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATE FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not fu nish any particulars that are flase or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricared document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of-

 obtaining support for his candidature by any means, or

- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or po-nographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examina-
- (x) harnssing or doing bodily harm to te staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instruction issued to cand'dates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specifled period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; and
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under his paragraph shall be imposed except after-

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed, to hlm, into consideration.
- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF.—
 Only those candidates who quality in the SSB interview are required to submit their original certificates. In su port of their age and educational qualification etc. to Army HQ Rtg. 6.5P) (e), New Deihi-110022 in case of IMA|SSC (N1) hist choice candidates and Naval HQ|RAR, Sena Bhawan, New Delhi-110011; in case of Navy hist choice

candidates and PO 3(A)|Air Headquarters, Wing No. 7, Ist Floor, West Block No. 6 Rama Krishna Puram, New Delhi-110066; in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 1st January 1987 [30th April, 1987 in case of SSC (NT) Only]. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.

- 15. Communications Regarding Applications.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARI-ABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION. REGISTRATION NUMBER ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPILS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii) —IF A LETTER COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF HE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG6(SP) (e) (fi). WEST BLOCK 3, WING, 1, RAMAKRISHNAPURAM NEW DELHI 110022. AND AIR HO (PO3) VAYU BHAWAN, NEW DELHI-110011. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES OUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Brauch, RTG 6(SP) (e) (ii) West Block 3, Wing 1 Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 and PO3(A) Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6 Ramakrishnapuram, New Delhi-110066, in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ|Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles.

- (a) Passport size photographs in white shirt-6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.
- NB. —In case a candidate does not get the interview call for SSB interview for IMA by October, 1986 and by January, 1987 for OTS, he should write Army Headquarters Rtg. 6(SP) (e) West block III, R. K. Puram, New Delhi-110066 regarding non-receipt of the call-up letter.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED. CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and or Navy (S.E.) Course and or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not. will be detailed for S.S. tests in September October, 1986 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December, 1986 January, 1987.

Candidates will appear before the Service Selection Board and undergo the tests there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i), written examination and (ii) SSB toots as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit

on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force, Academy or the officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

Note: Every candidate for the Air Force and Naval Aviation is given Pilot Aptitude. Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails in the first Pilot Aptitude Test cannot apply for admission for the F(P) Branch of the Indian Air Force and Naval Aviation.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy Air Force Flying College, Naval Academy Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School. N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No. candidate for the Short Service Commission (N.T.)

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who having a snouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for admission to the Officer's Training Schoollgrant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

- 21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy. The candidates who resign from IMA[NA] AFA, may be considered for induction into OTS on their merits provided there is shortfall on that particular course.
- 22. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This Publication of designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. The publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines. Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoll Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

M. BALAKRISHNAN Dv. Secv.

APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises:-
 - (a) written examination as shown in para 2 below:
 - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.
- 2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—
 - (a) For Admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Ноше	100
2. General Knowledge .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time allowed		Maximum Marks	
COMPULSORY			· <u> </u>	
1. English	2 Hours	_	100	
2. General Knowledge	2 Hrs.	•	100	
OPTIONAL				
3. Elementary Mathematics of Elmentary Physics .	or 2 H/s.		100	
4. Mathematics of Physics	2 HIs.		150	

^{*}Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper.

(c) For Admission to Officers' Training School

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	. 2 Hours	100
2. General Knowledge .	2 Hours	100

(d) For Admission to Air Force Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	. 2 Hours	100
2. General Knowledge	. 2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Ноигя	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300, 450, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

- 3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.
- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 7. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall
- B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION.

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS

ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidates understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

Arithmetic

Number System—Natural numbers. Integers. Rational and Real numbers. Fundamental operations—udditions, subtraction, multiplication, division, Square roots. Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations, simple factors. Reminder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients (Only read roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Sct language and set notation. Rotional expressions and conditional identities Laws of Indices.

Trigonometry

Sine X, Cocine X, Tangent X when $\theta \le x \le 90^{\circ}$ Values of sin x, cos and x, for $x=0^{\circ}$, 30°, 45°, 60° and 90° Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances,

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems on (i) Propeties of angles at a point (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle. (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles. (vi) Concurrence of medians and altitudes. (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (viii) Circles and its properties including tangets and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be sqlit up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

- (a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MKS units, scalars and vectors, Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force, Units of Force, Mass and weight.
- (b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including Inclined plane Screw and Gears, Friction angle of frictions coefficient of friction. Work, Power and energy Potential and kinetic energy.
- (c) Properties of Fluids.—Pressure and Thrust. Pascal's Law. Archimedies principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedies principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law, Air pumps.
- (d) Heat.—Light expansion of solids and cubical expansion of liquids Real and apparent expansion of liquids Charles Law. Absolute Zero, Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids: calorimetry. Transmission of heat Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity dew point and relative humidity.
- (c) Light.—Rectilinear Propagation, Laws of reflection, Spherical mirrors; Refraction, laws of refraction Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope telescope. Microscope, binocular & Periscope, Refraction through a prism, dispersion.
- (f) Sound.—Transmission of sound; Reflection of sounds, resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism; magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law, P.D., Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer Comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule, Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter. Voltmeter. Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating, Electromagnetic induction. Faraday's Laws, Basic AC & DC-generator.

PHYSICS (Code No. 06)

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia. Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum, Elasticity, Surface tension Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion, Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, memberanes and gas columns. Resonance, beats, stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Vander Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Cornot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications, Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics, Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherial surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic propeties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination thermoelectric effect; Electromagnetic induction, Production of alternating currents Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons, Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity, Artificial radioactivity. Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

MATHEMATICS (Code No. 04)

1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Molver's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. Analytical Geometry

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles systems of circles elipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis) Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals,

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential Calculus—Concept of limit, continuity and Differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation Rolle's theorem, Mean value theorem; Maclaurine and Taylor seriet (proof not needed) and their applications. Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and minima of a function of single variable geometrical applications such as tangent, normal subtangent subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope; Partial, differentiation. Eullers theorem for homogeneous functions.

Integral Calculus.—Standard methods of integration Reimann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification quadrature, volumes and surface area of solids of evolution. Simpsons rule for numerical integration.

Differential Equations.—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statles.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments, couples, Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newtons law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion, Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy, Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous) density function. Mathematical expectation.

Standard distribution.—Binomial Distribution, definition mean and variance, skewness, limiting from simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

Bivariate Distribution.—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error, Simple application of the normal, t, chi² and F distributions for test of significance.

Note:—Out of two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

- 1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit|temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—
 - (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
 - (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over-weight.
 - (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern region of India, Garwal and Kumaon the minimum acceptable height will be 5 cms, less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below;—

Helght and Weight Standards

Height ii	n C-v	·+:	-4.	Weight		
(with			168	18 years	20 years	22 years
152				44	46	47
155				46	48	49
157				47	49	50
160				48	50	51
162				50	52	53
165				52	53	55
168				53	55	57
170				55	57	58
173				57	59	60
175				59	61	62
178				61	62	63
180				63	64	65
183				65	67	67
185				67	69	70
188				70	71	72
190				72	73	74
193				74	76	77
195				77	78	78

A+10% (± 6 Kg. for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limit. However, in individuals with heavy bones and broad built as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms, in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.
- (h) There should be no signs or functional or organic disease of the heart and blood vessel. Blood pressure should be normal.
- (i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (j) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and heelings is completed.
- (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- Urine examination will be done and any abnormality, if detected will be a cause for rejection.
- (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be cause for rejection.
- (n) A candidate should be able to read 6|6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopla should not be more from 3.5 D, and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision

Distant vision . . . 6/6, 6/9 Correctable to 6/6

Myopia is not to exceed 0.5 dioptre and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Occular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

(i) at 6 metres . . . Exoporia 8 prism dioptres, Esophoria 8 prism dioptres, Hyperphoria 1 prism dioptres.

(ii) at 30 cm Exoporia 16 prism dioptres, Esophoria 6 prism dioptres, Hypcphoria 1 prism dioptres.

- (o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.
- 2 In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only:—
 - (a) Antropmetric measurements acceptable for Air Force are as follows:

Height Min. 81.5 cms. & Max. 96 cms.

- (b) X-ray Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying:
 - (i) Granulomatous disease of Spine
 - (ii) Arthritis spondylosis
 - (iii) More than mild kyphosis Lordosis. Scoliosis

 More than 15 by Cobb's method will be
 cause for rejection.
- (iv) Spondylolisthesis spondylysis
 - (v) Herniated Nuclums Pulposis
 - (vi) Compression fracture of Vertebra
 - (vii) Scheuemanns Disease
 - (viii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory deficit.
 - ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.
- (c) X-Ray Chest is compulsory
- (d) Vision

Ocular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

(i) at 6 metres . Exophoria prism dioptres Esophoria 6 prism dipotres. Hyperphoria 1 prism ... dioptres Exophoria 16 prism (ii) at 33 cms. dioptres Esophoria prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptres Myopia Nil Astigmatism + 0.75D only

Blonocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and depth)

- (c) Hearing Standars
 - (i) Speech test Whispored hearing 610 cms each ear.
 - (ii) Audiometric test . Audiometric loss should not exceed +10 db in frequencies between 250 HZ and 400 Hz
- (f) Routine ECG and EEG should be within normal limits.
- 3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.
- 4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILI-TARY ACADEMY, DEHRA DUN
- 1. Before the Candidate joins the Indian Military Academy-
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of firmity or death results in the course of or as a or as a result of the training or where bodily inresult of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlement' cadets'. Gentlement cadets will be dealt with the ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy. Dehra Dun
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 ner mensem If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be elipible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assists and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation forward the application to the Commandant. Indian Military Academy, Debra Dun.

- 4. Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00
 - (b) For items of clothing and equipment—Rs. 800.00 Total: Rs. 1250,00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial positioned being sanctioned to them:—

Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month Rs. 450.00.

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:—
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHA-RASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- 6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpected portion of the allowance will be—
 - (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
 - (b) if he is not granted a commission refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from the allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with

permission of the Government be discharged. Any Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training, Commission will be permanent.
- 9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identified with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous, Military training for a period of 18 months aimed at turning out cofficers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

Rank		Pay Scale	Rank	Pay Scale		
			Rs.		Rs.	
2nd Lieut		٠	750790	Lt. Colonel (Time scale)	1900 flxed	
Lieut			830950	Colonel	1950-2175	
Captain			11001550	Brigadjer	2200-2400	
Major			14501800	Maj. General	2250—125/ 2—2750	
Major (Sel	cctio	n.				
Grade P	av)		1800501	900		
Lt. Colone	1			Lt. Goneral	3000 p.m.	
(By soled	tion)		1750-1950		-	
				Lt. General (Army Command	3250 p.m. lers)	
Lt. Colone (Selectio		ade	2000-50-2100 Pay))		

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt. Col, and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600]-, 24,00|- 4500|- or 6000|- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70|- p.m.

(III) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances-

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 75|- p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving Ex-India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above foreign allowance
- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p.m.
- (c) Outfit Allowance: Initial outfit allowance is Rs. 2100]-

A fresh outfit allowance @ Rs. 1800|- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(f) Free rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

(iv) PUSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

By time scale

Lt	. 2 years of Commissione	d Service
Cat.	. 5 years of Commissioned	l Service,
Major	. 11 years of Commissione	d Service
Lt. Col.	. 21 years of Commissione	d Service

By Selection

Lt. Col	16 years of Commissioned Service
Col	20 years of Commissioned Service
Brigadier .	23 years of Commissioned Service
Major Gen.	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen	28 years of Commissioned Service
General	No restrictions.

(n) Acting promotion

Officers are cligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies.:

Captain .			•	-	3 years
Major					5 years
Lt. Colonel					6 1/2 years.
Colonel .		-			8 1/2 years.
Brigadier					12 years
Major Gene	ral				20 years
Lt. General					25 years.

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN

1. (a) Candidates, finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge Naval Academy Cochin.

(1) Candidates not applying for government financial aid:

(i) Pocket a @Rs. 4.				Rs. 225 ·00
(ii) For items ment		-		Rs. 460 ·00
Total	-		•	Rs. 685 ·00

(2) Candidates applying for Government financial aid:

(i) Pocket a @Rs.		or two	ths	Rs	i. 90 ·00	,
(ii) For itme ment				Rs.	460 -00	
Total		•		Rs.	550 .00	-

- (b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishment as under:
 - (a) Cadets Training including affoat training for 6 months . . 1 year
 - (b) Midshipment affoat Training . 6 months

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificates for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will, however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance upto Rs. 55 per measurem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi:

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

- (iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in shipe and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.
- (iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

 114—286GI/85

- (v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.
- (vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.
- 2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign:—
 - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale General Services			
1	2			
Midshipman	Rs. 560 ·00			
Ag. Sub. Lieut	. Rs. 750 ·00			
Sub. Lieut.	. R. 830 ·00 870 ·00			
Lieut.	. Rs. 1100 ·00— 1450 ·00			
Lieut. Cdr.	. Rs.1450 ·00— 1800 ·00			
Lieut, Cdr. (Selection Grade Phy)	. Rs. 1800 ·00 —1900 ·00			
Commander (By Selection)	Rs.1750 ·001950 ·00			
Commander (By Time scale).	. Rs.1900 00 fixed.			
Commander (Selection Grade Pay)	Rs. 2000 ·00—2100 ·00			
Captain	. Rs. 1950 -2400 00			
	(Commander receives			
	pay to which en-			
	titled according to			
	seniority as Captain			
Rear Admiral .	Rs. 2500 ·00-125 •00/2- 2750 ·00			
Vice-Admiral	. Rs. 3000 -00			
Vice-Admiral (VCNF-FOC-IN-C)	Rs. 3250 ·00			

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances:—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances and interim relief are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowances ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 140 p.m. is admlssible to-
 - (a) married officers serving in non-family station;
 - (b) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports;
- (v) (a) Outfit Allowance: Initial Outfit Allowance is Rs. 2,400|-
 - (b) Renewal Outfit Allowance is Rs. 2.100]-, after every 7 years of effective Sorvice.
- (vi) Free rations are provided upto the level of Commodore (N) in the Navy.
- Note I:—In addition certain special concessions like hard-lying money sub-marine allowance, sub-marine chariot pay, Flying Pay survey bounty, qualification pay|grant, Technical Pay and driving pay are admissible to officers.
- Note II:—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

ub. Lieut. to Lieut. 3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/ forfeiture of sen-

Lieut. to Lieut. Cdr. 8 years seniority as

Lieut. Cdr. to Cdr. (if not promoted

(b) By Selection

Lieut. Cdr. to Cdr. 2-8 years seniority as Lieut. Cdr. dr. to Capt. 4 years seniority as Cdr.

Capt. to Rear Admiral and above. No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

Note.—Further information, if desired, from the Director of Personnel Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL MADRAS

- 1. Before the candidate joins the Officers' Training School, Madras—
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon, or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 90.00 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officers' Training School, MADRAS along with his verification report.
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:....
 - (a) Pocket allowance for ten months at Rs. 90.00 per month . . Rs. 900.00

(b) For items of clothing and equipment .. Rs. 500.00

Total ... Rs. 1400.00

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries nurchosed from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however.

be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.
- 7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of Commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a courst of training at the Officers' Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2|Lt. from the date of successful completion of training.

10. Terms and conditions of Service

(a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated any time whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay of 2|Lt. and Lieut are-

- (e) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers' Training School and before assumption of duties under the provisions of the Rule 91 ibid.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
 - (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
 - (ii) on account of medical unfitness; or
 - (iii) if his services are no longer required; or
 - (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.
- (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or upto the age of 40 years whichever is earlier.

(i) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

- 1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).
 - (a) Direct Entry.—Selection is made through a written examination conducted by the Commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interviews.
 - (b) NCC Entry—Applications form NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interviews.
- 2. Detailing for Training.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical estab-

lishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. Training.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

Insurance cover during Flying Training.—Air Force Group Insurance Society would pay Rs. 30,000/- as Ex gratia award to the next-of-kin of a flight cadet drawn from Civil life and under-going flying training in an unfortunate eventuality. In case a flight cadet undergoing flying training is medically invalided and boarded out, he would be paid Rs. 25,000/-as Ex gratia award for 100% disability and this reduces proportionately upto 20%.

Once, flight cadets are granted pay and allowances by Government, the death cover would be Rs. 50,000/- and the disability cover would be Rs. 25,000/- for 100% disability This cover would be provided by AFGIS on payment of monthly non-refundable contribution of Rs. 76/- by each flight cadet undergoing flying training for which membership would be compulsory.

Conditions governing Financial Assistance

- (i) While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Air Force Administrative College are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure, financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent guardian for a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College, submit an application through the District Magistrate of his district who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant, Air Force Administrative College Red Fields, Coimbatore.
- (ii) Candidates finally selected for training at the Air Force Administrative College will be required to deposit the following amount with the commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for five months @ Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.
 - (b) For item of clothing and equipment Rs. 525.00 Total: Rs. 975.00.

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of fluancial assistance being sanctioned:—

Pocket allowance for the five months at Rs. 90,00 per month—Rs. 450.00.

4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 2450/- p.m.

which includes flying pay of Rs. 750/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron I eader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promision Officers have good chances of higher promotions.

5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive Rank						Flying Branch	
Plt. Offr				,		Rs 825—865	
Flg. Offr	-					910 1030	
fli. Li.			•			1150—1550	
Sqn. Ldr.	•			•		1450—1800	
Wg. Cdr	,					1550—1950	
Gp. Capt			-			1950—2175	
Air. Comde.						2200 - 2400	
Air Vice Mars	hal	,	•			2550 2750	
'Air Marshal	,		,			3000	

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 75[- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

W. Cdr. and below		Rs. 750 00 P.M.
Gp. Capt. and Air Comde .		Rs. 666 00 P.M.
Air Vice Marshal and above		Rs. 600 00 P.M.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70]-, and 100]- and grants are Rs. 6,000]-. Rs. 4,500]-, Rs. 2,400]- and Rs. 1,600]-.

Exputriation Allowance.—Ranging from 25 per cent to 40, per cent (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary|Second Secretary|First Secretary|Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowances.—Married Officers posted to Units Formations located at non-family stations areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs 140|- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 2,100|- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform|equipment which an officer has to possess: Rs. 1,800|- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning.

Free rations are provided upto the level of Air Commodore in the Air Force.

6. Leave and Leave Travel Concession

Annual Leave-60 days a year.

Casual Leave. -- 20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 1450 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave once every year on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1450 Kms each way is admissible for self, wife and dependent children.

Officers when travelling leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60 per cent of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. Pensionary Benefits

Retiring Rank substantive	Minimum length of qualifying service	Standard rate of retiring Pension	
<u>i</u>	2		
···_		Rs.	
Plt. Offr /Fg Offr	20 years	M.q 00,000	
Pt. Lt.	· . 20 years	825 ⋅00 P.M.	
Sqn. Ldr.	22 years	950,00 P, M.	
Wg. Cdr. (Time Sc	ale) . 26 years	1025 ·00 P.M	
Wg. Cdr. (Selective) . 24 years	1025 -00 P M	
Gp. Capt.	26 years	1175 ·00 P.M	
Air Comde	. 28 years	1275.00 P.M	
Air Marshal .	30 years	1500,00 P.M.	
Air Marshal VCA AOSC-in-C.		1500.00 P.M.	
AirChief Marshal	30 years	1700.00 P.M. (Unrevised)	

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President is as under:---

- (a) For 10 years service—Rs, 12.000|- less 1½ month's pay of rank last held.
- (b) for every additional year—Rs. 1200]-less i month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to \$\frac{1}{2}\$th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to maximum of 16\frac{1}{2}\$ times of the emoluments not exceeding Rs. 50,000|-is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:—

- (a) two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) six months pay, if death occurs after the first year but before completion of five years;
- (c) minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group bousing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.

APPENDIX IV

(a) The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri — son
of Shri of village town*
in District Division* of the
State Union Territory* — belongs to the
Caste Tribe* which is recognised as a
Scheduled Caste Scheduled Tribe* under :
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@.
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@.

the Constitution (Scheduled Castes (Union Territories) Order, 1951@.
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951@.
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay Reorganisation Act 1960 the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders ((Amendment) Act, 1976]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956@.
the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976@.
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@.
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@.
the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964@.
the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967@.
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@.
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@.
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes, Order, 1970.@
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978.@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.@.
%2. Applicable in the case of Scheduled Castes Scheduled Tribes persons who have migrated from one State Union Territory Administration.
This certificate is issued on the basis of the Scheduled Caste Scheduled Tribe certificate issued to Shri Shrimati
of village town in District Division of the State Union Territory who belong to the caste tribe which is recognised as a Scheduled Caste
Scheduled Tribe in the State Union Territory* issued by the dated
%3. Shri and or* his family ordinarily reside(s) in village town* of of
Signature
Place
Date
*Please delete the words which are not applicable.
@Please quote the specific Presidential Order. **Delete the paragraph which is not applicable.
Note.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 80 of the repre-

sentation of the People Act, 1950.

Certificates.

**List of authorities empowered to issue Caste|Tribes

- (i) District Magistrate Additional District Magistrate Collector Deputy Commissioner Additional Deputy Commissioner Deputy Commissioner Class Stipendiary Magistrate City Magistrate Sub-Divisional Magistrate Taluka Magistrate Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.
 - @ not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate.
- (ii) Chief Presidency Magistrate Additional Chief Presidency Magistrate Presidency Magistrate
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub Divisional Officer of the area where the candidate and or his family normally resides.
- (v) Administrator Secretary to Administrator Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each quistion (hereafter referred to as item) several suggested; answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

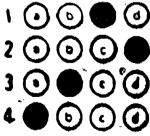
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The Test Booklet will be set in English only. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your responses on the answer sheet. Responses marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circle on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet, in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATION

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may loose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instruction given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission and the with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll. No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hell, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your will depend only on the number of correct responses neated by you. There will be no negative marking.

G CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collect all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: --*denotes the correct best anwser spation)
(General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because:

- (a) the pressure of the blood is ess than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2 (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of measures indicated below:—

- *(a) spraying with growth regulaters
 - (b) planning wider apart
 - (c) planting in the correct season
 - (d) planting with close spacing.

4 (Chemistry)

The anhydride of H₂ VO₄ is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂ O₂
- *(d) V2 O5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue products are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6 (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitibility 9. If C denotes the velocity of propagation in free space the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- (d) C|9
- *(c) C|3

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- (b) Labradorite
- (c) Affile
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d2y}{dx^2} = \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y = ae^x \times be x$
- *(d) y= ae -d

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variation is 5. The variance can be

- (a) 4^2
- (b) 3
- (e) 8
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources.
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma.
- (c) it has excellent forest resources.
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12 (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhisim.
- (b) Brahmanism was highly formalised and pretentions religion.
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the backgreand.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimamsa
- (b) Nyaya Vaisesika, Janism and Buddhism Carvaka
- (c) Advaita, Vedanta, Samkhyo Carvaka, Yosa
- *(d) Buddhism, Samkhya, Miniamsa Carvaka

4. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation ugh Trade Unions:

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj Institutions in India have brought about one of the following:

- ^k(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived class
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.